वार्षिक प्रतिवेदन

(01.04.2022 से 31.03.2023 तक

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत, 495009
दूरभाष 07752-260209 फैक्स 07752-260154
वेबसाईट : www.new.ggu.ac.in
ई–मेल : centraluniv@ggu.ac.in

Prof. Alok Kumar Chakrawal
कुलपति

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, 495009 छत्तीसगढ़, भारत
e-mail: vcpaggu@yahoo.com
दूरभाष –07752.260283, 260481
फैक्स : 07752–260148

आमुख

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) का वार्षिक प्रतिवेदन सत्र 2022–23 के लिए प्रस्तुत करना मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है। इस प्रतिवेदन में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपलब्धियों को शामिल किया गया है, जो कि राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालय के सार्थक योगदान का परिसाक्ष्य हैं। यह हमारे संसाधनों एवं ज्ञान के सर्वोत्कृष्ट उपयोग के द्वारा सम्भव हो पाया है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में ग्यारह (11) विद्यापीठों के अंतर्गत बत्तीस (32) विभाग हैं जिनमें एक सौ चौदह (114) कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में नौ हजार आठ सौ (9800) से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं। विश्वविद्यालय ने गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों की नियुक्ति की है। हमने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के प्रवेश के लिए सीयूईटी (CUET) की प्रक्रिया को अपनाया है जिसके परिणाम स्वरूप अत्यधिक संख्या में प्रतिक्रियाएं आवेदन के रूप में प्राप्त हुई हैं। बेहतर शिक्षण–अधिगम हेतु कई नये भवन विश्वविद्यालय को प्रदान किये जा रहे हैं। बाहर से आने वाले विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में विश्वविद्यालय परिसर में सुविधाजनक आवास हेतु नये छात्रावास प्रदान किये गये हैं।

शोध क्रियाकलापों एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के विकास एवं गुणात्मक विकास हेतु विश्वविद्यालय ने 25 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं। इस दौरान केंद्र / राज्य सरकार की अनुदान संस्थाओं के द्वारा कई शोध परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं जिनमें जंतु विज्ञान एवं गणित विभाग की 02 डीएसटी–फिस्ट (FIST) गौरवपूर्ण परियोजनाएं हैं, जो अत्याधुनिक सुविधाओं को विकसित करने में सक्षम बनाएंगी।

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के कियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस हेतु विश्वविद्यालय में कई महत्वपूर्ण कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियों के आयोजन किये गये एवं इसके कियान्वयन के लिए इससे संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा एवं संवाद हेतु समय–समय पर विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया। विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों ने इस विषय पर उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में अपने शोध पत्र प्रकाशित किये जिन्हें कि राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अकादमिक मंचों पर सराहा गया। इसके अतिरिक्त कई कार्यशालाएं, संगोष्ठी एवं सिंपोजियम ऑनलाइन / ऑफलाइन माध्यम से आयोजित किये गये। नैक प्रत्यायन की प्रकिया चल रही है एवं एसएसआर की तैयारी अंतिम चरण में है। नैक प्रत्यायन के सहकर्मी टीम का दौरा वर्ष के अंत में होना सुनिश्चित किया गया हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों हेतु यूजीसी–एचआरडीसी जीजीवी के द्वारा कई पुनश्चर्या पाठ्यकम एवं प्रशिक्षण कार्यकमों आदि का आयोजन किया गया।

छात्रों को कड़ी मेहनत करने एवं विभिन्न प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर की जैसे– पीएससी, यूजीसी नेट, गेट, जीपेट, इत्यादि द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं में अभूतपूर्व सफलता हासिल करने के लिए शिक्षकों द्वारा प्रोत्साहित किया गया। पर्याप्त संख्या में विद्यार्थियों में पीएससी एवं कई निजी क्षेत्र की कम्पनियों में स्थानन प्राप्त किये एवं कई विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा का चयन किया।

विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के कार्यक्रमों जैसे एक भारत श्रेष्ठ भारत, उन्नत भारत अभियान का आयोजन किया साथ ही साथ एनसीसी एवं एनएसएस के अंतर्गत समय–समय पर विभिन्न कियाकलापों का आयोजन किया एवं भारत सरकार के निर्देशानुसार समय–समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हमने लिंग संवेदना, रैगिंग मुक्त परिसर एवं दिव्यांगजनों के लिए सौहार्द्रपूर्ण वातावरण तैयार करने हेतु सार्थक प्रयास किये हैं। हम विद्यार्थियों को अकादमिक एवं सह–अकादमिक गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करते हैं। विश्वविद्यालय ने आत्मनिर्भरता हेतु नई पहल 'स्वावलंबी छत्तीसगढ़' प्रारम्भ की है जिसमें विद्यार्थियों को इस प्रकार प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है कि वे पठन–पाठन के साथ–साथ अपने आय के स्त्रोत निर्मित कर सकें। विश्वविद्यालय का मनोवैज्ञानिक प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को तनाव मुक्त रहने में सहयोग प्रदान करता है।

मैं इस अवसर पर वार्षिक प्रतिवेदन टीम को इस व्यापक, संरचित एवं सुसंगठित प्रतिवेदन तैयार करने के लिए हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

विश्वविद्यालय : दृष्टि एवं उद्देश्य

दृष्टि

18 वीं शताब्दी के महान सतनामी संत गुरु घासीदास के विचारों एवं शिक्षा से प्रेरित होकर गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, गुणवत्तायुक्त उच्च शिक्षा की सहायता से सामाजिक सशक्तिकरण, विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के सशक्तिकरण हेतु प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के उभरते अंतर–अनुशासनात्मक {ात्रों में गुणवत्तापूर्ण नवीन अकादमिक पाठ्यक्रम को उपलब्ध कराने एवं इसे सुदृढ़ करने पर है, जिससे न केवल विश्वविद्यालय, बल्कि अकादमिक जगत के ज्ञान भण्डार का भी निरंतर विकास हो। विश्वविद्यालय का उद्देश्य मूल्य आधारित संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना भी है, जिससे मानवता की सेवा हेतु सुशिक्षित समुदाय की अभिवृद्धि एवं विकास किया जा सके।

उद्देश्य

- निर्देशात्मक एवं शोध सुविधाओं के माध्यम से ज्ञान का विकास एवं प्रसार।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक कार्यक्रमों में एकीकृत पाठ्यक्रम हेतु विशेष प्रावधान।
- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया एवं अंतर–अनुशासनात्मक अध्ययन तथा शोध में नवीन ज्ञान को प्रोत्साहित करने हेतु यथोचित उपाय।
- राष्ट्र के विकास हेतु मानव शक्ति का शिक्षण एवं प्रशिक्षण।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विकास हेतु उद्योगों से संबंध स्थापित करना।
- ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रमों का निरूपण एवं आरंभ, जो व्यक्तियों, विशेषतः आवश्यक सुविधा से वंचित व्यक्तियों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकें तथा उनके बौद्धिक, अकादमिक व सांस्कृतिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर सके।

प्रेरणास्त्रोत

गुरु घासीदास

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का नामकरण दूरदर्शी समाज सुधारक संत गुरु घासीदास (1756–1836 ई.) के नाम पर हुआ है, जिन्होंने तत्कालीन भेदभाव पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को चुनौती दी और शोषण मुक्त एवं वंशानुगत जाति–व्यवस्था का खंडन कर सामाजिक समरसता को महत्व प्रदान किया। गुरु घासीदास जी ने सर्वग्राही दृष्टि एवं चरणबद्ध सुधार के माध्यम से प्रचलित सामाजिक अन्याय एवं असमानता को दूर करने में योगदान दिया। सतनाम पंथ 'सत्य ही ईश्वर है' में विश्वास करता है जो निर्गुण निराकार और अनन्त है। उनके द्वारा मदिरा–मांस के निषेध द्वारा आत्मशुद्धि का प्रयास किया गया। गुरु घासीदास के सिद्धांतों में चर–अचर के प्रति प्रेम एवं प्राणी मात्र के प्रति हिंसा निषेध प्रमुख है। सतनाम पंथ के अनुयायी सैकड़ों वर्षों से इन उपदेशों का अनुकरण करते आ रहे हैं। केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन के उपरांत गुरुजी के विचारों को जीवन में उतारने के लिये विश्वविद्यालय प्रशासन ने अनेक कदम उठाये हैं। वर्तमान में हमारा विश्वविद्यालय परिसर मदिरा एवं तम्बाकू से पूर्णतः मुक्त है। गुरुजी की शिक्षाओं के अनुरूप भारत भर से आये विभिन्न वर्गों एवं जातियों के विद्यार्थियों के लिए समताधर्मी वातावरण विश्वविद्यालय के जीवंत परिसर में उपलब्ध है।

कुलगीत

गुरु कृपा के पुण्य परस से, विद्या का वरदान है।
घासीदास विश्वविद्यालय, हम सब का अभिमान है।

महानदी, शिवनाथ, नर्मदा, हसदो पावन धारा है।
अंतःसलिला अरपा का, सतत् प्रवाह हमारा है।
छत्तीसगढ़ की माटी का, यह अभिषेक महान है।

भोरमदेव, सरगुजा, शिवरी, रतनपुर, मल्हार यहीं।
कालीदास का आम्रकूट है, अमर काव्य श्रृंगार यहीं।
धरती, गगन, सघन वन गूंजे, जीवन का नवगान है।

शस्य श्यामला धरती है, खेतों में हरियाली है।
नये भगीरथ कोरबा जैसी, लोक–शक्ति की लाली है।
जाग उठे हैं गांव हमारे, जागे सभी किसान हैं।

ज्ञान सभ्यता से आलोकित, विद्वत्जन सम्मान यहां।
माधव, लोचन, मुकुटधर पाण्डेय, बख्शी जी अरू भानु यहां।
राव, विप्र, रविशंकर, छेदी, कुंवर वीर का गान है।

मानव मूल्यों का सृजन करें हम, समता, ममता, शांति भरे।
हर्षित, पुलकित हो भारत माँ, सुख–समृद्धि सर्वत्र झरे।
विद्या–मंदिर के प्रांगण से, नव–युग का अभियान है।

गुरु कृपा के पुण्य परस से ....

(यह कुलगीत प्रसिद्ध राजनेता, साहित्यकार एवं कवि स्वर्गीय पं. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, प्रथम अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा रचित है।)

संपादन समिति

प्रो. चंद्रशेखर वझलवार प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग	अध्यक्ष / समन्वयक
(हिंदी संपादन समिति)	
डॉ. मुरली मनोहर सिंह सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग	अध्यक्ष
डॉ. रमेश कुमार गोहे सहायक प्राध्यापक, हिन्दी विभाग	सदस्य
डॉ. सांत्वना पाण्डेय सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग	सदस्य
डॉ. ज्योति वर्मा सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग	सदस्य
डॉ. बसंत कुमार सहायक प्राध्यापक, शिक्षा विभाग	सदस्य
डॉ. विकास चंद्रा सहायक प्राध्यापक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	सदस्य
श्री अखिलेश तिवारी हिन्दी अधिकारी	सदस्य
श्री आदित्य शुक्ला हिन्दी अनुवादक	सदस्य
मुख्य पृष्ठ रूपांकन समिति	
डॉ. अमित जैन केमिकल इंजीनियरिंग विभाग	
आँकड़ा संग्रहण	
श्री एच. एन. चौबे संयुक्त कुलसचिव, विकास विभाग	समन्वयक
श्री अश्वनी शुक्ला कार्यालय सहायक, विकास विभाग	सदस्य
आँकड़ा संकलन	
श्री एस. लोनारे सहायक कुलसचिव, विकास विभाग	समन्वयक
श्री प्रशांत जायसवाल तकनीकी सहायक, विकास विभाग	सदस्य
सचिवालय सहायता एवं मानव संसाधन	
डॉ. अभिदीप तिवारी सहायक कुलसचिव, प्रशासन	समन्वयक
वार्षिक प्रतिवेदन प्रिंटिग एवं वितरण विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, स्टोर शाखा	
छायाकंन **श्री सत्येश भट्ट** जनसंपर्क अधिकारी	समन्वयक
अभिलेख संधारण	
श्री दिलीप गुप्ता, विकास विभाग	सदस्य
श्री अश्वनी शुक्ला, विकास विभाग	सदस्य

अनुक्रमणिका

भाग–1

		PAGE NO.
1.	**प्रस्तावना**	
1.1	विश्वविद्यालय : एक दृष्टि	14
1.2	शैक्षणिक पाठ्यक्रम	17
2.	**विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग**	
2.1	**विश्वविद्यालय के विद्यापीठ**	21
2.1.1	कला	21
2.1.2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	25
2.1.3	विधि	42
2.1.4	जीव विज्ञान	47
2.1.5	प्रबंध एवं वाणिज्य अध्ययन	55
2.1.6	गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान	62
2.1.7	प्राकृतिक संसाधन	69
2.1.8	भौतिकी विज्ञान	73
2.1.9	सामाजिक विज्ञान	77
2.1.10	शिक्षा	87
2.1.11	अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान	94
2.2	सूचना संचार तकनीकी एवं अभिकलन सुविधाएँ	106
2.3	मानव संसाधन विकास केंद्र	107
2.4	राष्ट्रीय त्वरक आधारित शोध केंद्र	109
2.5	लुप्तप्राय भाषाओं के लिए केंद्र	121
2.6	डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र	123
3.	**मानव संसाधन**	
3.1	शिक्षक सदस्य	126
3.2	गैर–शैक्षणिक कर्मचारी	126
4.	**छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएँ**	
4.1	छात्र संख्या	128
4.1.1	कुल छात्र संख्या	128
4.1.2	नए नामांकन	128
4.1.3	विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग की छात्र संख्या	128
4.2	परीक्षा परिणाम, विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि	160
4.2.1	संपूर्ण परिणाम	160
4.2.2	विभूषित उपाधि एवं पत्रोपाधि	160
4.2.2.1	कला विद्यापीठ	160

4.2.2.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ 160
4.2.2.3 विधि विद्यापीठ 161
4.2.2.4 जीव विज्ञान विद्यापीठ 161
4.2.2.5 प्रबंध एवं वाणिज्य विद्यापीठ 161
4.2.2.6 गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान विद्यापीठ.................... 162
4.2.2.7 प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ 162
4.2.2.8 भौतिकीय विज्ञान विद्यापीठ 162
4.2.2.9 समाज विज्ञान विद्यापीठ 163
4.2.2.10 चिकित्सा विज्ञान विद्यापीठ 163
4.2.2.11 शिक्षा विद्यापीठ 164
4.2.3 कुल जारी उपाधि 164
4.2.4 कुल द्वितीय प्रति अंक–पत्र जारी 164
4.2.5 कुल ट्रांसक्रिप्ट जारी.................... 164
4.2.6 कुल प्रव्रजन प्रमाण पत्र जारी 164
4.2.7 कुल अस्थायी उपाधि प्रमाण पत्र जारी 164
4.2.8 कुल अभिप्रमाणन 165
4.3 छात्र सुविधाएँ.................... 165
4.3.1 अधिष्ठाता, छात्र कल्याण 165
4.3.2 कुलानुशासक मण्डल 171
4.3.3 फैलोशिप एवं यात्रा हेतु वित्तीय सहायता 171
4.3.3.1 फैलोशिप.................... 171
4.3.3.2 शिक्षकों एवं छात्रों हेतु अनअसाइंड अनुदान.................... 171
4.3.3.3 पी.डी.एफ. तथा परियोजनाओं के लिए प्रदत्त अनुदान/अध्येतावृत्ति.................... 172
4.3.4 आवासीय सुविधाएँ 173
4.3.5 व्यायामशाला 178
4.3.6 केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ 178
4.3.7 आधिकारिक छात्र पत्रिका – 'उड़ान' 182
4.3.8 तरंग 183
4.3.9 अर्चिन्स 185
4.3.10 अभिनर्तन.................... 186

5. सामान्य सुविधाएँ 187
5.1 आवासीय सुविधाएँ.................... 187
5.2 सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह 188
5.3 केन्द्रीय ग्रंथालय.................... 189
5.4 कैफेटेरिया 191

5.5 केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग....... 191
5.6 बच्चों का पार्क 192
5.7 स्वास्थ्य केन्द्र 193
5.8 आंतरिक गुणवत्ता एवं मूल्यांकन प्रकोष्ठ 193
5.9 स्वाभिमान थाली....... 194
5.10 मीडिया प्रकोष्ठ....... 196
5.11 राजभाषा प्रकोष्ठ 197
5.12 डाकघर एवं बैंक 198
5.13 मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र....... 198
5.14 सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ (आर.टी.आई.) 199
5.15 एस.टी.डी./पी.सी.ओ. एवं फोटोकापी कार्नर 199
5.16 अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ 199
5.17 खेल सुविधाएँ....... 200
5.18 विभिन्न एम.ओ.यू. 200
5.19 विश्वविद्यालय के छात्रों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त छात्रवृत्तियाँ....... 203

6. एमएचआरडी/यूजीसी/भारत सरकार की विविध योजनाओं का कियान्वयन 207

6.1 एलुमनी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय 207
6.2 विश्वविद्यालय एंटी रैगिंग समिति 208
6.3 शिकायत समिति 209
6.4 मुख्य सतर्कता अधिकारी 210
6.5 एक भारत – श्रेष्ठ भारत 211
6.6 जेंडर चैम्पियन 212
6.7 इन्क्यूबेटर सेल 212
6.8 इन्डस्ट्री इंटरफेस सेल 213
6.9 मैसिव ऑनलाईन ओपन पाठ्यक्रम 214
6.10 ऑनलाईन छात्र शिकायत निवारण प्रकोष्ठ 214
6.11 कौशल विकास प्रकोष्ठ 214
6.12 नैशनल कैडेट कोर (एनसीसी)....... 216
6.13 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)....... 226
6.14 सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ....... 229
6.15 केंद्रीय विश्वविद्यालय एकीकृत पोर्टल अन्वेषण 230
6.16 च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम 230
6.17 स्वच्छ भारत....... 231
6.18 जीजीवी स्वर्ण लाईन– जीएसएल....... 233
6.19 महिमा गुरु पीठ 235

भाग दो परिशिष्ट

PAGE NO.

परिशिष्ट – I विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

(अ) विश्वविद्यालय सभा 237
(ब) कार्यपरिषद् 239
(स) विद्यापरिषद् 240
(द) सत्र के दौरान संपन्न बैठकें 244

परिशिष्ट – II विश्वविद्यालय के अधिकारी 245

(अ) विश्वविद्यालय के अधिकारी 245
(ब) विद्यापीठों के अधिष्ठाता 245
(स) विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी 246
(द) विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अध्यक्ष 246

परिशिष्ट – II विश्वविद्यालय के शिक्षक.......... 248

(अ) विश्वविद्यालय के शिक्षक.......... 248
(ब) गैर शैक्षणिक कर्मचारी.......... 263

परिशिष्ट – IV विश्वविद्यालय के शिक्षकों का अकादमिक योगदान.......... 271

(अ) प्रकाशन.......... 271
(ब) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं में सहभागिता.......... 276
(स) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन.......... 281
(द) शोध परियोजनाएँ.......... 283

- संचालित शोध परियोजनाएँ.......... 283
- स्वीकृत शोध परियोजनाएँ.......... 288
- प्रस्तुत शोध परियोजनाएँ.......... 291

(ई) पेटेंट डिटेल्स.......... 293

परिशिष्ट – V छात्रों की उपलब्धियाँ –.......... 298

(अ) परिसर चयन.......... 298
(ब) विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों की उपलब्धियाँ.......... 306

भाग.1

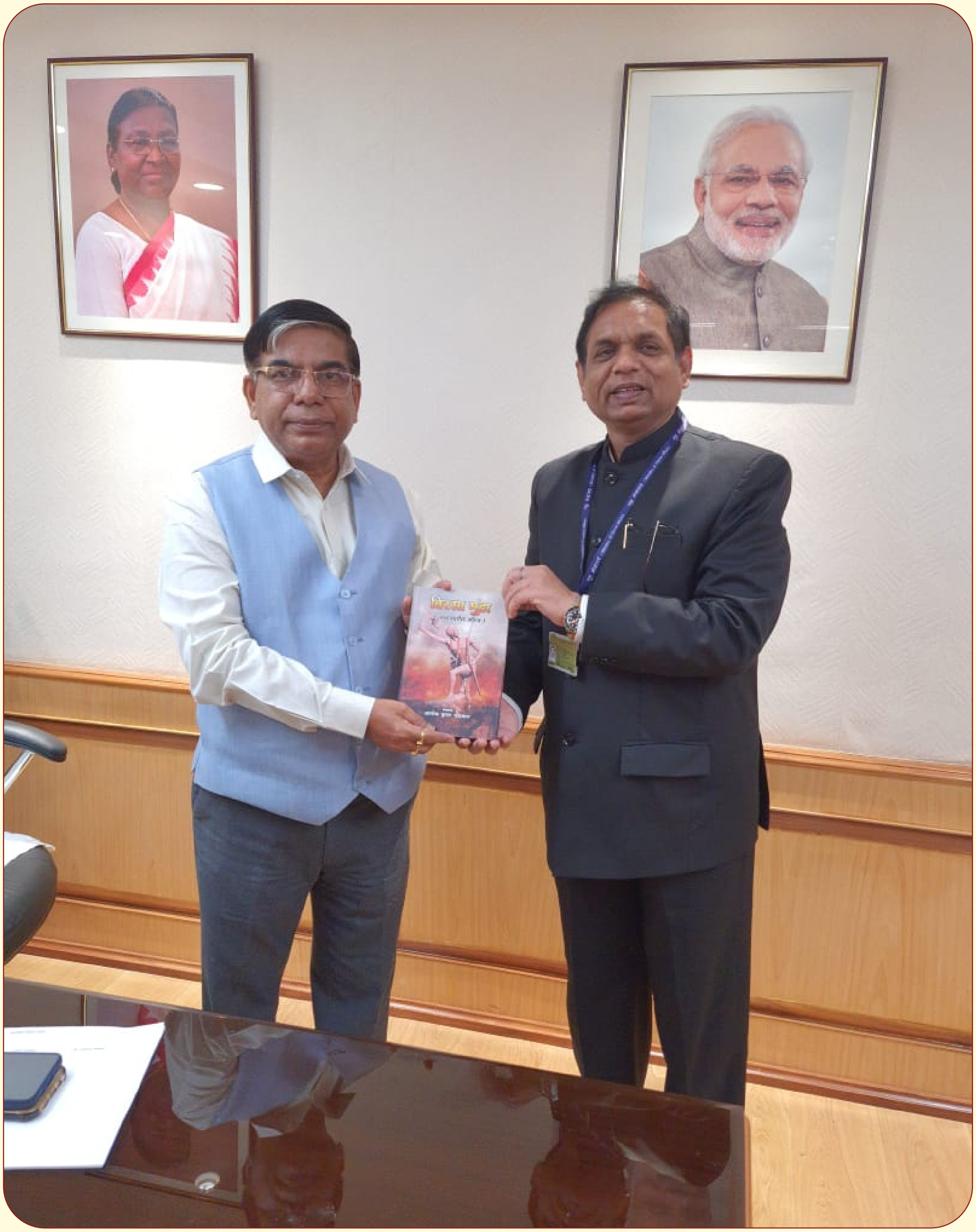

1. प्रस्तावना

1.1 विश्वविद्यालय : एक दृष्टि

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, सन् 1983 में स्थापित एक आवासीय विश्वविद्यालय है। 18 वीं सदी के महान सतनामी संत गुरु घासीदास के नाम पर स्थापित इस विश्वविद्यालय का उन्नयन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में, ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत हुआ। यह भारतीय विश्वविद्यालय संघ और कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन का सक्रिय सदस्य है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा बी ग्रेड मान्यता प्राप्त है।

बिलासपुर बहु–संस्कृति वाला नगर है, जो न्यायधानी तथा संस्कारधानी के नाम से लोकप्रिय है। यहां दक्षिण–पूर्व–मध्य रेलवे और दक्षिण–पूर्व कोलफील्ड लिमिटेड के मुख्यालय हैं। विश्वविद्यालय का आरंभ कुछ विभागों के साथ, बिलासपुर नगर के अस्थायी भवनों में, बहुत सामान्य–सी स्थितियों में हुआ। तदुपरांत, यह कोनी क्षेत्र में स्थित द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान निर्मित आर्मी बैरकों में स्थानांतरित हुआ जो कि अरपा नदी के बायीं ओर स्थित है। विश्वविद्यालय परिसर 656 एकड़ भूमि पर फैला हुआ है। परिसर प्राकृतिक रूप से हरा–भरा, जलस्रोतों एवं अनुपम हरियाली के कारण अप्रतिम सौंदर्यशाली है।

विश्वविद्यालय युवा प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करता है और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को सरलता पूर्वक कौशल संपन्न करने के साथ–साथ ज्ञान की विभिन्न शाखाओं के माध्यम से चरित्र एवं व्यक्तित्व निर्माण पर जोर देता है। विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी संस्थान सन्निहित है। विश्वविद्यालय में ग्यारह विद्यापीठ के अंतर्गत 32 शिक्षण विभाग हैं। यह 114 स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के साथ–साथ डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित करता है। इन सभी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। प्रौद्योगिकी संस्थान एवं प्रबंध अध्ययन विभाग में प्रवेश क्रमशः ऑल इंडिया इंजीनियरिंग इंट्रेंस एक्जामिनेशन (एआईईईई) और कॉमन मैनेजमेंट एप्टीट्यूड टेस्ट (सीमैट) के माध्यम से होता है। शैक्षणिक सत्र 2022–23 के दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों में 9879 विद्यार्थी पंजीकृत हुए।

छत्तीसगढ़ लंबे समय से पिछड़ा क्षेत्र रहा है। वर्तमान में यह देश के सर्वाधिक तेजी से विकास कर रहे राज्यों में से है। इस राज्य को बड़ी संख्या में कौशल संपन्न मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के लोग गुणवत्तायुक्त शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से इस अवसर का लाभ बेहतर ढ़ंग से प्राप्त कर सकते हैं। विश्वविद्यालय वर्तमान में वैश्विक मानकों के अनुरूप, शिक्षण एवं सीखने की प्रक्रिया को, बनाने के लिए कृतसंकल्प है। विश्वविद्यालय शिक्षण की गुणवत्ता वृद्धि हेतु, राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रशिक्षण प्राप्त, नए शिक्षक सदस्यों की नियुक्ति कर रहा है। विश्वविद्यालय विद्यार्थी –शिक्षक अनुपात को आदर्श स्थिति में लाने के लिए प्रतिबद्ध है। अध्ययन कक्षों को अच्छे फर्नीचर, आवश्यकतानुसार वातानुकूलन तथा एल सी डी प्रोजेक्टर जैसी सुविधाओं से आधुनिकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों का सतत् मूल्यांकन, आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा, असाइनमेंट और सेमेस्टर परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में पारदर्शिता हेतु कक्षाओं में आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा की उत्तर–पुस्तिकाओं को दिखाया जाता है एवं विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार हेतु उनकी सहायता की जाती है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की क्षमता की अभिवृद्धि के लिए समुचित सुविधा उपलब्ध कराता है जिसमें छात्रावास, कैफेटेरिया, व्यायामशाला, एमीनिटी सेंटर, वाई–फाई आदि हैं। विश्वविद्यालय विभिन्न उपचारात्मक कक्षाओं, स्पोकन इंग्लिश, व्यक्तित्व विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से पराम्परागत रूप से पिछड़े अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास हेतु सौहार्द्रपूर्ण एवं उपयुक्त वातावरण के लिए आवश्यक कदम उठाए गये हैं। परिसर एवं छात्रावास में बेहतरीन खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के खेलों की सुविधा प्रदान करने के लिए नये जिमनेजियम का निर्माण किया जा रहा है, परिसर को जीवन्त रखने के लिए वर्ष पर्यन्त गतिविधियाँ आयोजित की गयी जिसमें गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षा दिवस, विवेकानंद

जयंती, शिक्षक दिवस, महात्मा गाँधी जयंती, गुरू घासीदास जयंती आदि प्रमुख हैं। विश्वविद्यालय में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ–साथ विद्यार्थियों को सामाजिक–सामुदायिक भागीदारी हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। इन गतिविधियों के द्वारा विद्यार्थी जीवन की प्रतियोगी संस्कृति के अभ्यस्त होते हैं। समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं, जिससे विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण व्यक्तियों के विभिन्न जीवानानुभवों संबंधी नए विचार प्राप्त होते हैं। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों द्वारा विद्यार्थियों के प्रायोगिक ज्ञान के लिए फील्ड वर्क , औद्योगिक इकाइयों की यात्रा एवं शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया जाता है।

विकासगत प्रक्रियाओं की चुनौतियों का सामना करने के लिए विश्वविद्यालय समुदाय गुणवत्तायुक्त शोध एवं विकास के विभिन्न क्षेत्रों के माध्यम से बेहतर सामाजिक योगदान के लिए तत्पर है, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, वन्य प्रबंधन और विकासगत नीतियां प्रमुख हैं। शिक्षकों की अभिवृद्धि के लिए यूजीसी मानव संसाधन विकास केन्द्र नियमित ढंग से उन्मुखीकरण एवं पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन करता है। इन पाठ्यक्रमों में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों एवं विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों की सहायता ली जाती है।

विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के साथ एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं जहाँ समय–समय पर अकादमिक, प्रशासनिक और वित्तीय आदि गतिविधियों की जानकारी नियत प्रारूप में प्रेषित की जाती है।

निकट वर्षो में, विश्वविद्यालय का लक्ष्य केन्द्रीय विश्वविद्यालयों के लिए इस क्षेत्र में छात्रों की बढ़ती संख्याओं के मद्देनजर उन्हें शिक्षा के समुचित अवसर प्रदान करना है। यह विश्वविद्यालय 'राष्ट्रीय ज्ञान आयोग' द्वारा परिकल्पित दो लक्ष्यों को साकार करने की राह पर है, पहला ''उच्च शिक्षा को ज्ञान समाज की आवश्यकताओं और अवसरों के लिए प्रासंगिक बनाना'' और दूसरा ''उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए अधिक सुलभ बनाना रहा है।''

यहॉ के प्राध्यापकों के शोध–पत्र 'हाई इम्पैक्ट फैक्टर' की पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक प्लेटफॉर्मों पर अपने शोध प्रस्तुत किये हैं, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान हासिल किए और लब्धप्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए हैं। यहॉ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित की गयी है। कई अध्येताओं ने इस विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया है और यहॉ के छात्रों और प्राध्यापकों के साथ मुलाकात की है।

विश्वविद्यालय के छात्रों ने राज्य लोक सेवा आयोग, यू.जी.सी–नेट, जीपेट जैसी विभिन्न प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सराहनीय सफलता हासिल की है, निजी क्षेत्र की कम्पनियों में भी अच्छे स्तर की नौकरी हासिल की है और कई ने विश्वविद्यालय संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प चुना है।

छात्रों को लिंग आधारित भेदभाव से रहित, रैगिंग मुक्त और उनके अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं। पाठ्येत्तर क्रियाकलापों में छात्रों को प्रोत्साहित करने की सुविधा भी सुनिश्चित की गयी है। ''उन्नत भारत अभियान'' ''राष्ट्रीय सेवा योजना'' ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' जैसी योजनाओं के माध्यम से छात्र सामाजिक और राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति भी क्रियाशील और जागरूक हो रहे हैं। समान अवसर की इकाई विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों की मदद करती है और मनोवैज्ञानिक समिति की इकाई छात्रों को तनाव से निजात दिलाने के लिए सहायता करती है।

विश्वविद्यालय तय समय पर परीक्षा परिणाम घोषित कर देता है और डिग्री एवं उपाधि हेतु दीक्षांत समारोह भी आयोजित करता है। फिर भी यदि किसी वर्ष दीक्षांत समारोह आयोजित नहीं किया जाता है, तो छात्रों को तत्काल जरूरत के अनुरूप यू.जी.सी. दिशा निर्देशों का पालन करते हुए उपाधि प्रदान की जाती है। इस संबंध में राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपोजिटरी (एनएडी) के तहत सत्र 2014–15 से 2019–20 तक विश्वविद्यालय के उत्तीर्ण छात्रों की उपाधि / डिग्री एन.ए.डी. में अपलोड किया गया है।

किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की मूलभूत रणनीति गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करना है। इसके लिए कुशल और अनुभवी शिक्षकों की भर्ती कर बुनियादी ढांचा में मजबूत की गयी है, अंतरविषयक अनुसंधान को क्रियाशील और

विकसित करने हेतु प्रयोगशाला के लिए अत्याधुनिक उपकरणों की खरीददारी की गई है। एतद संबंधी रणनीतियाँ निम्नानुसार है –

छात्रों को दी जाने वाली बुनियादी सुविधाएँ –

इस परिसर में अनुसंधान की गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ अधिक से अधिक समझौता ज्ञापन/सहयोग हासिल करने की भरपूर कोशिश की गयी है।

सभी शिक्षकों को अपने शोध में अधिक से अधिक फील्ड रिसर्च, पेटेंट फाइलिंग, रिसर्च प्रोजेक्ट प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जाता है, साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और सेमिनार आयोजित करने, प्रतिभागिता करने और बतौर लेखक पुस्तक प्रकाशन करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यू.जी.सी. और विश्वविद्यालय के दिशा–निर्देश के अनुसार प्रतिभागियों को सम्मलेन, सेमिनार, कार्यशाला में भाग लेने के लिए विश्वविद्यालय यात्रा–भत्ता प्रदान करता है।

हमारे अकादमिक भवनों को लगभग पूरी तरह से कवर करते हुए 08 स्मार्ट क्लासरूम और 37 सेमी स्मार्ट क्लास–रूम बनाए गए हैं, ताकि अत्याधुनिक शिक्षण प्रणाली की सुविधा मुहैय्या करायी जा सके। वर्तमान में पुस्तकालय और प्रयोगशाला राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बना दिया गया है। केन्द्रीय ग्रंथालय में एक बैठक में लगभग 500 लोगों के लिए सीटें उपलब्ध है। 181274 किताबें, 11454 ई–पुस्तकें, 4748 पत्रिकाओं के पुराने अंक और 1947 पीएच.डी. थीसिस केन्द्रीय ग्रंथालय में उपलब्ध है। इसके साथ ही ऑनलाइन पत्रिकाओं को पढ़ सकने और पठन–पाठन के लिए ऑनलाइन मटेरियल बिना किसी शुल्क के उपलब्ध करानेके लिए वाई–फाई सुविधा उपलब्ध है।

यू.जी.सी.–डी.बी.टी. केनरा बैंक से छात्रवृत्ति के लाभार्थी शोध–छात्रों के कांटिन्यूएशन प्रमाण–पत्र, एच.आर.ए. और कांटिजंसी प्रमाण–पत्रों को निर्धारित तिथि और समय के भीतर यू.जी.सी. के पोर्टल में अपलोड कर दिया जाता है। ठीक इसी तरह निर्धारित तिथि और समय के भीतर नॉन–नेट शोध–छात्रों की छात्रवृत्ति के लाभार्थियों का भुगतान किया जाता है।

सत्र 2022–23 के दौरान 128 से अधिक शिक्षकों को भारत सरकार एवं राज्य अधीनस्थ फंडिंग एजेंसियों से अनुदान प्राप्त शोध परियोजना प्रस्ताव हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। वर्तमान में 24 शोध परियोजनाएँ जारी हैं।

वार्षिक प्रतिवेदन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में पूर्ण शांति रही।

1.2 शैक्षणिक पाठ्यक्रम

प्रतिवेदन वर्ष में विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों में विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो इस प्रकार हैं –

विद्यापीठ	विभाग	पाठ्यक्रम	सीटों की संख्या	अवधि (वर्ष में)
कला	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	बी.ए.आनर्स	75	03
		एम.ए.	65	02
		डिप्लोमा इन फ्रेंच लैंग्वेज	25	01
		डिप्लोमा इन जर्मन लैंग्वेज	25	01
		पीएच.डी.'		
	हिन्दी	बी.ए.आनर्स	75	03
		एम.ए.	40	02
		पीएच.डी.'		
	पत्रकारिता एवं जनसंचार	बी.ए.आनर्स	75	03
		पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर	40	02
		पीएच.डी.'		
	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	बी.लिब.एण्ड इन्फरमेशन साइंस	75	01
		एम.लिब.एण्ड इन्फरमेशन साइंस	50	01
		पीएच.डी.'		
शिक्षाशास्त्र	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	बी.पी.एड	62	02
		एम.पी.एड.	50	02
		पीएच.डी.'		
	शिक्षाशास्त्र	बी.एड.	62	2
		बी.एड.(स्पेशल एच. आई)	33	2
		बी.एड.(स्पेशल एल.डी.)	33	2
		एम.एड.	62	2
		पीएच.डी.'		
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	रासायनिक अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक.	23	02
		पीएच.डी.'		
	सिविल अभियांत्रिकी	बी.टेक	50	04
		एम.टेक.	23	2
		पीएच.डी.'		
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक.	23	2
		पीएच.डी.'		

	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड संचार अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक.	23	02
		पीएच.डी.'		
	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक.	23	02
		पीएच.डी.'		
	सूचना अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक.	23	02
		पीएच.डी.'		
	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	बी.टेक	75	04
		एम.टेक	23	02
		पीएच.डी.'		
अंतरविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान	जैव प्रौद्योगिकी	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी.	50	02
		पीएच.डी.'		
	न्यायालयिक विज्ञान	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी	45	02
	ग्रामीण प्रौद्योगिक एवं सामाजिक विकास	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी	35	02
		पीएच.डी.'		
विधि	विधि	एकीकृत बी.ए.–एलएल.बी.	75	05
		एकीकृत बी.कॉम. –एलएल.बी.	75	05
जीव विज्ञान	मानव शास्त्र एवं आदिवासी विकास	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.ए. / एम.एससी.	50	02
		पीएच.डी.'		
	वनस्पतिशास्त्र	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी.	50	02
		पीएच.डी.'		
	प्राणी विज्ञान	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी.	50	02
		पीएच.डी.'		
प्रबंध एवं वाणिज्य	वाणिज्य	बी.कॉम आनर्स	240	03
		एम.कॉम.	50	02
		पीएच.डी.'		
	प्रबंध अध्ययन	एम.बी.ए.	50	02
		पीएच.डी.'		
गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी. (सी.एस.)	35	02
		एम.सी.ए.	75	03

		पीएच.डी.’		
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी.	60	02
		पीएच.डी.’		
प्राकृतिक संसाधन	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	बी.एससी.	75	04
		एम.एससी.	37	02
		पीएच.डी.’		
	भैषजिक विज्ञान	डिप्लोमा इन फार्मेसी	75	02
		बी.फार्मा	75	04
		एम.फार्मा	36	02
		पीएच.डी.’		
भौतिकीय विज्ञान	रसायन	बी.एससी. आनर्स	75	03
		एम.एससी.	60	02
		पीएच.डी.’		
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	बी.एससी. आनर्स (भौतिकी)	75	03
		बी.एससी. आनर्स (इलेक्ट्रॉनिक्स)	75	03
		एम.एस.सी (भौतिकी)	60	02
		एम.एस.सी. (इलेक्ट्रॉनिक्स)	35	02
		पीएच.डी.’		
सामाजिक विज्ञान	अर्थशास्त्र	बी.ए. आनर्स	75	03
		एम.ए.	40	02
		पीएच.डी.’		
	इतिहास	बी.ए. आनर्स	75	03
		एम.ए.	40	02
		पीएच.डी.’		
	राजनीति विज्ञान	बी.ए. आनर्स	75	03
		एम.ए.	40	02
		पीएच.डी.’		
	समाजकार्य	बी.एस.डब्ल्यू.	37	03
		एम.एस.डब्ल्यू.	45	02
		पीएच.डी.’		

’ पीएच.डी. की सीटों की संख्या एवं अवधि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित किये जाने के अनुरूप।

Ministry of Culture
Government of India

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING FOR ACADEMIC AND RESEARCH
COOPERATION
SIGNING CEREMONY BETWEEN
MUBAN CHOM BUENG RAJABHAT UNIVERSITY, RATCHABURI, THAILAND
AND

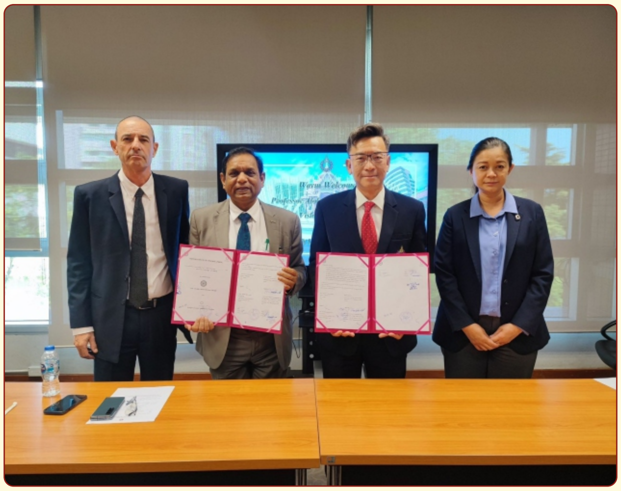

2. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अंग

2.1 विश्वविद्यालय के विद्यापीठ

विश्वविद्यालय में 11 विद्यापीठों के 32 विभागों में अनेक पाठ्यक्रमों का संचालन होता है। विद्यापीठो और विभागों की वर्तमान संरचना इस प्रकार है।

2.1.1 कला विद्यापीठ

कला विद्यापीठ के अंतर्गत 4 विभाग हैं, अंग्रेजी, हिन्दी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान। विद्यापीठ के अंतर्गत विभिन्न विभाग संबंधित विषयों के क्षेत्र में व्यापक पाठ्यक्रम एवं शोध रूचियों को शामिल करते हैं। विभिन्न विभागों की मुख्य गतिविधियों, संचालित पाठ्यक्रमों एवं उपलब्धियों का विवरण इस प्रकार है।

आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग

1990 में स्थापित, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग छात्रों को शिक्षण और सीखने के एक बहुत ही अनुकूल माहौल में अंग्रेजी अध्ययन में एक मजबूत आधार प्रदान करने का प्रयास कर रहा है।

साहित्यिक अध्ययन में रूचि स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की बढ़ती संख्या में देखी जा सकती है जो अंग्रेजी को अपने मुख्य या वैकल्पिक विषय के रूप में चुनते हैं। विभाग में एक उत्कृष्ट माहौल, नियमित सेमिनार, असाइनमेंट और पाठ्यक्रम के विशिष्ट भागों पर विशेष आमंत्रित व्याख्यान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य को बढ़ाते हैं। इसके अलावा, पाठ्य पठन सत्र, समूह चर्चा और साहित्यिक और पाठ्येतर गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। यह सब एक समृद्ध विभागीय पुस्तकालय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं तक पहुंच और विभाग में उपलब्ध हाई–स्पीड इंटरनेट तक मुफ्त पहुंच के साथ समर्थित हैं विभाग विभिन्न अन्य विभागों के छात्रों के साथ–साथ उपचारात्मक अंग्रेजी कक्षाओं के लिए अंग्रेजी और संचार कौशल के शिक्षण की व्यवस्था करता है, नेट, यूपीएससी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कक्षाओं में अंग्रेजी का शिक्षण और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जाति के लिए विशेष कक्षाओं में अंग्रेजी शिक्षण के लिए भी व्यवस्था करता है।

विभाग सभी सुविधाओं के साथ एक मान्यता प्राप्त अनुसंधान केंद्र भी है। विभाग की दृष्टि विभाग को अंग्रेजी अध्ययन में निरंतर विकास, विशेषज्ञता और प्रासंगिक अनुसंधान के लिए एक केंद्र के रूप में स्थापित करना और भाषा और साहित्य की गहरी समझ और महत्वपूर्ण समझ और प्रभावी लेखन के मूल्य को विकसित करना है।

विभाग में गतिविधियाँ

विभाग द्वारा सिनेमा अध्ययन पर जीआईएएन कार्यशाला का आयोजन 4 से 14 मई 2022 तक किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- डॉ. अनुराग चौहान और डॉ. शबाना यास्मीन खान ने 4 अप्रैल 2022 को समर्थ पर एक प्रशिक्षण में भाग लिया।
- डॉ. अनुराग चौहान में 17–19 नवंबर, 2022 को नई दिल्ली में शिक्षा संस्कृति उत्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'ज्ञानोत्सव' में भाग लिया। तीन दिवसीय ज्ञानोत्सव का विषय 'शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत' था।
- डॉ. आशुतोष सिंह ने कंदस्वामी में 20 और 21 मई 2022 को आयोजित भाषा और भाषा विज्ञान पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता कंदर कॉलेज, वेलूर में की.
- डॉ. अनुराग चौहान, डॉ प्रसेनजीत पांडा, डॉ. आशुतोष सिंह, धीरज साहा, सीमा दास ने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति पर एक कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. अनुराग चौहान ने 23 जून 2022 को सीएसजेएम विश्वविद्यालय, कानपुर के छात्रों के लिए 'एथिक्सिन एकेडमिक्स' पर व्याख्यान दिया।
- डॉ. प्रसेनजीत पांडा ने 4 अगस्त 2022 को डॉ. मधुकरराव वासनिक पीडब्ल्यूएस आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर सात दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला में "साहित्य की समीक्षा" पर व्याख्यान दिया।

- डॉ प्रसेनजीत पांडा ने 21 अगस्त 2022 को सेंट जॉन्स कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कन्याकुमारी, तमिलनाडु द्वारा आयोजित भाषा, साहित्य और मानविकी पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ प्रसेनजीत पांडा ने 22/11/2022 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 7वें "गुरू दक्ष" फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) में "संचार कौशल" पर व्याख्यान दिया
- डॉ प्रसेनजीत पांडा 18 जनवरी 2023 को निर्मला कॉलेज फॉर वूमेन, कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत में आयोजित "अंग्रेजी भाषा, साहित्य और भाषा विज्ञान में उभरते रूझान" पर बोधि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में गए।
- डॉ आशुतोष सिंह ने स्टीवर्ट साइंस कॉलेज, कटक, 24–25 नवंबर 2022 में मुख्य वक्ता के रूप में "लिटरेचर एज सोशल साइंसः फोरग्राउंडिंग द एंबेडेड एसेंस ऑफ सोशल रियलिटी" विषय पर व्याख्यान दिया और अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित 'सामाजिक विज्ञान और साहित्यः ट्रांस डिसिप्लिनरी एप्रोचेस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ आशुतोष सिंह ने अपने कविता संग्रह 'जर्नी ऑफ ए स्कॉलर जिप्सी' को ओम्निस्क्रिप्टम, मोल्दोवा गणराज्य द्वारा प्रकाशित किया।
- डॉ प्रसेनजीत पांडा ने यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 8वें "गुरू दक्ष" फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम, (एफआईपी) में "विज्ञापन, मास मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति" पर दिनांक 30/01/2023 में व्याख्यान दिया।
- डॉ प्रसेनजीत पांडा को इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ में 27–28 जनवरी, 2023 को आयोजित होने वाले "जलवायु परिवर्तन और विषयों में इसके प्रतिबिंब" पर दो दिवसीय अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ प्रसेनजीत पांडा ने दिनांक 16/02/2023 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 9वें "गुरू दक्ष" फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम, (एफआईपी) में "विज्ञापन और लोकप्रिय संस्कृति" पर व्याख्यान दिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- शोधार्थी अमित खापेकर, को 18 जून 2022 SRF से सम्मानित किया।
- शोधार्थी 5 नवंबर 2022 को मोनिका शिंदे को एनएफएससी से सम्मानित किया गया।
- प्रदीप कुमार का जीआईसी, यूपी के माध्यम से व्याख्याता के लिए चयन हुआ।
- खुशदिल कुमारी बीए पंचम सेमेस्टर की छात्रा ने हिमाचल प्रदेश के पोंगडांग में 10 दिवसीय एनएसएस शिविर में भाग लिया।
- 'व्हिस्की विद विजडम, 'साक्षी वर्मा बीए प्रथम सेमेस्टर के कविता संग्रह का प्रकाशन दिसंबर 2022 को हुआ।
- एम ए प्रथम सेमेस्टर के हर्ष मिश्रा का कविता संग्रह 'ड्रीमसन' प्रकाशित हुआ।
- बी ए प्रथम सेमेस्टर के दो छात्र साक्षी गुप्ता ओर निशांत सिंह का एनसीसी के लिए चयन हुआ है।
- लखनी साहू, छात्रा बी ए पंचम सेमेस्टर, गणतंत्र दिवस परेड में शामिल हुई। वह 200 एनएसएस प्रतिभागियों के बीच वाद–विवाद प्रतियोगिता के लिए पुरस्कार भी जीती हैं।
- सूरज मिश्रा एम ए प्रथम सेमेस्टर के छात्र ने गणतंत्र दिवस पर विश्वविद्यालय की वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- शोधार्थी अलीक रॉय,, ने एक लघु बांग्ला फिल्म 'टका गच' (द मनी प्लांट) का निर्देशन किया। फिल्म कई फिल्म समारोहों की आधिकारिक चयन सूची में है।

- हर्षवर्धन साहू, छात्र बी ए शश्ठ सेमेस्टर, ने मार्च 2023 में सर्वश्रेष्ठ कैंडेट का पुरस्कार जीता।
- लखनी साहू, छात्रा बी ए पंचम सेमेस्टर, ने मई 2022 में मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- लखनी साहू, छात्रा बी ए पंचम सेमेस्टर, ने जुलाई 2022 में आयोजित वन महोत्सव में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- लखनी साहू, छात्रा बी ए पंचम सेमेस्टर, ने एनएसएस सेल, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा वन सप्ताह महोत्सव (01–07 जुलाई) के दौरान आयोजित नारा लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।
- लखनी साहू, छात्रा बी ए पंचम सेमेस्टर, ने जनवरी 2023 में दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड कैंप में वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी। अपने आरम्भ से ही विभाग में अध्ययन–अध्यापन के साथ–साथ हिन्दी के विकास तथा प्रसार हेतु काव्यगोष्ठी, साहित्यिक परिचर्चा की परंपरा रही है। विगत एक दशक से कार्यशालाओं, नाट्य प्रस्तुतियों के साथ साहित्य–वार्ता जैसे बहुआयामी शैक्षणिक गतिविधियों का शृंखलाबद्ध आयोजन किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों में लोक तथा शिष्ट साहित्य को आधुनिक दृष्टि से परखने की योग्यता विकसित करना, भूमंडलीकरण के दौर में अपना स्थान निर्धारित करते हुए लोक का विश्व से और विश्व का लोक से अंतःसंबंध स्थापित करना अध्ययन और अध्यापन का उद्देश्य है। हिन्दी विभाग का लक्ष्य ऐसे शोध कार्य करने–कराने का है जिससे समाज को मूल्यपरक दिशा प्राप्त हो सके। हिन्दी विभाग छात्रों को साहित्य के रचनात्मक क्षेत्र में ही नहीं बल्कि शिक्षण कार्य, स्वयं सेवी संगठनों, प्रेस और रंगमंच से भी जोड़ता है। हिन्दी साहित्य को बढ़ावा देने के लिए 'स्वनिम' त्रैमासिक पत्रिका का प्रकाशन इसकी महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दृश्टि :

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओँ तथा वैश्विक साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए समाज में साहित्यिक हस्तक्षेप की प्रवृत्ति निर्मित करना

मिशन :

- अन्य भारतीय भाषाओं में लिखे जा रहे साहित्य तथा विश्व साहित्य के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य और हिंदी भाषा की सम्भावनाओं का अध्ययन।
- सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में हिन्दी साहित्य का पाठ–पुनर्पाठ।
- साहित्य के माध्यम से समय और समाज का विमर्शमूलक अध्ययन। बाज़ार में हिन्दी और हिन्दी का बाज़ार ।

विभागीय गतिविधियाँ :

- साहित्य वार्ता का नियमित संचालन
- स्वनिम पत्रिका का प्रकाशन
- विभागीय शिक्षकों द्वारा शोध पत्र का प्रकाशन व अन्य सभी मुद्दों पर लेखन व प्रकाशन और वक्तव्य

शिक्षकों की उपलब्धियाँ :

- विभाग की शिक्षिका डॉ. गौरी त्रिपाठी के संयोजन में हिन्दी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर और अयोध्या शोध संस्थान, उत्तर प्रदेश के सयुंक्त तत्वावधान में दिनांक 13–14 मार्च 2023 को "छत्तीसगढ़ की लोक–संस्कृति में श्रीराम" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ । इस आयोजन में विभाग के सभी शिक्षक आयोजन समिति के सदस्य के रूप में जुड़े थे ।

- विभाग की शिक्षिका डॉ. गौरी त्रिपाठी की मौलिक कविता का प्रसारण आकाशवाणी, बिलासपुर द्वारा दिसंबर 2022 को हुआ ।
- विभाग के शिक्षक डॉ. अनीश कुमार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती कार्यक्रम के तहत दिनांक 14 अप्रैल 2023 को आकाशवाणी, बिलासपुर द्वारा आयोजित विशेषज्ञ वार्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया ।

छात्रों की उपलब्धियाँ :

- विभाग की एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा अंशु का मार्च **2023** में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन में शिक्षिका के रूप में चयन।

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की स्थापना वर्ष 1988 में हुई । विभाग ने मानव विकास, सशक्तिकरण और सहभागी लोकतंत्र, सार्वभौमिक मूल्यों और नैतिकता के लिए नई मीडिया प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर जोर दिया। साथ ही ज्ञान आधारित सूचना समाज के निर्माण के लिए मीडिया शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानक निर्धारित किए हैं। विभाग द्वारा सीखने और काम करने का एक गतिशील माहौल बनाने के लिए मीडिया और जनसंचार के क्षेत्र में मीडिया पेशेवर, नेतृत्वकर्ता और नवप्रवर्तकों को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है जो पत्रकारिता और जनसंचार के सभी क्षेत्रों में गुणात्मक और नैतिक मूल्य आधारित विकास प्रदान कर सकें। विभाग नए विचारों, रचनात्मकता, अनुसंधान, छात्रवृत्ति और विकास को बढ़ावा देने का भी प्रयास कर रहा है। विभाग में तीन पाठ्यक्रम पत्रकारिता एवं जनसंचार में बीए, एमए और पीएचडी संचालित किया जा रहे है। विभाग ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और कन्वर्जेंट मीडिया के प्रशिक्षण का लक्ष्य रखा है और छात्र विभिन्न मीडिया संस्थानों और शैक्षणिक क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

विभाग की गतिविधियाँ

- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दिनांक 10.01.2023 को कम्युनिकेशन एंड बिहेवियर' पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद के प्रोफेसर वी. बेलवाड़ी थे।
- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा दिनांक 18.01.2023 को 'साहित्यिक पत्रकारिता एवं लेखन' विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. सुशीला टाकभोरे मुख्य वक्ता थी।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

डॉ. धीरज शुक्ला

- जीजीयू और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा एनएसएस मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर दिनांक (18 से 24 मार्च, 2023 तक) की मीडिया रिपोर्टिंग समिति के समन्वयक के रूप में कार्य किया ।
- दिनांक 13 एवं 14 मार्च 2023 को हिंदी विभाग, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा आयोजित ''छत्तीसगढ़ में राम'' राष्ट्रीय संगोष्ठी में मीडिया रिपोर्टिंग समिति के सदस्य रहे ।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में मीडिया रिपोर्टिंग समिति के समन्वयक रहे ।
- अक्स कार्यक्रम में स्वागत समिति के सदस्य रहे ।

डॉ अमिता

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा वर्ष 2021–22 का सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- संवेद पत्रिका की समीक्षा समिति की सदस्य रही।
- दिनांक 03.05.2022 को आकाशवाणी में व्याख्यान दिया।
- दिनांक 28.02.2023 को बिलासा कला मंच में विशेष व्याख्यान दिया ।
- दिनांक 04.03.2023 को पीआईबी, बिलासपुर में आमंत्रित व्याख्यान दिया ।

डॉ अनुपमा कुमारी

- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में अध्ययन बोर्ड की सदस्य।
- कल्याण कॉलेज, भिलाई में मौखिक परीक्षा के लिए बाह्य विशेषज्ञ।
- अक्स 2023 कार्यक्रम में विभागीय समन्वयक ।
- जीजीयू और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय तथा एनएसएस मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर दिनांक (18 से 24 मार्च, 2023 तक) में रिपोर्टिंग समिति की सदस्य (18 से 24 मार्च, 2023)
- 13 एवं 14 मार्च 2023 को हिंदी विभाग, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा आयोजित ''छत्तीसगढ़ में श्री राम'' विषयक् राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिपोर्टिंग समिति की सदस्य ।
- सेल और क्रय समिति के सदस्य रहीं और अक्स 2023 कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं को जज किया।
- विभिन्न विश्वविद्यालय कार्यक्रमों में रिपोर्टिंग समिति की सदस्य ।

छात्रों की उपलब्धियां

- बीजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने आकाशवाणी, बिलासपुर में युवा–जगत कार्यक्रम में भाग लिया।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की स्थापना 27 सितंबर 1985 को हुई थी। यह इस क्षेत्र में अपनी तरह का सबसे पुराना विभाग है जो लोगों के व्यापक दर्शन प्रदान करता है जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है जिन्हें इसकी आवश्यकता होती है उन्हें सशक्त बनाने के आदर्श वाक्य के साथ आधुनिक कौशल और क्षमता के साथ हमारा उद्देश्य छात्रों को अनुकूल तरीके से शिक्षा प्रदान करना है ताकि वे अपने साथियों और समाज की बेहतरी के लिए प्रेरित हों। अप–टू–डेट पाठ्यक्रम प्रासंगिक वैज्ञानिक साहित्य के व्यापक संग्रह से सुसज्जित कार्यात्मक पुस्तकालय और पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला हमारी प्रमुख ताकतें हैं जिनके माध्यम से हम ज्ञान वितरित और प्रसारित करते हैं। हमने सम्पूर्ण विकसित पर्यावरण बनया है जहां छात्र विभिन्न संगोष्ठियों और कांग्रेसों में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं और साथी सदस्यों के साथ अपने विचार और अनुभव साझा करते हैं। अत्यधिक प्रेरित संकायों और उनके समर्पण के माध्यम से हम अपने छात्रों के लिए एक मॉडल के रूप में सेवा करना चाहते हैं उनमें ज्ञान फैलाने और समुदाय को वापस देने की दिशा में एक दृष्टिकोण पैदा करना है।

विभागीय गतिविधियाँ

- डॉ. एम.पी. सिंह सर द्वारा दिया गया विशेष वयाख्यान पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के प्रोफेसर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ–226025 उत्तर प्रदेश। दिनांक 17/03/2023
- प्रोफेसर सुष्मिता चक्रवर्ती डीएलआईएस कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 20/01/2023 को विशेष व्याख्यान दिया गया ।
- विद्यार्थियों की उपलब्धियां 11 छात्रो ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

2.1.2 अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

इस संस्थान की स्थापना वर्ष 1997 में व्यावसायिक योग्यता का विकास करने, तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने और उद्यमशीलता में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की चुनौती का सामना करने के उद्देश्य से की गई है। सुयोग्य एवं अनुभवी शिक्षकों, आधुनिक शिक्षण तकनीकों, समृद्ध पुस्तकालय, कंप्यूटर सुविधा से युक्त सुसज्जित प्रयोगशाला एवं अन्य आवश्यक

बुनियादी सुविधाओं की सहायता से संस्थान विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुक कौशल के विकास में मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान करता है।

प्रौद्योगिकी संस्थान कई तरह की आधुनिक व आवश्यक सुविधाओं, जैसे केंद्रीय पुस्तकालय, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल, ई– कक्षा और उच्च गति वाली इंटरनेट सुविधा से युक्त है। संस्थान इंस्टीट्यूट्स ऑफ इंजीनियर्स(आईई) कलकत्ता के साथ– साथ इंडियन सोसायटी फॉर टेक्निकल एजुकेशन(आईएसटीई) नई दिल्ली का आजीवन सदस्य है।

वर्तमान में संस्था निम्नलिखित सात पाठ्यक्रमों में बीटेक की डिग्री प्रदान करता है–

- रसायन अभियांत्रिकी में बीटेक
- सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बीटेक
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी में बीटेक
- औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी में बीटेक
- सूचना तकनीकी में बीटेक
- मैकेनिकल अभियांत्रिकी में बीटेक

बीटेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश मुख्य संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) की मेरिट के आधार पर केंद्रीय सीट आवंटन बोर्ड (सीएसएबी) के माध्यम से किया जाता है। सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को नवीनतम विकास और अंतर्राष्ट्रीय परिवर्तन के साथ नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

संस्थान में केमिकल अभियांत्रिकी एवं मैकेनिकल अभियांत्रिकी में एमटेक पाठ्यक्रम जारी है। इसके साथ ही अभियांत्रिकी की छः शाखाओं यथा, रसायन अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी, औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी, मैकेनिकल अभियांत्रिकी में पीएचडी कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है। संस्थान में एक परीक्षण एवं कंसल्टेंसी इकाई भी कार्यरत है जो सामान्य रूप से समाज व सेवाओं में सहभागिता में अपने सक्रिय उद्योग की संवाहक है।

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

1997 में स्थापित रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ के सबसे पुराने विभागों में से एक है। यह विभाग 11 युवा और ऊर्जावान अनुभवी शिक्षकों से सुशोभित है, जो रासायनिक अभियांत्रिकी के वर्तमान एवं आधुनिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से शामिल हैं, जैसे बायोमास से नवीकरणीय ऊर्जा, जल उपचार, उत्प्रेरण, प्रति–वाष्पीकरण, मेम्ब्रेन प्रौद्योगिकी का उपयोग करके खाद्य प्रसंस्करण और मेम्ब्रेन–आधारित ईंधन सेल आदि। विभाग में रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक (बी.टेक.), स्नातकोत्तर (एम.टेक.) और डॉक्टरेट (पीएच.डी.) पाठ्यक्रम संचालित हैं। स्नातक (बी.टेक.) पाठ्यक्रम में प्रवेश केवल जेईई उत्तीर्ण विद्यार्थियों को जोसा/सीएसएबी/ स्थानीय काउंसलिंग के माध्यम से दिया जाता है। छात्रों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए विभाग में विभिन्न क्लब संचालित हैं, जैसे : केमिकल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स सोसाइटी (चेस) और इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स इंडिया का स्टूडेंट चैप्टर। केन्द्रीय विश्वविद्यालय का हिस्सा होने के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से छात्र–छात्राएं विभाग में प्रवेश लेते हैं, जिससे विभाग में भारत की मिश्रित जीवंत संस्कृति दृश्टव्य है और यह विभाग के विभिन्न आयोजनों और सांस्कृतिक गतिविधियों में परिलक्षित होता है। विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संबंध बनाये रखने और उन्हें व्यक्तिगत रूप से समझने के लिए विभाग मेंटर–मेंटी व्यवस्था पर कार्य करता है, इसके अंतर्गत विभाग के प्रत्येक शिक्षक को 15–20 विद्यार्थियों के समूह का मेंटर बनाया जाता है और वे अपने समूह के सभी विद्यार्थियों से नियमित तौर पर चर्चा करते रहते हैं। विभाग अपने पूर्व छात्रों को महत्व देता है और विभाग में संचालित पाठ्यक्रमों में सुधार के लिए लगातार उनकी प्रतिक्रिया लेता है। विभाग नई शिक्षा नीति (राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020) के अनुसार शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है और इसके अनुपालन एवं विभाग की उन्नति के लिए हम अपने हितधारकों के सुझावों का स्वागत करते हैं।

दृष्टि

विभाग का लक्ष्य स्वयं को रासायनिक अभियांत्रिकी की शिक्षा प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक संस्थान के रूप में स्थापित करना है ताकि उद्योगों और समाज की जरूरतों को पूरा करने के लिए कुशल और जिम्मेदार रासायनिक अभियंता तैयार किए जा सकें।

मिशन

- नैतिक व सामाजिक मूल्यों तथा उद्यमशीलता कौशल के उच्च मानकों के समावेशन के साथ भविष्य के लिए रासायनिक अभियंता तैयार करना।
- सामाजिक और औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मौलिक और अनुप्रयोग–उन्मुख समस्याओं में अनुसंधान संस्कृति विकसित करना।
- अकादमिक, उद्योग और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच मजबूत संबंध बनाना।

उद्देश्य

- कक्षा शिक्षण, प्रयोगों और आईसीटी उपकरणों का उपयोग करके विद्यार्थियों को रासायनिक अभियांत्रिकी के वर्तमान मौलिक ज्ञान प्रदान करना।
- विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को निखारकर रासायनिक और अन्य संबंधित उद्योगों में मूल्यवर्धन के उद्देश्य से व्यक्तित्व तैयार करना।
- व्यापक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करना।
- रासायनिक अभियांत्रिकी पर जोर देते हुए विभाग में अनुसंधान हेतु उपयुक्त वातावरण तैयार करना।

विभागीय गतिविधियाँ

- विभाग के विद्यार्थियों द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना, पंडरिया (कवर्धा) का औद्योगिक भ्रमण।
- विभाग के पूर्व छात्र थम्मिना किरण द्वारा 'गेट की तैयारी कैसे करें' विषय पर वर्तमान विद्यार्थियों के साथ परिचर्चा (8 अप्रैल 2022)
- 'हैण्ड्स ऑन ट्रेनिंग ऑन डी.डब्ल्यू.एस.आई.एम.' पर विशेष सत्र का आयोजन (8 अप्रैल 2022)
- क्लाउड ओरेकल कॉर्प, बेंगलुरु इंडिया के निदेशक श्री प्रमोद दुबे द्वारा 'कैंपस टू कॉर्पोरेट' पर वेबीनार (9 मई 2022)
- ओटू इनवॉयरमेंट कन्सलटेंट रायपुर के निदेशक श्री अमित खरे द्वारा जल उपचार संयंत्र के व्यावहारिक पहलुओं पर वेबीनार (19 जुलाई 2022)
- आई.आई.टी. मुम्बई के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर अभिजीत मजूमदार द्वारा 'ट्रांसपोर्ट प्रोसेस इन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग' पर वेबीनार (20 अगस्त 2022)
- आर.जी.आई.पी.टी. बरेली (उ.प्र.) के प्रोफेसर राकेश कुमार द्वारा विभाग के छात्रों के लिए 'एप्लीकेशन ऑफ एस्पेन प्लस सिमुलेशन सॉफ्टवेयर' पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम (22–26 अगस्त 2022)
- एन.आई.टी.टी.आर. चंडीगढ़ के एक दूरस्थ केंद्र के रूप में विभाग द्वारा 'मैटलैब– आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स एण्ड ऑप्टिमाईजेशन टेक्निक्स' पर एफडीपी का आयोजन (21–25 नवम्बर 2022)
- विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. हरित झा 'बायोटेक्नालॉजिकल इन्टरवेन्शन्स फॉर नॉवेल प्रोसेस एण्ड प्रोडक्ट्स' पर व्याख्यान (20 जनवरी 2023)

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. सौरभ मेश्राम ने एस्पेन प्लस पर आधारित एनपीटीईएल द्वारा आयोजित 12–सप्ताह का पाठ्यक्रम पूर्ण कर इसकी परीक्षा 93 प्रतिशत के साथ सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की।
- डॉ. संदीप धर्माधिकारी एवं डॉ. अमित जैन ने मेम्ब्रेन टेक्नालॉजी पर आधारित एनपीटीईएल द्वारा आयोजित 12–सप्ताह का पाठ्यक्रम पूर्ण कर इसकी परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की
- डॉ. अमित जैन को 10 से अधिक बार रक्तदान करने पर अकलतरा सोसायटी द्वारा 'रक्त मित्र सम्मान' से सम्मानित किया गया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- श्री केतन सिंह राठौड़ को पांचवे अखिल भारतीय राष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता महोत्सव अरुत्यसंस्कृति–2022 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- विभाग की तृतीय वर्श की छात्रा सुश्री अनास्वरा एमवी का चयन एफआईआईटी दिल्ली और सैमसंग द्वारा आयोजित 'सॉल्व फॉर टुमॉरो' के शीर्ष 50 प्रतिभागियों में हुआ, जिससे वह एक लाख रूपये की छात्रवृत्ति के लिए पात्र हुई।
- श्री शाश्वत तिवारी (तृतीय सेमेस्टर) को 31 जनवरी 2023 को आयोजित छत्तीसगढ़ टैलेंट रियलिटी शो के ग्रैंड फिनाले के लिए चुना गया।
- विभाग की शोध छात्रा सुश्री राखी सोनी को 25–26 मार्च 2022 को आईआईएसईआर भोपाल द्वारा एडवांसेस इन केमिकल इंजीनियरिंग एण्ड साइंस (एसीईएस–2022) विशय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उनके शोध पत्र के वाचन हेतु सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

स्कूल ऑफ स्टडीज इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने सन 2008 में सिविल इंजीनियरिंग में 40 छात्रों के वार्षिक प्रवेश के साथ चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम शुरूवात की । शैक्षणिक वर्ष 2019–20 से विभाग में सीटों की संख्या पचास कर दी गई है। दो वर्षीय एमटेक स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग प्रोग्राम (स्नातकोत्तर सत्र 2021–22 से 23 छात्रों के वार्षिक इनटेक के साथ प्रारंभ हुआ। 2012–13 के शैक्षणिक सत्र में विभाग ने पीएचडी कार्यक्रम शुरू किया। विभाग विश्वविद्यालय के लिए आंतरिक परामर्श सेवाओं के अलावा बाहरी एजेंसियों के के माध्यम से परामर्श और परीक्षण सेवाएं भी प्रदान कर रहा है। हमारे स्नातक विविध ज्ञान, तकनीकी विशेषज्ञता और नेतृत्व {ामता का श्रेष्ठतम मिश्रण हैं, उच्चतम स्तर की तकनीकी और व्यावसायिक {ामता वाले व्यक्तियों को तैयार करने के लिए, उत्कृष्ट शिक्षा और बौद्धिक रूप से आकर्षक माहौल प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, विभाग का प्रमुख लक्ष्य राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति हासिल करना है। विभाग तेजी से बढ़ रहा है और उत्कृष्टता का केंद्र बनने की इच्छा रखता है जो शिक्षित, मेहनती और तकनीकी रूप से रुचि रखने वाले मस्तिष्क को बढ़ावा देता है। विश्वस्तरीय शिक्षण प्रदान करने के लिए, विभाग ने पूरी तरह सुसज्जित प्रयोगशालाओं सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। विभाग में स्नातक करने वाले छात्रों के दिमाग को प्रज्वलित करने के लिए एक्स्ट्रा करिकुलर इवेंट एक नियमित प्रक्रिया है। विभाग में अब सिविल इंजीनियरिंग की विविध विशेषज्ञताओं के 15 तेरह अच्छी तरह से योग्य संकाय सदस्य हैं और यूजीसी }ारा स्वीकृत पदों पर समय के साथ तीन और सदस्य जोड़े जाने हैं।

दृष्टि

सिविल इंजीनियरिंग शिक्षा, अनुसंधान, उद्यमिता और उद्योग आउटरीच सेवाओं का ज्ञान केंद्र बनकर टिकाऊ

बुनियादी ढांचे और जीवन की बेहतर गुणवत्ता के साथ समाज की सेवा करेगा।

उद्देश्य

- शिक्षा, प्रशिक्षण और नैतिक मूल्यों की गुणवत्ता प्रदान करके पेशेवर सिविल इंजीनियरों का निर्माण करना।
- परामर्श सेवाओं और सतत शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लिए एक भरोसेमंद और सरल पेशेवर केंद्र के रूप में सेवा करना।
- संस्थान उद्योग संबंध स्थापित करके और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करके वैश्विक मानकों को प्राप्त करना।

गतिविधियां

- सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जीजीवी बिलासपुर (छ.ग.) ने एम.टेक के छात्रों के लिए जैतखाम, गिरौधपुरी में सफलतापूर्वक तकनीकी यात्रा का आयोजन किया। स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के प्रथम व द्वितीय वर्गा के विद्यार्थी 21 जनवरी, 2023 को कुल 12 शिक्षकों और 2 कार्यालय कर्मचारियों के साथ औद्योगिक भ्रमण पर गए।
- सिविल इंजीनियरिंग विभाग, जीजीवी बिलासपुर (छ.ग.) ने अगस्त 2022 को बीटेक तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए श्री प्रखर मोदी, श्रीमती सोनल बंछोर और डॉ कुंदन मेश्राम सहायक प्रोफेसर सिविल की देखरेख में बांगो बांध कोरबा में तकनीकी यात्रा का सफल आयोजन किया।

शिक्षको की उपलब्धियां

- डॉ बलबीर कुमार पांडे को रिसर्च सीड मनी ग्रांट के तहत एक शोध परियोजना प्रदान की गई है।

छात्र उपलब्धियां

- 10 बी.टेक छात्र गेट–2022 में उत्तीर्ण हुए, 02 परीक्षा में, 01 GRE में।
- 07 बी.टेक. छात्रों को झझरिया निर्माण लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला।
- 01 एम.टेक छात्र को एनपीसीसी लिमिटेड में प्लेसमेंट मिला।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना सन 1997 में हुई थी। इस विभाग में बी.टेक., एम.टेक एवं कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में पीएचडी पाठ्यक्रम संचालित है। विभाग के शिक्षक अत्यधिक योग्य एवं अनुभवी हैं। विभाग में डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग प्रयोगशाला, नेटवर्किंग प्रयोगशाला, डाटाबेस मैनेजमेंट एंड एडवांस प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला जैसी आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं। मशीन लर्निंग एवं डीप लर्निंग मॉडल्स के प्रशिक्षण के लिए प्रयोगशालाओं में जीपीयू मशीन भी है। छात्रों को शिक्षकों और उद्योग विशेषज्ञों की संयुक्त देखरेख में परियोजनाओं पर काम करने का अवसर मिलता है। विभाग प्रसिद्ध सरकारी और सार्वजनिक {ेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है। यहाँ के स्नातकों ने टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, अमेरिकन एक्सप्रेम जेमिनी, हेक्सावेयर, कोरिओलिस टेक्नोलॉजीस, जिरोह लैब्स जैसे प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक और सरकारी संगठनों में प्रति वर्ष 17.78 लाख रूपये के उच्चतम पैकेज के साथ नौकरियां हासिल की हैं। छात्रों को प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में छात्रवृत्ति के साथ एमएस के लिए भी ऑफर मिला है। इन विश्वविद्यालयों में न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस यूनिवर्सिटी यूएसए, इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी शिकागो, यूनिवर्सिटी ऑफ

कैनसस, यूएसए शामिल हैं।

प्रमुख क्षेत्र

विभाग में प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र निम्नवत् है–

- नेटवर्क सुरक्षा
- वायरलेस सेंसर नेटवर्क
- मोबाइल एड–हॉक नेटवर्क
- इमेज और वीडियो प्रोसेसिंग
- मशीन लर्निंग
- कंप्यूटर विजन
- एलओटी
- क्लाउड कम्प्यूटिंग

उद्देश्य

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में व्यावसायिक रूप से सक्षम जनशक्ति तैयार करना।
- छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं छात्रवृत्ति के अन्य क्षेत्रों में शिक्षित करना, ताकि वे 21 वीं सदी में देश–दुनिया में श्रेष्ठ सेवा दे सकें।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में शिक्षाध्प्रशिक्षण के लिए सुविधाएँ उपलब्ध कराना प्कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बहुविषयक कार्यक्रम संचालित करना।

विभाग की गतिविधियाँ

- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग ने 12 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आभासी माध्यम गूगल मीट पर किया।

- इसमें छात्रों ने स्वामी विवेकानंद पर अपने विचार व्यक्त किए प्सीएसई विभाग ने भारत में सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी के विकास को प्रदर्शित करने और छात्रों को सॉफ्टवेयर उद्योग के मुख्य घटकों का वास्तविक जीवन दृश्य प्रदान करने के लिए 13 अप्रैल, 2022 को एसटीपीआई भिलाई में एक औद्योगिक भ्रमण का आयोजन किया ।

- विभाग ने नैनोटेक्नोलॉजी सक्षम वायरलेस संचार और आईओटी पर एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के सहयोग से 25 से 29 अप्रैल, 2022 तक पांच दिवसीय ऑनलाइन शिक्षक विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।

- सीएसई विभाग ने परिसर में स्वच्छता को बढ़ावा देने और प्लास्टिक कचरे के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यक्रम शुरु किया ''स्वच्छता पखवाडा'' के अंतर्गत 02 सितम्बर, 2022 को स्वच्छता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया ।

- विभाग में 05 सितम्बर, 2022 को शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया स्पष्ट करें छात्रो के द्वारा यह कार्यकर्म इ–क्लासरूम को सुंदर तरीके के सजाके आयोजित किया गया. यह कार्यकर्म भाषण, गेम्स, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं मिष्ठां के साथ संपन्न हुआ. विभागाध्यक्ष ने शिक्षको के प्रयत्नों को सराहा एवं संबोधित किया एवं छात्रो ने कृतज्ञता व्यक्त किया।

- बिलासपुर के गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में 12–22 नवंबर, 2022 तक डॉ- आलोक कुमार सिंह कुशवाहा ओर श्री पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा द्वारा कंप्यूटर विजन में डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग ,एल्गोरिद्म पर दो सप्ताह के एफडीपी का आयोजन किया गया था।

- इनक्यूबेशन सेंटर ने 14 अक्टूबर, 2022 को SOSET GGV में एक "स्टार्टअप और उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्टार्टअप जगत में नई प्रतिभाओं का मार्गदर्शन करना था और इसमें कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग और सूचना प्रौद्योगिकी विभागों के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। मुख्य वक्ता, श्री अभिजीत त्रिपाठी और श्री प्रणव राजवीर ने अपनी स्टार्टअप यात्राएँ साझा कीं और छात्रों को उनके साथ बातचीत करने का अवसर मिला।

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग ने 10 और 11 अक्टूबर, 2022 को दो दिवसीय IoT कार्यशाला का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम की मेजबानी INSCC }ारा की गई थी और इसका नेतृत्व विभाग के डॉ- सूरज शर्मा ने किया था। स्कूल ऑफ स्टडीज इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों ने IoT तकनीक का व्यावहारिक अनुभव और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। कार्यशाला प्वज के क्षेत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि और कौशल प्रदान करने में सफल रही।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. आलोक कुमार सिंह कुशवाहा को दो प्रसिद्ध एससीआई पत्रिकाओं मल्टीमीडिया टूल्स एंड एप्लीकेशन (एससीआइ इम्पैक्ट फैक्टर 2–77) और कंप्यूटर सामग्री ओर कॉन्टिनुआ (एससीआई इम्पैक्ट फैक्टर 3–96) के लिए अतिथि संपादक के रूप में नामित होने का सम्मान मिला है।
- डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह ने कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में डॉ. मनीष श्रीवास्तव की देखरेख में थोसिस शीर्षक "आर्टिफिशिल न्यरल नेटवर्क पर आधारित फीचर ऑप्टिमाइजेशन तकनीक का उपयोग करके बेहतर घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली" के साथ पीएचडी प्राप्त की। जुलाई, 2022
- डॉ. वैभव कांत सिंह ने एक लैब मैनुअल "लैब मैनुअल ऑफ वेब–टेक्नोलॉजी एंड सी– प्रोग्रामिंग" भी प्रकाशित किया है।
- डॉ. उपासना सिन्हा ने विभिन्न संस्थानों में अटल एफडीपी, रिफ्रेशर कोर्स, मशीन लर्निंग टॉक में विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।
- डॉ. सूरज शर्मा ने "इनोवेटिव कंप्यूटिंग और अनुप्रयोगों पर स्प्रिंगर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन", "इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग और संचार में नवाचारों पर स्प्रिंगर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" और "सतत विकास के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर आईईईई ओपीजेयू अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी सम्मेलन" नामक तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सत्र की अध्यक्षता की थी।
- डॉ. सूरज शर्मा को एफडीपी और रिफ्रेशर पाठ्यक्रम में चार आमंत्रित व्याख्यान और विभिन्न संथानों के लिए सतत विकास सम्मेलन के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों पर आईईईई ओपीजेयू अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी

सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया गया।
- श्री वैभव कांत सिंह ने एनपीटीईएल द्वारा प्रस्तावित "ऑपरेटिंग सिस्टम फंडामेंटल्स" पर 12–सप्ताह का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) सफलतापूर्वक पूरा किया।
- श्री वैभव कांत सिंह ने अंकारा, तुर्की में "वैज्ञानिक अनुसंधान पर अंकारा इंटरनेशनल कांग्रेस– VII के सत्र की अध्यक्षता की।
- श्री निशांत बेहार ने एएलटीटीसी गाजियाबाद में एकीकृत दूरसंचारध्डेटा नेटवर्क और साइबर सुरक्षा में दो सप्ताह का औद्योगिक प्रशिक्षण और जीजीवी बिलासपुर में ऑनलाइन/मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रमों के डिजाइन, विकास ओर वितरण पर शिक्षक विकास कार्यक्रम पूरा किया।
- श्री अमित बघेल ने अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर में रिकरंट न्यूरल नेटवर्क्स पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

- अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययनशाला में आयोजित आतंरिक SIH (स्मार्ट इंडिया हैकथॉन) 2022 में सुश्री ए. अमृता श्री ने अपनी टीम "टीम आधृत" के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया।
- श्री यशवन्त कुमार, श्री वाई धनुष साई रेड्डी, श्री मकीरेड्डी किरण बाबू, श्री थुम्मनपल्ली शिव कुमार, श्री टंकला गोपी, सुश्री गीता माधुरी ने अपनी टीम "वी कोडर्स" के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया।
- श्री आयुष अग्रवाल, श्री रवि गुप्ता, श्री हार्दिक वर्मा, सुश्री अक्षांश वर्मा, सुश्री मुम्माडिसेट्टी देवी प्रसन्न, सुश्री संकिनेनी आश्रिता राव ने अपनी टीम "स्मैशर्स" के साथ दूसरा रनर अप स्थान हासिल किया।
- श्री अथर्व भावसार, श्री वेदांत सिंह, श्री आयुष शर्मा, ने अपनी टीम "स्टिंग्रे" के साथ दूसरा रनर अप स्थान हासिल किया।
- निम्नालिखित छात्रों ने डॉ. आलोक कुमार सिंह कुशवाह के मार्गदर्शन में आई.क्यू.ए.सी. के प्रोजेक्ट पूरे किए और उन्हें उनके शिक्षकों श्री अमित बघेल और श्री सतीश नेगी द्वारा मार्गदर्शन दिया गया।
- श्री अभिषेक कुमार गुप्ता, श्री श्रेयस कुमार ठाकुर, श्री विक्रम शिशुपाल सिंह बैस, सुश्री आस्था गढ़ेवाल, श्री अजय कुमार शुक्ला, श्री अमोघ प्रवीण पीट, श्री हिमांशु गुप्ता, श्री युवराज सिंह और उनकी टीम द्वारा आईक्यूएसी एक्यूआर सॉफ्टवेयर का निर्माण ।
- श्री श्रेयस कुमार ठाकुर और उनकी टीम ने आई.क्यू.ए.सी. एसएसआर सॉफ्टवेयर बनाया।
- श्री अभिजीत त्रिपाठी ने आई.क्यू.ए.सी के लिए एक अधिकारिक वेबसाइट बनाई।
- श्री अभिजीत त्रिपाठी ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के साथ "प्रीसियर सॉफ्टवेयरर्स प्राइवेट लिमिटेड" नाम से अपना स्टार्टअप पंजीकृत किया। उनका स्टार्टअप इंडिया और एमएसएमई पहल के साथ भी पंजीकृत है और आईएएफ (इंडियन अचीवर्स फोरम) द्वारा "द मोस्ट प्रॉमिसिंग स्टार्टअप अवार्ड 2022 के लिए चुना गया है।
- श्री अमोघ प्रवीण पेटे ने, श्री हिमांशु गुप्ता, श्री शुभम वार्ष्णेय, श्री पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा और श्री सतीस कुमार नेगी द्वारा लिखित एक पेपर प्रस्तुत किया। पेपर जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज (टेलर एंड फ्रांसिस) में प्रकाशित किया जाएगा। यह पत्रिका (वेब ऑफ साइंस) में अनुक्रमित है।
- सुश्री चिप्पाडा मोनिशा ने , श्री कोली पवन कुमार, श्री पसिली अजय, श्री पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा और श्री सतीश कुमार नेगी द्वारा लिखित "मल्टी–फैक्टर ऑथेंटिकेशन के निहित तरीके" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। पेपर को स्प्रिंगर पुस्तक श्रृंखला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस–एन्हांस्ड सॉफ्टवेयर और सिस्टम इंजीनियरिंग के तहत प्रकाशित किया जाएगा।
- अभिजीत त्रिपाठी ने अंतिम वर्ष में एक भारतीय पेटेंट प्रकाशित किया। जिसका पेटेंट नंबर 202231025610 है।
- अंतिम वर्ष अभिजीत त्रिपाठी ने "स्वावलंबी छत्तीसगढ़" पोर्टल विकसित किया है, जिसने एक सप्ताह में 500

से अधिक पंजीकरण पार कर लिए हैं। इस पोर्टल पर स्ववालंबी छत्तीसगढ़ अभियान में भाग लेने वाले रिकॉर्ड संख्या में 95 शैक्षणिक संस्थान हैं।

- तीसरे वर्ष की ए. अमृता श्री को माइक्रो सॉफ्ट एंगेज इंटर्न 2022 के मेंटी के रूप में शॉर्टलिस्ट किया गया और शैक्षणिक वर्ष 2023 के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग इंटर्न बनने का सीधा प्रस्ताव मिला।
- तीसरे वर्ष के छात्र आदर्श सौरभ और ऋषिकेष कुमार जीजीवी के मानव संसाधन विकास केंद्र में इंटर्नशिप कर रहे हैं।
- तीसरे वर्ष के छात्र कर्ण तिवारी, विक्की कुमार पटेल, अभिज्ञान और आदर्श सौरी‍ा ने डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह के मार्गदर्शन में डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए वेबसाइट बनाई।
- अंतिम वर्ष के छात्र प्रणव राजवीर और डी. साई लक्ष्मी, सैमसंग द्वारा दिल्ली में आयोजित सैमसंग के प्रमुख कार्यक्रम, सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो 2022 (भारत में उद्घाटन कार्यक्रम) में शीर्ष प्रदर्शनकर्ता (शीर्ष 50) रहे हैं। उन्हें पूरे भारत में 20000 से अधिक आवेदकों में से चुना गया है। उन्हें अपने प्रोजेक्ट के लिए इक्विटी के बदले 50 लाख से 1 करोड़ रूपये की फंडिंग की सिफारिश भी मिली है और वह सिफारिश पाने वाली शीर्ष 10 टीमों में से एक बन गए हैं। सीएचएमएस (सेंट्रलाइज्ड हेल्थकेयर मैनेजमेंट सिस्टम) नाम की उनकी परियोजना हेल्थकेयरल वर्ल्ड वाइड के आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्र में एक बड़ी समस्या को हल करने पर केंद्रित थी।

- अभिजीत त्रिपाठी और उनकी कंपनी प्रेसियर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटड को वर्ष 2022 का प्रतिश्ठित पुरस्कार दिया गया, कंपनी ने इनर–रिव्यू पत्रिका (एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार पत्रिका) में स्थान प्राप्त किया और इन्हें प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय व्यापार मीडिया "एंटरप्रेन्योर" द्वारा वर्ष 2022 के युवा उद्यमी के रूप में नामांकित किया गया।

- अभिजीत त्रिपाठी के स्टार्टअप प्रीसीयर सॉफ्टवेयर्स प्राइवेट लिमिटेड को "माइक्रोसॉफ्ट फाउंडर्स हब और गूगल फॉर स्आर्टअप्स" के तहत स्वीकार कर लिया गया ।

- द्वितीय वर्ष के छात्र मदावी अर्जुन ने "सी भाषा में प्रोग्रामिंग के माध्यम से समस्या समाधान" के एनपीटीईएल पाठ्यक्रम में 78 प्रतिशत के साथ रजत रैंक हासिल की।

- द्वितीय वर्ष के छात्र मदावी अर्जुन ने 22.11.2022 से 25.11.2022 तक मेघालय में आयोजित ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल मीट में भाग लिया।

- एलसीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के "कोड–एथॉन 1.0 में अंतिम वर्ष के छात्र सूरज पटेल दूसरे स्थान पर रहे और 1501 रूपये जीते, हिमांशु गुप्ता ने तीसरे स्थान के साथ 1001 रूपये जीते एवं सुशील कुमार ने चौथा स्थान प्राप्त किया। तीसरे वर्ष के छात्र अंकुश मुदगिल, छठे स्थान पर रहे। विजेताओं को रेजिलिएंस सॉफ्ट से प्री–प्लेसमेंट साक्षात्कार का अवसर मिला।

- अंतिम वर्ष के छात्र डी साई लक्ष्मी, प्रणव राजवीर और जे श्याम पाल ने हीरो कैंपस चैलेंज सीजन–8 के वर्चुअल प्रेजेंटेशन राउंड में जगह बनाई। वे 75,384 प्रतिभागियों में से शीर्ष 30 टीमों में थे।

- अंतिम वर्ष के छात्र अभिजीत त्रिपाठी ने पेटेंट आवेदन संख्या 202231058937 के साथ "स्वचालित एल्गोरिथम ट्रेडिंग और प्रक्रिया अनुकूलन के लिए एक एआई–संचालित पोर्टफोलियो प्रबंधन प्रणाली" नामक एक भारतीय पेटेंट प्रकाशित किया।

- अभिजीत त्रिपाठी, अंतिम वर्ष के छात्र, को प्रोडिगल एआई टेक्नोलॉजीज पीटीवाई लिमिटेड (एक ऑस्ट्रेलियाई एआई कंपनी) के न्यू साउथ वेल्स स्थित कार्यालय में "वरिष्ठ व्यवसाय विकास कार्यकारी" के रूप में वरिष्ठ प्रबंधन में पदोन्नत किया गया।

- अभिजीत त्रिपाठी को कागल द्वारा कागल एक्स बीआईपीओसी कार्यक्रम 2023 में मेंटर के रूप में चुना गया।

- प्रथम वर्ष के छात्र आर्यन पटेल ने बीटेक कॉमरेड्स के लिए कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लिया। और वे टूर्नामेंट में उपविजेता रहे।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सन् 1998 में 40 छात्रों के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग प्रारंभ किया गया। बाद में, सीटों की संख्या बढ़कर 60 हो गई और अब यह 75 हो गई है। सत्र 2012–13 से पीएच. डी. कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। वर्तमान में विभाग में सात शोध निर्देशक उपलब्ध हैं।

वर्तमान में, विभाग में 17 नियमित शिक्षक (2 सह–प्राध्यापक और 15 सहायक प्राध्यापक) और 2 तदर्थ शिक्षक भी हैं। एक शिक्षक अध्ययन अवकाश पर है और वह आईआईटी खड़गपुर से पी.एचडी कर रहा है। विभाग में इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी के विविध विशेषज्ञता वाले सुयोग्य एवं उच्च शिक्षित शिक्षक हैं। विभाग में माइक्रोवेव और आरएफ फील्ड, इमेज प्रोसेसिंग, वायरलेस कम्युनिकेशन और 5 जी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में शोध निरंतर प्रगति कर रहा है।

विभाग में बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, सिग्नल एंड सिस्टम्स, डिजिटल लॉजिक डिजाइन, लीनियर इंटीग्रेटेड सर्किट्स और एप्लीकेशन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन, कम्युनिकेशन सिस्टम, माइक्रो प्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर्स, डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग, वीएलएसआई, वीएचडीएल डिजाइन, डाटा कम्युनिकेशन, माइक्रो वेव कम्युनिकेशन, सर्किट सिमुलेशन और ऑप्टिकल फाइबर कम्युनिकेशन और सैटेलाइट कम्युनिकेशन जैसे प्रमुख विषयों के साथ बी.टेक पाठ्यक्रम भी संचालित है। विभाग में पिछले सत्र से इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग की स्ट्रीम में एमटेक कोर्स भी शुरू किया गया है। विभाग के पास विषयों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएँ भी हैं। नवीनतम तकनीक के साथ अद्यतन रहने के लिए विभाग के अध्ययन मंडल द्वारा लगभग प्रत्येक वर्ष पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया है।

दृष्टिकोण

- विभाग छात्रों को प्रक्रिश्ट ज्ञान प्रदान करके, अनुसंधान गतिविधियों को आसान करने और लगातार बदलती औद्योगिक मांगों, वैश्विक और सामाजिक जरूरतों को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रयासरत् है।

उद्देश्य

- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी में बुनियादी, वर्तमान और भविष्य की तकनीकों के लिए प्रत्येक छात्र और शिक्षक को समायोजित करने के लिए शैक्षणिक दृढ़ता का प्रतीक बनना।
- सामाजिक जरूरतों के अनुसार व्यवसाय संबंधी आचार संहिता के साथ–साथ तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करना।

विभाग की गतिविधियां

- विभाग ने 05/09/2022 से 09/09/2022 तक पर "परिणाम आधारित पाठ्यक्रम डिजाइन" पर राष्ट्रीय स्तर पर एफडीपी का आयोजन किया। इसे एनआईटीटीआर चंडीगढ़ ने प्रायोजित किया था।(कार्यक्रम समन्वयक : डॉ अनीता खन्ना, सह समन्वयक : डॉ निपुण मिश्रा और श्री जितेंद्र भारद्वाज, आयोजन समिति : डॉ पंकज शंकर श्रीवास्तव, श्री दीपक राठौर, डॉ निकिता कश्यप, श्रीमती प्रगति पठारिया, श्रीमती प्रवीणा राजपूत, श्रीमती बी नाथ, श्री चंदन ताम्रकार, श्रीमती भावना शुक्ला, श्री श्रवण पटेल)।
- विभाग ने 01/03/2023 को आईआईटी कानपुर के सहयोग से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया। (कार्यक्रम समन्वयक डॉ निपुन मिश्रा सह समन्वयक सीएसई विभाग से श्री पुष्पेंद्र चंद्रा)
- विभाग ने ईसीई व्याख्यान श्रृंखला के दूसरे, तीसरे और चौथे मॉड्यूल का संचालन विवेकानन्द आश्रम बिलासपुर के प्रख्यात वक्ता स्वामी सेवाव्रतानंद और विभाग के पूर्व छात्रों के साथ सफलता पूर्वक किया।
- विभाग ने पाठ्यक्रम को अद्यतन करने के लिए ऑनलाइन मोड द्वारा 04/06/2023 को बीटेक तृतीय वर्ष के लिए अध्ययन मंडल की बैठक आयोजित की।
- विभाग छात्रों और शिक्षकों की टीम के साथ त्रैमासिक न्यूज लेटर प्रकाशित करता है। (समन्वयक : डॉ अनिल कुमार सोनी और श्रीमती प्रवीणा राजपूत)
- विभाग ने 22 दिसंबर 2022 को उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल, एसओएस (ईएंडटी) जीजीवी और बीएसएनएल एक्सचेंज कार्यालय बिलासपुर के सहयोग से एमएसएमई दुर्ग में तीसरे वर्ष और अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए औद्योगिक भ्रमण के दूसरे चरण का सफलतापूर्वक संचालन किया।
- विभाग ने एसओएस (ईएंडटी) के ई क्लास रूम में छात्रों और शिक्षकों के साथ 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस मनाया।
- विभाग ने सितंबर 2022 के पहले सप्ताह में विभाग के सभी शिक्षकों और छात्रो ंके साथ स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर वृक्षारोपण और शपथ आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।
- विभाग ने 12 दिसंबर 2022 को विभाग के सभी शिक्षकों और छात्रों के लिए "सड़क सुरक्षा" पर एक शपथ समारोह का आयोजन किया।
- विभाग ने 31/10/2022 को सभी शिक्षकों और छात्रो के लिए "राष्ट्रीय एकता दिवस" पर एक प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया।
- विभाग के सभी शिक्षकों और छात्रों ने दिनांक 04/09/2022 को स्वच्छता (स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर) पर शपथ ली।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- डॉ. निपुण कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इलाहाबाद द्वारा दिनांक 24 से 26 मार्च, 2023 को "माइक्रो वेव, एंटीना और संचार (मैक 2023)" पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षक के रूप में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- डॉ निपुण कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक का एलसीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा दिनांक 19/04/2022 से 20/04/2022 तक "बहुविषयक अनुसंधान और नवाचार आईसीईटीएमआरआई 2022 में उभरते रुझान" पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सत्र में अध्यक्ष के रूप में और "एंटीना 5जी संचार" पर मुख्य व्याख्यान के रूप में अपने बहुमूल्य ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- डॉ. निपुण कुमार मिश्रा, सहायक प्राध्यापक को आईईईई एमटीटी/एपी सोसाइटी बैंगलोर जेटी चैप्टर द्वारा "माइक्रोवेव, एंटीना और प्रोपेगेशन मैपकॉन 2022 (दिसंबर 12–15 2022)" पर आयोजित प्रथम आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षक के रूप में योगदान देने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

- श्री जितेंद्र भारद्वाज, सहायक प्राध्यापक को 06 से 16 जून 2022 तक आयोजित को समर स्कूल बूट कैंप, एसीआईसी आईआईटी (आईएसएम) फाउंडेशन धनबाद में "नए उत्पाद विकास के लिए रणनीतियाँ" पर एक व्याख्यान देने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- डॉ अनिल कुमार सोनी, सहायक प्राध्यापक को एमएनएनआईटी इलाहाबाद प्रयागराज यूपी द्वारा अंतरविषयक अनुसंधान में उन्नति एआईआर 2022 (6 से 7 मई 2022) पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- डॉ अनिल कुमार सोनी, सहायक प्राध्यापक को एमएनएनआईटी इलाहाबाद प्रयागराज यूपी द्वारा अंतरविषयक अनुसंधान एआईआर 2022 (6 से 7 मई 2022) में उन्नति पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।
- विश्वविद्यालय ने विभाग में अनुसंधान कार्य को बढ़ावा देने के लिए डॉ. रुचि त्रिपाठी और डॉ. अनिल कुमार सोनी को व्यक्तिगत रूप से एक–एक लाख रुपये की बीज राशि प्रदान की।
- विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. निकिता कश्यप ने दिनांक 23 फरवरी 2023 को शासकीय ई. राघवेंद्रराव पीजी साइंस कॉलेज बिलासपुर द्वारा आयोजित "समाज के साथ समाज के लिए विज्ञान" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- इसके अलावा विभाग के शिक्षकों ने अपने ज्ञान और विकास को अद्यतन करने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण, शिक्षक विकास कार्यक्रम (एफडीपी) और अल्पावधि पाठ्यक्रम में भाग लिया।

छात्रों की उपलब्धियां

- टीसीएस, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीस और हाई टेकनेक्स्ट जैसी विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में 12 छात्रों का चयन हुआ है, जिसमें एक छात्र ने 6 एलपीए वेतन पैकेज प्राप्त किया।
- विभाग के ऋषभ उपाध्याय (बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र) ने 23 जनवरी 2023 को प्राइड, लोकसभा सचिवालय द्वारा संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित श्री सुभाष चंद्र बोस राष्ट्रीय पुष्पांजलि समारोह में भाग लिया। उन्हें माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ।
- अमृत राज (बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र) ने एनएसएस द्वारा दिसंबर 2022 में रोहतक में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर, में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।
- ऋषभ उपाध्याय और अमृत राज को यूनिवर्सिटी 2021–22 के जेंडर चौंपियन के लिए चुना गया।
- ऋषभ उपाध्याय और वीरेंद्र यादव (बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र) और अभिषेक पाल (अंतिम वर्ष बी टेक छात्र मैकेनिकल ब्रांच) को उनके विचार "रोजगार खोजो" के लिए जनवरी 2023 में यूरेकाई सेल आईआईटीबी के फाइनल के लिए चुना गया।
- विभाग के कई छात्रों ने ऑनलाइन प्रशिक्षण / इंटर्नशिप / औद्योगिक यात्रा / संयंत्र प्रशिक्षण में भाग लिया।
- विभाग की शोध छात्रा कुमारी अदिति शर्मा ने माइक्रोवेव, एंटीना और प्रोपेगेशन सम्मेलन 2022 (MAPCON–22) में "वायरलेस एप्लिकेशन के लिए डीजीएस के साथ पीएसपीआर का उपयोग करके एमआईएमओ में सुधार" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी

औद्याोगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग वर्श 1997 में स्थापित किया गया था। विभाग में अच्छी तरह से योग्य संकाय और प्रशिक्षित कर्मचारी है। विभाग में 13 नियमित शिक्षक और 03 गैर–शिक्षण कर्मचारी हैं। विभाग के पास छात्रों के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं है। एसईसीएल , भेल, बाल्को, जिंदल, सीएसईबी बिजली संयत्रों और अन्य सार्वजनिक और निजी कंपनी जैसे संगठनों में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए अंतिम वर्श और पूर्व–अंतिम वर्श के छात्रों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की

जाती है।

विभाग अन्य गतिविधियों जैसे सेमिनार, अतिथि व्याख्यान, योग्यता परीक्षण, प्रश्नोत्तरी के आयोजन में भी लगा हुआ है ताकि अंतरव्यक्तिगत कौशल प्रदान किया जा सके और विकसित किया जा सके। विभाग से उत्तीर्ण छात्र रिलायंस एनर्जी लिमिटेड, बाल्को जिंदल, सीएसईबी, डीआरडीओ, इसरो, एचएएल ओर भारतीय रेलवे जैसे कंपनी में काम कर रहे हैं।

औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग स्नातकोत्तर और स्नातक स्तर पर प्रभावी शिक्षण सीखने की प्रक्रियाओं के माध्यम से औद्योगिक एवं उत्पादन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में एकीकृत प्रणालियों और उच्च अंत तकनीकों को डिजाइन करके मानव जीवन को आसान बनाने की कल्पना करता है और अनुसंधान को शामिल करता है। देश को सशक्त बनाने की दिशा में इंजीनियरिंग का बेहतर उपयोग करते हुए छात्रों को लचीला, उत्पादनोन्मुख एवं ग्राहकोन्मुख बनाने के लिए अध्यापक, छात्र एवं कर्मचारी मिलकर एक शानदार शैक्षिक अधिगम का वातावरण निर्मित करते हैं जहां :–

- नवोन्मेशी प्रथाओं का विकास परीक्षण और सत्यापन किया जााता है।
- ज्ञान और प्रथाओं को साझा किया जाता है।
- प्रत्येक व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता का विकास करता है।
- पेशेवर नैतिकता का हर समय अभ्यास किया जाता है।

- इंजीनियरिंग समस्याओं की संकल्पना और समाधान करने की क्षमता तथा उन समस्याओं के संभावित संसाधनों के एक विस्तृत श्रंखला का मूल्यांकन करना और विशेशज्ञता के मुख्य क्षेत्रों में सार्वजनिक सुरक्षा, सांस्कृतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कारकों पर विचार करते हुए व्याहारिक, इष्टतम समाधान पर पहुंचना।

दृष्टि

रचनात्मक और रोजगार योग्य स्नातक तैयार करने के लिए मान्यता प्राप्त उत्कृश्टता का एक प्रमुख केंद्र बनना जो आर्थिक वृद्धि और विकास को आगे बढ़ाते हैं।

मिशन

औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग में संपूर्ण शिक्षा प्रदान करना जो छात्रों को वैश्विक नेता और उद्यमी बनने और बाजार के लिए नए टिकाऊ समाधान विकसित करने के लिए ज्ञान ओर क्षमताओं से लैस करता है।

विभाग की गतिविधियां

विभाग हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाता है और इस शुभ अवसर पर विभाग ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान और दर्शन और एनईपी 2020 के प्रभावी कार्यान्वयन में शिक्षकों और छात्रों की भूमिका के बारे में चर्चा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

- दिनांक 02.09.2022 को स्वच्छता पखवाड़ा (विभागीय स्तर पर सफाई अभियान) के संदर्भ में औद्योगिक एवं

उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग के शिक्षकों ने स्वेच्छा से भाग लिया और कक्षाओ, मुख्य उद्यान और भीतरी मैदान के एक हिस्से की सफाई की गई।

- औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 12 सितंबर से 16 सितंबर 2022 तक "ऊर्जा संचयन और भंडारण सामग्री और उपकरण (आईसीटी–113)" पर लघु अवधि ऑनलाइन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसे एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित किया गया था।

- औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 14 से 18 नवंबर 2022 तक "इंजीनियरिंग में वित्त पोशण अवसर (आईसीटी–143)" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी विकास कार्यक्रम विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसे एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित किया गया था।

- 27 फरवरी 2023 की दो फैकल्टी सदस्यों श्रीमती अर्पिता रॉयचौधरी और श्री नितिन कुमार साहू के साथ बीटेक चतुर्थ और शश्ठ सेमेस्टर इंडस्ट्रियल एंड प्रोडक्शन इंजीनियरिंग के 45 छात्रों ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) भनपूरी, रायपुर (छत्तीसगढ़) का दौरा किया।

- 17 फरवरी 2023 को बीटेक अष्टम सेमेस्टर, एम.टेक और पीएचडी के 35 छात्र, औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग दो शिक्षकों डॉ. गणेश प्रसाद शुक्ला और डॉ. अनूलाल महतो के साथ प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चांपा का दौरा किया।

- "रोजगार के लिए कौशल विकास (आईसीटी–99)" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित किया गया था 16 जनवरी से 20 जनवरी 2023 तक एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा प्रायोजित किया गया था।

- विभाग ने 3 अप्रैल 2023 को सुबह 10:00 बजे नई आईटी बिल्डिंग के ई–कक्षा में आईआईआईई के राश्ट्रीय परिशद के संयुक्त सचिव और इजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के डीन की उपस्थिति में बिलासपुर अध्याय का सफलतापूर्वक उद्घाटन किया।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग वर्ष 2000 में स्थापित किया गया था। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का उद्देश्य शिक्षा और अनुसंधान के माध्यम से उच्च श्रेणी के इंजीनियरों का निर्माण करके राष्ट्र का निर्माण करना है। पिछले एक दशक के दौरान विभाग ने उन स्तरों पर समाज को प्रभावित किया है जो अकादमिक संस्थानों के बीच समानांतर रूप से बने हुए हैं। इसके स्पिन–ऑफ देश में सबसे सफल कॉर्पोरेट उपक्रमों में से हैं और अकादमिक और कॉर्पोरेट अनुसंधान दुनिया के कई नेता यहां से स्नातक हैं। विभाग विकास और प्रणाली की सोच, समस्या को सुलझाने विश्लेषण डिजाइन अनुसंधान टीम के काम संचार कौशल और आजीवन सीखने के लिए तत्परता को मजबूत बनाने पर केंद्रित है। विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम इंटरएक्टिव लेक्चर्स गाइडेड केस स्टडीज लिटरेचर सर्वे और प्रोजेक्ट वर्क की मिश्रित तकनीकों का उपयोग करते हैं जिनके लिए टीम वर्क और महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच की आवश्यकता होती है। यह स्नातक के साथ–साथ स्नातक अनुसंधान गतिविधियों पर जोर देता है। गुणवत्ता नीति हमारे प्रयासों में उत्कृष्टता के वैश्विक मानकों को आगे बढ़ाने और आत्म–मूल्यांकन और निरंतर सुधार की प्रक्रियाओं के माध्यम से जवाबदेह बने रहने के लिए है। अनुभवी और योग्य संकाय सदस्यों की एक टीम के माध्यम से विभाग प्रयोगशाला और परियोजना के काम पर बहुत जोर देता है। जबकि प्रयोगशालाओं का उपयोग विभिन्न अवधारणाओं उपकरणों और तकनीकों को विकसित करने और लागू करने के लिए कौशल विकसित करने के लिए किया जाता है उनका मुख्य उद्देश्य मुख्य तकनीकी के साथ–साथ अनुभवात्मक और सहयोगी सीखने के माध्यम से सामान्य पेशेवर दक्षताओं को

विकसित करना है।

प्रयोगशालाओं का मुख्य उद्देश्य प्रयोगों को डिजाइन और संचालित करने की क्षमता विकसित करना है डेटा एकत्र, विश्लेषण और व्याख्या स्वतंत्र रूप से और टीमों में भी काम करते हैं और रिपोर्टिंग और संचार कौशल में सुधार करने के लिए भी। सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम ऑपरेटिंग सिस्टम डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली नेटवर्किंग के साथ–साथ सिस्टम विश्लेषण और डिजाइन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ईआरपी और कंप्यूटर ग्राफिक्स जैसे अग्रिम विषयों में पर्याप्त पृष्ठभूमि के साथ छात्रों को जटिल सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों का विश्लेषण और डिजाइन प्रदान करता है। सूचना प्रौद्योगिकी में डिजिटल कंप्यूटर सूचना सिद्धांत और संचार प्रणालियों के डिजाइन कार्यान्वयन और प्रोग्रामिंग शामिल हैं। विभाग का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पेशेवर रूप से सक्षम जनशक्ति तैयार करना है। विभाग में उपलब्ध प्रमुख अनुसंधान सुविधाओं में लैन ट्रेनर किट, माइक्रोप्रोसेसर किट, डीएलडी किट और 140 कंप्यूटर हैं। विभाग के पास DOT-NET MATLAB और नवीनतम ऑपरेटिंग सिस्टम जैसे नवीनतम सॉफ्टवेयर हैं।

विभाग की गतिविधियां

- डॉ. रोहित राजा (को–पीआई) द्वारा दिनांक 09.03.2023 को जीजीवी बिलासपुर में टीईसी की स्थापना। कुल लागत 3,56,60,000 / – (तीन करोड़ छप्पन लाख साठ हजार केवल) । 5 साल की अवधि के लिए।
- पीएमकेवीवाई 4.0 के लिए नोडल अधिकारी /एसपीओसी डॉ. रोहित राजा को नियुक्त किया गया।
- केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में छात्रों के क्षमता निर्माण के लिए डॉ. रोहित राजा नोडल आफिसर बनाया गया।

छात्रों की उपलब्धियां

- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के भावेश खत्री, इशिका साहू, दुष्यंत पराशर और प्रशांत यादव नाम के 4 छात्र दिल्ली पुलिस के साथ (बाज) नामक एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। इसमें उन्हें एक काम करने वाला मोबाइल एप्लिकेशन बनाना होगा, जिसका उपयोग दिल्ली पुलिस के आंतरिक अधिकारी कंट्रोल रूम से एफआईआर विवरण प्राप्त होने के बाद करेंगे।
- इसमें उन्हें एक सर्वर का उपयोग करके सभी विवरणों को लिंक करना होता है और उन्हें कुछ उन्नत सुविधाओं जैसे फेस डिटेक्शन और नंबर प्लेट डिटेक्शन को भी जोड़ना होता है।
- सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तीसरे वर्ष के छात्र को साइबर सुरक्षा इंटर्न के रूप में साइबरसोशल प्राइवेट लिमिटेड – हर किसी के लिए हर बार दो महीने की समय अवधि के लिए एक ऑनलाइन इंटर्नशिप का अवसर मिला है। इस इंटर्नशिप की पेशकश करने वाली संस्था उन्हें साइबर फोरेंसिक और एथिकल हैकिंग में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी और प्रति माह रू. 12,000 का वजीफा भी देगी।
- एशिया के सबसे बड़े आयोजन स्मार्ट इंडिया हैकथॉन सीनियर सॉफ्टवेयर एडिशन 2022 में छात्रों की उपलब्धियां।
- ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित प्रॉब्लम स्टेटमेंट में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की टीम वेबिनार उपविजेता रही।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना वर्ष 2006 में स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में की गई थी। विभाग बी.टेक (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) और एम.टेक. (मशीन डिजाइन) कार्यक्रम क्रमशः 75 और 23 छात्र संख्या क क्षमता के साथ प्रदान करता है। विभाग मैकेनिकल इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं जैसे थर्मल और फ्लूइड्स इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग आदि में कार्यक्रम पी.एच.डी. भी प्रदान करता है। सत्र 2022–23 से, विभाग को प्रतिष्ठित एआईसीटीई डॉक्टोरल फेलोशिप (एडीएफ) के लिए मंजूरी मिल गई है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के पास अनुभवी और योग्य शिक्षकों की एक टीम है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षकों के पास विविध प्रकार की विशेषज्ञता है और वे सक्रिय रूप से अनुसंधान और विकास गतिविधियों में लगे हुए हैं। विभाग में 14 पूर्णकालिक संकाय सदस्य हैं, जिनमें प्रोफेसर, एसोसिएट

प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर शामिल हैं। विभाग छात्रों और शिक्षकों की शैक्षणिक और अनुसंधान आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए आधुनिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। विभाग के पास व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए कई प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें थ्योरी ऑफ मशीन, स्ट्रेंथ और मैटेरियल्स, हीट एंड माश ट्रांसफर, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कडीशनिंग एवं सेंट्रल वर्कशॉप शामिल हैं। छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग ने विभिन्न उद्योगों और अनुसंधान संगठनों के साथ समझौता किया है। छात्रों को उद्योग–प्रायोजित परियोजनाओं पर काम करने आर इंटर्नशिप में भाग लेने का अवसर मिलता है, जो उन्हें व्यावहारिक कौशल विकसित करने और उद्योग का अनुभव हासिल करने में मदद करता है। विभाग का प्लेसमेंट रिकॉर्ड अच्छा है और यह अपने छात्रों की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएं भी आयोजित करता है। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद, कई छात्र आईआईटी, एनआईटी और प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों में उच्च अध्ययन के लिए जा रहे है। हमारे पूर्व छात्र पूरे देश और विदेश में केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, सार्वजनिक और जिनी क्षेत्रों में अच्छे पदों पर काम कर रहे है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का दृष्टिकोण और मिशन नीचे बताया गया हैः–

दृष्टि

- गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन उत्पन्न करने के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र बनाना जो राष्ट्र के तकनीकी और सामाजिक–आर्थिक विकास में रचनात्मक योगदान दे सकें।

मिशन

- अनुभवी और समर्पित शिक्षकों के माध्यम से विश्व स्तर पर सक्षम यांत्रिक इंजीनियरों की आपूर्ति करना।
- वैज्ञानिक स्वभाव, तर्कसंगत सोच और मानवता वादी दृष्टिकोण वाले स्नातकों को उनके करियर में उत्कृष्टता के लिए निर्मित करना।

उद्देश्य

- मैकेनिकल इंजीनियरिंग स्नातकों का निर्माण करना जो नवीन सैद्धांतिक और प्रायोगिक ज्ञान रखते हों और शासकीय सेवाएं, सार्वजनिक क्षेत्र एवं उद्योगों की आवश्यकता पूर्ति करने में सक्षम हों।
- उद्योग और अन्य संगठनों के साथ सहयोग और साझेदारी को मजबूत और विस्तारित करना।

विभाग की गतिविधियां

- विभाग में म्यांमार की एक विदेशी छात्रा सुश्री टोई यादनार को शोध हेतु छह महीने की अवधि के लिए फिक्की के तहत डीएसटी से वित्तीय सहायता प्राप्त प्रतिष्ठित आसियान–भारत अनुसंधान और प्रशिक्षण फेलोशिप (एआईआरटीएफ) से सम्मानित किया गया। विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार गुप्ता इनके शोध निर्देशक थे। एआईआरटी फेलो ने सोलर ड्रायर पर प्रायोगिक और संख्यात्मक जांच पर शोध किया।
- "इंडस्ट्री रेडी इंजिनीयर्स" विषय पर एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन दिनांक 07 अप्रैल 2022 को श्री भूषण सिंह गौतम के समन्वय में किया गया।
- "संवाद–ए करियर गाइडेंस सेशन विथ एन अलुमनी" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन दिनांक 16 मई 2022 को श्रीमती श्वेता सिंह और श्री प्रतीक गुप्ता के समन्वयन में किया गया।
- "ऊर्जा जलवायु परिवर्तन और मैं" विषय पर एक इंटरएक्टिव टॉक का आयोजन दिनांक 22 जून 2022 को श्री मनीष भास्कर के समन्वयन में किया गया।
- "ए.एन.एस.वाई.एस.– मैकेनिकल और सीएफटी" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 06 दिसम्बर 2022 से 07 दिसम्बर 2022 को डॉ. पंकज कुमार गुप्ता के समन्वय में किया गया।
- "क्लाउड कंप्यूटिंग" विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन दिनांक 22 दिसंबर 2022 को श्री प्रदीप

पाटनवार के समन्वयन में किया गया।

- "डॉ. एम. मुथुरमन, एजीएम, एनटीपीसी, सीपत" के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन दिनांक 20 जनवरी 2023 को श्री भूषण सिंह गौतम के समन्वयन में किया गया।
- "सौर फोटोवोल्टिक टेक्नोलॉजी" पर एक विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन दिनांक 09 फरवरी 2023 को डॉ. जसिंता पूनम एक्का के समन्वय में किया गया।
- श्री नरेश बी. आर., संस्थापक जार सॉल्यूशंस, पुणे द्वारा "हाई स्पीड मशीनिंग" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन दिनांक 06 फरवरी 2023 को श्री प्रशांत कुमार जांगड़े के समन्वयन में किया गया।
- बी.टेक मैकेनिकल छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार की पाठ्यक्रम गतिविधियों के निर्माण के लिए डॉ. टी.वी. अर्जुनन, श्री भूषण सिंह गौतम और श्री बिप्लब दास द्वारा एनटीपीसी, सीपत, बिलासपुर का एक दिवसीय औद्योगिक दौरा दिनांक 10 मार्च 2023 को डॉ. टी. वी. अर्जुनन के समन्वयन में किया गया।
- उद्योग – अकादमिक सहयोग के विकास के लिए डॉ. टी.वे अर्जुनन, श्री भूषण सिंह गौतम और श्री बिप्लब दास द्वारा एसईसीएल, बिलासपुर की एक दिवसीय औद्योगिक दौरा दिनांक 17 मार्च 2023 को डॉ. टी.वी अर्जुनन के समन्वयन में किया गया।
- श्री प्रदीप पाटनवार, श्री मनीष भास्कर और श्री प्रशांत कुमार जांगड़े ने दिनांक 14 नवंबर 2022 से 18 नवंबर 2022 तक एआईसीटीई द्वारा मान्यता प्राप्त "फंडिंग ऑपर्चुनिटी फॉर इंजीनीयर्स" विषय पर एंट्रेप्रेन्योरशिप डेवेलोपमेंट एंड इंडस्ट्री को आर्टिनेशन डिपार्टमेंट गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छ. ग. (केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

डॉ. समरजीत सिंह, श्री प्रशांत कुमार जागड़े श्री मनीष भास्कर और श्री प्रदीप पाटनवार ने दिनांक 21 नवंबर 2022 से 25 नवंबर 2022 तक ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा मान्यता प्राप्त "MATLAB" आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑप्टिमाइजेशन तकनीक" विषय पर इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग

- गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ (केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया।
- श्री प्रदीप पाटनवार, श्री मनीष भास्कर और श्री प्रशांत कुमार जांगड़े ने दिनांक 05 सितंबर 22 से 09 सितंबर 22 तक ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा मान्यता प्राप्त "आउटकम बेस्ट एजुकेशन" विषय पर करिकुलम डेवलपमेंट सेंटर गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ (केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया।
- श्री भूषण सिंह गौतम और श्री प्रशांत कुमार जांगड़े ने दिनांक 12 सितंबर 2022 से 16 सितंबर 2022 (एक सप्ताह) तक ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा मान्यता प्राप्त "एनर्जी हार्वेस्टिंग एंड स्टोरेज मैटेरियल्स एंड डिवाइस" विषय पर एप्लाइड साइंस विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ (केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया।
- डॉ. जसिंता पूनम एक्का ने दिनांक 16 जनवरी 2023 से 20 जनवरी 2023 (एक सप्ताह) ए. आई. सी. टी. ई. द्वारा मान्यता प्राप्त "स्किल डेवलपमेंट और एम्प्लॉयबिलिटी" विषय पर करिकुलम डेवलपमेंट सेंटर गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर छत्तीसगढ़ (केंद्रीय विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में हिस्सा लिया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- डॉ. टी.वी अर्जुनन और डॉ जसिंता पूनम एक्का को गुरू घासीदास जयंती के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार–2021 प्राप्त हुआ।
- डॉ. पंकज कुमार गुप्ता को दिसंबर 2022 में एचबीटीयू, कानपुर में आयोजित केमकॉन–2022 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

- श्री भूषण सिंह गौतम ने 15 मार्च 2023 से 17 मार्च 2023 तक तीन दिनों के लिए एक बाहरी फंडिंग एजेंसी द्वारा आयोजित नॉइज एंड वाइब्रेशन रिफाइनमेंट के विशेषज्ञ के रूप में आइआईटी दिल्ली का दौरा किया।
- डॉ. टी. वी. अर्जुनन ने 25 जून 2022 को यूनिवर्सिटी ऑफ गुंटूर में आयोजित इंटरनेशलन कांफ्रेंस ऑफ इनोवेशन एंड चैलेंजेस इन मैकेलिकल इंजीनियरिंग आई. सी. आई. सी. एम. ई. 2022 में विशेषज्ञ व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियां

- बी. टेक– मैकेनिकल इंजीनियरिंग 8वें सेमेस्टर के छात्र श्री माधव मिश्रा ने 18 अगस्त 2022 से 22 अगस्त 2022 तक नेहरू इंडोर स्टेडियम, चेन्नई तमिलनाडु में आयोजित 75 किलोग्राम भार वर्ग के तहत बिहार किकबॉक्सिंग एसोसिएशन (वाकोइंड–बी आर) में 5वीं रैंक हासिल की।
- बी. टेक–मैकेलिकल इंजीनियरिंग 8वें सेमेस्टर के छात्र श्री माधव मिश्रा ने 07 अगस्त 2022 को रेलवे बॉक्सिंग स्टेडियम, बिलासपुर में आयोजित 60 किलोग्राम भार वर्ग के तहत 9वीं छत्तीसगढ़ राज्य किकबॉक्सिंग चैपियनशिप में 5वीं रैंक हासिल की।

2.1.3 विधि विद्यापीठ

विधि विभाग, विधि विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित एक विभाग है।

विधि विभाग

विधि विभाग की स्थापना वर्श 2012 में हुई थी। विभाग विधि के क्षेत्र में अधिगम में प्रगति, अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार को प्रोत्साहित करने की इच्छा रखता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों के पेशेवर कौशल को तरासना है जो अपने संबंधित करियर में सफलता के शिखर तक पहुंचने की इच्छा रखते हैं, चाहे वह वकालत, शिक्षाविद्, न्यायिक सेवाएं, विधायी प्रारूपण, या प्रशासन, प्रबंधन या कॉपॉरेट सलाहकार हों। विभाग का आशय ऐसे व्यक्तियों का निर्माण करना है जो समाज के विकास में योगदान दे सकें और अपने प्रयासों में उत्कृश्टता को प्राप्त कर सकें।

विभाग दो पांच वर्शीय एकीकृत पाठ्यक्रम अर्थात् बी.ए. एल.एल.बी., एक स्नातकोत्तर अर्थात् एल.एल.एम. एवं पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित करता है। विभाग के पास सर्वसुविधायुक्त एवं सुसज्जित और अद्यतन पुस्तकालय है जिसमें पुस्कों, विधि रिपोर्ट, पत्रिकाओं, मैनुअल, एस.सी.सी ऑनलाइन डेटाबेस, इत्यादि की विविधतापूर्ण श्रृंखला उपलब्ध है। विभाग के पास आवश्यक आधारभूत संरचना के साथ मूट कोर्ट रूम है। विधिक सहायता क्लिनिक और विधिक इंटर्नशिप सैल विधि विभाग की दो नई विशेशताएं है। अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधि में दक्षता बढ़ाने के लिए विभाग ने अटल बिहारी वाजपेयी स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर (छ.ग.) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर किए हैं।

विभाग में संपूर्ण भारत के प्रतिश्ठित संस्थानों के युवा और अत्यंत अभिप्रेरित शिक्षक हैं। हमें गर्व है कि हमारा सामूहिक प्रयास निरंतर अच्छी संख्या में मेधावी छात्रों का निर्माण कर रहा है।

दृष्टिकोण

हम एक ऐसे संस्थान के रूप मे विकसित होने की इच्छा रखते हें जो अपने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण विधिक शिक्षा प्रदान करे एवं उन्हें नई चीजों को सीखने के अवसर प्रदान करे, उनके कौशल को किसित करे, उनकी प्रतिभा की

पहचान कर उनका अधिकतम उपयोग करने हेतु उन्हें इस प्रकार तैयार करे जो अकादमिक रूप से सशक्त, सामाजिक रूप से प्रासंगिक एवं व्यावहारिक रूप से सक्षम व्यक्तियों का मिश्रण हो। हम पाठ्य सहगामी एवं पाठ्योत्तर गतिविधियों के माध्यम से सूचना और विचारों के आदान–प्रदान, शिक्षण में नवाचार, अधिगम और अनुसंधान में प्रगति एवं कौशल के विकास के लिए एक मंच के निर्माण का आशय रखते हैं।

उद्देश्य

बीसीआई से अनुमोदन प्राप्त होने के बाद, विधिक शिक्षा प्रदान करने में कार्यरत्, विधि विभाग सभी लक्ष्य और उद्देश्यों के साथ लगातार अपने दायरे का विस्तार कर रहा है :

- छत्तीसगढ़ राज्य में विधिक अध्ययन में उन्नत शिक्षा का केंद्र बनना और सभी आकांक्षियों की पहुंच के भीतर अधिगम और अनुसंधान के अवसर प्रदान करना।

- विधिक शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, जो विधिक ज्ञान, कौशल और सिद्धांत; नैतिक और पेशेवर आदतों, मूल्य, और समाज में प्रायोगिक ज्ञान के माध्यम से विधि की समझ को संतुलित करते हैं।

- नवोन्मेशी, उच्च प्रभाव वाले और अग्रणी अनुसंधान में संलग्न होना जो विषयान्तर्गत और विषय से परे विधि के विकास और न्याय तक पहुंच बढाने में योगदान दें।

- व्यावसायिक साझेदारी के साथ विभाग को जनता की सेवा के लिए प्रस्तुत करना और सामाजिक और आर्थिक विकास में योगदान करना।

शैक्षणिक वर्ष 2022–23 में विभाग की गतिविधियां:

- अधिवक्ता अधिनियम पर एक दिवसीय वेबिनार का 10 मई, 2022 को आयोजन जिसमें बार काउंसिल की स्थापना पंजीकरण की प्रक्रिया और अधिवक्ता के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, की जानकारी दी गयी। आयोजित इस कार्यक्रम की शोभा पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता श्री शांतनु कुमार ने बढ़ाई।

- विभाग के सभी छात्रों को विभाग में उनके अध्ययन के दौरान उनकी विधिक इंटर्नशिप करने के लिए उन्हें संगठन की खोज में सक्षम बनाने के लिए, विभाग के लीगल इंटर्नशिप सेल में इंटर्नशिप कैसे प्राप्त करें विषय पर वेबिनार का आयोजन 20.08.2022 को किया। श्री मुकुंद विधि प्रयोगशाला के संस्थापक के महेश्वरी ने संसाधन व्यक्ति के रूप में इस अवसर पर मार्गदर्शन किया।

- विभाग ने महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क, मुंबई कार्यालय के सहयोग से बौद्धिक संपदा अधिकारों पर राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन (एनआईपीएएम) के तहत 26.08.2022 को एक वेबिनार का आयोजन किया

- विभाग ने लैंगिक समानता पर 27 अगस्त, 2022 को एक वेबिनार का आयोजन किया जिसमें संसाधन व्यक्ति के रूप में डॉ. रूचि रानी सिंह (सहायक प्राध्यापक, विधि विभाग डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सौगोर, एमपी) ने मार्गदर्शन किया।

- विभाग द्वारा "भारत में एसिड अटैक और उसके सामाजिक कानूनी परिणाम" पर दो दिवसीय अतिथि व्याख्यान / पारस्परिक विचार–विमर्श सत्र 15 और 16 सितंबर, 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें डॉ.

नवप्रीत कौर (चंडीगढ़ स्थित वकील/सामाजिक कार्यकर्ता और लक्ष्मी फाउंडेशन की उपाध्यक्ष, एसिड अटैक से जीवित बचे लोगों के समर्थन के लिए समर्पित एक एनजीओ) ने इस अवसर पर मार्गदर्शन किया।

- विभाग ने एक कार्यशाला '' भारत : लोकतंत्र की जननी'' का आयोजन किया जिसमें ए.डी.एन. वाजपेयी, कुलपति अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलापुर मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला 1 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी।
- विभाग ने ''भारत में लोकतंत्र की प्रस्तावना'' पर एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया जिसमें प्रो. रामकृश्ण प्रधान, राजनीति विज्ञान विभाग, जी.जी.वी. बिलासपुर, वक्ता थे। व्याख्यान सत्र 30 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

डॉ. अजय सिंह

- आईआईएमटी कॉलेज ऑफ लॉ. ग्रटर नोएडा द्वारा 07 जुलाई से 13 के बीच आयोजित एक सप्ताह के शिक्षक विकास कार्यक्रम में अतिथि वक्ता/संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- शासकीय टी.सी.एल. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जाजगीर, छत्तीसगढ़ द्वारा 14 मार्च, 2023 को आयोजित अंकीय युग में आईपीआर पर अंतरविशय राश्ट्रीय संगोश्ठी में एक पत्र प्रस्तुत किया।
- भारतीय संविधान और मौलिक कर्तव्यों पर दिनांक 23.05.2022 को ऑनलाइन मोड में श्यामसुंदर मेमोरियल लॉ कॉलेज, चंदौसी (उ.प्र.) में एक व्याख्यान दिया।

डॉ. सागर कुमार जायसवाल

- "बौद्धिक संपदा अधिकार में नवीन प्रवृत्तियों" पर शासकीय श्रीमान् माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवपुरी, म.प्र. के अर्थशास्त्र, वाणिज्य और विधि विभाग द्वारा 20 व 21 जनवरी, 2023 को आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
- राजकीय मानकुंवरबाई कला एंव वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र) द्वारा 27 जनवरी, 2023 को आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- शासकीय टी.सी.एल. स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांजगीर, छत्तीसगढ़ द्वारा 14 मार्च, 2023 को आयोजित अंकीय युग में आईपीआरः ऑनलाइन सामग्री निर्माण और वितरण की चुनौतियों से पार पाना पर अंतरविषय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।
- राजीव गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर सरगुजा, छत्तीसगढ़, भारत द्वारा 27 और 28 मार्च, 2023 को आयोजित बौद्धिक संपदा (आईपीआर) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया।

छात्रों की उपलब्धियां:

- छात्र आर्यन राज सिंह, बी.कॉम, एलएलबी द्वितीय सेमेस्टरः 3 और 4 मार्च, 2023 को रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, बैंगलोर द्वारा संचालित राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया। 25 नवंबर, 2022 को एलसीआईटी, बिलासपुर में आयोजित लॉ फेस्ट के दौरान यूथ पार्लियामेंट में हिस्सा लिया। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के नेतृत्व में 1 दिसम्बर, 2022 से 30 नवंबर, 2023 तक आयोजित भारत की जी–20 अध्यक्षता के हिस्से के रूप में ''स्टे सेफ ऑनलाईन'' (एसएसओ) अभियान के तहत ''सुरक्षित ऑनलाईन व्यवहार'' पर ऑनलाईन प्रश्नोत्तरी में भाग लिया।

- छात्रा विदिशा राय, बीए, एलएलबी दसवां सेमेस्टरः उन्होंने एनजीओ दहलीज वेलफेयर फाउंडेशन, जो वंचित बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र सशक्त बनाने का काम करता है, में स्वयं सेवक के तौर पर काम किया। उसने जेसीएल क्लब रायगढ़, छत्तीसगढ़ में आयोजित बैडमिंटर टूर्नामेंट में दूसरा स्थान (रजत पदक) भी हासिल किया।

- छात्र देवेश बनाज, बीए, एलएलबी, अंष्टम सेमेस्टरः उन्होंने जीजीवी, बिलासपुर द्वारा आयोजित आर्म्स रेसलिंग और पुरूश अप चैंपियनशिप 2023, में रजत पदक हासिल किया।

- छात्रा आयुशी पाण्डे, बी.ए., एलएलबी षष्टम सेमेस्टरः मूट कोर्ट एवं वाद–विवाद समाज, इंटीग्रल विश्वविद्यालयल, लखनऊ (यूपी) के विधि संकाय द्वारा 19 से 21 अप्रैल 2022 तक आयोजित प्रथम राश्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया।

- छात्र गजेन्द्र प्रकाश साहू, बी.कॉम, एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः 18 मार्च से 24 मार्च, 2023 तक सात दिवसीय एनएसएस राश्ट्रीय अखंडता शिविर, जीजीवी, बिलासपुर, में स्वयं सेवकों के रूप में कार्य किया। उन्होनें विधान सभा में उच्च मानकों की मान्यता और निरंतर उत्कृश्टता में युवा संसद के एक आयोजन के दौरान जो 25 नवंबर, 2022 को एलसीआईटी बिलासपुर द्वारा आयोजित लॉ फेस्ट का हिस्स था में सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का स्थान हासिल किया। उनकी पांडुलिपि शीर्षक जनसंख्या नियंत्रण विधि, समय की आवश्यकता, लेक्स मंथन, वॉल्यूम 20, मई, 2022 में प्रकाशित हुआ था, में जिसका आईएसबीएनः 9798887172095 है। उन्होंने जीजीवी, बिलासपुर के एनएसएस सेल द्वारा 01 मई, 2022 से आयोजित एक सात विसीय योग कार्यशालाओं में स्वयं सेवक के रूप में कार्य किया। महिलाओं और बच्चों की भलाई के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध ब्लू ब्रिगेड का सदस्य होने के नाते कोविड 19 महामारी 2021 के दौरान भागीदारी के लिए एक प्रमाणपत्र द्वारा सराहना। लिया नवंबर 12–21, 2022 में आयोजित एनएसएस प्री रिपब्लिक डे परेड कैंप (मध्य क्षेत्र) 2022 जीजीवी, बिलासपुर में स्वयं सेवक के रूप में भी भाग।

- छात्र ए.एन. हर्शवर्धन जंगडे, बीए एलएलबी, चतुर्थ सेमेस्टरः उन्होंने एलसीआइटी, बोदरी, बिलासपुर में लॉ फेस्ट के अवसर पर 26 और 27 नवंबर, 2022 को आयोजित मूट कोर्ट प्रतियागिता में भाग लिया।

- छात्र पीयूश रंजन, बीकॉम एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टरः उन्होंने एलसीओईटी, बोदरी, बिलासपुर में लॉ फेस्ट के अवसर पर 26 और 27 नवंगर, 2022 को आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भाग लिया "अंतर्राश्ट्रीय संबंधों में डिजिटल सुरक्षा के लिए बदलती गतिशीलता और विदेशी मामले" पर मॉडल यूनाइटेड नेशन सोसायटी द्वारा साइबर सेल फ्रंटियर वेलफयर के सहयोग से 23 फरवरी, 2023 को आयोजित एक संगोश्ठी में भी भाग लिया।

- छात्र अंकित बनर्जी, बीए एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टरः दादर गांव, बिलासपुर में उमरिया स्थित यूनिट कैंप में

26 मार्च से 01 अप्रैल 2023 तक, वॉलंटियर के तौर पर काम किया।

- झलक सचदेव, बीकॉम एलएलबी, चतुर्थ सेमेस्टरः भारत सरकार के संसदीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान आयोजित युवा संसद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यूजीसी द्वारा एक मनोनीत के रूप में भारत की संसद, दिल्ली में छत्तीसगढ़ राज्य और हमारे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। न्यायमूर्ति एमजी रानाडे इंटरकॉलेजिएट वाद विवाद प्रतियोगिता पुणे में राश्ट्रीय वाद विवाद प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया। युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत विश्व में एक शांति रक्षक विशय पर भाशण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक विकसित राश्ट्र के लिए भ्रश्टाचार मुक्त भारत विशय पर विश्वविद्यालय स्तरीय वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। भारत के सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित भाशण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। केंद्रीय सरकार द्वारा आयोजित एक भारत श्रेश्ठ भारत एक सांस्कृतिक अदान प्रदान कार्यक्रम के तहत गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व। हमारे विश्वविद्यालय में एनएसएस इंडिया द्वारा आयोजित प्री–आरडीसी कैंप, जहां 10 अलग–अलग राज्यों के छात्रों को आमंत्रित और शामिल किया गया था, का समन्वय और आयोजन किया। केंद्र सरकार की एक पहल और एनएसएस जीजीवी द्वारा आयोजित बाजरा की खेती पर जागरूकता अभियान में एक स्वयंसेवक के रूप काम किया। राश्ट्रीय मूट प्रतियोगिता आईएनएमएएनटीइसी गाजियाबाद में छठा स्थान सुरक्षित किया। और आईआईएम, रायपुर में आयोजित वाई 20 समिट में सुलह और शांति स्थापना विशय पर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

- छात्र श्रेयांश श्रीवास्तव, बीए एलएलबी, षष्ठम सेमेस्टरः उसने 26 और 27 नवंबर, 2022 को लॉ फेस्ट के अवसर पर एलआईसीटी की ओर से आयोजित किये गये मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- छात्र राहुल गुप्ता, बीकॉम एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टरः दादर गांव, बिलासपुर में उमरिया स्थित यूनिट कैंप में 26 मार्च से 01 अप्रैल 2023 तक, वॉलंटियर के तौर पर काम किया।

- शुभा, बीए एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः 16 नवंबर 18 को एक भारत श्रेष्ठ भारत के तत्वावधान में विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित गुजराती भोजन बनाना प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, और रंगोली में विशेष पुरस्कार भी प्राप्त किया। उसने भारत का भविश्यः युवा स्व–निर्भरता एवं स्व–रोजगार पर 14 सितंबर, 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। पुस्तक लेखन की श्रेणी में पीएम सलाह युवा योजना में भाग लिया। का विधि विभाग जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 1 दिसंबर, 2022 को आयोजित, भारतः लोकतंत्र की जननी, कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में विद्यार्थी एवम् समन्वयक के रूप में कार्य किया। वानिकी विभााग जीजीवी द्वारा कौशल विकास प्रकोष्ठ, जीजीवी, बिलासपुर की संगति में 2 और 3 मार्च, 2023 को वन्य जीवन गणना पद्धति पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भी भाग लिया साथ ही 1 जुलाई से 7 जुलाई, 2022 के बीच आयोजित वन सप्ताह महोत्सव, के दौरान आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भी प्राप्त किया।

- छात्र प्रवीण कुमार, बीकॉम एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टरः दादर गांव, बिलासपुर में उमरिया स्थित यूनिट कैंप में 26 मार्च से 01 अप्रैल 2023 तक, वॉलंटियर के तौर पर काम किया।

- छात्र अनमोल कुमार, बीए एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः उसने भारत का भविष्यः युवा स्व–निर्भरता एवं स्व–रोजगार पर 14 सितंबर, 2023 को स्वावलंबी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया। वानिकी, वन्य जीव और पर्यावरण विभाग जीजीवी द्वारा कौशल विकास प्रकोष्ठ, जीजीवी, बिलासपुर की संगति में 2 और 3 मार्च, 2023 को वन्य जीवन गणना पद्धति पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भी भाग लिया। जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 26 जनवरी से 28 जनवरी 2023 तक राष्ट्रीय शिक्षा

कार्यशाला में आतिथ्य और परिवहन समिति का सदस्य बना रहा।

- छात्रा प्रज्ञा शुक्ला, बीए एलएलबी, दसवां सेमेस्टरः योग्यता के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की– विधि विभाग में सर्वाधिक अंक पाने के लिए

- छात्रा श्रद्धा बांके, बीकॉम एलएलबी, द्वितीय सेमेस्टरः समाज के लिए प्रश्नोत्तरी विश्वविद्यालय विधिक अध्ययन संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा 25 जनवरी से 27 जनवरी, 2023 तक आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन संवैधानिक प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। और साथ ही मणिपाल लॉ स्कूल, बैंगलोर कैंपस द्वारा 17 मार्च, 2023 को आयोजित संवैधानिक विधि व्याख्यान श्रृंखला में भी भाग लिया।

2.1.4 जीव विज्ञान विद्यापीठ

जीव विज्ञान विद्यापीठ के अन्तर्गत तीन विभाग संचालित हैं। ये विभाग अपने संबंधित क्षेत्रों में विश्वविद्यालय के सामान्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपसी सामंजस्य के साथ काम करते हैं। इन विभागों में मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास, वनस्पति विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान है। इस विद्यापीठ के अंतर्गत आने वाले विभाग प्रायोगिक विषयों एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर कार्य कर रहे हैं।

मानव विज्ञान एवं जनजाति विकास विभाग

वर्ष 1989 में स्थापित मानवविज्ञान एवं जनजातीय विकास विभाग विश्वविद्यालय के सबसे पुराने विभागों में से एक है। विभाग की स्थापना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए बहुत महत्वपूर्ण है कि राज्य विविध संस्कृतियों के साथ जनजातीय आबादी की पर्याप्त संख्या को आश्रय देता है। मानवविज्ञान ''मानव के विज्ञान'' के रूप में राज्य के साथ–साथ देश के समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण और सर्वांगीण विकास के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। विभाग के पास एक नृवंशविज्ञान और पुरातात्विक संग्रहालय भी है। यह विभाग मानव विज्ञान के छात्रों के लिए विभिन्न संगोष्ठी, प्रतियोगिता के साथ ही साथ क्षेत्र दृभ्रमण का आयोजन भी करता हैद्य इस विभाग की विभागीय पुस्तकालय में विभिन्न उपविषयों पर कुल 3200 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

प्रमुख क्षेत्र:

- कमजोर वर्गों के बीच खाद्य असुरक्षा, गरीबी, भूख और कुपोषण
- जनजातीय कला, सौंदर्यशास्त्र, नृत्य, गीत, भाषा और साहित्य
- छ .ग. के आदिवासियों और गैर–आदिवासियों की जैविक वृद्धि और पोषण की स्थिति
- प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य, जनसांख्यिकी और डरमैटोगिलिफिक्स
- जनजातीय आबादी के जीवन, संस्कृति और स्वास्थ्य की स्थिति पर औद्योगीकरण, शहरीकरण का प्रभाव और जनजातीय प्रथागत कानून
- ग्रामीण और आदिवासी समुदायों पर एन.आर.एच.एम .और एस.एस.ए. कार्यक्रम का प्रभाव
- वन अधिकार अधिनियम, पेसा और जनजातीय, सशक्तिकरण और अधिकार
- शराब की समस्या, चिकित्सा मानवविज्ञानः जैव–सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य
- जनसंख्या आनुवंशिकी और जीनोम विविधता

उद्देश्य

- स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों को वि'ायानुःप पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हस्तांतरित करना।
- छत्तीसगढ़ सरकार और विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के जनजाति समुदायों और सामान्य रूप से मध्य भारत के लिए काम करने वाली अन्य एजेंसियों की अनुसंधान आवश्यकता को पूरा करना।

नीतिः चुनौतियां और समाधान, पर तीन दिवसीय कार्यशाला में भोजन व्यवस्था संबंधी गठित समिति में स्वयंसेवकों के रूप में भी काम किया और नई दिल्ली में स्थित बार काउंसिल ऑफ इंडिया में बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ का भी प्रतिनिधित्व किया।

- छात्र अमन प्रकाश, बीए एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः बार काउंसिल ऑफ इंडिया में बार काउंसिल ऑफ छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। पुस्तक लेखन की श्रेणी में पीएम सलाह युवा योजना में भाग लिया। जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 29 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में परिवहन समिति से संबंधित व्यवस्था में एक के रूप में काम किया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आईसीएआर, इग्नू, एनसीईआरटी, एआईसीटीई के सहयोग से और भारतीय विश्वविद्यालय के साथ आयोजित ज्ञानोत्सव 2079 में 66 अंक प्राप्त किया। विधि विभाग जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 1 दिसंबर, 2022 को आयोजित भारतः लोकतंत्र की जननी पर कार्यशाला में एक छात्र समन्वयक के रूप में काम किया।

- छात्र अंशु निधि खल्को, बीकॉम एलएलबी, चतुर्थ सेमेस्टरः 18 मार्च से 24 मार्च, 2023 तक साल दिवसीय एनएसएस राष्ट्रीय अखंडता शिविर, जीजीवी, बिलासपुर, में स्वयंसेवकों के रूप में कार्य किया। उन्होंने विधान सभा में उच्च मानकों की मान्यता और निरंतर उत्कृष्टता में युवा संसद के एक आयोजन के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का स्थान हासिल किया।

- गौतमी देशमुख, बीए एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः ज्ञानोत्सव 2079 के तहत आई.पी जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम तहत राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा जागरूकता मिशन के अंतर्गत विधि विभाग द्वारा पेटेंट और ट्रेडमार्क के मुंबई कार्यालय के सहयोग से आयोजित एनइपी 2020 पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 72 अंक प्राप्त किए। प्रतियोगिता में 72 अंक प्राप्त किए। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर युवा सम्मेलन में भी भाग लिया। उड़ान के अंग्रेजी संस्करण में संपादक रही है।

- छात्र वेदांश शास्त्री, बीकॉम एलएलबी, चतुर्थ सेमेस्टरः विधि विभाग महाराजा अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा 24 मार्च, 2023 को आयोजित निर्णय लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया, विधि विभाग, गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया।

- छात्र आशुतोश मिश्रा, बीकॉम एलएलबी, चतुर्थ सेमेस्टरः गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के नारायण स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित देव मंगल मेमोरियल राश्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2022 में भाग लिया। छत्तीसगढ़ आर्युविज्ञान संस्थान, बिलासपुर में दिनांक 18.12.2022 को रक्तदान किया। जीएनएलयू, गांधीनगर, गुजरात द्वारा आयोजित विधायी प्रारूपण प्रतियोगिता, 2022 में भी हिस्सा लिया। एनएलयू, दिल्ली द्वारा 5 जून, 2022 को पर्यावरण शासनः विधिक गतिरोध पर आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया और विधि विभाग महाराजा अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान द्वारा 24 मार्च, 2023 को आयोजित निर्णय लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। एचएनएलयू, रायपुर द्वारा 13 अगस्त, 2022 को आयोजित एकेडेमिया में द पाथ टू ए करियर पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

- छात्र आशुतोश कुमार, बीए एलएलबी, अष्टम सेमेस्टरः राष्ट्रीय स्तर पुस्तक लेखन की श्रेणी में पीएम सलाह युवा योजना में भाग लिया। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आईसीएआर, इग्नू, एनसीईआरटी, एआईसीटीई के सहयोग से और भारतीय विश्वविद्यालय के साथ आयोजित ज्ञानोत्सव 2022 में शोध पत्र में सांत्वना पुरस्कार जीता। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आईसीएआर, इग्नू, एनसीईआरटी, एआईसीटीई के सहयोग से और भारतीय विश्वविद्यालय के साथ आयोजित ज्ञानोत्सव 2072 में 62 अंक प्राप्त किया। उसने जेएनयू, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र प्रस्तुत किया। जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 26 जनवरी से 28 जनवरी 2023 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः चुनौतियां और समाधान, पर आयोजित एक

- विभाग के महत्व को बनाए रखने एवं सेवाओं को लेने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र और विभिन्न एजेंसियों ,वं विद्यार्थियों को आकर्षित करना
- योग्य, कुशल और प्रतिबद्ध मानवविज्ञानी तैयार करना और छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूलों और कॉलेजों में मानव विज्ञान केन्द्र खोलने के लिए कदम उठाना।
- जनजातीय विकास, सशक्तिकरण और जनजातीय स्वास्थ्य से संबंधित मामलों में नीति निर्माताओं के लिए सामाजिक सलाहकार के रूप में उत्प्रेरक की भूमिका निभाना।
- छत्तीसगढ़ की आदिवासी और गैर–आदिवासी आबादी के बीच भूख, कुपोषण, मृत्यु दर और रुग्णता के उन्मूलन के संबंध में उपचारात्मक उपायों का अध्ययन और सुझाव देना।
- विविधता और बीमारी के प्रति संवेदनशीलता के संबंध में छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों और जाति समूहों पर नृवंशीय अध्ययन करना।
- भारत के संविधान में निहित उनके अधिकारों के संबंध में छत्तीसगढ़ के आदिवासी समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करना।

दृष्टिकोण

- मानव समाज के समग्र अन्वेषण का उपयोग करके शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान और विस्तार में एक विश्व स्तरीय विभाग बनना। हमारी दृष्टि वैश्विक अर्थव्यवस्था, समाज और पर्यावरण में बदलाव के साथ संरेखित होती है, जो हमारे लक्ष्यों अथवा मूल्यों को अनुप्राणित करती है।

मिशन

- मानव विज्ञान में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तरों पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान मार्गदर्शन और वैश्विक मानकों का प्रशिक्षण प्रदान करते हुए छात्रों को सुविधा प्रदान करना।

विभाग की उपलब्धियॉ

- प्रो. मिताश्री मित्रा, पूर्व विभागााध्यक्ष मानव विज्ञान, पंडित रविशंर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छ. ग. के द्वारा जैविक मानव विज्ञान के आयाम भविष्य पर दिनांक 27.02.23 को मानव विज्ञान एवं जनजातीय विकास विभाग गुरू घासीदास विश्वविद्यालय में एक विशेष व्याख्यान दिया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- प्रो. नीलकंठ पाणिग्रही ने दिनांक 06.09.2022 नीति आयोग भारत सरकार द्वारा को छत्तीसगढ़ के सिकलीगर समुदाय पर रिपोर्ट को संसोधित करने हेतु एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।
- प्रो. नीलकंठ पाणिग्रही को दिनांक 14.08.2022 को राजीव गांधी गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, अंबिकापुर, सरगुजा, छ.ग. बी.ओ.एस सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- डॉ. सुबल दास ने 26 और 27 सितंबर 2022 के दौरान ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी (हाइब्रिड)''स्ट्रेंथनिंग एनवायर्नमेंटल हेल्थः रोल ऑफ सोसाइटी, टेक्नोलॉजी'' में सह–अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
- डॉ.सुबल दास को महिमा गुरु चेयर सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
- प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा संपादित खंड शीर्षक "भगवान बिरसा मुंडा भारतीय जनजातियों के एक जनजाति नायक'' में डॉ. सुबल दास ने संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया, प्रकाशन 2022. आईएसबीएनः 9789390702701 ।
- प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा संपादित ''भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के जनजातीय नायक'' में डॉ. सुबल दास ने संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया प्रकाशन 2022. आईएसबीएनः 978–93–90702–30–5

छात्रों की उपलब्धियाँः

- शोध छात्रा भूमिका को 20.05.2022 में शोध ''विषय भिलाई छत्तीसगढ़ के भिलाई की मलिन बस्तियों में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति'' पर पी,चडी डिग्री प्रदान किया गया।
- शोध छात्रा मनीषा घृतलहरे को 27.02.2023 में शोध विषयः बिलासपुर के जिला छत्तीसगढ़ के 2 से 5 वर्ष के बच्चों के बीच पोषण की स्थिति पर एकीकृत बाल विकास योजना सेवाओं का आकलन" पर पी,चडी की उपाधि प्रदान किया गया।
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित जेंडर चौंपियन प्रतियोगिता में निशा साहू को अगस्त 2022 में चयनित किया गया।
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय एवं संसद मंत्रालय द्वारा आयोजित युवा संसद प्रतियोगिता में दीपांजलि शुक्ला ने दूसरा स्थान हासिल किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने जनवरी 2022 में "मोदी / ड्रीम्स मीट डिलिवरी" पर प्रशोंत्तरी प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया।
- नवप्रीत सिंह को अक्टूबर 2022 में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, एनसीसी में जे यू ओ के रूप में स्थान दिया गया।
- नवप्रीत सिंह ने अक्टूबर 2022 में एन.सी.सी निदेशालय (मध्य.प्रदेश एवं छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित समूह गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता में उत्कृश्ट प्रदर्शन किया।
- नवप्रीत सिंह ने अक्टूबर 2022 में एन.सी.सी निदेशालय (छत्तीसगढ़) द्वारा आयोजित समूह (ठंससमबज) प्रतियोगिता में उत्कृश्ट प्रदर्शन किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने गुरु घासीदास विश्व विद्यालय द्वारा माह नवंबर, वर्ष 2022 को एक भारत, श्रेष्ठ भारत पर आयोजित 'फैन्सी ड्रेस' प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने वर्ष– 2022 को गुरु घासीदास विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित न्यूज लेटर लोगो प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने माह– नवंबर, वर्ष– 2022 को गुरु घासीदास विश्व विद्यालय द्वारा निबंध लेखन प्रतियोगिता में पांचवा स्थान प्राप्त किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने माह– फरवरी, वर्ष– 2023 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "नशा मुक्त भारत युवाओं का स्वप्न'' पोस्टर प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- दीपांजलि शुक्ला ने माह फरवरी, वर्ष 2023 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया किया।
- दीपांजलि शुक्ला को फरवरी, 2023 में मेवाड़ विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा विषय ''भारतीय लोकतंत्र में मतदान होना अनिवार्य है'' पर आयोजित प्रतियोगिता हेतु चयन किया गया ।

वनस्पति विज्ञान विभाग

वनस्पति विज्ञान विभाग वर्श 2009 में अस्तित्व में आया। विभाग का दृष्टिकोण स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना है। विभाग कौशल वृद्धि जैसे व्यापक क्षेत्रों में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है जिससे युवा मस्तिश्क में क्षमता निर्माण हो सके । विभाग पादप विज्ञान में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। इसमें पौधों पर शिक्षण और अनुसंधान के सभी पहलुओं में भाग लेने की विशेषज्ञता है। विभाग में पांच व्यापक विशेषज्ञताएं हैं, अर्थात् कार्यात्मक पादप जीव विज्ञान, पारिस्थितिकी और पर्यावरण जीव विज्ञान, प्राकृतिक संसाधन उपयोग, नृवंशविज्ञान और फार्माकोग्नोसी, सूक्ष्म जीव विज्ञान और सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी और प्लांट सिस्टमैटिक्स। विभाग में 3000 से अधिक पुस्तकों और 150 से अधिक ऑनलाइन वैज्ञानिक पत्रिकाओं के साथ एक अच्छी तरह से भंडारित पुस्तकालय है, जो शिक्षक और छात्रों की अनुसंधान आवश्यकताओं को पूरा करता है।

विभाग का उद्देश्य छत्तीसगढ़ राज्य के शैक्षिक रूप से वंचित आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिसे विभाग द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। विभाग की स्थापना के बाद से 300 से अधिक गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान प्रकाशित हो चुके हैं। शिक्षकों के पास माइक्रोबायोलॉजी और माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी, स्ट्रेस फिजियोलॉजी (जैसे विभिन्न विषयों में विशेषज्ञता है) पादप जैव प्रौद्योगिकीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण जीव विज्ञान, पादक विविधता और संरक्षण, नृवंश विज्ञानय प्लांट सिस्टमैटिक्स आदि। विभाग की अनुसंधान गतिविधियाँ विभिन्न प्रयोगशालाओं में फैली हुई हैंय प्रत्येक शिक्षक पीएच.डी. डिग्री के लिए शोध छात्रों का अलग–अलग संख्या में पर्यवेक्षण कर रहा है।

विभाग की गतिविधियां

- 14 जून, 2022 को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा विश्व रक्त दाता दिवस समारोह 2022 और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।
- 8 जुलाई, 2022 को स्कूल ऑफ लाइफ साइंस द्वारा यूथ पार्लियामेंट 2022 के लिए ''क्या सरकारी कल्याणकारी योजनाएं राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं'' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- 19 जुलाई, 2022 को ''डवकप/20ः ड्रीम्स मीट डिलीवरी'' विषय पर विश्वविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- रामकृष्ण मिशन, बिलासपुर द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के सहयोग से 22 जुलाई, 2022 को युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- वनस्पति विज्ञान विभाग में 1 सितंबर से 15 सितंबर, 2022 के दौरान स्वच्छता पखवाड़ा 2022 मनाया गया और इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।
- 8 सितंबर, 2022 को ''स्वच्छ परिवेश और हरा–भरा परिवेश'' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।
- 9 सितंबर 2022 को ''स्वच्छता की भावना'' विषय पर छात्रों के लिए स्लोगन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- 9 सितंबर, 2022 को ''स्वच्छ भारत अभियान'' विषय पर छात्रों के लिए एक भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- स्वामी विवेकानंद जयंती– 2023 (12–01–2023) को राष्ट्रीय युवा दिवस 2023 के रूप में मनाया गया।
- 10 जनवरी, 2023 को ''व्यक्तित्व विकास में स्वामी जी के विचारों की भूमिका'' विषय पर एक स्कूल स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- माइकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एमएसआई) भारत में हर साल सम्मेलन का आयोजन करती है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने 49 वें वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की, जो 28–30 नवंबर, 2022 तक आयोजित किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

प्रो. ए.के. दीक्षित

- 26 अप्रैल, 2022 को मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) में राष्ट्रीय संगोष्ठी में बौद्धिक संपदा अधिकार विषय पर मुख्य वक्ता।
- 22 नवंबर, 2023 को आईक्यूएसी गवर्नमेंट ईवीपीजी कॉलेज, कोरबा द्वारा संगोष्ठी " विज्ञान और मानविकी में अनुसंधान और नवाचार" विषय में रिसोर्स पर्सन।
- 17.12.2022 को आईक्यूएसी, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा पाठ्यक्रम मानचित्रण के ट्रांसफॉर्मल सुधारों में एनईपी–2020 पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

- वनस्पति विज्ञान विभाग, जीजीयू, बिलासपुर द्वारा 18.11.22 से 24.11.2022 तक सह जागरूकता कार्यक्रम रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर व्याख्यान श्रृंखला व जागरूकता ।
- 29.11.2023 को राष्ट्रीय सम्मेलन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में सतत भविष्य के लिए कवक विविधता क्षमता, प्रगति, संरक्षण और आईपीआर मुद्दों पर समन्वयक सत्र VIII
- 17.03.2023 को सरकारी बिलासा गर्ल्स कॉलेज, बिलासपुर में जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं मुद्दे और चुनौतियां पर रा'ट्रीय कार्यशाला ।
- फार्मेसी विभाग, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा 19.03.2023 को वनस्पति निष्कर्षण और फाइटोकेमिकल तकनीकों पर राष्ट्रीय कार्यशाला में पादप पहचान उपकरण।

प्रो. सुशील कुमार शाही

- डॉ. एस.के. शाही ने 28 जुलाई, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में आयोजित छठे ''गुरु दक्षता'' शिक्षक प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' (आईपीआर) पर आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. एस.के. शाही ने 09 नवंबर, 2022 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में आयोजित 7 वें ''गुरु दक्षता'' शिक्षक अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' (आईपीआर) पर आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. एस.के. शाही ने 30 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में आयोजित 8 वें ''गुरु दक्षता'' शिक्षक अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' (आईपीआर) पर आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. एस.के. शाही ने मार्च, 2018 को यूजीसी–एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में आयोजित 9 वें ''गुरु दक्षता'' शिक्षक अभिप्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' (आईपीआर) पर आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ एस.के. शाही ने 27–30 जून 2022 को जीजीवी में आयोजित एनईपी 2020 पर कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ. एस.के. शाही ने 28–30 नवंबर, 2022 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में सतत भविष्य के लिए कवक विविधता क्षमता, प्रगति, संरक्षण और आईपीआर मुद्दों और माइकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की 49 वीं वार्षिक बैठक पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया ।
- डॉ. एस.के. शाही ने 3–7 जनवरी, 2023 तक आर.टी.एम. नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के दौरान ''बायोप्रोस्पेक्टिंग क्षमता, उत्पाद विकास और स्थिरता के लिए रोगाणुओं'' पर एक आमंत्रित भाषण दिया ।

डॉ. एसके शाही ने 17–18 जनवरी, 2023 को सरकारी वीवाईटी पीजी ऑटोनॉमस, कॉलेज, दुर्ग (छ.ग.) में प्लांट साइंसेज में नवाचार और उभरते नवीन अनुसंधान (आईईएनआरपीएस – 2023) पर

- राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''जैव–पूर्वेक्षण क्षमता, उत्पाद विकास और स्थिरता के लिए जैव–संसाधन'' विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ एस.के. शाही ने रूसी और त्वचा संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए हर्बल उत्पाद विकसित किए हैं।
- डॉ एस.के. शाही और उनके छात्रों सुश्री साक्षी अग्रवाल और चंदन दास द्वारा कृषि उपयोग के लिए तीन नैनो उत्पाद विकसित किए गये ।

डॉ. एस.के. पांडेय

- डॉ. एस. के. पांडेय ने 16 दिसंबर, 2022 को ''एचपीएलसी–तकनीक और अनुप्रयोग'' विषय पर शासकीय वीवाईटी पीजी साइंस कॉलेज, दुर्ग में डीएसटी, सटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम (टीपीएसआरआई, 2022) में आमंत्रित भाषण दिया।
- डॉ. एस. के. पांडे ने 16 फरवरी, 2023 को ''एयरबोर्न पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) और संबंधित धातुओं और

उनके फाइटोरेमेडिएशन के फाइटोमॉनिटरिंग में वर्तमान रुझान'' विषय पर सरकारी नागार्जुन पोस्टग्रेजुएट कॉलेज ऑफ साइंस, रायपुर में वनस्पति विज्ञान में वर्तमान रुझान और संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आमंत्रित भाषण दिया।

- डॉ. एस. के. पांडे को एसओएस इन लाइफ साइंसेज, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
- डॉ. एस. के. पांडे एससीआई सूचीबद्ध कुछ पत्रिकाओं (सस्टेनबिलिटी, फ्रंटियर्स इन एनवायरनमेंटल साइंस और फ्रंटियर्स इन टॉक्सिकोलॉजी) के संपादकीय बोर्ड में एसोसिएट एडिटर और गेस्ट एडिटर के रूप में शामिल हुए।

डॉ. वी. एन. त्रिपाठी

- डॉ. वी. एन. त्रिपाठी ने 28 फरवरी, 2023 को शासकीय सुखराम नागे कॉलेज, नगरी, धमतरी में विज्ञान दिवस, 2023 के लिए ''वैज्ञानिक अनुसंधान की मूल बातें'' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. आर. के. अहिरवार

- डॉ. आर. के. अहिरवार ने वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान विभाग, सरकारी तुलसी कॉलेज, अनूपपुर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित ''सतत विकास'' पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

डॉ. दीपांकर यादव

- डॉ. दीपांकर यादव ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा आयोजित मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एडवांसेज एंड एप्लीकेशन (3–9 नवंबर 2022) में ''डीएनए निकालने के तरीके'' विषय परएक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. दीपांकर यादव ने 28–29 मार्च, 2023 तक वनस्पति विज्ञान इकाई जीजीवी के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में एनएसएस इकाई शिविर में भाग लिया।

डॉ. एस. श्वेता

- डॉ. एस. श्वेता ने लेग्यूम फाइलोजेनी वर्किंग ग्रुप के तहत जीनस क्रोटालेरिया एल की लेग्यूम चेकलिस्ट के लिए एक डेटाबेस बनाने में अपना योगदान दिया। (ग्लोबल लेग्यूम टैक्सोनोमिक एक्सपर्ट नेटवर्क)

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- शाम्भती तिवारी (बीएससी –चतुर्थ सेमेस्टर) को विभाग से विश्वविद्यालय स्तर पर राष्ट्रीय युवा संसद के लिए चुना गया था (वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय 08–07–2022 को आयोजित था ''क्या सरकारी कल्याणकारी योजनाएं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- बी.एस.सी. (ऑनर्स) से शाम्भती तिवारी को 19 जुलाई 2022 को ''डवकप/20 ड्रीम्स मीट डिलीवरी'' विषय पर विश्वविद्यालय स्तर पर भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार मिला।

प्राणी शास्त्र विभाग

प्राणी शास्त्र विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय की जीव विज्ञान अध्ययन शाला का एक महत्वपूर्ण भाग है। यह प्रथम विभाग है जोकि 2009 में राज्य विश्वविद्यालय से केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के उपरान्त स्थापित किया गया था। यद्यपि नया विभाग होने के उपरान्त भी, विभाग ने खुद को जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में सबसे आगे प्रस्तुत किया है और पूर्ण रूप से वर्तमान जीव विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित किया है। विभाग का उद्देश्य प्राणी शास्त्र के बुनियादी और व्यावहारिक दोनों क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण शिक्षण ओर अनुसंधान करना है और ऐसे छात्रों का निर्माण करना है जो इस विषय से अच्छी तरह वाकिफ हो और समाज और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में अपना योगदान दें। प्राणी शास्त्र विभाग तीन साल का स्नातक, दो साल का परास्नातक एवं पी.एच.डी कार्यक्रम प्रदान करता है। कई सारी नवीन शिक्षण तरीकें इन कार्यक्रमों का मुख्य आकर्षण है। स्नातक और परास्नातक कार्यक्रमों के लिए छात्रों का चयन सी.यु.ई.टी. के माध्यम से योग्यता के आधार पर किया जाता हैं पी.एच.डी कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय शोध प्रवेश परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है। पाठ्यक्रम संरचना और सामग्री विकरण विधियाँ, मेल मिलाप से सीखना और शोध के पर्याप्त अवसर प्रदान करते है।

प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रों के प्रदर्शन का मूल्यांकन–दो आंतरिक मूल्यांकन, संगोष्ठी, समनुदेशन, लघु शोध (अंमित सेमेस्टर में) और अंत सेमेस्टर परीक्षाओं की सतत प्रक्रिया द्वारा किया जाता हैं। विभाग की स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम यू.जी.सी. के सी.बी.सी.एस. प्रणाली पर आधारित है। विभाग दोनों, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों में लाइव प्रयोगात्मक रचना के माध्यम से प्रयोगात्मक कौशल विकसित करने पर ध्यान केन्द्रित करता है। विभाग में सभी जीवित प्राणीयों में आणविक और कौशिकीय दृष्टीकोण से उसके बुनियादी सिद्धांतों की एकरूपता पर ध्यान केंद्रित करते हुए शैक्षणीक कार्यक्रम विकसित किए है जोकि इंसानों के बेहद करीब हैं। इन प्रणालियों का संपूर्ण और गहन अध्ययन बुनियादी प्राणी शास्त्रियों को विषय के चिकित्सकीय पहलूओं को समझने में मदद कर सकता है।
वर्तमान में विभाग में योग्य, अनुभवी और समर्पित सदस्य है और शोध के अपने अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से लगे हुए है जिसमें मुख्यतः प्रजनन शरीर विज्ञान, अतःस्त्रावी विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, विष विज्ञान, मछली एवं मत्स्य पालन, जैव रसायन, आण्विक जीवविज्ञान, कीटविज्ञान और पर्यावरण विज्ञान है।
विभाग की प्रयोगशाला में अधिकांश आवश्यक उपकरण मौजूद है जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आवश्यक है। विभागीय उपकरण कक्ष बुनियादी और व्यावहारिक शोध कार्य करने के लिए जरूरी सभी उपकरणों से युक्त है। इसके अलावा विभाग के पास ई–संसाधनों का उपयोग करने के लिए एक अत्याधुनिक संगणक प्रयोगशाला है।
विभागीय पुस्तकालय में प्राणी शास्त्र के सभी प्रमुख भाग को कवर करने वाली 1880 पुस्तकों का संग्रह है। संकाय और छात्रों के उपयोग के लिए महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में उपलब्ध पुस्तकों और पत्रिकाओं को अलग से खरीदा और सूचीबद्ध किया गया है। इसके अलावा छात्र और संकाय सदस्य विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय ग्रंथालय में उपलब्ध संसाधन का उपयोग कर रहे है। इसके अलावा विभाग के संग्रहालय में सभी प्रमुख फाइला से संबंधित नमूनो का बहुत अच्छा संग्रह है और शिक्षण और प्रदर्शन उपयोग के लिए इसका उपयोग किया जाता है।

विभाग की गतिविधियाँः–

- प्रो. एल.वी.के.एस. भास्करः 22.08.2022 से 05.09.2022 के दौरान यू.जी.सी. मानव संसाधन विकास केन्द्र, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में समन्वयक के रूप में जीव विज्ञान में रिफ्रेसर कोर्स आयोजित किया।
- प्रो. सीमा रायः राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 की संयोजक (28 फरवरी 2023)

शिक्षकों की उपलब्धियाँः–

डॉ. सीमा राय

- मेलाटोनिन विषय पर डॉ. श्रीमती जगदीश्वरी राव महिला वैज्ञानिक पुरस्कार 2021 के लिए एजेडआरए पुरस्कार भाषणः अठारवें एजेडआरए अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान मधुमेह संबंधी जटिलताओं में एक संभावित सहायक उपचार, "खाद्य, फीड और पोषण सुरक्षा और सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में अनुप्रयुक्त प्राणी अनुसंधान में प्रगति" विषय पर। 10 से 11 नवंबर 2022, भुवनेश्वर, ओडिशा में।
- होली क्रॉस कॉलेज (स्वायत्त) भारतीयदासन विश्वविद्यालय तिरूचिरापल्ली, तमिलनाडू, भारत में एनाटॉमी विभाग के सहयोग से बायोमेडिकल और स्वास्थ्य विज्ञान में नवाचारा और अनुप्रयोगों पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान तनाव प्रेरित प्रजनन विकास और मेलाटोनिन प्रबंधन विषय पर डॉ. पी. डेजी गोल्ड मेडल अवार्ड ओरेशन 2020, योंग लू लिन स्कूल ऑफ मेडिसिन नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापूर, सिंगापूर डिपार्टमेंट ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी, डॉ. ए.एल.एम. पी.जी. आई.बी.एम.एस, यूनिवर्सिटी ऑफ मद्रास, तारामणि कैंपस, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत 23–25 जनवरी, 2023 तक।
- 10–11 नवंबर, 2022 को भुवनेश्वर, ओडिशा में अठारवें एजेडआरए अंतराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डॉ. श्रीमती जगदीश्वरी राव महिला वैज्ञानिक पुरस्कार 2021।

छात्रों की उपलब्धियाँः–

- श्री शुभम सिंह– राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2023 पर अटल बिहारी विश्वविद्यालय और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।
- सुश्री चन्द्रहासिनी निरनेजन– जैविक विज्ञान में आधुनिक प्रगति 2022 (आर.बी.एस. 2022) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिकी प्रस्तुति पर सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार।

2.1.5 प्रबंध एवं वाणिज्य विद्यापीठ

वाणिज्य और प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की बदलती और बढ़ती जरूरतों के अनुरूप वर्ष 1986 में स्थापित स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के सबसे पुराने शिक्षण विद्यापीठों में से एक है, जो बहुसंख्यक छात्रो के साथ युवा, अनुभवी और गतिशील शिक्षकों से संपन्न है। यह विद्यापीठ अपनी स्थापना के बाद से लेखांकन, वित्त, कराधान, मानव संसाधन, विपणन और आधुनिक ई–कॉमर्स प्रौद्योगिकियों के साथ बी.कॉम, एम.कॉम, एमबीए, वाणिज्य और प्रबंधन में डॉक्टरेट और चार साल की विशेषज्ञता के साथ होटल प्रबंधन में स्नातक कार्यक्रम (बीएचएम) जैसे विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है। स्कूल का उद्देश्य शिक्षाविदों, व्यवसाय के क्षेत्रों में पेशेवरों को कर्मचारियों और उद्यमियों के रूप में विकसित करना है जो पाठ्यक्रम (सीबीसीएस/एलओसीएफ/एनईपी–2020 के अनुसार) में परिलक्षित होता है।

यह विद्यापीठ छात्रों को नए आर्थिक युग में प्रभावी प्रबंधक और उद्यमी तैयार करता है, और हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पूछताछ और उद्यम की संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर देता है। छात्रों को स्कूल द्वारा सफलतापूर्वक शिक्षित और प्रशिक्षित किया गया है और उन्हें बैंकिंग और वित्त, विपणन, सामान्य प्रबंधन और शिक्षा के क्षेत्र में भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित व्यावसायिक घरानों में रखा गया है। कई लोग अपने स्वयं के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सफलतापूर्वक प्रबंधन कर रहे हैं।

वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग, जो साल 1986 में स्थापित हुआ था, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के सबसे पुराने शिक्षण विभागों में से एक है। इस विभाग ने अपनी स्थापना के बाद से ही काल–समय की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे कि बी.कॉम एवम् एम.कॉम (लेखा, वित्त, कर, मानव संसाधन, विपणन और मॉडर्न ई–कॉमर्स प्रौद्योगिकियों, विपणन और प्रबंधन जैसे विशेषीकरण के साथ) को प्रदान किया है। इस विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2009–2010 से एकीकृत यूजी/पीजी कार्यक्रम (निकास विकल्प के साथ) को प्रस्तावित किया और साथ ही पीएचडी कार्यक्रम भी प्रदान किया। विभाग का मुख्य लक्ष्य शिक्षाविदों, व्यवसायों के क्षेत्र में पेशेवरों को कर्मचारियों और उद्यमियों के रूप में विकसित करना है जो पाठ्यक्रम पाठ्य–चर्या में पूर्णतः परिलक्षित होता है। वाणिज्य के क्षेत्र में छात्रों के बीच शैक्षणिक रुचि विकसित करने के लिए विभाग अनुसंधान और विकास गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। उल्लेखनीय है कि विभाग ने छात्र समुदाय के बीच उद्यमशीलता और कौशल की दक्षता को विकसित करने में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों द्वारा योगदान दिया है। विभाग ने अपने छात्रों के लिए उच्च सफलता दर के साथ नेट की कोचिंग का आयोजन किया और छात्र समुदाय के लाभ के लिए ऐसे और अधिक कोचिंग सत्र आयोजित करने की योजना है। विभाग के छात्रों को समूह चर्चा, पेपर प्रस्तुतीकरण, सेमिनार, सम्मेलन, पेपर प्रकाशन, लेख लेखन आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। हमारे छात्रों ने अपने शोध कार्य को विभिन्न पत्रिकाओं और संपादित पुस्तकों में अध्याय के रूप में प्रकाशित किया है। हमारे कई छात्रों ने यूजीसी–नेट, यूजीसी–नेट–जेआरएफ, एसएलईटी और सीजीपीएससी के लिए अर्हता/सफलता प्राप्त की है। विभाग के पास स्वयं का विभागीय पुस्तकालय है, जो छात्रों और शिक्षकों को सुगमता से उपलब्ध है तथा जिसमें लगभग 2500

किताबों और अनुसंधान पत्रिकाओं का संकलन है।

विभाग आधुनिक उपकरणों के साथ लेखांकन और वित्त अध्ययन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक आधुनिक कंप्यूटर लैब विकसित करने का प्रयास कर रहा है। यह पुस्तकों के समसामयिक और नवीनतम संस्करणों के साथ अपने विभागीय पुस्तकालय आधार का विस्तार करने के लिए भी तत्पर है। शिक्षा के अलावा विभाग लगातार अपने छात्रों को आत्मनिर्भरता की दिशा में (हाल ही में माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल जी द्वारा शुरू की गई स्वावलंबी छत्तीसगढ़ पहल के माध्यम से) प्रोत्साहित करता है।

दृष्टि

मूल्य–आधारित नवीन और सक्षम शिक्षा, प्रशिक्षण और अनुसंधान प्रदान करके वाणिज्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्रदान करके, छात्रों को शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों में अपने उद्यम शुरू करने के लिए तैयार करना और प्रोत्साहित करना, जिससे स्थानीय संसाधनों के सतत विकास से दोनों वर्गों (शहरी या ग्रामीण क्षेत्रों) की जनता को लाभ हो। अनुसंधान गतिविधियों का उन्नयन करना, जो समाज के लाभ के लिए संविचारण की संस्कृति को प्रोत्साहित करे एवं व्यवहारिक अनुसंधान पर अधिक ध्यान केंद्रित करता हो।

लेखांकन, कराधान और वित्त के समय–परीक्षित ज्ञान को ब्लॉक–चेन, क्लाउड आधारित लेखांकन, ई–फाइलिंग और आयकर और वस्तु एवं सेवा कर की ई–प्रसंस्करण की आधुनिक प्रौद्योगिकियों के साथ मिश्रित करना विभाग का प्रमुख दृष्टिकोण है। इन दृश्टिकोणों के प्रभावी समन्वयन हेतु आवश्यकता अनुसार, शैक्षणिक पाठ्यक्रम का पुनः–प्रवर्तन किया जाता है।

मिशन

विभाग का मिशन प्रत्येक छात्र को उद्यमशील दृष्टिकोण का उपयोग करके आत्म–निर्भर बनने और सार्वजनिक और निजी नौकरियों पर कम आश्रित करने में सक्षम बनाना है। इसका उद्देश्य छात्रों को निम्नलिखित मिशनों के साथ प्रोत्साहित करना हैः

- सफल छात्रों का निर्माण करना जो मजबूत राष्ट्र बनाने में मदद करेंगे।
- उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और परामर्श के लिए अग्रणी परियोजनाओं में शामिल होना।
- छात्रों की पूर्ण क्षमता का दोहन करने के लिए एक प्रेरक वातावरण प्रदान करना।
- छात्रों को नौकरी निर्माता/नियोक्ता बनने के लिए आवश्यक सभी ज्ञान और मार्गदर्शन प्रदान करके सशक्त बनाना।
- विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना का विकास करना।

वाणिज्य विभाग के उद्देश्यः

- देश में प्रचलित कराधान और संबंधित कानूनों का अद्यतन ज्ञान प्रदान करना।
- छात्रों को अध्ययन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान दोनों के साथ सक्षम बनाना।
- शेयर बाजार के वास्तविक समय के डेटा विश्लेषण से छात्रों को समृद्ध बनाना और बेहतर निवेश निर्णय लेने के लिए इसे लागू करना।
- छात्रों का विकास इस रूप में (न केवल व्यक्तिगत आय की दृष्टि से बल्कि राष्ट्र के सच्चे नागरिक होने की दृष्टि से भी) होना चाहिए कि वे समाज के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करें।
- छात्रों को अकाउंट्स, बिजनेस, फाइनेंस और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञता ,वं कौशल प्रदान करना।
- उचित शिक्षा और ज्ञान के विशाल भंडार के प्रक्षिप्त के साथ अकादमिक और व्यावसायिक उत्कृष्टता (समस्या समाधान, कौशल, अनुसंधान योग्यता आदि) प्रदान करके छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर ध्यान केंद्रितकरना।
- छात्रों को पढ़ाना और अनुसंधान करना जो समाज और राष्ट्र के लिए लाभदायक हो।

प्रमुख क्षेत्र

विभाग का प्रमुख शिक्षण–अधिगम में व्यवसाय और उद्योगों की नवीनतम प्रथाओं को लागू करना है ताकि छात्रों को वास्तविक व्यावसायिक प्रथाओं का प्राथमिक एवम् प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हो।

''विभाग लेखांकन, वित्त, विपणन, उद्यमिता विकास, एचआरएम और अन्य समसामयिक मुद्दों के क्षेत्र में एक मजबूत आधार बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि उद्योग स्तर पर पेशेवरों की आवश्यकता को पूरा किया जा सके।''

विभाग की गतिविधियां

- यूजी/पीजी पाठ्यक्रमों के लिए एलओसीएफ (सीबीसीएस)ध्एनईपी–2020 के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार और अनुमोदित किया गया है।
- अमृतकाल की शुरुआत में नई आवश्यकताओं के अनुसार पाठ्यक्रम को अद्यतन करने के लिए बीओएस बैठकें आयोजित की गईं।
- विज्ञापन–सेल्फी प्रतियोगिता वाणिज्य विभाग द्वारा 12 दिसंबर, 2022 को वाणिज्य छात्रों के लिए आयोजित पहली प्रतियोगिता है, जहां प्रतिभागियों ने ऐसे उत्पाद का विज्ञापन किया, जिसका अभी तक विज्ञापन नहीं किया गया है। प्रतिभागियों ने हमारी अपनी राज्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय उत्पादों का भी विज्ञापन किया।
- 11 फरवरी, 2023 को विभाग द्वारा आयोजित अतिथि व्याख्यान में पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी (यूपी) के प्रोफेसर देवेश निगम रिसोर्स पर्सन थे और उन्होंने 'आज के युग में संचार कौशल के महत्व' पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

शिक्षकों की उपलब्धियां

डॉ. आशोक कुमार मिश्रा

- 02 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

डॉ. भुवना वेंकटरमन

- आंतरिक लेखापरीक्षा अधिकारी (आईएओ) 01 सितंबर, 2022 से आज तक।
- उच्च शिक्षा मंत्रालय, छत्तीसगढ़ में विषय विशेषज्ञ के रूप में राज्यपाल द्वारा नामित।
- 02 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।

डॉ. बुधेश्वर प्रसाद सिंहरौल

- 03 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार

डॉ. अमित मंगलानी

- प्रशासनिक अनुभव को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय में ओएसडी–वित्त के रूप में कार्य। (28 फरवरी 2022 से अब तक)।
- सीधी भर्ती के तहत जीजीवी में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर चयनित। (10 जनवरी 2023)।

डॉ. अमरेंद्र कुमार

- दिनांक 25–26 फरवरी 2023 को नागालैंड विश्वविद्यालय के शिक्षक–प्रशिक्षण विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान के लिए आईसीएसएसआर–प्रायोजित अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में विषय–विशेषज्ञ के रूप में उद्बोधन प्रस्तुत किया।

डॉ. मुकेश अग्रवाल

- प्रशासनिक अनुभव को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय में समन्वयक–वित्त के रूप में नियुक्त एवम् कार्यरत। (02 फरवरी 2022 से अब तक)
- प्रशासनिक दक्षता में वृद्धि हेतु विश्वविद्यालय में समन्वयक–लेखापरीक्षा के रूप में कार्य–नियुक्ति। (22 मार्च, 2022 से 15 अप्रैल, 2022)
- मई, 2022 से भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक पहल 'विद्यांजलि' के लिए नोडल अधिकारी

के रूप में नामित एवम् नियुक्त।

- 19 अक्टूबर 2022 को शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर (म.प्र.) में ''बौद्धिक संपदा अधिकार'' पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।
- 27–28 जनवरी, 2023 को जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) से संबद्ध डॉ. भगवत सहाय महाविद्यालय में विश्व बैंक एवम् मध्य प्रदे'ा सरकार के उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना के अंतर्गत वित्त पोषित और आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।
- 09 फरवरी, 2023 को वाणिज्य विभाग आईजीएनटीयू, अमरकंटक (म.प्र.) में राष्ट्रीय स्तर की 'पोस्ट बजट चर्चा' में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित एवम् सम्मानित।
- 25 फरवरी, 2023 शनिवार को ''संगठनात्मक जिम्मेदारी और जवाबदेहीः एक नैतिक चुनौती'' विषय पर 25 और 26 फरवरी, 2023 को बीवीएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन, ग्वालियर (म.प्र.) में आयोजित 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।
- 27–28 फरवरी, 2023 को शासकीय तुलसी कॉलेज, अनूपपुर (म.प्र.) में ''स्टार्टअपः भारतीय परिप्रेक्ष्य में अवसर और चुनौतियां'' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में उद्‌बोधन प्रस्तुत किया।
- ''अनुसंधान पद्धति – एसपीएसएस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके बुनियादी अनुसंधान और डेटा विश्लेषण'' नामक कार्यशाला में मुख्य वक्ता और अनुसंधान विशेषज्ञ (सभी 6 दिनों में प्रति दिन 3 घंटे) के रूप में कार्य किया, जिसका आयोजन 13 मार्च से 18 मार्च, 2023 तक, स्वशासी पीजी कॉलेज, छिंदवाड़ा (म.प्र.) द्वारा किया गया।

डॉ कुमार आदित्य

- एचआरडीसी जीजीवी में सफलतापूर्वक रेफ्रेशेर पाठ्यकर्म पूर्ण किया.।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

एमकॉम की राशि त्रिवेदी. (चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत) हमारे विभाग की अभूतपूर्व छात्रा है। उन्होंने वाद–विवाद प्रतियोगिताओं, तात्कालिक भाशण प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा एनएसएस स्वयंसेवक (एनएसएस में तीसरा पुरस्कार जीता) और युवा संसद के सदस्य और जेंडर चौंपियन के रूप में कई उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

प्रबंध अध्ययन विभाग

व्यवसायिक शिक्षा के लिए परिवर्तन और बढती जरूरतों को देखते हुये विभाग की स्थापना 1988 में की गई विभाग नए आर्थिक युग में विद्यार्थियों को प्रभावशाली बनाने हेतु प्रयासरत है और सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर जोर देता है। विभाग जिज्ञासु, , संस्कृति , उद्यम ,और उद्योग को बढावा देने हेतु विशेश ध्यान देता है।

विभाग भारत मे अग्रणी प्रबंधन स्कूलो में से एक होने के लिए जगह बनाने हेतु प्रयासरत् है। छात्रों को विभाग द्वारा सफलतापूर्वक शिक्षित और प्रशिक्षित किया गया है। और बैकिंग के वित्त , विपणन ,सामान्य प्रबंधन और शिक्षा के क्षेत्र में भारत और विदेशो में प्रतिश्ठित व्यावसायिक घरानों में नियुक्त किया गया है। कई विद्यार्थी सफलतापूर्वक अपने स्वयं के व्यावसायिक प्रतिश्ठानों का प्रबंधन कर रहे है।

विभाग सभी हितधारकों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाने के लिए गुणवत्ता और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारी ताकत सक्षम पेशेवरों को बनाने के लिए निर्देशित है। हमारा प्रयास अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

दृष्टि
प्रबंधन में व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की बदलती और बढ़ती जरूरतों के अनुरूप प्रबंधन अध्ययन विभाग की स्थापना 1988 में की थी। विभाग छात्रों को नये आर्थिक युग में प्रभावी प्रबंधक बनाने के लिए तैयार करता है, और हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रचार को बढ़ावा देने पर जोर देता है।

लक्ष्य
विभाग सभी हितधारकों की संतुश्टि के स्तर को बढ़ाने के लिए गुणवत्ता और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा ध्यान सक्षम पेशेवर तैयार कने पर केंद्रित है। हमारा प्रयास अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहायता प्रदान करना है।

उद्देश्य
- प्रबंधन में करियर के लिए छात्रों को प्रशिक्षित और विकसित करना।
- आधुनिक प्रतिस्पधी दुनिया की आवश्यकताओं से मेल खाने के लिए विश्लेशणात्मक, संचार और रचनात्मक निर्णय लेने के कौशल विकसित करना।
- छात्रों में सामाजिक रूप से जिम्मेदार प्रबंधक बनने के लिए आवश्यक मूल्यों और दृश्टिकोण को विकसित करना।
- अभ्यास कर रहे प्रबंधकों / कार्यकारियों की प्रबंधकीय क्षमता में सुधार करना।
- अनुसंधान के माध्यम से प्रबंधन के निभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में नए क्षितिज ढुंढना।

संस्थान - उद्योग सहभागिता:
विभाग के छात्रों ने कई सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रमों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की। वर्ष के दौरान छात्रों को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने वाले प्रमुख संगठनों में एसईसीएल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर आदि शामिल हैं।

विभाग की गतिविधियां
- प्रबंध अध्ययन विभाग ने 5 सितंबर को ''शिक्षक दिवस–2022'' मनाया। शिक्षक दिवस के अवसर पर विभाग के छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों और खेलों का आयोजन किया। एसोसिएट प्रो.डॉ. बॉबी बी. पांडे ने अपने करियर में और छात्रों के समग्र विकास में शिक्षकों के महत्व का उल्लेख किया। प्रो. हरीश कुमार ने कहा कि इस दुनिया में शिक्षकों का कोई रिप्लेसमेंट नहीं है। विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वदीप मिश्रा ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया और ''गुरु–शिष्य परम्परा'' के बारे में चर्चा की जिसमें उन्होंने एकलव्य और गुरु द्रोणाचार्य का उदाहरण साझा किया ताकि छात्रों को सभ्य और अनुशासित छात्रों के गुणों को समझाया जा सके।
- शैक्षणिक गतिविधि के एक भाग के रूप में, प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 14 दिसंबर, 2022 को सुबह 10.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक एमबीए प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उद्देश्य था: नव प्रवेशित छात्रों को विभाग और विश्वविद्यालय के नियमों, विनियमों और प्रक्रियाओं से परिचित कराना। ओरिएंटेशन कार्यक्रम तीन अलग–अलग सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 86 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. आलोक कुमार चक्रवाल ने छात्रों को संस्थान से परिचित कराया और उपस्थित सभी लोगों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त की। उन्होंने प्रमुख मूल्यों, यानी समर्पण और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। उद्घाटन समारोह की शुरुआत डॉ. बी.डी. मिश्रा, एचओडी जिन्होंने विशिष्ट अतिथियों, आमंत्रितों, पूर्व छात्रों और छात्रों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम के लिए स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। मुख्य प्रॉक्टर प्रो. वीएस राठौर ने विश्वविद्यालय के नियम, विनियम और अनुशासन के संबंध में उन्मुखीकरण किया। डीन छात्र कल्याण, प्रो. एम.एन. त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण गतिविधियों की

जानकारी दी। उन्होंने छात्रों से शैक्षणिक वृद्धि के लिए अपनी क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक संसाधनों का उपयोग करने का आव्हान किया। कुलसचिव प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने छात्रों को अत्यधिक संवादात्मक और प्रेरक वार्ता से संबोधित किया। यह उद्‌घाटन समारोह डॉ (श्रीमती) बी.बी.पाण्डे द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हुआ, जिसके बाद निर्धारित कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपरोक्त बिंदुओं के अलावा, विभाग के सभी प्रसिद्ध पूर्व छात्र, डॉ विवेक बाजपेई, अध्यक्ष, जीएमए, डॉ. अजय श्रीवास्तव, सचिव, जीएमए, और श्री चंद्रजीत होरा ने विश्वविद्यालय में अपने जीवन के व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। दोपहर के सत्र में, श्री प्रेमनाथ कमलेश, टीपीओ ने स्वावलंबी छत्तीसगढ़ और विश्वविद्यालय प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल द्वारा संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। अंत में एमबीए प्रथम और एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने एक दूसरे के साथ अनुभव साझा किया।

- प्रबंधन विभाग ने 2 ,वं 3 मार्च, 2023 को प्रतिभूति बाजार और शेयर बाजार में ट्रेडिंग पर 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के लिए अतिथि वक्ता आईटी विभाग, जीजीवी के डॉ संदीप सिंह थे। इस वर्कशॉप में 50 छात्रों ने सहभागिता दी।
- प्रबंधन विभाग के छात्रों ने 25 फरवरी, 2023 को जी 20 और युवा मामलों और खेल मंत्रालय के बैनर तले आईआईएम रायपुर द्वारा आयोजित पैनल चर्चा ''वाई 20 परामर्श'' कार्यक्रम में भाग लिया। इस आयोजन का विषय था ''शांति निर्माण और सुलहः शुरुआत'' बिना युद्ध के युग में। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संवादी श्री. अनुराग सिंह ठाकुर, माननीय केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री थे । यूथ 20 (वाई 20) सभी जी 20 सदस्य देशों के युवाओं के लिए एक दूसरे के साथ संवाद करने में सक्षम होने के लिए एक आधिकारिक परामर्श मंच है। वाई 20 वैश्विक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, विचारों का आदान–प्रदान करने आदि के लिए युवाओं को भविष्य के नेताओं के रूप में प्रोत्साहित करता है।
- छात्रों के ज्ञान और छात्रों की बोलने की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए विभाग ने 17 मार्च, 2023 को तत्कालिक भाशा प्रतियोगिता का आयोजन किया। सभी 72 छात्रों ने उक्त प्रतियोगिता में भाग लिया।
- शिक्षाविदों के साथ–साथ शिक्षा से परे प्रतिभागियों के ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए विभाग ने 20 मार्च को एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में लगभग 68 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रश्न भारतीय ज्ञान परंपरा पौराणिक कथाओं, व्यापार और प्रबंधन, छवि आधारित और वर्तमान मामलों पर आधारित थे।
- विभाग ने 27 जनवरी, 2023 को निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय–"वर्तमान ज्ञान प्रणाली में भारतीय ज्ञान प्रणाली का अनुप्रयोग" और "एनईपी–2020 का महत्व और राष्ट्रीय विकास में इसका योगदान" था। इस प्रतियोगिता में करीब 50 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- छात्रों के नवीन कौशल को प्रोत्साहित करने और छात्रों की रचनात्मकता और ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए, विभाग ने 15 मार्च, 2023 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में चौबीस छात्रों ने भाग लिया।
- छात्रों के नवीन कौशल को प्रोत्साहित करने और छात्रों की रचनात्मकता और ज्ञान का मूल्यांकन करने के लिए, विभाग ने 17 मार्च, 2023 को एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में बारह छात्रों ने भाग लिया। पेंटिंग प्रतियोगिता का विषय ''जी 20 एण्ड रोल ऑफ यूथ'' था।
- विभाग ने 21 मार्च, 2023 को सांस्कृतिक गतिविधि के एक भाग के रूप में एकल गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया। एकल गीत प्रतियोगिता में दस छात्रों ने भाग लिया। एकल गीत प्रतियोगिता का विषय रेट्रो गीत/ संगीत था।
- विभाग ने 22 मार्च, 2023 को सांस्कृतिक गतिविधि के एक भाग के रूप में मास्टर शेफ प्रतियोगिता का आयोजन किया। लगभग 48 छात्रों ने मास्टर शेफ प्रतियोगिता में भाग लिया।
- 23 मार्च, 2023 से 27 मार्च, 2023 के बीच छात्रों के लिए क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज की 100 मीटर दौड़, कबड्डी, वॉलीबॉल और फुटबॉल जैसी खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। एमबीए प्रथम और

एमबीए तृतीय सेमेस्टर के छात्रों ने सभी खेलों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- विभाग ने ''स्वच्छता पखवाड़ा'' मनाया और इसके तहत 02 गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे स्लोगन के साथ पोस्टर बनाना और छात्रों के लिए बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता। स्वच्छता शपथ छात्रों व शिक्षकों द्वारा लिया गया।
- विभाग ने 6 अगस्त, 2022 को सिलतरा, रायपुर (छ.ग.) स्थित जायसवाल नेको इंडस्ट्रीज में व्यावहारिक ज्ञान और औद्योगिक प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए एक औद्योगिक दौरे का आयोजन किया।
- शैक्षणिक गतिविधि के एक भाग के रूप में, प्रबंधन अध्ययन विभाग ने 18 अप्रैल 2022 से 23 अप्रैल 2022 को अपराह्न 03:30 बजे गूगल मीट पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमबीए छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए शोध पद्धति पर 06 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के विशय विशेशज्ञ डॉ. मीनल उप्रेती और डॉ. प्रतिभा बारिक थे। कार्यशाला का उद्देश्य थाः सामाजिक विज्ञान के विषयों में बहुत प्रभावी ढंग से अनुसंधान करने के लिए विद्वानों को कौशल और क्षमतो से लैस करना व लेखों, पत्रिकाओं में उच्च गुणवत्ता शोध कार्य की पुस्तकों ,व प्रकाशन योग्य सामग्री को प्रकाशित करना।

शिक्षकों की उपलब्धियां:

- डॉ.बी.डी.मिश्रा 15 और 16 मार्च 2023 को वाणिज्य विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक द्वारा आयोजित ''आधुनिक व्यापार युग में भारतीय शास्त्रीय ग्रंथों की प्रासंगिकता'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशय विशेषज्ञ थे।

- डॉ.बी.डी.मिश्रा 16 और 17 दिसंबर, 2022 को चौकसे ग्रुप ऑफ कॉलेज, बिलासपुर में मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांफ्रेंस में मुख्य वक्ता थे ।

- डॉ.बी.डी.मिश्राने 22 नवंबर, 2022 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के एचआरडीसी द्वारा आयोजित ''वाणिज्य और प्रबंधन में समकालीन मुद्दों'' पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

- डॉ. हरीश कुमार ने 22/08/2022 को मानव विज्ञान विभाग/एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में दो व्याख्यान दिए।

- डॉ. हरीश कुमार ने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित 8वें एफआईपी में 23 और 26 नवंबर, 22 को संचार और प्रस्तुति कौशल पर दो व्याख्यान दिए।

- डॉ.हरीश कुमार ने 14/12/2022 को प्रबंधन अध्ययन विभाग, जीजीवी द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में प्लेसमेंट पर एक व्याख्यान दिया।

- डॉ. हरीश कुमार ने 31/01/2022 को एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा आयोजित 9वें एफआईपी में दो वार्ताएं दीं।

- डॉ (श्रीमती) बी.बी.पांडे ने 29 नवंबर से 30 नवंबर, 2022 तक कलिंगा विश्वविद्यालय में ''उद्योग 4—0 के उद्भव के साथ उभरते व्यापार और प्रौद्योगिकी के मुद्दों'' (हाइब्रिड मोड) पर राष्ट्रीय सम्मेलन के सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।

- डॉ. (श्रीमती) बी.बी.पाण्डेय दिनांक 10 दिसंबर, 2022 को स्टैच्यू–28 के अंतर्गत प्रबंधन विभाग श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, रायपुर में सहायक प्राध्यापक हेतु चयन समिति की सदस्य थी। ।
- डॉ.(श्रीमती) बी.बी.पांडे 16 और 17 दिसंबर, 2022 को चौकसे ग्रुप ऑफ कॉलेज, बिलासपुर में मल्टीडिसिप्लिनरी इंटरनेशनल कांफ्रेंस में मुख्य वक्ता थी ।
- डॉ.(श्रीमती) बी.बी.पांडेय में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 15/12/2022 को गुरु घासीदास जयंती के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता में जज के रूप में कार्य किया ।
- डॉ.(श्रीमती) बी.बी.पाण्डेय ने स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर दिनांक 11/01/2022 को गुरू घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कार्य किया।

2.1.6 गणितीय एवं संगणकीय विज्ञान विद्यापीठ

गणितीय विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत 02 विभाग आते हैं जिनमें संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं गणित विभाग हैं।

संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

विभाग के बारे में: संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग (CSIT) की स्थापना वर्ष 1990 में एक वर्ष के परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम (PGDCA) के साथ हुई थी। तत्पश्चात स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम नामशः मास्टर ऑफ कम्प्यूटर साइन्स (MSc.CS) और मास्टर ऑफ कम्प्यूटर साइन्स इन इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (MSc.IT) की शुरुआत वर्ष 1996 मे हुई। वर्ष 1998 में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (AICTE) द्वारा अनुमोदित एक अन्य परास्नतक पाठ्यक्रम मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (MCA) शुरू किया गया। विभाग में बड़ी संख्या में अत्याधुनिक तकनीकी युक्त कंप्यूटर उपलब्ध हैं। प्रत्येक छात्र को इन कंप्यूटर में अभ्यास के लिए पर्याप्त समय मिलता है। सीएसआईटी के पास केंद्रीय पुस्तकालय के अलावा स्वयं का विभागीय पुस्तकालय है। विभाग के इंटरनेट सुविधा से युक्त कंप्यूटर सेंटर का उपयोग प्रयोगशाला के रूप में किया जाता है। सीएसआईटी विभाग के योग्य शिक्षक अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ बातचीत और सहयोग जैसी प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं । शिक्षक अपने शोध लेख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित करते हैं। शिक्षकों को विशेषज्ञ के रुप में व्याख्यान के लिए देश–विदेशों में आमंत्रित किया जाता है।विभाग में समय–समय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं। छात्रों को वर्तमान परिदृश्य में परियोजनाएं विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाता है और एक सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लाइव प्रोजेक्ट सौंपा जाता है, नियमित तौर पर प्रतिष्ठित संगठनों में सेमिनार और समूह चर्चाएं विभाग की विशेषताएं हैं। विभाग ने कई उभरते हुए विषयों जैसे कंप्यूटर विज्ञान में डेटा माइनिंग और ई–गवर्नेंस पर राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए हैं, जिन्हें बड़ी सफलता मिली। सेमिनार में, न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रख्यात वक्ताओं सेमिनार के दौरान विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किए। 16–17 मार्च 2011 को, सीएसआईटी ने सॉफ्ट कंप्यूटिंग और आईसीटी (एससीआईसीटी2011) विशय पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें प्रमुख रुप से प्रोफेसर सी.टी. लिन (ताइवान), प्रो. सन वांग चो (कोरिया), प्रो जून वांग (सिंगापुर), प्रोफेसर ए.के. पुजारी (वीसी, संबलपुर विश्वविद्यालय, भारत), प्रोफेसर जी. पांडा (आईआईटी भुवनेश्वर, भारत) और प्रोफेसर एन.एस. चौधरी (आईआईटी, इंदौर, भारत) ने सम्मेलन के दौरान अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये। पूरे देश से छात्रों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं सहित 300 प्रतिनिधियों द्वारा इस सम्मेलन में भाग लिया गया। सम्मेलन की कार्यवाही को प्रकाशित भी किया गया । विभाग छात्र–शिक्षक परस्पर संवाद को प्रोत्साहित करता है। छात्र अपनी समस्याओं या सुझावों के लिए कभी भी शिक्षक से संपर्क

कर सकते हैं। विभाग में नियमित गतिविधियां होती रही हैं। विभाग अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान सहयोग स्थापित करने हेतु योजना बना रहा है। सीएसआईटी विभाग द्वारा विभाग के छात्रों को सॉफ्टवेयर तथा अनुसंधान एवं विकास संगठनों के साथ संपर्क स्थापित करने के साथ उक्त संस्थानों में छात्रों को चयनित कराने के उद्देश्य से समय समय पर एवं उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार विचारों का आदान प्रदान करते हुए पाठ्यक्रम मैं संशोधन किया जाता है, साथ है। विभाग से उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का प्लेसमेंट रिकॉर्ड उत्कृष्ट है और वे दुनिया भर की प्रतिष्ठित कंपनियों में कार्य करने में सक्षम हैं। 24 मार्च 2012 को सीएसआईटी द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सहयोग से ''राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस योजना (एनईजीपी)'' जागरूकता अभियान पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

दृष्टि : छत्तीसगढ़ और भारत में लोगों के जीवन की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक गुणवत्ता में सुधार के लिए ज्ञान का संचार और अनुप्रयोग। गुरुघासीदास विश्वविद्यालय का लक्ष्य निजी और सहकारी दोनों की साझेदारी से सहयोगात्मक, बौद्धिक और बहुसांस्कृतिक समुदाय का निर्माण है, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को एक–दूसरे से जुड़ने में सक्षम बनाते हैं, छात्रों एवं शिक्षकों को नवोन्वेषी निवेश के लिए संस्थागत सीमाओं से परे विद्वतापूर्ण और रचनात्मक रूप से परिभाषित गतिविधियाँ करने और समन्वित सामुदायिक सेवाएँ प्रदान करने हेतु सक्षम बनाए।

सीएसआईटी पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) – दो वर्षीय का पूर्णकालिक कार्यक्रम।
- मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी सीएस) – दो वर्षीय विज्ञान पूर्णकालिक कार्यक्रम।
- कंप्यूटर साइंस में बैचलर ऑफ साइंस – तीन वर्षीय का पूर्णकालिक कार्यक्रम।
- बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन – तीन वर्षीय पूर्णकालिक कार्यक्रम।
- कंप्यूटर विज्ञान में डॉक्टरेट (पीएचडी)।

विभाग की गतिविधियाँ

- इस सत्र के दौरान स्व–वित्तपोषित पाठ्यक्रम बीसीए शुरू हुआ।
- विभाग ने 19–20 जनवरी, 2023 के दौरान एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

प्रो. ए.के.सक्सेना

- विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- निदेशक, विश्वविद्यालय संगणक केन्द्र
- विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य

डॉ. पुष्पलता पुजारी

- (2023), 09 जनवरी, बिलासपुर विश्वविद्यालय, छ.ग. द्वारा आयोजित ''मशीन लर्निंग और इवोल्यूशनरी कंप्यूटिंग", पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- (2023), 22 फरवरी, एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर, सी.जी. द्वारा आयोजित ''सोर्सेज ऑफ डाटा, प्रोसेसिंग ऑफ डाटा एण्ड प्रिडिक्शन यूजिंग मशीन लर्निंग'' विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- (2023), 24 फरवरी, एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर, छ.ग. द्वारा आयोजित ''परफॉर्मेंस मेजर्स इन मशीन लर्निंग'' सोर्सेज ऑफ डाटा, प्रोसेसिंग ऑफ डाटा एण्ड प्रिडिक्शन यूजिंग मशीन लर्निंग पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- 13 से 27 मार्च, 2023 तक रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया ।

डॉ. सुषमा जयसवाल

- एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी सीएसआईटी विभाग
- अंतर्राष्ट्रीय तकनीकी कार्यक्रम समितियों की सदस्य– 02
- विशेषज्ञ वक्ता–01

- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों / पत्रिकाओं की समीक्षक– 14
- एफडीपी– 02

डॉ. बबीता मांझी

- 19–20 जनवरी 2023 को मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और आईओटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के लिए एसईआरबी, डीएसटी भारत सरकार से रु. 2 लाख एवं सीजीसीओएसटी से रु. 50000 अनुदान प्राप्त हुआ।
- 19–20 जनवरी 2023 मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और आईओटी पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही के संपादक आईएसबीएनः 978–93–5768–638
- 18 दिसंबर 2022 को आईक्यूएसी, जीजीवी से 2019,2020 और 2021 के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।
- 4–7 नवंबर, 2022 को चीन में आयोजित फजी सिस्टम और डेटा माइनिंग पर 8 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन(एफएसडीएम 2022) में समीक्षक सदस्य के रूप मैं कार्य किया।
- ऑनलाइन के माध्यम से तीन वर्कशॉप / एफडीपी को संबोधित किया।
- पीयूआरएसई परियोजना समिति के सदस्य के रुप में कार्य किया।
- एसएटीएचआई परियोजना समिति के सदस्य के रुप में कार्य किया।
- बिलासा देवी कन्या छात्रावास की वार्डन की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई।

डॉ. रजवंत सिंह राव

- 24–25 फरवरी, 2023 को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "मशीन इंटेलिजेंस और स्मार्ट सिस्टम", विषयक सम्मेलन के समीक्षक रहे।
- 23–25 सितंबर, 2022 के दौरान इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली, भारत में आयोजित कंप्यूटिंग, पावर और संचार प्रौद्योगिकियों (जीयूसीओएन–2022) पर आईईईई आईएएस 5वें आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी समिति के सदस्य (टीपीसी)।
- 02 जर्नल शोध पत्र की समीक्षा की।
- सदस्य, लुप्तप्राय भाषा केंद्र अनुभाग।
- सांस्कृतिक समन्वयक, गणितीय और कम्प्यूटेशनल विज्ञान विद्यापीठ।

अमितेश कुमार झा

- 01 शिक्षक विकास कार्यक्रम में भाग लिया (दिसंबर 2022)
- समन्वयक, परीक्षा अनुभाग, जीजीवी।
- सदस्य, लुप्तप्राय भाषा केंद्र।
- सदस्य, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की छत्तीसगढ़ में डेटा संग्रह पर परियोजना।

डॉ विकास कुमार पाण्डेय

- विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद के सदस्य।
- अकादमिक परिषद सदस्य, आरकेडीएफ विश्वविद्यालय, रांची।
- 01 शिक्षक विकास कार्यक्रम में भाग लिया (अक्टूबर 2022)

श्री प्रशांत वैष्णव

- 02 शिक्षक विकास कार्यक्रमों में भाग लिया (2022–2023)।
- एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी, सीएसआईटी विभागं

डॉ. अखिलेश कुमार श्रीवास

- 01 सप्ताह की एफडीपी–01 में भाग लिया।
- राष्ट्रीय सम्मेलन–01 में विशेषज्ञ चर्चा।
- बीओएस सदस्य , सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,सदस्य शहीद महेंद्रकर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर (छ.ग.)।

डॉ अमित चंदानन

- समन्वयक भर्ती प्रकोष्ठ।

विवेक कुमार सराठे

- एनएडी डिजी–लॉकर के समन्वयक
- विश्वविद्यालय से एबीसी , समन्वयक
- परीक्षा पत्र मुद्रण समिति के सदस्य

गणित विभाग

गणित विभाग में गणित विज्ञान और उनके अनुप्रयोगों के विभिन्न विशेषज्ञता से कुल 13 स्थायी और 5 तदर्थ संकाय सदस्य हैं। विभाग ने वर्ष 1989 में मास्टर ऑफ फिलॉसफी (एम.फिल) पाठ्यक्रम के साथ कार्य करना शुरू किया बाद में एम.एससी. और बी.एससी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम आरंभ किए गए। विभाग निरंतर उन्नति कर रहा है और गणित शिक्षण/प्रशिक्षण/ समाज से संबंधित अनुसंधान हेतु उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभरने हेतु प्रयासरत है।

विभाग बीजगणित, कार्यात्मक विश्लेषण, विभेदक ज्यामिति, फजी लॉजिक और इसके अनुप्रयोग, क्रिप्टोग्राफी, गणितीय मॉडलिंग, संख्यात्मक विश्लेषण, भिन्नात्मक कलन और सैद्धांतिक भूकम्प विज्ञान और आदि विशेषज्ञताओं के लिए भी उभर रहा है।

विभाग द्वारा गणित और अनुप्रयुक्त गणित के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रिम पंक्ति के नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। हमारे शिक्षकों का अनुसंधान स्तर में अच्छा अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है। इंपैक्ट फैक्टर के साथ भी शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हो रहे हैं। हमारे कई शिक्षकों के शोध पत्रों में उत्कृष्ट उद्धरण हैं। विभाग के शिक्षकों का दुनिया के कई प्रतिष्ठित गणितज्ञों के साथ संयुक्त सहयोगी अनुसंधान कार्य का उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड है। शिक्षकों को विभिन्न विश्वविद्यालयों में विजिटिंग फेलो के रूप में असाइनमेंट मिल रहे हैं।

विभाग की गतिविधियां

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा DIST-FIST योजना के तहत गणित विभाग को स्वीकृत राशि रू. 60/– लाख है।
- गणित विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- विभाग ने 5 सितंबर, 2022 को शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया है।
- विभाग ने 22 दिसंबर, 2022 को राष्ट्रीय गणित दिवस समारोह का आयोजन किया है और रंगोली, पोस्टर प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- डॉ. डी गोपाल (गणित में सह–प्राध्यापक) का विदेश विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में चयन।
- डॉ. एम. के. गुप्ता (गणित में सहायक प्राध्यापक) को इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज, प्रज्ञाराज द्वारा प्रो. एच.पी. दीक्षित मेमोरियल अवार्ड मिला।

2.1.7 प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ

प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ के अंतर्गत 02 विभाग हैं जिनमें वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरणीय विज्ञान विभाग एवं भैषजिक विज्ञान विभाग हैं।

वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग

वानिकी, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् से "ए ग्रेड"प्राप्त विभाग है, जो वर्ष 1988–89 से वानिकी शिक्षा प्रदान कर रहा है। यह विभाग मध्य भारत में वानिकी शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में शीर्ष भूमिका निभा रहा है। विभाग बी.एस.सी. और एम.एस.सी. कार्यक्रमों के लिए आई.सी.एफ. आर.आई. /आई.सी.ए.आर. के नवीनतम पाठ्यक्रमों का अनुपालन करता है है। स्नातक वानिकी पाठ्यक्रम चॉइस बेस्ड क्रेडिट पद्धति का उपयोग करता है जो वानिकी एवं अन्य सम्बद्ध विषयों के लिए एकीकृत ज्ञान तथा प्रासंगिक कौशल विकास हेतु केन्द्रित है। विभाग का लक्ष्य वानिकी और संबद्ध विषयों में शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना, एवं इस क्षेत्र में देश की वानिकी विकास व इसकी सुरक्षा और संरक्षण के अभ्यास के लिए प्रशिक्षित श्रम शक्ति की जरूरत को पूरा करना है। विभाग द्वारा अपने शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत वानिकी एवं पर्यावरण विज्ञान विषय में पी एच. डी. कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है।

वानिकी विभाग पेल्टाफोरम की सघन वृक्षावली के पीछे स्थित है जो सर्वसुविधायुक्त कक्षाओं, अध्यापक कक्ष, वर्कशॉप, संग्रहालय एवं आधुनिक प्रयोगशालाओं से परिपूर्ण है । विभाग में सीएचएनओएस, टीओसी, विनडायस, कम्पाउण्ड एण्ड स्टीरियो जूम माइक्रोस्कोप, प्रकाश संश्लेषण विश्लेषक, माइक्रोटोम, मौसम विज्ञान उपकरण, टोटल स्टेशन, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, सुदूर संवेदन आधारित सॉफ्टवेयर आदि आधुनिक उपकरण उपलब्ध है। छात्र एवं शोधार्थी विभागीय ग्लास हाउस एवं वन नर्सरी का उपयोग शिक्षा एवं प्रायोगिक उद्देश्यों हेतु कर सकते हैं।

वानिकी के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को स्थानीय वन विभाग, बायोस्फियर रिजर्व, राष्ट्रीय पार्कों, वन्यजीव अभ्यारणों,वन ग्रामों, वन आधारित उद्योगों और विभिन्न अनुसंधान संस्थानों में व्यावहारिक ज्ञान एवं प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है जो उनके पाठ्यक्रम का अभिन्न हिस्सा है । वर्तमान में वानिकी छात्र–छात्राओं के पास नर्सरी और वृक्षारोपण प्रबंधकों, तकनीकी सहायकों और लुगदी और कागज उद्योग, लघु और कुटीर उद्योगों आदि वन आधारित उद्योगों में प्रबंधक जैसे पदों के लिए रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

लक्ष्य

- छात्रों के वानिकी को एक पेशेवर डिग्री के रूप में चुनने हेतु एक व्यापक ग्राह्यता और मंच प्रदान करना।
- वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विषयों में शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना ।
- देश में प्रशिक्षित वानिकी मानव बल की आवश्यकता को पूरा करने हेतु छात्रों को नवीनतम ज्ञान और कौशल प्रदान करना ।

विभाग की उपलब्धियाँ

- विभाग के समन्वयन से गत वर्ष विश्वाविद्यालय विश्व यू आई. ग्रीन मेट्रिक वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में सम्मिलित हुआ जिसमे विश्वविद्यालय को विश्व में 503वां, देश में 19वां एवं राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।
- छात्रों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए दिनांक 22 अगस्त 2022 को ''बस्तर से बाजार तक'' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- वानिकी छात्रों को प्रकृति से जोड़ने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस, मिट्टी बचाओ, वन महोत्सव मनाया गया।

- दिनांक 2–3 मार्च, 2023 को ''वन्यजीव गणना पद्धति'' विषय पर दो दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पूरे देश से 138 छात्रों ने भाग लिया।

- सड़क सुरक्षा सप्ताह दिनांक 9 दिसंबर 2022 के अवसर पर शपथ समारोह का आयोजन किया तथा छात्रों को यातायात नियमों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया गया।

- विभाग के इको क्लब ने नियमित रूप से विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया और पर्यावरण के संरक्षण और सुरक्षा के लिए ईको ईंट बनाने और अपशिष्ट निपटान के तरीकों को प्रोत्साहित किया गया।

- वन, वन्यजीव और पर्यावरण विज्ञान विभाग की मान्यता के लिए आईसीएफआरई टीम }ारा निरीक्षण किया गया। टीम का नेतृत्व डॉ. आर.के. गोवर्धन, सेवानिवृत्त पीसीसीएफ और डॉ. नासिर मोहम्मद वैज्ञानिक उष्ण कटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान }ारा किया गया।

- परिसर की जैव विविधता को समृद्ध करने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू किया गया और परिसर में बांस वृक्षारोपण, मियावाकी वृक्षारोपण और फल देने वाली प्रजातियों का वृक्षारोपण किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- प्रो. एस.एस. धुरिया ने दिनांक 12–25 जनवरी, 2023 के दौरान ,चआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर में 'वानिकी और पर्यावरण अध्ययनः 21वीं सदी के मुद्दे, चुनौतियां और समाधान' विषय पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का समन्वय किया। उन्होंने दिनांक 2–3 मार्च 2023 को 'वन्यजीव जनगणना पद्धति' विषय पर कौशल विकास कार्यक्रम भी आयोजित किया।

- प्रो. एस.सी. तिवारी ने दिनांक 5–6 दिसंबर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मृदा दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला का आयोजन किया। उन्होंने विभाग और विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे यूआई ग्रीन मेट्रिक्स, मिट्टी बचाओ आंदोलन आदि का समन्वय भी किया ।

- प्रो. के. के. चंद्रा ने दिनांक 28–30 नवंबर 2022 के दौरान जीजीवी में आयोजित 'सतत भविष्य, {मता, प्रकृति संरक्षण के लिए फंगल विविधता' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन और भारत के माइकोलॉजिकल सोसायटी की 49वीं वार्षिक बैठक में एक सत्र का समन्वय किया। साथ ही उन्होंने दिनांक 3–4 फरवरी 2023 को जीजीवी, बिलासपुर में शिक्षा मंत्रालय }ारा प्रायोजित कार्यशाला 'आईकेएस अनुसंधान प्रस्ताव लेखन' के आयोजन में सहसमन्वयक की भूमिका का निर्वहन किया।

- विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. गरिमा तिवारी ने दिनांक 26–27 जून 2022 को गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज बिहार में 'भूजल के अस्तित्व पर संकट 'विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित विशिष्ठ वक्ता के रूप में अपना व्याख्यान दिया। साथ ही उन्होंने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

- डॉ. गुंजन पाटिल ने दिनांक 26–30 सितंबर 2022 को 'सस्टेनेबिलिटी एंड इट्स एंटरप्रेन्योरियल अप्रोच'

विषय पर आयोजित कार्यशाला का समन्वय किया। साथ ही उन्होंने एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा दिनांक 12–25 जनवरी, 2023के दौरान आयोजित रिफ्रेशर कोर्स ''फॉरेस्ट्री एंड एनवायरनमेंटल स्टडीजः 21स्ट सेंचुरी इश्यू, चैलेंजेस एंड सॉल्यूशंस'' में भाग लिया।

- डॉ. भावना दीक्षित को दिनांक 2 जून – 16 सितंबर 2022 को कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी पर्यावरण नेतृत्व कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 'बर्कले फेलोशिप' से सम्मानित किया गया। साथ ही उन्होंने दिनांक 26–30 सितंबर 2022 को 'सस्टेनेबिलिटी एंड इट्स एंटरप्रेन्योरियल अप्रोच' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समन्वयन किया एवं विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

- डॉ अजय कुमार सिंह ने दिनांक 16–17 जुलाई 2022 हरित प्रौद्योगिकी, कृषि सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पुरस्कार समारोह में वानिकी और कृषि वानिकी के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

- विभाग के डॉ. अतुल कुमार भारद्वाज, डॉ. बृजेंद्र प्रताप सिंह एवं डॉ. चौलानी मानपोंग ने दिनांक 11–30 नवंबर 2022 को फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में भाग लिया साथ ही एचआरडीसी, जीजीवी द्वारा दिनांक 12–25 जनवरी, 2023 के दौरान आयोजित रिफ्रेशर कोर्स ''फॉरेस्ट्री एंड एनवायरनमेंटल स्टडीजः 21स्ट सेंचुरी इश्यू, चैलेंजेस एंड सॉल्यूशंस'' में भाग लिया।

- डॉ. चंद्रेश कुमार सिंह ने दिनांक 17–19 सितंबर, 2022 को 'कृषि, वानिकी, पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा पर वैश्विक प्रयास' विषय पर त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में अयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सह–आयोजन सचिव के रूप भाग लिया एवं सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार जीता। उन्होंने दिनांक 11–30 नवंबर 2022 के दौरान आयोजित सातवें गुरु घासीदास फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में भी भाग लिया।

- डॉ. अनुपमा महतो, डॉ. अरविंद कुमार प्रजापति, डॉ. मैरी एक्का ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए और पर्यावरण और पर्यावरण से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। डॉ. अनुपमा महतो, एडहॉक शिक्षक ने रामानुजन कॉलेज, दिल्ली में दो फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम तथा दो ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

छात्र छात्राओं की उपलब्धियां

- विभाग के रिसर्च स्कॉलर अनिश कुमार सिंह को इंण्डियन काउंसिल ऑफ सोशल साईंस रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा डॉक्टरल फेलोशिप प्रदान किया गया है। पूनम खेस को भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स द्वारा नेशनल फेलोशिप फॉर हायर एजुकेशन ऑफ एस. टी. स्टूडेंट्स दिया गया, श्री सुधीर रंजन को यूजीसी जेआरएफ स्कॉलरशिप प्रदान की गयी। साथ ही तीन रिसर्च स्कॉलर अनिश सिंह, अरुण कुमार शुक्ला, एवं अभिषेक मैत्री ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एन.ई.टी.) उतीर्ण की।

- पूनम खेस, आकृति ताम्रकार और कीर्तिका ठाकुर ने वानिकी संस्थान, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल मेंदिनांक17–19 सितंबर, 2022 को 'कृषि, वानिकी, पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा पर वैश्विक प्रयास' विषय पर अयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। कृतिका ठाकुर ने 18–22 अप्रैल, 2022 के दौरान ISRO और IIRS देहरादून द्वारा आयोजित 'जोखिम न्यूनीकरण के लिए उन्नत भू–स्थानिक तकनीकों' पर ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- पूनमखेस, कृतिका ठाकुर, अभिषेक मैत्री और अंकित पांडे ने दिनांक 15–17 फरवरी, 2023 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात में 'वृक्ष–आधारित विविध भूमि उपयोग प्रणाली' पर NAU-IES-IUFRO सम्मेलन में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।
- एमएससी वानिकी और पर्यावरण विज्ञान की छात्रा सुश्री योगिता कौशल ने दिनांक 15 दिसंबर 2022 को विश्वविद्यालय में आयोजित पंथी गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमएससी वानिकी और पर्यावरण विज्ञान की छात्रा सुश्री सोमलता पटेल ने दिनांक 26 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय में आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- एमएससी वानिकी और पर्यावरण विज्ञान के छात्र घनश्याम जायसवाल और योगिता कौशल ने दिनांक 2–4 मार्च, 2023 को अचानकमार टाइगर रिजर्व में आयोजित नेचर ट्रेल में भाग लिया।
- सत्र 2022–2023 के फील्ड अटैचमेंट कार्यक्रम हेतु बीएससी वानिकी एवं एमएससी वानिकी और पर्यावरण विज्ञान के छात्रों नेटाइगर रिजर्व और वन विभाग का भ्रमण किया।

फार्मेसी विभाग

विभाग की स्थापना छत्तीसगढ़ राज्य में औषधि विज्ञान के क्षेत्र में पेशेवर रूप से सक्षम जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य से की गई थी। 1997 में अपनी स्थापना के बाद से यह अपने 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। यह विभाग फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) नयी दिल्ली द्वारा विधिवत अनुमोदित है। विभाग की दृष्टि हमेशा छात्रों को सहयोगी और सीखने के माहौल में सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करके फार्मास्युटिकल खोज और फार्मेसी और फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की रही है। विभाग एक सीखने के माहौल के लिए प्रतिबद्ध है जो विविधता, समावेशिता, इक्विटी और सम्मान को गले लगाता है। विभाग का पूर्व छात्रों, शैक्षिक और औद्योगिक भागीदारों और समुदाय के साथ भी उत्पादक जुड़ाव है। यह छत्तीसगढ़ राज्य का एकमात्र संस्थान है जिसने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 द्वारा जारी रैंकिंग के अनुसार देश के शीर्ष 50 फार्मेसी संस्थानों में 43वीं रैंक हासिल की है। विभाग में 25 नियमित संकाय सदस्य हैं जिनमें से अधिकांश हैं प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अपनी शिक्षा का हिस्सा पूरा कर लिया है। विभाग ने यूजीसी कार्यक्रम का पहला चक्र पूरा कर लिया है और वर्तमान में यूजीसी–एसएपी के अपने दूसरे चक्र में है। विभाग के पास डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम भी है। विभाग ने यूजीसी कार्यक्रम का पहला चक्र पूरा कर लिया है और वर्तमान में यूजीसी–एसएपी के अपने दूसरे चक्र में है। विभाग के पास डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम भी है। विभाग ने यूजीसी कार्यक्रम का पहला चक्र पूरा कर लिया है और वर्तमान में यूजीसी–एसएपी के अपने दूसरे चक्र में है। विभाग के पास डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम भी है।

अनुसंधान सुविधाएं

विभाग के पास एक समर्पित सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटल लैब है जिसमें ड्रग डिस्कवरी रिसर्च में शामिल सभी अत्याधुनिक इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधाएं हैं। एक मिलियन से अधिक मूल्य के परिष्कृत उपकरणों में एक स्वचालित सॉक्सलेट निष्कर्षण इकाई (बी–811), क्रायोस्टैट, कण आकार विश्लेषक, सीएचएन विश्लेषक, एचपीटीएलसी, एचपीएलसी, ड्रग डिस्कवरी स्टूडियो, माइक्रोवेव रिएक्टर सिस्टम, एफटीआईआर और फ्लैश क्रोमैटोग्राफी शामिल हैं। अधिकांश उपकरण सरकार द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से खरीदे गए हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

- विभाग के पास 52.60 लाख मूल्य का सक्रिय यूजीसी–एसएपी (डीआरएस–द्वितीय)है।
- विभाग के पास स्वीकृत डीएसटी–एफआईएसटी कार्यक्रम है।
- फार्मेसी विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह समारोह के अवसर पर 23 नवंबर 2023 को ''फार्मा चौपाटी'' का आयोजन किया। कई प्रतियोगिताएं जैसे विभागीय स्तर पर रंगोली, फार्मा क्विज, पोस्टर, वाद–विवाद आदि का आयोजन किया गया।
- 24 नवंबर 2022 को फार्मेसी पेशे में एक अवसर के संबंध में पंजीकृत फार्मासिस्टों और फार्मेसी पेशेवरों के साथ छात्रों की बातचीत पर एक कौशल विकास कार्यशाला आयोजित की गई।
- 25 नवंबर 2022 को स्वावलंबी छत्तीसगढ़ एवं एपीटीआई महिला फोरम के तत्वावधान में हर्बल सौंदर्य प्रसाधन एवं हर्बल उत्पादों के क्षेत्र में कौशल पहल एवं उद्यमशीलता के अवसरों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- फार्मेसी विभाग के छात्रों ने स्थापना दिवस 15.01.2023 को जीजीवी स्टार्टअप फाउंडेशन के तहत बिक्री के लिए प्राकृतिक उत्पादों (हर्रा पाउडर, बहेड़ा पाउडर, त्रिफला चूर्ण) के स्टाल का प्रदर्शन किया।
- रजत जयंती पूर्व छात्र मिलन ''समागम'' 3 फरवरी 2023 को मनाया गया जिसमें 300 से अधिक पूर्व छात्रों और छात्रों ने भाग लिया।
- फार्मेसी विभाग ने 6 मार्च 2023 को संबलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा के जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है।
- विभाग ने 18–19 मार्च, 2023 को वानस्पतिक निष्कर्षण और फाइटोकेमिकल तकनीकों पर दो दिवसीय कार्यशाला सह प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन किया। कार्यशाला का आयोजन क्षमता निर्माण पहल के रूप में किया गया था ताकि कोविड लॉकडाउन अवधि के दौरान सीखने की खाई को पाटा जा सके। संस्थानों को बंद कर दिया गया और व्यावहारिक प्रयोगशाला ज्ञान प्राप्त करने के मामले में छात्रों को बुरी तरह से नुकसान उठाना पड़ा।
- 2025 तक क्षय रोग को समाप्त करने के लक्ष्य के तहत 24 मार्च 2023 को स्वास्थ्य जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।
- विभाग के सामने औषधीय उद्यान विकास का कार्य प्रगति पर है। कई औषधीय पौधे लगाए गए हैं और पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं
- फार्मेसी के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए कई स्कूली छात्रों ने विभाग की प्रयोगशालाओं का दौरा किया। विभिन्न फार्युले"ान के निर्माण की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रो. भारती अहिरवार ने 7 फरवरी 2023 से छठे फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में यूजीसी, एचआरडी सेंटर,

मिजोरम विश्वविद्यालय में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया।

- प्रो (डॉ.) दिलीप कुमार पाल को फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में एलव्हीजी नरगुंड रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड 2 सितंबर 2022 को मैसूर में एप्टिकॉन सिल्वर जुबली में प्राप्त हुआ। उन्हें दिसंबर 2022 को आईक्यूएसी सेल गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार मिला।
- डॉ. अखिलेश कुमार जैन ने रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 25 नवंबर को डीएसटी स्तुति कार्यक्रम रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया।
- डॉ. निशांत एस. जैन ने 20 जनवरी 2023 से 22 जनवरी 2023 तक आयोजित 72वें इंडियन फार्मास्युटिकल कांग्रेस, नागपुर, महाराष्ट्र के फार्माकोलॉजी टॉक्सिकोलॉजी सत्र में वैज्ञानिक पोस्टर सत्र का मूल्यांकन किया।
- एडी साइंटिफिक इंडेक्स द्वारा वैज्ञानिकों की रैंकिंग में जीजीवी के फार्मेसी विभाग के प्रोफेसर दिलीपकुमार पाल, डॉ. एसआर पालीवाल, डॉ. संजय भारती, डॉ. पीपी रॉय, डॉ. निशांत एस जैन शामिल थे।
- डॉ अखिलेश कुमार जैन ने 4 शोध लेख, एक पुस्तक प्रकाशित की है और तीन पुस्तक अध्याय लिखे हैं।
- डॉ. शिवानी राय पालीवाल को 6 महीने के लिए जर्मनी जाने के लिए साइर फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- डॉ नीली रोज बेक ने एचआरडीसी, जीजीवी, बिलासपुर द्वारा एनईपी 2020 पर दिनांक 30/06/2022 को आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।
- प्रो. एसएच बोडाखे, प्रो. केपी नामदेव और डॉ. निशांत जैन वैज्ञानिक समिति के सदस्य के रूप में भारतीय फार्मास्युटिकल कांग्रेस, नागपुर (महाराष्ट्र) में शामिल हुए।
- डॉ. सुनील के. जैन ने समन्वयक के रूप में एक कार्यशाला आयोजित की, राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- डॉ. मनोज कुमार ने एलसीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, बिलासपुर (सीजी) द्वारा 19–20 अप्रैल, 2022 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- डॉ. के केसवन 6 मई 2022 को पेरियार कॉलेज ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, तिरुचिरापल्ली –620021 द्वारा आयोजित 'समर वेबिनार सीरीज' में रिसोर्स पर्सन थे।
- प्रो. भारती अहिरवार, प्रो. एसएच बोडाखे, प्रो. दिलीप पाल, डॉ. वी.के. मंडल, डॉ. के केसवन, डॉ. सुनील के. जैन, डॉ. अखिलेश के. जैन और डॉ. संजय लांझियाना विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में समीक्षक हैं।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- 13 छात्रों ने जीपीएटी क्वालिफाई किया और जीजीवी और अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों में भी फार्मास्यूटिकल साइंसेज में मास्टर्स करने के लिए सफलतापूर्वक प्रवेश प्राप्त किया।

- श्री बालाजी वामनराव मटोर ने पीएचडी करने के लिए महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च फेलोशिप (एमजेपीआरएफ) प्राप्त की।
- श्री सिंकन दास ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति के लिए पुरस्कार जीता।
- सुश्री अंजलि मुर्मू ने पीएचडी करने के लिए एसटी छात्रों की उच्च शिक्षा (एनएफएसटी) के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति प्राप्त की।
- श्री वागेश वर्मा को बिट्स पिलानी, राजस्थान से पीएचडी करने के लिए चुना गया।
- सुश्री खुशबू राज, शोधार्थी को प्रतिष्ठित ''ब्रायर्स फेलोशिप'' से सम्मानित किया गया है
- श्री आदित्य कुमार प्रधान जिला चिकित्सालय दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्त।
- कुमारी लक्ष्मी बंजारे, श्री बालक दास, श्री पीयूष घोडे, सुश्री निवेदिता गौतम श्री पी मोहन और श्री विनोद को पीएचडी से सम्मानित किया गया है।
- श्री मनीष पटेल को छत्तीसगढ़ सरकार के महिला स्वास्थ्य विभाग में टेरिटरी बिजनेस मैनेजर के पद पर नियुक्त किया गया है।
- मिस भारती रेड्डी को लैबकार्प ड्रग डेवलपमेंट इंडिया प्रा. लिमिटेड में क्लिनिकल प्रोजेक्ट को ऑर्डिनेटर के रूप में नियुक्त किया गया है।
- श्री अल्तमश खान को पीएचडी करने के लिए इंस्पायर फेलोशिप मिली।
- सुश्री मोनिका को पीएचडी करने के लिए सीएसआईआर–जेआरएफ क्वालिफाई किया गया है।
- श्री आलाप पाण्डेय एक दवा उद्योग रायगढ़ में नियुक्त हैं।
- सुश्री नेहा सिंह को एलीट सेफ्टी साइंसेज में फार्माकोविजिलेंस असिस्टेंट के रूप में नियुक्त किया गया।
- श्री बालाजी वामनराव मटोर ने एनआईपीईआर अहमदाबाद में 30 जनवरी से 5 फरवरी 2023 के बीच आयोजित 7 दिनों के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मूल्यांकन में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- श्री सौरव बसाक ने नियोटिया विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 03/02/23 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन ''ड्रग डिलीवरी और ड्रग लक्ष्यीकरण प्रणाली के डिजाइन और विकास'' पर पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची द्वारा जैविक और औषधि विज्ञान में उभरते रुझान और नवाचार पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पर मौखिक प्रस्तुति में नीलेश कुमार पांडे ने तीसरा स्थान हासिल किया।
- एमएस निधि अग्रवालशिवाजी कदम संस्थान, इंदौर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर प्रस्तुति में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।

- श्री मनोज कुमार साहू ने चौकसे फार्मेसी कॉलेज बिलासपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

2.1.8 भौतिकीय विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत दो विभाग हैं (1) रसायन शास्त्र (2) शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग

रसायन शास्त्र विभाग

रसायन शास्त्र विभाग वर्श 2009 से अपनी स्थापना के बाद से आधुनिक विज्ञान में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने और कुशल शिक्षण पेशेवरों और अत्याधुनिक शोधकर्ताओं के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित होने के उद्देश्य से लगातार प्रगति कर रहा है। विभाग छात्रों और शिक्षकों को वैज्ञानिक सोच की भावना का पोषण करने और एक अत्यधिक उत्साहजनक शिक्षण–अधिगम पारिस्थिति की तंत्र में गुणवत्ता अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए एक जीवंत वातावरण प्रदान करता है। रसायन विज्ञान को सभी विज्ञान विषयों में केंद्रीय विज्ञान माना जाता है, जो स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की बढ़ती संख्या से परिलक्षित होता है जो रसायन विज्ञान को अपने प्रमुख या वैकल्पिक विषय के रूप में चुनते हैं। हम रसायन विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में शिक्षण के साथ–साथ अनुसंधान के महत्व से भी अवगत हैं। तदनुसार, हमारा पाठ्यक्रम रसायन विज्ञान और अनुसंधान के बुनियादी और उन्नत ज्ञान के नवीनतम पहलुओं को शामिल करता है ताकि छात्रों को अनुसंधान, शिक्षण और औद्योगिक नौकरी के लिए अच्छी तरह से तैयार किया जा सके। हमने अंडर–ग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए नवीनतम यूजीसी–लर्निंग आउटकम्स–बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) भी पेश किया है। विभाग सभी सुविधाओं के साथ एक मान्यता प्राप्त अनुसंधान केंद्र भी है, और कई विद्वान रसायन विज्ञान विभाग में अपने शोध का अध्ययन कर रहे हैं।

विभाग न केवल नियमित कक्षाओं और असाइनमेंट द्वारा बल्कि नियमित कार्यशाला/सेमिनार/कौशल विकास, अनुसंधान और औद्योगिक यात्रा कार्यक्रम आयोजित करके भी शिक्षण और सीखने के लिए एक उत्कृष्ट वातावरण प्रदान कर रहा है। विभाग विभागीय पुस्तकालय, प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और हाई–स्पीड इंटरनेट तक पहुंच प्रदान कर रहा है। छात्र राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), युवा संसद तथा विभागीय, विश्वविद्यालयीन और राष्ट्रीय स्तर पर समय–समय पर आयोजित खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे विभिन्न पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

शिक्षकों की अकादमिक उत्कृष्टता, निरंतर प्रकाशनों और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी में परिलक्षित होती है। इस वर्ष शिक्षकों ने उच्च प्रभाव वाली अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं और 4 पुस्तक अध्यायों और तीन संपादित पुस्तकों में सैंतालीस से अधिक पत्र प्रकाशित किए हैं। शिक्षकों ने बत्तीस राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशालाओं में शोध डेटा भी प्रस्तुत किया है। नेट, गेट, सीजीसेट और अन्य राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं को पास करने वाले हमारे छात्रों की संख्या हर साल बढ़ रही है। विभाग विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों से विद्वानों के आदान–प्रदान और यात्रा के लिए सहयोग में और भागीदारी चाहता है। विभाग नेट, गेट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की कक्षाओं की व्यवस्था भी करता है।

हमारे छात्रों को देश के विभिन्न हिस्सों में प्रतिष्ठित स्कूलों, कॉलेजों और उद्योगों में प्लेसमेंट मिल रहा है। हमारे छात्र भारत में आईआईटी खड़गपुर, जे,नसी,,सआर बैंगलोर, आईआई,सईआर भोपाल, आईआई,सईआर बेहरामपुर, ,नआई,सईआर भुवनेश्वर, जादवपुर विश्वविद्यालय, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी, जेएनयू, नई दिल्ली, विभिन्न एनआईटी आदि प्रमुख शोध संस्थानों में पीएचडी कर रहे हैं। इसके अलावा, हमारे कई छात्र अन्य संगठनों में अच्छे पदों पर हैं। विभाग का उद्देश्य शिक्षण, पाठ्यक्रम विकास, अत्याधुनिक अनुसंधान और रसायन विज्ञान को

लोकप्रिय बनाने में उत्कृष्टता का एक संपन्न केंद्र बनाना है। हम प्राप्त छात्रों और फैकल्टी की गतिशीलता और अनुसंधान सहयोग के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग करने का भी प्रयास करेंगे।

विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा कार्यक्रम 2020 के अनुसार रसायन विज्ञान के अंतःविषयध्बहु–विषय प्रकृति को समझने और और विभिन्न प्रकार की वैज्ञानिक समस्याओं के लिए विभिन्न विषयों के ज्ञान को एकीकृत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

इसके अलावा, छात्रों को वैज्ञानिक ज्ञान और अनुसंधान के परिणामों को योगात्मक और रचनात्मक तरीकों के रूप में प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। उन्हें बुनियादी नैतिक सिद्धांतों का पालन करते हुए व्यावसायिकता, टीम वर्क कौशल के गुणों को विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है।

विभाग की गतिविधियां

- 2022–2023 के दौरान तीन छात्रों को रसायन विज्ञान में पीएचडी से सम्मानित किया गया।

शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग

विश्वविद्यालय के प्रमुख विभागों में से एक, शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग 1995 में स्थापित किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, यह शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियाँ में सक्रिय रूप से शामिल रहा है । विभाग ने स्वयं को मध्य भारत के विज्ञान शिक्षा में अग्रणी संस्थान के रूप में विकसित किया है। विभाग को तीसरी बार भारत सरकार के कार्यक्रम डीएसटी–एफआईएसटी के तहत शामिल किया गया है और यूजीसी एसएपी के तहत डीआरएस–प्रथम प्राप्त किया है। विभाग में 20 शिक्षक हैं, जिनमें 4 प्राध्यापक, 4 सह आचार्य प्राध्यापक और 12 सहायक प्राध्यापक शामिल हैं। किसी भी शिक्षण संस्थान की छवि उसके शिक्षक की गुणवत्ता के माध्यम से बनती है, विभाग को उच्च योग्यता प्राप्त प्रशंसित संकाय सदस्य प्राप्त है। विभाग, पी जी स्तर पर भौतिकी में शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम प्रायोगिक और सैद्धांतिक संघनित पदार्थ में विशेषज्ञता रखने वाले भौतिकी में, सामग्री विज्ञान, प्रायोगिक परमाणु भौतिकी, स्पेक्ट्रोस्कोपी और प्लाज्मा भौतिक विज्ञान में प्रदान करता है। संचार इलेक्ट्रॉनिक्स में विशेषज्ञता के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स में भी इसी तरह का कार्यक्रम चलाया जाता है। इसके अलावा विभाग, भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में 3 वर्षीय (छह सेमेस्टर) यूजी कार्यक्रम और पीएच.डी. (भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स) प्रदान करता है।

विभाग के पास स्नातक और स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं के लिए सामान्य भौतिकी, यांत्रिकी, ऊष्मा और ऊष्मप्रवैगिकी, प्रकाशिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, और कम्प्यूटेशनल तकनीक अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। उन्नत सामग्री लक्षण वर्णन सुविधाएं जैसे, स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, परमाणु बल माइक्रोस्कोपी, फूरियर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी, यूवी–विज स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, एक्स–रे डिफ्रेक्टोमीटर और फोटोलिथोग्राफी विभाग के एम. एससी छात्र और शोधार्थी के लिए केंद्रीय सुविधाओं के रूप में उपलब्ध हैं। विभागीय पुस्तकालय छात्रों और शोधकर्ताओं दोनों के लिए समृद्ध संसाधन प्रदान करता है। भौतिकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभाग बहुत प्रयास कर रहा है ताकि देश के प्रमुख विज्ञान शिक्षा केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित हो सके। हम अपनी गहरी इच्छा व्यक्त करते हैं नए छात्रों के जीवन को उज्जवल बनाने के लिए उनके साथ काम करें। विभाग प्रशिक्षण और नियुक्ति के लिए प्रयास करता है, और छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षित करता है, विभिन्न शोध संस्थानों और उद्योग में उनके प्लेसमेंट के के लिए प्रयास करता है। विभाग से छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं जैसे, नेट, गेट, जेस्ट, सेट आदि में उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विभाग द्वारा गतिशील शैक्षणिक गतिविधियाँ में प्रख्यात विज्ञान हस्तियों द्वारा नियमित सेमिनार, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों को

आयोजित किया जाता हैं ।

विभाग ने 3 डट उच्च वर्तमान पेलेट्रॉन त्वरक सुविधा स्थापित करने के लिए एक साहसिक पहल की है। यह सुविधा, परमाणु ऊर्जा विभाग भारत सरकार के बी.आर.एन.एस के माध्यम से एक राष्ट्रीय त्वरक आधारित अनुसंधान केंद्र के रूप समर्थित है और केंद्र की स्थापना के लिए यूजीसी द्वारा एक विशेष अनुदान भी दिया गया था। इस सुविधा ने इस क्षेत्र में अनुसंधान समर्थन को मजबूत किया है और हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर उभरते अनुसंधान संस्थान के रूप में स्थापित किया है। यह सुविधा विज्ञान और प्रौद्योगिकी की विभिन्न शाखाओं में अंतरविषयक् अनुसंधान कार्य करने के अवसर प्रदान कर रही है।

विभाग ने शिक्षण में गुणवत्ता सुधार, शोध का माहौल बनाने और छात्रों को कौशल वृद्धि प्रदान करने के संदर्भ में अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक योजना तैयार की है। हमने स्नातक स्तर पर सीबीसीएस प्रणाली शुरू की है और कई कौशल आधारित कार्यक्रम डिजाइन किया है जैसे भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स में कार्यशालाओं का कौशल, विद्युत सर्किट विश्लेषण, विकिरण सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा। ये पाठ्यक्रम अन्य विभागों के छात्रों को भी प्रदान किए जाते हैं। हम शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं और हमने कई पाठ्यक्रमों में डिलीवरी के एक मोड के रूप में आईसीटी टूल को शामिल किया है और अपने पाठ्यक्रम को शिक्षार्थी केंद्रित के रूप में पुनः उन्मुख किया है। औद्योगिक अनुभव और सहकर्मी बातचीत प्रदान करने के लिए, हमने स्नातक पाठ्यक्रमों में इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू किए हैं। अनुसंधान के मोर्चे पर हमारा उद्देश्य थीन फिल्म, नैनो सामग्री और मेसोस्कोपिक सामग्री विकसित करने के लिए अत्याधुनिक संश्लेषण और माप सुविधाओं की स्थापना करना है अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के साथ युवा और गतिशील संकाय के साथ, हमारी शोध योजनाएं उच्च अंत विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों के लिए सामग्री विकास के क्षेत्र में मेक–इन इंडिया और स्टार्ट–अप इंडिया कार्यक्रम के लिए प्रभावी ढंग से योगदान देने की दिशा में दर्शाती हैं।

विभाग की गतिविधियां

- विभाग में 2022–2023 के दौरान 02 पीएच.डी. दिया गया।
- विभाग ने डीएसटी, भारत द्वारा वित्त पोषित एसटीयूएसआई कार्यक्रम के तहत ''सामग्री अभिलक्षण तकनीक'' पर 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है। (1 नवंबर से 7 नवंबर 2022)
- विभाग ने "ऑप्टिकल सामग्री और फोटोनिक उपकरणों में हालिया रुझान (आरटीओएमपीडी–2022) '' पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन''हाइब्रिड मोड में किया है। (21 दिसंबर, 2022)
- विभाग ने इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (आईएपीटी) की ओर से एनएसजीई परीक्षाओं का आयोजन किया।
- विभाग में विभिन्न सरकारी एजेंसियों से 08 शोध परियोजनाएं चल रही हैं।
- विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विवेकानंद जयंती, स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया जिसमें कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

विभाग की सांस्कृतिक गतिविधियाँ

- विभाग द्वारा 14 जून 2022 को विश्व रक्तदाता सह शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।

/मोदी /20: ड्रीम्स मीट के अवसर पर विभाग के छात्रों के बीच भाषण प्रतियोगिता 18 जुलाई, 2022 को आयोजित की गई थी।

- विभाग ने 2 सितंबर, 2022 को एक प्रतिज्ञा ग्रहण समारोह आयोजित किया था, जिसमें सभी संकाय सदस्यों, कर्मचारियों के सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया और स्वच्छता और स्वच्छता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया।
- स्वच्छता पखवाड़ा 2 सितम्बर 2022 को विभाग स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया।
- विभाग के सभी विद्यार्थियों द्वारा 5 सितम्बर 2022 को शिक्षक दिवस मनाया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा 2022 के बैनर तले 6 सितंबर, 2022 को शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग में भाषण, पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- 3 नवंबर, 2022 को आईयूएसी नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री सुनील ओझा द्वारा ''एक्सलेरेटर द्वारा डेटिंग'' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया गया।
- नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग द्वारा प्रदत्त विभिन्न कक्षों, सुविधाओं से अवगत कराने हेतु विभाग द्वारा नवप्रवेशित विद्यार्थियों हेतु 24 नवम्बर 2022 को स्टूडेंट इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रो. पारिजात ठाकुर को आईयूसीए एसोसिएटशिप प्रोग्राम के तहत एसोसिएट प्रोफेसर पुरस्कार मिला (18. 01.2021– 18.01.2024)
- शिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनारों, सम्मेलनों और ऑनलाइन वेबिनार में कई आमंत्रित भाषण दिए गए।
- शिक्षकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

छात्रों की उपलब्धियाँ

- राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 में दो पीएचडी छात्रों को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार मिला।
- राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 में एक पीएचडी छात्र को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार मिला।
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 में एक पीएचडी छात्र को बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन का अवार्ड मिला ।
- वर्ष 2023 में दो पीएचडी छात्रों को डीएसटी एस्पायर फैलोशिप प्राप्त हुई।

2.1.9 समाज विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत 04 विभाग संचालित हैं जिसमें अर्थशास्त्र विभाग, इतिहास, राजनीति शास्त्र, तथा समाज कार्य विभाग है। समाज विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पंचवर्षीय पाठ्यक्रम एवं पीएच. डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं।

अर्थशास्त्र विभाग

विभाग की स्थापनाः, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र विभाग वर्ष सन् 1989 में स्थापित किया गया था। विभाग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और आर्थिक मुद्दों तथा आर्थिक योजना पर विशेष ध्यान देने के साथ–साथ गहन शोध करने की एक लंबी परंपरा रही है। विभाग ने बेहतर समाज और बेहतर दुनिया बनाने के लिए भारतीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली नीति निर्माण और कार्यान्वयन चुनौतियों के लिए आर्थिक अध्ययन और विश्लेषण की खोज के माध्यम से सर्वश्रेष्ठ अर्थशास्त्री तैयार करने की कल्पना की है। विभाग में समर्पित शिक्षक सदस्य हैं जो अनुसंधान, शिक्षाविदों और प्रशासनिक कार्यों में अत्यधिक कुशल और विशिष्ट हैं।

मुख्य क्षेत्रः भारतीय कृषि के मुद्दे, विकास अर्थशास्त्र, भारतीय संघीय वित्त, सार्वजनिक व्यय का विश्लेषण, ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की चुनौतियाँ, जनजातीय विकास, बैंकिंग और वित्तीय समावेशन का अर्थशास्त्र।

विभाग के दृष्टि : यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे छात्रों के पास जटिल घरेलू, आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक समस्याओं का विश्लेषण करने के लिए एकीकृत और महत्वपूर्ण सोच कौशल के साथ–साथ मात्रात्मक और गुणात्मक क्षमताएं हैं। यह पता लगाने के लिए कि हमारे छात्रों के पास आवश्यक पारस्परिक, संचार और नेतृत्व कौशल हैं ताकि वे जिम्मेदार नागरिकों और प्रभावी नेताओं के रूप में कार्य कर सकें। एक सहयोगी शिक्षण, सीखने और अनुसंधान वातावरण बनाने के लिए जो सामाजिक जिम्मेदारी, नैतिक निर्णय लेने और वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर जोर देता है।

विभाग का मिशनः छात्रों को उनकी रोजगार क्षमता और उद्यमिता को बढ़ाने के लिए अर्थशास्त्र का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए तैयार करना। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर और निरंतर व्यावसायिक विकास और अनुसंधान के माध्यम से क्षमता का प्रदर्शन करना।

विभाग के उद्देश्यः 1. नौकरी के अवसर पैदा करने के लिए छात्रों को उद्यमशीलता की क्षमता के साथ तैयार करना। 2. सामाजिक–आर्थिक वातावरण को समझने के लिए सिद्धांत के महत्वपूर्ण, विश्लेषणात्मक और रचनात्मक उपयोग के साथ छात्रों को सशक्त बनाना।

विभागीय गतिविधियाँ

- 12 जनवरी 2023 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "राष्ट्रीय युवा दिवस 2023" मनाया गया।
- दिनांक 09 दिसंबर 2022 को यूजी छात्रों सत्र 2022–23 के लिए "इंडक्शन प्रोग्राम" आयोजित किया गया।
- दिनांक 15 दिसंबर 2022 को पीजी छात्रों सत्र 2022–23 के लिए "इंडक्शन प्रोग्राम" आयोजित किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- **प्रो. मनीषा दुबे,** द्वारा इतिहास विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और छत्तीसगढ़–आर्थिक आयाम" विषय पर अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
- **प्रो मनीषा दुबे,** द्वारा "भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष और सामाजिक–आर्थिक संदर्भ में एनईपी 2020 की प्रासंगिकता"।" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

व्याख्यान, बिलासा गर्ल्स पी.जी. कॉलेज बिलासपुर (छ.ग.) में 25 फरवरी, 2023 को दिया गया।

- **प्रो. मनीषा दुबे,** द्वारा दिनांक 03 मार्च, 2023 को स्वामी विवेकानंद लोक संसद ओडिसा में "श्री रामकृष्ण परमहंसः जीवन और दर्शन" विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया गया।
- **चित्तरंजन नायक,** द्वारा दिनांक 4 फरवरी, 2023 को एएसबीएम विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित ऑनलाइन वेबिनार में शीर्षक "केंद्रीय बजट –2023 का प्रभाव" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- **राजकुमार नागवंशी,** द्वारा अर्थशास्त्र विभाग शासकीय महाविद्यालय महिदपुर, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा आयोजित एवं आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "भारत में सतत कृषि विकास की स्थितिः चुनौतियां और संभावनाएं" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में शीर्षक "भारतीय कृषि में उभरते रुझानः एक विश्लेषण" पर दिनांक **24–25** फरवरी, **2023** को आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।
- **राजकुमार नागवंशी,** द्वारा एमपीईए दो दिवसीय वार्षिक सम्मेलन, शीर्षक भारत में एमएसएमई क्षेत्र मुद्दे और चुनौतियां एवं मध्यप्रदेश में कौशल विकास, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. हरीसिंह गौड़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश), द्वारा आयोजित दिनांक 27–28 मार्च, 2023 को आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

शोध पत्रों का प्रकाशन/पुस्तक अध्याय :

क्र.	शोधार्थी का नाम	संख्या
1.	आरती राठौर	03
2.	किरण कुमारी	01
3.	नीरज कुमार	03
4.	राम अवतार सिंह	01
5.	रुची बेक	01
6.	सुभ्रजीत बेहरा	01

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में भाग लिया/ पेपर प्रस्तुत:

क्र.	शोधार्थी का नाम	संख्या
1.	आरती राठौर	03
2.	किरण कुमारी	03
3.	नीरज कुमार	04
4.	राम अवतार सिंह	07
5.	रुची बेक	04
6.	सुभ्रजीत बेहरा	01
7.	प्रभावती बेहरा	03
8.	देवधर भोय	04

इतिहास विभाग

इतिहास विभाग सन् 1996 ई. में स्थापित किया गया। इतिहास विभाग में अनुसन्धान और अध्ययन के प्रमुख क्षेत्र छत्तीसगढ़ इतिहास भारत का इतिहास विश्व का इतिहास है। विभाग में प्री पीएच.डी. बी.ए. आनर्स, एम.ए. (मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास में विशेषज्ञता के साथ) और पीएच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। कक्षा में अध्यापन का माध्यम परीक्षाओं की भांति हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है। पंचवर्षीय एकीकृत स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तीन वर्ष बी.ए. (आनर्स) का सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर निकास विकल्प के साथ 2009–10 से संचालित हैं। विभाग में शोध एवं अध्ययन का मुख्य केन्द्र बिन्दु छत्तीसगढ़ के इतिहास के विशेष संदर्भ क्षेत्रीय अध्ययन एवं विकास तथा पर्यटन का इतिहास है। प्री.पीएच.डी. कोर्स वर्क आरंभ होने के साथ विभाग में इतिहास के क्षेत्र में शोध एवं विकासपरक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है। इस क्रम में विभाग प्रतिष्ठित इतिहासकारों एवं इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का व्याख्यान आयोजित करता है। विभाग ऐतिहासिक महत्व और महान व्यक्तित्वों से जुड़ी तिथियों पर संगोष्ठियों एवं सम्मेलनों का आयोजन करता है। विभाग शोधकार्य एवं विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियों एवं अध्येतावृत्तियों की सुविधा प्रदान करता है। विभाग द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न सह–शैक्षणिक गतिविधियों में राष्ट्रीय सेवा योजना आदि के माध्यम से सहभागिता हेतु प्रेरित किया जाता है। जिससे उनके व्यक्तित्व का बहुमुखी विकास हो और उनके भीतर सामुदायिक भावना का विकास हो सके।

विभाग के पास लगभग 200 पुस्तकों से सुसज्जित ग्रंथालय है। इन पुस्तकों के अतिरिक्त विद्यार्थी केन्द्रीय ग्रंथालय की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं, जिसमें इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। इसमें शोध–ग्रन्थों, संदर्भ पुस्तकों और शोध प्रबंध बड़ी संख्या में हैं जिसे विद्यार्थी इंटरनेट के माध्यम से देख सकते हैं। स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नियमित शिक्षण के अतिरिक्त विभागीय शिक्षक विश्वविद्यालय द्वारा संचालित प्रशासनिक परीक्षाओं ,व यू.जी.सी.नेट कोंचिंग के सांथ में भी सम्बद्ध है।

विभाग का उद्देश्य मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास पर अध्ययन एवं शोध, छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में क्षेत्रीय अध्ययन के विकास पर ध्यान केन्द्रित करना, छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में पर्यटन के इतिहास का अध्ययन करना, इतिहास के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आधुनिक तौर–तरीकों एवं विकास, परिवर्तन तकनीक से समृद्ध करना है ।

विभागीय गतिविधियाँ

- ''भारतीय और दक्षिण–पूर्व एशिया के बीच सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संपर्क के बहुआयामी पहलू'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 10 फरवरी से 12 फरवरी, 2022 तक आयोजित की गई थी।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. प्रवीन कुमार मिश्रा (विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग) ने 15 दिसंबर, 2022 को खैरागढ़ संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में ''भारत का अमृत महोत्सव'' समारोह में भाग लिया।

- डॉ. प्रवीन कुमार मिश्रा (विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग) ने 18 दिसंबर, 2022 को यूजीसी एचआरडीसी फकीर मोहन विश्वविद्यालय, उड़ीसा द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में एक विषय विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।

राजनीति शास्त्र विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना सन् 1987 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) के एक शिक्षण विभाग के रूप में की गई थी। शिक्षण, अनुसंधान, नवाचारों और सार्वजनिक सेवाओं में लगे रहने के अलावा, विभाग छात्रों को सर्वोत्तम संभव शैक्षिक अवसर प्रदान करने के साथ–साथ ज्ञान और बुद्धिमत्ता की भावना विकसित करने और तेजी से प्रतिस्पर्धी दुनिया में सहन करने की क्षमता हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभाग ने विभाग में आयोजित किए जाने वाले अपने आउटरीच कार्यक्रम के लिए वैश्विक मामलों की भारतीय परिषद, नई दिल्ली के साथ सहयोग स्थापित किया है।

विभाग द्वारा तीन पाठ्यक्रमों की पेशकश की जाती है। पहला, तीन साल का बैचलर कोर्स दूसरा दो साल का मास्टर कोर्स और तीसरा, राजनीति विज्ञान में रिसर्च डिग्री।

पिछले साल चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम, लर्निंग आउटकम्स–बेस्ड करिकुलम फ्रेमवर्क (एलओसीएफ) के तहत पोस्ट ग्रेजुएट स्तर पर 38 छात्रों और स्नातक स्तर पर 71 छात्रों को प्रवेश दिया गया। शोधार्थियों को विभाग में VRET के माध्यम से और VRET छूट प्राप्त श्रेणी के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। विभाग का प्राथमिक लक्ष्य छात्रों और विद्वानों के बीच अनुसंधान और विश्लेषणात्मक तर्क में ठोस कौशल का निर्माण करके राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में विशेषज्ञता विकसित करना है। हमारा सीखने का कार्यक्रम, जिसे नियमित रूप से अपडेट किया जाता है, रचनात्मकता और नए विचारों की खोज को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। विभाग के छात्र समूह चर्चा, पेपर प्रेजेंटेशन, सेमिनार, लेख लेखन में भाग लेते हैं। विद्वतापूर्ण, अनुभवी और समर्पित शिक्षकों की एक टीम के साथ, जिसमें विश्वविद्यालय के स्थायी शिक्षक और बाह्य विशय विशेशज्ञ शामिल हैं। हम विभाग में अकादमिक नवाचार के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। शिक्षक और छात्रों के बीच निरंतर बौद्धिक चर्चा के लिए विभाग द्वारा एक वातानुकूलित कमरे की व्यवस्था की गई है। विभाग के सभी सदस्य गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य के अलावा विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर संलग्न रहते हैं।

अकादमिक गतिविधियों के अलावा, हम प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों जैसे सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज नई दिल्ली, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली और एसोसिएशन ऑफ प्रोग्रेसिव कम्युनिकेशन के साथ लगातार अनुसंधान गतिविधियों में सहयोग कर रहे हैं।

राजनीति विज्ञान के व्यापक स्पेक्ट्रम के भीतर, हमारा शोध आईसीटी, ई–गवर्नेंस, पंचायती राज और महिला सशक्तिकरण, उत्थान और इक्विटी के अध्ययन पर केंद्रित है। वर्षों से हमने ग्रामीण आबादी पर जेंडर असेसमेंट और रिसर्च में विशेषज्ञता विकसित की है।

शिक्षण और अनुसंधान के अलावा, विभाग के शिक्षक सदस्य और छात्र सक्रिय रूप से प्रशिक्षण, परामर्श और पाठ्येतर गतिविधियों में लगे हुए हैं। हम साझा लक्ष्यों और सामान्य उद्देश्यों के आधार पर व्यक्तियों और संस्थानों के साथ अकादमिक आदान–प्रदान और साझेदारी का स्वागत करते हैं।

उद्देश्य

- समकालीन राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- राजनीति विज्ञान में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और अंतर–अनुशासनात्मक पाठ्यक्रम संचालित करना।

- सार्वजनिक नीति और मानव अधिकारों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए प्रावधान करना।
- राजनीतिक संकट प्रबंधन पर एक नया पाठ्यक्रम प्रस्तावित करना।
- राजनीती शास्त्र विभाग में छत्तीसगढ़ की राजनीति के अध्यन के लिए एसएएफ सेंटर की स्थापना करना।
- राजनीति विज्ञान में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का संचालन और समन्वय करना।
- अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का प्रस्ताव करना।
- विभाग में अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देना।
- वैश्विक स्तर पर राजनीति विज्ञान पर एक अंतर्राष्ट्रीय कॉन्क्लेव के लिए एक उत्साहजनक वातावरण तैयार करना।
- राजनीति विज्ञान के छात्रों को मुख्यधारा की राजनीति से जोड़ने के लिए तंत्र विकसित करना।
- लोक प्रशासन और मानव अधिकारों पर स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करने के लिए प्रावधान करना।

विभाग की गतिविधियां

- विभाग ने ICSSR से एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए 2.50 लाख रुपये का अनुदान दर्ज किया है ।
- प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना को रजत जयंती सभागार, जीजीवी बिलासपुर में 5–6 मार्च 2023 को ज्ञान की भाषा के रूप में हिंदी पर आयोजित कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- विभाग द्वारा दिनांक 24/11/2022 को संविधान दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।
- विभाग ने 5–6 मार्च 2023 को ज्ञान की भाषा के रूप में हिंदी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया ।
- 20 जनवरी 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग में स्वामी विवेकानंद के विचार ''नरेंद्र से स्वामी तक एक वैचारिक यात्रा'' पर चर्चा हुई।

विभाग की मान्यता

- प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना को रायपुर में आउटलुक समूह द्वारा 15 जनवरी, 2023 को ''रीइमेजिनिंग छत्तीसगढ़'' कार्यक्रम में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना को 22 मई 2022 को एनडीटीवी शो में एक पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया ।
- 16 जनवरी 2023 को हिन्दी और उर्दू विभाग द्वारा प्रो अनुपमा सक्सेना को राजकीय बिलास कन्या महाविद्यालय, बिलासपुर में राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया ।

- दिनांक 25 फरवरी 2023 को प्रो. अनुपमा सक्सेना को बिलासा गर्ल्स पी.जी. महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया है।
- प्रोफेसर अनुपमा सक्सेना को इंडियन्स रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन द्वारा आजादी के 75 वर्श पर आयोजित कार्यक्रम महिलाओं की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता विशय पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. सात्वांना पाण्डेय को एलसीआईटी कॉलेज ऑफ कामर्स एण्ड सांइस, बोदरी बिलासपुर के द्वारा 10 फरवरी 2023 को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रोफेसर रामकृष्ण प्रधान का लेख प्रतिष्ठित इंडियन फॉरेन अफेयर्स जर्नल, खंड 15, संख्या 4 के लिए तैयार किया जा रहा है।
- प्रोफेसर रामकृष्ण प्रधान को नवंबर 2022 को इंटरनेशनल ब्लाइंड पीयर रिव्यू जर्नल, ''द थर्ड वॉइसः रियलिटी एंड विजन वॉल्यूम (4), नंबर 2 में संयुक्त संपादक के रूप में नियुक्त किया गया है।
- प्रोफेसर रामकृष्ण प्रधान को 25 अक्टूबर 2022.को यूरोपीय फाउंडेशन, नई दिल्ली के यूरेशियन रिपोर्ट जर्नल के प्रबंध संपादक के रूप में नियुक्त किया गया है।
- डॉ. रामबाबू को 7 जनवरी, 2023 को पूरा किए गए इनपॉड्स एड–टेक में पाठ्यक्रम के परिणामों और परिणामों पर केंद्रित प्रश्नों को सफलतापूर्वक डिजाइन किया हे।

छात्रों की उपलब्धियां

- सुश्री मानसी मल्होत्रा, रिसर्च स्कॉलर, राजनीति विज्ञान विभाग का एशियाई और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए 2022 हार्वर्ड कॉलेज प्रोजेक्ट द्वारा चयन किया गया है।
- सुश्री प्रियंका द्विवेदी, रिसर्च स्कॉलर, राजनीति विज्ञान विभाग ने 8–10 दिसंबर 2022 के दौरान चियांग माई, थाईलैंड में मानविकी और सामाजिक विज्ञान की खेती, दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया की विविध सीमांतताओं को संबोधित करते हुए संगोष्ठी के लिए आमंत्रित किया है। संगोष्ठी के आयोजक SID के सहयोग से किया गया, जिसने उसकी यात्रा के लिए धन दिया।
- श्री लोहित राम, शोध छात्र, राजनीति विज्ञान विभाग ने एक राष्ट्रीय सेमिनार में ''कृषि आधारित लघु उद्योग और ग्रामीण विकास में ग्राम पंचायत की भूमिका संभावनाएँ चुनौतियाँ'' शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- दिनांक 25.11.2022 को आयोजित संविधान दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. छठवें सेमेस्टर की छात्रा सुश्री संध्या पांडा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।
- श्री कृष्ण कुमार, श्री कृष्ण कुमार बंजारे, सुश्री पुष्पांजलि देशमुख ने 26.02.23 को आयोजित कोरी बांध की सफाई 2023 के लिए स्वच्छता और जागरूकता के लिए अपनी सेवा दी है।
- राजनीति विज्ञान विभाग के बी.ए. छठे सेमेस्टर के छात्र श्री प्रियेश कुमार ने सत्र 2021–22 के लिए

विश्वविद्यालय क्रिकेट (पुरुष) टीम का प्रतिनिधित्व किया है जिन्होंने केआईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट (पूर्वी क्षेत्र) में भाग लिया।

- श्री प्रियांशु पाण्डेय एमए प्रथम सेमेस्टर का जीईओ बिलासपुर में 27 जनवरी 2023 को सेल्स मेनेजर के रूप में चयन किया गया।

समाज कार्य विभाग

समाज कार्य में पेशेवर शिक्षा और प्रशिक्षण की बदलती और बढ़ती जरूरतों के अनुसार , समाज कार्य विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, 1998 में स्थापित किया गया था। विभाग छात्रों को नए आर्थिक युग में प्रभावी सामाजिक कार्यकर्ता बनने के लिए तैयार करता है और इस पर हमेशा जोर दिया जाता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण जीवन की संस्कृति को बढ़ावा देने पर हमेशा जोर दिया जाता है।

समाज कार्य विभाग, विश्वविद्यालय के दृष्टि और उद्देश्य की खोज में, सामाजिक, आर्थिक, व्यावहारिक, पर्यावरण, कानून, मानवाधिकार, लिंग, राजनीतिक और प्रौद्योगिकी के अंतःविषय ज्ञान प्रणालियों में प्रवीणता के साथ छात्रों के लिए शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है। सामाजिक विकास को बढ़ावा देना विभाग छात्रों को सशक्त बनाने और व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों में ताकत और लचीलापन विकसित करने की पहल हेतु सक्षम वातावरण के लिए प्रतिबद्ध है।

साक्ष्य–आधारित, कार्यवाही और हस्तक्षेप–उन्मुख अभ्यास – शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया, क्षेत्र–आधारित शिक्षा और इंटर्नशिप के माध्यम से स्थापित किए जाते हैं जो छात्रों को सामाजिक परिवर्तन प्रतिनिधि और सामाजिक न्याय के रूप में कार्य करने के लिए मार्गदर्शन करते हैं।

मैक्रो सिस्टम नॉलेज फ्रेमवर्क की व्यापक समझ, प्रासंगिक और जमीनी वास्तविकताओं की समझ के साथ, जिसका एकीकरण छात्रों को सूक्ष्म स्तर पर परिवर्तन और विकास को प्रभावी ढंग से आरंभ करने में सक्षम बनाता है। विभाग की अनूठी विशेषताओं में भागीदारी और सतत विकास प्रथाएं, छात्रों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण, मैक्रो–सूक्ष्म अनुसंधान पहल, प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण, सामाजिक नवाचार और सामाजिक उद्यमिता शामिल हैं, जो सक्षम सामाजिक कार्यकर्ताओं का संवर्ग तैयार करने के लिए सही रूप से एकीकृत हैं।

समाज कार्य कार्यक्रम में बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू और पीएच.डी. पाठ्यक्रम शामिल हैं जो शिक्षण, प्रशिक्षण, सीखने, अभ्यास, अनुसंधान, प्रकाशन और सामाजिक कार्य शिक्षा के प्रसार घटकों में मजबूत और प्रभावी एकीकरण लाते हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में सामाजिक कार्य विभाग का उद्देश्य छात्रों को लोकतंत्र, शांति, मानवाधिकार, लोगों के अधिकारिता, सामाजिक न्याय और मानव विविधता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को बढ़ाकर सामान्यवादी सामाजिक कार्य पेशेवर बनने के लिए तैयार करना है।

विभाग सामाजिक कार्य छात्रों को व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, समुदायों और विकास संगठनों के साथ सीधे सीखने के अनुभव प्रदान करता है। संकाय पर्यवेक्षक साइट पर मार्गदर्शन प्रदान करते हैं और छात्रों की सहायता करते हैं।

दृष्टिकोणः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुसार, समाज कार्य विभाग, पेशेवर समाज कार्य शिक्षा और अभ्यास के माध्यम से समावेशी सामाजिक व्यवस्था को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

उद्देश्यः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग का उद्देश्य छात्रों को लोकतंत्र, शांति, मानवाधिकार, लोगों के अधिकारिता, सामाजिक न्याय और मानव विविधता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को बढ़ाकर सामान्यवादी समाज कार्य पेशेवर बनने के लिए तैयार करना है। शैक्षिक अनुभव के हिस्से के रूप में, कार्यक्रम छात्रों को सार्वजनिक, कॉर्पोरेट और गैर–लाभकारी विकास क्षेत्रों और नागरिक समाज में सेवाएं प्रदान करने में आध्यात्मिकता के साथ उचित व्यवहार, कौशल और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण विकसित करने के अवसर प्रदान करता है।

विभाग की गतिविधियांः

सेमिनार और कार्यशालाएं

- स्किल डेवलपमेंट सेल गुरु घासीदास विश्वविद्यालय और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद हैदराबाद, तेलंगाना के सहयोग से कौशल विकास पर कार्यशाला।

- दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिः संगीत से सद्भाव'' का आयोजन सामाजिक कार्य विभाग और शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए राष्ट्रीय प्रतिष्ठान, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, एनटीपीसी द्वारा सह–प्रायोजित सीपत और एसईसीएल बिलासपुर (सीजी) 22–23 फरवरी 2023 को रजत जयंती सभागार में आयोजित किया गया

- ''भारत में महिलाओं और डायन–शिकार के मामलों पर कानूनी प्रवचन'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारत में महिलाओं और डायन के शिकार मामलों पर कानूनी प्रवचन'' का आयोजन समाज कार्य विभाग द्वारा किया गया था, जिसे ICSSR क्षेत्रीय केंद्र, नई दिल्ली द्वारा , 23–24 फरवरी 2023 को हॉल नंबर 1 रजत जयंती सभागार में प्रायोजित किया गया था

- संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त 2022) मनाने के लिए हेल्पेज इंडिया द्वारा प्रायोजित विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना सेल के सहयोग से 17 अगस्त 2022 को इंटरजनरेशनल सॉलिटरी ''सभी उम्र के लिए एक दुनिया बनाना'' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

विस्तार / क्षेत्रीय गतिविधियां

- सामाजिक कार्य विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हा, बिलासपुर (छ.ग.) एवं ग्राम पंचायत सेंदरी, बिलासपुर (छ.ग.) के सहयोग से राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेंदरी बिलासपुर (छ.ग.) में, दिनांक 12 / 12 / 2022 को निःशुल्क चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया।

- विश्व एड्स दिवस समारोह – समाज कार्य विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर ने छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी रायपुर द्वारा संचालित छत्तीसगढ़

प्रचार एवं विकास संस्थान लक्षित हस्तक्षेप परियोजना के सहयोग से बिलासपुर शहर में 01/12/2022 को विश्व एड्स दिवस मनाया।

छात्रों की उपलब्धियां

खेल में भाग लेने वाले छात्र

- सत्यम शर्मा (BSW IV sem द्वारा दिनांक 20 से 23 दिसंबर 22 तक आयोजित इवेंट फेंसिंग (पुरुष), जम्मू विश्वविद्यालय।
- सत्यम शर्मा (BSW IV sem द्वारा दिनांक 21 से 24 जनवरी 23 इवेंट रोप स्किपिंग (पुरुष) LNCT यूनिवर्सिटी (MP)
- हितेश कुमार (BSW IV sem) द्वारा दिनांक 17 से 22 जनवरी 23 कार्यक्रम कराटे (पुरुष) अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की मेजबानी की।
- शीतल बाला (BSW IV sem), दिनांक 21 से 24 जनवरी 23 इवेंट रोप स्किपिंग (महिला) LNCT यूनिवर्सिटी (MP) द्वारा होस्ट किया गया।
- प्रफुल जॉर्ज केरकेट्टा (MSW IV sem) इवेंट फुटबॉल (पुरुष) बीआईटी मेसरा द्वारा आयोजित ।

सांस्कृतिक गतिविधियां

- सत्यम शर्मा (BSW IV sem) इवेंट स्लोगन प्रतियोगिता EBSB ने एक स्थान हासिल किया

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

- प्रिया केशरवानी (MSW IV सेमेस्टर) द्वारा 18–24 मार्च 2023 को GGV बिलासपुर में युवा मामले और खेल मंत्रालय, क्षेत्रीय निदेशक (M-P-&C-G.) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर 2023 में स्वयंसेवक के रूप में योगदान दिया।
- प्रिया केशरवानी (MSWIV सेमेस्टर) द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना सेल, M-D- रोहतक द्वारा आयोजित और भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 7–13 दिसंबर 2022 तक राष्ट्रीय एकता शिविर में छै कार्यक्रम स्वयंसेवक के रूप में भाग लिया।
- प्रिया केशरवानी (MSWIV सेमेस्टर) द्वारा बिलासपुर (छ.ग.) में 12–21 नवंबर 2022 तक एनएसएस प्री रिपब्लिक डे परेड कैंप (सेंट्रल जोन) 2022 में भाग लिया।

शोधार्थी की प्रगति

- दीपिका पांडे द्वारा अर्चना यादव के निर्देशन में पीएच.डी. पूरी की और 30 दिसंबर 2022 को आयोजित वाइवा–वॉयस परीक्षा दी तथा पीएच.डी. थीसिस जमा की । थीसिस का शीर्षक ''झुग्गी पुनर्विकास पैटर्न पर एक तुलनात्मक अध्ययन और महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव'' रायपुर शहर, छत्तीसगढ़ में झोपड़पट्टी निवासी ''वह ''डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी'' की डिग्री के लिए पात्र हैं।

- आकृति देवांगन द्वारा अर्चना यादव के निर्देशन में पीएच.डी. पूरी की और 20 मार्च 2023 को आयोजित वाइवा–वॉयस परीक्षा दी तथा पीएच.डी. थीसिस जमा की । थीसिस का शीर्षक''मुस्लिम और तीन तलाक अधिनियम 2019 छत्तीसगढ़ में सामाजिक और विधायी ढांचे पर एक अध्ययन''। वह ''डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी'' की डिग्री के लिए पात्र हैं।

शिक्षकों की प्रगति

डॉ अर्चना यादव

- विश्वविद्यालय के बालिका छात्रावास राज मोहिनी देवी की वार्डन नियुक्त।
- इंडक्शन प्रोग्राम (FIP) को ऑनलाइन मोड (CISCO WEBEX MEETINGS) में दिनांक 04.02.2023 UGC–मानव हिंदू अध्ययन स्थापित करने के प्रस्ताव को विकसित करने के लिए समिति के सदस्य के रूप में अधिसूचित।
- 23 जनवरी को यूनिसेफ समन्वयक जीजीवी के रूप में नियुक्त।
- ''जीजीवी श्रवण लाइन'' शुरू करने के लिए, जरूरतमंद लोगों के लिए हेल्पलाइन सेवा शुरू करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सह–संयोजक अधिसूचित किया गया।
- सामाजिक कार्य और शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से ''सांप्रदायिक सद्भाव और शांति– संगीत से सद्भाव'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक, राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव फाउंडेशन, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित और एसईसीएल और एनटीपीसी द्वारा सह–प्रायोजित 22–23 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया।
- विश्वविद्यालय में संचालित डे केयर सेंटर 'किलकारी' की सह–समन्वयक नियुक्त।
- कुशाभाऊ ठाकरे जनसंचार एवं पत्रकारिता विश्वविद्यायल रायपुर की अध्ययन मंडल समिति की सदस्य बनीं।

प्रदत्त व्याख्यानः

- 24 जून, 2022 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (एनआईएसडी) द्वारा आयोजित ''फैमिली केयरगिवर्सः नीड एंड रोल इन सीनियर केयर'' पर।
- 29 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (NISD) द्वारा आयोजित ''फैमिली केयरगिवर्सः चौलेंज एंड सॉल्यूशंस'' पर।
- ऑन इंटरजेनरेशनल कॉन्सेप्ट्सः ए पैराडाइम फॉर इम्प्रूविंग लाइफ ऑफ एल्डरली एंड यंग जेनरेशन'' का आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस (एनआईएसडी) द्वारा 9 दिसंबर, 2022 को किया गया।
- 29/03/2022 को राष्ट्रीय समाज रक्षा संस्थान (NISD) द्वारा आयोजित ''इंटरजेनरेशनल लिविंगः एन अप्रोच फॉर बेटर लाइफ ऑफ सीनियर सिटीजन'' पर।

डॉ. संज्ञा त्रिपाठी

- विभागाध्यक्ष , सांस्कृतिक समन्वयक, कौशल विकास समन्वयक, ईसी सदस्य

श्री सुमन लाकड़ा

- सह–समन्वयक अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ जीजीवी

डॉ. संदीप मोरीशेट्टी

- सहायक डीएसडब्ल्यू

2.1.10 शिक्षा विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत दो विभाग हैं (1) शिक्षा विभाग (2) शारीरिक शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग

2007 में अपनी स्थापना के बाद से शिक्षा विद्यापीठ के अंतर्गत शिक्षा विभाग अपने छात्र शिक्षकों की सर्वश्रेष्ठ संभावनाओं को बाहर लाने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि उन्हें भारतीय शिक्षा के सशक्त और प्रबुद्ध नेताओं के रूप में विकसित किया जा सके । विभाग के पास भावी शिक्षकों और शिक्षक शिक्षकों को बढ़ावा देने के लिए सक्षम और संवेदनशील शिक्षकों की एक टीम है जो वास्तव में बहुसांस्कृतिक शैक्षिक वातावरण के भीतर ज्ञान, व्यावसायिक कौशल, सांस्कृतिक समझ, सामाजिक जिम्मेदारी और सहक्रियात्मक प्रगति का एक उच्च मानक है। शिक्षा विभाग शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है जो ज्ञान और कौशल के अधिग्रहण के लिए आवश्यक है जिससे समुदाय को सूचना, साक्षरता, कैरियर में उन्नति, व्यक्तिगत संवर्धन, नेतृत्व और सेवा प्राप्त हो सके। कार्यक्रम की गुणात्मकता सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा विभाग पाठ्यक्रम की अनुदेशात्मक प्रक्रियाओं और समग्र प्रभावशीलता को मजबूत करने के लिए वर्तमान परिदृश्य में प्रथाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं का आकलन करता है। प्रस्तुत कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक विचारों को शामिल करता है। इंटर्नशिप कार्यक्रम विभिन्न पाठ्यक्रमों की नियमित विशेषता हैं, यह पर्याप्त व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से शिक्षण पेशेवरों की आवश्यकता, मूल्य और स्थान के बारे में संवेदनशीलता प्रदान करता है। सभी शैक्षिक अनुभवों को प्रतिस्पर्धी दुनिया की गति से मेल खाने के लिए, एक संतोषजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक लोकाचार को बढ़ाने और हर परिस्थिति में एक नेता के रूप में उभारने के लिए अभिकल्पित किया गया है। यही कारण है कि हमारे छात्रों की एक अच्छी संख्या CTET NET SLET के माध्यम से अग्रगामी सत्रों में हुई है।

विभाग अपने तकनीकी अनुशासन और छात्रों के अनुकूल वातावरण के लिए उत्कृष्ट तकनीकी सुविधाएं, गुणवत्ता ज्ञान संसाधन (इंटरनेट सुविधाएं, नियमित सेमिनार, कार्यशालाएं, सामुदायिक कार्यक्रम और अन्य (सह–पाठ्य अनुभव) और शक्तिशाली अनुसंधान अनुभव प्रदान करता है। समुदाय के लोगों के बीच स्वास्थ्य, विकलांगता और शिक्षा के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए सामुदायिक संवर्धन कार्यक्रमों जैसे विस्तार गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। छात्रों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान करने और उनका पोषण करने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियों, क्रीडा और खेल प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है और विद्यर्थियों के बीच देशभक्ति, ईमानदारी और साझा करने की भावना को विकसित करने के लिए भी विभाग प्रत्येक छात्र को आत्म निर्भर

बनाने में विश्वास करता है और इस पर विश्वास करता है कि उसने अपने अधिकांश छात्रों को शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपाधि प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त हो । शिक्षा विभाग अपने छात्रों के लिए उच्चतम गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने के लिए समर्पित है।

इस विभाग के कई शिक्षक है जो कि भारत एवं विदेशों में विभिन्न विद्यालयों ,विश्वविद्यालयों एवं शैक्षिक संस्थानों में विभिन्न पदों पर कार्यरत है और समाज की सेवा कर रहे है इसके साथ ही विभाग के कई विद्यार्थी प्रति वर्ष यूजीसी, एनईटी और जेआरएफ योग्यता प्राप्त करते है एवं विभिन्न राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की छात्रवृत्ति प्राप्त करते है, विभिन्न परीक्षाओं में स्थान प्राप्त करते है इसके अलावा अन्य लोगों के कल्याण को बढ़ावा देने में अपने परिश्रम और सफलताओं का समर्पण करते है इसी तरह आगामी वर्षों में विभाग की उपलब्धियों में कई पंख जोड़े जायेंगे।

दृष्टि

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक शिक्षा एवं शैक्षिक आधार के रूप में मान्यता प्राप्त करना , प्रबुद्ध उत्पादक ,रचनात्मक और संवेदनशील भावी शिक्षकों का विकास करना, छत्तीसगढ़ एवं राष्ट्र के शिक्षक शिक्षा संस्थाओं और विद्यालयों में सार्थक शिक्षा प्रदान करने के लिए सशक्त शिक्षक प्रदान करना ।

मिशन

भावी शिक्षकों और शिक्षक शिक्षकों में रचनात्मकता का पोषण करने के लिए, जिम्मेदार और अनुशासित व्यवहार को बढ़ावा देने वाले सीखने के परिवेश को बढ़ावा देना ।

एक गतिशील, इंटरैक्टिव शैक्षिक वातावरण प्रदान करना जो कि सीखने की प्रक्रिया में छात्रों और शोधकर्ताओं को संलग्न करता है, ताकि बहु–कुशल और सामाजिक रूप से जिम्मेदार शिक्षकों और शिक्षक– शिक्षकों को बनाया जा सके।

उद्देश्य

- शिक्षा विभाग में शिक्षक प्रशिक्षकों का प्राथमिक ध्यान शिक्षण के विभिन्न पहलुओं और उनकी सीखने की प्रक्रिया पर है, अतः शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों को लगातार शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना एवं निर्धारित समयावधि में कक्षागत कार्यों को पूर्ण करना है।

- शिक्षा विभाग सामाजिक जागरूकता को बढावा देने के लिए मूल्य आधारित दृष्टीकोण से विद्यार्थिओं को विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, शिक्षा के लिए सामुदायिक परामर्श इत्यादि कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना।

- शोध पर्यवेक्षक के रूप में शिक्षा विभाग के शिक्षक–प्रशिक्षक शोधार्थियो को शोध की गहन समझ को विकसित करना एवं शोध पत्र और लेख लिखने के लिए मदद करना।

- शिक्षा विभाग अकादमिक परिघटना के प्रति हमेशा सचेत रहता है इसलिए संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

- जानकारियों को अद्यतन रखने एवं उनके आदान –प्रदान और सुधार के लिए शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय, राज्य

एवं क्षेत्रीय संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किये है।

मुख्य आधारिक संरचना विकास 2022–2023

- पं. मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत अद्यतन निर्मित भवन में सफलतापूर्वक कक्षाएं संचालित की जा रही है।

शिक्षकों की उपलब्धियां

- शिक्षकों की उपलब्धियों को विभिन्न शीर्षकों के अंतर्गत विभाजित किया गया है–

संसाधन व्यक्ति

- प्रोफेसर सी.एस. वझलवार ने एचआरडीसी गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित 6वें, 7वें, 8वें एवं 9वें गुरु दक्ष फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम में ''अंडरस्टैंडिंग स्टूडेंट्स एंड देयर नीड्स'' विषय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान प्रस्तुत किया एवं 05 जुलाई, 02 नवंबर, 10 जुन, 25 जनवरी, 2022 को 22 जनवरी, 2022 को जानकी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रायगढ़ में एनईपी 2020 के आलोक में उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय संगोष्ठी उत्कृष्टता में एक वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

- प्रो सुनील कुमार सेन को संसाधन व्यक्ति के रूप में 8वें ''गुरु दक्ष'' फैकल्टी संसाधन विकास केंद्र गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया गया है।

- प्रोफेसर सुजीत कुमार ने श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली कई व्याख्यान दिये। यूजीसी–एचआरडीसी डॉ. एच.एस.गौर विश्वविद्यालय सागर एमपी, 22 जून, 2022 को व्याख्यान दिया, सेंटर फॉर स्टडीज एंड रिसर्च स्कूल ऑफ एजुकेशन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात में जून 24, 2022, दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर में 24 सितंबर, 2022, शिक्षा विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 15 नवंबर, 2022 आई टीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर 23 –24 दिसंबर, 2022 बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी में व्याख्यान दिया।

- डॉ. संबित कुमार पाढ़ी ने 28 जनवरी, 2023 को यूजीसी–एचआरडीसी, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर छत्तीसगढ़, 13 दिसंबर, 2022 गोपालपुर कॉलेज गोपालपुर फकीर मोहन यूनिवर्सिटी ओडिशा, 1 से 10 दिसंबर, 2022 में पंडित सुंदरलाल मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ , 18 और 19 नवंबर, 2022, संत रामकृश्ण कन्या महाविद्यालय 15 जुलाई 2022 15 जुलाई, 2022 को डी पी विप्र कॉलेज बिलासपुर ,16 और 17 मई, 2022 के दौरान उन्नत अध्ययन संस्थान बिलासपुर, 7 और 8 मई, 2022 के दौरान अपोलो कॉलेज हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़ में व्याख्यान दिया ।

- डॉ. बुध सिंह ने 21.01.2023 एवं 19.01.2023 से 02.02.2023 तक को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (एमपी), दिनांक 02.02.2023 (30.01.2023–11.02.2023), 16. 02.2023, 20–21 मार्च 2023 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय, सिरसा में 28, 2023 व्याख्यान दिया ।

- डॉ. विंदेश्वरी पवार, सहायक प्रोफेसर नें 22 अप्रैल, 2022 को शिक्षा विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

(केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर में टेक्नीकल सेशन को चेयर किया एवं 26.05.2022 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया ।

- डॉ. पायल बनर्जी ने 18–31 मई, 2022 गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में व्याख्यान दिया, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, 23 मई 2022 को दो सप्ताह के सेज समर स्कूल–22 में सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए जामोवी एवं 17 दिसम्बर 2022 को जंतु विज्ञान विभाग गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में व्याख्यान दिया।

- श्रद्धा सिंह ने केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार में 22 से 25 फरवरी 2023 तक 4 दिवसीय भौतिक विकास कार्यशाला में एक विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया ।

- कृष्ण कुमार पाठक ने 28.5.2022 20.6.2022, 14.4.2022 ,14.9.2022, 26.9.202, 27.10.2022 को व्याख्यान दिया, विजय सिंह पाल बालिका डिग्री कॉलेज लखनऊ यूपी में व्याख्यान दिया है।

परियोजनायें

- प्रोफेसर सी.एस. वझलवार, डॉ संबित कुमार पाढ़ी एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. विंदेश्वरी पवार, डॉ. सुधीर सुदाम कावरे, सहायक प्राध्यापक, डॉ. पायल बनर्जी, सहायक प्राध्यापक विभाग को ,,सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार के तहत 'दिव्यांग यूडीआईडी (विकलांग व्यक्तियों के लिए अद्वितीय आईडी)' विषय पर परियोजना के अनुसंधान कार्यक्रम के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किये गये।

पुरस्कार

- प्रोफेसर सुजीत कुमार मिश्रा, डॉ. संबित कुमार पाधी, एसोसिएट प्रोफेसर, को गुरु घासीदास जयंती और कुल उत्सव, 18 दिसंबर, 2022 के अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता मुल्यांकन प्रकोष्ठ गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019 और 2021 के लिए स्कूल ऑफ एजुकेशन के सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए सम्मानित किया गया।

- डॉ. विंदेश्वरी पवार, सहायक प्राध्यापक, डॉ. सुधीर सुदाम कावरे, सहायक प्राध्यापक, डॉ. अजय समीर कुजूर, सहायक प्राध्यापक गुरु घासीदास जयंती और कुल उत्सव 18 दिसंबर, 2022 के अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता मुल्यांकन प्रकोश्ठ गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2019 और 2021 के लिए स्कूल ऑफ एजुकेशन के सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए सम्मानित किया गया।

अन्य असाइनमेंट

- डॉ विंदेश्वरी पवार, सहायक प्राध्यापक प्री–रिपब्लिक कैंप (सेंट्रल जोन) नेशनल सर्विस स्कीम में समन्वयक, परेड कमेटी के रूप में नियुक्त की गई, वनस्पति विज्ञान गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर छ.ग. के प्रोफेसर के साक्षात्कार के लिए सदस्य जांच समिति के रूप में नियुक्त किया गया, मार्च 2023, को पं. हरि शंकर एजुकेशन कॉलेज, जांजगीर, शहीद नंद कुमार पटेल विश्वविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़ में कोड–28 साक्षात्कार चयन समिति में विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त।

शोधार्थियों की उपलब्धियां

- हरिपद कुमार महतो, सौरव चटर्जी , इप्सिता दास, मनोज कुमार गुप्ता, देबब्रत दास, श्रीमती कल्पना प्रिया सभी ने एक एक पेपर का प्रकाशन किया, व उषा कुमारी,नवीन चौबे ने दो दो पेपर प्रकाशित किये, प्रीती साहू ने तीन पेपर प्रकाशित किये।

- देबब्रत दास ने शिक्षा के विभिन्न स्तर पर समावेशन आई एस बी एन 978—93—5506—203—1 पेज संख्या 42—46 सड़क के बच्चों के लाइफ सेविंग टूल आई एस बी एन 970—93—5506—202—4 पेज संख्या 72—78 टीम टीचिंग द एमर्गिंज ट्रेंड्स आई एस बी एन 978—91—987662—4—0 पेज संख्या 191—198 में पेपर का प्रकशन किया।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला पेपर प्रस्तुति

- हरिपद कुमार महतो ने 13—14 सितम्बर 22 एवं 23 सितम्बर 22 एवं 22—23 फरबरी 2023 ने तीन पेपर प्रस्तुत किये,एवं सौरव चटर्जी ने 17 से 18 अगस्त 20 22 23 दिसम्बर और 24 दिसम्बर 20 22 को तीन पेपर प्रस्तुत किये।

- इप्सिता दास, सुचेन्द्र समन्ता ,हेमंत यादव ,ने एक पेपर प्रस्तुत किया ,अखिलेश कुमार गुप्ता, श्रीमती कल्पना प्रिय ऊषा कुमारी ने दो पेपर प्रस्तुत किय।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला में भागीदारी

- देवव्रत दास ने 20 दिसंबर 2022 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय वेबनर में भागीदारी की, बीरेंद्र कुमार सिंह ने 20 दिसंबर 2022, 10 से 19 जनवरी 2023 राकेश कुमार सिंह ने 20 दिसंबर 2022 मनीष मिश्रा ने 20 दिसंबर 2022 ,किरण पटले 20—24 मार्च, 2023, 27 नवम्बर से 11 दिसम्बर 2022 ,12 —19 दिसम्बर 22, 21—25 फरवरी, 2023 फेज —1 ,26 फरवरी से 4 मार्च 2023 फेज—2, 21 मार्च से 27 मार्च 2023, भरत यादव ने 20—24 मार्च, 2023, हेमंत यादव ने 10—19 जनवरी 20 23,21—25 फरवरी 2023, 20 फरवरी से 3 मार्च 2023 ऊषा कुमारी 21—25 फरवरी 2023, 28 अप्रैल, 2022, 7 अप्रैल, प्रदुम्न कुमार ने 13—14 सितंबर 2022 , फरवरी 2023 मनीष मिश्रा ने 20 दिसंबर 2022, श्रीमती कल्पना प्रिया ने 21 मई 2022, मई 2022 से 31 मई, 2022 ,21—25 फरवरी, 2023, 15 जुलाई 2022 को अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

- नवीन कुमार चौबे ने 7 अक्टुबर से 11 अक्टुबर 2022, 17 —21 अक्टूबर , 6, 7 और 8 जनवरी 2023 पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया, इप्सिता दास, मार्च 20—24 2023, सुचेन्द्र सामन्ता मार्च 20—24 2023, एवं प्रीती साहू ने 13—14 फरवरी 2023 को राश्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

शारीरिक शिक्षा विभाग

शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग की स्थापना वर्ष 1985 में की गई थी। विभाग में दो वर्षीय बी.पी.एड. (चार सेमेस्टर), दो वर्षीय एम.पी. एड. (चार सेमेस्टर) और पीएच.डी. विभाग में पाठ्यक्रमों की पेशकश की जा रही है। विभाग एड—ऑन कोर्स के रूप में योग में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाता है। विभाग के पास अच्छी तरह से रखे गए खेल के मैदान, फ्लडलाइट से सुसज्जित दो बास्केटबॉल कोर्ट, एक मल्टी—स्टेशन जिम्नेजियम, एक परिष्कृत खेल विज्ञान

प्रयोगशाला और एक अच्छी तरह से सुसज्जित विभागीय पुस्तकालय है। बुनियादी ढांचे का विकास राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के मानदंडों के अनुसार किया गया है। सक्षम शिक्षकों की एक टीम छात्रों को उनके शैक्षणिक और खेल विकास के लिए प्रशिक्षण प्रदान करती है। विभाग विभिन्न स्तरों पर वास्तविक प्रतियोगिताओं से पहले विभिन्न खेलों के लिए कोचिंग शिविर भी आयोजित करता है।

वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कुल 22 टीमों ने भाग लिया, जिनमें 146 छात्र और 31 छात्राएं शामिल थीं। दो छात्रों, एम. पी.एड प्रथम सेमेस्टर की स्नेहा बंजारे को ए.बी.वी. यूनिवर्सिटी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित ऑल इंडिया इंटर–यूनिवर्सिटी कराटे चौंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। और श्री कुणाल चौहान को एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, भोपाल (म.प्र.) में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोप स्किपिंग (एम/डब्ल्यू) में दूसरा स्थान हासिल हुआ।

विभाग की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के पुरुष और महिला छात्रों ने विभिन्न स्थानों पर विभिन्न अखिल भारतीय इंटरवार्सिटी व पूर्वी क्षेत्र इंटरवार्सिटी खेलों में भाग लिया, जो इस प्रकार हैं: –

- 27.12.2022 से 31.12.2022 तक ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग (महिला) चौम्पियनशिप का आयोजन एम.डी.यू. रोहतक, हरियाणा में किया गया था ।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कुश्ती (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र द्वारा 21.01.2023 से 25.01.2023 तक
- ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी फेंसिंग (पुरुष) चौंपियनशिप का आयोजन 20.12.2022 से 25.12.2022 तक जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू और कश्मीर द्वारा किया गया था।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय योग (महिला) चौम्पियनशिप का आयोजन KIIT भुवनेश्वर, ओडिसा द्वारा 26.12.2022 से 31.12.2022 तक।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय तीरंदाजी (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट का आयोजन जी.के.यू. भटिंडा, पंजाब द्वारा 22.12.2022 से 26.12.2022 तक ।
- ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोप स्किपिंग (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश द्वारा 21.01.2023 से 25.01.2023 तक आयोजित किया गया था।
- अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय कराटे (पुरुष एवं महिला) टूर्नामेंट का आयोजनए.बी.वी. विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 17.01.2023 से 22.01.2023 किया गया।
- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन KIIT भुवनेश्वर, ओडिसा द्वारा 28.02. 2023 से 10.03.2023।
- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी कबड्डी (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन एम.एस.सी. द्वारा किया गया था। भंजदेव विश्वविद्यालय, ओडेसा 26.11.2022 से 30.11.2022।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन KISS यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर, ओडेसा द्वारा 10.12.2022 से 14.12.2022 तक किया गया था जिसमें भाग लिया ।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हैंडबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन 04.02.2023 से 09.02.2023 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा किया गया था जिसमें भाग लिया ।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन 22.11.2022 से 27.11.2022 तक विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा किया गया था जिसमें भाग लिया ।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन (महिला) टूर्नामेंट का आयोजन ओ.पी. जिंदल यूनिवर्सिटी रायगढ़, छत्तीसगढ़ 27.12.2022 से 29.12.2022।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बैडमिंटन (महिला) टूर्नामेंट का आयोजन ए.पी.एस. रीवा, मध्य प्रदेश. 28.12.2022 से 30.12.2022।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन बी.एच.यू. वाराणसी, उत्तर प्रदेश 27.12.2022 से 31.12.2022।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन ए.पी.एस. द्वारा किया गया था। रीवा, मध्य प्रदेश 07.12.2022 से 10.12.2022।

- ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट का आयोजन बी.आई.टी. द्वारा किया गया था। रांची, झारखंड 12.11.2022 से 16.11.2022।

- उत्तर–पूर्व क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट का आयोजन KIIT भुवनेश्वर, ओडेसा द्वारा 21.12.2022 से 25.12.2022 तक किया गया था।

विभाग की उपलब्धियाँ

- विभाग ने 29.07.2022 से 11.08.2022 तक ''खेल विज्ञान में आधुनिक रुझान'' (एफडीपी) पर दो सप्ताह का एआईसीटीई प्रायोजित शिक्षक विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित किया था।

- एक सप्ताह के अल्पकालिक पाठ्यक्रम में दो शिक्षकों डॉ. भोज राम रावटे और डॉ. महेश सिंह धपोला ने भाग लिया।

- चार अध्यापक , डॉ. तिलक राज मीना, डॉ. कुँवर सिंह, डॉ. विजय चौरसिया और ओ.पी. गंगे ने दो–सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

- एक अध्यापक ने शिक्षक विकास कार्यक्रम (एनआईईपीए) में भाग लिया।

- डॉ. शालिनी मेनन द्वारा कौशल विकास सेल और स्कूल ऑफ एजुकेशन के तहत फिटनेस मंत्र पिनाकी के सहयोग से ''जुम्बा और एरोबिक्स पर पांच दिवसीय कार्यशालाएं'' आयोजित की गईं।

- सत्र 2022–23 के लिए एनईपी 2020 के अनुसार शारीरिक शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों को अनुभवात्मक

शिक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न परियोजनाओं के लिए विश्वविद्यालय के संसाधन आंतरिक अनुदान सहायता (सीड मनी) से वित्तीय सहायता प्रदान की गई है ।

छात्रों की उपलब्धियां

- एम.पी.एड की स्नेहा बंजारे प्रथम सेमेस्टर को ए.बी.वी. विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 17.01.2023 से 22.01.2023 तक में आयोजित ऑल इंडिया इंटर–यूनिवर्सिटी कराटे चौंपियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- एक छात्र श्री कुणाल चौहान बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर ने एल.एन.सी.टी. विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश 21.01.2023 से 25.01.2023 द्वारा आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी रोप स्किपिंग (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। ।

२.1.11 स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी, एजुकेशन एण्ड रिसर्च (अंतरविशयक शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यापीठ)

स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी , एजुकेशन एण्ड रिसर्च (अंतरविशयक शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यापीठ) को नये विद्यापीठ के रूप में स्थापित किया गया। इसके अंतर्गत तीन विभाग जैव प्रौद्योगिकी विभाग, न्यायालयिक विज्ञान विभाग व ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग को शामिल किया गया है।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1996 में जीव विज्ञान विद्यापीठ के तहत की गयी थी जिसे वर्ष 2020 में अंतर्विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान अध्ययन संकाय के अंतर्गत सम्मिलित कर लिया गया। जैव प्रौद्योगिकी विभाग गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करने वाला विभाग होने के साथ ही दो वर्षीय एम. एस. सी. (स्नातकोत्तर) एवं तीन वर्षीय बी. एस. सी. (स्नातक) पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। इसके अलावा पूर्व में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी विभाग द्वारा सफलतापूर्वक संचालित किया गया। विभाग, शैक्षणिक वर्ष 2020–21 से जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, द्वारा समर्थित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी संचालित कर रहा है। विभाग में शैक्षणिक वर्ष 2021–22 से स्नातक स्तर पर एल.ओ.सी.एफ. पाठ्यक्रम भी शुरू किया गया है।

विभाग में एक प्रेरक माहौल, नियमित सेमिनार, कार्यशालाएं, असाइनमेंट, शोध प्रबंध और अनुसंधान कार्य पर आमंत्रित व्याख्यान छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अनुसंधान वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य को बढ़ाते हैं। छात्र पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। शिक्षकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता निरंतर प्रकाशनों, भागीदारी और सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी व उनके आयोजन में परिलक्षित होती है। छात्रों को उनके शोध प्रबंध कार्य के परिणाम के आधार पर सेमिनारों और सम्मेलनों में पेपर प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

जीआरई, टॉफेल, गेट–बी, गेट, सीएसआईआर–यूजीसी नेट–जेआरएफ, आईसीएमआर, डीबीटी–बीईटी, छत्तीसगढ़ राज्य पात्रता परीक्षा और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने वाले हमारे छात्रों की संख्या हर साल बढ़ रही है। इस विभाग के पूर्व छात्र वर्तमान में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और दवा कंपनियों जैसे नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई), बेथेस्डा, मैरीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका, हीडलबर्ग विश्वविद्यालय जर्मनी, शिकागो राज्य विश्वविद्यालय, राष्ट्रिय प्रतिरक्षा

विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया लिमिटेड, एन्टेरोवायरस रिसर्च सेंटर, आईसीएमआर, रॉस डायग्नोस्टिक्स, एपेंडॉर्फ कंपनी, जीई हेल्थकेयर आदि में अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं ।

विभाग की गतिविधियाँ

- सीबीसीएस पाठ्यक्रमः वर्ष 2018 में अपनाया गया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का नया सीबीसीएस पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।
- जैव प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम : जैव प्रौद्योगिकी विभाग (भारत सरकार) द्वारा समर्थित जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम, वर्ष 2020–2021 से संचालित किया जा रहा है।
- सूक्ष्मजीव विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमः शैक्षणिक वर्ष , 2020–2021 से विभाग द्वारा सूक्ष्मजीव विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।
- एलओसीएफ पाठ्यक्रमः शैक्षणिक वर्ष , 2020–2021 से एलओसीएफ पाठ्यक्रम अपनाया गया था और सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है ।
- शोधर्थियों का शोध पूर्व पाठ्यक्रम पूर्ण करानाः सात नए शोधर्थियों को दिसंबर 2021 में प्रवेश दिया गया, जिन्होंने अपने शोध पूर्व पाठ्यक्रम को सफलता पूर्वक पूर्ण किया एवं वर्तमान में विभाग में शोध कार्य कर रहे हैं।
- आचार्यों की भर्ती (स्थायी आधार पर) विभाग में तीन नए सह आचार्य शामिल हुए।
- सहायक आचार्यों की भर्ती (विशुद्ध रूप से अस्थायी आधार पर) विषम और सम सेमेस्टर के लिए पांच सहायक आचार्यों (विशुद्ध रूप से अस्थायी आधार पर) की भर्ती की गई।
- नवप्रवेशित स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों का प्रवर्त्तन कार्यक्रमः विभाग द्वारा दिसंबर, 2022 में , जैव प्रौद्योगिकी में स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं सूक्ष्मजीव विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रवर्त्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- विभाग में आयोजित सांस्कृतिक और पाठ्येतर कार्यक्रमः महान राजनीतिज्ञ सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति में अक्टूबर, 2022 के अंतिम सप्ताह में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया।
- अक्टूबर, 2022 के अंतिम सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 21 मई 2022 को आतंकवाद विरोधी दिवस मनाया गया।
- 18 फरवरी, 2023 को ''भारतीय लोकतंत्र में मतदान अनिवार्य होना चाहिए'' विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता (वर्चुअल मोड के माध्यम से विभाग एवं विद्यालय स्तर पर) का आयोजन किया गया था। जैव प्रौद्योगिकी विभाग से निखिल कसेर, शिवानी सिंह, पूजा सोनी और सूर्य प्रकाश सिंह को विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुना गया।
- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 31 मई, 2022 को वर्चुअल मोड के

माध्यम से विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। विभाग के सभी संकाय सदस्यों, शोधार्थियों, स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों ने तंबाकू का सेवन न करने की शपथ लेकर इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा माह सितंबर, 2022 में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे स्वच्छता के लिए शपथ ली गयी एवं विभाग की सफाई के साथ–साथ भाषण, स्लोगन एवं पोस्टर निर्माण जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

- महान शिक्षाविद् एवं दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की स्मृति में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 5 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और उच्च शिक्षा प्रणाली" विषय पर चर्चा की गई।

- 11 नवंबर, 2022 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया।

- 26 नवंबर, 2022 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया।

- 18 दिसंबर 2022, को गुरु घासीदास जयंती मनाने के लिए, अंतरषियक शिक्षा और अनुसंधान अध्ययन शिक्षक ने विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

- स्वामी विवेकानंद की स्मृति में उनके जन्म दिवस 12 जनवरी 2023, को जैव प्रौद्योगिकी विभाग में युवा दिवस के तौर पर मनाया गया।

- गणतंत्र दिवस समारोह 2023 के लिए, 25 जनवरी, 2023 को अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान अध्ययन शिक्षक द्वारा ''भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे होने से पहले दुनिया का नेतृत्व करेगा'' विषय पर एक वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। निखिल कसेर (स्नातक, जैवप्रौद्योगिकी विभाग) को प्रस्ताव के पक्ष में पहली रैंक मिली, जबकि पल्लवी ठाकुर (स्नातक न्यायालयिक विज्ञान विभाग) को प्रस्ताव के खिलाफ पहली रैंक मिली। प्रस्ताव के पक्ष में हिमांशु शेखर प्रधान (स्नातक न्यायालयिक विज्ञान विभाग) को दूसरी रैंक मिली, जबकि प्रस्ताव के विरोध में सूर्य प्रकाश सिंह (स्नातक, जैवप्रौद्योगिकी विभाग) को दूसरी रैंक मिली। प्रतियोगिता का आयोजन और निर्णायक डॉ. भास्कर चौरसिया (सांस्कृतिक समन्वयक, अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान अध्ययन शिक्षक) और डॉ. विकास चंद्रा (सांस्कृतिक समन्वयक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा किया गया था।

- जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा 26 जनवरी 2023 को सरस्वती पूजा और गणतंत्र दिवस मनाया गया।

- प्रो. बीएन तिवारी का सेवानिवृत्ति समारोह 28 फरवरी, 2023 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित किया गया था।

- महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन की स्मृति में, 28 फरवरी, 2023 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया।

- एक दिवसीय औद्योगिक दौराः 25 स्नातकोत्तर जैव प्रौद्योगिकी चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र और 7 स्नातकोत्तर सूक्ष्म जीव विज्ञान प्रथम सेमेस्टर के कुल 32 छात्रों को भोरमदेव सहकारी चीनी फैक्ट्री, राम्हेपुर, जिला कबीरधाम, छत्तीसगढ़ का एक दिवसीय औद्योगिक भ्रमण कराया गया। डॉ. आशीष कुमार (सह आचार्य),

डॉ. अमर अभिषेक और सुश्री लक्ष्मणी वर्मा (सहायक आचार्य, तदर्थ) छात्रों के साथ थे। यह भ्रमण मुख्य रूप से चीनी बनाने और गन्ने के शीरे से इथेनॉल उत्पादन की प्रक्रियाओं को समझने पर केंद्रित था। चीनी कारखाने के इंजीनियर ने चीनी कारखाने के अंदर गन्ने को काटने, रस बनाने, छानने, उबालने और क्रिस्टलीकरण में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में छात्रों को बताया। छात्रों को गन्ने के गुड़ से किण्वन, निस्पंदन और आसवन, उनके भंडारण और इथेनॉल संयंत्र से निकलने वाले अपशिष्ट जल के उपचार सहित इथेनॉल बनाने की चरणबद्ध प्रक्रिया भी समझायी गई।

विभाग की अधोसंरचना / प्रयोगशाला सुविधाएं

- कमरा नंबर जी–5 को नवीनीकृत कर स्मार्ट क्लास बनाने का कार्य पूरा हो चुका है और इसका उपयोग व्याख्यान के लिए किया जा रहा है।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- डॉ. रजत प्रताप सिंह और डॉ. विकास चंद्रा को राष्ट्रीय सेवा योजना, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर की जैव प्रौद्योगिकी इकाई के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी (29 अगस्त, 2022 से) के रूप में नियुक्त किया गया है।

- डॉ. विकास चंद्रा ने 12 से 21 नवंबर, 2022 तक गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना गणतंत्र दिवस पूर्व परेड में छत्तीसगढ़ दल के दल नायक के रूप में भाग लिया।

- डॉ. विकास चंद्रा ने 7 से 13 दिसंबर, 2022 तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय एकता शिविर में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दल के दल नायक के रूप में भाग लिया था।

- डॉ. विकास चंद्रा ने 28 जनवरी से 3 दिसंबर, 2023 तक कृष्णा कॉलेज, खमरिया, जिला–दुर्ग, छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय सात दिवसीय विशेष राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दल नायक के रूप में भाग लिया था।

- डॉ. रजत प्रताप सिंह और डॉ. विकास चंद्रा ने 26 मार्च से 1 अप्रैल, 2023 तक राष्ट्रीय सेवा योजना, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा पुडु गांव में आयोजित सात दिवसीय विशेष राष्ट्रीय सेवा योजना, इकाई शिविर में जैव प्रौद्योगिकी इकाई के दल नायकों के रूप में भाग लिया।

- डॉ. रजत प्रताप सिंह और डॉ. विकास चंद्रा ने डॉ. दीपांकर यादव और डॉ. एस श्वेता के साथ मिलकर 13 जनवरी, 2023 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर में निःशुल्क एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

छात्रों की उपलब्धियां

- सुश्री नेहा नामदेव (शोधार्थी) को सावित्रीबाई फुले सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप प्राप्त हुआ।

- श्रीमती दिव्यांशु (शोधार्थी) को सावित्रीबाई फुले सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप प्राप्त हुआ।

- श्री राकेश कुमार धृतलहरे (स्नात्कोत्तर, 2019 बैच) को प्रतिष्ठित फेलोशिप योजना–आईजीएसटीसी–पीएचडी के लिए चयनित किया गया। जो इंडस्ट्रियल एक्सपोजर फेलो 2022 के तहत अतिथि वैज्ञानिक के पद पर 1 सितंबर, 2022 से 28 फरवरी, 2023 तक (6 महीने) के लिए, डेंड्रोफार्म जीएमबीएच, कंपनी लैंकविट्जरस्ट्र, बर्लिन जर्मनी में रहे।

- निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने मई, 2022 में पुणे, महाराष्ट्र में राष्ट्रीय कला मंच द्वारा आयोजित ''प्रतिभा संगम – अखिल भारतीय लेखन कार्यशाला'' में छत्तीसगढ़ राज्य से भाग लिया था।

- निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने विश्वविद्यालय युवा संसद प्रतियोगिता 2022 में भाग लिया था।

- सीबीसी रायपुर द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) में 16 से 18 नवंबर, 2022 तक आयोजित ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम में निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) को गुजराती खाद्य प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। .

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सीजी) में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 25 नवंबर, 2022 को संविधान दिवस समारोह 2022 के अवसर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

- निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने 28–30 नवंबर, 2022 तक माइकोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया की 49 वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया, जिसका आयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) द्वारा किया गया था।

- गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) द्वारा 15 दिसंबर, 2022 को आयोजित कुल उत्सव 2022 के अवसर पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने तीसरा स्थान हासिल किया।

- निखिल कसेर (बीएससी 2023 बैच) ने 12 जनवरी, 2023 को आधारशिला विद्या मंदिर, कोनी, बिलासपुर (सी.जी.) में आयोजित युवा दिवस 2023 पर बाहरी छात्र के रूप में भाषण में प्रथम स्थान हासिल किया।

- 25 जनवरी, 2023 को गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान अध्ययन शिक्षक, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ. ग.) में आयोजित वाद–विवाद प्रतियोगिता में निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने प्रथम स्थान हासिल किया।

- निखिल कसेर (स्नातक, 2023 बैच) ने एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के सहयोग से मेवाड़ यूनिवर्सिटी चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) द्वारा 1 से 2 मार्च, 2023 तक श्री नंदलाल गाड़िया की स्मृति में आयोजित अखिल भारतीय वाद–विवाद प्रतियोगिता 2023 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया था।

न्यायालयिक विज्ञान विभाग

वर्तमान अपराध की आकस्मिक और अकथनीय प्रकृति के कारण इसकी जांच के लिए नये दृष्टिकोण की जरूरत है,

जो अपराधिक न्याय प्रणाली की तथ्यात्मक मदद कर सके। न्यायालयिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओ के अध्ययन से अपराध की जांच एंव अपराध को रोकने के लिए उचित दृष्टिकोण विकसित होता है। यह एक बहुविषयक क्षेत्र है, जो न केवल वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग करता है, बल्कि वर्तमान अपराध प्रवृत्ति, तकनीकी आधारित अपराध, मानव मनोविज्ञान और कानून के सम्पूर्ण अध्ययन को समावेशित करता है। अतः इस विषय के महत्व को देखते हुए, अक्टूबर 2012 में न्यायालयिक विज्ञान की स्थापना एक स्वतंत्र विभाग के रूप में जीव विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत हुई। वर्तमान मे यह विभाग अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित है। यह छत्तीसगढ़ का पहला और एक मात्र शासन वित्त पोषित स्वत्रंत न्यायालयिक विज्ञान विभाग है। इस विभाग का मुख्य उद्देश्य सुप्रशिक्षित और दक्ष न्यायालयिक वैज्ञानिक/विशेषज्ञ तैयार करना है, जिनके पास नैतिक रूप से एक समूह में काम करने के जज्बे के साथ उत्कृष्ट विशलेषण क्षमता व गंभीर सोच हो, जिससे राष्ट्र के अपराधिक न्याय प्रणाली में मदद मिलेगी। वर्तमान अपराध की अव्यवस्थित और गूढ़ प्रकृति के कारण इसकी जांच के लिए नये दृष्टिकोण की जरूरत है, जो अपराधिक न्याय प्रणाली की तथ्यात्मक मदद कर सके।

विभाग का मुख्य उद्देश्य वास्तविक अपराध परिदृश्य से निपटने के लिए छात्रों को अधिक दक्ष एवं सक्षम बनाना, आपराधिक न्याय प्रणाली की सहायता के लिए उच्च स्तरीय तार्किक दक्षता विकसित करना है। न्यायालयिक विज्ञान विभाग में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम, पुलिस, राज्य एवं केन्द्रीय न्यायालयिक प्रयोगशाला, जनसंचार एवं पत्रकारिता, विभिन्न निजी प्रयोगशालाएं, खोजी संस्थाओं जैसी आपराधिक न्याय प्रणाली से संबंधित विभिन्न संस्थाओं के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञ उपलब्ध कराना है। किसी भी शैक्षणिक संस्था की प्रतिष्ठा वहां के शिक्षकों की गुणवत्ता तक सीमित है। इस विभाग में उच्च योग्यता प्राप्त एवं सम्मानित शिक्षक है। वर्तमान में इस विभाग में 04 नियमित शिक्षक एवं 04 अस्थायी शिक्षक सेवाए दे रहे हैं। ये शिक्षक बायॉलाजी–सेरोलॉजी, डी.एन.ए. फोरेन्सिक, फोरेन्सिक मेडिसिन, फोरेन्सिक कैमिस्ट्री और टॉक्सीकोलॉजी, प्रश्नाधीन दस्तावेज, फिंगरप्रिंट परीक्षण और साइबर फोरेन्सिक जैसे न्यायालयिक विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त हैं।

स्थापना के बाद कुछ वर्षो में ही न्यायालयिक विज्ञान विभाग ने अनेक सम्मेलन, संगोष्ठी, कार्यशाला और व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया, जो भारत और विदेशों में स्थित शासकीय एवं निजी क्षेत्रों के छात्रों के कैरियर के विकास के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। न्यायालयिक विज्ञान विभाग के छात्रों के लिए शासकीय क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने वाली संस्थाओं में कानून प्रवर्तन संस्थॉए जैसे एन.आई.ए.(राष्ट्रीय अनुसंधान अभिकरण), सी.बी.आई. (केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो), आई.बी. (खूफिया ब्यूरो), केन्द्रीय/राज्य पुलिस विभाग, सी.एफ.एस.एल (केन्द्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला), एफ.एस.एल. (राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला) चिकित्सालय, बैंक, विश्वविद्यालय, रक्षा/सैन्य, गुणवत्ता नियंत्रण, मादक पदार्थ नियंत्रण विभाग, न्यायालयिक सेवा, वन और वन्य जीव विभाग इत्यादि और निजी क्षेत्रों में सुरक्षा एजेंसी, बैंक अंतरराष्ट्रीय खुफिया संस्था, पत्रकारिता, बीमा कंपनी, परामर्श प्रदान करने वाली संस्थाए, स्वतंत्र परामर्श/खुफिया व्यवसाय, कानून आदि हैं।

विभाग में अब एक सेमी स्मार्ट क्लास रूम है, जिसमें आई.सी.टी. की सभी सुविधाएं उपलब्ध है। विभाग में अति विशिष्ट उपकरण जैसे पी.सी.आर. एलाइजा रीडर के साथ–साथ छोटे उपकरण जैसे तौल मशीन, डिजिटल पी.एच. मीटर सेन्ट्रीफ्यूज, प्रशीतक, और मानव विज्ञान मॉप यंत्र मौजूद है। ये उपकरण छात्र/छात्राओं के दैनिक प्रायोगिक परीक्षण में प्रयोग में लाये जाते हैं। इनमे से अधिकांश उपकरण विभाग में पहले ही स्थापित किये जा चुके है एवं कुछ उपकरणों की स्थापना प्रक्रियाधीन है।

उद्देश्य

आपराधिक न्याय प्रणाली में सहायता के लिए न्यायालिक ज्ञान में विशेषज्ञतायुक्त प्रशिक्षित एवं दक्ष जनशक्ति उपलब्ध कराना।

मिशन

▪न्यायालयिक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना।

- प्रशिक्षण एंव अनुसंधान और परियोजना कार्यो के माध्यम से शिक्षा और व्यावाहारिक अनुभव प्रदान करना।
- न्यायालयिक विज्ञान समुदाय में छात्रो के बीच नैतिक व्यवहार और व्यावसायिकता के महत्व को विकसित करना।
- साक्ष्यों की जॉच और विश्लेषण के संबंध में न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला मे व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना।
- कानून परिवर्तन विज्ञान और कानूनी व्यवसायों के बीच पारस्परिक विचार, विमर्श के महत्व की समझ विकसित करना।
- न्यायालयिक विज्ञान, अपराध की जांच एवं डिजिटल व साइबर फोरेन्सिक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास करना।

दृष्टि

- देश और दुनिया भर में न्यायालयिक विशेषज्ञ प्रदान करना।
- न्यायालयिक विज्ञान के क्षेत्र प्रशिक्षित जनशक्ति एवं विशेषज्ञ तैयार करके राष्ट्र के विकास में योगदान करना।
- विश्व स्तर पर सक्षम छात्रो को विकसित करने की दृष्टि से उत्कृष्ट ज्ञान और सीखने की तकनीक प्रदान करना।
- समाज में अपराध को रोकने के लिए विभिन्न तरीके और दृष्टिकोण प्रदान करना।

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र

प्रमुख वित्त पोषित एजेन्सियों द्वारा मान्यता प्राप्त अनुसंधान क्षेत्र हैं :

- डीएनए फोरेन्सिक सहित फोरेन्सिक जीव विज्ञान और सीरम विज्ञान।
- फोरेन्सिक मेडिसिन एण्ड टाक्सीकोलॉजी।
- प्रश्नावली दस्तावेज और फिंगरप्रिंट परीक्षण।
- साइबर फोरेन्सिक

छात्रों की उपलब्धियॉ

- छात्र भीवल निषाद ने एम.एससी. फोरेन्सिक साईंस में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय परीक्षा सीयूईटी में देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विभाग की छात्रा भूमिका चंद्राकर ने एम.एससी. फोरेन्सिक साईंस में प्रवेश के लिए एन.एफ.एस.यू. प्रवेश परीक्षा 2022 में देश में पांचवां स्थान प्राप्त किया।

- एमएससी (अंतिम वर्ष) फोरेन्सिक विज्ञान की छात्रा पहेली शर्मा ने गुरू घासीदास विश्वविद्यालय का जैण्डर चैम्पियन अवार्ड एवं छात्र कल्याण योजना के तहत प्राविण्यता पुरस्कार प्राप्त किया। उसे छत्तीसगढ़ शासन यूनिसेफ द्वारा कोरोना योद्धा के रूप में भी सम्मानित किया गया। वह ''अभिव्यक्ति नारी के सम्मान की'' वाद विवाद प्रतियोगिता एवं रासेयो राष्ट्रीय रंगोली प्रतियोगिता में भी विजेता रही।

विभागीय शिक्षकः नौ स्थायी और दो तदर्थ शिक्षक सदस्य जिनके पास विविध शैक्षणिक योग्यताएं और विदेशी अनुसंधान और शैक्षणिक संस्थानों में काम करने का अनुसंधान अनुभव है साथ ही ये शिक्षक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक रुझानों से अच्छी तरह परिचित हैं।

बुनियादी ढाँचाः विभाग अपने मौजूदा भवन में लगभग 1412 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र में अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं, कक्षाओं, शिक्षक कक्ष, सम्मेलन कक्ष सह पुस्तकालय, शोधार्थी कक्ष, लड़कियों का कॉमन रूम, विभिन्न सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के लिए प्रांगण के साथ संचालित है। शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया के दौरान कई उन्नत संचार माध्यमों का उपयोग किया जाता है।

प्रदर्शन सह उत्पादन इकाइयाँः वर्मी–कम्पोस्टिंग, वर्मीवॉश, नाडेप कम्पोस्टिंग, बायो–कम्पोस्टिंग, अजोला उत्पादन, मधुमक्खी पालन, लाख उत्पादन फार्म, मछली उत्पादन, रेशम उत्पादन, मशरूम उत्पादन, हस्तनिर्मित साबुन इकाई, जल संचयन संरचना, औषधीय पौधों की नर्सरी जहां 55 से ज्यादा प्रजातियों को संरक्षित किया गया है। और प्रायोगिक कार्य के लिए खुला मैदान उपलब्ध हैं।

अनुसंधान गतिविधियाँः चौसठ लाख रुपये से अधिक की अनुसंधान परियोजनाएँ और रू.255000/– की कंसल्टेंसी परियोजना केडब्ल्यूपीसीएल से अब तक पूरी हो चुकी है।

प्रयोगशाला सुविधाएंः यूजी/पीजी/पीएच.डी. के छात्रों के लिए अनुसंधान और परियोजना कार्य के लिए कई उन्नत वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं। औषधीय पौधों के निष्कर्षण के लिए त्वरित सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर (एएसई 150) इलेक्ट्रोलाइट विश्लेषक, जैव रसायन विश्लेषक, सेंट्रीफ्यूज, दूरबीन और स्टीरियो जूम माइक्रोस्कोप दवा मूल्यांकन और हर्बल दवा फॉर्मूलेशन के लिए एमआईपीएस से सुसज्जित हैं। तीस कंप्यूटरों के साथ अच्छी तरह से स्थापित रिमोट सेंसिंग और जीआईएस लैब में अनुसंधान के लिए ईआरडीएएस 2011, आर्क पैड और 21वीं सदी के जीआईएस जैसे उन्नत सॉफ्टवेयर स्थापित किए गए हैं।

पुस्तकालय सुविधाएँः सभी सुविधाओं के साथ अच्छे पुस्तकालय कक्ष के साथ शिक्षण–अध्ययन और अनुसंधान की सुविधा के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेखकों की 2550 से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

छात्रों की गतिविधियाँः पाठ्यक्रम गतिविधियों के अतिरिक्त विभाग बेल मेटल कला, लकड़ी कला, रजवार भित्ति कला, बांस कला, अपशिष्ट कागज कला, राखी बनाना, पैरा कला, अजोला उत्पादन, जैविक से संबंधित विभिन्न कौशल विकास प्रमाणपत्र–आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है जैसे कि खाद उत्पादन, हस्तनिर्मित साबुन तैयार करना, मशरूम उत्पादन आदि।

अर्न व्हाईल लर्न योजना : ''ग्रामीण विकास'' शब्द का तात्पर्य ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में सुधार

लाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास की प्रकिया है जो ग्रामीण लोगों विशेषकर ग्रामीण किसानों के जीवन में स्थायी सुधार लाने का कार्य करती है। इस दृष्टि से ग्रामीण प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास विभाग ने ''अर्न व्लाईल लर्न योजना'' को सफलतापूर्वक विनियमित किया है, जो विभाग के भीतर सीखी जा रही सभी ग्रामीण प्रौद्योगिकियों द्वारा छात्रों के समग्र विकास की सुविधा प्रदान करती है और आय सृजन और नेतृत्व के लिए उनके कौशल को बढ़ावा देती है। यहां छात्र अलग–अलग उत्पादन इकाइयों को संचालित करने के लिए एक टीम के रूप में काम करते हैं, सभी उत्पादन तकनीकों को सीख रहे हैं और अपनी पढ़ाई की फीस भी अपनी कमाई से भर रहे हैं। विभाग हमेशा छात्रों के लिए विभिन्न नौकरी के अवसर प्रदान करने की सुविधा प्रदान करता है और ग्रामीण समाज के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उद्यम कौशल को बढ़ावा देता है।

शैक्षिक क्षेत्र का दौराः विभागीय छात्र पोल्ट्री, मछली पालन , डेयरी उत्पादन इकाइयों, कृषि–इंजीनियरिंग उपकरण और तकनीकों, जैव ऊर्जा बिजली संयंत्रों, जल विद्युत उत्पादन बांधों, पौधों की नर्सरी, जल ग्रहण क्षेत्रों, टसर जैसी विभिन्न उत्पादन और प्रदर्शन इकाइयों में अक्सर दौरा करते हैं। शहतूत उत्पादन केंद्र, केंद्रीय, राज्य सरकार और अच्छी तरह से स्थापित निजी कंपनियों में विभिन्न उत्पादन तकनीकों की सभी प्रक्रियाओं के बारे में प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करते हैं।

विभागीय गतिविधियाँ

विभागीय दौरा

- श्री सतेंद्र जो कि 'बस्तर से बाजार' संगठन के संस्थापक सदस्य हैं, के द्वारा 22 अगस्त, 2022 को ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यम विकास पर एक आमंत्रित व्याख्यान विभाग में दिया गया।

- प्रो. लखन पाल, मशरूम अनुसंधान केंद्र, शिमला के प्रसिद्ध वैज्ञानिक और प्रो. अनुपम दीक्षित, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने 28 नवंबर 2022 को विभाग का दौरा किया और छात्रों द्वारा तैयार की गई सुंदर कला और शिल्प से अभिभूत हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को विभाग में चल रहे कौशल आधारित प्रशिक्षणों के माध्यम से स्वरोजगार सृजन के बारे में प्रोत्साहित किया।

- श्रीमती वर्षा वासुदेव, डेयरी और पोल्ट्री व्यवसाय, मुंगेली ने विभाग का दौरा किया और 05 दिसंबर, 2022 को आमंत्रित व्याख्यान दिया, जो कि डेयरी उत्पादों और इसकी विपणन रणनीतियों के विषय पर आयोजित था, जिसमें 70 छात्रों ने भाग लिया।

- 24 जनवरी, 2023 को तुर्की के साथ–साथ उत्तर पूर्व के दस आगंतुकों ने विभाग का दौरा किया और अर्न व्हाइल लर्न योजना के माध्यम से चल रही सभी गतिविधियों का अवलोकन किया। वे छात्रों द्वारा प्रदर्शित नारियल शिल्प और अन्य कलाओं से प्रभावित हुए।

शैक्षणिक भ्रमण

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते, सहायक प्राध्यापक सहित बी.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर के 31 विद्यार्थी ने पोल्ट्री उत्पादन और प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए 20 मार्च, 2023 को शासकीय पोल्ट्री फार्म, कोनी, बिलासपुर (सी.जी.) का दौरा किया।

ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम

- रेशम उत्पादन पर एक ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यालय संयुक्त निदेशक रेशम उत्पादन अनुसंधान विकास एवं प्रशिक्षण, बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित किया गया, जिसमें बी.एससी. के 86 छात्र शामिल हुए। जिसमे बी.एस.सी. तृतीय और बी.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र–छात्रों ने 24–26 नवंबर, 2022 के दौरान भाग लिया।

किसानों का दौरा

- डॉ. दिलीप कुमार ने 24 फरवरी, 2023 को महाराष्ट्र के 25 किसानों की एक किसान यात्रा का आयोजन किया था।

विभाग द्वारा कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

- पैरा (धान का बाली) कला पर प्रशिक्षणः प्रो. पुष्पराज सिंह द्वारा 10 जनवरी से 13 जनवरी, 2023 तक "पैरा आर्ट" पर चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 30 छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित किया गया था।

- खाद्य प्रसंस्करण और प्रिजर्वेशन पर प्रशिक्षणः प्रोफेसर पुष्पराज सिंह द्वारा 21 जनवरी, 2023 से ''खाद्य प्रसंस्करण और प्रिजर्वेशन'' पर चार दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 30 छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी सामाजिक विकास विभाग तथा कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित किया गया था।

- राखी डिजाइनिंग पर प्रशिक्षणः डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा 22 से 31 जुलाई, 2022 तक ''राखी डिजाइनिंग'' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 30 छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित किया गया था।

- सौंदर्य प्रसाधन एवं मशरूम उत्पादन पर प्रशिक्षणः डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा 15 दिसंबर 2022 से "सौंदर्य प्रसाधन एवं मशरूम उत्पादन" विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग और सामाजिक विकास एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित किया गया था।

- कला एवं शिल्प पर प्रशिक्षणः डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा 10 से 13 जनवरी, 2023 तक ''कला एवं शिल्प'' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 30 छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग तथा कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित किया गया था।

- लैंडस्केपिंग और बागवानी का प्रशिक्षण : डॉ. दिलीप कुमार, सहायक प्राध्यापक द्वारा 10 से 12 फरवरी, 2023 तक ''लैंडस्केपिंग और बागवानी का प्रशिक्षण'' पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें कुल 72 छात्रों ने भाग लिया। प्रशिक्षण को ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग और सामाजिक विकास एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से सम्पादित

किया गया था।

शिक्षकों की उपलब्धियाँ

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह ने 14 सितंबर 2022 को स्वावलंबी छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 'भारत का भविष्यः युवा स्वावलंबन और स्वरोजगार' नामक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह ने 08–09 नवंबर 2022 को आयोजित 'ग्रामीण विकास, शहरीकरण और 'गुरु दक्ष कार्यक्रम' पर इसके प्रभाव' शीर्षक से तीन आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह को 25 नवंबर, 2022 को भूगोल विभाग, शासकीय बिलासा गर्ल्स पीजी कॉलेज, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के द्वारा आयोजित 'रिमोट सेंसिंग के बुनियादी सिद्धांत और इसके अनुप्रयोग' विषय पर रिसोर्स पर्सन रूप में आमंत्रित किया गया।

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह ने 14–25 फरवरी, 2023 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) के साथ संयुक्त रूप से 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन' नामक 15 दिवसीय रिफ्रेशर पाठ्यक्रम/फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम, का आयोजन किया था।

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह और डॉ. दिलीप कुमार ने 21 फरवरी, 2023 को जिंदल मुनगा और लाख खेती फार्म का दौरा किया।

- प्रोफेसर पुष्पराज सिंह और डॉ. दिलीप कुमार ने नव्या ग्रुप ऑफ प्रोडक्ट एवं शक्ती टसर सिल्क उत्पादन केंद्रो का दौरा किया।

- प्रोफेसर राजेंद्र मेहता ने मुख्य वक्ता के रूप में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई–सम्मेलन (सीवीआरयू–कॉन 2022) में शीर्षक ''समग्र विकास के लिए प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली'' पर व्याख्यान दिया जो की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, ग्रामीण प्रौद्योगिकी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय, कारगी रोड कोटा विभाग द्वारा आईएफईआरपी, एनआईएफ, डीएसटी और उन्नत भारत अभियान शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से दिनांक 28–29 जनवरी, 2022 को आयोजित हुआ था।

- प्रोफेसर राजेंद्र मेहता के द्वारा एक व्याख्यान ''पारंपरिक हर्बल औषधीय प्रणाली'' विशय पर रिसोर्स पर्सन के रूप में दिया जो कि गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ के यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) द्वारा 29 नवंबर, 2022 को 7वां गुरुदक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) के द्वारा आयोजित किया गया था।

- डॉ. अल्का मिश्रा 14 मार्च, 2022 को आयोजित एक भारत, श्रेष्ठ भारत विषय पर छत्तीसगढ़ के हस्तशिल्प पर आमंत्रित वक्ता थीं।

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने पर्यावरण दिवस–2022 की पूर्व संध्या पर ''ओनली वन अर्थ'' शीर्षक से 04 जून, 2022 को विज्ञान क्लब द्वारा आयोजित शासकीय पं. श्यामाचरण शुक्ल महाविद्यालय, धरसीवा, रायपुर, छत्तीसगढ़ में वेबिनार और जागरूकता अभियान में आमंत्रित भाषण दिया।.

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने आईक्यूएसी द्वारा आयोजित एरुडाइट व्याख्यान श्रृंखला में 06 फरवरी 2023 को

भानुप्रताप देव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय उत्तर बस्तर, कांकेर, छत्तीसगढ़ में ''पक्षियों के व्यवहार पैटर्न में सर्केडियन क्लॉक की भूमिका'' शीर्षक पर आमंत्रित वक्ता के रूप में भाषण दिया।

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने तारीख 18 फरवरी 2023 को आईआईटी, दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षा मंत्रालय के एक प्रमुख कार्यक्रम 'आदिवासी विकास के विभिन्न तरीकों को समझना, उनकी स्वदेशी संस्कृति को बाहरी प्रभाव से बचाना' नामक उन्नत भारत अभियान में वक्ता के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने अंग्रेजी विभाग एवं अनुसंधान केन्द्र, शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव छत्तीसगढ़ द्वारा इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ छत्तीसगढ़ के सहयोग से 07 जून से 11 जून, 2022 तक ''अनुसंधान पद्धति की मूल बातें'' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय वर्चुअल कार्यशाला में भाग लिया और इसे सफलतापूर्वक पूरा किया।

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने दो सप्ताह के इंटर डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम /फैकल्टी डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम वानिकी और पर्यावरण अध्ययन 21वीं सदी के मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान (इंटर डिसिप्लिनरी) में ग्रेड ए प्राप्त किया, जो वानिकी विभाग और यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से 12–25 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया था।

- डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते ने 27 मार्च, 2023 को आयोजित यूनिवर्सिटी साइंस फेस्ट फन जोन में भाग लेने वाले छात्रों का समन्वय किया।

- डॉ. लोकेश कुमार टिंडे ने दो सप्ताह के इंटर डिसिप्लिनरी रिफ्रेशर पाठ्यक्रम /फैकल्टी डेवलोपमेन्ट प्रोग्राम वानिकी और पर्यावरण अध्ययन 21वीं सदी के मुद्दे, चुनौतियाँ और समाधान (इंटर डिसिप्लिनरी) में ग्रेड ए प्राप्त किया। जो वानिकी विभाग और यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से 12–25 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया था।

- डॉ. लोकेश कुमार टिंडे ने ''वर्मी बेड तैयारी'' पर एक व्याख्यान दिनांक 05 और 07 से 08 मार्च, 2022 तक ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग और सामाजिक विकास और कौशल विकास सेल, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

- डॉ. लोकेश कुमार टिंडे, जो कि एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी हैं के द्वारा 26 मार्च, 2023 से 01 अप्रैल, 2023 तक एनएसएस शिविर आयोजित किया गया, जिसमें विभाग के 34 छात्रों ने भाग लिया।

- डॉ. लोकेश कुमार टिंडे, जो कि बायोगैस मॉडल निर्माण के सह–समन्वयक हैं, ने शहीद वीर नारायण बालक छात्रावास, राजमोहिनी गर्ल्स छात्रावास और न्यू कैफेटेरिया के पास 03एम3 आकार के तीन दीनबंधु प्रकार के बायोगैस मॉडल का निर्माण कराया।

छात्रों की उपलब्धियां

- डॉ. पियूष शुक्ला को पीएचडी डिग्री से सम्मानित किया गया, उन्होंने अपना शोध डॉ. एस.निराला के निर्देशन में 15 मार्च 2022 पूर्ण किया।

- जनवरी 2023 माह में बी.एससी. और एम.एससी. के 34 छात्रों ने 07 दिवसीय एनएसएस शिविर में भाग लिया।

- मार्च 18–24, 2023 में, बीएससी छात्र राहुल जांगड़े ने 7 दिवसीय एनएसएस राष्ट्रीय शिविर में भाग लिया।
- 12–21 नवंबर 2022 माह में बीएससी छात्र राहुल जांगड़े ने एनएसएस प्री रिपब्लिक डे परेड कैंप (सेंट्रल जोन) में भाग लिया था।
- 26 मार्च से 01 अप्रैल 2023 में, बीएससी छात्र राहुल जांगड़े ने ''ग्रामीण विकास के लिए युवा'' के विषय पर एनएसएस शिविर में भाग लिया।
- मार्च 23–29, 2023 में, बीएससी छात्र राहुल जांगड़े ने ''ग्रामीण विकास के लिए युवा'' के विषय पर एनएसएस शिविर में भाग लिया।
- 22 अगस्त, 2022 में, बीएससी छात्र तुषार जायसवाल ने एनआईआरडी द्वारा आयोजित पीपीपी के माध्यम से ग्रामीण कनेक्टिविटी में सुधार के विषय पर पीएमजीएसवाई सड़क योजना में भाग लिया।
- 22 जुलाई 2022 माह में बीएससी छात्र तुषार जायसवाल ने रामकृष्ण मिशन, बिलासपुर एवं गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन में भाग लिया। 25–27 मई, 2022 में, बीएससी के छात्र तुषार जायसवाल ने एनआईआरडी द्वारा आयोजित ''मनरेगा के तहत श्रेणी बी संपत्ति निर्माणः प्रत्यक्ष आजीविका में सुधार के लिए चुनौतियां और चुनौतियां'' विषय पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- 13 अप्रैल, 2022 में, बीएससी छात्र तुषार जयसवाल ने एसबीआई द्वारा आयोजित फिट बिलासपुर रन में भाग लिया।

2.2 सूचना संचार प्रौद्योगिकी और संगणकीय सुविधाएं (संगणक केन्द्र)/आई.यू.एम.एस.

समर्थ सेल

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के समर्थ सेल की स्थापना विभिन्न मॉड्यूल के सुचारू संचालन और निगरानी के लिए 07/10/2022 को की गई थी। समर्थ सेल का गठन निम्नलिखित सदस्यों के साथ किया गया हैः

1. डॉ. अमित कुमार सक्सेना, प्रध्यापक, सीएसआईटी विभाग – नोडल अधिकारी
2. डॉ. कपिल नागवंशी, सह प्राध्यापक, सीएसई – सदस्य
3. डॉ. उपासना सिन्हा, सह प्राध्यापक, सीएसई – सदस्य
4. डॉ. अमित खासकलम. सहायक प्राध्यापक, आईटी – सदस्य
5. डॉ. विनय कुमार सिंह, वरिश्ठ सहा. कम्प्यूटर प्रोग्रामर, आईटी विभाग – सदस्य

समर्थ सेल के सदस्य गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर परिसर में समर्थ के विभिन्न मॉड्यूल लागू करेंगे, समय–समय पर मॉड्यूल समन्वयकों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण, बैठक और प्रदर्शन की व्यवस्था करेंगे।

ईआरपीः समर्थ

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, शिक्षा मंत्रालय, दिल्ली का एंटरप्राईजेज रिसोर्स

प्लानिंग (ईआरपी), समर्थ लागू करता है

समर्थ एक ई–गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय की नेशनल मिशन ऑफ एजुकेशन इन इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी योजना (एनएमईआईसीटी) में राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के तहत विकसित किया गया है। समर्थ संस्थान में सूचना तक निर्बाध पहुंच द्वारा बेहतर सूचना प्रबंधन के माध्यम से उत्पादकता को बढ़ाएगा।

शिक्षा मंत्रालय (एमओई) (पहले मानव संसाधन और विकास मंत्रालय) ने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी योजना (एनएमईआईसीटी) में राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के तहत एक ई–गवर्नेंस मंच, समर्थ (एंटरप्राईजेज रिसोर्स प्लानिंग) ईआरपी प्रदान किया है। ईआरपी, समर्थ, विश्वविद्यालयों और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक ओपन स्टैंडर्ड ओपन सोर्स आर्किटेक्चर, सुरक्षित, मापनीय और विकासवादी प्रोसेस ऑटोमेशन इंजन है। यह किसी विश्वविद्यालय / उच्च शिक्षण संस्थानों के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। अब, ईआरपी, समर्थ, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीवी) में लागू किया गया है। इस पहल का उद्देश्य संस्थान की प्रक्रियाओं को स्वचालित करना है। समर्थ 45 मॉड्यूल में से, ऑर्गेनिग्राम, संगठनात्मक इकाई, उपयोगकर्ता प्रबंधन, कर्मचारी प्रबंधन, आरटीआई प्रबंधन, कानूनी मामला प्रबंधन, अनुसंधान परियोजना प्रबंधन, परीक्षा मॉड्यूल, आवश्यक सेवाएं, भर्ती, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीवी) में पे रोल, अवकाश प्रबंधन, कार्यवृत्त और पुनर्प्राप्ति / दस्तावेज, शुल्क प्रबंधन, कार्यक्रम प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, इन्वेंटरी प्रबंधन, बिल ट्रैकिंग सिस्टम, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट, सुरक्षा, अकादमिक प्रबंधन, माल की खरीद एवं खेलों में लागू किया गया है, शेष को लागू करने की प्रक्रिया चल रही है।

यह पहल संस्थान में बेहतर सूचना प्रबंधन के माध्यम से सूचना तक निर्बाध पहुंच और विभिन्न उद्देश्यों के लिए इसके उपयोग से उत्पादकता बढ़ाएगी।

समर्थ के कार्यान्वयन के लिए, दिल्ली में समर्थ टीम द्वारा जीजीवी में मॉड्यूल प्रशासकों / व्यवस्थापकों और मॉड्यूल समन्वयकों / सदस्यों के साथ बैठक सह प्रदर्शन ऑनलाइन आयोजित किए जाते हैं। मॉड्यूल ओनर / प्रशासकों को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए कई मॉड्यूल समन्वयक नियुक्त किए गए हैं, जो वस्तुतः विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यों के प्रभारी अधिकारी हैं। जीजीवी में समर्थ के सुचारू संचालन के लिए, प्रोफेसर ए.के. सक्सेना को समर्थ परियोजना के नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि डॉ. कपिल नागवंशी, डॉ. उपासना सिन्हा, डॉ. अमित खासकलम और डॉ. विनय कुमार सिंह को जीजीवी में समर्थ सेल परियोजना के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

समर्थ पोर्टल में परिचालन संबंधी समस्या के समाधान और जीजीवी में समर्थ के सभी मॉड्यूल कार्यान्वयन के लिए, विश्वविद्यालय समर्थ मॉड्यूल व्यवस्थापक, कर्मचारियों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण / प्रदर्शन कार्यक्रम जीजीवी में आयोजित किया गया था कर्मचारियों को फिजिकल मोड में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 10 अक्टूबर 2022 से 17 अक्टूबर 2022 तक श्री आलोक कुमार पटेल, सहायक प्रबंधक, रोलआउट और आयुष त्यागी, रोलआउट सहायक, समर्थ टीम, नई दिल्ली, जीजीवी बिलासपुर में उपस्थित थे।

2.3 मानव संसाधन विकास केन्द्र

विभाग के बारे में– यूजीसी–अकादमिक स्टाफ कॉलेज का नाम बदलकर 2015 में यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी) कर दिया गया। यूजीसी–अकादमिक स्टाफ कॉलेज (एएससी) की स्थापना 27 मार्च 2009 को विभिन्न विषय के शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के हरे–भरे परिसर में की गई थी जो शिक्षकों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यूजीसी, नई दिल्ली के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम अर्थात ओरिएंटेशन कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, लघु अवधि पाठ्यक्रम, इंटरेक्शन कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। एचआरडीसी के पास ऑडियो–विजुअल, इंटरनेट और मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ

उत्कृष्ट क्लास रूम हैं जो परस्पर संवादात्मक शिक्षा के लिए एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करता है। अत्याधुनिक स्टेट ऑफ आर्ट सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) प्रयोगशाला हाई स्पीड इंटरनेट सुविधाओं के साथ प्रतिभागियों को कार्यक्रमों के दौरान समय–समय पर प्रशिक्षण द्वारा सॉफ्ट स्किल सीखने का अवसर प्रदान करती है। विशेशज्ञों और प्रतिभागियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एचआरडीसी के पास 967 पुस्तकों और डिजिटल संसाधनों के साथ अपना पुस्तकालय है। विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय एचआरडीसी को INFLIBNET, साइंस डायरेक्ट, ई–संसाधन, पुस्तकों और पत्रिकाओं की सुविधाएं भी प्रदान करता है। हमारे पास गेस्ट हाउस, चिकित्सा और परिवहन की अच्छी सुविधाएं हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान देने के लिए विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षकों के अलावा, प्रख्यात शिक्षाविदों और शोधकर्ताओं को विशेशज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाता है। प्रेरित शिक्षक, अत्याधुनिक सुविधाएं, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स और माहौल हमारे एचआरडीसी की ताकत और कार्यक्रमों के सफल आयोजन की कुंजी हैं।

दृष्टिः यह एचआरडीसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के मूल्यों का प्रचार करने और शिक्षकों को बौद्धिक रूप से प्रबुद्ध, नैतिक रूप से ईमानदार, भावनात्मक रूप से संतुलित, सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध, देशभक्त, पर्यावरण–अनुकूल और निपुण और छात्रों की उच्च शिक्षा के लक्ष्यों और उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में उनकी मांगों और जरूरतों के प्रति संवेदनशील बनने के लिए प्रशिक्षित करने की परिकल्पना करता है।

उद्देश्यः (i) संबंधित क्षेत्र में सभी एचआरडीसी के साथ कार्यात्मक संचालन के लिए ऑनलाइन आपसी सामंजस्य विकसित करना और बनाए रखना, और आईसीटी (एनएमईआईसीटी) संसाधनों के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा मिशन का उपयोग करके ई–सामग्री वितरण की सुविधा प्रदान करना। उभरती प्रौद्योगिकियों और मेसिव ऑनलाइन ओपन कोर्सेज (एमओओसी) को अपनाना (ii) संक्षिप्त सीवी वाले विशेषज्ञों का एक समूह विकसित करना जो क्षेत्र में एचआरडीसी में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उपलब्ध हो सकते हैं (iii) आपसी साझेदारी के लिए सहयोगपूर्वक अपने क्षेत्र या अन्य क्षेत्रों में वितरित की गई कुछ सर्वोत्तम सामग्री का मल्टीमीडिया भंडार विकसित करना (iv) कार्यक्रमों के लिए आवश्यक संदर्भ और स्रोत सामग्री के लिए एक क्षेत्रीय दस्तावेजीकरण–आईटी सक्षम केंद्र सह–पुस्तकालय स्थापित करना (v) प्रतिभागियों को विषय, फोकस और कार्यक्रमों के बारे में अन्य विवरण देते हुए अग्रिम रूप से सलाह देने के लिए संचार और प्रदर्शन का प्रबंधन करना। (vi) निर्दिष्ट क्षेत्र में आरसीसीबी और एचआरडीसी द्वारा नियोजित कार्यक्रमों के बारे में सभी विवरण देने वाला एक सूचना पोर्टल बनाए रखना जिसमें विद्वानों के नाम और संक्षिप्त सीवी और अधिमानतः पूर्ण पाठ या कम से कम पीपीटी जिसमें वितरित की जाने वाली सामग्री का सार और संदर्भ हो (vii) निर्दिष्ट क्षेत्र में एचआरडीसी के सहयोग से वितरित कार्यक्रम पर प्रतिभागियों से प्रतिक्रिया का नियमित संग्रह और विश्लेषण क्षेत्र, गुणवत्ता वृद्धि के लिए लगातार समीक्षा के लिए (viii) पीपीएमएससी के समन्वयक को हर तिमाही में आयोजित कार्यक्रमों, प्रतिभागियों की विश्लेशित प्रतिक्रिया आदि के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट भेजना।

विभाग की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के कौशल और क्षमता निर्माण को बढ़ाने के लिए एचआरडीसी द्वारा 2022–2023 के दौरान ऑनलाइन मोड में सत्रह (17) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न राज्यों यथा असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, दमन और दीव, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और जम्मू एवं कश्मीर और तेलंगाना से एक हजार तीन सौ तिरासी (1383) प्रतिभागियों को इन कार्यक्रमों से लाभ हुआ। कार्यक्रमों का विवरण नीचे उल्लिखित है–

''गुरु–दक्षता'' संकाय प्रेरण कार्यक्रम (एफआईपी) – 2022–23 के दौरान ऑनलाइन मोड में चार (04)

''गुरु–दक्षता'' फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी) आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों से महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों के नवनियुक्त एक सौ अड़तीस (138) सहायक प्राध्यापक लाभान्वित हुए। कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार हैः

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	छठवां गुरु–दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी)	04/07/2022 से 01/08/2022	32
2.	सातवां गुरु–दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी)	01/11/2022 से 30/11/2022	32
3.	आठवां गुरु–दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी)	09/01/2023 से 07/02/2023	40
4.	नौवां गुरु–दक्षता फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम (एफआईपी)	23/01/2023 से 20/02/2023	34

निम्नलिखित मॉड्यूल पर व्याख्यान देने के लिए प्रतिष्ठित प्राध्यापकों/विद्वानों को विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया जाता हैः

1. उच्च शिक्षा और उसका पारिस्थितिकी तंत्र
2. पाठ्यचर्या निर्धारण, परिणाम आधारित शिक्षा और विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली
3. शिक्षण, सीखना और मूल्यांकन
4. I–जनरेशन के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी
5. व्यक्तिगत–भावनात्मक विकास और परामर्श
6. अनुसंधान, व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक नेतृत्व
7. शैक्षणिक सत्यनिष्ठा
8. संवैधानिक मूल्य, मानवाधिकार एवं मौलिक कर्तव्य
9. पर्यावरण चेतना और सतत विकास लक्ष्य
10. रणनीतिक योजना और प्रबंधन

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन विद्यालयों के कुलपति/कुलसचिव/ अधिश्ठाता ने कार्यक्रमों के उद्घाटन और समापन सत्र में प्रतिभागियों को संबोधित किया।

2.4 राष्ट्रीय त्वरक आधारित शोध केंद्र एवं शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकीय विज्ञान विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपने उन्नयन के बाद, तत्कालीन कुलपति की पहल पर एक त्वरक आधारित अंतः विषय अनुसंधान केन्द्र के रूप में शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग में 3.0 एमवी पेलेट्रॉन आधारित एक्सेलेरेटर मशीन स्थापित करने में एक साहसिक कदम उठाया है। केन्द्र का मूल उद्देश्य

आयन बीमा इंटरैक्शन और अन्य अंतः विषय क्षेत्रों के माध्यम से सामग्री संशोधन के लिए जिम्मेदार तंत्र को समझने और विश्वविद्यालय परिसर में आयन बीम प्रौद्योगिकी लाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। ताकि विज्ञान के विशिष्ट क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा का माहौल प्रदान किया जा सके। इसे विश्वविद्यालय के एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में अवधारित और शुरू किया गया है।

फलस्वरुप 3.0 एमवी पेलेट्रॉन एक्सेलेरेटर सुविधा विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद के अनुमोदन के बाद मार्च 2010 में प्रारंभ की गई थी और बाद में 2014 में, इस सुविधा को शुद्ध और अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग में राष्ट्रीय त्वरक आधारित अनुसंधान केन्द्र के रूप में प्रारंभ किया गया था। इस केन्द्र के सुचारू संचालन के लिए वित्तीय सहायता एवं स्टाफ उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्ताव भी प्रेषित किया गया। यूजीसी ने मशीन एवं भवन के लिए वित्तीय सहायता का अनुमोदन किया, जिसे 11वीं योजना या 12वीं योजना के प्रथम अनुदान में समायोजित किया गया। 2015 में यूजीसी ने इसके संचालन के लिए 08 तकनीकी पद एवं केन्द्र के लिए प्राध्यापक का एक पद भी स्वीकृत किया। परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के दिशानिर्देशों के अनुसार सभी विकिरण सुरक्षा आवश्यकताओं का पालन किया गया और विभिन्न चरणों के लिए उचित अनुमति प्राप्त की गई। जून 2013 में परमाणु विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (बीआरएनएस) के तहत भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) ने चरणबद्ध तरीके से कार्यक्रम का आर्थिक रूप से समर्थन किया और पहले चरण के लिए 4.5 करोड़ प्रदान किए। डीएई–बीआरएनएस परियोजना (प्रथम चरण) को मार्च 2017 तक बढ़ा दिया गया था। उच्च स्तरीय समिति के अनुशंसा के अनुसार गुरू घासीदास विश्वविद्यालय एवं आईयूएसी, नई दिल्ली के इस केन्द्र को संयुक्त राष्ट्रीय सुविधा के रूप में विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय ने अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केन्द्र एवं यूजीसी के साथ एमओयू किया।

एनसीएआर में अंतरविषयक शोध का दायरा

कुछ केईवी से एमईवी के ऊर्जावान आयनों की विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका है। कम ऊर्जा त्वरक से ऊर्जावान आयनों का उपयोग करके आयन–ठोस संपर्क की जांच हाल ही में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है। त्वरक आधारित अंतः विषयक अनुसंधान केन्द्र सामग्री रसायन विज्ञान, संरक्षण के क्षेत्रों में अग्रणी अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए आयन बीम विकिरण, आयन प्रत्यारोपण और आयन बीमा विश्लेषण तकनीकों के माध्यम से अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करता है। जैव –विविधता, जीवनविज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स, आणविक जीवन विज्ञान आदि का विवरण उपलब्ध आयन बीम, आयन बीम विश्लेषण तकनीक, विभिन्न आयनों के लिए वर्तमान (सकारात्मक और नकारात्मक) केसाथ–साथ आयन आरोपण के लिए पैरामीटर एनसीएआर वेबपेज पर उपलब्ध है (http://ggvncar.co/in/about.html)।

रखरखाव एवं वित्तीय सहायता की कमी के कारण यह केन्द्र 2018 से काम नहीं कर रहा है। तथापि, वर्तमान कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने इसमें गहन रूचि ली एवं उनकी सक्रियता से यह केन्द्र एक बार फिर प्रारंभ हो गया है। बिना किसी बाह्य तकनीकी सहायता के विभाग की सक्षम टीम के प्रयासों से यह हो सका। एचव्हीएसी प्रणाली रखरखाव के बाद, विभिन्न भागों का मरम्मतीकरण प्रारंभ किया गया, जिसमें जलप्रवाह प्रणाली, बीम लाइन्स में उच्च निर्वात प्रणाली, दोनों टंकियों (स्टोरेज एवं त्वरक टंकी) का रखरखाव, नियंत्रण प्रणाली, संचार रेखाएं एवं विभिन्न इलेक्ट्रिकल प्रणालियां। गैस दाब, निर्वात, जल प्रवाह एवं वायु प्रवाह अर्जित कर लिया गया है एवं त्वरक केन्द्र चालू कर सकें। अगले चरण में, टर्मिनल को उसके अधिकतम विभव (3.0 एमवी) में चार्ज करने के लिए प्रयास किया गया।

उपलब्धि : ब्रेकडाउन उपकरणों के मरम्मतीकरण एवं सर्विसिंग के बाद करीब 10^{-8} टॉर के बीम लाइन निर्वात के साथ पेलेट्रॉन त्वरक मशीन ने काम करना प्रारंभ किया।

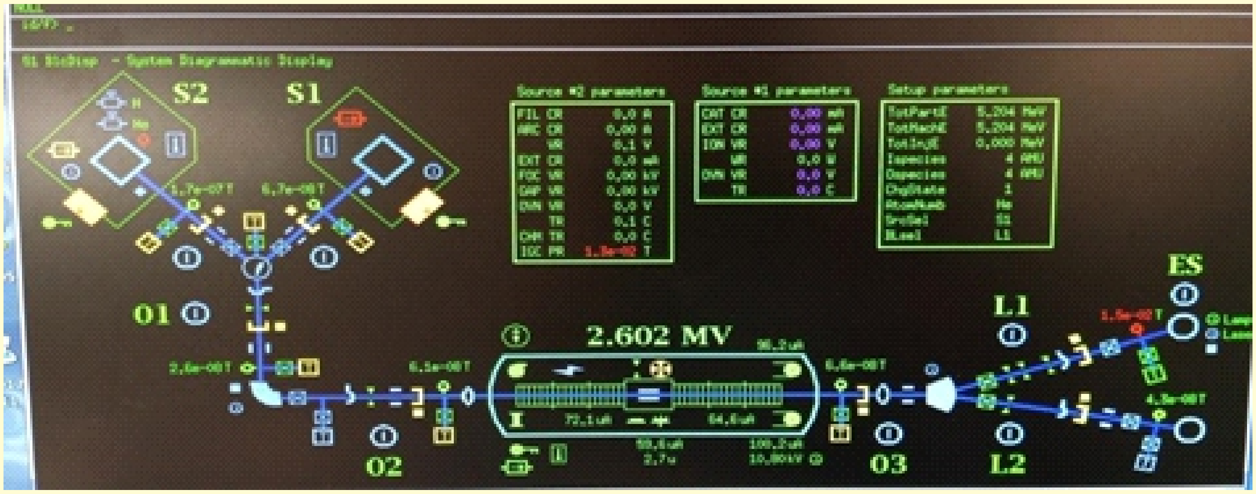

जैसा कि चित्र में दिखाया गया है कि 27 अप्रैल 2022 को हमने 2.6 एमवी पार कर चुके हैं और उम्मीद है कि मई 2022 के प्रथम सप्ताह पर टर्मिनल को अधिकतम विभव के साथ चार्ज किया जा चुका होगा। इसका अगला चरण त्वरक के माध्यम से पुंज का परिवहन एवं विकिरण सुरक्षा अधिकारी के माध्यम से एईआरबी तक पुंज से संबंधित आंकड़ों को प्रस्तुत करना होगा। यह eLORA पोर्टल के माध्यम से किया जाएगा, ताकि उपयोगकर्ताओं के लिए मशीन संचालित करने की अनुमति प्राप्त की जा सके।

केन्द्र में की गई विकिरण सुरक्षा की जाँच का ब्यौरा :

समयरेखाः 26 दिसंबर, 2022 से अब तक

1. **विकिरण डिटेक्टरों की कार्यशीलता की जांचः**

   उपलब्ध सभी विकिरण मापने वाले मॉनिटर और सर्वेक्षण मीटर 2013 में खरीदे गए थे। उन्हें मध्यवर्ती जांच और अंशांकन करने की आवश्यकता है। जनवरी, 2023 माह में सभी विकिरण डिटेक्टरों की घरेलू सफाई, इनपुट और आउटपुट पावर स्थिति की जांच की गई है। बैटरी बैकअप भी संतोषजनक पाया गया है।

2. **विकिरण क्षेत्र मॉनिटर्स (गामा और एक्स रे) का अंशांकनः**

   किसी विशेष क्षेत्र के लिए विकिरण स्तर को मापने के लिए त्वरक सुविधा में स्थापित विकिरण क्षेत्र मॉनिटर और वांछित क्षेत्र के लिए विकिरण स्तर को मापने के लिए त्वरक में उपलब्ध विकिरण सर्वेक्षण मीटरों को नियत तिथि के अनुसार हर साल अंशांकित करने की आवश्यकता होती है। उपलब्ध सभी विकिरण मापने वाले मॉनिटर और सर्वेक्षण मीटर 2013 में खरीदे गए थे और उनकी अंशांकन तिथि 2015 में समाप्त हो गई और अंशांकन की प्रक्रिया 2021 तक जारी रही।

विकिरण मॉनिटर के सभी विवरण एईआरबी (परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड) के eLORA पोर्टल से जुड़े हुए हैं, जहां अंशांकन की नियत तारीख के अनुसार गैर–अनुपालन स्वचालित रूप से सिस्टम द्वारा उत्पन्न किया जाएगा। चूंकि अंशांकन तिथि समाप्त हो गई है इसलिए जीजीवी के लिए ईएलओआरए में गैर–अनुपालन उत्पन्न हुआ है।

परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी विकिरण सर्वेक्षण मीटरों को एनएबीएल मान्यता प्राप्त, एईआरबी अधिकृत अंशांकन प्रयोगशाला से अंशांकित किया जाना है, इसलिए नुविया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से विकिरण एरिया मॉनिटर को 6 से 15 फरवरी, 2023 की अवधि में रेडियोलॉजिकल सुरक्षा अधिकारी और इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर, नई दिल्ली की स्वास्थ्य भौतिकी टीम की देखरेख में अंशांकित किया जा रहा है। हमारे पास गामा और एक्स रे के लिए विकिरण सर्वेक्षण मीटरों की कुल संख्या इस प्रकार हैः

एरिया मॉनिटरों की विशिष्टता विवरणः

क्र.सं.	एरिया मॉनिटर्स	निर्मित	मॉडल	डिटेक्टर प्रकार	क्रमांक	अंशांकन की तिथि	अवस्थिति
1	गामा एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/2**	Internal GM tube	**294421**	फरवरी, 2023	एक्सलेटर वॉल्ट एंट्री (बाँई ओर)
2	गामा एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/2**	Internal GM tube	**294473**	फरवरी, 2023	एसएफ6 टैंक के दाँई ओर
3	गामा एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/44-3**	NaI(TI) scintillator, 2.5 cm (1 in) dia. x 0.1 cm (0.04 in) thick	**307429 PR-330483**	फरवरी, 2023	**कंट्रोल रुम**
4	गामा एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/44-3**	NaI Low Energy Gamma Scintillator	**PR331146 (D) 307480 (Display controller)**	फरवरी, 2023	एसएफ6 स्टोरेज टैंक के पीछे (बाँई ओर)
5	एक्स–रे एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/44-17**	NaI (TI) of 2 in dia x 2 mm thick	**PR-310136 (D) 294392 (Controller display)**	फरवरी, 2023	आयन स्त्रोत के पास
6	गामा एरिया मॉनिटर्स	**लुडलम**	**375/44-17**	NaI (TI) of 2 in dia x 2 mm thick	**PR331133 (D) 294392**	फरवरी, 2023	आरबीएस बीम लाईन के बाँई ओर
7	गामा एरिया मॉनिटर्स	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**GA 720**	Halogen Quenched GM tube LND712	**13/10/087**	फरवरी, 2023	**कंट्रोल रुम**
8	गामा एरिया मॉनिटर्स	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**GA 720**	Halogen Quenched GM tube LND712	**13/10/088**	फरवरी, 2023	**स्पेयर**

डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटरः

क्र.सं.	डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटर	निर्मित	मॉडल	डिटेक्टर प्रकार	क्रमांक	अंशांकन की तिथि	अवस्थिति
1	डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटर (गामा/एक्स–रे)	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**PD714**	Si डायोड	**0036/2012**	फरवरी, 2023	स्वास्थ्य भौतिकी
2	डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटर (गामा/एक्स–रे)	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**PD714**	Si डायोड	**0037/2012**	फरवरी, 2023	स्वास्थ्य भौतिकी

3	डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटर (गामा/एक्स–रे)	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**PD714**	Si डायोड	**0038/2012**	फरवरी, 2023	स्वास्थ्य भौतिकी
4	डिजिटल पॉकेट डॉजीमीटर (गामा/एक्स–रे)	**न्यूक्लियॉनिक्स**	**PD714**	Si डायोड	**0039/2012**	फरवरी, 2023	स्वास्थ्य भौतिकी

3. विकिरण क्षेत्र मीटर (न्यूट्रॉन) का अंशांकनः

अंशांकन केवल एईआरबी द्वारा अधिकृत अंशांकन प्रयोगशाला द्वारा ही किया जा सकता है। न्यूट्रॉन क्षेत्र मॉनिटर के अंशांकन के लिए, **भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र** एकमात्र **सक्षम प्राधिकारी** है।

विकिरण क्षेत्र मॉनिटर को रेडियोलॉजिकल सुरक्षा अधिकारी की देखरेख में मार्च, 2023 के अंतिम सप्ताह में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई से अंशांकित किया जा रहा है।
विवरण इस प्रकार हैः

न्यूट्रॉन एरिया मॉनिटर्स – 2 नग

मेकः लुडलुम

मॉडलः 375/42–30 एच

डिटेक्टर प्रकारः न्यूट्रॉन डिटेक्टर 2 atm 3 ट्यूब एलएनडी 25185

क्रमांकः PR318848 & PR317370

4. त्वरक भवन में क्षेत्रीय सीमांकनः

जोन–1 : वह क्षेत्र जो हर समय पहुंच योग्य हो।

जोन – 2: नियंत्रित/प्रतिबंधित प्रवेश क्षेत्र, उचित प्रशासनिक नियंत्रण के साथ पहुंच योग्य।

जोन – 3: एक्सीलेटर संचालन के दौरान दुर्गम क्षेत्र और शटडाउन के दौरान नियंत्रित प्रवेश।

5. विकिरण सुरक्षा बनाए रखने के लिए तैयार किए गए दस्तावेजों की सूचीः

एईआरबी के अनुसार, निम्नलिखित दस्तावेज हर समय रहने चाहिए और इन्हें नियमित आधार पर बनाए रखा जाना चाहिए। विवरण निम्नानुसार हैः

दस्तावेजों की सूची

1. मरम्मत एवं रखरखाव पंजी
2. आवधिक विकिरण सर्वेक्षण का लेखा
3. टीएलडी बैज रिकॉर्ड
4. इंटरलॉक बाईपास पंजी
5. कुंजी निर्गमन पंजी
6. छत कुंजी निर्गमन पंजी
7. वर्क परमिट लॉग बुक
8. बीम ट्यूनिंग रजिस्टर
9. त्वरक सुविधा में काम करने वाले व्यक्तियों के प्रशिक्षण और अनुभव का लेखा
10. खोज और सुरक्षित प्रक्रिया
11. नियंत्रित पहुँच प्रक्रिया
12. संचालन प्रक्रियाएँ

13. आवधिक संदूषण सर्वेक्षण

14. आवधिक वायु नमूनाकरण

15. कार्मिक निगरानी रिकॉर्ड

16. असामान्य घटनाएँ

17. बैठकों के कार्यवृत्त

1. एनसीएआर के लिए स्थानीय सुरक्षा समिति का निर्माणः

एईआरबी सुरक्षा दिशानिर्देश AERB/SG/IS-5, 2005, पृष्ठ 37 के अनुसार अनुसंधान त्वरक की सुरक्षा स्थिति, जोखिम और असामान्य या सामान्य घटनाओं की समय–समय पर समीक्षा करने के लिए एक स्थानीय सुरक्षा समिति (एलएससी) का गठन किया जाना है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सदस्यों से स्थानीय सुरक्षा समिति का गठन किया गया है।

समिति आम तौर पर एक महीने में या आवश्यकता पड़ने पर बैठक करती है।

2. थर्मोल्यूमिनेसेंस डॉजीमेट्री (टीएलडी) आवश्यकताएँः

थर्मोल्यूमिनेसेंस डोसिमेट्री (टीएलडी) आयनकारी विकिरण से खुराक के आकलन के लिए एक बहुमुखी उपकरण है। टीएलडी सामग्रियों की विस्तृत विविधता और उनके विभिन्न भौतिक रूप माइक्रोजीवाई से केजीवाई तक खुराक स्तर पर विभिन्न विकिरण गुणों के निर्धारण की अनुमति देते हैं।

अल्ट्रा टेक लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड, भिलाई को नई मांगें प्रस्तुत कर दी गई हैं।

8. खोज और सुरक्षित संचालन के साथ सार्वजनिक संबोधन प्रणाली को शामिल किया गयाः

विकिरण सुरक्षा के एक भाग के रूप में, त्वरक क्षेत्र को एक सर्च एंड सिक्योर (एसएस) प्रणाली द्वारा संरक्षित किया गया है। बीम हॉल में आपातकालीन निकास के लिए स्क्रैम बटन के साथ–साथ 4 क्षेत्रों में 4 पुश बटन हैं। 4 बटनों को क्रम से दबाने के लिए प्रोग्राम किया गया है, जिसके बाद एक एलईडी चमकती है जो प्रक्रिया सही ढंग से होने पर चमकती है। एक दरवाजा चुंबकीय ताले और माइक्रो स्विच द्वारा सुरक्षित है। दो पुश बटन के बीच का समय अंतराल 30 सेकंड से कम है। एसएस निष्पादित करने के बाद, त्वरक हॉल/बीम हॉल के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं और एक हूटर बजता है और 90 सेकंड तक जारी रहता है। हूटर बंद होने के बाद टर्मिनल वोल्टेज लगाया जा सकता है। मौजूदा प्रणाली पीएलसी पर आधारित है।

एनसीएआर, जीजीवी में काम करने वाले कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सर्च एंड सिक्योर इंटरलॉक प्रणाली आवश्यक है। नियंत्रित पहुंच क्षेत्र जिसमें एक एक्सेलेरेटर हॉल (एएच) शामिल है, को मानव उपस्थिति के लिए जांचने और बीम संचालन को सक्षम करने के लिए सुरक्षित करने की आवश्यकता है। पीएलसी आधारित खोज और सुरक्षित प्रणाली को पहुंच प्रबंधन में सुधार के लिए विकसित किया गया है और यह सुरक्षा पहलुओं और सुरक्षा समिति (एईआरबी) द्वारा निर्धारित मानक के अनुकूल है।

सर्च एंड सिक्योर ऑपरेशन शुरू करने से पहले, ऑपरेटरों को अन्य कर्मियों को आगामी बीम ऑपरेशनों की जानकारी देने के लिए सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से घोषणा करनी होगी। बॉश पीए सिस्टम अब

एस एंड एस सिस्टम से सफलतापूर्वक जुड़ गया है। मामूली कनेक्शन समस्या का समाधान कर दिया गया। अब, हम कह सकते हैं कि यह सार्वजनिक सूचना प्रणाली के साथ एक पूर्ण सर्च एंड सिक्योर ऑपरेशन है।

9. बीम हॉल और नियंत्रण कक्ष में सर्च एंड सिक्योर के साथ हूटर/बजर कनेक्शनः

सर्च एंड सिक्योर प्रणाली के पीएलसी नियंत्रण कक्ष में बजर कनेक्शन जोड़े गए हैं।

10- eLORA दस्तावेजीकरणः

eLORA एक वेब–आधारित आई एण्ड सीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) एप्लिकेशन है जो अपनी नियामक सेवाएं प्रदान करने के साथ–साथ लेनदेन में उच्च दक्षता, विश्वसनीयता और पारदर्शिता प्राप्त करने के लिए सूचना और संचार लेनदेन के आदान–प्रदान के लिए एईआरबी और उसके हितधारकों के बीच एक सीधा संचार चौनल स्थापित करता है। eLORA प्रणाली को आयनीकरण विकिरण के उपयोग में शामिल बड़ी संख्या में सुविधाओं के साथ–साथ सुरक्षित सेवा के लिए उनके साथ काम करने वाले विकिरण श्रमिकों को लक्षित रेडियोलॉजिकल अनुप्रयोग नियमों की व्यापक व्यावसायिक प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

eLORA प्रणाली में विकसित प्रक्रिया भारत सरकार द्वारा दी गई वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार है, जैसे– परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियम, 2004, और एईआरबी द्वारा विकसित तकनीकी दस्तावेज (अर्थात नियामक कोड, मैनुअल और मानक)।

तो यह मूल रूप से एईआरबी और एनसीएआर जीजीवी सुविधा के बीच सुविधा और संचार माध्यम के रिकॉर्ड को बनाए रखने के लिए विकिरण अनुप्रयोगों (ईएलओआरए) प्रणाली का एक ई–लाइसेंसिंग है।

ये eLORA पर बनाए गए पूर्व दस्तावेज हैं:

ए. आरएसओ नामांकन

बी. कर्मचारियों का विवरण

सी. व्यक्तिगत निगरानी प्रणाली

डी. सुविधा का विवरण

ई. सुविधा के लिए उपलब्ध विकिरण मॉनिटर का विवरण

एफ. ट्रेल रन ऑपरेशन के लिए आवेदित

जी. अन्य सुरक्षा पहलू

अगस्त में रेडिएशन सेफ्टी और जनरल मशीन सेफ्टी के आधार पर एईआरबी में एक प्रेजेंटेशन देना होगा। इसके बाद हमें बीम ऑपरेशन के लिए ट्रायल लाइसेंस मिल जाएगा।

11. प्रकियाधीन प्रस्ताव :

ए. निगरानी और मानव सुरक्षा के लिए एक्सेलेरेटर भवन में सीसीटीवी

बी. जोन 2 और जोन 3 तक पहुंच नियंत्रण के लिए बायोमेट्रिक लॉक

सी. अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल

डी. नियंत्रण कक्ष और बीम हॉल के बीच आंतरिक संचार के लिए इंटरकॉम प्रणाली।

ई. नया टीएलडी बैज और न्यूट्रॉन बैज

12. इंटरलॉक चेक:

यहाँ कई इंटरलॉक हैं, जैसे प्रेशर इंटरलॉक, वैक्यूम इंटरलॉक, सेफ्टी इंटरलॉक।

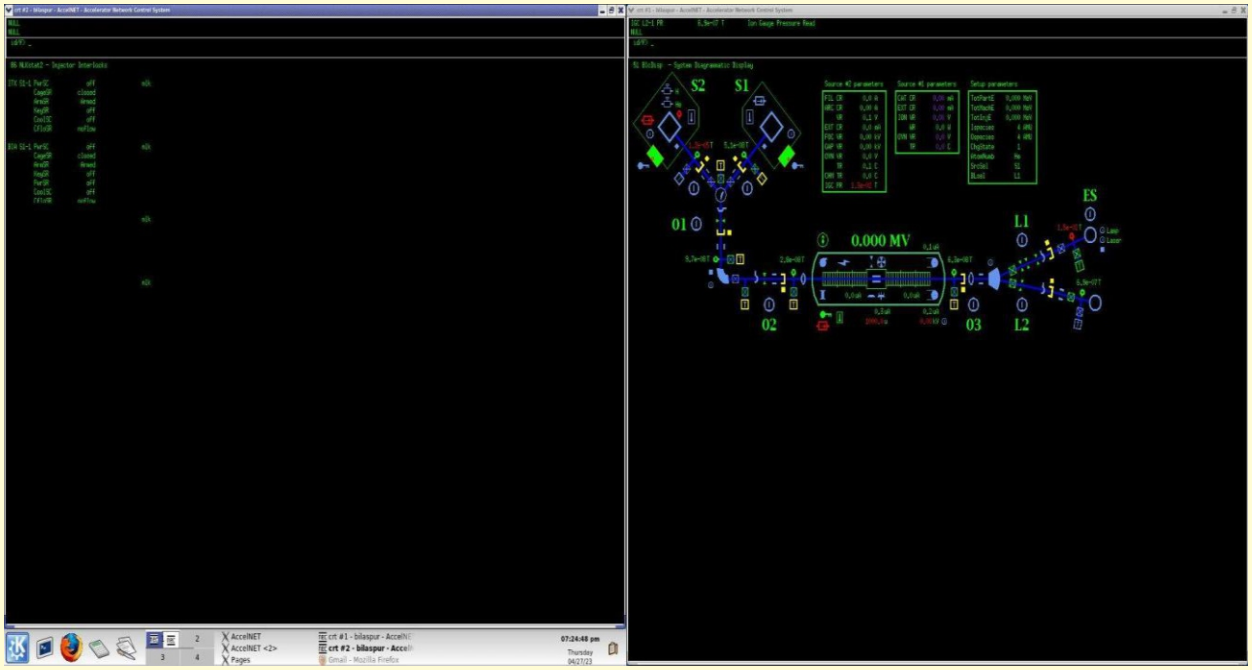

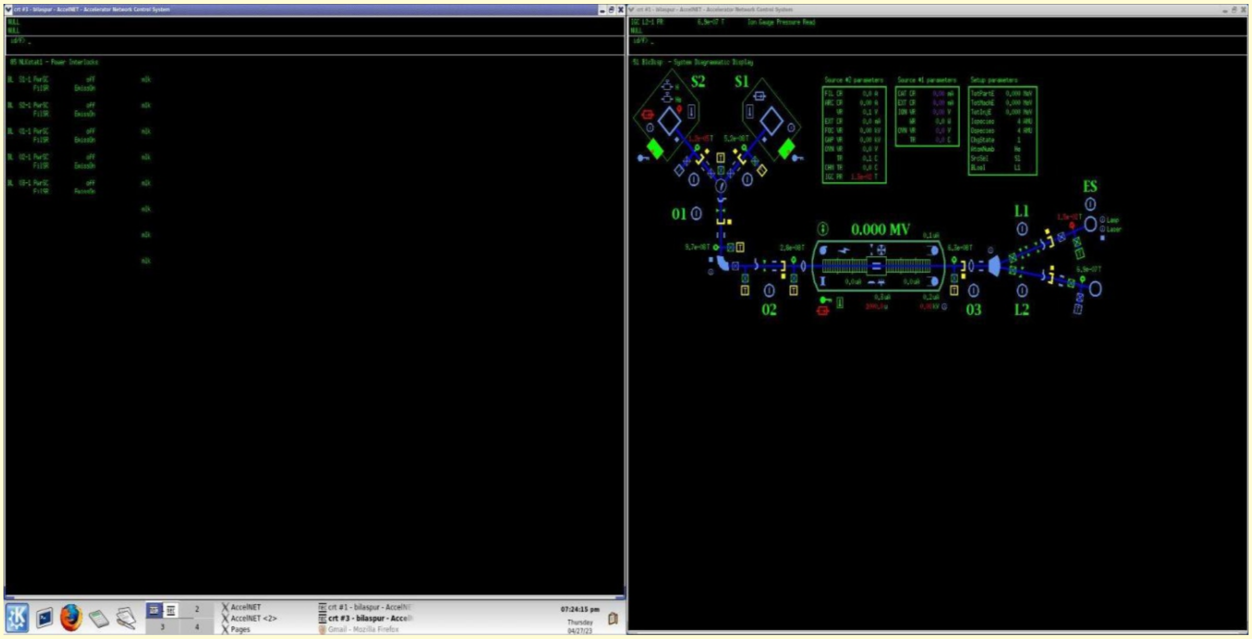

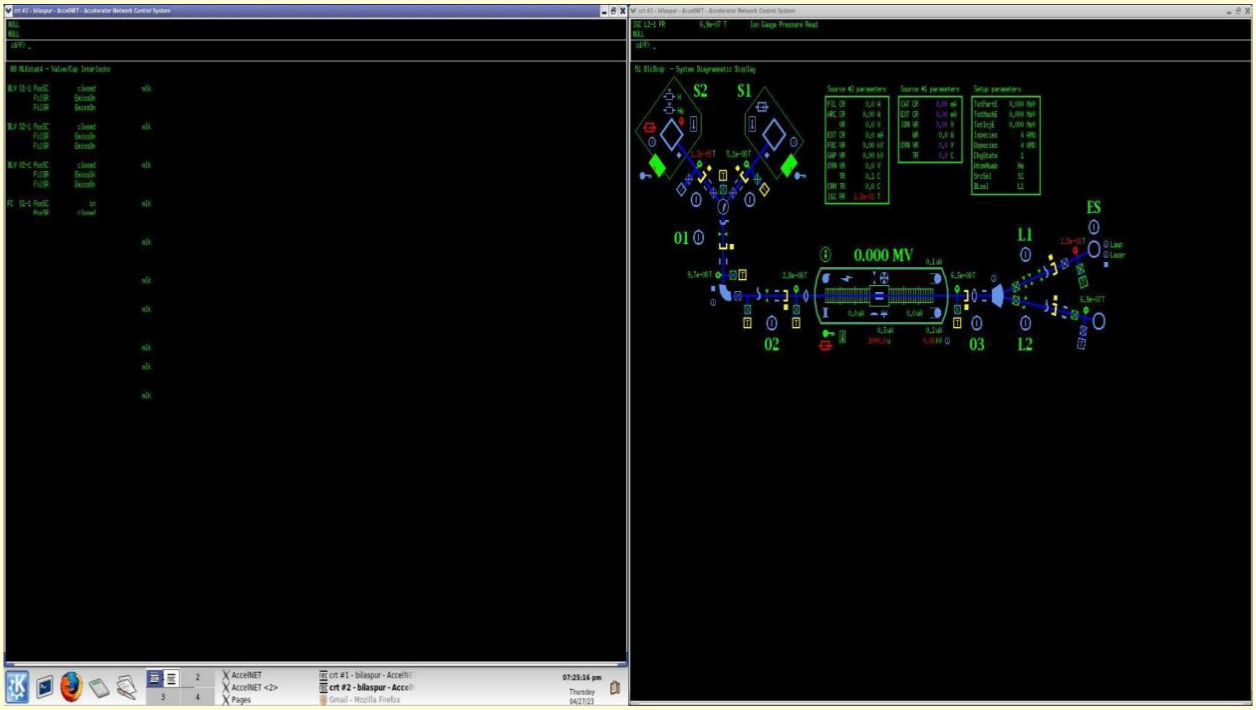

13. केन्द्र में प्रदर्शित आपातकालीन संपर्कः

आपातकालीन संपर्क टेलीफोन/टेलेक्स नं. पता

जिम्मेदार प्राधिकारी/व्यक्ति	नाम और पता	कार्यालय/निवास टेलीफोन और मोबाइल नंबर, यदि कोई हो
संस्था प्रमुख, कुलपति	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, प्रशासनिक भवन	07752-260283, 260253; मोबाइल : 8770062330
प्रोफेसर–प्रभारी, रजिस्ट्रार कार्यालय, जीजीवी रजिस्ट्रार (प्रभारी)	प्रो. मनीष श्रीवास्तव प्रशासनिक भवन	07752-260209 मोबाइल: 9425227387
केन्द्र प्रभारी, एनसीएआर	प्रो. एम.एन. त्रिपाठी एनसीएआर, एस.एन.बोस भवन	07752- 260048 मोबाइल: 9981401993
संयोजक, त्वरक सुरक्षा समिति एवं विकिरण सुरक्षा अधिकारी (आरएसओ)	सुश्री मिनाती सामंता एनसीएआर, एस.एन.बोस बिल्डिंग	मोबाइल: 7478640994 8178666033
सुरक्षा अधिकारी	श्री रमाकान्त तिवारी प्रशासनिक भवन	मोबाइल : 9131682614
नियामक बोर्ड (एईआरबी)	परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड नियमक भवन, अणुशक्ति नगर, मुंबई – 400094, भारत	+91-22-25990100, +91-22-25583230
अग्निशामक सेवा	श्री रमाकान्त तिवारी प्रशासनिक भवन	मोबाइल : 9131682614

एम्बुलेंस	श्री योगेश्वर तिवारी चालक	मोबाइल : 9340736973
स्थानीय पुलिस थाना	कोनी पुलिस स्टेशन, एनएच III, कोनी, सी.जी. 495 009	07752-260039

उद्देश्यः हमारा अल्पकालिक उद्देश्य त्वरक मशीन के लिए लाइसेंस प्राप्त करना है ताकि भारत के विभिन्न हिस्सों से उपयोगकर्ता (वैज्ञानिक, शोधकर्ता, पीएचडी विद्वान, विभिन्न क्षेत्रों के इंजीनियर और कई अन्य) अपनी आवश्यकताओं के अनुसार बीम का उपयोग कर सकें।

किया गया रखरखावः

1. एक्सेलेरेटर मशीनें: हमें पेलेट्रॉन टैंक से एसएफ6 गैस का रिसाव मिला। जाँच के दौरान हमें लीनियर फीडथ्रु से रिसाव मिला। हेक्स नट को कसने के बाद साबुन के घोल और एसएफ 6 गैस रिसाव डिटेक्टर के माध्यम से फिर से जांच करने पर हमें इस जगह से गैस रिसाव नहीं मिला।

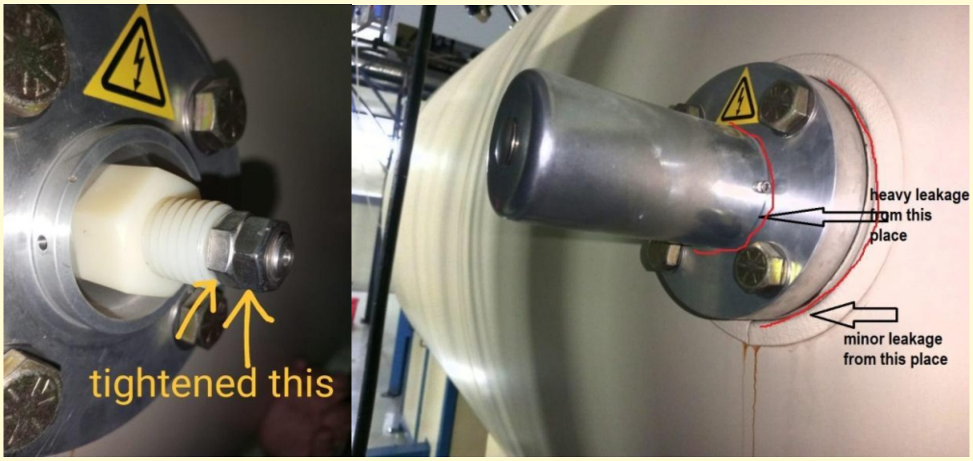

चित्र परिचयः पेलेट्रॉन टैंक के लाइनर से एसएफ6 गैस रिसाव को ठीक करना।

पेलेट्रॉन टैंक से मामूली एसएफ6 गैस का रिसाव अभी भी हो रहा था, इसलिए हमने एसएफ6 गैस को पेलेट्रॉन टैंक से एसएफ6 गैस भंडारण टैंक में स्थानांतरित कर दिया। IUAC कर्मियों के दौरे के बाद SF6 गैस को SF6 गैस भंडारण टैंक से पेलेट्रॉन टैंक में स्थानांतरित किया गया (टैंक दबाव 52 PSI)।

2. एसएनआईसीएस स्रोत की सफाई: आईयूएसी, नई दिल्ली कर्मियों की उपस्थिति में, एसएनआईसीएस स्रोत की सफाई की गई और सीजियम ओवन में नए सीजियम एम्प्यूल्स भरे गए।

चित्र परिचयः एसएनआईसीएस सोर्स क्लीनिंग और सीजियम एम्प्यूल्स फिलिंग

3. एसएनआईसीएस कूलेंट आपूर्तिः स्रोत शीतलक आपूर्ति का फ्यूज जल जाने की वजह से शीतलक प्रणाली शुरू नहीं हो पा रही थी। जिसे रैक से कैबिनेट को निकालने के बाद नए फ्यूज से बदल कर शीतलक प्रणाली को पुनः शुरू कर दिया गया।
4. टॉरविस कूलेंट पंपः हमें टॉरविस कूलेंट पंप के डिस्चार्ज में कोई प्रवाह नहीं मिल रहा है। पंप को अलग करने के बाद हमें इम्पेलर में धूल और जंग मिली। हमने इम्पेलर को साफ किया और उसे असेंबल किया। अब, हमें कूलेंट पंप के डिस्चार्ज में प्रवाह मिल रहा है।

चित्र परिचयः टॉरविस कूलेंट पंप की सफाई।

5. संपीड़ित वायु प्रणालीः एयर कंप्रेसर का रखरखाव एयर फिल्टर, तेल फिल्टर, सेपरेटर द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। हमें पर्याप्त वायुदाब ($\approx$ 6 बार) मिल रहा है। तेल के स्तर और तेल के तापमान को बनाए रखने के लिए नियमित तौर पर एयर कंप्रेसर के तेल टैंक में एनड्यूरेंस ऑयल डाला जाता है। न्यूनतम दबाव और तेल तापमान बनाए रखने के लिए एमपीवी किट और थर्मोस्टेट को सफलतापूर्वक बदला गया। दोषपूर्ण फेस डिटेक्शन रिले को नए से बदला गया।

चित्र परिचयः एयर कंप्रेसर की फिल्टर असेंबली।

6. टर्बो पंप नेविगेटर V301: टर्बो पंप नियंत्रक इस टर्बो पंप नेविगेटर V301 के लिए ''बहुत अधिक लोड'' दिखा रहा था। हमने पंप को मरम्मत के लिए संबंधित फर्म मेसर्स एजिलेंट टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भेजा और पंप की मरम्मत की गई। स्थापना के बाद, हमें टर्बो पंप नियंत्रक के साथ पर्याप्त टर्बो पंप गति मिल रही है।

7. एचवीएसी प्रणालीः 1 आउटडोर कंप्रेसर की पुनः स्थापना से एचवीएसी प्रणाली का रखरखाव सफलतापूर्वक किया गया। सिस्टम की स्वस्थता/स्थिति की जांच करने के लिए मेसर्स ब्लू स्टार लिमिटेड द्वारा सभी आउटडोर इकाइयों (मेकः ब्लू स्टार) का निरीक्षण किया गया।

चित्र परिचयः एचवीएसी के बाहरी इकाई के कंप्रेसर का पुर्नस्थापन।

8. 125 केवीए डीजी सेटः 125 केवीए डीजी सेट कंट्रोल पैनल का रखरखाव नए मेन कॉन्टैक्टर कॉइल (240vac 50 हर्ट्ज) की स्थापना द्वारा सफलतापूर्वक किया गया क्योंकि मेन कॉन्टैक्टर कॉइल मेन वोल्टेज के उतार–चढ़ाव के कारण जल गया था।

चित्र परिचयः 125 केवीए डीजी सेट का मेन कॉन्टैक्टर और कॉइल।

9. रोटरी पंपः पर्याप्त रफ दबाव प्राप्त करने के लिए रोटरी पंप (टॉरविस के पास) का रोटरी पंप तेल बदला गया।
10. यूपीएस सिस्टमः 1 100 केवीए यूपीएस के लिए नई 30 नग 12v 120ah बैटरी की स्थापना के साथ–साथ एक्सआरडी और बिल्डिंग लाइटिंग बिजली आपूर्ति तक बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए संबंधित यूपीएस सेवा इंजीनियर द्वारा 100 केवीए निर्बाध विद्युत आपूर्ति (यूपीएस) की मरम्मत की गई।

रखरखाव की आवश्यकताः उपरोक्त के अलावा, त्वरक मशीनों और सहायक उपकरण की कुछ रखरखाव आवश्यकताएं हैं। हालांकि हमें उम्मीद है कि जल्द ही इसकी मरम्मत कर ली जाएगी. निम्नलिखित रखरखाव मुद्दे प्रक्रियाधीन हैं।

1. 25 केवीए यूपीएस बैटरी – 30 12v एवं 26 Ah dh 25 केवीए यूपीएस की बैटरियों की वारंटी अवधि। खत्म हो गई हैं। इन्हें नये से प्रतिस्थापित करने की आवश्यकता है। नोटशीट अग्रेषित की गई।
2. एचवीएसी सिस्टम–एचवीएसी सिस्टम की 3 बाहरी इकाइयों की कॉन्टैक्टर, कंट्रोलर सहित मरम्मत की आवश्यकता है।
3. टर्बो पंप v301 नेविगेटर–यह टॉरविस बीम लाइन और आरबीएस चौम्बर पर लगाया गया है। बीम लाइन में वैक्यूम बनाए रखने और अन्य टर्बो पंप पर लोड कम करने के लिए इसकी मरम्मत करना आवश्यक है।
4. 125 केवीए डीजी सेटः डीजी सेट का वार्षिक रखरखाव करना आवश्यक है।

1. वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी) – 2 25 केवीए यूपीएस, एवं 1 100 केवीए यूपीएस, डीजी सेट के एयर कंप्रेसर की एएमसी करना आवश्यक है।

परीक्षणः इस अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रणालियों का परीक्षण किया गयाः

अ. अग्नि सचेतकः आग का पता लगाने वाली प्रणाली का धुएं के माध्यम से मैन्युअल रूप से परीक्षण किया गया। इस परीक्षण के दौरान हूटर अलार्म, पैनल अलार्म, धुएं के स्थान का पैनल संकेत और विजुअल साउंडर की जांच की गई।

ब. पीएलसी विकिरण सुरक्षा प्रणालीः पीएलसी प्रणाली का परीक्षण आपातकालीन एससीआर स्विच, बाईपास स्विच और विकिरण सुरक्षा स्थितियों के बीम हॉल प्रवेश द्वार स्विच के माध्यम से किया गया।

स. बीम हॉल वॉटर चिलर सिस्टमः बीम हॉल चिलर यूनिट का परीक्षण पानी के दबाव, चिलर पानी के तापमान, जल प्रवाह और चिलर पानी पाइपलाइन में कोई रिसाव ना होना सुनिश्चित करने के लिए किया गया।

अवधि के दौरान किए गए प्रयोग (बाहरी उपयोगकर्ता): इस अवधि (2022–23) के दौरान कोई प्रयोग नहीं किया गया।

2.5 लुप्तप्राय भाषा केंद्र

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के पत्रांक F. NO-15-6/2012 (CU) Dt-03.04 2014 के अनुसार, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (यथा जीजीवी) :

- कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान पर पाठ्यक्रम तैयार करेगा।
- डिजिटल भाषा से संबंधित डाटा बेस विकसित करेगा।
- छत्तीसगढ़ राज्य में लुप्तप्राय भाषाओं / बोलियों के लिए प्राथमिक डाटा का संकलन करेगा।

उक्त कार्य हेतु यूजीसी द्वारा जीजीवी को 3.60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, वर्ष 2017–18 के दौरान लुप्तप्राय भाषा केंद्र की स्थापना के लिए सहायता अनुदान के रूप में 1.80 करोड़ रुपये विश्वविद्यालय को प्राप्त हो चुके हैं।

मुख्य कार्यक्षेत्रः

- कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान पर पाठ्यक्रम तैयार करेगा।
- डिजिटल भाषा से संबंधित डाटा बेस विकसित करेगा।
- छत्तीसगढ़ राज्य में लुप्तप्राय भाषाओं / बोलियों का क्षेत्र सर्वेक्षण करेगा।

उद्देश्य

- लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित अंतर–विभागीय और अंतःविषय अनुसंधान करना।
- सार्वभौमिक रूप से स्वीकार्य प्रारूपों में अत्याधुनिक भाषण और भाषा प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके छोटी स्वदेशी / लुप्तप्राय भाषाओं के फील्डवर्क, अनुसंधान, विश्लेषण, संग्रह और दस्तावेजीकरण का कार्य करना जैसे– डिजिटल पाठ्य, ऑडियो और वीडियो प्रारूप।
- लुप्तप्राय भाषाओं पर मोनोग्राफ, व्याकरण, व्याकरणिक रेखाचित्र, शब्दकोश और मौखिक और लोक साहित्य और विद्वतापूर्ण पुस्तक का संग्रह और प्रकाशन करना।
- लुप्तप्राय भाषाओं के विशेष संदर्भ में भाषा और बोली एटलस तैयार करना।
- लुप्तप्राय भाषाओं से संबंधित उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना।

- स्वदेशी और लुप्तप्राय भाशाओं की सेवा करने वाले अन्य विभागों/केंद्रों के शिक्षकों और छात्रों को क्षेत्रीय भाषाविज्ञान, शब्दलेखन और डेटा प्रबंधन और दस्तावेजीकरण की तकनीकों में प्रशिक्षित करना।
- लुप्तप्राय भाषाओं के विभिन्न डोमेन को बढ़ावा देना और बढ़ावा देना ताकि लुप्तप्राय भाषा समुदायों को भाषा की जीवन शक्ति को बनाए रखने और संरक्षित करने में सहायता मिल सके।
- केंद्र में अनुसंधान के दौरान एकत्र किए गए डेटा को डिजिटल बनाना और इसे इंटरनेट के माध्यम से जनता के लिए उपलब्ध कराना।

भविष्य की कार्ययोजना

- छत्तीसगढ़ में भाषा और सांस्कृतिक दस्तावेजीकरण के लिए गहन क्षेत्रीय कार्य करना।
- भाषा विवरण, मानचित्र, उपकरण, रिपोर्ट, प्राथमिक और अन्य संसाधन तैयार करना।
- विशिष्ट लुप्तप्राय भाषा से संबंधित वीडियो दस्तावेजीकरण बनाना।
- भाषा विशेषज्ञों द्वारा एकत्रित अनुभवजन्य भाषा डेटा को मान्य कराना।
- समुदाय आधारित कार्यशालाओं का आयोजन करना और सामाजिक–सांस्कृतिक जोर देना।
- समाज और भाषण समुदायों को संवेदनशील बनाने के लिए भाषा खतरे का अलार्म विकसित करना।

दीर्घकालिक योजना

- लुप्तप्राय भाषाओं के लिए एक पूर्ण कम्प्यूटेशनल भाषाई केंद्र स्थापित करना और आदिवासी समुदायों का सांस्कृतिक अध्ययन करना।
- लुप्तप्राय भाषा केंद्र, जीजीवी में एक राष्ट्रीय लोकगीत संग्रहालय और एक लुप्तप्राय भाषा संग्रह स्थापित करना।
- स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षणिक कार्यक्रमों को मजबूत करना और लुप्तप्राय भाषाओं और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान पर विभिन्न स्तर के पाठ्यक्रम शुरू करना।
- देश की भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण में योगदान देना।
- भारत में लुप्तप्राय भाषाओं और समुदायों के नीति निर्माण में योगदान देना।
- छत्तीसगढ़ और मध्य भारतीय राज्यों की लुप्तप्राय भाषाओं के लिए विभिन्न एनएलपी सिस्टम विकसित करना।
- क्षेत्रीय भाषाओं में डिजिटल इंडिया की प्रक्रियाओं को मजबूत करना।
- लुप्तप्राय भाषाओं के लिए एक ऑनलाइन भाषा सूचना केंद्र स्थापित करना।
- अंतर–भाषाई समुदायों के लिए भाषा सीखने के उपकरण और भाषा खेल विकसित करना।

लुप्तप्राय भाषा केंद्र संचालन एवं निगरानी समिति के स्थापना केंद्र की गतिविधियाँः

पहली परिचालन और निगरानी समिति की स्थापना LN-2592/Dev/2018, दिनांक 13.02.2018 के तहत की गई थी, जिसमें समन्वयक के रूप में जीजीवी के मानव विज्ञान और जनजातीय विकास के तीन सदस्य और अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग और कंप्यूटर विज्ञान विभाग प्रत्येक से एक–एक सदस्य शामिल थे।

मध्यावधि समीक्षा समिति की सिफारिशों पर जीजीयू ने परिचालन समिति का दायरा बढ़ाया। वर्तमान में, संचालन एवं निगरानी समिति में विश्वविद्यालय के विभिन्न संबंधित विभागों से निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं **(अनुलग्नक–6)**। जो कि इस प्रकार हैंः

श्री अमितेश झा, सहायक प्रध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,

डॉ. अनुराग चौहान, सह–प्रध्यापक, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग,

डॉ. राजेश माहुले, सहायक प्रध्यापक, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,

डॉ. रजवंत सिंह राव, सहायक प्रध्यापक, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग,
लुप्तप्राय भाषा केंद्र के समन्वयक के रूप में मानव विज्ञान और जनजातीय विकास विभाग के मानव विज्ञान विभाग से प्रोफेसर नीलकंठ पाणिग्रही।
संचालन एवं निगरानी समिति के मार्गदर्शन में केन्द्र की प्रमुख गतिविधियाँ संचालित हो रही हैं।

कर्मचारियों की भर्ती: लुप्तप्राय भाषा केंद्र ने शिक्षण और सहायक कर्मचारियों के लिए विभिन्न परियोजना स्तर के पदों की भर्ती के लिए दिशानिर्देश/योग्यताएं तैयार की हैं। विश्वविद्यालय ने भाषाई पृष्ठभूमि वाले दो सहायक प्रध्यापकों की भर्ती की है, जिनमें से एक को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के लुप्तप्राय भाषा केंद्र में काम करने का अनुभव है। निगरानी समिति के सुझावों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने भाषा विज्ञान में विशेषज्ञता वाले रिसर्च एसोसिएट के एक पद पर भर्ती के लिए कदम उठाया है।

लुप्तप्राय भाषा केंद्र की स्थापना: लुप्तप्राय भाषा केंद्र जीजीवी वर्तमान में एक अलग इमारत में काम कर रहा है जिसमें 4 बड़े कमरे हैं और कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सीईएल को 7 छोटे कमरे आवंटित किए गए हैं, यथा– डिजिटल भाषा से संबंधित डेटा बेस स्टूडियो और कंप्यूटर लैब, कक्षा, सम्मेलन कक्ष, संकाय कक्ष, पुस्तकालय और कार्यालय।

कार्यालय परिसर: कार्यालय में उपयोग के लिए सभी फिक्स्चर और फर्नीचर खरीदे गए हैं। इनमें अलमारी, कार्यालय की मेज और कुर्सी, रैक, बुक शेल्फ, दोनों प्रकार के प्रिंटर, एडीएफ स्कैनर आदि शामिल हैं।

2.6 डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र (डीएसीई)

डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई), गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए एक मुफ्त कोचिंग केंद्र है। डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) की स्थापना सामाजिक रूप से वंचितों की सेवा करने और राष्ट्र और समुदाय की सेवा करने की संस्कृति को विकसित करने के सबसे मजबूत लक्ष्य के साथ की गई है।

यह केंद्र यूपीएससी की प्रारंभिक और मुख्य परीक्षाओं के लिए कोचिंग प्रदान करता है। भारत सरकार का सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय केंद्र को वित्त–पोषित कर रहा है। प्रवेश परीक्षा के माध्यम से छात्रों को कोचिंग के लिए चुना जाता है। वे समय–समय पर परीक्षण और मूल्यांकन के साथ–साथ निर्देश प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला है, जिन्हें छात्रों को वर्तमान और प्रासंगिक सामग्री तक पहुंच प्रदान करने के लिए नियमित रूप से जाँच कर अद्यतित किया जाता है।

दायरा और कार्यक्षेत्र:

डीएसीई केवल यूपीएससी द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों को विशेष कोचिंग प्रदान करता है।

उद्देश्य:

इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति के छात्रों को सर्वोत्तम और मुफ्त कोचिंग सुविधाएं प्रदान करके प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं हेतु सशक्त बनाना है।

ध्येय:

- अनुसूचित जाति के छात्रों को यूपीएससी के लिए आयोजित परीक्षाओं में भाग लेने के लिए अकादमिक

उत्कृष्टता का एक मंच प्रदान करना।

- शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदाय को शेष समाज के बराबर लाना और उन्हें उत्कृष्ट बनाना।
- अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध कराना।
- योजना का उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली निःशुल्क कोचिंग सुविधाएं प्रदान करना है।
- निःशुल्क कोचिंग सुविधाएं, परीक्षण और मूल्यांकन प्रदान करना।

विभाग की गतिविधियाँ

नशा मुक्ति अभियान– डॉ. अम्बेडकर फाउंडेशन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, भारत सरकार से प्राप्त निर्देशों के अनुसरण में और जीजीवी के सक्षम अनुमोदन के बाद, डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (डीएसीई) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) जीजीवी की इकाई ने आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) के हिस्से के रूप में नशा मुक्ति अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 4 अगस्त, 2022 को संयुक्त रूप से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

एक्स–टेम्पो/वाद–विवाद प्रतियोगिता– छात्रों के बीच विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, एक एक्स–टेम्पो/वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। एनीमेशन वीडियो के माध्यम से कॉन्सेप्ट क्लीयरेंस सत्र और एक साप्ताहिक परीक्षण भी नियमित आधार पर आयोजित किया गया।

डॉ. अम्बेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस– 6 दिसंबर, 2022 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा डॉ. अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षण कर्मचारी, पदाधिकारी, अन्य आमंत्रित अतिथि, और यूपीएससी कोचिंग सेंटर में डीएसीई के छात्र भी शामिल हुए। ।

शैक्षणिक भ्रमण– डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केन्द्र के विद्यार्थियों को बिलासपुर के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तारामंडल में शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। वहां छात्रों ने ब्रह्मांड की उत्पत्ति और सौर मंडल के बारे में सीखा।

विशिष्ट व्याख्यान– डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र के छात्रों को विशेषज्ञों के माध्यम से लगातार क्षेत्र विशेष का गहन ज्ञान प्रदान किया गया। इसी क्रम में 2022 बैच के आईएएस श्री रितेश कुमार को व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया। श्री रितेश ने ऑनलाइन माध्यम से विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर दिया तथा परीक्षा के भय को कैसे दूर करें तथा उसकी अच्छे से तैयारी कैसे करें जैसी महत्वपूर्ण बातें बताईं।

आशु भाषण प्रतियोगिताः छात्रों में नशीली दवाओं की लत के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता लाने के लिए विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। लगभग 20 छात्र आगे आते हुए विषय पर शानदार ढंग से अपनी बात रखी। अंत में, जूरी ने तीन विजेताओं (प्रथम, द्वितीय और तृतीय) का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

मानव संसाधन

आज़ादी का
अमृत महोत्सव
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
बिलासपुर, छत्तीसगढ़
गुरु घासीदास जयंती
एवं
कुल-उत्सव
18
दिसम्बर

3. मानव संसाधन प्रोफाइल

3.1 शैक्षणिक स्टाफ

(31 मार्च 2023 तक)

वर्ग	स्वीकृत पद							भरे हुए पद						
	सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	ईडब्ल्युएस	दिव्यांग	कुल	सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	ईडब्ल्युएस	दिव्यांग	कुल
प्राध्यापक	26	08	04	15	05	(-) 01	58	09	01	01	06	03	-	20
सह–प्राध्यापक	45	16	08	28	10	(-) 04	107	32	09	0	22	03	-	66
सहायक प्राध्यापक	111	40	20	72	26	(-) 14	269	104	39	20	66	24	(-) 12	253
कुल	182	64	32	115	41	(-) 19	434	145	49	21	94	30	(-) 12	339

3.2 गैर–शैक्षणिक स्टाफ

(31 मार्च 2023 तक)

वर्ग	स्वीकृत पद	भरे हुए पद						
		सामान्य	अजा	अजजा	अपिव	ईडब्ल्युएस	दिव्यांग	कुल
ग्रुप "ए"	35+08*	16	01	01+01*	03+01*	-	-	21+02*
ग्रुप "बी"	59+06*	05	01	03	03	-	-	12
ग्रुप "सी" एवं ग्रुप "डी"(सफाई कर्मियों को छोड़कर)	354+39*	54+13*	17+04*	30+03*	62+12*	13	(-)04	176+34*
कुल	448+53*	75+13*	19+4*	34+4*	68+13*	13	(-)04	209+34*

*कार्यपरिषद द्वारा स्वीकृत पद

छात्र सांख्यिकी एवं सुविधाएं

4.1 छात्र क्षमता

4.1.1 कुल छात्र

विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभाग	पु.	म.	लिंगेतर	योग
	5881	3998	0	9879

4.1.2 नए नामांकन

विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभाग	पु.	म.	लिंगेतर	योग
	2153	1435	0	3588

4.1.3 विश्वविद्यालय के शैक्षिक विभागों में छात्र संख्या

SN	Dept./Course	Intake	GEN				SC				ST				OBC				EWS				Supernumarari / J&K/ Emply/				Total				PWD				Minority			
1	English		M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL	M	F	TG	TOTAL
	BA-I	75	12	22		34	4	2		6	0	4		4	4	16		20	0	1		1	2	1		3	22	46		68				0				0
	BA-III	75	1	12		13	3	8		11	1	4		5	12	21		33	2	3		5				0	19	48		67				0				0
	BA-V	75	6	13		19	4	6		10	1	1		2	10	18		28				0	0	2		2	21	40		61				0				0
	MA-I	65	11	18		29	1	1		2	1	2		3	3	2		5	0	3		3				0	16	26		42				0				0
	MA-III	65	2	9		11	4	3		7	2	5		7	11	13		24	2	1		3				0	21	31		52				0				0
	PhD	20	4	4		8	1	2		3	0	0		0	5	1		6								0	10	7		17				0				0

2	Hindi																																					
	BA-I	75	4	2	0	6	6	1	0	7	6	0	0	6	7	4	0	11	2	0	0	2	1	0	0	1	26	7	0	33	0	0	0	0	0	0	0	0
	BA-III	75	2	2	0	4	7	1	0	8	3	3	0	6	6	6	0	12	0	0	0	0	0	1	0	1	18	13	0	31	0	0	0	0	0	0	0	0
	BA-V	75	2	2	0	4	5	2	0	7	0	0	0	0	4	4	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0	11	8	0	19	0	0	0	0	0	0	0	0
	MA - I	40	3	2	0	5	3	1	0	4	1	2	0	3	7	5	0	12	0	2	0	2	0	0	0	0	14	12	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0
	MA-III	40	0	0	0	0	0	4	0	4	0	2	0	2	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	1	7	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	18	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	3	1	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
3	Library & I.Sc.																																					
	B.Lib.& I.Sc I Sem.	75	2	4	0	6	3	5	0	8	2	1	0	3	10	6	0	16	0	0	0	0	0	0	0	0	17	16	0	33	0	0	0	0	1	0	0	1
	M.Lib.& Inf.Sc. I Sem.	62	2	2	0	4	2	2	0	4	2	6	0	8	9	11	0	20	1	0	0	1	0	0	0	0	16	21	0	37	0	0	0	0	2	3		5
	Ph.D.	6				0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0

4	Journalism & M.C.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
	BA-I	75	11	13	0	24	1	5	0	6	1	3	0	4	8	10	O	18	4	1	0	5	1	0	0	1	26	32	0	58	0	0	0	0	1	1	0	2
	BA-III	75	8	7	0	15	3	2	0	5	1	1	0	2	9	8	0	17	0	1	0	1	0	0	0	0	21	19	0	40	0	0	0	0	0	0	0	0
	BA-V	75	7	16	0	23	5	4	0	9	4	3	0	7	7	10	0	17	0	0	0	0	1	0	0	1	24	33	0	57	0	0	0	0	0	0	0	0
	MA-I	40	9	3	0	12	0	0	0	0	1	1	0	2	1	4	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	11	8	0	19	0	0	0	0	0	0	0	0
	MA-III	40	7	7	0	14	3	1	0	4	1	1	0	2	6	2	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0	17	11	0	28	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	10	3	2	0	5	2	0	0	2	0	0	0	0	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	7	3	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0
						0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
5	Chemical Engg.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
	B.Tech. I Sem.	75	8	1		9	7	2		9	4	1		5	30	8		38	6	5		11	0	0	0	0	55	17	0	72	0	0	0	0	1	0		1
	B.Tech. III Sem	75	9	2		11	11	4		15	4	2		6	15	2		17	4	4		8	0	0	0	0	43	14	0	57					1	0		1

	B.Tech.V Sem.	75	20	1		21	6	3		9	3	1		4	9	9		18	4	1		5	0	0	0	0	42	15		57	1				2	0		2
	B.Tech.VII Sem.	75	9	4		13	4	3		7	3	0		3	19	2		21	4	0		4	0	0	0	0	39	9		48	0	0	0	0	2	0		2
	M.Tech I Sem.	23				0				0				0				0				0				0	0	0		0								
	M.Tech III Sem.	23				0				0				0				0				0				0	0	0		0								
	Ph.D.	16	1	2		3	0	0		0	0	0		0	3	0		3	0	0		0				0	4	2		6	0	0	0	0	0	0	0	0
6	Civil Engg.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
	B.Tech. I Sem.	50	14	6	0	20	7	1	0	8	3	1	0	4	9	4	0	13	4	1	0	5	0	0	0	0	37	13	0	50	1	0	0	1	5	0	0	5

	B.Tech.III Sem.	50	16	1	0	17	5	2	0	7	3	1	0	4	10	3	0	13	3	2	0	5	0	0	0	0	37	9	0	46	0	0	0	0	2	1	0	3
	B.Tech.V Sem.	50	18	2	0	20	7	0	0	7	4	0	0	4	9	4	0	13	3	2	0	5	0	0	0	0	41	8	0	49	1	0	0	1	5	0	0	5
	B.Tech.VII Sem.	50	24	1	0	25	9	2	0	11	2	2	0	4	14	1	0	15	5	1	0	6	0	0	0	0	54	7	0	61	1	0	0	1	1	0	0	1
	M.Tech I Sem.	23	9	1	0	10	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	2	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Tech-II	23	6	2	0	8	2	1	0	3	1	0	0	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	10	3	0	13	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	18	4	1		5	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	1	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0
7	Com.Sc.Engg.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0

	B.Tech.I Sem.	75	11	2	0	13	10	2		12	5	1		6	30	2	0	32	11	1	0	12				0	67	8		75	1	0		1				0
	B.Tech.III Sem.	75	8	3	0	11	12	0		12	6	0	0	6	26	2	0	28	13	4	0	17				0	65	9		74	0	1		1				0
	B.Tech.V Sem.	75	10	1		11	10	0		10	4	1		5	24	2		26	14	3		17				0	62	7		69				0	2	0		2
	B.Tech.VII Sem.	75	7	2		9	10	2		12	4	0		4	34	3		37	12	1		13				0	67	8		75				0				0
	M.Tech.I Sem	23	2	1		3	1	0		1	1	0		1	2	1		3				0				0	6	2		8				0				0
	M.Tech-II	23	1	3		4	0	0		0	0	0		0	0	1		1	1	0		1				0	2	4		6				0				0
	Ph.D.	10	0	2	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1				0				0	2	2	0	4				0				0

8	Electronics&Com.Engg.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
	B.Tech.I Sem.	75	26	4	0	30	6	5	0	11	5	0	0	5	17	3	0	20	8	0	0	8	0	0	0	0	62	12	0	74	0	0	0	0	5	2	0	7
	B.Tech.III Sem.	75	19	6	0	25	6	4	0	10	3	3	0	6	14	5	0	19	8	1	0	9	0	0	0	0	50	19	0	69	0	0	0	0	2	1	0	3
	B.Tech.V Sem.	75	20	8	0	28	9	1	0	10	5	1	0	6	16	2	0	18	3	1	0	4	0	0	0	0	53	13	0	66	1	0	0	1	1	0	0	1
	B.Tech.VII Sem.	75	27	2	0	29	8	1	0	9	3	0	0	3	20	4	0	24	11	2	0	13	0	0	0	0	69	9	0	78	0	0	0	0	1	0	0	1
	M.Tech 1st	23	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	2	0	5	0	0	0	0	1	1	0	2

	M.Tech.II	23	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	14	4	3	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	3	0	7	0	0	0	0	1	0	0	1
						0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
9	Industrial&Prod.Engi.					0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
	B.Tech.I Sem.	75	28	2	0	30	4	3	0	7	2	2	0	4	15	4	0	19	5	3	0	8	0	0	0	0	54	14	0	68	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Tech.III Sem.	75	10	1	0	11	2	3	0	5	4	2	0	6	7	0	0	7	2	0	0	2	0	0	0	0	25	6	0	31	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Tech.V Sem.	75	10	1	0	11	7	6	0	13	5	2	0	7	12	1	0	13	2	0	0	2	0	0	0	0	36	10	0	46	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Tech.VII Sem.	75	13	0	0	13	7	2	0	9	3	0	0	3	14	2	0	16	1	0	0	1	0	0	0	0	38	4	0	42	0	0	0	0	0	0	0	0

	M.Tech. I	23	2	4	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	3	4	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Tech. II	23				0				0				0				0				0				0	0	0		0					0			0
	Ph.D.	12	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
10	Information Technology																																					
	B.Tech. I Sem.	75	29	1	0	30	11	0	0	11	5	1	0	6	19	2	0	21	7	0	0	7	0	0	0	0	71	4	0	75	0	0	0	0	2	0	0	2
	B.Tech. III Sem.	75	5	4	0	9	9	2	0	11	5	1	0	6	31	5	0	36	5	3	0	8				0	55	15	0	70								
	B.Tech. V Sem.	75	4	2	0	6	8	3	0	11	4	1	0	5	31	3	0	34	11	1	0	12				0	58	10	0	68	0	0	0	0	5	0	0	5

	B.Tech.VII Sem.	75	13	4	0	17	9	5	0	14	2	3	0	5	32	6	0	38	7	1	0	8	0	0	0	0	63	19	0	82	0	0	0	0	3	1	0	4
	M.Tech.	23	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Tech.II	23	2	1	0	3	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	2	3	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	10	3			3				0				0	1			1				0				0	4	0		4								
						0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
11	Mech.Engg																																					
	B.Tech.I Sem.	75	16	0		16	7	3		10	8	0		8	30	4		34	7	0		7				0	68	7		75				0				0
	B.Tech.III Sem.	75	6	3		9	17	6		23	8	2		10	26	5		31	1	0		1				0	58	16		74				0				0
	B.Tech.V Sem.	75	7	3		10	10	1		11	6	0		6	30	8		38	7	0		7				0	60	12		72				0				0

	B.Tech.VIII Sem.	75	14	1		15	11	0		11	7	0		7	33	5		38	4	0		4				0	69	6		75				0				0
	M.Tech.I Sem.	23	1	1		2	4	0		4	0	0		0	2	1		3	0	0		0				0	7	2		9				0				0
	M.Tech.III Sem.	23	2	0		2	0	0		0	1	0		1	0	0		0	0	0		0				0	3	0		3				0				0
	Ph.D.	18	0	1		1	2	0		2	0	0		0	1	1		2	0	0		0				0	3	2		5				0				0
12	Law																																					
	Inte.B.A.L.L.B.I Sem.	120	21	27	0	48	10	8	0	18	3	6	0	9	18	12	0	30	7	5	0	12				0	59	58		117	0	1	0	1	2	4	0	6
	Inte.B.A.L.L.B.III Sem.	75	21	10	0	31	3	5	0	8	2	2	0	4	7	9	0	16	6	0	0	6				0	39	26		65	0	0	0	0	1	3	0	4

	Inte.B.A. L.L.B.V Sem.	75	10	10	0	20	6	6	0	12	0	6	0	6	12	10	0	22	4	3	0	7				0	32	35		67	0	0	0	0	1	0	0	1
	Inte.B.A. L.L.B.VII Sem.	75	12	9	0	21	6	4	0	10	2	3	0	5	11	11	0	22	5	4	0	9				0	36	31		67	0	0	0	0	3	1	0	4
	Inte.B.A. L.L.B.IX Sem.	60	4	12	0	16	4	5	0	9	0	4	0	4	17	12	0	29	0	0	0	0				0	25	33		58	0	0	0	0	0	1	0	1
	Inte.B.Com.L.L.B.I Sem.	120	31	18	0	49	10	7	0	17	3	5	0	8	25	6	0	31	9	2	0	11				0	78	38		116	0	0	0	0	4	6	0	10
	Inte.B.Com.L.L.B.III Sem.	75	21	9	0	30	5	6	0	11	3	1	0	4	12	7	0	19	4	3	0	7				0	45	26		71	0	0	0	0	1	3	0	4

	Inte.B.Com.L.L.B.V Sem.	75	15	10	0	25	7	8	0	15	3	4	0	7	14	14	0	28	3	1	0	4				0	42	37		79	0	0	0	0	1	1	0	2
	Inte.B.Com.L.L.B.VII Sem.	75	12	8	0	20	2	5	0	7	3	3	0	6	13	12	0	25	5	2	0	7				0	35	30		65	0	1	0	1	1	4	0	5
	Inte.B.Com.L.L.B.IX Sem.	60	11	12	0	23	2	4	0	6	1	2	0	3	6	8	0	14	0	0	0	0				0	20	26		46	0	0	0	0	2	0	0	2
	Ph.D.	8	3	0	0	3				0				0				0				0				0	3	0		3				0				0
	LLM	60	3	3	0	6				0				0				0				0				0	3	3		6				0				0
13	Anthropology																																					
	BA I	25	4	6	0	10	2	0	0	2	1	0	0	1	2	0	0	2	0	0	0	0				0	9	6		15				0				0
	BA III	25	3	4	0	7	0	2	0	2	2	1	0	3	2	3	0	5	0	0	0	0				0	7	10		17				0				0
	BA V	25	1	6	0	7	2	0	0	2	1	1	0	2	1	3	0	4	0	0	0	0				0	5	10		15				0				0
	MA I	25	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0				0	1	1		2				0				0
	MA III	25	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0				0	1	2		3				0				0

	B.Sc.I	50	6	5	0	11	2	4	0	6	1	4	0	5	2	3	0	5	0	0	0	0				0	11	16		27				0				0
	B.Sc III Sem.	50	4	3	0	7	2	5	0	7	2	2	0	4	9	10	0	19	0	1	0	1				0	17	21		38				0				0
	B.Sc.V Sem.	50	1	5	0	6	6	5	0	11	2	4	0	6	5	9	0	14	0	0	0	0				0	14	23		37				0				0
	M.Sc.I Sem.	25	0	2	0	2	0	4	0	4	0	0	0	0	2	3	0	5	0	1	0	1				0	2	10		12				0				0
	M.Sc.III Sem.	25	1	1	0	2	2	2	0	4	0	0	0	0	1	6	0	7	0	0	0	0				0	4	9		13				0				0
	PGDCL	15	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0				0	1	0		1				0				0
	CCCL	20	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0				0	0	0		0				0				0
	Ph.D.	10	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0				0	0	0		0				0				0
						0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
						0				0				0				0				0				0	0	0		0				0				0
14	Botany																																					
	B.Sc I Sem.	75	16	16	0	32	7	4	0	11	1	4	0	5	8	12	0	20	0	0	0	0	1	0	0	1	33	36		69				0				0

	B.Sc III Sem.	75	3	8	0	11	6	9	0	15	2	6	0	8	8	18	0	26	0	0	0	0	0	1	0	1	19	42		61				0				0
	B.Sc. V Sem.	75	2	10	0	12	5	7	0	12	4	1	0	5	13	16	0	29	0	0	0	0	0	0	0	0	24	34		58				0				0
	M.Sc. I Sem.	50	9	12	0	21	4	3	0	7	1	2	0	3	5	8	0	13	1	3	0	4	0	0	0	0	20	28		48				0				0
	M.Sc. III Sem.	50	3	5	0	8	1	4	0	5	0	3	0	3	9	15	0	24	0	2	0	2	0	0	0	0	13	29		42				0				0
	Ph.D.	34	8	8	0	16	1	3	0	4	1	0	0	1	2	2	0	4	1	1	0	2	0	0	0	0	13	14		27				0				0
15	Zoology																																					
	B.Sc I Sem.	75	11	21	0	32	3	8	0	11	1	4	0	5	9	11	0	20	2	5	0	7	0	1	0	1	26	50	0	76	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Sc III Sem.	75	6	7	0	13	9	5	0	14	3	4	0	7	8	12	0	20	1	5	0	6	0	1	0	1	27	34	0	61	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Sc. V Sem.	75	6	9	0	15	5	9	0	14	0	6	0	6	4	26	0	30	0	0	0	0	0	0	0	0	15	50	0	65	1	0	0	1	0	0	0	0

	M.Sc. I Sem.	50	8	14	0	22	2	5	0	7	2	1	0	3	3	9	0	12	2	3	0	5	0	0	0	0	17	32	0	49	1	0	0	1	0	0	0	0
	M.Sc. III Sem.	50	2	9	0	11	4	4	0	8	1	1	0	2	6	11	0	17	0	3	0	3	0	1	0	1	13	29	0	42	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	38	4	11	0	15	1	4	0	5	0	1	0	1	5	4	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0	10	20	0	30	0	0	0	0	0	0	0	0
16	Commerce																																					
	B.Com-I	240	21	26	0	47	18	16	0	34	11	15	0	26	64	30	0	94	19	7	0	26	7	3	0	10	140	97	0	237	4	2	0	6	6	7	0	13
	B.Com-III	240	24	21	0	45	32	19	0	51	16	5	0	21	63	35	0	98	13	11	0	24	9	3	0	12	157	94	0	251	1	0	0	1	2	0	0	2
	B.Com-V	240	18	19	0	37	20	12	0	32	19	10	0	29	58	39	0	97	10	9	0	19	0	1	0	1	125	90	0	215	3	0	0	3	2	4	0	6
	M.Com-I	50	3	7	0	10	5	3	0	8	3	0	0	3	7	10	0	17	0	1	0	1	1	0	0	1	19	21	0	40	0	0	0	0	0	3	0	3
	M.Com-III	50	5	8	0	13	3	6	0	9	4	1	0	5	7	11	0	18	1	2	0	3	0	1	0	1	20	29	0	49	1	0	0	1	0	1	0	1
	Ph.D.	38	3	10	0	13	4	2	0	6	0	2	0	2	7	4	0	11	1	2	0	3	0	0	0	0	15	20	0	35	0	0	0	0	2	3	0	5

17	Management																																					
	M.B.A. I Sem.	50	3	9	0	12	4	4	0	8	2	2	0	4	12	9	0	21	3	2	0	5	0	0	0	0	24	26	0	50	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.B.A. III Sem.	50	5	8	0	13	1	0	0	1	1	0	0	1	6	5	0	11	2	0	0	2	0	0	0	0	15	13	0	28	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	18	0	4	0	4	0	0	0	0	0	1	0	1	2	3	0	5	1	0	0	1	0	0	0	0	3	8	0	11	0	0	0	0	0	0	0	0
18	CSIT																																					
	MCA (First Sem)	75	6	2	0	8	8	3	0	11	4	2	0	6	26	9	0	35	9	0	0	9	0	0	0	0	53	16		69	1	0	0	1	5	0	0	5
	MCA (Third Sem)	75	9	2	0	11	6	5	0	11	1	3	0	4	24	8	0	32	4	2	0	6	0	0	0	0	44	20		64	0	0	0	0	2	0	0	2
	MCA (Fifth Sem)		0	0	0	0	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1		2	0	0	0	0	0	0	0	0

	BCA (First Sem)	60	7	3	0	10	5	1	0	6	8	3	0	11	18	2	0	20	2	2	0	4	0	0	0	0	40	11		51				0				0
	M.sc C.S.1 sem 2022-23	35	2	1	0	3	3	1	0	4	2	1	0	3	9	5	0	14	0	0	0	0	0	0	0	0	16	8		24				0				0
	M.sc C.S.3rd sem	35	11	5	0	16	0	1	0	1	0	1	0	1	2	2	0	4	0	1	0	1	0	0	0	0	13	10		23				0				0
	B.Sc 1 sem 2022-23	75	19	4	0	23	10	3	0	13	3	4	0	7	20	5	0	25	6	1	0	7	1	0	0	1	59	17		76				0				0
	B.Sc 3 sem	75	8	6	0	14	10	3	0	13	3	2	0	5	21	5	0	26	4	3	0	7	0	0	0	0	46	19		65				0				0
	B.Sc 5 sem	75	7	0	0	7	9	2	0	11	3	1	0	4	25	10	0	35	2	2	0	4	0	0	0	0	46	15		61				0				0
	Ph.D	9	2	1	0	3	2	0	0	2	0	0	0	0	2	1	0	3	1	0	0	1	0	0	0		7	2		9				0				0

19	Mathematics																																					
	B.Sc I Sem.	75	4	2	0	6	6	7	0	13	2	4	0	6	32	13	0	45	3	2	0	5	1	2	0	3	48	30	0	78	0	0	0	0	2	2	0	4
	B.Sc III Sem.	75	6	2	0	8	6	5	0	11	0	3	0	3	20	18	0	38	3	2	0	5	1	2	0	3	36	32	0	68	0	0	0	0	1	0	0	1
	B.Sc. V Sem.	75	10	5	0	15	7	5	0	12	0	3	0	3	20	21	0	41	0	0	0	0	1	0	0	1	38	34	0	72	0	0	0	0	1	0	0	1
	M.Sc. I Sem.	60	5	3	0	8	9	2	0	11	2	2	0	4	20	10	0	30	1	4	0	5	0	0	0	0	37	21	0	58	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. III Sem.	60	4	4	0	8	8	2	0	10	3	0	0	3	11	11	0	22	1	1	0	2	1	1	0	2	28	19	0	47	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	38	4	1	0	5	1	0	0	1	0	1	0	1	4	4	0	8	0	0	0	0	0	0	0	0	9	6	0	15	0	0	0	0	0	0	0	0
20	Forestry																																					

	B.Sc.(Forestry) I Sem.	75	6	6	0	12	6	6	0	12	2	4	0	6	25	8	0	33	3	3	0	6	0	0	0	0	42	27	0	69	0	0	0	0	1	2	0	3
	B.Sc.(Forestry) III Sem.	75	5	5	0	10	2	6	0	8	7	2	0	9	20	9	0	29	3	2	0	5	0	0	0	0	37	24	0	61	0	0	0	0	4	0	0	4
	B.Sc.(Forestry) V Sem.	75	6	14	0	20	4	4	0	8	5	3	0	8	17	8	0	25	4	1	0	5	0	0	0	0	36	30	0	66	0	0	0	0	2	1	0	3
	B.Sc.(Forestry) VII Sem.	75	5	5	0	10	8	4	0	12	4	2	0	6	18	10	0	28	3	4	0	7	0	0	0	0	38	25	0	63	0	0	0	0	0	2	0	2

	M.Sc.(Forestry) I Sem.	37	4	4	0	8	3	5	0	8	1	2	0	3	5	2	0	7	2	0	0	2	0	0	0	0	15	13	0	28	0	0	0	0	2	2	0	4
	M.Sc.(Forestry) III Sem.	37	2	3	0	5	2	1	0	3	1	3	0	4	12	6	0	18	2	1	0	3	0	0	0	0	19	14	0	33	0	0	0	0	0	2	0	2
	Ph.D.	56	5	7	0	12	0	1	0	1	0	2	0	2	7	5	0	12	1	0	0	1	0	0	0	0	13	15	0	28	0	0	0	0	1	1	0	2
21	Pharmacy																																					
	B.Pharm. I Sem.	75	19	6	0	25	6	3	0	9	2	2	0	4	15	1	0	16	5	1	0	6	0	1	0	1	47	14	0	61	2	0	0	2	1	1	0	2
	B.Pharm.III Sem.	81	26	9	0	35	7	5	0	12	1	4	0	5	17	5	0	22	5	2	0	7	0	0	0	0	56	25	0	81	3	0	0	3				0

	B.Pharm. V Sem.	81	17	18	0	35	8	2	0	10	5	0	0	5	15	7	0	22	3	5	0	8	3	0	0	3	51	32	0	83	0	0	0	0	5	0	0	5
	B.Pharm.VII Sem.	72	19	12	0	31	8	3	0	11	3	3	0	6	10	13	0	23	2	4	0	6	0	0	0	0	42	35	0	77	2	0	0	2	2	1	0	3
	M.Pharm.(Pharmaceutics) I Sem.	66	12	15	0	27	3	5	0	8	3	1	0	4	7	8	0	15	1	3	0	4	0	0	0	0	26	32	0	58	0	2	0	2	1	1	0	2
	M.Pharm.(Pharmaceutics) III Sem.	66	15	9	0	24	4	4	0	8	1	0	0	1	10	7	0	17	0	5	0	5	0	0	0	0	30	25	0	55	0	0	0	0	0	1	0	1

	D.Pharm. I Sem.	75	19	6	0	25	6	3	0	9	2	2	0	4	15	1	0	16	5	1	0	6	0	0	0	0	47	13	0	60	2	0	0	2	1	1	0	2
	D.Pharm. II Sem.	75	20	11	0	31	5	6	0	11	2	3	0	5	11	9	0	20	3	4	0	7	0	0	0	0	41	33	0	74	1	0	0	1	0	5	0	5
	Ph.D.	110	4	4	0	8	1	1	0	2	0	1	0	1	3	5	0	8	1	0	0	1	0	0	0	0	9	11	0	20	0	0	0	0				0
22	Chemistry																																					
	B.Sc I Sem.	75	6	11	0	17	8	6	0	14	1	4	0	5	16	17	0	33	4	2	0	6	0	0	0	0	35	40		75				0				0
	B.Sc. III Sem.	75	10	18	0	28	9	1	0	10	3	2	0	5	6	13	0	19	2	4	0	6	0	3	0	3	30	41		71				0				0
	B.Sc. V Sem.	75	12	12	0	24	4	3	0	7	0	4	0	4	6	11	0	17	3	3	0	6				0	25	33		58				0				0
	M.Sc. I Sem.	60	13	11	0	24	6	3	0	9	2	2	0	4	8	8	0	16	3	3	0	6	0	0	0	0	32	27	0	59	0	0	0	0	0	0	0	0

	M.Sc. III Sem.	60	16	9	0	25	2	7	0	9	3	1	0	4	6	9	0	15	5	1	0	6	0	0	0	0	32	27	0	59	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	70	3	7	0	10	0	3	0	3	0	2	0	2	0	5	0	5	0	1	0	1				0	3	18		21				0				0
23	Electronics																																					
	B.Sc I Sem.	75	5	5	0	10	3	2	0	5	1	1	0	2	18	5	0	23	0	1	0	1	0	0	0	0	27	14	0	41	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Sc III Sem.	75	4	5	0	9	4	1	0	5	5	1	0	6	12	7	0	19	0	0	0	0	1	0	0	1	26	14	0	40	0	0	0	0	1	0	0	1
	B.Sc. V Sem.	75	10	7	0	17	2	0	0	2	1	0	0	1	7	5	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	20	12	0	32	0	0	0	0	2	0	0	2
	M.Sc. I Sem.	35	3	2	0	5		1	0	1	1	0	0	1	8	2	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0	12	5	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. III Sem.	35	2	3	0	5	0	1	0	1	1	0	0	1	2	1	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	5	5	0	10	0	0	0	0	1	0	0	1
	Ph.D.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

24	Physics																																					
	B.Sc I Sem.	75	9	4	0	13	10	3	0	13	4	3	0	7	18	17	0	35	1	2	0	3	2	0	0	2	44	29	0	73	0	0	0	0	3	0	0	3
	B.Sc III Sem.	75	14	2	0	16	8	3	0	11	3	1	0	4	16	12	0	28	1	2	0	3	0	1	0	1	42	21	0	63	0	0	0	0	0	2	0	2
	B.Sc. V Sem.	75	11	4	0	15	8	3	0	11	3	1	0	4	17	12	0	29	4	0	0	4	0	0	0	0	43	20	0	63	0	0	0	0	1	1	0	2
	M.Sc. I Sem.	60	11	3	0	14	6	3	0	9	3	1	0	4	18	9	0	27	6	0	0	6	0	2	0	2	44	18	0	62	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. III Sem.	60	10	2	0	12	5	2	0	7	3	3	0	6	19	10	0	29	3	3	0	6	1	0	0	1	41	20	0	61	1	0	0	1	0	0	0	0
	Ph.D.	66	4	8	0	12	2	0	0	2	0	1	0	1	4	2	0	6	1	0	0	1	0	0	0	0	11	11	0	22	0	0	0	0	0	0	0	0
25	Economics																																					
	BA-I	75	17	14	0	31	8	0	0	8	3	3	0	6	11	6	0	17	2	1	0	3	2	0	0	2	43	24	0	67	0	1	0	1	5	1	0	6
	BA-III	75	18	12	0	30	3	6	0	9	4	1	0	5	10	7	0	17	0	2	0	2	2	0	0	2	37	28	0	65	0	0	0	0	0	1	0	1

	BA-V	75	12	15	0	27	7	3	0	10	3	2	0	5	12	5	0	17	1	1	0	2	0	0	0	0	35	26	0	61	0	1	0	1	0	1	0	1
	MA-I	40	8	7	0	15	1	1	0	2	1	0	0	1	1	1	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	12	9	0	21	0	0	0	0	3	0	0	3
	MA-III	40	6	10	0	16	1	3	0	4	1	2	0	3	2	3	0	5	0	1	0	1	0	0	0	0	10	19	0	29	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	24	3	1	0	4	3	0	0	3	1	2	0	3	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	10	5	0	15	0	0	0	0	0	1	0	1
26	History																																					
	BA-I	75	22	12		34	4	5		9	4	3		7	13	7		20	2	2		4	1	1		2	46	30		76				0				0
	BA-III	75	18	9		27	9	2		11	3	1		4	13	4		17		2		2				0	43	18		61	1			1				0
	BA-V	75	2	4		6	7	6		13	12	5		17	19	5		24				0				0	40	20		60	1			1				0
	MA-I	40	9	5		14				0				0				0				0				0	9	5		14				0				0
	MA-III	40	11	3		14	5	2		7	3	1		4	3	3		6		1		1				0	22	10		32				0				0
	Ph.D.	24	6	1		7	3			3	1			1	2			2	1			1				0	13	1		14	1			1				0
27	Political Science																																					
	BA-I	75	16	18	0	34	7	4	0	11	3	2	0	5	13	7	0	20	3	2	0	5	0	1	0	1	42	34	0	76	0	0	0	0	0	0	0	0
	BA-III	75	18	15	0	33	6	5	0	11	2	3	0	5	10	9	0	19	2	5	0	7	2	2	0	4	40	39	0	79	0	0	0	0	3	3	0	6
	BA-V	75	13	15	0	28	7	3	0	10	4	1	0	5	11	7	0	18	3	0	0	3	0	0	0	0	38	26	0	64	0	0	0	0	1	1	0	2
	MA-I	40	3	2	0	5	3	6	0	9	3	1	0	4	11	8	0	19	2	0	0	2	0	0	0	0	22	17	0	39	0	0	0	0	1	1	0	2

	MA - III	40	10	7	0	17	1	5	0	6	1	2	0	3	4	3	0	7	0	1	0	1	0	0	0	0	16	18	0	34	1	0	0	1	1	0	0	1
	Ph.D.	22	1	2	0	3	1	0	0	1	0	0	0	0	3	2	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	5	4	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0
28	Social Work																																					
	UG I Sem	37	1	6	0	7	0	1	0	1	0	1	0	1	6	1	0	7	0	0	0	0	0	2	0	2	7	11	0	18	0	0	0	0	0	2	0	3
	UG III Sem	37	4	5	0	9	2	2	0	4	3	2	0	5	3	6	0	9	0	0	0	0	2	0	0	2	14	15	0	29	0	0	0	0	4	1	0	5
	UG V Sem	37	1	2	0	3	2	0	0	2	2	3	0	5	4	4	0	8	0	1	0	1	2	0	0	2	11	10	0	21	0	0	0	0	0	0	0	0
	PG I Sem	45	2	5	0	7	2	0	0	2	3	0	0	3	11	7	0	18	0	0	0	0	0	0	0	0	18	12	0	30	0	0	0	0	4	3	0	7
	PG III Sem	45	1	2	0	3	1	1	0	2	1	3	0	4	8	6	0	14	1	0	0	1	0	0	0	0	12	12	0	24					2	3	0	5
	Ph.D.	20	3	5	0	8	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	6	6	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0
29	Education																																					
	B.Ed. I sem.	62	1	7	0	8	5	7	0	12	3	3	0	6	11	19	0	30	2	4	0	6	0	0	0	0	22	40	0	62	3	0	0	3	1	1	0	2

	B.Ed.III sem.	62	1	11	0	12	1	6	0	7	2	2	0	4	14	11	0	25	5	1	0	6	0	0	0	0	23	31	0	54	2	0	0	2	0	1	0	1
	SPL B.Ed.HI-I Sem.	33	0	6	0	6	3	1	0	4	0	0	0	0	1	3	0	4	0	1	0	1	0	0	0	0	4	11	0	15	0	0	0	0	0	1	0	1
	SPL B.Ed.HI-III Sem.	33	0	7	0	7	4	4	0	8	3	0	0	3	0	12	0	12	2	0	0	2	0	0	0	0	9	23	0	32	0	1	0	1	0	2	0	2
	SPL B.Ed.LD-I Sem.	33	0	5	0	5	5	6	0	11	1	2	0	3	3	7	0	10	0	0	0	0	0	0	0	0	9	20	0	29	0	0	0	0	0	0	0	0
	SPL B.Ed.LD - III Sem.	33	0	3	0	3	3	2	0	5	4	4	0	8	7	7		14	0	0	0	0	0	0	0	0	14	16	0	30	1	0	0	1	0	0	0	0

	M.Ed. I Sem.	62	4	5	0	9	4	5	0	9	2	5	0	7	6	7	0	13	1	2	0	3	0	0	0	0	17	24	0	41	0	0	0	0	1	4	0	5
	M.Ed. III Sem.	62	4	3	0	7	1	2	0	3	0	2	0	2	10	8	0	18	2	1	0	3	0	0	0	0	17	16	0	33	2	0	0	2	2	1	0	3
	Ph.D.	56	3	7	0	10	3	1	0	4	0	2	0	2	9	2	0	11	2	0	0	2	0	0	0	0	17	12	0	29	0	0	0	0	0	0	0	0
30	Physical Education																																					
	B.P.Ed. I Sem.	100	13	2	0	15	15	5	0	20	10	3	0	13	34	6	0	40	7	5	0	12	0	0	0	0	79	21	0	100	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.P.Ed. III Sem.	62	8	2	0	10	8	4	0	12	4	1	0	5	20	6	0	26	4	1	0	5	0	1	0	1	44	15	0	59	0	0	0	0	2	0	0	2
	M.P.Ed. I Sem.	50	6	0	0	6	9	2	0	11	2	1	0	3	18	6	0	24	5	1	0	6	0	0	0	0	40	10	0	50	0	0	0	0	0	0	0	0

	M.P.Ed. III Sem.	50	3	1	0	4	6	1	0	7	3	0	0	3	21	5	0	26	3	2	0	5	0	0	0	0	36	9	0	45	0	0	0	0	1	1	0	2
	Ph.D.	40	6	2	0	8	3	2	0	5	1	0	0	1	5	4	0	9	0	0	0	0	0	0	0	0	15	8		23	0	0	0	0	0		0	0
31	Biotechnology																																					
	B.Sc I Sem.	75	16	15	0	31	6	4	0	10	1	4	0	5	8	12	0	20	1	6	0	7	1	1	0	2	33	42		75				0				0
	B.Sc III Sem.	75	6	5	0	11	1	6	0	7	1	1	0	2	13	17	0	30	2	3	0	5	0	0	0	0	23	32		55				0				0
	B.Sc. V Sem.	75	1	8	0	9	5	9	0	14	0	5	0	5	11	16	0	27	0	1	0	1	0	1	0	1	17	40		57				0				0
	M.Sc. I Sem.	50	6	10	0	16	4	3	0	7	1	2	0	3	7	6		13	1	5	0	6	0	0	0	0	19	26		45				0				0
	M.Sc. III Sem.	50	4	6	0	10	2	7	0	9	2	2	0	4	6	11	0	17	0	0	0	0	0	0	0	0	14	26		40				0				0

	Ph.D.	38	1	1	0	2	0	1	0	1		0	0	0	1	2	0	3									2	4		6				0				0
	M.Sc.Micro-I	40	2	3	0	5	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	3	3		6				0				0
32	Forensic Science																																					
	B.Sc I Sem.	37	4	9	0	13	3	2	0	5	1	0	0	1	6	6	0	12	0	2	0	2	0	1	0	1	14	20	0	34	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Sc III Sem.	37	1	6	0	7	2	8	0	10	0	1	0	1	4	10	0	14	1	1	0	2	0	2	0	2	8	28	0	36	0	0	0	0	0	0	0	0
	B.Sc. V Sem.	37	4	7	0	11	2	3	0	5	1	1	0	2	6	8	0	14	1	2	0	3	0	0	0	0	14	21	0	35	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. I Sem.	45	3	8	0	11	1	5	0	6	2	2	0	4	4	13	0	17	1	4	0	5	0	1	0	1	11	33	0	44	0	0	0	0	0	0	0	0
	M.Sc. III Sem.	45	4	3	0	7	2	5	0	7	1	2	0	3	7	10	0	17	1	1	0	2	0	1	0	1	15	22	0	37	0	0	0	0	0	0	0	0

	Ph.D.	12	3	3	0	6	0	1	0	1	0	0	0	0	0	4	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	3	8	0	11	0	0	0	0	0	1	0	1
33	Rural Technology																																					
	UG I Sem	75	8	5	0	13	2	1	0	3	1	3	0	4	13	8	0	21	1	1	0	2	0	0	0	0	25	18	0	43	0	0	0	0	0	0	0	0
	UG III Sem	75	2	0	0	2	5	4	0	9	7	3	0	10	20	13	0	33	1	0	0	1	0	0	0	0	35	20	0	55	0	0	0	0	0	0	0	0
	UG V Sem	75	9	2	0	11	11	3	0	14	4	3	0	7	23	8	0	31	0	1	0	1	0	0	0	0	47	17	0	64	0	0	0	0	0	0	0	0
	PG I Sem	35	7	7	0	14	4	1	0	5	1	1	0	2	7	2	0	9	0	1	0	1		0	0	0	19	12	0	31	0	0	0	0	0	0	0	0
	PG III Sem	35	0	3	0	3	0	2	0	2	2	0	0	2	6	1	0	7	0	0	0	0	0	0	0	0	8	6	0	14	0	0	0	0	0	0	0	0
	Ph.D.	28	2	6	0	8	0	1	0	1	0	2		2	1	2		3	0	0		0				0	3	11	0	14				0				0
		12554	1652	1268	0	2920	949	641	0	1590	475	370	0	845	2301	1407	0	3708	457	270	0	727	47	42	0	89	5881	3998	0	9879	41	10	0	50	144	106	0	251

* पीएचडी, यूजीसी विनियम 2009 के अनुसार

** पीएचडी, यूजीसी विनियम 2016 के अनुसार

4.2 परिणामः डिग्री और डिप्लोमा

4.2.1 विभिन्न परीक्षाओं में छात्रों के समग्र परिणाम

परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी				उत्तीर्ण प्रतिशत
पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	
पत्रोपाधि	41	30	71	डिप्लोमा	41	30	71	100
स्नातक	899	728	1627	स्नातक	895	714	1609	98.89
परास्नातक	466	592	1058	परास्नातक	460	591	1051	93.33
प्री–पीएचडी. कोर्स वर्क	90	112	202	प्री–पीएचडी. पाठ्यक्रम कार्य	89	110	199	98.51
योग	1496	1462	2958	कुल	1485	1445	2930	**99.05**

4.2.2. उपाधि एवं पत्रोपाधि (विद्यापीठ)

4.2.2.1	**कला विद्यापीठ**							
विभाग	**परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी**				**उत्तीर्ण परीक्षार्थी**			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	**उत्तीर्ण प्रतिशत**
मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	स्नातक	04	04	08	04	04	08	100
	परास्नातक	-	01	01	-	01	01	100
अंग्रेजी	पत्रोपाधि	-	-	-	-	-	-	-
	स्नातक	16	28	44	16	18	44	100
	परास्नातक	15	41	56	15	41	56	100
हिन्दी	स्नातक	07	16	23	07	16	23	100
	परास्नातक	03	09	12	03	09	12	100
पत्रकारिता एवं जनसंचार	स्नातक	21	23	44	21	22	43	97.73
	परास्नातक	19	20	39	17	20	37	92
पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	स्नातक	19	26	45	19	26	45	100
	परास्नातक	22	28	50	22	28	50	100
योग	पत्रोपाधि	-	-	-	-	-	-	-
	स्नातक	67	97	164	67	86	163	99.39
	परास्नातक	59	99	158	57	99	156	98.73

4.2.2.2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ							
विभाग	**परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी**				**उत्तीर्ण परीक्षार्थी**			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	**उत्तीर्ण**

								प्रतिशत
रसायन अभियांत्रिकी	स्नातक	22	06	28	22	06	28	100
	परास्नातक	01	-	01	01	-	01	100
सिविल अभियांत्रिकी	स्नातक	21	01	22	21	01	22	100
कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजी.	स्नातक	36	07	43	36	07	43	100
इलेक्ट्रानिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	स्नातक	25	10	35	25	10	35	100
औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	स्नातक	09	02	11	09	02	11	100
सूचना प्रौद्योगिकी	स्नातक	24	07	31	24	07	31	100
यांत्रिक अभियांत्रिकी	स्नातक	28	03	31	28	03	31	100
	परास्नातक	13	-	13	13	-	13	100
योग	स्नातक	165	36	201	165	36	201	100
	परास्नातक	14	-	14	14	-	14	100

4.2.2.3		विधि विद्यापीठ							
विभाग		परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
		पाठ्य क्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
विधि	बीए एलएलबी	स्नातक	19	22	41	19	22	41	100
	बीकॉम एलएलबी	स्नातक	24	13	39	24	13	39	100

4.2.2.4	जीव विज्ञान विद्यापीठ							
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	स्नातक	15	20	35	15	19	34	97.14
	परास्नातक	05	14	19	05	13	18	94
वनस्पति शास्त्र	स्नातक	24	42	66	24	42	66	100
	परास्नातक	15	60	75	15	60	75	100
प्राणीशास्त्र	स्नातक	29	35	64	29	35	64	100
	परास्नातक	16	39	55	15	39	54	95
योग	स्नातक	68	97	165	68	96	164	99.39
	परास्नातक	36	113	149	35	112	147	98.65

4.2.2.5	वाणिज्य एवं प्रबंधन विद्यापीठ

विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
वाणिज्य	स्नातक	83	58	141	81	57	138	97.87
	परास्नातक	17	26	43	17	26	43	100
प्रबंध अध्ययन	परास्नातक	24	14	38	22	14	36	94.74
योग	स्नातक	83	58	141	81	57	138	97.87
	परास्नातक	41	40	81	39	40	79	97.53

4.2.2.6	गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान विद्यापीठ								
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी					उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम		छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	स्नातक		32	30	62	32	30	62	100
	परास्नातक	MCA	43	28	71	43	28	71	100
		M. Sc	10	14	24	10	14	24	100
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	स्नातक		42	24	66	42	24	66	100
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	स्नातक		42	24	66	42	24	66	100
	परास्नातक		25	24	49	25	24	49	100
योग	स्नातक		74	54	128	74	54	128	100
	परास्नातक		78	66	144	78	66	144	100

4.2.2.7	प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ							
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
वानिकी	स्नातक	30	17	47	30	17	47	100
	परास्नातक	14	18	32	14	18	32	100
भेषज विज्ञान	पत्रोपाधि	41	30	71	41	30	71	100
	स्नातक	27	24	51	27	24	51	100
	परास्नातक	13	17	30	13	17	30	100
योग	पत्रोपाधि	41	30	71	41	30	71	100
	स्नातक	57	41	98	57	41	98	100
	परास्नातक	27	35	62	27	35	62	100

4.2.2.8	भौतिकी विज्ञान विद्यापीठ							
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण

								प्रतिशत
रसायनशास्त्र		स्नातक	40	35	75	40	35	75	100
		परास्नातक	13	31	44	13	31	44	100
शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	(अ) इलेक्ट्रानिक्स	स्नातक	38	20	58	38	20	58	100
		परास्नातक	14	05	19	14	05	19	100
	(ब) भौतिकी	स्नातक	43	21	64	43	21	64	100
		परास्नातक	27	20	47	27	20	47	100
योग		स्नातक	121	76	197	121	76	197	100
		परास्नातक	54	56	110	54	56	110	100

4.2.2.9	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ							
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी				उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
अर्थशास्त्र	स्नातक	38	25	63	37	25	62	98.41
	परास्नातक	10	19	29	10	19	29	100
इतिहास	स्नातक	29	26	55	29	25	54	98.18
	परास्नातक	14	18	32	14	18	32	100
राजनीति विज्ञान	स्नातक	35	25	60	34	25	59	98.33
	परास्नातक	17	17	34	17	17	34	100
समाज कार्य	स्नातक	10	10	20	10	10	20	100
	परास्नातक	09	18	27	08	18	26	92
योग	स्नातक	112	86	198	110	85	195	98.48
	परास्नातक	50	72	122	49	72	121	99.18

4.2.2.10	शिक्षा विद्यापीठ								
विभाग	परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी					उत्तीर्ण परीक्षार्थी			
	पाठ्यक्रम		छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	उत्तीर्ण प्रतिशत
शिक्षा विभाग	स्नातक	B.Ed.	23	30	53	23	30	53	100
		B.Ed. LD	12	16	28	12	16	28	100
		B.Ed. HI	08	22	30	08	22	30	100
	परास्नातक	M.Ed	16	17	33	16	17	33	100
शारीरिक शिक्षा विभाग	B.P.Ed		42	13	55	42	13	55	100
	M.P.Ed		34	13	47	34	13	47	100
योग	स्नातक		85	81	166	85	81	166	100
	परास्नातक		50	30	80	50	30	80	100

4.2.2.11	अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान विद्यापीठ							
विभाग	**परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी**				**उत्तीर्ण परीक्षार्थी**			
	पाठ्यक्रम	छात्र	छात्राएं	योग	छात्र	छात्राएं	योग	**उत्तीर्ण प्रतिशत**
जैव प्रोद्योगिकी विभाग	स्नातक	21	45	66	21	45	66	100
	परास्नातक	30	50	80	30	50	80	100
न्यायालयिक विज्ञान विभाग	स्नातक	09	18	27	09	18	27	100
	परास्नातक	11	20	31	11	20	31	100
ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	स्नातक	36	28	64	36	28	64	100
	परास्नातक	16	12	28	16	12	28	100
योग	स्नातक	66	91	157	66	91	157	100
	परास्नातक	57	82	139	57	82	139	100

4.2.3 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व प्रदत्त उपाधियाँ

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	योग	कुल योग
शिक्षण एवं महाविद्यालय	57	1787	933	2777	2815
दूरवर्ती शिक्षा	05	24	09	38	

4.2.4 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व जारी द्वितीय प्रति अंकपत्रक

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	योग	कुल योग
शिक्षण		73	24	97	265
महाविद्यालय	13	114	41	168	
दूरवर्ती शिक्षा					

4.2.5 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व जारी ट्रांसक्रिप्ट

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	योग	कुल योग
शिक्षण		66	10	76	131
महाविद्यालय	05	32	11	48	
दूरवर्ती शिक्षा		04	03	07	

4.2.6 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व जारी प्रवजन प्रमाण–पत्र

शिक्षण	महाविद्यालय	दूरवर्ती शिक्षा	कुल योग
2476	385	12	2873

4.2.7 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व जारी अस्थायी उपाधि

पाठ्यक्रम	पत्रोपाधि	स्नातक	परास्नातक	योग	कुल योग
शिक्षण		1018	480	1498	1619
महाविद्यालय	06	79	32	117	

दूरवर्ती शिक्षा		02	02	04	

4.2.8 केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में उन्नयन से पूर्व अभिप्रमाणन

शिक्षण	महाविद्यालय	दूरवर्ती शिक्षा	योग
300	1041	11	1352

4.3 छात्रों के लिए सुविधाएं

4.3.1 अधिष्ठाता छात्र कल्याण

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, छात्र कल्याण अनुभाग, कार्यालय, टेलीफोन और हेल्पलाइन पोर्टल के माध्यम से छात्रों और अभिभावकों को वर्ष भर आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं। छात्र कल्याण अनुभाग का मुख्य कार्य छात्रों को प्रत्येक साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधि की जानकारी देना, इन गतिविधियों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, छात्र–संबंधी समस्याओं के समाधान के बारे में त्वरित कार्रवाई करना और उनके प्रति सहयोगात्मक रवैया रखना है।

रेलवे संबंधित दस्तावेज

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में न सिर्फ स्थानीय छात्र अध्ययन करते हैं अपितु बहुत से विभागों में विभिन्न राज्यों के छात्र भी अध्ययन कर रहे हैं। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, कार्यालय, छात्रों को उनके के शैक्षिक भ्रमण या अकादमिक कलैण्डर के अनुसार छुट्टियों के दौरान गृहनगर की यात्रा हेतु व्यक्तिगत या सामूहिक रुप से रेलवे रियायत प्रपत्र प्रदान करता है।

स्वाइप मशीन

स्थानांतरण प्रमाणपत्र शुल्क, परीक्षा शुल्क, छात्रावास शुल्क एवं अन्य अग्रिम राशियां अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, कार्यालय में जमा की जाती हैं।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का आयोजन

विगत वर्षों की भाँती इस सत्र में भी 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी 2022 को गणतंत्र दिवस विश्वविद्यालय परिसर में मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद माननीय कुलपति ने शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों को संबोधित किया। ध्वजारोहण के बाद मिष्ठान वितरण किया गया।

शिक्षक दिवस समारोह

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर सभी शिक्षण विभागों में 05 सितंबर 2021 को शिक्षक दिवस मनाया गया।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती समारोह

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन सभागार के कक्ष क्रमांक 1 में 02 अक्टूबर 2022 को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गयी। एमबीए भवन में लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस पावन अवसर पर प्रबंधन भवन से रजत जयंती सभागार तक राष्ट्रीय एकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान तरंग बैंड द्वारा गांधीजी के भजन और गीत प्रस्तुत किए गए। माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल ने हॉल में उपस्थित विश्वविद्यालय के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों को संबोधित किया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस)

उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में सुबह 10 बजे प्रशासनिक भवन हॉल में 31 अक्टूबर 2022 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती "सरदार पटेल जयंती 2021 और राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाई। इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल, माननीय कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय थे, जिसमें प्रो. मनीष श्रीवास्तव, कार्यवाहक कुलसचिव, डॉ. एम.एन. त्रिपाठी, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली गई। विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण विभागों द्वारा भी सरदार पटेल जयंती आयोजित की गई जिसमें सभी शिक्षकों और छात्रों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली।

बी. आर. अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस 6 दिसंबर 2022 को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा के पास आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन माननीय कुलपति, जीजीवी प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माननीय कुलपति, मुख्य अतिथि डॉ. टी.आर. निराला, वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं अधिष्ठाता, छात्र कल्याण डॉ. एम.एन. त्रिपाठी द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. टी.आर. निराला ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के बारे में अपने विचार व्यक्त किए और सामाजिक विकास में उनके योगदान पर चर्चा की, जिसने देश को एकजुट करने में मदद की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. निर्मल कुमार शुक्ला ने सभागार में मौजूद श्रोताओं को संबोधित किया और भारतीय संविधान में बाबा साहब की भूमिका पर गंभीरता से चर्चा की। कार्यक्रम में उपस्थित समाज के विशिष्ट अतिथियों और बाबा साहेब के अनुयायियों का स्वागत माननीय कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने भारतीय संविधान में डॉ. अम्बेडकर की भूमिका पर चर्चा की और कहा कि भले ही पड़ोसी देशों में विभिन्न राजनीतिक परिवर्तन हों, लेकिन भारत में डॉ. अम्बेडकर द्वारा बनाए गए महान संविधान के कारण हमारे पास एक वास्तविक लोकतंत्र है। अंत में कुलसचिव (कार्यवाहक) प्रो. मनीष श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुरु घासीदास जयंती

गुरु घासीदास जयंती 18 दिसंबर 2022 को विश्वविद्यालय में बड़े हर्ष एवं उत्साह के साथ मनाई गई। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि श्री जीतेन्द्र कुमार पटले, जिला परियोजना अधिकारी, जिला साक्षरता अभियान प्राधिकरण, बिलासपुर थे। कार्यक्रम की शुरुआत संत गुरु घासीदास जी की प्रतिमा पर पूजा–अर्चना एवं माल्यार्पण के बाद पंथी नृत्य के द्वारा हुई। इसके अलावा पंथी नृत्य के प्रदर्शन के साथ संत गुरु घासीदासजी की प्रतिमा से रजत जयंती सभागार तक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। गुरु घासीदास जयंती 2022 के उत्सव के अनुसरण में विभिन्न कार्यक्रम जैसे भाषण,कविता, निबंध, पंथी गीत, और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं विभाग / संकाय स्तर पर आयोजित की गईं। संकाय स्तर के विजेताओं को विश्वविद्यालय स्तर के कार्यक्रम में प्रदर्शन करने का मौका दिया गया। प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र और रु. 2500/–, रु. 2000/– और रु. 1500/– नकद राशि से सम्मानित किया गया जो क्रमशः निम्नानुसार हैः

पंथी गीत प्रतियोगिताः

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	योगिता कौशल	एम.एस सी. I सेम	वानिकी	प्राकृतिक संसाधन
द्वितीय	शिवानी चक्रवर्ती	एम.एस सी. I सेम	फार्मेसी	प्राकृतिक संसाधन
तृतीय	यशोधरा साहू	बी.ए. I सेम	अंग्रेजी	कला

पोस्टर प्रतियोगिताः

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	स्वास्तिक सारंगी	बी.एससी. III सेम	जीवविज्ञान	लाइफ साईंस
द्वितीय	निकिता दुबे	बी.ए. एलएलबी V सेम	विधि	विधि
तृतीय	निखिल कसेर	बी.एससी. V सेम	बायाटेक्नोलॉजी	आईईआर

रंगोली प्रतियोगिताः

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	ओमिका तिवारी	बी.एससी. III सेम	सीएसआईटी	कम्प्यूटर विज्ञान एवं गणित
द्वितीय	रंजन कु. बेहरा	बी.एड. I सेम	शिक्षा	शिक्षा
तृतीय	अंजु खरे	बी.एससी. III सेम	बायाटेक्नोलॉजी	आईईआर

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 12 जनवरी 2023 को स्वामी विवेकानन्द जयंती मनाई गई। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल की अध्यक्षता में स्वामी विवेकानन्द जयंती को "युवा दिवस" के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षण विभागों में स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं की सूची नीचे दी गयी है:

भाषण प्रतियोगिताः

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	वीना शुक्ला	सीएसआईटी I सेम	सीएसआईटी	अभियांत्रिकी
द्वितीय	शर्मिष्ठा राठौर	बी.ए. एलएलबी V सेम	विधि	विधि
तृतीय	निकिता दुबे	बी.ए. एलएलबी V सेम	विधि	विधि

चित्रकला प्रतियोगिताः

स्थान	नाम	कक्षा	विभाग	संकाय
प्रथम	स्वास्तिक सारंगी	बी.एससी. III सेम	जीव विज्ञान	लाइफ साईंस
द्वितीय	विष्णु जायसवाल	बी.एससी. V सेम	भौतिकी	भौतिक विज्ञान
तृतीय	काजल प्रभा	बी.एड. I सेम	शिक्षा	शिक्षा

स्थापना दिवसः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 15 जनवरी 2023 को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल की अध्यक्षता में उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह की मुख्य अतिथि प्रो नीलांबरी दवे, पूर्व कुलपति सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट थीं, कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एम.एन. त्रिपाठी अधिष्ठाता, छात्र कल्याण थे।

डॉ. भीम राव अंबेडकर जयंती समारोहः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 14 अप्रैल 2023 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के साथ की गई इसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों द्वारा प्रतिमा से रजत जयंती सभागार तक पैदल मार्च किया गया। इसके बाद प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल की अध्यक्षता में डॉ.अंबेडकर जयंती समारोह की शुरुआत की गयी. इस शुभ अवसर पर, समाज की सेवा के लिए एक हेल्पलाइन योजना जीजीवी श्रवण लाइन (जीएसएल) का उद्घाटन भी मुख्य अतिथि के रूप में श्री अरुण साव, संसद सदस्य, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, श्री रजनीश सिंह, विधान सभा सदस्य, बेलतरा निर्वाचन क्षेत्र की उपस्थिति में किया गया। , विशिष्ट अतिथि के रूप में, आरटीएन हमीदा सिद्दीकी, अध्यक्ष, रोटरी क्लब, बिलासपुर और उप महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। प्रो शैलेन्द्र कुमार, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यक्रम के संयोजक थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की छात्र कल्याण योजना के अंतर्गत अपने–अपने संकाय एवं खेल गतिविधियों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 15,000/–, 10,000/– एवं 5000/– की पुरस्कार राशि भी वितरित की गई।

अपने विद्यापीठ में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों की सूचीः

(प्रत्येक छात्र को 10,000/– पुरस्कार राशि मिली)

मेरिट स्कॉलरशिप (अपने संबंधित स्कूलों में उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले) के लिए सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा अनुशंसित और संबंधित समिति द्वारा सत्यापित विभिन्न संकायों से अनुशंसित छात्रों की सूची इस प्रकार हैः –

क्र. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	विभाग	%
1.	अभिजीत त्रिपाठी	बी.टेक VIII सेम	इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग	92.87%
2.	मैथिली तिवारी	बी.एससी. V सेम	गणितीय एवं कम्प्यूटेशनल विज्ञान	अंक शास्त्र	91.79%
3.	महिमा कुशवाह	बी.एससी. V सेम	जीवन विज्ञान	जूलॉजी	88.35%
4.	तेजस कुमार शर्मा	बी.ए. V सेम	सामाजिक विज्ञान	अर्थशास्त्र	87.90%
5.	मैकला मुस्कान राव	बी.फार्मा V सेम	प्राकृतिक संसाधन	फार्मेसी	87.08%
6.	अंकिता सक्सैना	बी.ए. एलएलबी V सेम	कानून	कानून	85.58%
7.	निकिता दुबे	बी.ए. एलएलबी V सेम	कानून	कानून	85.58%
8.	प्रशांति साहू	बी.एड. III सेम	शिक्षा	शिक्षा	84.70%
9.	तृप्ति मिश्रा	बी.एससी. V सेम	अंतःविषय शिक्षा और अनुसंधान	ग्रामीण प्रौद्योगिकी	82.16%
10.	मानसी जैन	एम.बी.ए. III सेम	वाणिज्य एवं प्रबंधन	प्रबंध	81.14%
11.	जिगीसा साहू	बी.ए. V सेम	आर्ट्स एक	अंग्रेज़ी	80.30%
12.	वैभव भट्ट	बी.एससी. III सेम	भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान	78.15%

समस्त विद्यापीठों में सर्वोच्च अंक धारक

विश्वविद्यालय के सभी स्कूलों में उच्चतम अंक प्राप्त करने के लिए सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा अनुशंसित और संबंधित समिति द्वारा सत्यापित विभिन्न स्कूल ऑफ स्टडीज के छात्रों की सूची इस प्रकार हैः–

क्र. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	विभाग	सीजीपीए %
1.	अभिजीत त्रिपाठी	बी.टेक VIII सेम	इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग	92.87%

राष्ट्रीय स्तर पर खेल

2022–23 में कुल 16 छात्र इस योजना के लिए पात्र थे। अतः इस श्रेणी के अंतर्गत निम्नलिखित छात्रों को कुल रु. 80,000=00 दिए गएः

क्र. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	विभाग	प्रतिभागिता का स्तर	टिप्पणी
1.	आशुतोष पांडे	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
2.	हरि शंकर	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
3.	हितेश कुमार	बी.एस.डब्ल्यु.-III सेम	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
4.	जूही सिंह	बी.ए.–जे.एम.सी.-V सेम	पत्रकारिता एवं जनसंपर्क	आर्ट्स एक	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
5.	माधव मिश्रा	बी.टेक.VIII सेम	यांत्रिक अभियांत्रिकी	इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
6.	महेन्द्र	एम.पी.एड.-I सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
7.	प्रीति भारती	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
8.	रामाशीष सिंह यादव	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र

9.	रमेश कुमार	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	ओपन नेशनल	पात्र
10	सपना कुशवाह	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
11	सत्यम शर्मा	बी.एस.डब्ल्यु.-III सेम	सामाजिक विज्ञान	सामाजिक विज्ञान	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
12	शालू बंसीवाल	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
13	शिवम शर्मा	बी.एससी.-V सेम	मानव विज्ञान	जीवन विज्ञान	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
14	तिलककांत	एम.पी.एड.-I सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
15	वैभव कुमार रजवाड़े	बी.पी.एड.-III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र
16	विक्रम सिंह	एम.पी.एड.-I सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	अखिल भारतीय विश्वविद्यालय	पात्र

गरीबी रेखा से नीचे श्रेणी

फुल फ्री–शिप गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि श्रेणी के लिए सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा विभिन्न संकायों से अनुशंसित और संबंधित समिति द्वारा सत्यापित छात्रों की सूची इस प्रकार हैः–

क. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	विभाग	प्रतिशत (%)	टिप्पणी
1.	ज्योति राय	बी.कॉम. एलएलबी VIII सेम	विधि	विधि	7.74 सीजीपीए	पात्र / अंत्योदय गरीबी रेखा से नीचे

छात्रावास में रहने वाले पूर्णतः दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन की सुविधा

छात्रावास में रहने वाले दृष्टिबाधित छात्रों को निःशुल्क भोजन सुविधा हेतु सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा अनुशंसित एवं संबंधित समिति द्वारा सत्यापित विभिन्न विद्यापीठों के छात्रों की सूची इस प्रकार हैः–

क. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	टिप्पणी
1.	नम्रता त्रिपाठी	बी.कॉम. एलएलबी VIII सेम	विधि	पात्र

दिव्यांग श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए हाथ से चलने वाली ट्राइसाइकिल (संलग्नक क्रमांक 09)

इस श्रेणी के अंतर्गत एक छात्र पात्र था, जिसका विवरण इस प्रकार है

क. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	टिप्पणी
1.	रुस्तम	बी.टेक सीएसई II	सूचना प्रौद्योगिकी	पात्र

सिंगल गर्ल चाइल्ड (एकल बालिका) फ्रीशिप

पीजी पाठ्यक्रमों के लिए एकल लड़की को दी जाने वाली पूरी मुफ्त ट्यूशन फीस के लिए सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा विभिन्न स्कूल ऑफ स्टडीज से अनुशंसित और संबंधित समिति द्वारा सत्यापित छात्राओं की सूची इस प्रकार हैः–

क. सं.	छात्र का नाम	कक्षा	संकाय	विभाग	टिप्पणी
1	मुस्कान शर्मा	एम.फार्मा I सेम	प्राकृतिक संसाधन	फार्मेसी	पात्र
2	गार्गी देवजानी	एम.एससी. III सेम	भौतिकी	भौतिक विज्ञान	पात्र
3	अनन्या मोहंती	एम.एससी. I सेम	जंतु शास्त्र	जीव विज्ञान	पात्र
4	जया शर्मा	एम.एससी. I सेम	जंतु शास्त्र	जीव विज्ञान	पात्र
5	श्रीवणी शर्मा	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	पात्र
6	आर अखिला	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	पात्र
7	मनीषा महाना	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	पात्र
8	श्रीया महापात्रा	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	पात्र

पूर्ण फ्री–शिप गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि (कुलपति के अधीन) श्रेणी के लिए सत्र 2022–23 के लिए संबंधित अधिष्ठाता द्वारा विभिन्न विद्यापीठों से अनुशंसित और संबंधित समिति द्वारा सत्यापित छात्रों की सूची इस प्रकार हैः –

क्र. सं.	छात्र का नाम	कक्षा एवं सेमेस्टर	विभाग	स्कूल	सीजीपीए/%	वार्षिक आय	टिप्पणी
01	अनुराग कुमार	M.A.III सेम	अंग्रेजी	आर्ट्स	7.61	90000/-	सामान्य राशन कार्ड
02	अंजू कुमारी	M.A. III सेम	अंग्रेजी	आर्ट्स	अंकसूची संलग्न नहीं	59000/-	प्राथमिक कार्ड अंकसूची संलग्न नहीं
03	प्रदीप केसरवानी	एम.पी.एड.- III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	75.12%	50000/-	प्राथमिक कार्ड
04	अभिषेक दुबे	एम.पी.एड.- III सेम	शारीरिक शिक्षा	शिक्षा	8.27	78000/-	नीला कार्ड
05	ऐश्वर्या साहू	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	82.36%	50000/-	प्राथमिक कार्ड
06	प्रतीक्षा यादव	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	76.66	100000/- से कम	नवीन आय प्रमाण पत्र संलग्न नहीं
07	कुणाल कुमार	एम.एससी. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	74.00	100000/-	पीएचएच कार्ड
08	सुकृत दास	एम.एससी. I सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	73.24	70000/-	प्राथमिक कार्ड
09	स्वाति अग्रवाल	एम.एससी. I सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	71.22	60000/-	प्राथमिक कार्ड
10	दीपाली	एम.एससी.. III सेम	वनस्पति विज्ञान	जीव विज्ञान	79.89	80000/-	नीला कार्ड
11	आलोक जोशी	एम.सी.ए. I सेम	सी एस आई टी	गणित और कम्प्यूटेशनल विज्ञान	अंकसूची संलग्न नहीं	100000/-	प्राथमिक कार्ड
12	आदित्य पटेल	बी.एससी. III सेम	मनुष्य जाति का विज्ञान	जीव विज्ञान	79.50	60000/-	प्राथमिक कार्ड
13	सचिन हियाल	एम.ए. III सेम	राजनीति विज्ञान	सामाजिक कार्य	8.20	100000/-	उड़िया/बांग्ला भाषा में कार्ड
14	आर्यन कुमार	बी.फार्मा I सेम	फार्मेसी	प्राकृतिक संसाधन	78% (12th)	95000/-	लल कार्ड संलग्न
15	ईश्वर कुमार साहू	बी.ए. I सेम	इतिहास	सामाजिक कार्य	91% (12th)	60000/-	सामान्य परिवार (एपीएल कार्ड)

16	अनुराग पांडे	बी.एससी. I सेम	भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान	94% (12th)	1,58000	प्राथमिक कार्ड

4.3.2 कुलानुशासक मण्डल

विश्वविद्यालय में कुलानुशासक के नेतृत्व में कुलानुशासक मण्डल है। कुलानुशासक विश्वविद्यालय के सांविधिक अधिकारी होते हैं। कुलानुशासक के साथ 11 विद्यापीठों के प्रतिनिधि के रूप में 11 उप कुलानुशासक एवं संबंधित विद्यापीठ की अनुशासन समितियां भी होती हैं। कुलानुशासक मण्डल छात्रों से संबंधित मामलों, विशेषकर अनुशासन की समस्त गतिविधियों को संज्ञान में लेता है। यह मण्डल मुख्य रूप से विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गए नियमों एवं विनियमों का छात्रों द्वारा पालन सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायी है।

कुलानुशासक मण्डल के सदस्य चौकस रहते हुए सभागार, कैफेटेरिया, खेलकूद के मैदान, विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीडी) एवं पुस्तकालय जैसे सार्वजनिक स्थानों पर छात्रों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। छात्रों को यातायात के नियमों का नियमित रूप से पालन करने के लिए कहा जाता है और कुलानुशासक मण्डल सुनिश्चित करता है कि सुरक्षा विभाग छात्रों के पहचान पत्र की लगातार जांच करे, ताकि बाहरी लोग (गैर छात्र) विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश न कर सकें।

जब कभी अनुशासक मण्डल को किसी विभाग से शिकायत मिलती है, वे सक्रियता के साथ प्रकरण का निपटारा करते हैं। छात्रों के धरना–प्रदर्शन एवं अनुशासनहीनता के अन्य मामलों को कुलानुशासक मण्डल गंभीरता से लेता है एवं सुनिश्चित करता है कि विश्वविद्यालय का वातावरण शांत रहे। साथ ही छात्र बिना किसी व्यवधान के पढ़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित कर सकें।

4.3.3 फैलोशिप एवं यात्रा के लिए वित्तीय सहायता

शिक्षकों एवं शोध छात्रों से फैलोशिप (यूजीसी नेट) एवं यात्रा के लिए वित्तीय सहायता हेतु प्राप्त सभी आवेदनों पर विकास अनुभाग प्रक्रिया करता है और सक्षम अनुमोदन के पश्चात क्रियान्वित करता है।

4.3.3.1 फैलोशिप

सत्र 2022–2023 के दौरान कुल 339 पी.एचडी. छात्रों ने गैर नेट श्रेणी के अंतर्गत विभिन्न फैलोशिप प्राप्त किए।

4.3.3.2 शिक्षकों एवं शोध छात्रों के लिए जारी अनिर्दिष्ट (अन–एसाइंड) अनुदान

क. सं.	शिक्षक /शोधार्थी का नाम
01	प्रशांत कुमार जांगड़े
02	जसिंता पूनम एक्का
03	नितिन कुमार साहू
04	सौरभ मेश्राम
05	वैभव कांत सिंह
06	शैलेश कुमार द्विवेदी
07	टीजी रेड्डी
08	संतोष वर्मा
09	गणेश प्रसाद शुक्ल
10	पी रामबाबू
11	बिजनेश्वर मंडल
12	निपुण कुमार मिश्रा
13	जीके पात्रा
14	प्रतिभा जे मिश्रा
15	सुमित कुमार गुप्ता
16	वैभव कांत सिंह

17	संगीता आदिले
18	बृज कुमार बरेठ
19	संगीता आदिले
20	शबाना मोमिन
21	अंकिता पांडे
22	टोपेश्वर मेहर
23	निधि राय
24	मनोज कुमार पांडे
25	प्रियंका गुप्ता
26	प्रवीण सिंह यादव
27	सीमा देवांगन
28	सानंद कुमार प्रधान
29	लक्ष्मीकांत देवांगन
30	गोपाल जी श्रीवास्तव
31	नेहा
32	अदिति शर्मा
33	वंशिका शर्मा
34	तरूण प्रताप सिंह
35	संध्या सविता
36	आरती कश्यप
37	प्रस्तावना

4.3.3.3. भारत सरकार द्वारा अध्येयतावृत्ति/छात्रवृत्ति पुरस्कार

क्रं.	परियोजना का नाम	छात्र का नाम	पी.आई./गाईड का नाम	विभाग का नाम	फेलोशीप का प्रकार
01.	सी..एस.आई.आर	कुंजबिहारी कौशिक	डॉ. बी.बी.चतुर्वेदी	गणित	सी.एस.आई.आर. फेलोशीप
02.	सी..एस.आई.आर	साक्षी देव पांडे	प्रोफेसर ए.एस. रणदिवे	गणित	सी.एस.आई.आर. फेलोशीप
03.	सी..एस.आई.आर	समीर प्रधान	प्रो. पी.के. बाजपेयी	भौतिक विज्ञान	सी.एस.आई.आर–जे.आर.एफ.
04.	सी..एस.आई.आर	मेनन साहू	प्रो. जी.के. पत्र	रसायन विज्ञान	सी.एस.आई.आर–जे.आर.एफ.
05.	सी..एस.आई.आर	आस्था तिर्की	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	सी.एस.आई.आर–जे.आर.एफ.
06.	सी..एस.आई.आर	भु शशी खुंटे	डॉ. वी.के. राय	रसायन विज्ञान	सी.एस.आई.आर–जे.आर.एफ.
07.	सी..एस.आई.आर	चंदन दास	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	सी.एस.आई.आर–जे.आर.एफ.
08.	सी..एस.आई.आर	शिवाली शर्मा	डॉ. वी.एन. त्रिपाठी	वनस्पति विज्ञान	सी.एस.आई.आर. फेलोशीप
09.	सी..एस.आई.आर	आशीष दुबे	डॉ. एच.एस. तिवारी	भौतिक विज्ञान	सी.एस.आई.आर. फेलोशीप

4.3.3.4. भारत सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से प्राप्त अध्येयतावृत्ति

क्रं.	परियोजना का नाम	छात्र का नाम	पी.आई./गाईड का नाम	विभाग का नाम	फेलोशीप का प्रकार
01.	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	आराध्या मिश्रा	डॉ. जी.आर. तुरपु	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
02.	डीएसटी–एसईआरबी	कवि भूषण सिंह	डॉ. वी. मंडल	फार्मेसी	प्रोजेक्ट फेलो
03.	डीएसटी–एसईआरबी	पुरूषोत्तम बंजारे	डॉ. पी.पी. रॉय	फार्मेसी	प्रोजेक्ट फेलो
04.	एसईआरबी	कौशल प्रसाद	डॉ. रोहित सेठ	जूलॉजी	पशु परिचारक
05.	एसईआरबी	बालाजी वामनराव	डॉ.जगदीश सिंह	फार्मेसी	प्रोजेक्ट फेलो
06	यूजीसी–एसएपी	सौविक मुखर्जी	एचओडी, फार्मेसी	फार्मेसी	प्रोजेक्ट फेलो
07.	इसरो	स्वदेश चंद	डॉ. पारिजात ठाकुर	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो

08.	आईयूएसी	शिल्पा मैती	डॉ. प्रदीप दास	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
09.	यूजीसी–डीएई–सीएसआईआर	दीपेश कुमार	डॉ. जी.आर. तुरपु	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
10.	आईयूएसी	अरुणिता मुखर्जी	डॉ तारकेश्वर त्रिवेदी	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
11.	सीजीसीओएसटी	गीतिका पटेल	डॉ. सुभाष बनर्जी	रसायन विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
12.	एनसीईआरटी	सचिन कुमार	डॉ संबित पाढ़ी	शिक्षा	प्रोजेक्ट फेलो
13.	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	सांतनु भट्टाचार्य	डॉ तारकेश्वर त्रिवेदी	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
14.	डीएसटी–एसईआरबी	राम राज सिंह नायक	डॉ. रोहित सेठ	प्राणी विज्ञान	रिसर्च फेलो
15.	इसरो	स्वदेश चंद	डॉ. पारिजात ठाकुर	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
16.	आईयूएसी	शिल्पा मैती	डॉ. प्रदीप दास	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
17.	आईयूएसी	टोपेश्वर मेहर	डॉ. एस.पी. पटेल	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
18.	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	संगीता कंवर	डॉ. प्रदीप दास	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
19.	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	विशेश्वर वर्मा	डॉ अरुण कुमार सिंह	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
20.	एसईआरबी–सीआरजी	मोहर सिंह	डॉ. वी.के. राय	रसायन विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
21.	एसईआरबी	मीतू चौहान	डॉ. ए.के. सिंह	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
22.	एसईआरबी	सेबानंदु भैना	डॉ. जी.आर. तुरपु	भौतिक विज्ञान	जेआरएफ
23.	डीएसटी–सीआरजी	सौरभ गौरहा	डॉ. जय सिंह	भौतिक विज्ञान	जेआरएफ
24.	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	तरूण प्रताप सिंह	डॉ. एस.पी. पटेल	भौतिक विज्ञान	प्रोजेक्ट एसोसिएट
25.	एनटीपीसी	चंद्र शिखा पटेल	डॉ. एस.के. साही	वनस्पति विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
26.	एनटीपीसी	जीवन लाल	डॉ. एस.के. साही	वनस्पति विज्ञान	प्रोजेक्ट फेलो
27.	सीजीसीओएसटी	निष्ठा यादव	डॉ. आर. मेहता	आर टी	प्रोजेक्ट फेलो

4.3.4 आवासीय सुविधाएं

स्वामी विवेकानन्द बालक छात्रावास

स्थापना वर्षः 1989.

कमरों की कुल संख्याः 228

आवासीय क्षमताः 436

सत्र 2022–23 में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्याः 307

अनाः 100, अपिवः 130, अजाः 34, अजजाः 19, ईडब्ल्यूएसः 24

कमरों के आवंटन के लिए छात्रावास में नियमानुसार आरक्षण नीति का सख्ती से पालन किया जाता है।

सुविधाएंः छात्रावास में मेस की सुविधा है जो वर्तमान में सहकारी मोड में चल रही है। छात्रावास में एक साइकिल स्टैंड, वाचनालय, कॉमन–हॉल, टीवी–रूम और टेबल टेनिस, कैरम बोर्ड, बैडमिंटन आदि खेल सुविधाएं भी हैं। छात्रावास में सुविधाजनक स्थानों पर वाटर कूलर सह फिल्टर स्थापित किए गए हैं।

छात्रावास में एक पुस्तकालय भी है जिसे **"प्रयास"** नामक कार्यक्रम के तहत पुस्तक दान शिविर आयोजित करके स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालयों के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी छात्रावास पुस्तकालय को समृद्ध बनाने के लिए पुस्तकें दान करते हैं।

कार्यक्रमः छात्रावास निवासियों के समग्र विकास के लिए छात्रावास दिवस और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करता है। हालाँकि, महामारी की स्थिति के कारण पिछले वर्ष इसका आयोजन नहीं किया गया था।

रैगिंग मुक्तः सरकार और विश्वविद्यालय की नीति के अनुरूप, छात्रावास में रैगिंग के प्रति शून्य सहिष्णुता है और यह किसी भी तरह की रैगिंग से पूरी तरह मुक्त है। द्वितीय वर्ष से अंतिम वर्ष तक के छात्र सौहार्दपूर्ण वातावरण में एक साथ रहते हैं।

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर बालक छात्रावास

छात्रावास की स्थापना जुलाई, 2018 में 200 छात्रों की क्षमता के साथ की गई थी, जिसमें एक सौ कमरे, एक कॉमन रूम, एक डाइनिंग हॉल, एक टीवी रूम, एक रीडिंग रूम और आवश्यक स्थानों पर 04 वाटर प्यूरीफायर उपलब्ध हैं। सत्र 2022–2023 में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से कुल 196 छात्रों को प्रवेश दिया गया। कमरों के आवंटन के संबंध में छात्रावास नियमों का सख्ती से पालन किया जाता है। छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए खेल और पढ़ने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

शहीद वीर नारायण सिंह बालक छात्रावास

छात्रावास की स्थापना जुलाई 2018 में की गई थी जिसमें 100 कमरे (क्षमता–200 छात्र), एक कॉमन रूम, डाइनिंग हॉल, टीवी रूम, रीडिंग रूम, 40 शौचालय, जल शोधक सहित सभी आवश्यक सुविधाएं शामिल थीं। ताजा एवं साफ पानी के लिए छात्रावास में विभिन्न स्थानों पर 04 कूलर एवं प्यूरीफायर उपलब्ध हैं। छात्रावास वार्डन के लिए दो आवासीय क्वार्टर हैं। सत्र 2022–23 में कुल 192 छात्रों को प्रवेश दिया गया जिसमें 33 अना., 27 अजा, 17 अजजा, 89 अपिव, 26 ईडब्ल्यूएस, 01 दिव्यांग और 03 अल्पसंख्यक छात्र शामिल हैं। जहां तक कमरे के आवंटन का सवाल है, छात्रावास और विश्वविद्यालय के नियमों का सख्ती से पालन किया जाता है।

छात्रावास में रहने वाले छात्रों के लिए शतरंज, कैरम, बैडमिंटन आदि खेल सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। छात्रावास में अनुबंध के आधार पर मेस की सुविधा उपलब्ध है।

राजमोहनी देवी कन्या छात्रावास

कमरों की कुल संख्या : 225

वर्तमान निवासियों की कुल संख्या : 299

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	विदेशी	कुल
103	112	46	17	17	01	299

छात्रावास निवासी विद्यार्थियों को भोजन सुविधा प्रदान करता है:

- छात्रावास विश्वविद्यालय द्वारा मेस टेंडर के आधार पर छात्रों को भोजन की सुविधा प्रदान करता है।
- छात्रों की शिकायत निवारण (फीडबैक रजिस्टर के माध्यम से)।
- छात्रावास प्रशासन छात्रावास की मेस सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है।
- जिन लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या है उनके लिए अलग भोजन (खिचड़ी/दलिया) की व्यवस्था।
- छात्रावास स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, नवरात्र, रमजान, होली, दिवाली और महिला दिवस आदि जैसे विशेष अवसरों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था करता है।
- प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को मेस द्वारा विशेष भोजन उपलब्ध कराया जाता है।
- छात्रावास के नियमों के अनुसार लड़कियों द्वारा मेस कट सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है।
- छात्राओं को जागरूक करने के लिए छात्रावास में बालिका सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।

- छात्राओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भागीदारी के लिए छात्रावास में ईको–ब्रिक्स बनाने का कार्यक्रम रखा गया।

इसके अतिरिक्त, छात्रावास दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन होता है

- छात्रावास प्रशासन ने दिनांक 16.09.1022 को रहवासी छात्राओं के साथ जन्माष्टमी मनाई।
- जीजीवी के काली मंदिर में 26 सितंबर से 3 अक्टूबर तक कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल और प्रोफेसर नीलांबरी दवे की उपस्थिति में राजमोहिनी देवी बालिका छात्रावास, जीजीवी परिसर की छात्राओं द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ नवरात्रि मनाई गई।
- छात्राओं में घर से छूर होने की उदासी को दूर करने के लिए रहवासी छात्राओं एवं छात्रावास प्रशासन द्वारा छात्रावास एवं कुलपति बंगले में 24.10.2022 को दिवाली मनाई गई।
- रहवासी छात्राओं के बीच सौहार्द्र की स्थापना के उद्देश्य से 09.03.2023 को होली त्यौहार का आयोजन किया गया।

छात्रावास छात्राओं के समग्र विकास के लिए विभिन्न सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करता है–

- राजमोहनी देवी कन्या छात्रावास में 21.06.2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- 06.07.2022 को सौराष्ट्र विश्वविद्यालय राजकोट, गुजरात की पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे द्वारा एक दिवसीय पोषण कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- ईको–डे गतिविधि के अंतर्गत दिनांक 16.07.2022 को बालिका छात्रावास परिसर में 10 आम के पौधे लगाये गये।
- दिनांक 28.08.2022 को कुलपति महोदय प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल और सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात की पूर्व कुलपति प्रो. नीलांबरी दवे की उपस्थिति में छात्राओं को समूह में बांटकर 40 नींबू के पौधे वितरित करते हुए छात्रावास में लगा कर नींबू का बगीचा बनाया गया ।
- 08.10.2022 को कन्या छात्रावास में मनोवैज्ञानिक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- दिनांक 11.11.2022 को बालिका छात्रावास में मनोवैज्ञानिक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- छात्रावास स्टाफ श्रीमती द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर खेल गतिविधियों में भागीदारी– बैडमिंटन–I में कांति परधान (कार्यालय सहायक) विजेता, चेयर रन–II, स्पून रन–II और क्रिकेट टीम में गीता साहू (मैट्रन) और श्रीमती कांति परधान विजेता रहीं।

बिलासा देवी कन्या छात्रावास

छात्रावास का उद्घाटन : 30 नवंबर 2022
कमरों की कुल संख्या :101
वर्तमान निवासियों की कुल संख्या :177

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	दिव्यांग	कुल
44	72	26	15	19	01	177

छात्रावास निवासी छात्राओं को मेस सुविधा प्रदान करता है:

- छात्रावास विश्वविद्यालय द्वारा मेस टेंडर के आधार पर छात्राओं को भोजन की सुविधा प्रदान करता है।
- छात्रों की शिकायत निवारण (फीडबैक रजिस्टर के माध्यम से)।
- छात्रावास प्रशासन छात्रावास की मेस सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है।

- जिन लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या है उनके लिए अलग भोजन (खिचड़ी/दलिया) की व्यवस्था।
- छात्रावास स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, नवरात्र, रमजान, होली, दिवाली और महिला दिवस आदि जैसे विशेष अवसरों के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था करता है।
- प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को मेस द्वारा विशेष भोजन उपलब्ध कराया जाता है।
- छात्रावास के नियमों के अनुसार लड़कियों द्वारा मेस कट सुविधा का लाभ उठाया जा सकता है।
- छा़त्राओं हेतु और एसी वाचनालय स्वस्थ मानसिक दशा बनाए रखने के लिए ध्यान कक्ष है।
- छात्रावास में स्वच्छता बनाए रखने हेतु सेनिटरी नेपकिन नष्ट करने की मशीन उपलब्ध है
- छात्राओं के मनोरंजन एवं अद्यतन समसामयिक समाचार से अवगत कराने हेतु नया एंड्रॉइड एलसीडी टीवी स्थापित किया गया है।

छात्रावास मे निम्नानुसार कार्यक्रम आयोजित किए गए:

- **24 जनवरी 2023 को इंडक्शन कार्यक्रम**: 24 जनवरी 2023 को प्रशासनिक वार्डन और वार्डन की टीम द्वारा बिलासा देवी छात्रावास की नवप्रवेशित छात्राओं के लिए एक प्रेरक और गर्मजोशी भरे इंडक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित छात्राओं को छात्रावास एवं इसकी सुविधाओं से अवगत कराने के साथ–साथ उनके भविष्य की शैक्षणिक और व्यक्तिगत सफलता के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा प्रदान करना था। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों में मुख्य रुप से चीफ वार्डन प्रो. प्रदीप शुक्ला, डीएसडब्ल्यू प्रो. एमएन त्रिपाठी और एंटी रैगिग कमेटी के सदस्य डॉ. गोहे शामिल थे। कार्यक्रम के अतिथियों द्वारा नवागंतुक छात्राओं को उनके लक्ष्य प्राप्ति के लिए कीमती सुझाव देते हुए अपने अनुभव साझा किए। उत्प्रेरण कार्यक्रम नवागंतुक छात्राओं के छात्रावास की संस्कृति से परिचित होते हुए अनुभवी सलाहकारों से मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु महत्वपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम में अनुभवी शिक्षकों, एंटी रेगिंग समिति के सदस्यों एवं नव छात्रावासी छात्राओं की एक साथ उपस्थिति हो जाने से एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण हुआ।
- **26.01.23 को बसंत पंचमी (सरस्वती पूजा) का उत्सव**: 26 जनवरी 2023 को बसंत पंचमी का उत्सव, सरस्वती पूजा का आयोजन बिलासा देवी कन्या छात्रावास में किया गया। पूजा में छात्रावास की छात्राओं के साथ ही यहाँ की प्रशासनिक वार्डन और वार्डन ने भी भाग लिया। पूजा के अलावा, रहवासी छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया, जिसका सभी ने आनंद लिया और सराहना की। सांस्कृतिक कार्यक्रम में संगीत, नृत्य या अन्य कलात्मक अभिव्यक्तियाँ शामिल थीं जो बसंत पंचमी के अवसर का किए जाते हैं। इस प्रकार, सरस्वती पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रम का उत्सव बिलासा देवी कन्या छात्रावास के अपने छात्राओं के लिए जीवंत और आकर्षक वातावरण प्रदान करने के प्रयासों एवं भारतीय संस्कृति की विविधता और समृद्धि एवं को दर्शाता है।

मिनीमाता कन्या छात्रावास

कमरों की कुल संख्या :100

वर्तमान निवासियों की कुल संख्या :178

अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	कुल
72	55	18	14	19	178

छात्रावास छात्राओं को मेस की सुविधा प्रदान करता है

- छात्रावास मेस के माध्यम से छात्रों को भोजन की सुविधा प्रदान करता है।
- छात्रावास मेस में मेस मेनू को सख्ती से लागू किया गया है:
- छात्रों की शिकायत निवारण (फीडबैक रजिस्टर प्रदान करके)।
- छात्रावास प्रशासन छात्रावास की मेस सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है।
- जिन लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या है उनके लिए अलग भोजन (खिचड़ी/दलिया) की व्यवस्था।
- छात्रावास स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, नवरात्रि, रमजान, होली, दिवाली और महिला दिवस आदि जैसे विशेष अवसरों के पर छात्राओं हेतु विशेष भोजन की व्यवस्था करता है।
- प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को मेस द्वारा विशेष भोजन उपलब्ध कराया जाता है।
- मेस कट सुविधा का लाभ लड़कियाँ उठा सकती हैं।

छात्रावास छात्राओं के समग्र विकास के लिए विभिन्न सह–पाठ्यचर्या और पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने के लिए रहवासियों को संगठित और प्रेरित करता है। कुछ नीचे सूचीबद्ध हैं:

क. सं.	नाम	उपलब्धि
1.	सुश्री प्रज्ञान	राष्ट्रीय कलामंच जीजीयू, सीएसआईटी विभाग द्वारा प्रस्तुत '' स्वयं '' नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया
2.	सुश्री वर्षा साहू	जीजीयू 2023 में एनआईसी शिविर के दौरान ल20 विषयक ''पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता'' में द्वितीय स्थान प्राप्त किया
3.	सुश्री पल्लवी	उमरिया दादर में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर में सम्मिलित हुईं
4.	सुश्री दीपांशी राजपूत	7 दिवसीय एनएसएस शिविर में सम्मिलित हुईं
5.	सुश्री सौमी मलिक	बिहेवियर क्लब द्वारा लैंगिक समानता पर आयोजित 3 दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया
6.	सुश्री शालिनी	सेंट्रल जेल में पहली बार आयोजित खुशी प्रोजेक्ट में स्वयंसेवक बने और नुक्कड़–नाटक भी किया
7.	सुश्री समीक्षा साहू	मानव विज्ञान एवं जनजातीय विकास विभाग द्वारा आयोजित जातीय गौरव सप्ताह के दौरान ''भाषण प्रतियोगिता'' में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया

इसके अतिरिक्त, छात्रावास में नीचे सूचीबद्ध विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए:

- **26.01.23 को बसंत पंचमी (सरस्वती पूजा) का उत्सव:** बसंत पंचमी (26 जनवरी 2023) के अवसर पर मिनीमाता कन्या छात्रावास में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशासनिक वार्डन और वार्डन ने छात्रावास के रहवासियों के साथ सरस्वती पूजा में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में रहवासियों ने भाग लिया, जिसकी सभी ने सराहना की।

- **प्रो.रश्मि अग्रवाल का विदाई कार्यक्रम आयोजित 30.01.23:** कन्या छात्रावास में प्रो.रश्मि अग्रवाल (पूर्व प्रशासनिक वार्डन) के लिए विदाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने सुंदर हस्तनिर्मित पोस्टर प्रस्तुत किये।

- मिनीमाता कन्या छात्रावास जीजीवी बिलासपुर के रहवासियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य विभाग, जिला अस्पताल बिलासपुर के सहयोग से मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल द्वारा 25ध03ध2023 को ''मानसिक तनाव और आत्महत्या रोकथाम'' विषयक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें डॉ. राजेश्वरी गर्ग सहायक

प्राध्यापक शिक्षा विभाग और मनोवैज्ञानिक परामर्श अनुभाग समन्वयक ने छात्रावास के निवासियों के साथ वर्तमान परिदृश्य में तनाव के प्रकार के बारे में बातचीत की। प्रशासनिक वार्डन प्रो. चारू अरोड़ा ने रहवासियों को संबोधित किया और उन्हें भविष्य में तनाव मुक्त सुखी जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। मनोरोग नर्स सुश्री विभा बंसिरियार और सुश्री एंजेलिना वी.लाल की उपस्थिति में डॉ.अनुराधा जोशी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

- मनोवैज्ञानिक परामर्श अनुभाग द्वारा दिनांक 04.04.2023 को रक्षा टीम, बिलासपुर पुलिस छ.ग. के सहयोग से बालिका सुरक्षा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजनः मिनीमाता कन्या छात्रावास कि रहवासियों के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श अनुभाग, जीजीवी बिलासपुर द्वारा सीजी पुलिस रक्षा टीम के सहयोग से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिक्षा विभाग की सहायक प्राध्यापक और मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल की समन्वयक डॉ. राजेश्वरी गर्ग ने लड़कियों की सुरक्षा, डर और असुरक्षा की भावना एवं लड़कियों के मानसिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है जैसे मुद्दों पर छात्रावास के रहवासियों के साथ चर्चा की। रक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक दुर्गा किरण पटेल ने छात्राओं को लड़कियों की सुरक्षा के लिए एप अभिव्यक्ति के बारे में जानकारी देते हुए एप के उपयोग के बारे में प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी वार्डन और एडमिन वार्डन प्रो. चारू अरोड़ा उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.नीरज कुमारी ने किया।

4.3.5 जिमनेशियम / व्यायामशाला

देश भर से बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय के छात्रावासों में रह रहे हैं। इन छात्रों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित अत्याधुनिक व्यायामशाला स्थापित है।

4.3.6 सेंट्रल प्लेसमेंट सेल

01	रंजन सिंह ठाकुर	एमबीए	आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल	02	02.15 लाख	04.04.2022
02	शशांक श्रीवास	एमबीए				
03	अभिषेक पटेल	एमसीए	इंटरबिज परामर्श	02	03.00 लाख	04.04.2022
04	मणिकांत महतो	एमसीए				
05	स्वर्णाली डीहा	रसायन विज्ञान	अल्ट्रा टेक सीमेंट लिमिटेड	03	03.50 लाख	13.04.2022
06	नित्यानंद यादव	रसायन विज्ञान				
07	गौरव सोनी	रसायन विज्ञान				
08	दुर्गा	एमसीए	रेजिलियंस	02	01.80 लाख	25.04.2025
09	अनन्या शुक्ला	एमसीए				
10	विनीत सिंह बघेल	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन	09	04.08.000 लाख	26.04.2022
11	वैशाली गुप्ता	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी				
12	श्रेयन शर्मा	एमएससी गणित				
13	श्रेया दुबे	एमएससी				

		प्राणी शास्त्र				
14	पराग बैनर्जी	एमएससी प्राणी शास्त्र				
15	नूतन साहू	एमएससी गणित				
16	खुशबु चौधरी	एमएससी प्राणी शास्त्र				
17	अंजलि सिंह	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी				
18	गजेन्द्र राय	एमए अर्थशास्त्र				
19	श्री राजन	एमबीए	एड प्रयास	06	02.40 से 04.21 लाख	11.07.2022
20	श्री कुनाल सिंह					
21	श्री राम गोयल					
22	श्री आशुतोष कुमार गोंड					
23	सुश्री कृति सिंह					
24	सुश्री श्वेता सिंह					
25	अमोघ प्रवीन पेटे	सीएसई	अमेरिकन एक्सप्रेस	02	16.78 लाख	14.07.2022
26	हिमांशु गुप्ता	सीएसई				
27	मोनिषा	बीटेक	जैमिनी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	05	07.2 लाख	08.08.2022
28	आयुष सक्सैना					
29	शिवम					
30	शुभम वार्ष्णेय					
31	युधिष्ठिर					
32	इशिता कश्यप	एम.कॉम	वेदांता (बाल्को एएलयू. कॉम.)	26	05.50 लाख	28.09.2022
33	रुचि पटेल	एम.कॉम				
34	कालेश्वरी सारथी	एम.कॉम				
35	शीतल यादव	एम.कॉम				
36	नयन पटेल	एम.कॉम				
37	प्रकाश कुमार चंद्रा	एम.कॉम				
38	प्रखर सिंह	एम.कॉम				
39	कृति साहू	एम.कॉम				
40	कृष्णा पटेल	भौतिक विज्ञान				
41	गरिमा देवांगन	रसायन विज्ञान				
42	अमीषा साहू	रसायन विज्ञान				
43	भरत कुमार	रसायन विज्ञान				
44	सौरभ साहू	रसायन विज्ञान				
45	ईशा गुप्ता	रसायन				

		विज्ञान				
46	हिमानी	भौतिक विज्ञान				
47	इंद्र कुमार सोनकर	भौतिक विज्ञान				
48	रश्मी बघेल	रसायन विज्ञान				
49	धृति मोहन पांडा	भौतिक विज्ञान				
50	कौशल कुमार त्रिपाठी	भौतिक विज्ञान				
51	अंजलि यादव	रसायन विज्ञान				
52	अमन सिंह राजपूत	रसायन विज्ञान				
53	मिश्कत सिंह आलम	रसायन विज्ञान				
54	जागृति साहू	भौतिक विज्ञान				
55	अस्मिता साव	रसायन विज्ञान				
56	रोशन कुमार	भौतिक विज्ञान				
57	लोकेश साहू	रसायन विज्ञान				
58	राघव मिश्रा	बीटेक	टीसीएस पुणे	05	7.6 लाख	05.12.2022
59	युवराज सिंह	बीटेक			7.6 लाख	
60	धीरेंद्र तिवारी	बीटेक			4 लाख	
61	नरसिंहसंगम	बीटेक			4 लाख	
62	विशाल विजयम	बीटेक			4 लाख	
63	कौस्तुभ अग्रवाल	एमबीए	केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड	01	3.6 लाख	02.01.2023
64	इशिका दुबे	एमएससी गणित	वेदांता लिमिटेड	01	4.5 लाख	02.01.2023
65	राखीराम कश्यप	एमबीए	केंट आरओ सिस्टम्स लिमिटेड	02	3.6 लाख	02.01.2023
66	अजयदास मानिकपुरी	एमबीए				
67	दीप्ति पुरेना	सामाजिक विज्ञान.	दिल्ली स्कूल ऑफ एजुकेशन	04	2.5 लाख	01.02.2023
68	दैवज्ञ शुक्ल	जीवविज्ञान				
69	खमेश खंडेलकर	वाणिज्य				
70	बेला प्रधान	अंग्रेजी				
71	मिथिलेश कुमार प्रसाद	एमए पीआईएल. एससी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन	12	4.5 लाख	28.02.2023
72	मनीष साहू	एमएसडब्ल्यू				
73	साची हियाल	एमए पोल.				

		अनुसूचित जाति				
74	श्रेया मिश्रा	एमएससी गणित				
75	अंशू यादव	एमए हिंदी				
76	हर्ष मिश्रा	एमए अंग्रेजी				
77	सस्मिता भोई	एमएससी रसायन शास्त्र				
78	बीपी लिप्सा	एमएससी वनस्पति विज्ञान				
79	निकिता यादव	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी				
80	पूर्वी यादव	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी				
81	श्रेया चौबे	एमएससी जैव प्रौद्योगिकी				
82	स्वाति सुरवंशी	एमए अंग्रेजी				
83	गौरव तिवारी	एमबीए	इंडिया मार्ट इंटर मेश लिमिटेड	02	3.30 लाख	15.03.2023
84	वैभव शुक्ला	एमबीए				
85	आयुषी श्रीवास्तव	बी.कॉम	स्वतंत्र माइक्रो हाउसिंग	04	2.5 से 4.2 लाख	15.03.2023
86	पी. हर्ष पटनायक	एमबीए				
87	संजना सलूजा	एमबीए				
88	मानसी जैन	एमबीए				
89	विकास कुमार कौशिक	एमबीए	आईडीबीआई बैंक	05	10 से 12 लाख	17.03.2023
90	अजयदास मानिकपुरी	एमबीए				
91	अमर्त्य तिवारी	एमबीए				
92	अनुकृति तिवारी	एमबीए				
93	पी. आशीष कुमार	एमबीए				
94	सना फातिमा	एमबीए और वाणिज्य	आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल	10	2.30 लाख	21.03.2023
95	महिमा नाइक	एमबीए और वाणिज्य				
96	आयुष श्रीवास्तव	एमबीए और वाणिज्य				
97	हिमांशी वर्मा	एमबीए और वाणिज्य				
98	अदिति शुक्ला	एमबीए और वाणिज्य				
99	खुशबू विश्वकर्मा	एमबीए और वाणिज्य				
100	काजल स्वर्णकार	एमबीए और				

		वाणिज्य				
101	गौरव तिवारी	एमबीए और वाणिज्य				
102	राकेश पटेल	एमबीए और वाणिज्य				
103	निशा पटेल	एमबीए और वाणिज्य	आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल		02.15 लाख	

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय का केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ छात्रों को प्रतिष्ठित मल्टी–नेशनल, राष्ट्रीय संगठनों एनजीओ एवं निजी क्षेत्र में उचित स्थानन का कार्य करता है। विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार व्यवसाय से वांछित प्रशिक्षण और परामर्श का कार्य करता है। प्रकोष्ठ द्वारा स्थानन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग के साथ बाहर से आमंत्रित उम्मीदवारों को उपलब्ध अधोसंरचना प्राप्त करता है।

विश्वविद्यालय का यह प्रकोष्ठ छात्रों को कैम्पस से प्रबंधित प्रशिक्षण के अलावा कैम्पस हेतु आए हेतु विभिन्न कंपनियों को आवश्यक आधुनिक सुविधा भी प्रदान करता है। 200 व्यक्तियों की क्षमता वाली एयर कंडीशन सेमीनार हॉल के साथ–साथ साक्षात्कार हेतु वातानुकूलित कमरे भी हैं। विश्वविद्यालय की अन्य सुविधाओं में 100 यक्तियों की क्षमता वाला कॉन्फ्रेस रूम एवं सेमीनार हॉल भी है। विश्वविद्यालय में आधुनिक केन्द्रीय वातानुकूलित ऑडिटोरियम (रजत जयंती सभागार) जिसमें 800 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाली आईसीटी सुविधा उपलब्ध है।

यह प्रकोष्ठ इंडस्ट्रीज एवं विद्यार्थियों के मध्य व्यवस्था हेतु संपर्क–सूत्र का कार्य करता है सभी कम्पनियों को उनके आवश्यकता अनुसार चयन प्रकिया में सहायता प्रदान करता है। विश्वविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों को उचित व्यवसाय प्रदान करने में कॉरपोरेट सेक्टर कई संगठनों एवं संस्थाओं से सम्पर्क का कार्य करता है। यह प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को एक सफल पेशेवर बनाने हेतु योजना बनाकर सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित कराता है इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में स्थानन गतिविधियां आयोजित करने के अलावा उन्हें नवीतम तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाना है।

4.3.7 उड़ान–आधिकारिक छात्र पत्रिका

उड़ान, विश्वविद्यालय की आधिकारिक पत्रिका, छात्रों द्वारा स्थापित और वित्तपोषित है। जीजीवी की आवाज–उड़ान रचनात्मकता और प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करती है, कौशल विकास और एक दूसरे से सीखने को प्रोत्साहित करते हुए सदस्यों के समग्र विकास में सहायता करती है।

उड़ान सक्षम सदस्यों को जोड़ने के लिए एक भर्ती प्रक्रिया का पालन करती है जो अपनी भूमिका में निपुण है और इसमें नई जान डालती है। टीम में सात बोर्ड शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक का नेतृत्व एक बोर्ड प्रमुख करता है, और जो तीन मुख्य समन्वयकों की सामूहिक निगरानी में है। ऑडिशन प्रक्रिया में एक लिखित परीक्षा, एक समूह चर्चा और एक व्यक्तिगत साक्षात्कार शामिल होता है, जिसकी अध्यक्षता टीम के वर्तमान सदस्य करते हैं। उड़ान में, प्रत्येक गुजरते दिन के साथ सुधार और मजबूत होने के प्रयास में एक सीजन 1 अप्रैल को नए सिरे से शुरू होकर अगले वर्ष 31 मार्च को समाप्त होता है। प्रत्येक सदस्य को नए सदस्यों को सलाह देने और यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा गया है कि वे अपनी सेवा के दो सत्रों के दौरान जिम्मेदारी सक्षम हाथों में सौंपें। प्रोफेसर मनीष श्रीवास्तव, उड़ान के शिक्षक समन्वयक और प्रधान संपादक हैं।

उड़ान सक्रिय रूप छात्रों के लिए महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रकाश में लाने की जिम्मेदारी लेता है क्योंकि यह सिर्फ एक पत्रिका होने के बजाय छात्र निकाय की आंख और कान हैं। यह वर्ष आरंभ से अंत तक मनोरम घटनाओं से भरा रहा। रजत जयंती सभागर में आयोजित 17वीं राष्ट्रीय युवा संसद में, रिपोर्ताज को कवर

करने के अलावा, उड़ान टीम ने इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया, न केवल बहुत कुछ सीखा और अपनी सर्वांगीण प्रतिभा दिखाई, बल्कि प्रशंसा भी पाई। कानून विभाग द्वारा भारत के लोकाचारों का जश्न मनाते हुए 'भारत–लोकतंत्र की जननी' विषय पर एक कार्यशाला और प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें कानून पृष्ठभूमि के सदस्यों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिस तरह एक बच्चा अपनी माँ की देखभाल और प्यार में बड़ा होता है, उड़ान का पालन–पोषण गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के तत्वावधान में हुआ और इस बंधन की सुंदरता को चिह्नित करने के लिए जीजीवी और उड़ान के स्थापना दिवस को मनाने से बेहतर कोई तरीका नहीं हो सकता है और ठीक उसी दिन माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल की एक पहल 'स्वाभिमान थाली' के लॉन्च ने इस दिन को और भी यादगार बना दिया, जिसके लिए छात्र लगातार आभारी हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। कई गुणों वाला किसी भी गुण में माहिर न होने से कहीं बड़ा है, यह बात उड़ान ने प्रख्यापित की है और इस विचार को मजबूत करने के लिए हमारे अनुभवी पूर्व सदस्यों द्वारा 'फोटोग्राफी और फिल्म–निर्माण' पर एक विस्तृत कार्यशाला आयोजित की गई थी। व्यावहारिक अनुभव और एक शानदार फोटो–वॉक दिन का मुख्य आकर्षण थे। उड़ान न केवल मनोरंजन और सामाजिक कार्यक्रमों करता है, बल्कि संस्कृति और आध्यात्मिकता को आगे बढ़ाने के लिए भी समर्पित है। 'राष्ट्रीय संगोष्ठी – छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति में श्री राम', दो दिवसीय असाधारण कार्यक्रम बहुप्रतीक्षित कार्यक्रमों में से एक था, जिसका सभी ने खुशी के साथ इंतजार किया।

4.3.8 तरंग

तरंग विश्वविद्यालय का एक छात्र–प्रबंधित संगीत बैंड है। ऑडिशन कार्यक्रम के माध्यम से, अप्रैल, 2022 में नए सदस्यों की भर्ती ने तरंग की क्षमता को बढाया क्योंकि पिछले वर्षों में लॉकडाउन प्रतिबंधों के कारण ऑडिशन की व्यवस्था नहीं की जा सकी थी। तरंग टीम शास्त्रीय से लेकर लोक और पश्चिमी संगीत की प्रत्येक शैली में अपनी क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। टीम के सदस्य बहुभाषी पृष्ठभूमि और देश के विभिन्न राज्यों से हैं। तरंग में जोड़ कर उनकी प्रतिभा को निखरे जाने कि वजह से सदस्यों को पेशेवर रूप से बढ़ने में मदद मिलती है और रोजगार के कई अवसर भी खुलते हैं। उनमें से कई ने व्यक्तिगत रूप से प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है और अपने स्वयं के यूट्यूब चौनल खोले हैं या शहर में उपलब्ध ओपन माइक कार्यक्रमों में छोटे समूह में प्रदर्शन कर रहे हैं और साथ ही MyFM जैसे रेडियो चौनलों में भी प्रदर्शन किया है। इसलिए, यह आपसी सहयोग से पेशेवर संगीत कौशल को बढ़ाने के लिए एक अच्छा मंच है जो नौकरी की संभावनाओं और आर्थिक स्वतंत्रता के लिए फायदेमंद है।

परिसर में पूर्ण व्यक्तिगत उपस्थिति के साथ शुरू हो जाने कि वजह से परिसर जीवंत हो उठा एवं 2022–23 एक यादगार वर्ष साबित हुआ। दो साल के अंतराल के बाद, टीम ने ऑडिशन द्वारा अप्रैल, 2022 में टीम में कुछ नए सदस्यों को शामिल किया। वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा जैव विविधता पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की सांस्कृतिक शाम में तरंग की प्रस्तुति में

कई लाइव प्रदर्शन हुए, जनजातीय गौरव सप्ताह के साथ–साथ एनएसएस प्री–आरडी कैंप की सांस्कृतिक संध्या भी एक बड़ी सफलता रही।

टीम तरंग ने उत्तर–पूर्व की विजिटिंग टीम के साथ मुलाकात की और सांस्कृतिक आदान–प्रदान के लिए एक छोटा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसकी सराहना की गई। सांप्रदायिक सद्भाव और शांति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की सांस्कृतिक संध्या में तरंग बैड द्वारा 'संगीत सद्भाव है' विषय पर एक वाद्य संलयन प्रस्तुत किया गया। यह टुकड़ा राग हंसध्वनि पर बनाया गया था और इसका नेतृत्व तरंग के बांसुरी–वादक सभ्य ने किया था। अन्य सदस्यों ने उन्हें उपयुक्त संगत, उपयुक्त सवाल जवाब दिया और दर्शकों पर अपनी छाप छोड़ी।

रेडियो ऑरेंज के साथ फ्रेंडशिप डे समारोह, जश्न–ए–यारी, तरंग के सदस्यों के लिए एक बहुत बड़ा कार्यक्रम था, जिन्होंने बड़ी संख्या में दर्शकों के सामने प्रदर्शन किया। 18 नवंबर 2022 को रजत जयंती सभागार में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के एक भारत–श्रेष्ठ भारत के तहत आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लिए टीम तरंग ने छत्तीसगढ़ी और गुजराती लोकगीत प्रस्तुत किए। हमर पारा तुमार पारा, बैठन हाई चिरैया दारा लोर गयो रे, हे रंगलो, सोना वाटकडी रे जैसे प्रसिद्ध लोक गीत प्रस्तुत किये गये जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा।

लेक्स इग्निशिया 2023, अक्सा 2023, एस्पेक्ट्रो 2023 जैसे विभिन्न स्कूल उत्सवों में लाइव प्रदर्शन बहुत हिट रहे और इसने युवा कलाकारों को धमाल मचाने के लिए मंच दिया। ये ऐसे मंच हैं जहां उभरते संगीतकार पेशेवर गायन के कौशल और दृष्टिकोण को सर्वोत्तम रूप से सीखते हैं।

2022–23 तरंग के लिए सफल रहा। इस वर्ष दो मूल प्रतियाँ आईं। एक पूर्व प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिन पर था, जो विनम्र लेकिन मजबूत व्यक्ति के संघर्ष और योगदान को दर्शाता है गीत में ऐसे नेता से फिर से आने का आग्रह किया गया...एक नया भारत बनाने वाले शास्त्रीजी तुम को आना होगा।

दूसरा राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सरदार पटेल के योगदान को याद करने के लिए आया और उस मूल 'हे लौहपुरुष' को दर्शकों के साथ–साथ माननीय कुलपति द्वारा भी खूब सराहा गया।

छात्र समन्वयक के रूप में शुभम देवांगन, चंचल, सभ्य कुमार साहू पूरे वर्ष टीम का प्रबंधन करते रहे। तरंग हमेशा की तरह पूर्व छात्रों के सदस्यों के साथ एक बड़ा परिवार बन जाता है जो विश्वविद्यालय के उभरते संगीतकारों की तुरंत मदद, समन्वय, मार्गदर्शन और उत्साहवर्धन करते हैं।

4.3.9 अर्चिन्स – विश्वविद्यालय का थिएटर और नुक्कड़ नाटक समूह

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के थिएटर और ड्रामा क्लब अर्चिन्स ने फरवरी 2013 में अपनी उपस्थिति दर्ज की। 2013 से ही अर्चिन्स जीजीवी के साथ–साथ बिलासपुर में भी लोगों को थिएटर संस्कृति के बारे में जागरूक करने और छात्रों में कलात्मक मूल्य विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जीजीवी के झंडे को असीमित नीले आकाश में ले जाने के लिए अर्चिन्स हमेशा प्रयासरत रहा है और इसके लिए अर्चिन्स कई थिएटर प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा है और एनआईटी रायपुर, आईआईटी खड़गपुर के स्प्रिंग फेस्ट, आईआईटी भिलाई IIIT रायपुर और अन्य जगहों में सम्मानजनक स्थान हासिल कर चुका है। अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा के प्राध्यापक डॉ. मनीष श्रीवास्तव इस समूह के शिक्षक समन्वयक हैं।

प्रदर्शन

2022–23 के दौरान, अर्चिन्स ने ऑडिशन और कार्यशालाएं आयोजित कीं और नए बैच के कलाकारों ने पहली बार बिलासपुर के कई हिस्सों में हसदेव संरक्षण का प्रदर्शन किया। जून 2022 में अर्चिन्स ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से प्रकृति की गुहार का प्रदर्शन किया। डीएफओ, बिलासपुर और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से फिर से अर्चिन्स ने जुलाई 2022 में अचानकमार टाइगर रिजर्व के 08 गांवों में जीवन जन जंगल का प्रदर्शन किया। अगस्त 2022 में अर्चिन्स ने अनुभव भवन, बिलासपुर में अपना स्वयं का स्व–निर्देशित संगीत नाटक मेघ और विजय तेंदुलकर का खामोश!अदालत जारी है का प्रदर्शन किया। इसके बाद टीम ने नवंबर 2022 में मध्यम या मिथ्या के साथ जीजीवी के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। धिति वेल्फेयर फाउंडेशन के सहयोग से अर्चिन्स ने दिसंबर 2022 में उद्यम में अवसाद का प्रदर्शन किया। इसके बाद अर्चिन्स ने मार्च 2023 में जीजीवी के बीटेक विभाग द्वारा आयोजित तकनीकी उत्सव इक्विलब्रियो में नाटक मर्द के साथ अपनी छाप छोड़ी यहां तक कि रिवर व्यू और कंपनी गार्डन में इसका प्रदर्शन किया गया और बिलासपुर के दर्शकों ने टीम की प्रशंसा की। अर्चिन्स केवल यहीं नहीं रुके, बल्कि अग्रज नाट्य दल, बिलासपुर के सहयोग से रायपुर में 85वें कांग्रेस अधिवेशन कार्यक्रम में मंगल से महात्मा का प्रदर्शन किया। अर्चिन्स ने कॉलेज परिसर के अंदर इम्प्रोवाइजेशन एक्ट्स का प्रदर्शन करके विश्व रंगमंच दिवस मनाया और यहां तक कि साइंस फेस्ट, एस्पेक्ट्रो में भी एक्ट्स का प्रदर्शन किया। मदर्स डे के अवसर पर अर्चिन्स ने

रोटरी क्लब बिलासपुर के सहयोग से ममत्व का प्रदर्शन किया। 4 सितंबर, 2023 को मंचित नाटक अंधा घोड़ा के साथ अर्चिन्स ने वापसी की।

गतिविधियाँ

अर्चिन्स ने 6 सितंबर 2023 को एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया और थिएटर प्रथाओं के बारे में सीखा। और 7 और 8 सितंबर को अर्चिन्स ने आगामी बैचों के लिए ऑडिशन आयोजित किए जहां छात्रों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शन 2022–2023

- हसदेव संरक्षण
- रामा मैग्नेटो मॉल में जीव जन जंगल
- अचानकमार टाइगर रिजर्व में जीव जन जंगल
- मेघ (संगीत थिएटर)
- खामोश, अदालत जारी है (मंच नाटक)
- मध्यम य मिथ्या
- अवसाद का खेल
- मर्द
- मुंगले से महात्मा
- रंगमंच दिवस का सुधार
- एस्पेक्ट्रो साइंस फेस्ट इम्प्रोवाइजेशन
- ममत्व
- अंधा घोड़ा

गतिविधियाँ 2022–2023

- रंगमंच दिवस प्रदर्शन
- कार्यशाला 2023
- ऑडिशन 2023

4.3.10 'अभिनर्तन' – विश्वविद्यालय नर्तन समूह

विश्वविद्यालयीय नृत्य समूह 'अभिनर्तन' की स्थापना 2014 में हुई थी। यह नृत्य में अभिरुचि रखने वाले छात्रों को अवसर प्रदान करने के लिए एक विशिष्ट मंच है। अपनी यात्रा के इन 7 वर्षों में इस ग्रुप ने शास्त्रीय, अर्धशास्त्रीय

और लोकनृत्य विशेष पर अंतः और अंतर विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिताओं और प्रस्तुतियों में अपनी योग्यता को साबित किया है।

नए प्रतिभागियों के चयन के लिए हर साल इसके समन्वयक सितंबर से अक्टूबर माह में सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से ऑडिशन का आयोजन करते हैं, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्र इसमें चयनित होने के लिए भाग लेते हैं। डॉ. सीमा पांडे, सहायक प्राध्यापक इतिहास विभाग और श्री मुरली मनोहर सिंह, सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग इस समूह के संयोजक हैं।

5.सामान्य सुविधाएँ

विश्वविद्यालय के केंद्रीय विश्वविद्यालय में उन्नयन होने के उपरान्त गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने नई सहायक सेवाओं को विकसित करने और मौजूदा सेवाओं को मजबूत करने के लिए कई ठोस प्रयास किए हैं। एक संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है

5.1 आवास

जवाहर अतिथि गृह

हरे–भरे परिवेश और प्रदूषण मुक्त वातावरण के बीच स्थित विश्व विद्यालय अतिथि सदन में 16 अच्छी तरह से सुसज्जित और वातानुकूलित कमरे हैं जो परिसर में आगंतुकों को उचित शुल्क पर आराम से रहने और बैठकों के लिए 01 वातानुकूलित सम्मेलन कक्ष प्रदान करते हैं। मेहमानों को उचित शुल्क पर स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन परोसने के लिए, गेस्ट हाउस परिसर के भीतर एक सुसज्जित रसोईघर संचालित होता है। वर्तमान में सभी कमरे डीटीएच सिस्टम के साथ टेलीविजन से लैस हैं। 08 कमरों में रेफ्रिजरेटर लगाए गए हैं। चार वीआईपी कमरे डायरेक्ट डायलिंग टेलीफोन सुविधा से सुसज्जित हैं।

वानिकी अतिथि गृह

वानिकी अतिथि गृह की स्थापना भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आई.सी.एफ.आर.ई), देहरादून से प्राप्त सहायता अनुदान से की गई थी। इसमें 31 कमरे हैं। गेस्ट हाउस विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों से घिरा हुआ है। अतिथि गृह अतिथि शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों को अस्थायी आवास प्रदान करता है। गृह अतिथि में अच्छी तरह से सुसज्जित आधुनिक व्यायामशाला है। सभी कमरे अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। वर्तमान में, छात्रों के लिए आवास की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए वानिकी गृह अतिथि को अस्थायी रूप से छात्रावास में परिवर्तित कर दिया गया है।

नवीन अंतरराष्ट्रीय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की 11वीं योजना के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय अतिथि गृह का निर्माण किया गया। इसमें भूतल सहित दो अतिरिक्त तल हैं। इसमें 5 वीआईपी कक्ष, 38 कक्ष, 1 पार्टी हॉल एवं व्यायामशाला की सुविधा है। यह परिसर के दक्षिण भाग में स्थित है एवं हरे–भरे वृक्षों से अच्छादित है।

कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधा

विश्वविद्यालय के कर्मचारियों हेतु आवासीय सुविधा भी प्रदान करता है। वर्तमान में शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु 233 आवास उपलब्ध है। कॉलोनी परिसर से अच्छी सड़क एवं अन्य सुविधाओं से जुड़ी है। यह कॉलोनी हरे–भरे प्रसन्नतापूर्ण वातावरण से घिरी है। विशेष सामाजिक उत्सवों एवं आध्यात्मिक शांति के लिए एक मंदिर भी है।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों हेतु परिसर में आवासीय सुविधा इस प्रकार हैं

क्रमांक	आवास के प्रकार	आवासों की संख्या
1	टाइप I	02
2	टाइप II	48
3	टाइप III	48
4	टाइप IV	75
5	टाइप डी	32
6	टाइप जी	08
7	टाइप आई	20

5.2 सम्मेलन कक्ष एवं प्रेक्षागृह

रजत जयंती सभागार

विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष 2007 के उपलक्ष्य में भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से निर्मित एक केन्द्रीकृत वायु प्रशीतक सुविधा से युक्त लगभग 800 व्यक्तियों की बैठक क्षमता वाले सभागार की सुविधा उपलब्ध है। सभागार की

संपूर्ण बैठक व्यवस्था मंच के दृश्यानुकूल एवं व्यवस्थित है। वार्षिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त इस सभागार में विविध कार्यक्रम यथा – दीक्षांत समारोह, गुरु घासीदास जयंती, केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापना दिवस, शिक्षक दिवस तथा बड़ी संख्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगोष्ठी, वाद–विवाद प्रतियोगिताएं एवं व्याख्यान भी आयोजित किये जाते हैं।

कांफ्रेंस हॉल (स्मार्ट क्लास सुविधा युक्त)

विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में स्थित कांफ्रेंस हॉल पूर्ण रूप से वातानुकूलित एवं लगभग 100 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता से युक्त है। कांफ्रेंस हॉल बहुद्देशीय कार्यों–बैठकों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, शोध मौखिकी एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु प्रयुक्त होने वाला स्थान है, जो सभी प्रकार की आधुनिक दृश्य–श्रव्य सुविधाओं से युक्त है।

मिनी कांफ्रेंस हॉल

कांफ्रेंस हॉल के साथ ही प्रशासनिक भवन में प्रथम तल एक पूर्ण वातानुकूलित मिनी काफ्रेंस हॉल भी स्थित है जो लगभग 40 लोगों की बैठक क्षमता से युक्त है। कॉन्फ्रेंस हॉल बैठकें, सेमिनार, कार्यशालाएं, पीएचडी मौखिक परीक्षा और विभिन्न सह–पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ आयोजित करने के लिए एक बहुउद्देशीय स्थल है ।

5.3 केन्द्रीय ग्रंथालय

विश्वविद्यालय केन्द्रीय ग्रंथालय की स्थापना विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोद्यार्थियों के शैक्षिक एवं सूचना आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए 26 अक्टूबर, 1984 में हूई। यह एक विशाल भवन में स्थित है जिसमे 500 से अधिक उपयोककर्ताओं की बैठने की क्षमता है। इस संग्रह में 181274 पुस्तकें 11454 ई– पुस्तकें, भारतीय/विदेशी विद्वानों की 4748 के पुराने अंकों एवं 1947 पीएच.डी. शोध प्रवृधों का संग्रह (1704 हार्ड कापी, 243 डाफ्ट कापी) सहित शामिल है।

ग्रंथालय अपने आंतरिक कियाकलापों के संचालन के लिये ग्रंथालय प्रबंधन साफ्वेयर एसआयूएल 2.0 का उपयोग कर रहा है तथ पुस्तकों के परिसंचरण एवं निगरानी हेतु आरएफआई1 तंत्र लगाया गया है। ग्रंथालनय के ई–संसाधनों को पढ़ने के लिये 50 निजी कम्प्यूटरों को मुक्त इंटरनेट एवं वाई–फाई सुविधओं के साथ रख गया है। गंथालय द्वारा परिसर के अन्दर उपयोगकत्ताओं को ई– संसाधनों को पढ़ने के लिये रिप्रोग्राफी, वर्तमान जागरूकता एवं चयनात्मक सूचना प्रसार सेवा भी उपलब्ध करायी जाती है। ग्रंथालय की सेवाओं से उपयोगिकीताओं को जागरूक करने के उद्‌देश्य से उन्मुखीकरण कार्यकमों का आयोजन भी किया जाता है।

सेवाएं और सुविधाएं

उधार पुस्तक सेवाएं

अंतर–पुस्तकालय ऋण

फोटोकॉपी सेवाएँ

संदर्भ सेवाएं

इंटरनेट

ओ.पी.ए.सी/वेब.ओ.पी.ए.सी.

वाई–फाई (परिसर में)

सेवाओं और संसाधनों के उन्मुखीकरण के लिए स्मार्ट क्लास रूम और सेमी–स्मार्ट क्लास रूम

आर.एफ.आई.डी. आधारित निगरानी प्रणाली

सी.ए.एस.एवं एस.डी.आई (आवश्यकता के अनुरूप)

वर्ष के दौरान संसाधनों में वृद्धि

4908 मुद्रित पुस्तकें

1984 ई–पुस्तकें

उपलब्ध संसाधनः

पुस्तकें / ई–पुस्तकें			
संसाधन सामग्री	विगत वर्ष (2021–22)	इस अवधि के दौरान वार्षिक वृद्धि (2022–23)	कुल
पुस्तकें	176587	4687	181274
संदर्भ पुस्तकें	9068	221	9289
सीडी–रोम	1228	31	1259
ई–पुस्तकें	9470	1984	11454

पत्रिकाएं (मुद्रित / ऑनलाइन)			
संसाधन सामग्री	विगत वर्ष	इस अवधि के दौरान वार्षिक वृद्धि (2022–23)	कुल
पिछला खंड (प्रिंट)	4616	132	4748
जर्नल (प्रिंट) (विश्वविद्यालय सदस्यता)	180	शून्य	शून्य
ऑनलाइन जर्नल (विश्वविद्यालय सदस्यता)	04	शून्य	शून्य
डेटाबेस (विश्वविद्यालय सदस्यता)	05	शून्य	शून्य
**ई – शोध सिंधु ई–संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है – (पूर्ण पाठ ई–जर्नल)	6053	जारी 6005	6005
**ई – शोध सिंधु ई–संसाधनों तक पहुंच प्रदान करता है – (डेटाबेस)	02	जारी 02	02

अन्य संग्रह			
विवरण	विगत वर्ष (2021–22)	वर्ष के दौरान वृद्धि (2022–23)	कुल
एम.फिल शोध प्रबंध	650	0	650
पीएचडी थीसिस (हार्ड कॉपी)	1571	133	1704
पीएचडी थीसिस (सॉफ्ट कॉपी)	210	33	243
समाचार पत्र (हिन्दी / अंग्रेजी / क्षेत्रीय)	12	जारी 12	12
पत्रिका	09	09 जारी01	10

सदस्यता विवरण				
सदस्यता की श्रेणी	सदस्यों की संख्या (2021–22)	नई सदस्यता जोड़ी गई (रिपोर्टिंग वर्ष 2022–23 के दौरान)	नो ड्यूज के माध्यम से छोड़ी गई सदस्यता (रिपोर्टिंग वर्ष 2022–23 के दौरान)	कुल
यूटीडी के छात्र	6865	2134	–2335	6664
यूटीडी के शिक्षक	159	16	–06	169

अनुसंधान विद्वान	566	15	–19	562
कर्मचारी	294	शून्य	–11	283

**अमेरिकन केमिकल सोसाइटी, अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी, टेलर एंड फ्रांसिस, स्प्रिंगर लिंक, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली और जेएसटीओआर, जे गेट और आईएसआईडी डेटाबेस – ई–शोधसिंधु (ईएसएस) के तहत इनफ्लिबनेट से प्राप्त होते हैं।

भविष्य योजना :–

- वेब ओपेक को उपयोगकर्ता हेतु अधिक अनुकूल बनाना।
- वेब ओपेक पर लिंक देकर सभी ई–संसाधनों को उपयोगकर्ता के डेस्कटॉप पर उपलब्ध कराना।
- वेब ओपेक के माध्यम से अधिक से अधिक खुले ई–संसाधनों का अन्वेषण कर और उन्हें उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराना।
- कोविड–19 की परिस्थिति के मद्देनजर पुस्तकालय के माहौल को अधिक आरामदायक और स्वच्छ बनाना।
- पाठकों के आरामदायक और लंबे समय तक बैठने के लिए वाचनालय में एयर कूलिंग।
- वेब 2.0, अन्य आईसीटी उपकरण और तकनीकों के परिप्रेक्ष्य में पुस्तकालय की सेवाओं का विस्तार।
- रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके लाइब्रेरी संसाधनों को उपयोगकर्ता के डेस्कटॉप पर ले जाना।
- आरएफआईडी का उपयोग करके स्वचालित दस्तावेज प्रबंधन प्रणाली की सेवाओं का विस्तार।

5.4 कैफेटेरिया

- जी1 मंजिल वाली नई कैफेटेरिया बिल्डिंग का निर्माण यूजीसी की XI योजना के सहायता अनुदान से किया गया है। यह विश्वविद्यालय सभागार के पीछे स्थित है। इसमें भूतल पर 25 मीटर x 16 मीटर का एक बड़ा कैफे–सीटिंग हॉल है। पहली मंजिल पर पाँच बड़े हॉल हैं: कैफेटेरिया का कुल निर्मित क्षेत्र 1005 वर्ग मीटर है। कैफेटेरिया विश्वविद्यालय की दैनिक जरूरतों को सफलतापूर्वक पूरा कर रहा है। कैफेटेरिया सभी कार्य दिवसों पर सुबह 8.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक खुला रहता है, विशेष अवसरों पर कैफेटेरिया छुट्टियों में भी खुलता है।

5.5 केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग

विश्वविद्यालय 655 एकड़ से अधिक भूमि में फैला हुआ है, जिसमें कई इमारतें, प्रयोगशालाएं, आवासीय अपार्टमेंट, गेस्ट हाउस, हॉस्टल, पेड़ों की बहुमूल्य प्रजातियों के साथ वन भूमि और

जल निकाय हैं। इस व्यापक रूप से फैले परिसर की सुरक्षा बनाए रखने के लिए एक कुशल और सतर्क सुरक्षा प्रणाली प्रमुख आवश्यकता है, इसके लिए विश्वविद्यालय ने केंद्रीय सुरक्षा अनुभाग बनाया। केंद्रीय सुरक्षा अनुभाग में एक सुरक्षा अधिकारी, दो सहायक सुरक्षा अधिकारी और पांच सुरक्षा पर्यवेक्षक शामिल हैं। यह विश्वविद्यालय प्रशासन के तहत काम करता है और परिसर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। इसके लिए विश्वविद्यालय परिसर को चार खंडों उत्तर, पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में बांटा गया है। प्रत्येक जोन की देखभाल सहायक सुरक्षा अधिकारी और सुरक्षा पर्यवेक्षकों द्वारा की जाती है। सहायक सुरक्षा अधिकारी समय–समय पर प्रत्येक जोन का निरीक्षण करते हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन और संविदा सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय भी केंद्रीय सुरक्षा अनुभाग द्वारा स्थापित किया जाता है। विश्वविद्यालय परिसर के अंदर यातायात को विनियमित करना, पार्किंग सुविधाओं को व्यवस्थित करना और परिसर में अनुशासन बनाए रखने में प्रॉक्टोरियल बोर्ड की सहायता करना भी केंद्रीय सुरक्षा अनुभाग के कर्तव्यों में शामिल है।

5.6 बच्चों का पार्क

विश्वविद्यालय के शिक्षण और गैर–शिक्षण कर्मचारियों के परिवारों और बच्चों के खेलने के लिए, विश्वविद्यालय के आवासीय क्षेत्र में एक पार्क विकसित किया गया था।

गौरतलब है कि झूले, सी सॉ, स्लाइड, मैरी गो राउंड, स्पाइडर वेब आदि सभी सुविधाएं शारीरिक शिक्षा विभाग में संग्रहित लोहे के स्क्रैप से बनाई जाती हैं।

सुविधाएं इस प्रकार हैं:

- 04 झूले (प्रत्येक में 02 बैठने योग्य)
- 02 सीसॉ (प्रत्येक में 02 बैठने की मशीन)
- 02 जंगल जिम
- 01 स्पाइडर वेब
- 01 मेरी गो राउंड
- 01 स्लाइड

पार्क में ये सुविधाएं भी हैं:

- फ्लड लाइट के साथ 01 बैडमिंटन कोर्ट।
- 01 वॉलीबॉल कोर्ट।

इन सुविधाओं का उपयोग बच्चे अपने खाली समय की गतिविधियों के लिए और परिवार के सदस्य सुबह और शाम की सैर के लिए कर रहे हैं।

5.7 स्वास्थ्य केंद्र

स्वास्थ्य केंद्र विश्वविद्यालय परिसर के केंद्र में स्थित है। स्वास्थ्य केंद्र में पुरुष वार्ड, महिला वार्ड और एक पैथोलॉजिकल लैब है जो छात्रों, परिसर के आवासियों और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करता है। केंद्र में सहायक स्टाफ कंपाउंडर, एएनएम (महिला) और एम्बुलेंस चालक के साथ एक चिकित्सा अधिकारी तैनात है। स्वास्थ्य केंद्र पर समय–समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक आते रहते हैं। उसी समय, जिस मरीज को आगे के उपचार की आवश्यकता होती है उसे मेडिकल कॉलेज (CIMS) या अपोलो अस्पताल में रेफर किया जाता है। छात्रों, कर्मचारियों के लिए सभी चिकित्सा सुविधाएँ, उपचार और दवाएँ निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य केंद्र में विभिन्न रक्त परीक्षण करने के लिए एक इलेक्ट्रो कार्डियोग्राफी (ईसीजी) मशीन और एक रासायनिक रक्त विश्लेषक है। स्वास्थ्य केंद्र चौबीस घंटे एम्बुलेंस सेवाएँ भी प्रदान करता है और कॉल पर डॉक्टर चौबीसों घंटे उपलब्ध रहते हैं। केंद्र में सीमित आंतरिक रोगी सुविधा है।

5.8 आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कक्ष (आईक्यूएसी)

विश्वविद्यालय के विभिन्न समूहों के दैनिक कामकाज की निगरानी और सुधार के लिए, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल की स्थापना की गई है जिसे इस अवधि के दौरान मजबूत किया गया है। सेल से विश्वविद्यालय के कामकाज में सुधार की दिशा में विभिन्न पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन की जांच, सुझाव और निगरानी करने की अपेक्षा की जाती है। विश्वविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए समग्र शिक्षण, सीखने की प्रक्रियाओं, अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र और शैक्षणिक माहौल में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सत्र 2021–22 के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूएआर) एनएएसी पोर्टल पर अपलोड की गई। साथ ही सत्र 2020–21 और 2021–22 के एक्यूएआर के लिए प्राप्त प्रश्नों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया और दोनों एक्यूएआर को एनएएसी द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। दिनांक 15–16.09.2022 को आईक्यूएसी द्वारा एनएएसी कार्यशाला का आयोजन किया गया। शिक्षकों को सत्र 2019–20, 2020–21 और 2021–22 के लिए विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक विभागों का आंतरिक शैक्षणिक लेखा परीक्षा कार्य पूरा किया गया। विश्वविद्यालय का ग्रीन ऑडिट और एनर्जी ऑडिट भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, इस अवधि के दौरान आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन सेल की 06 बैठकें आयोजित की गईं। आईआईक्यूए को विश्वविद्यालय के दूसरे चक्र की मान्यता के लिए तैयार किया गया था। एसएसआर का काम पूरा हो चुका है। इसे नई वेबसाइट पर अपलोड करने की प्रक्रिया चल रही है।

एसएसआर की तैयारी का काम भी पूरा हो चुका है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग और द वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग प्रक्रियाधीन है. विश्वविद्यालय को आईएसओ प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय ने यूआई ग्रीन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भाग लिया और जिसमें विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर 19वां स्थान और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 503वां स्थान प्राप्त हुआ।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल द्वारा विभिन्न प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जो एनईपी–2020 के कार्यान्वयन के लिए दिशा देता है। सभी मानदंड समन्वयकों ने विश्वविद्यालय के लिए तैयार की गई नई वेबसाइट पर एसएसआर से संबंधित सभी दस्तावेजों और आईक्यूएसी से संबंधित गतिविधियों को अपलोड करने के लिए विशेष प्रयास किए हैं।

आईक्यूएसी ने इस अवधि के दौरान नियमित कार्यों के साथ–साथ एनआईआरएफ पोर्टल पर डेटा अपलोड करने सहित डेटा विश्लेषण का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

5.9 स्वाभिमान थाली

स्वाभिमान थाली योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के वंचित छात्रों को किफायती और पौष्टिक भोजन प्रदान करना है। यह पहल समुदायिक योगदान के माध्यम से वित्त पोषित, जरूरतमंदों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर उनकी सेवा करने का प्रयास करती है।

उद्देश्यः स्वाभिमान थाली योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को किफायती और पौष्टिक भोजन मिल सके। न्यूनतम संभव दरों पर स्वस्थ भोजन प्रदान करके, यह पहल जरूरतमंद और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की जरूरतों को पूरा करने, उनकी भलाई और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करती है।

परिचय : यह योजना विश्वविद्यालय के जरूरतमंद छात्रों के लिए 26 जनवरी 2023 को शुरू हुई।

प्रबंधन : विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक स्वाभिमान थाली योजना के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे भोजन तैयार करने से लेकर वितरण तक की पूरी प्रक्रिया की निगरानी करते हैं। दोपहर के भोजन के समय (12:30 बजे से 2 बजे तक), जरूरतमंद छात्रों को पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर भोजन कूपन प्रदान किए जाते हैं, जिससे उन्हें केवल ₹10 में पौष्टिक भोजन प्राप्त करने की अनुमति मिलती है। प्रत्येक विभागीय इकाई के स्वयंसेवक, अपने संबंधित कार्यक्रम अधिकारियों के मार्गदर्शन में, दो सप्ताह की अवधि के लिए योजना के संचालन की जिम्मेदारी लेते हैं। इस पहल की सेवा में स्वयंसेवकों द्वारा बिताया गया समय संगठन के भीतर उनकी नियमित गतिविधियों का हिस्सा माना जाता है।

वार्षिक रिपोर्ट : गुरु घासीदास विश्वविद्यालय समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है और इस लक्ष्य की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल स्वाभिमान थाली है। जनवरी 2023 से, यह अनूठा कार्यक्रम विश्वविद्यालय में जरूरतमंद छात्रों को केवल ₹10 की किफायती कीमत पर पौष्टिक दैनिक भोजन प्रदान कर रहा है। स्वाभिमान थाली के माध्यम से पेश किए गए पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन ने छात्रों के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा किया है, जिससे इसकी लोकप्रियता स्पष्ट हो गई है। इसकी विशिष्टता यह है कि राष्ट्रीय सेवा योजना के समर्पित स्वयंसेवक स्वाभिमान थाली का संपूर्ण प्रबंधन संभालते हैं। इस व्यवस्था के पीछे का उद्देश्य छात्रों में प्रबंधन कौशल के विकास को बढ़ावा देना है और इस उद्देश्य की सफलता स्पष्ट है।

गुरु घासीदास स्वाभिमान थाली को राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक मान्यता और प्रशंसा मिली है, जिससे दूर–दूर से पर्यटक इसका अनुभव करने के लिए विश्वविद्यालय आते हैं। छात्रों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के कारण परोसी जाने वाली थालियों की संख्या जनवरी 2023 में 100 से बढ़कर मार्च 2023 में 300 और अप्रैल 2023 में 500 हो गई। यह विस्तार स्वाभिमान थाली के प्रति छात्रों के बीच गहरे लगाव और उत्साह को दर्शाता है, जिससे यह एक महत्वपूर्ण सफलता की कहानी बन गई और अन्य विश्वविद्यालयों और संस्थानों के लिए अनुकरणीय मॉडल बन गई।

स्वाभिमान थाली योजना के कुछ छायाचित्र

5 .10 मीडिया सेल

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीवी), बिलासपुर ने अक्टूबर, 2009 में मीडिया सेल की स्थापना की और तब से यह समाज के लिए विश्वविद्यालय के दर्पण के रूप में काम कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय–समाज–मीडिया इंटरफेस को जोड़ना है। सेल का एक मुख्य कार्य समाचार, फोटो एवं सूचनाएं एकत्र करना, चयन करना एवं मीडिया तक भेजना है। समाचार और सूचना भेजने के अलावा, यह प्रेस कॉन्फ्रेंस, मीडिया वार्ता और विभिन्न

कार्यक्रमों / घटनाओं / गतिविधियों की फोटो और वीडियोग्राफी (आउटसोर्सिंग के माध्यम से) की भी व्यवस्था करता है।

वर्तमान मीडिया सेल में प्रभारी के रूप में एक प्राध्यापक, जनसंपर्क अधिकारी और हिंदी अधिकारी और समय–समय पर सक्षम अधिकारी द्वारा नामित अन्य सदस्य शामिल हैं। मीडिया सेल कार्यालय प्रशासनिक भवन की पहली मंजिल पर स्थित है, जिसमें नवीनतम कॉन्फिगरेशन डेस्क टॉप कंप्यूटर, प्रिंटर, स्कैनर और इंटरनेट आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं।

मीडिया सेल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए समय–समय पर ब्रीफिंग आयोजित करता है। सेल प्रतिदिन विश्वविद्यालय से संबंधित समाचार पत्रों से समाचार क्लिप एकत्रित करता है और उसे काटकर सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करता है।

विभिन्न सूचनाओं (समाचारों) के लिए विश्वविद्यालय की सोशल मीडिया वेबसाइट फेसबुक और ट्विटर के अकाउंट को बनाए रखने और अपडेट करने तथा फोटोग्राफ अपलोडिंग का कार्य डॉ. अमित जैन देख रहे हैं। विश्वविद्यालय की वेबसाइट फेसबुक और ट्विटर से जुड़ी हुई है। लिंक पर क्लिक करके कोई भी फेसबुक और ट्विटर तक पहुंच सकता है।

सेल विश्वविद्यालय के वेब पोर्टल के मुख्य पृष्ठ और फोटो गैलरी पर विभिन्न कार्यों की नवीनतम तस्वीरें अपलोड करने की जिम्मेदारी भी लेता है।

5.11 राजभाषा अनुभाग

विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड किए जाने के बाद वर्ष 2009 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में राजभाषा अनुभाग की स्थापना की गई थी। यह अनुभाग प्रारंभ में विकास अनुभाग के अंतर्गत कार्य कर रहा था। राजभाषा प्रकोष्ठ का मुख्य कार्य विश्वविद्यालय में राजभाषा अधिनियम, नियमों एवं राजभाषा नीति का अनुपालन कराना है। इसके लिए कुलपति की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं। सेल द्वारा प्रत्येक तीन माह में सभी शैक्षणिक विभागों एवं प्रशासनिक अनुभागों से राजभाषा संबंधी आंकड़े एकत्र एवं संकलित किये जाते हैं तथा त्रैमासिक रिपोर्ट नियमित रूप से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा मंत्रालय) के उच्च शिक्षा विभाग को भेजी जाती है। विश्वविद्यालय में राजभाषा नीति के क्रियान्वयन हेतु एक हिन्दी अधिकारी की नियुक्ति की गयी है। राजभाषा नीति के अनुसार विश्वविद्यालय के सभी नामपट्ट और सूचना पटल आदि को द्विभाषी कर दिया गया है।

रिपोर्टिंग वर्ष की उपलब्धियाँ

14–15 सितंबर, 2022 को सूरत (गुजरात) में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस एवं द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी अधिकारी श्री अखिलेश तिवारी ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा श्री तिवारी ने विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा "छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति में श्री राम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा 21 फरवरी 2023 को रजत जयंती सभागर में मातृभाषा दिवस समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलांबरी दवे, पूर्व कुलपति, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात) थीं। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एडीएन बाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर और प्रोफेसर बंश गोपाल सिंह, कुलपति, पंडित सुंदर लाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, बिलासपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल ने की।

रिपोर्टिंग वर्ष में, हिंदी अधिकारी ने 9 दिसंबर, 2022 को ऑल इंडिया रेडियो बिलासपुर में और 20 दिसंबर, 2022 को पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, भरारी कार्यालय में राजभाषा प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा स्वयंसेवी संस्था ''समर्थन'' ने 28 दिसम्बर 2022 को बाल श्रम उन्मूलन पर आयोजित कार्यशाला में श्री तिवारी को अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।

इसके अलावा, रिपोर्टिंग वर्ष में विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट 2021–2022 के हिंदी संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में हिंदी अधिकारी श्री अखिलेश तिवारी ने विभिन्न विभागों से अंग्रेजी में प्राप्त सामग्री का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद किया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अनुभाग द्वारा समय–समय पर जारी सभी प्रवेश संबंधी अधिसूचनाओं, परिपत्रों और आधिकारिक ज्ञापनों का अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद किया गया।

क्र.	तारीख	प्रशिक्षण / बैठक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	07.06.2022	राजभाषा नीति, नियम एवं राजभाषा के उपयोगी उपकरण विषय पर राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला	35
2.	28.06.2022	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छत्तीसवीं बैठक	17
3.	23.09.2022	राजभाषा प्रशिक्षण कार्यशाला	13
4.	30.09.2022	राजभाषा की सैंतीसवीं बैठक कार्यान्वयन समिति	15
5.	23.12.2022	राजभाषा प्रशिक्षण की कार्यशाला	16
6.	29.12.2022	राजभाषा की अड़तीसवीं बैठक कार्यान्वयन समिति	15
7.	22.03.2023	राजभाषा प्रशिक्षण की कार्यशाला	09
8.	31.03.2023	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की उनतालीसवीं बैठक	15

5.12 डाकघर और बैंकिंग

परिसर के निवासियों और छात्रों को बैंकिंग और संचार सुविधाएं प्रदान की गई हैं। डाकघर और पंजाब नेशनल बैंक विश्वविद्यालय परिसर में ये सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। डाकघर विश्वविद्यालय परिसर के पश्चिमी कोने के पास सेवाएं प्रदान करता है जहाँ 'स्पीड पोस्ट' सेवा, टेलीफोन बिल जमा करने जैसी अन्य सुविधाएँ उपलब्ध हैं। परिसर में एक नया इलेक्ट्रॉनिक टेलीफोन एक्सचेंज भी स्थापित किया गया है। पंजाब नेशनल बैंक का एटीएम विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है और उपलब्ध है।

5.13 मनोवैज्ञानिक परामर्श केन्द्र

मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल जीजीवी बिलासपुर द्वारा राजमोहनी देवी बालिका छात्रावास के रहवासियों के लिए एक टॉक शो का आयोजन किया गया, डॉ. शालिनी मेनन सहायक प्राध्यापक, शारीरिक शिक्षा विभाग को टॉक शो के अतिथि विद्वान के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने '' मासिक धर्म स्वच्छता '' पर व्याख्यान दिया और इसके महत्व के बारे में चर्चा की। छात्रावास के रहवासियों ने मासिक धर्म चक्र और स्वच्छता के विभिन्न

पहलुओं के बारे में अपने प्रश्न पूछे। मनोवैज्ञानिक परामर्श सेल जीजीवी बिलासपुर की समन्वयक डॉ. राजेश्वरी गर्ग ने मानसिक स्वच्छता के संबंध में बालिकाओं से बातचीत की। उन्होंने सही भोजन, सही दिनचर्या, सही सोच तीनों का संयोजन ही मानसिक स्वच्छता का मार्ग बताया।

5.14 सूचना का अधिकार (आरटीआई) अनुभाग

विश्वविद्यालय में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 लागू है। 2022–2023 (20 अप्रैल से 20 मार्च) के दौरान 82 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों से प्राप्त आवेदनों को आवेदकों को सूचना उपलब्ध कराने हेतु संबंधित जन सूचना अधिकारियों को भेजा गया। वर्ष 2022–2023 (अप्रैल 2022 से मार्च 2023) के दौरान प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष प्रथम अपील हेतु 09 आवेदन प्रस्तुत किये गये। प्रथम अपीलीय प्राधिकारी अपील सुनता है और नियमानुसार आवेदनों का निस्तारण करता है।

आरटीआई अनुभाग नियमित रूप से मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) और केंद्रीय सूचना आयोग को जानकारी के लिए मासिक प्रपत्र भेजता था। आरटीआई वार्षिक रिटर्न सूचना प्रणाली के तहत प्रत्येक तिमाही में त्रैमासिक जानकारी भी समय पर सीआईसी वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है।

5.15 एसटीडी/पीसीओ और फोटोकॉपी कॉर्नर

परिसर के अंतर्गत ये सुविधाएं एक प्रशासनिक भवन परिसर में और दूसरी केंद्रीय पुस्तकालय भवन में उपलब्ध हैं। फोटोकॉपी केंद्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित रियायती दरों पर फोटोकॉपी प्रदान करता है। फोटोकॉपी के साथ–साथ टेलीफोन एवं फैक्स की सुविधा भी उपलब्ध है। ये कोने उचित दरों पर स्थिर वस्तुएँ भी बेचते हैं।

5.16 अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी) सेल

विश्वविद्यालय ने नवंबर 1988 में यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार एक एससी/एसटी सेल की स्थापना की। यह सेल एससी/एसटी छात्रों को सरकारी नियमों के अनुसार छात्रवृत्ति प्राप्त करने में सहायता प्रदान करता है और इस संबंध में उनकी समस्याओं से निपटता है। सेल प्रवेश के संबंध में शैक्षणिक विभागों द्वारा अपनाई गई आरक्षण नीति का भी निरीक्षण करता है। सेल के मुख्य उद्देश्य हैं:

- छत्तीसगढ़ के साथ–साथ सीजी राज्यों के बाहर के एससी/एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को छात्रवृत्ति प्राप्त करने में सहायता करना।
- एससी/एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के विवरण का दस्तावेजीकरण करना।
- काउंसिलिंग के माध्यम से छात्रों की मदद करना।
- विभिन्न छात्रवृत्तियों के संबंध में छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ के बाहर जिला और राज्य स्तर पर सरकारी अधिकारियों के साथ संपर्क करना।

प्रवेश के लिए विशिष्ट आरक्षण और छूट

भारत सरकार की नीति और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मार्गदर्शन के अनुसार, विश्वविद्यालय ने प्रत्येक पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 15% सीट और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए 7.5% सीटें आरक्षित की हैं। जहां भी आवश्यक हो, श्रेणियों के बीच अंतर–परिवर्तनशीलता का प्रावधान है। ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 27% आरक्षण है। ओबीसी के लिए प्रमाणपत्र उन्हीं अधिकारियों से

प्राप्त करना होगा जैसा कि एससी/एसटी श्रेणियों के लिए उल्लिखित है। इन सीटों पर प्रवेश उम्मीदवार द्वारा योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने और विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (वीईटी) में उपस्थित होने के बाद प्रदान किया जाता है।

भारत सरकार छात्रवृत्ति

विश्वविद्यालय अपने योग्य एससी और एसटी छात्रों को भारत सरकार की एससी/एसटी कल्याण छात्रवृत्ति प्रदान करता है। छात्रवृत्ति में वार्षिक आधार पर प्रवेश, ट्यूशन, परीक्षा और छात्रावास शुल्क की प्रतिपूर्ति शामिल है। छात्रवृत्ति के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या इस प्रकार है (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक)।

क्र.सं.	वर्ष	वर्ग	छात्रों की संख्या
1.	2021–22	अन्य पिछड़ा वर्ग	1498
2.	2021–22	अनुसूचित जाति	683
3.	2021–22	अनुसूचित जनजाति	338
4.	2021–22	अल्पसंख्यक	20
		कुल योग	**2539**

5.17 खेल सुविधाएं

विश्वविद्यालय का शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग परिसर में खेल सुविधाएं प्रदान करता है और उनका रखरखाव करता है। मौजूदा खेल सुविधाओं में दो फ्लडलाइट बास्केटबॉल कोर्ट, वॉली बॉल कोर्ट, क्रिकेट, टेनिस, फ्लड–लाइट, चार खो–खो , बैडमिंटन कोर्ट, कबड्डी कोर्ट, आधुनिक जिम, टेबल–टेनिस हॉल, हैंड–बॉल ग्राउंड, फुटबॉल ग्राउंड, और लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों में बैडमिंटन कोर्ट शामिल हैं। इन सुविधाओं का उपयोग परिसर के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा अपनी नियमित खेल गतिविधियों के लिए और विभिन्न स्तरों पर विशेष खेल कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए भी किया जाता है। छात्रों को विशेष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

5.18 शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न समझौता ज्ञापन

एमओयू का छह माह का रिपोर्ट प्रारूप	
विभाग का नाम – **शिक्षा**	एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथिः– **09. 11.2021**
एमओयू भागीदार का नामः– **शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, कोनी, बिलासपुर**	एमओयू की वैधताः– **पांच वर्ष**
रिपोर्ट की अवधिः **अक्टूबर 2022 से 25 मार्च 2023**	
एमओयू के नियमों और शर्तों के अनुसार पिछले 6वें महीने के दौरान आयोजित गतिविधियाँ *	
एमओयू मानदंडों के अनुसार कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/आयोजन/कार्यक्रम आदि का संचालन	**1. अभ्यास शिक्षण (26 विद्यार्थी दिनांक 21/11/2022 से 20/12/2023)** **2. बी.एड. की संबंधित गतिविधियाँ। विशेष शिक्षा (एलडी) तृतीय सेमेस्टर** **3. शिक्षण सहायता के लिए सीखने में अक्षम छात्र का मूल्यांकन** **4. व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम** **5. बी.एड. द्वारा शिक्षण अभ्यास का अवलोकन। विशेष शिक्षा (एलडी) प्रथम**

	सेमेस्टर के छात्र (33 छात्र दिनांक 12/12/2022 से 20/12/2022)
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई अन्य गतिविधियां	उनके पाठ्यक्रम से संबंधित व्यक्तिगत शैक्षिक कार्यक्रम
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई भी सहयोग/विनिमय कार्यक्रम	––
पिछले छह महीनों के दौरान एमओयू का आउटपुट	एलडी छात्रों के अभ्यास शिक्षण और अवलोकन, मूल्यांकन और पहचान का समापन और सीखने में अक्षम छात्र का आईईपी।
यदि कोई टिप्पणी हो	–

एमओयू का छह माह का रिपोर्ट प्रारूप	
विभाग का नाम – **शिक्षा**	एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथिः– **8/11/2021**
एमओयू भागीदार का नामः– **शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, तिफरा, बिलासपुर**	एमओयू की वैधताः– **पांच वर्ष**
रिपोर्ट की अवधिः **अक्टूबर 2022 से 25 मार्च 2023**	
एमओयू के नियमों और शर्तों के अनुसार पिछले 6 वें महीने के दौरान आयोजित गतिविधियाँ *	
एमओयू मानदंडों के अनुसार कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/आयोजन/कार्यक्रम आदि का संचालन	1. बी.एड. का अभ्यास शिक्षण विशेष शिक्षा (HI) III और IV सेमेस्टर (14 छात्र दिनांक– 23/11/2022 से 20/12/2022) पुनः बी.एड. (एचआई एवं एलडी चतुर्थ सेमेस्टर (एचआई 14 विद्यार्थी एवं एलडी 26 विद्यार्थी)) 17/3/23 से आज तक) 2. बी.एड. की गतिविधियों का अवलोकन। विशेष शिक्षा (एचआई) प्रथम सेमेस्टर (31 छात्र दिनांक 12/12/2022 से 20/12/2022) 3. अन्य संबंधित गतिविधियाँ जैसे भारतीय सांकेतिक भाषा सीखना 4. स्पीच थेरेपी का अभ्यास 5. श्रवण हस्तक्षेप संबंधी गतिविधियों का अभ्यास
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई अन्य गतिविधियां	1. उनके पाठ्यक्रम से संबंधित गतिविधियाँ 2. परीक्षा योजना को समझना (जैसे प्रश्न पत्र तैयार करना, रिकॉर्ड में परिणाम दर्ज करने का आकलन करना, प्रगति रिपोर्ट लिखना, छात्रों और अभिभावकों को फीडबैक देना) 3. छूट और रियायतों का लाभ उठाने के लिए शैक्षणिक कैलेंडर, समय सारणी, डायरी, केस फाइल, अभिभावक बैठक रिपोर्ट, फॉर्म पर पढ़ने और रिपोर्टिंग के संबंध में दस्तावेज अध्ययन को समझना। 4. शिक्षक सहायक की भूमिका को समझना जैसे प्रार्थना/सभा, श्रवण यंत्र की जांच, उपस्थिति आदि
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई भी सहयोग/विनिमय कार्यक्रम	..
पिछले छह महीनों के दौरान एमओयू का आउटपुट	अभ्यास शिक्षण को पूरा करना, अवलोकन करना, भारतीय सांकेतिक भाषा सीखना और प्रत्यक्ष गतिविधियाँ (जैसे मैगी, सलाद, भेलपुरी आदि बनाना), परीक्षा योजना को समझना, दस्तावेज अध्ययन को समझना, शिक्षक सहायक की भूमिका को समझना।
यदि कोई टिप्पणी हो	–

एमओयू का छह माह का रिपोर्ट प्रारूप	
विभाग का नाम – **शिक्षा**	एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथिः– **08.11. 2021**
एमओयू पार्टनर का नामरू– **आनंद निकेतन बधिर स्कूल, बिलासपुर**	एमओयू की वैधतारू– **पांच वर्ष**
रिपोर्ट की अवधिः– **अक्टूबर 2022 से 25 मार्च 2023**	
एमओयू के नियमों और शर्तों के अनुसार पिछले 6 वें महीने के दौरान आयोजित गतिविधियाँ *	
एमओयू मानदंडों के अनुसार कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/आयोजन/कार्यक्रम	कोई भी गतिविधि नहीं
आदि का संचालन	
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई अन्य गतिविधियां	––
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई भी सहयोग/विनिमय कार्यक्रम	–––
पिछले छह महीनों के दौरान एमओयू का आउटपुट	–––
यदि कोई टिप्पणी हो	–

एमओयू का छह माह का रिपोर्ट प्रारूप	
विभाग का नाम – **शिक्षा**	एमओयू पर हस्ताक्षर करने की तिथिः– **02.11. 2021**
एमओयू पार्टनर का नामः– **छत्तीसगढ़ हायर सेकेंडरी स्कूल, बिरकोना, बिलासपुर**	एमओयू की वैधतारू– **पांच वर्ष**
रिपोर्ट की अवधिः– **अक्टूबर 2022 से 25 मार्च 2023**	
एमओयू के नियमों और शर्तों के अनुसार पिछले 6 वें महीने के दौरान आयोजित गतिविधियाँ *	
एमओयू मानदंडों के अनुसार कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/आयोजन/कार्यक्रम आदि का संचालन	**1. शिक्षण का अभ्यास** **2. बी.एड. से संबंधित गतिविधियाँ, विशेष शिक्षा (एचआई) तृतीय सेमेस्टर (छात्रों से पाठ्यक्रम संबंधी समस्या पर चर्चा)** **3. शिक्षण अधिगम सामग्री तैयार करना**
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई अन्य गतिविधियां	––
एमओयू के मानदंडों के अनुसार रिपोर्ट की अवधि के दौरान आयोजित कोई भी सहयोग/विनिमय कार्यक्रम	––
पिछले छह महीनों के दौरान एमओयू का आउटपुट	अभ्यास शिक्षण का समापन, शिक्षण अधिगम सामग्री बनाना
यदि कोई टिप्पणी हो	–

*हस्ताक्षरित एमओयू के नियमों और शर्तों के अनुसार किसी भी प्रकार के आयोजन/कार्यक्रम के आयोजन के मामले में, प्रगति रिपोर्ट जमा करने के समय फोटोग्राफ/दस्तावेजों के साथ रिपोर्ट संलग्न करना आवश्यक है।

5.19 डीबीटी मोड के लिए विश्वविद्यालय में यूजीसी फेलोशिप/छात्रवृत्ति वार स्वीकृत छात्र

सीएसआईआर–एचआरडीजी और यूजीसी–केनरा बैंक फेलोशिप/छात्रवृत्ति प्रबंधन प्रणाली

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ का फेलोशिप/छात्रवृत्ति और पंजीकरण प्रभाग छात्रों/विद्वानों/फेलो को यूजी/पीजी/अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए विभिन्न छात्रवृत्ति/फेलोशिप के लिए आवेदन करने की सुविधा प्रदान करता है। ये छात्रवृत्ति/फेलोशिप उभरते विद्वानों को शोध कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रेरित और मदद कर रही हैं। विश्वविद्यालयों का मुख्य उद्देश्य नए ज्ञान का सृजन करना, मौजूदा ज्ञान का प्रसार करना और आजीवन शिक्षार्थी तैयार करना है जो मांग के अनुसार सकारात्मक वैश्विक परिवर्तन प्राप्त कर सके। यह विश्वविद्यालय भी उसी विचारधारा में विश्वास करता है कि, विश्वविद्यालय या कोई भी उच्च शैक्षणिक संस्थान मुख्य रूप से छात्रों के कल्याण के लिए है। इस

विश्वविद्यालय द्वारा यूजीसी, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय और सीएसआईआर–एचआरडीजी, आदि के माध्यम से छात्रों को प्रदान की गई सुविधाएं/दी गई कुछ योजनाएं निम्नलिखित हैं।

डीबीटी यूजीसी और सीएसआईआर–एचआरडीजी फेलोशिप/छात्रवृत्ति सूची		
क्र.सं.	**फेलोशिप/छात्रवृत्ति संक्षिप्त नाम**	**फेलोशिप/छात्रवृत्ति का नाम**
1	एनएफएसटी	एसटी के लिए उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप (नेशनल फेलोशिप फॉर शेड्यूल्ड ट्राइब)
2	एनएफएससी	अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप (नेशनल फेलोशिप फॉर शेड्यूल्ड कास्ट)
3	एमएएनएफ	मौलाना आजाद राष्ट्रीय फेलोशिप–अल्पसंख्यक (मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप)
4	एसजीसी	एकल बालिका के लिए इंदिरा गांधी छात्रवृत्ति योजना (सिंगल गर्ल चाइल्ड)
5	यूआरएच	विश्वविद्यालय रैंक धारकों के लिए पीजी छात्रवृत्ति (यूनिवर्सिटी रैंक होल्डर)
6	पीडीएफएसएस	एससी और एसटी के लिए पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप (पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप फॉर एससी एण्ड एसटी)
7	पीजीएसप्रोफ	एससी/एसटी के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए पीजी छात्रवृत्ति
8	एमेरिटस	एमेरिटस फेलोशिप
9	पीडीएफडब्ल्यूएम	महिला अभ्यर्थियों को पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप

10	कोठारी	कोठारी फैलोशिप
11	नेटजेआरएफ	नेट जेआरएफ फेलोशिप
12	एनएफ–डीआईएस	विकलांग व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप
13	बीएसआर	विज्ञान में बीएसआर फैलोशिप
14	डीएसआरपीडीएफएचएस	डॉ. एस राधाकृष्णन मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप
15	एसवीएसजीसी	सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए स्वामी विवेकानन्द एकल बालिका छात्रवृत्ति
16	एनईआर	ईशान उदय–उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना
17	एनएफओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप
18	बीएसआरफैकल्टी	यूजीसी–बीएसआर संकाय फेलोशिप योजना
19	पीजीगेट	एमई/एम.टेक/एम.फार्मा से गेट/जीपीएटी योग्य उम्मीदवारों के लिए पीजी स्कॉलरशिप
20	सीएसआईआर–एचआरडीजी जेआरएफ	सीएसआईआर– मानव संसाधन विकास समूह (एचआरडीजी)

यूजीसी ने केनरा बैंक के सहयोग से डीबीटी मोड के तहत छात्रवृत्ति भुगतान को संभालने के लिए सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली के साथ एक एकीकृत छात्रवृत्ति प्रबंधन प्रणाली स्थापित की है। यूजीसी की सलाह के अनुसार, केनरा बैंक ने छात्रवृत्ति प्रबंधन प्रणाली (https://scholarship-canarabank-in/) विकसित और होस्ट की है। और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद– मानव संसाधन विकास समूह, PUSA ने नया फेलोशिप प्रबंधन प्रणाली पोर्टल (https://newfms-ncl-res-in) विकसित किया है। यूजीसी को पोर्टल में प्रशासनिक शक्तियां प्रदान की गई हैं। यूजीसी की नीति के अनुसार, पोर्टल में समय–समय पर डेटा प्रविष्टि और अनुमोदन या तो यूजीसी या यूजीसी द्वारा प्रत्यायोजित विश्वविद्यालय द्वारा किया जा सकता है। उपयोगकर्ता प्रोफाइल निर्माण और रखरखाव यूजीसी का एकमात्र विशेषाधिकार होगा। यूजीसी विश्वविद्यालय के साथ बातचीत करने और पोर्टल में डेटा प्रविष्टि में उनका समर्थन करने और डीबीटी परियोजना के सुचारू कामकाज के लिए आवश्यक व्यवस्था करेगा। यूजीसी या यूजीसी द्वारा अधिकृत विश्वविद्यालय पोर्टल में पात्र लाभार्थियों के मास्टर डेटा को दर्ज/अपडेट/लिंक करेगा और इसे यूजीसी के नामित अधिकारी या यूजीसी द्वारा नामित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय ने फेलो/छात्रों का डेटा दर्ज कर लिया है और इसे दिन–प्रतिदिन के आधार पर यूजीसी/यूजीसी नामित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाना है। विश्वविद्यालय पंच किए गए डेटा की यथार्थता सुनिश्चित करता है और उसे अनुमोदन के लिए यूजीसी को प्रस्तुत करता है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में यूजीसी फेलोशिप/स्कॉलरशिप पोर्टल के सुचारू संचालन के लिए डॉ. विनय कुमार सिंह, वरिष्ठ सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर, आईटी सेल को यूजीसी फेलोशिप/स्कॉलरशिप पोर्टल और सीएसआईआर–एचआरडीजी न्यू फेलोशिप मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल के लिए विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है, विकास अनुभाग के तकनीकी सहायक श्री प्रशांत जयसवाल को यूजीसी–फेलोशिप पोर्टल के निर्माता के रूप में नामित किया गया है। जीजीवी और श्री दिलीप गुप्ता, कार्यालय सहायक, विकास अनुभाग को विश्वविद्यालय के सक्षम अधिकारी द्वारा सीएसआईआर–एचआरडीजी न्यू फेलोशिप प्रबंधन प्रणाली पोर्टल के निर्माता के रूप में नामित किया गया है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष लगभग 83 छात्र/अध्येता फेलोशिप/छात्रवृत्ति से लाभान्वित हुए हैं। विस्तृत विवरण इस प्रकार हैः

डीबीटी मोड से विश्वविद्यालय में सीएसआईआर–एचआरडीजी और यूजीसी फेलोशिप/छात्रवृत्ति के लिए वार स्वीकृत छात्र

क्र. सं	फेलोशिप/छात्रवृत्ति संक्षिप्त नाम	फेलोशिप/छात्रवृत्ति का नाम	लाभार्थी शोधार्थी/विद्यार्थी
01.	एनएफएसटी	नेशनल फेलोशिप फॉर शेड्यूल्ड ट्राइब स्टूडेंट्स	**कुलः11** किरण कुमारी, अनुष्का अत्रम, प्रभात भगत, पूनम जेस, रुचि बेक, किशोर कुमार कोठारी, इंदु, नंदिता सिंह, अंजलि मुर्मू, नीलम भगत, शिवानी ध्रुव
02.	एनएफएससी	नेशनल फेलोशिप फॉर शेड्यूल्ड कास्ट	**कुलः 12** लक्ष्मी, पूजा पाचुरेकर, सचिन कुमार, परिवेश कुमार बर्मन, महेंद्र सप्रे, प्रदीप भारती, अमित प्रमाणिक, वर्षा अहिरे, आकाश डाहिरे, देवाशीष सरकार, जीतेंद्र सिंह, प्रमिला
03.	नेट–जेआरएफ	नेट जेआरएफ फेलोशिप	**कुल :40** विवेक कुमार सोनी, देवधर भोय, वर्षा शशि नाथ, अमित कुमार वाडास्कर, अश्वनी कुमार मिश्रा, इप्सिता दास, मनोज कुमार गुप्ता, अंजलि तिवारी, पंकज कुमार, खगेश्वर प्रसाद, चंद्रहास देवांगन, सुधीर रंजन चौधरी, मल्लिका अधिकारी, आकृति देवांगन, विनोद कुमार , शुभम राजपाल, शैलेन्द्र, रवि दास, रोशन लाल साहू, मधुमिता कुंडू, श्रेया कुशवाह, राम अवतार सिंह, दिशा रानी यादव, मोहिनीता पांडे, जयांशु सोनी, श्रिया तिवारी, नंद कुमार शांते, मैत्री नाइक, सत्रुहन, विशाल पटेल, दीक्षा अनुरागी , सागर, सागर कर्ष, मेघा यादव,
क्र. सं	फेलोशिप/छात्रवृत्ति संक्षिप्त नाम	फेलोशिप/छात्रवृत्ति का नाम	लाभार्थी शोधार्थी/विद्यार्थी
			सुभास कुमार, गोपाल जी श्रीवास्तव, नूतन कुमारी, श्रद्धा, अनिमेष कुमार तिवारी, विद्या रायसागर
04.	एनएफओबीसी	नेशनल फेलोशिप फॉर अदर बैकवर्ड क्लास	**कुल : 07** खापेकर अमित यशवंतराव, अमर नारायण, सुनीता पटेल, विवेकशील, देबब्रत सरकार, हरिपद कुमार महतो, प्रद्युम्न कुमार
05.	एमएएनएफ	मौलाना आजाद नेशनल फेलोशिप	**कुल : 01** मुजफ्फर हुसैन
06.	एनएफ–डीआईएस	नेशनल फेलोशिप फॉर पर्सन विथ डिसेबिलिटी	**कुल : 01** राकेश कुमार सिंह
07.	सीएसआईआर एचआरडीजी नेट जेआरएफ	कांउसिल ऑफ साईटिफिक एण्ड इंडस्ट्रियल रिसर्च हयूमन रिसोर्स डेवलपमेंट ग्रुप	**कुल : 11** मेमन साहू, समीर प्रधान, साक्षी देव पांडे, कुंज बिहारी कौशिक, आस्था तिर्की, भूषाशी खूंटे, चंदन दास, प्रियनाथ माल, आशीष दुबे, शिवली शर्मा, स्वेता भगत

विभिन्न यूजीसी/एमओई/भारत सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन

6 . विभिन्न यूजीसी/एमओइ/भारत सरकार की योजनाओं का कार्यान्वयन

6.1 पूर्व छात्र—गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर का पूर्व छात्र संघ सुशिक्षित स्नातकों का एक प्रतिष्ठित नेटवर्क है। यह संस्थान और इसके पूर्व छात्रों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में विकसित हो रहा है। आजीवन सीखने की प्रतिबद्धता के साथ एसोसिएशन पूर्व छात्रों के लिए अपने समुदाय और व्यवसायों को सकारात्मक रुप से प्रभावित करते हुए एक—दूसरे से जुड़ने, सहयोग करने और समर्थन करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के पूर्व छात्र संघ का लक्ष्य अपने सदस्यों के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देना, सौहार्द और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देना है। पहलों और कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला के माध्यम से, एसोसिएशन एक जीवंत समुदाय बनाने का प्रयास करता है जो भौगोलिक सीमाओं और स्नातक वर्षों से परे है।

पूर्व छात्र संघ का एक मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों के लिए नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाना है। नियमित कार्यक्रम, व्यक्तिगत और आभासी दोनों, पूर्व छात्रों को साथी स्नातकों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं जो समान रुचियों, पेशेवर पृष्ठभूमि या कैरियर आकांक्षाओं को साझा करते हैं। ये नेटवर्किंग इवेंट पूर्व छात्रों को अपने पेशेवर सर्कल का विस्तार करने, नए सहयोग का पता लगाने और विशेषज्ञता और अनुभवों के विविध पूल में प्रवेश करने में सक्षम बनाते हैं।

नेटवर्किंग के अलावा, पूर्व छात्र संघ स्नातकों को उनके करियर के दौरान समर्थन देने के लिए व्यावसायिक विकास संसाधनों की एक श्रृंखला प्रदान करता है। परामर्श कार्यक्रम, उद्योग—विशिष्ट वेबिनार और कार्यशालाएं पूर्व छात्रों को उनके क्षेत्र में नवीनतम रुझानों से अवगत रहने और उनके पेशेवर कौशल को बढ़ाने में मदद करने के लिए मूल्यवान मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। एसोसिएशन नौकरी पोस्टिंग, कैरियर मेलों और इंटर्नशिप के अवसरों तक पहुंच प्रदान करने के लिए संस्थान के साथ भी सहयोग करता है, जिससे उनके चुने हुए क्षेत्रों में पूर्व छात्रों को तरक्की और उन्नति की मिलती है।

पूर्व छात्र संघ अपने सदस्यों की उपलब्धियों का जश्न मनाने में गर्व महसूस करता है। नियमित प्रकाशनों, समाचार पत्रों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से, एसोसिएशन विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व छात्रों की सफलता की कहानियां, अपडेट और उल्लेखनीय उपलब्धियां साझा करता है। इन उपलब्धियों को उजागर करके, एसोसिएशन न केवल अपने सदस्यों की कड़ी मेहनत और समर्पण को मान्यता देता है बल्कि वर्तमान छात्रों और भविष्य के स्नातकों को अपने स्वयं के लक्ष्यों और आकांक्षाओं तक पहुंचने के लिए प्रेरित करता है।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय ने 21.07.22 को पूर्व छात्र सेल का पुनर्गठन किया है, विश्वविद्यालय ने प्रत्येक स्कूल के 11 स्कूल समन्वयकों के साथ पूर्व छात्र सेल के डॉ. मनीष श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

18.08.22 को एसोसिएशन का पंजीकरण फर्म्स एंड सोसाइटीज छत्तीसगढ़ के नाम से किया गया था, पंजीकरण संख्या 122202252450 है

पूर्व छात्र संघ ने 14.11.22 को एक उल्लेखनीय पूर्व छात्र बैठक की मेजबानी की, जिसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम विभिन्न स्नातक कक्षाओं के

पूर्व छात्रों को एक साथ लेकर आया, जिससे उत्सव, पुरानी यादों और प्रेरणा का माहौल तैयार हुआ। सभा ने पूर्व छात्रों को अपने अल्मा मेटर के साथ फिर से जुड़ने, साथी स्नातकों के साथ बातचीत करने और विश्वविद्यालय के सम्मानित नेता से अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

पूर्व छात्रों की बैठक, आयोजन समिति द्वारा गर्मजोशी से स्वागत के साथ शुरू हुई, उन्होंने कुलपति की उपस्थिति के लिए आभार व्यक्त किया और संस्थान के मिशन को आगे बढ़ाने में पूर्व छात्रों की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डाला। अपने दूरदर्शी नेतृत्व और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाने वाले कुलपति ने एक प्रेरक उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें संस्थान की विरासत और व्यापक समुदाय को आकार देने में पूर्व छात्रों के गहरे प्रभाव पर जोर दिया गया।

निम्नलिखित विभाग/संकाय ने पूर्व छात्र बैठक का आयोजन किया।

फार्मेसी विभाग– शुक्रवार 3 फरवरी, 2023 को एक रजत जयंती समारोह पूर्व छात्र सम्मेलन ''समागम'' 2022।

स्कूल ऑफ स्टडीज – इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी ने 31.03.23 को एलुमनी मीट का आयोजन किया है

6.2 विश्वविद्यालय रैगिंग निरोधक समिति

रैगिंग को रोकने और भारत के सर्वोच्च न्यायालय और यूजीसी द्वारा समय–समय पर जारी दिशानिर्देशों के अनुसार रैगिंग विरोधी उपाय करने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एंटी–रैगिंग समिति का गठन किया गया है।

जीजीवी में रैगिंग की घटना पर प्रशासनिक कार्रवाईः–

अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर दोषियों को दंडित करने के लिए एंटी–रैगिंग कमेटी द्वारा निम्नलिखित नियम स्थापित किए गए थे। दोषी पाए जाने पर निम्नलिखित में से एक या अधिक सजाएँ दी जाएंगी, अर्थात् :–

1. कक्षाओं में भाग लेने और शैक्षणिक विशेषाधिकारों से निलंबन।

2. छात्रवृत्ति/फेलोशिप और अन्य लाभों को रोकना/वापस लेना।

3. किसी भी परीक्षा/परीक्षा या अन्य मूल्यांकन प्रक्रिया में शामिल होने से रोकना।

4. परिणाम रोकना।

5. किसी भी बैठक, टूर्नामेंट, युवा उत्सव, आदि में क्षेत्रीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संस्था का प्रतिनिधित्व करने से रोकना ।

6. छात्रावास से निलंबन/निष्कासन।

7. प्रवेश रद्द करना।

8. एक से चार सेमेस्टर तक की अवधि के लिए संस्थान से निष्कासन।

9. विश्वविद्यालय से निष्कासन और अन्य संस्थान में एक निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रवेश पर रोक। अपराध करने या रैगिंग के कृत्य को बढ़ावा देने वालों की पहचान नहीं होने पर जीजीवी सामूहिक कार्रवाई करते हुए सजा देगा।

6.3 आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी)

विश्व विद्यालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्रों के यौन उत्पीड़न के निवारण, रोकथाम/निषेध के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमन, 2015 को अपनाया है। विनियमन रोकथाम के उपायों और जिम्मेदारियों के बारे में बताता है। विनियमन की प्रकृति कानूनी है और इसलिए, यह विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के लिए अनिवार्य है। यूजीसी के उपरोक्त विनियमन के अनुपालन में, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया है। इस समिति को विश्वविद्यालय परिसर में यौन उत्पीड़न के संबंध में प्राप्त शिकायत की जांच करने का अधिकार है।

शीर्षक, अनुप्रयोग और प्रारंभ–

- इन विनियमों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षण संस्थानों में महिला कर्मचारियों और छात्रों के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण) विनियम, 2015 कहा जा सकता है।
- वे भारत के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू होंगे।
- वे आधिकारिक राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

यौन उत्पीड़न के मामले 2022–23

क्र.सं.	विषय	मामलों की संख्या
1.	यौन उत्पीड़न की संख्या	00
2.	निपटाई गई शिकायतों की संख्या	00
3.	लंबित शिकायतों की संख्या	00

समिति सदस्यगणः

1. प्रो. अनुपमा सक्सैना –पीठासीन अधिकारी
2. डॉ. उपासना सिन्हा –सदस्य
3. डॉ.सुधीर कुमार पांडे –सदस्य
4. सुश्री शैला साहू –सदस्य
5. श्री टी. पी. सिंह –सदस्य
6. सुश्री निरुपमा बाजपेयी –सदस्य एवं अधिवक्ता, माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय

6.4 मुख्य सतर्कता अधिकारी

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीवी), केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने केंद्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। इस पहल के हिस्से के रूप में, विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न भीड़–भाड़ वाले स्थानों पर 10 बैनर प्रदर्शित किए गए, और कर्मचारियों और छात्रों के बीच भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मुख्य सतर्कता अधिकारी कार्यालय ने 30 अक्टूबर 2022 से शुरू होने वाले प्रारंभिक दौर में विभागीय और विद्यापीठ दोनों स्तरों पर ''विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' (भ्रष्टाचारमुक्तभारत–विकसितभारत) शीर्षक से एक वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया। आयोजन के अंतिम दौर में विभागीय और विद्यापीठ स्तर पर चयनित प्रतिभागियों ने 3 नवंबर 2022 को हॉल–1, रजत जयंती सभागार जीजीवी में दोपहर 3:00 बजे अपने विचार प्रस्तुत किए।

वाद–विवाद प्रतियोगिता का निष्पक्ष निर्णय और निष्पक्ष योग्यता सूची को सुनिश्चित करने के लिए पांच सदस्यों को निर्णायक के रूप में नियुक्त किया गया। इन सदस्यों में भौतिकी विभाग से प्रो. पारिजात ठाकुर, हिंदी विभाग से एसोसिएट प्राध्यापक डॉ. गौरी त्रिपाठी, जेएमसी विभाग से एसोसिएट प्राध्यापक डॉ. धीरज शुक्ला और सहायक प्राध्यापक श्री रमेश गोहे, हिन्दी विभाग शामिल थे । विश्वविद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता के परिणाम अनुसार श्री झलक सचदेव, बी.कॉम.एलएलबी–तृतीय सेमेस्टर, कानून विभाग ने प्रथम स्थान हासिल किया, सुश्री साक्षी गुप्ता, एमए तृतीय सेमेस्टर, जेएमसी विभाग ने दूसरा स्थान हासिल किया, और सुश्री अनुषिका नियोगी, बीए पांचवें सेमेस्टर, अर्थशास्त्र विभाग ने विश्वविद्यालय में ''विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत'' (भष्टाचारमुक्तभारत–विकसितभारत) के पक्ष में तीसरा स्थान हासिल किया। इसी प्रकार, विरोधी वर्ग में, श्री सतीश सिंह, बीएएलएलबी पांचवें सेमेस्टर, कानून विभाग ने पहला स्थान हासिल किया, श्री नावेद अख्तर खान, एमए तृतीय सेमेस्टर, राजनीति विज्ञान विभाग ने दूसरा स्थान हासिल किया, और सुश्री श्रीवानी शर्माएमएससी तृतीय सेमेस्टर, वनस्पति विज्ञान विभाग ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय स्तर पर वाद–विवाद प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किये गये।

विश्वविद्यालय ने 31 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय एकता दिवस (राष्ट्रीय एकता दिवस) सफलतापूर्वक मनाया और इस अवसर पर समाचार पत्रों और मीडिया के माध्यम से विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों के बीच एकता और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का संदेश फैलाया। विश्वविद्यालय ने 31 अक्टूबर 2022 को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' की ऑनलाइन प्रतिज्ञा भी ली और स्वर्गीय सरदार बल्लभ भाई पटेल जी की जयंती मनाई।

जीजीवी (केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने और भारत को भ्रष्टाचार मुक्त देश बनाने के बारे में कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए 31 अक्टूबर से 06 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह सफलतापूर्वक मनाया। इस एक सप्ताह के सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम के दौरान, विश्वविद्यालय और उसके सभी अनुभागों ने शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह–2021 की शानदार सफलता सुनिश्चित करने के लिए समर्थन और भाग लिया।

6.5 एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने 28 अक्टूबर 2022 को दोपहर 2:00 बजे ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के पुस्तकालय हॉल में ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' योजना के तहत राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अवसर पर एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। चित्रकला प्रतियोगिता हेतु कुल 27 विद्यार्थियों ने गूगल फॉर्म लिंक के माध्यम से पंजीयन कराया था, जिसमें से 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने 27 अक्टूबर, 2022 को दोपहर 2:30 बजे ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, हॉल नंबर 1, जीजीवी में –''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' योजना के तहत राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अवसर पर एक निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया। निबंध प्रतियोगिता के लिए कुल 42 विद्यार्थियों ने गूगल लिंक के माध्यम से पंजीकरण कराया था, उनमें से 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने 29 अक्टूबर, 2022 को सुबह 10:30 बजे ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के पुस्तकालय हॉल में ''एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' योजना के तहत राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के अवसर पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। पेंटिंग प्रतियोगिता के लिए कुल 34 विद्यार्थियों ने गूगल फॉर्म लिंक के माध्यम से पंजीकरण कराया।

''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' एक अनूठी योजना है, जिसे मोदी सरकार द्वारा एक–दूसरे के सांस्कृतिक लोकाचार को सीखने, समझने और सराहना करने के लिए सांस्कृतिक संपर्क और युग्मित राज्यों के बीच संबंध के लिए संकल्पित किया गया है। ईएसबीएस कार्यक्रम के अनुरूप, छत्तीसगढ़ और गुजरात युग्मित राज्यों के रूप में काम कर रहे हैं। इस ढांचे के तहत, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय और गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर हर साल सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम आयोजित करते हैं। इस वर्ष, जनवरी महीने में, कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल जी के तत्वावधान में, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने ईबीएसबी के नोडल अधिकारी प्रो. राजेंद्र मेहता की देखरेख और प्रो. के रामकृष्ण प्रधान और डॉ. ज्योति वर्मा के मार्गदर्शन में 20 एनएसएस स्वयंसेवकों की एक टीम भेजी। टीम 12 जनवरी, 2023 को बिलासपुर से रवाना हुई और 21 जनवरी, 2023 को वापस लौट आई। एक सप्ताह के प्रवास के दौरान, टीम ने 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी', सरदार सरोवर बांध, कच्छ के रण में नमक रेगिस्तान ब्लैक हिल, स्मृति वन, विजय विलास, मांडवी में इंडिया हाउस, मांडवी समुद्र तट, अक्षरधाम मंदिर और भुज में कच्छ विश्वविद्यालय सहित शानदार ऐतिहासिक स्थलों को देखा।ऐतिहासिक दौरे और सांस्कृतिक प्रशिक्षण के अलावा, हमने अपने गुजराती शिक्षकों की मदद से बन्हानीः बुनाई की कला सीखी। हमने सीयूजी की डिजिटल लाइब्रेरी का पता लगाया और उनके संचालन और उपयोगिता के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए कई अच्छी तरह से सुसज्जित उच्च तकनीक प्रयोगशालाओं का दौरा किया। हम सांस्कृतिक कलाकृतियों और ऐतिहासिक स्थलों को देखने का यह सुनहरा अवसर देने के लिए विश्वविद्यालय और सम्मानित अधिकारियों के आभारी हैं। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय में ईबीएसबी कार्यक्रम के दौरान यह एक अद्भुत प्रशिक्षण था। हम ईबीएसबी के बैनर तले सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम की योजना बनाने और दौरे के दौरान हमारे जीवन भर के यादगार और आकर्षक अनुभवों के लिए दोनों विश्वविद्यालयों के उच्च अधिकारियों के प्रति हार्दिक धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा हमें गर्व से कहना चाहिए 'हू गुजरात खूब सारो लागे छू' (जय जय गर्भी गुजरात), जुहार छत्तीसगढ़ और जय हिंद।

6.6 जेंडर चैंपियन

लड़कों और लड़कियों दोनों में जेंडर समाजीकरण शुरूआती उम्र में शुरू हो जाता है, और इसलिए सही सामाजिक दृष्टिकोण को आकार देने और व्यवहार को बदलने के लिए कम उम्र में ही परिवर्तन प्रक्रियाओं को शुरू करना महत्वपूर्ण है। लड़कियों और उनके अधिकारों को महत्व देने वाले शैक्षणिक संस्थानों में सकारात्मक सामाजिक मानदंड बनाना लड़कियों की भलाई में सुधार और दीर्घकालिक और स्थायी सामाजिक परिवर्तन प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। हमें उन लिंग मानदंडों को चुनौती देने और बदलने के लिए युवा लड़कों और लड़कियों के साथ जुड़ने की जरूरत है जो लड़कियों और महिलाओं को लड़कों और पुरुषों की तुलना में कम मूल्य, अवसर और निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करते हैं।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15 द्वारा गारंटीकृत लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए, हमें घर, स्कूल, कार्यस्थल आदि सभी स्तरों पर बातचीत का तरीका बदलने की जरूरत है। समान व्यवहार को बढ़ावा देने वाला वातावरण बनाने के लिए पहुंच बढ़ाने के लिए, भारत सरकार देश भर के सभी कॉलेजों में जेंडर चौंपियंस की भागीदारी की परिकल्पना करती है।
विस्तृत प्रचार के लिए, शैक्षणिक सत्र 2022–2023 के लिए जेंडर चौंपियंस के लिए अनुमोदित दिशानिर्देश, चयन मानदंड और फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए थे। साथ ही, शैक्षणिक सत्र 2022–2023 के लिए जेंडर चौंपियंस के लिए उपरोक्त दिशानिर्देश, चयन मानदंड और फॉर्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किए गए थे। विश्वविद्यालय विकास अनुभाग को शैक्षणिक सत्र 2022–2023 के लिए जेंडर चौंपियंस (लड़कियों और लड़कों) के लिए विज्ञापित 22 (11 लड़के और 11 लड़कियां) सीटों के लिए 48 आवेदन प्राप्त हुए।
यूजीसी द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने प्राप्त सभी आवेदनों की जांच के लिए एक स्क्रूटनी कमेटी का गठन किया है। स्क्रूटनी कमेटी में दो सदस्यों (एक लड़का और एक लड़की) को भी सक्षम अधिकारी द्वारा उनकी मेरिट के क्रम में नामित किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2022–2023 के लिए जेंडर चौंपियंस के आवेदनों की छानबीन की जाती है और साक्षात्कार आयोजित किया जाता है और 11 लड़के और 11 लड़कियों को सत्र 2022–23 के लिए विश्वविद्यालय के लिए जेंडर चौंपियंस के रूप में चुना जाता है।

6.7 इन्क्यूबेशन सेंटर

किसी भी संस्थान के लिए आज की तेज रफ्तार वाली दुनिया में पनपने और प्रासंगिक बने रहने के लिए नवाचार आवश्यक है। इसे पहचानते हुए, कई संस्थानों ने नवाचार के लिए पारिस्थितिकी तंत्र बनाना शुरू कर दिया है, जिसमें इनक्यूबेशन सेंटर और ज्ञान के निर्माण और हस्तांतरण के लिए अन्य पहल शामिल हैं। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के क्षेत्र में एक प्रमुख विश्वविद्यालय है। वर्षों से, विश्वविद्यालय ने ऐसे स्नातक तैयार करने की प्रतिष्ठा स्थापित की है जो न केवल शैक्षणिक रूप से मजबूत हैं बल्कि वास्तविक दुनिया में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान भी रखते हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय को पता था कि अगर वह अपने क्षेत्र में नवाचार के मामले में अग्रणी बने रहना चाहता है तो उसे केवल ज्ञान प्रदान करने से अधिक करने की जरूरत है। इसे प्राप्त करने के लिए, विश्वविद्यालय ने एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करके शुरू किया। इनक्यूबेशन सेंटर, जीजीवी को उन छात्रों और शिक्षकों के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था जो अपने विचारों को व्यवसायों में बदलना चाहते थे। केंद्र ने नवोदित उद्यमियों को अपने विचारों को वास्तविकता में बदलने में मदद करने के लिए फंडिंग, मेंटरशिप और नेटवर्क तक पहुंच सहित संसाधनों की एक श्रृंखला प्रदान की।

इंक्यूबेशन सेंटर के सदस्यों ने मार्च 2022 में ईडीआईआई, अहमदाबाद में 5 दिवसीय उद्यमिता ओरिएंटेशन प्रोग्राम पूरा किया। वर्तमान में इनक्यूबेशन सेंटर के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एग्रीटेक, फिनटेक आदि विभिन्न क्षेत्रों में 10 स्टार्ट अप जुड़े हुए हैं। इनक्यूबेशन सेंटर नियमित आधार पर विश्वविद्यालय परिसर के भीतर उद्यमिता जागरूकता अभियान चलाता है जिससे विभिन्न विभागों के छात्रों को उद्यमिता के प्रति संवेदनशील

बनाया जाता है। इस जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप पिछले एक वर्ष में 50 से अधिक पिचिंग हो चुकी है। इनक्यूबेशन सेंटर को कंपनी अधिनियम की धारा 8 के तहत श्ळळट स्टार्टअप फाउंडेशनश् के रूप में पंजीकृत किया गया है। हाल ही में इनक्यूबेशन सेंटर को डैडम् प्ददवअंजपअम ेबीमउम के तहत डैडम् से 1 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है और केंद्र को टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर के रूप में पहचाना गया है, जो छत्तीसगढ़ में अपनी तरह का पहला है।

6.8 उद्योग इंटरफेस सेल (आईआईसी)

2022–23 सत्र के दौरान, नोडल अधिकारी डॉ. दिलीपकुमार पाल के मार्गदर्शन और आईआईसी के अन्य समिति सदस्यों के सहयोग और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के सक्षम अधिकारियों की प्रेरणा से इंडस्ट्री इंटरफेस सेल (आईआईसी) ने इसके लिए सत्र में कुछ कार्यक्रम आयोजित किए थे।

जीजीवी के मार्गदर्शन में मास्टर ऑफ फार्मेसी प्रथम सेमेस्टर के छात्रों द्वारा बिलासपुर, सीजी की परिधि में एक स्थानीय उद्योग, सीएमपीडीआई का दौरा किया गया ताकि सहयोग और सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए बातचीत की जा सके। स्थानीय उद्योग और गुरु घासीदास विश्वविद्यालय जीजीवी अधिकारियों के परामर्श और सहयोग से यह यात्रा 21 मार्च, 2023, मंगलवार को निर्धारित की गई थी, प्रबंध निदेशक, सीएमपीडीआई और श्री केपी द्विवेदी, गुणवत्ता नियंत्रण प्रबंधक, सीएमपीडीआई, बिलासपुर, सीजी ने जीजीवी के सभी शिक्षकों और छात्रों का हार्दिक स्वागत किया। उद्योग जगत के साथ इस दौरे के माध्यम से छात्रों को अपने भविष्य के कार्यों का पता चला। इस उद्योग के भीतर उपलब्ध सुविधाओं और उपकरणों का उपयोग एम फार्म परियोजना कार्यों के लिए भविष्य के विश्लेषणात्मक कार्यों के लिए किया जा सकता है। इस दौरे में डॉ. दिलीपकुमार पाल, नोडल अधिकारी, डॉ. एनआर बेक, एसोसिएट प्राध्यापक, फार्मेसी विभाग और 55 एम फार्म प्रथम सेमेस्टर के छात्र शामिल हुए।

इंडस्ट्री इंटरफेस सेल ने विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के विकास और मजबूती के लिए 2022–23 सत्र के दौरान दो एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैंः एक 'नर्मदा ड्रिंक्स (प्राइवेट) लिमिटेड', बिलासपुर के साथ और दूसरा 'बस्तर से बाजार तक', उत्तरी बस्तर, छ.ग. के साथ। भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और दोनों संस्थानों के बीच सहयोगात्मक संबंधों के लिए मानव संसाधनों के विकास के अलावा अनुसंधान, विशेष रूप से अनुवाद संबंधी अनुसंधान और औद्योगिक सहयोग में अवसरों का विस्तार करना । इसमें अनुसंधान प्रकाशनों, शैक्षणिक कार्यक्रमों और अनुसंधान परियोजनाओं पर विचारों का आदान–प्रदान और प्रौद्योगिकी, उद्भवन और स्टार्टअप को बढ़ावा देना भी शामिल है।

15 जुलाई 2022 को 'विश्व युवा कौशल दिवस' के अवसर पर युवा उद्यमिता विकास पर एक राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन स्वावलंबी छत्तीसगढ़, जीजीवी, बिलासपुर के तत्वावधान में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर, इंडस्ट्री इंटरफेस सेल, कौशल विकास सेल और एनएसएस इकाई द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

इंडस्ट्री इंटरफेस सेल ने 16 नवंबर 2022 को 'विश्व गुणवत्ता सप्ताह 2022' के अवसर पर नर्मदा ड्रिंक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, बिलासपुर द्वारा गुणवत्ता, सुरक्षा और पर्यावरण विषय पर फार्मेसी विभाग, जीजीवी में एक कार्यक्रम आयोजित किया।

2022–23 सत्र के दौरान उद्योग संस्थान की बातचीत के लिए स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रम। सक्षम प्राधिकारी के प्रेरक दृष्टिकोण की वजह से ये सभी कार्यक्रम काफी सफल रहे।

6.9 वृहद ऑनलाइन ओपन कोर्स (एमओओसी)

मास मीडिया और MOOCs लैब गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीवी) द्वारा शुरू किए गए ई–कंटेंट डेवलपमेंट के हालिया प्रयासों में से एक है, जिसका लक्ष्य ऑनलाइन शैक्षिक पाठ्यक्रमों के निर्माण के लिए एक मंच स्थापित करना है। अत्याधुनिक कैमरों, एक टेलीप्रॉम्प्टर, एक इंटरैक्टिव बोर्ड और एक प्री और पोस्ट–रिकॉर्डिंग थिएटर से सुसज्जित, प्रयोगशाला अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, इसमें 20 उच्च क्षमता वाले कंप्यूटर हैं जो छात्रों को पोस्ट–प्रोसेसिंग तकनीकों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं। लैब कैफेटेरिया बिल्डिंग की पहली मंजिल में स्थित है।

वर्तमान में, प्रयोगशाला पूरी तरह कार्यात्मक है, और काफी रिकॉर्डिंग पूरी की जा चुकी है। प्रयोगशाला के कार्यों को विभिन्न वर्गों में विभाजित किया गया है और संबंधित छात्रों को सौंपा गया है। डेटा वीडियो वह सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग वर्तमान में वीडियो रिकॉर्डिंग और प्री–एडिटिंग के लिए किया जाता है, जबकि iMac पर iMovie और VN सॉफ्टवेयर का उपयोग पोस्ट–प्रोसेसिंग के लिए किया जाता है।

हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि रिकॉर्डिंग सत्र में भाग लेने वाले अधिकांश प्राध्यापकों ने संतुष्टि व्यक्त की और सकारात्मक प्रतिक्रिया प्रदान की। एमओओसी टीम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अब इसमें एक समन्वयक, दो सह–समन्वयक और 18 मेहनती प्रशिक्षु शामिल हैं, जो सभी उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री तैयार करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। यह गर्व की बात है कि संपूर्ण कार्यबल जीजीवी के विभिन्न विभागों के छात्रों से बना है।

कुशल मार्गदर्शन और सावधानीपूर्वक नियोजन कि वजह से, प्रयोगशाला ने सफल व्यावसायीकरण का स्तर प्राप्त कर लिया है और आने वाले वर्षों में राजस्व उत्पन्न करने की स्थिति में है।

6.10 ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण पोर्टल

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने छात्रों की शिकायतों के शीघ्र निपटान के लिए एक ऑनलाइन छात्र शिकायत निवारण पोर्टल प्रदान किया है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय छात्रों की समस्याओं के समाधान और ऑनलाइन शिकायतों के त्वरित निपटान के लिए सदैव तत्पर है। समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1. डॉ. एमएन त्रिपाठी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण अध्यक्ष

2. डॉ. एसके निराला, एडीएसडब्ल्यू सदस्य

6.11 कौशल विकास अनुभाग

कौशल विकास के नोडल अधिकारी डॉ. रोहित राजा ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को समय–समय पर भारत सरकार की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना एवं कौशल भारत मिशन के बारे में जानकारी दी। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई), सरकार की प्रमुख कौशल विकास योजना – प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना 4.0 (पीएमकेवीवाई 4.0) को लागू कर रही है। 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के लागू होने के साथ, स्कूलों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा प्रदान किए जाने वाले

व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित किया गया है, इस प्रकार, मुख्यधारा के शिक्षाविदों को व्यावहारिक व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के साथ एकीकृत किया गया है।

एनएसडीसी ने समग्र मांग के लिए एक ऑनलाइन फॉर्म प्रसारित किया था, और हमारे विश्वविद्यालय ने पीएमकेवीवाई 4.0 में भाग लेने के लिए रुचि व्यक्त की है। तदनुसार, हमारी संस्था, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय को च्ङ्ञटल्4.0 के तहत प्रशिक्षण लागू करने के लिए 2310 लक्ष्य आवंटित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के सहयोग से संयुक्त रूप से निम्नलिखित कौशल विकास पाठ्यक्रम आयोजित किये गयेरू–

क्रमांक	प्रशिक्षण	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या	आयोजक
1	विश्व युवा कौशल दिवस युवा उद्यमी विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	15.07.2022	500	उद्यमी एवं इन्क्यूबेशन, उद्योग इंटरफेस सेल और कौशल विकास सेल
2	चावल के दानों का उपयोग करके राखी डिजाइनिंग	22.07.2022 से 31.07.2022	30	ग्रामीण प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास विभाग और कौशल विकास प्रकोष्ठ
3	पिनाकी द फिटनेस मंत्रा के सहयोग से एरोबिक्स और जुम्बा पर 5 दिवसीय कार्यशाला	25.07.2022 से 29.07.2022	200	स्कूल ऑफ एजुकेशन एंड स्किल डेवलपमेंट सेल
4	कानूनी कौशल में प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर एक दिवसीय वेबिनार	3 अगस्त 2022	100	स्कूल ऑफ लॉ एंड स्किल डेवलपमेंट सेल
5	कौशल विकास कार्यशालाः– राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह समारोह	24 नवंबर 2022	100	फार्मेसी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ
6	'सौंदर्य प्रसाधन और मशरूम उत्पादन' पर कार्यशाला	15 दिसंबर 2022	80	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और कौशल विकास प्रकोष्ठ
7	बार्कलेज जीवन कौशल कार्यक्रम	21 से 23 दिसंबर 2022	300	आईटी विभाग और कौशल विकास सेल
8	'खाद्य प्रसंस्करण एवं संरक्षण' पर कार्यशाला	21 जनवरी 2023	50	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ
9	'कला एवं शिल्प' पर कार्यशाला	10 से 13 जनवरी 2023	50	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ
10	'भूदृश्य और बागवानी के दृष्टिकोण' पर कार्यशाला	10 से 12 फरवरी 2023	50	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ
11	'वन्यजीव गणना पद्धतियाँ' पर दो दिवसीय ऑनलाइन	2 से 3 मार्च 2023	120	वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग और कौशल विकास प्रकोष्ठ

	कार्यशाला			
12	विश्व जल दिवस मनाएं 'जल शक्तिरू कैच द रेन'	22 मार्च 2023	80	वानिकी, वन्यजीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग और कौशल विकास प्रकोष्ठ

6.12 राष्ट्रीय कैडेट कोर

परिचयः राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) भारत में संचालित एक युवा संगठन है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य युवा कैडेटों में चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रवाद की भावना विकसित करना है। इसकी स्थापना 1948 में भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत की गई थी।

एनसीसी सामुदायिक सेवा, नेतृत्व और साहसिक गतिविधियों पर जोर देने के साथ स्कूल और कॉलेज के छात्रों को बुनियादी सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करता है। संगठन का लक्ष्य जिम्मेदार और देशभक्त नागरिक बनाना है जो राष्ट्र की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

एनसीसी की तीन शाखाएँ हैंः थलसेना, नौसेना और वायु सेना, और यह लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए है। कैडेटों को उनके स्कूलों या कॉलेजों के माध्यम से संगठन में नामांकित किया जाता है और वे अभ्यास, हथियार प्रशिक्षण, खेल, सामाजिक सेवा और ट्रैकिंग, कैंपिंग और पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियों सहित कई गतिविधियों में भाग लेते हैं।

एनसीसी ने सशस्त्र बलों, राजनीति और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई नेतृत्वकर्ताओं और उपलब्धियां हासिल करने वालों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक माना जाता है, जिसमें देश भर में 13 लाख से अधिक कैडेट नामांकित हैं।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर, छ.ग. भारत के प्रमुख संस्थानों में से एक है जो अपने छात्रों को एनसीसी कक्षाएं प्रदान करता है।

जीजीवी में एनसीसी कार्यक्रम के उद्देश्य

- छात्रों में चरित्र, नेतृत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना
- राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देना
- विद्यार्थियों में साहस एवं खेल भावना का विकास करना
- सामुदायिक सेवा और सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए अवसर प्रदान करना
- छात्रों को भविष्य में सशस्त्र बलों के लिए तैयार करना

कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल के संरक्षण में, 7 सीजी बटालियन एनसीसी बिलासपुर के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एसके गुप्ता के कुशल निर्देशन और एनसीसी केयर टेकर डॉ. विंदेश्वरी पवार के मार्गदर्शन और देखरेख में जीजीवी एनसीसी के कैडेट्स सेल ने पूरे वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया है। कार्यक्रमों का विवरण नीचे अलग–अलग शीर्षकों में दिया गया है।

- **अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2022ः** जीजीवी एनसीसी सेल ने 21 जून 2022 को विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस वर्ष 'मानवता के लिए योग' की थीम के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का 8वां संस्करण था। विश्वविद्यालय की पहचान भारत सरकार और शिक्षा मंत्रालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2022 के लिए प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में की गई ।

कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर (यूटीडी) में लगभग 06:00 बजे शुरू हुआ। एनसीसी कैडेटों (18 एसडी और 12 एसडब्ल्यू) ने विश्वविद्यालय के विशेष योग प्रशिक्षकों की टीम की देखरेख में योग का अभ्यास और प्रदर्शन किया।

उनके द्वारा विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान किये गये, जैसे –

- ताड़ासन
- नौकासन या नाव मुद्रा
- धनुरासन या धनुष मुद्रा
- वक्रासन या मुड़ मुद्रा
- काकासन या कौवा मुद्रा
- भुजंगासन या कोबरा स्ट्रेच
- हलासन या हल मुद्रा
- अनुलोमविलोम – वैकल्पिक नासिका श्वास
- शीतल श्वास– शीतली, सीत्कारी, काकी मुद्रा
- उज्जयी – विजयी श्वास
- भ्रामरी – गुनगुनाती मधुमक्खी की सांस
- भस्त्रिका – धौंकनी की सांस
- सूर्य भेदन – दाहिनी नासिका से श्वास लेना
- शवासन
- सुखासन या आसान मुद्रा

कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए एनसीसी कैडेटों ने शपथ ली कि वे योगाभ्यास से खुद को स्वस्थ रखने का वादा करते हैं।

योग सत्र के बाद, एनसीसी कैडेट बाकी आईडीवाई–2022 समारोह में शामिल हुए जो विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया था।

कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित ध्यान की दिवंगत भारतीय तकनीकों के साथ समन्वय करते हुए मानवता के साथ योग के गहन विश्लेषण के बारे में संबोधित किया। एएनओ, योग विशेषज्ञों ने स्वयं को स्वस्थ कैसे रखा जाए इस पर अपने विचार दिए और दैनिक आधार पर योग का अभ्यास करने की आदत बनाने के लिए प्रेरित किया। आईडीवाई कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों का समग्र अनुभव बहुत उपयोगी और सराहनीय था। अंत में सभी ने राष्ट्रगान गाया।

- **संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर – XXVI 22.07.2022 से 31.07.2022 तक शिविर, स्थान– डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय कोटा बिलासपुर सीजी :** गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) बिलासपुर के एनसीसी कैडेटों ने डॉ. सी.वी. रमन विश्वविद्यालय, कोटा में 10 दिवसीय CATC-XXVI में भाग लिया। बिलासपुर 7 सीजी एनसीसी बटालियन द्वारा कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सतीश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर में जीजीवी के 13 सीनियर विंग और 17 सीनियर डिवीजन कैडेटों ने भाग लिया। इस CATC कैंप में कुल 12 कॉलेज, 5 स्कूल और कुल मिलाकर 545 कैडेट्स ने हिस्सा लिया। अंतर–संस्थागत स्तर पर ड्रिल, फायरिंग, समूह चर्चा, वाद–विवाद, समूह नृत्य, समूह गीत, प्रहसन, चित्रकला एवं कविता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जीजीवी के कैडेटों ने न केवल भाग लिया बल्कि सभी प्रतियोगिताओं में ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसके साथ ही जीजीवी के तीन कैडेटों का टीएससी (थलसैनिक शिविर) के लिए चयन हुआ। कैडेटों का मार्गदर्शन जीजीवी एनसीसी सेल की केयर टेकर डॉ. विंदेश्वरी पवार द्वारा किया जा रहा था।

कैडेटों ने विभिन्न पदक और पुरस्कार जीतकर जीजीवी को गौरवान्वित किया। उपलब्धि हासिल करने वाले हैं–

- कैंप सीनियर (एसडी): एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू
- कैंप सीनियर (एसडब्ल्यू): एसयूओ जिगिसा साहू
- रेजिमेंटल पुलिसः यूओ नवप्रीत सिंह
- मोमेंट कैप्चररः यूओ पीयूष वैष्णव
- सीक्यूएमएचः सार्जेंट वेदिका दीवान
- फायरिंग (एसडब्ल्यू): कैडेट सतरूपा (स्थान–प्रथम)
- फायरिंग (एसडी): कमांडर परमेश्वर (स्थान–तृतीय)
- वाद–विवादः एसयूओ जिगीसा साहू (स्थान– प्रथम)
- समूह चर्चाः एसयूओ जिगीसा साहू (स्थान– प्रथम)
- समूह नृत्यः प्रथम स्थान
- समूह गानः द्वितीय स्थान
- स्किटः दूसरा स्थान
- कविताः कैडेट निशा पांडे (स्थान–द्वितीय)
- पेंटिंगः कैडेट संजना मराबी (स्थान– द्वितीय)
- इवेंट होस्टः एसयूओ जीगिसा साहू

CATC&XXVI सांस्कृतिक संध्या के पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर सभी पुरस्कार विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. सीवी रमन विश्वविद्यालय, कोटा, बिलासपुर के कुलपति प्रो. आरपी दुबे और कमांडिंग ऑफिसर 7 सीजी बीएन बिलासपुर कर्नल एसके गुप्ता द्वारा पदक और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर से वापस आने पर पुरस्कार विजेताओं को जीजीवी के कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल ने सम्मानित किया तथा कुलसचिव प्रो.शैलेन्द्र कुमार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कैडेटों को आरडीसी, अन्य राष्ट्रीय शिविरों और भारतीय रक्षा सेवाओं के लिए खुद को तैयार करने के लिए भी प्रेरित किया।

- **आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 15 अगस्त को 75वां स्वतंत्रता दिवस समारोह एवं एनसीसी परेड**

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), बिलासपुर के एनसीसी कैडेट ने 15 अगस्त 2022 को विश्वविद्यालय के प्रशासन ब्लॉक में 75वें स्वतंत्रता दिवस, 'आजादी का अमृत–महोत्सव' में भाग लिया। आजादी का अमृत महोत्सव आजादी के 75 वर्ष और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने और स्मरण करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। कार्यक्रम की शुरुआत 09:00 बजे कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल के स्वागत के साथ हुई, जिनके साथ एनसीसी कैडेट नवप्रीत सिंह और सुनील कुमार थे।

कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए एनसीसी कैडेट्स ने एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू की कमांड के साथ परेड प्रस्तुत की। परेड में 18 कैडेट, 10 एसडब्ल्यू और 08 एसडी शामिल थे। एनसीसी कैडेट्स की परेड बैंड बाजे के साथ संपन्न हुई, जिसे कैडेट दीपांशु एस चंद्रवंशी ने बजाया। परेड के बाद कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल ने सभा को संबोधित किया। जीजीवी छात्रों द्वारा कुछ सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दी गईं, जैसे – देशभक्ति समूह नृत्य। स्वतंत्रता दिवस समारोह का समापन माननीय कुलपति की अनुशंसा और फोटोग्राफी सत्र के साथ हुआ। औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो.शैलेन्द्र कुमार ने किया। कार्यक्रम की मेजबानी डीएसडब्ल्यू डॉ. एमएन त्रिपाठी ने की।

- **आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस पर ''हर घर तिरंगा रैली''**

75वें स्वतंत्र वर्ष के शुभ अवसर को गौरवान्वित करने के लिए, हर घर तिरंगा अभियान पूरे भारत में चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज के साथ रिश्ते को केवल औपचारिक या संस्थागत रखने के बजाय इसे और अधिक व्यक्तिगत बनाना था।

स्वतंत्रता दिवस 2022 के जश्न के बाद, जीजीवी एनसीसी के कैडेटों ने जीजीवी परिसर में ''हर घर तिरंगा रैली'' के माध्यम से आजादी का अमृत–महोत्सव मनाया। सभी एनसीसी कैडेट्स के हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा था। इस रैली को कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल एवं कुलसचिव प्रो. शैलेन्द्र कुमार ने रवाना किया। रैली का निर्देशन केयर टेकर डॉ. विंदेश्वरी पवार ने किया। एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू और यूओ जिगीसा साहू ने सभी कैडेटों का नेतृत्व किया। रैली यूनिवर्सिटी एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक से शुरू हुई। कैडेटों ने गुरु घासीदास बाबा की प्रतिमा की ओर मार्च किया और सीएसआईटी विभाग, कुलपति के बंगले और यूनिवर्सिटी गर्ल्स हॉस्टल की ओर कदम बढ़ाया। हर घर तिरंगा रैली के साथ आगे बढ़ते हुए कैडेट्स विश्वविद्यालय मुख्य द्वार की ओर बढ़े। हर घर तिरंगा रैली का समापन जीजीवी के स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन स्थल पर किया गया। आजादी का अमृत–महोत्सव का जोश हर कैडेट के अंदर भरा हुआ था।

- **पुनीत सागर अभियान– स्वच्छ भारत मिशन के तहत एनसीसी का प्रमुख राष्ट्रव्यापी अभियान**

पुनीत सागर अभियान– प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने समुद्री तटों/नदियों, तटों, झीलों और अन्य जल निकायों को साफ करने एवं प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट से मुक्त करने के लिए स्वच्छ भारत मिशन के साथ मिलकर एक राष्ट्रव्यापी फ्लैगशिप अभियान शुरू किया है। .

अभियान के एक छोटे से हिस्से के रूप में इसे आगे बढ़ाते हुए जीजीवी एनसीसी सेल ने 27.09.2022 को जीजीवी परिसर के तालाब किनारे के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया और विश्वविद्यालय परिसर में एक जागरूकता रैली निकाली।

विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग के पास के तालाबों को साफ करने के लिए लगभग 20 एसडीध्एसडब्ल्यू कैडेटों ने भाग लिया है। कैडेटों ने तालाब से प्लास्टिक, कचरा, सूखे पत्ते और झाड़ियाँ हटा दीं और अनावश्यक झाड़ियों को काट दिया। तालाबों की सफाई के बाद, कैडेटों ने एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण विकसित करने के लिए आसपास और जल निकायों की सफाई के महत्व पर परिसर में एक जागरूकता रैली निकाली।

- **20 अक्टूबर, 2022 को भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मिशन लाइफ ऑन का वैश्विक लॉन्च – लाइव टेलीकास्ट में भाग लेने के लिए एक बैठक**

जीजीवी एनसीसी सेल ने विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में सभी 21 एसडी/एसडब्ल्यू कैडेटों के लिए भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा 20 अक्टूबर, 2022 को मिशन लाइफ के वैश्विक लॉन्च के लाइव प्रसारण में भाग लेने के मिशन LiFE के तत्वावधान में 09:30 बजे से 12:00 बजे तक एक बैठक का आयोजन किया। मिशन LiFE का मंत्र 'पर्यावरण के लिए जीवन शैली' है ।

माननीय प्रधान मंत्री ने दुनिया के सामने मिशन LiFE का एक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। मिशन LiFE इस धरती की सुरक्षा के लिए लोगों की शक्तियों को जोड़ता है और उन्हें इसका बेहतर उपयोग करना सिखाता है। मिशन LiFE जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई को लोकतांत्रिक तरीके से बढ़ा रहा है। जिसमें हर

कोई अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दे सकता है। मिशन LiFE में प्रकृति संरक्षण से जुड़ी हर उस जीवनशैली को शामिल किया जाएगा, जिसे हमारे पूर्वजों ने अपनाया था और जिसे हम अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना सकते हैं। कैडेटों ने माननीय प्रधान मंत्री के हर शब्द का पालन करने का संकल्प लिया। इस प्रकार कार्यक्रम 12:00 बजे समाप्त हो गया।

- **23वां राज्य स्थापना दिवस (छत्तीसगढ़ राज्योत्सव)**

जीजीवी एनसीसी सेल ने 1 नवंबर, 2022 को 12:00 बजे से 14:00 बजे तक यूनिवर्सिटी ऑडिटोरियम (रजत जयंती सभागर) में बड़े धूमधाम और के साथ 23वां राज्य स्थापना दिवस मनाया। 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस या छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के रूप में 2000 से मनाया जाता है जब केंद्र सरकार ने इसे एक स्वतंत्र राज्य घोषित किया था। इससे पहले, छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश का हिस्सा था। 1 नवंबर, 2000 को मध्य प्रदेश से अलग करके 16 छत्तीसगढ़ी भाषी जिलों के साथ छत्तीसगढ़बनाया गया था। इस कार्यक्रम में 18 कैडेट्स ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

देश की प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया और छत्तीसगढ़ का राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' भी गाया, जिसे आधिकारिक तौर पर नवंबर, 2019 में अपनाया गया था। कैडेटों ने विश्वविद्यालय सभागार में राज्य स्थापना दिवस की तैयारी में भी अपनी भूमिका निभाई। कार्यक्रम 14:00 बजे समाप्त हो गया।

- **जीजीवी एनसीसी का दो दिवसीय नामांकन सत्र (28.11.2022 और 29.11.2022)**

जीजीवी एनसीसी सेल ने 28.11.2022 और 29.11.2022 को राष्ट्रीय कैडेट कोर के लिए दो दिवसीय नामांकन सत्र (2022–2023) आयोजित किया।

नामांकन सत्र की योजना और तैयारी इस सत्र की तुलना में काफी पहले शुरू हो गई थी। पंजीकरण ऑनलाइन मोड में हुआ। रजिस्ट्रेशन के बाद विद्यार्थियों को अधिक जानकारी के लिए व्हाट्स एप ग्रुप में जोड़ा गया। सूचना न केवल व्हाट्सएप ग्रुप में बल्कि जीजीवी एनसीसी सेल के अन्य सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रसारित की गई। लिंक के माध्यम से कुल 289 पंजीकरण हुए।

28.11.2022 को पंजीकरण पूरा होने के बाद, एनसीसी स्वयंसेवकों द्वारा मैदान में उनके चेस्ट नंबर दिए गए, फिर आईटी विभाग के ई–क्लासरूम में जीजीवी एनसीसी सेल द्वारा एक भाषा दक्षता लिखित परीक्षा ली गई। परीक्षा 50 मिनट तक आयोजित की गई। इस परीक्षा में सेवा चयन बोर्ड की परीक्षा के पैटर्न का पालन किया गया। व्यक्तिगत साक्षात्कार–सह–बातचीत की गई और आगे की चयन प्रक्रिया के लिए, उम्मीदवारों को 29.11.2022 को 09:30 बजे बुलाया गया।

29.11.2022 को, उम्मीदवारों ने 09:30 बजे अपनी उपस्थिति दी। 7 सीजी बीएन एनसीसी बिलासपुर से दो पीआई स्टाफ नायब सूबेदार गुरमेज सिंह और हवलदार रवि सिंह सीटी डॉ. विंदेश्वरी पवार की देखरेख में शारीरिक और लिखित परीक्षा के लिए आए। लिखित परीक्षा 30 मिनट तक हुई।

लिखित परीक्षा के बाद, शारीरिक परीक्षण हुआ जिसकी शारीरिक प्रशिक्षक स्टाफ द्वारा निगरानी की गई। अंतिम रूप से चयनित कैडेटों की सूची पीआई स्टाफ और सीटी द्वारा तैयार की गई थी। इसके साथ ही हर्षोल्लासपूर्ण फोटो सत्र के साथ कैडेटों की नामांकन प्रक्रिया का समापन हो गया।

- **ग्रुप कमांडर (रायपुर) ब्रिगेडियर आशीष कुमार दास, वीएसएम द्वारा ''बेहतर करियर चुनें'' पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम**

जीजीवी एनसीसी सेल ने नए नामांकित छात्रों के लिए ग्रुप कमांडर (रायपुर) ब्रिगेडियर आशीष कुमार दास, वीएसएम द्वारा 'बेहतर करियर चुनें' विषय पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन एचआरडीसी जीजीवी के सहयोग से 7 सीजी बीएन एनसीसी और जीजीवी–एनसीसी सेल के बैनर तले किया गया था।

ब्रिगेडियर एके दास. ने छात्रों को अपने और अपने व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में जानकारी देकर अपने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने स्कूली शिक्षा से लेकर ग्रेजुएशन तक के अपने सफर को साझा किया। उन्होंने भारतीय सेना के अनुभव और ब्रिगेडियर पद तक अपनी पदोन्नति के बारे में भी बताया। उन्होंने कैरियर विकल्प से संबंधित एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने कहा, 'दस हजार से अधिक करियर विकल्प हैं लेकिन छात्रों को उनके गुणों और विकल्पों का पता लगाना चाहिए। आत्मविश्लेषण के बाद ही किसी निश्चित करियर का चयन करना चाहिए।' उन्होंने दर्शकों के साथ वार्तालाप का भी उद्घाटन किया। छात्रों ने आत्म–संदेह, आत्मविश्वास, अति–अपेक्षाओं और कई अन्य प्रश्नों के बारे में पूछा ब्रिगेडियर दास ने उन्हें सावधानी से उत्तर दिये। कार्यक्रम का समापन गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा सभी सम्मानित अतिथियों को सम्मान चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रगान बजाया गया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम एक अभूतपूर्व कार्यक्रम था जिसने वहां उपस्थित सभी लोगों के मन पर अपनी छाप छोड़ी।

- **72 इन्फैंट्री ब्रिगेड के तत्वावधान में 05–14 जनवरी 2023 तक 7 मद्रास, ग्वालियर मिलिट्री स्टेशन में आर्मी अटैचमेंट कैंप आयोजित किया गया**

जीजीवी एनसीसी कैडेटों ने 72 इन्फैंट्री ब्रिगेड के तत्वावधान में 7वीं बटालियन 'द मद्रास रेजिमेंट' द्वारा 05 जनवरी से 14 जनवरी 2023 तक ग्वालियर मिलिट्री स्टेशन में आयोजित आर्मी अटैचमेंट कैंप में भाग लिया। हमारे कैडेटों के लिए 7 मद्रास, मोरार छावनी में इतना अच्छा समय बिताना एक शानदार अनुभव था, जहां वे भारतीय सेना में रहते थे और जीवन का अनुभव करते थे। कैडेट सशस्त्र बल इकाइयों के साथ जुड़ाव के माध्यम से मूल्य प्राप्त करते हैं जहां वे सैन्य इकाइयों में कामकाज और जीवन का अनुभव करते हैं। शौर्य चक्र प्राप्तकर्ता कर्नल डी विनय रेड्डी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर थे।

7 मद्रास की स्थापना 1 अप्रैल 1964 को मदुक्करई, तमिलनाडु में हुई थी। इस यूनिट ने भारत में विभिन्न स्थानों पर सेवा की है और विभिन्न ऑपरेशनों में भाग लिया है। 7 मद्रास को 4 यूनिट प्रशस्ति पत्र मिले हैं। पहला ओपी रक्षक (जम्मू–कश्मीर) 2009–11 के लिए सेना प्रमुख से, दूसरा ओपी राइनो (असम) 2014–17 के लिए जीओसी–इन–सी पूर्वी कमान से, तीसरा 2020 में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल से। ओपी स्नो लेपर्ड (पूह) 2020–21.7 के लिए जीओसी–इन–सी सेंट्रल कमांड से 21 और चौथा मद्रास उन सभी उम्मीदवारों के लिए एक प्रेरणादायक इकाई है जो भारतीय सेना में शामिल होना चाहते हैं।

कैंप में 7 सीजी बटालियन का नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर हर्षवर्द्धन साहू कर रहे थे। जीजीवी एनसीसी से कुल 7 सीनियर डिवीजन कैडेटों का चयन किया गया और उन्होंने शिविर में भाग लिया। आर्मी अटैचमेंट कैंप में कुल 5 एनसीसी बटालियनों ने भाग लिया, जिसमें कुल 155 कैडेट शामिल थे। 6 कॉलेज हमारी 7 सीजी बटालियन एनसीसी, बिलासपुर का हिस्सा थे, जिसमें 7 कैडेट्स ने हमारे विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया।

कैडेटों को इन्फ 4बी मॉड (आर), आर्टिलरी हथियार, टैंक, 40 मिमी एमजीएल, 7.62 मिमी 716 एसआईजी एआर, 5.56 मिमी इंसास एलएमजी आदि सहित विभिन्न हथियारों के संगठन के बारे में पता चला। कैडेटों ने एएडी (सेना वायु रक्षा) ग्वालियर किला, महल, पुरातत्व संग्रहालय, दाता बंधी छोर गुरुद्वारा आदि का दौरा किया।

अंतर–बटालियन स्तर पर वॉलीबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट मैच जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजित प्रतियोगिताओं में हमारी बटालियन के कैडेटों को कुल 8 पदक प्राप्त हुए। वॉलीबॉल में 4 पदक, फुटबॉल में 1 पदक और क्रिकेट में 3 पदक। जीजीवी ने न केवल भाग लिया बल्कि सभी प्रतियोगिताओं पर ऐतिहासिक जीत हासिल की। इसके साथ ही, कैंप में 7 सीजी बीएन समग्र रूप से सर्वश्रेष्ठ बटालियन रही।

कैडेटों ने विभिन्न पदक जीतकर जीजीवी को गौरवान्वित किया। उपलब्धि हासिल करने वाले हैं–

1.	एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू	बटालियन सीनियर एवं वॉलीबॉल में स्वर्ण पदक।
2.	कैडेट दीपांशु एस चंद्रवंशी	वॉलीबॉल में स्वर्ण पदकस्वर्ण पदक।
3.	कैडेट पियूष वैष्णव	वॉलीबॉल में स्वर्ण पदकस्वर्ण पदक ।
4.	सीपीएल सुनील कुमार	रूम सीनियर।

आर्मी अटैचमेंट कैंप के पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर 7 मद्रास के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल डी विनय रेड्डी, एससी द्वारा सभी पुरस्कार विजेताओं को पदक देकर सम्मानित किया गया। सीओ ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कैडेटों को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए मार्गदर्शित और प्रेरित किया। कैडेटों का मार्गदर्शन एनसीसी सेल, जीजीवी की केयर टेकर डॉ. विंदेश्वरी पवार द्वारा किया जा रहा था।

- **''सी'' प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए एनसीसी कक्षाएं**

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय छात्रों को भारतीय सेना और अन्य रक्षा बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एनसीसी कक्षाएं आयोजित करता है। यह रिपोर्ट 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा एनसीसी कक्षाओं के लिए दिनांक 8 जनवरी से 26 जनवरी, 2023 तक गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में संचालित कक्षाओं का सारांश प्रस्तुत करती है।

जीजीवी में एनसीसी कक्षाओं का संचालनः

जीजीवी में एनसीसी कक्षाएं संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षित प्रशिक्षकों द्वारा संचालित की जाती हैं इन्हें पीआई स्टाफ (स्थायी प्रशिक्षक) कहा जाता था। कक्षाएं नियमित आयोजित की गईं, और छात्रों को सभी सत्रों में भाग लेना आवश्यक है। एनसीसी पाठ्यक्रम में ड्रिल, शूटिंग, मानचित्र पढ़ना, प्राथमिक चिकित्सा और शारीरिक फिटनेस जैसी गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

जीजीवी में एनसीसी कार्यक्रम अनुशासित है, और छात्रों से सख्त नियमों और विनियमों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। नियमों के किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप कार्यक्रम से निष्कासन सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।

कक्षा अनुसूची और उपस्थितिः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एनसीसी कक्षाएं 8 जनवरी से 26 जनवरी 2023 तक सुबह 07 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित की गईं। कक्षाएँ सप्ताह के सातों दिन आयोजित की जाती थीं। छात्रों को समय का पाबंद रहने और बिना किसी असफलता के सभी कक्षाओं में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। उपस्थिति नियमित रूप से दर्ज की जाती थी, और जो छात्र 75% कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पाते थे उन्हें 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाती थी।

पाठ्यक्रमः

एनसीसी कक्षाओं को सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्रों में विभाजित किया गया था। सैद्धांतिक सत्रों में भारतीय सेना के इतिहास, अनुशासन के महत्व और देश की रक्षा बलों पर व्याख्यान शामिल थे। व्यावहारिक सत्रों में शारीरिक प्रशिक्षण, हथियार संचालन, मानचित्र पढ़ना और फील्ड क्राफ्ट शामिल थे। पाठ्यक्रम छात्रों को भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था।

प्रशिक्षण गतिविधियाँः

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एनसीसी कक्षाएं अनुशासित और संरचित तरीके से संचालित की गईं। छात्रों को उनकी सहनशक्ति और सहनशक्ति में सुधार के लिए कठोर शारीरिक प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें दौड़ना, कूदना और अन्य व्यायाम शामिल थे। छात्रों को अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न राइफलों सहित हथियार चलाने का भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त, छात्रों को मानचित्र पढ़ना और फील्डक्राफ्ट सिखाया गया, जिसमें नेविगेशन, उत्तरजीविता तकनीक और भारतीय सेना में उपयोग की जाने वाली रणनीति शामिल थी।

मूल्यांकन और प्रतिक्रियाः

परीक्षण और व्यावहारिक परीक्षाओं के माध्यम से छात्रों के प्रदर्शन का नियमित रूप से मूल्यांकन किया गया। परीक्षणों में पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं को शामिल किया गया। व्यावहारिक परीक्षाओं में हथियार संचालन, मानचित्र पढ़ना और फील्डक्राफ्ट शामिल थे। प्रशिक्षकों ने प्रत्येक परीक्षा के बाद छात्रों को उनकी ताकत और कमजोरियों पर प्रकाश डालते हुए फीडबैक दिया। छात्रों को अगली परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद के लिए सुधार के सुझाव भी दिए गए।

निष्कर्षः

'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा में उपस्थित होने के लिए गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में 8 जनवरी से 26 जनवरी 2023 तक एनसीसी कक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। पाठ्यक्रम अच्छी तरह से डिजाइन किया गया था और इसमें भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आवश्यक सभी आवश्यक कौशल और ज्ञान शामिल थे। पूरे प्रशिक्षण के दौरान छात्रों ने उच्च स्तर का अनुशासन और समर्पण दिखाया। प्रशिक्षकों ने कैडेटों को उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए नियमित फीडबैक और मूल्यांकन प्रदान किया। कुल मिलाकर, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में एनसीसी कक्षाएं सफल रहीं और छात्र 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार हुए।

- **गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2023**

भारत में हर साल 26 जनवरी को भारत का संविधान लागू होने की याद में गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने इस राष्ट्रीय दिवस को धूमधाम से मनाया। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने उत्सव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विश्वविद्यालय ने ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया, जिसके बाद विभिन्न विभागों द्वारा भाषण और प्रस्तुतियाँ दी गईं। इस कार्यक्रम में छात्र, संकाय सदस्य और अन्य स्टाफ सदस्य शामिल होते हैं।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह में एनसीसी कैडेटों ने भी बढ़—चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो.आलोक कुमार चक्रवाल के स्वागत से हुई, जिनके साथ एनसीसी एसडब्ल्यू कैडेट्स यूओ जीगिसा साहू और सीडीटी जसलीन कौर थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए, एनसीसी कैडेटों ने एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू की कमान के साथ परेड में भाग लिया, जो इस अवसर पर आयोजित की गई थी। परेड में 44 एसडी और एसडब्ल्यू कैडेटों ने भाग लिया। एनसीसी कैडेटों ने अन्य विभिन्न कार्यक्रमों में भी अपने कौशल का प्रदर्शन किया।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह एक भव्य आयोजन था, इसमें एनसीसी कैडेटों की भागीदारी देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना को बढ़ाती है। यह आयोजन हमारे स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों की याद दिलाता है जिन्हें भारत के संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने की जरूरत है।

- **एनसीसी 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा**

श्सीश सर्टिफिकेट परीक्षा एक प्रतिष्ठित परीक्षा है जो तीन साल का एनसीसी प्रशिक्षण पूरा कर लेने वाले एनसीसी कैडेटों के लिए सालाना आयोजित की जाती है। 19 फरवरी 2023 को 7 सीजी एनसीसी बटालियन द्वारा कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सतीश कुमार गुप्ता के निर्देशन में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा का आयोजन बिलासपुर के शासकीय बिलासा गर्ल्स पीजी कॉलेज में किया गया। तृतीय वर्ष के कुल 35 जीजीवी एनसीसी कैडेट 'सी' प्रमाणपत्र परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा पूर्व–निर्धारित पाठ्यक्रम, प्रश्न पत्र और परीक्षा अवधि के साथ संरचित तरीके से आयोजित की गई थी। परीक्षा को दो भागों में विभाजित किया गया था – एक लिखित परीक्षा और एक व्यावहारिक परीक्षा। लिखित परीक्षा में व्यक्तिपरक प्रश्न शामिल थे और यह सुबह के सत्र में आयोजित की गई थी। व्यावहारिक परीक्षा दोपहर के सत्र में आयोजित की गई और ड्रिल, मानचित्र पढ़ने और हथियार प्रशिक्षण में कैडेटों के कौशल का परीक्षण किया गया।

बैठने, निरीक्षण और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए पर्याप्त व्यवस्था के साथ परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की गई। जीजीवी एनसीसी कैडेट परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार थे और उन्होंने एनसीसी पाठ्यक्रम की अच्छी समझ प्रदर्शित की। लिखित परीक्षा चुनौतीपूर्ण थी और इसमें चार अलग–अलग खंड शामिल थे जो ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, विविध और सेवा विषय (सेना) हैं। नेतृत्व, समसामयिक मामले और सामान्य ज्ञान सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर किया गया। व्यावहारिक परीक्षा समान रूप से मांग वाली थी और इसमें कैडेट की दबाव में और एक टीम में काम करने की क्षमता का परीक्षण किया गया।

कैडेटों ने एनसीसी के प्रति अपने ज्ञान, कौशल और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और परीक्षा प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आयोजित की गई। अंत में अधिकारी, एएनओ और कर्मचारी परीक्षा में शामिल हुए सभी कैडेटों को बधाई देते हैं और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

<u>जीजीवी एनसीसी कैडेटों की उपलब्धि</u>

- **एसयूओ हर्षवर्द्धन साहू–**
    - एनसीसी शिक्षा मंत्री पुरस्कार चेक रु. 10,000
    - एनसीसी ग्रुप कमांडर सर्वश्रेष्ठ कैडेट पुरस्कार
    - सीएटीसी XXVI, कोटा– एसडी कैंप सीनियर
    - 7वीं बटालियन 'द मद्रास रेजिमेंट' 72 इन्फैंट्री ब्रिगेड–बटालियन सीनियर के तत्वावधान में आर्मी अटैचमेंट कैंप–ग्वालियर मिलिट्री स्टेशन–

- **जेयूओ नवप्रीत सिंह–**
- गणतंत्र दिवस शिविर नई दिल्ली– 31 दिसंबर से 29 जनवरी, 2023 तक एमपी और सीजी दल का प्रतिनिधित्व
- आरडीसी में–
  - पीएम की रैली के लिए चयनित
  - राज्यपाल प्रशंसा पुरस्कार (एमपी)
  - मुख्यमंत्री पदक
  - (डी) एडीजी प्रशंसा पुरस्कार

- आरडीसी चयन शिविरः
  - संगीत प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
  - आरडीसी आईजीसीरू एनआईएपी, बैले और समूह नृत्य में दूसरा पुरस्कार
  - CATC XXVI नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार, रेजिमेंटल पुलिस के रूप में चयनित
  - अंतर बटालियन शूटिंग प्रतियोगिता रायपुर

- **यूओ जीगिसा साहू–**
  - CATC & XXVI, कोटा– SW कैंप सीनियर, वाद–विवाद प्रतियोगिता और समूह चर्चा में प्रथम पुरस्कार
  - सीएटीसी IX आरडीसी सांस्कृतिक चयन शिविर रायपुर, एसडब्ल्यू कैंप सीनियर, आईजीसी के लिए चयनित

- **सार्जेंट वेदिका दीवान**
  - CATC & XXVI& CQMH, पायलटिंग के लिए चयनित – रजत पदक
  - CATC & IX RDC सांस्कृतिक चयन शिविर रायपुर

- **कैडेट संजना मराबी**
  - CATC & XXVI& ड्राइंग प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार
- **कैडेट सतरूप खंडे**
  - CATC & XXVI& फायरिंग प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार
- **कैडेट यशस्वी चंद्रा**
  - टीएससी–बाधाओं में थालसैनिक कैंप (स्तर 2)–प्रथम के लिए चयनित
- **कैडेट मंजूषा राजपूत**
  - थल सैनिक कैंप (स्तर 2) के लिए चयनित – टीएससी में प्रथम – टेंट पिचिंग में स्वर्ण पदक
- **कैडेट आयुषी चौहान**
  - CATC & XXVI& कविता में प्रथम पुरस्कार
- **कैडेट निशा पांडे**
  - CATC& XXVI& कविता में दूसरा पुरस्कार
- **कैडेट मंजूलता साहू**

    - CATC& XXVI& CQMH के लिए चयनित
- **कैडेट आदित्य नारायण कौशिक**
    - प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सीएटीसी–दुर्ग–प्रथम पुरस्कार
- **कैडेट उज्ज्वल साहू**
    - सीएटीसी दुर्ग– द्वितीय पुरस्कार 200 मीटर स्प्रिंट, 100 मीटर स्प्रिंट
- **कैडेट निशांत सिंह**
    - सीएटीसी दुर्ग– प्रथम पुरस्कार हिंदी निबंध लेखन
- **कैडेट एम. संदीप**
    - सीएटीसी दुर्ग– प्रथम पुरस्कार अंग्रेजी निबंध लेखन।

6.13 राष्ट्रीय सेवा योजना

भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित और शासित राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), छात्रों को सरकार प्रायोजित सामुदायिक सेवा का अवसर प्रदान करती है। इसका मुख्य लक्ष्य छात्रों को सामुदायिक सेवा में सक्रिय रूप से योगदान देने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना है। 2016 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय में इसकी शुरुआत के बाद से, एनएसएस ने 35 कार्यक्रम अधिकारियों और 2000 पंजीकृत छात्र स्वयंसेवकों के साथ 21 इकाइयों तक विस्तार किया है। ये इकाइयाँ अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों को शामिल करती हैं, जिनमें वनस्पति विज्ञान, इंजीनियरिंग, भौतिकी, वानिकी, सामाजिक विज्ञान, विधि और बहुत कुछ शामिल हैं।

एनएसएस इकाइयों ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम, वेबिनार, जागरूकता अभियान और राष्ट्रीय त्योहार समारोह प्रभावी ढंग से आयोजित किए हैं। समर्पित स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों की उत्साही भागीदारी एनएसएस के आदर्श वाक्य – 'मैं नहीं बल्कि आप' का प्रतीक है। एनएसएस ने छात्रों के बीच व्यक्तिगत विकास और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने, समुदाय के कल्याण के प्रति सेवा की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल के उर्जावान नेतृत्व में, एनएसएस ने उल्लेखनीय प्रगति और सामुदायिक प्रभाव डाला है। छात्रों के समग्र विकास और सामाजिक सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के कारण नई इकाइयों की स्थापना हुई, अधिक स्वयंसेवक एकजुट हुए और एनएसएस के भीतर एकता और उद्देश्य की भावना पैदा हुई। शिविरों के आयोजन, जागरूकता अभियान और दान अभियानों में उनके समर्थन से कम भाग्यशाली लोगों को काफी लाभ हुआ है।

हम छात्रों के बीच करुणा, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी को लगातार बढ़ावा देने, हमें जिम्मेदार नागरिक और समाज में योगदानकर्ता बनने के लिए तैयार करने के लिए एनएसएस समन्वयक डॉ. दिलीप झा के आभारी हैं।

हमारा हार्दिक आभार कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार चक्रवाल को उनके अमूल्य योगदान और अटूट समर्थन के लिए जाता है, जिन्होंने हमें समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने और अधिक समावेशी समुदाय बनाने के लिए प्रेरित किया है।

एनएसएस प्री–रिपब्लिक डे परेड कैंप (सेंट्रल जोन) 12 से 21 नवंबर 2022 : युवा मामले और खेल मंत्रालय ने सेंट्रल जोन को जीजीवी में प्री–रिपब्लिक डे कैंप की मेजबानी करने की अनुमति दी, जो एक प्रसिद्ध स्थान है जो अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है। युवा विकास और खेल. इस सुव्यवस्थित कार्यक्रम ने

छह राज्यों (अर्थात् उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) के 200 एनएसएस स्वयंसेवकों और 10 कार्यक्रम अधिकारियों को एक साथ लाकर विविधता को बढ़ावा दिया और शिविर के अनुभव को समृद्ध किया। शिविर में कोविड–19 सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करते हुए टीम भावना, नेतृत्व और राष्ट्रीय गौरव पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह एक जबरदस्त सफलता थी, जिसने प्रतिभागियों पर सकारात्मक प्रभाव छोड़ा और समाज में योगदान देने में युवाओं की शक्ति को उजागर किया। इस आयोजन ने देश भर में युवा सहभागिता और खेल कौशल को बढ़ावा देने के लिए सरकार के समर्पण का उदाहरण दिया। कुल मिलाकर, जीजीवी में प्री–रिपब्लिक डे कैंप एक शानदार सफलता थी, जिसने इसमें भाग लेने वाले सभी लोगों पर सकारात्मक और स्थायी प्रभाव छोड़ा। इसने एनएसएस स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों के लिए एक साथ आने, विचारों का आदान–प्रदान करने और सामाजिक सेवा और राष्ट्र–निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य किया।

प्रतिभागियों में छत्तीसगढ़ के 6 स्वयंसेवक शामिल थे, जिनमें विश्वविद्यालय के 3 स्वयंसेवक भी शामिल थे, जिन्हें गणतंत्र दिवस परेड समारोह के दौरान भारत के राष्ट्रपति को सलामी देने का सम्मान मिला, जिससे विश्वविद्यालय का एनएसएस कार्यक्रम 2023 के गणतंत्र दिवस समारोह का केंद्रीय हिस्सा बन गया। विश्वविद्यालय के गतिशील कुलपति प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल और रजिस्ट्रार ने स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं। दो समर्पित स्वयंसेवकों, लाखनी साहू और आयुष्मान चौधरी ने दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2023 में गर्व से भाग लिया। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ पर मार्च किया, जिसमें सबसे आगे वाली फाइल में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने वाले लाखनी साहू और दसवीं फाइल में आयुष्मान चौधरी थे। उनकी उपलब्धियाँ परेड से आगे तक फैलीं। शिविर के दौरान, लखनी साहू ने चार विशेष सांस्कृतिक संध्याओं का संचालन किया, 200 स्वयंसेवकों के बीच वाद–विवाद प्रतियोगिता जीती और माननीय राष्ट्रपति को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत प्रस्तुत की। दोनों स्वयंसेवकों को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति श्री अनुराग ठाकुर जैसी सम्मानित हस्तियों से मिलने का अवसर मिला।

जीजीवी स्वयंसेवकों ने 25 फरवरी 2023 को आईआईएम रायपुर के वाई–20 कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लियाः गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति और राष्ट्रीय सेवा योजना सेल के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिलीप कुमार झा के प्रेरक नेतृत्व और मार्गदर्शन में स्वयंसेवकों ने, 25 फरवरी 2023 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर में भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित यूथ 20 काउंसलिंग कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. भरत लाल साहू के साथ भाग लिया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर के साथ इस कार्यक्रम के 'युवा संवाद' सत्र में भी हिस्सा लिया। सत्र के दौरान स्वयंसेवकों ने विश्व शांति, छत्तीसगढ़ के विकास और नक्सलवाद के मुद्दे जैसे विभिन्न विषयों पर सवाल उठाए। मंत्री ने उनके प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया। मंत्री के साथ बातचीत करना सभी स्वयंसेवकों के लिए एक उत्साहवर्धक और समृद्ध अनुभव था। युवा 20 परामर्श कार्यक्रम में उनकी सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप, स्वयंसेवकों को दिल्ली में संसद भवन में आमंत्रित किया गया था।

गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय में 18 मार्च 2023 से 24 मार्च 2023 तक राष्ट्रीय एकता शिविर 2023 का आयोजनः युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, मध्य प्रदेश–छत्तीसगढ़, भोपाल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर मार्च से सफलतापूर्वक आयोजित किया गया गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर के समन्वयन में 18 मार्च से 24 मार्च 2023 तक। शिविर में 12 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले 200 एनएसएस स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, सभी को 10 कार्यक्रम अधिकारियों (टीम लीडर्स) द्वारा निर्देशित किया गया।

एनएसएस सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 26 मार्च 2023 से 1 अप्रैल 2023 तक : गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा 26 मार्च 2023 से 1 अप्रैल 2023 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन गोद ग्राम में किया गया. पुडु, उमरिया और दादर। शिविर में

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। विशेष शिविर की दैनिक दिनचर्या में सुबह 6:00 बजे जागरण, उसके बाद 6:45 से 7:15 बजे तक प्रार्थना और व्यायाम शामिल था। सुबह 7:45 से 11:30 बजे तक स्वयंसेवक परियोजना कार्य में लगे रहे, जिसमें तालाब की सफाई, स्कूल परिसर की सफाई और सोख्ता निर्माण पर जागरूकता अभियान जैसे कार्य शामिल थे। दोपहर में, बौद्धिक चर्चाएँ आयोजित की गईं, जहाँ विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों को मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि प्रदान की। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृ ति का प्रदर्शन किया गया।

गुरु घासीदास प्याऊ सेवा का उद्घाटन 21 अप्रैल 2023 को: गुरु घासीदास प्याऊ सेवा (जीपीएस) का उद्घाटन 21 अप्रैल 2023 को सुबह 9रू00 बजे विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के सामने गुरु के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में किया गया। घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय. उद्घाटन समारोह में विश्वविद्यालय के माननीय कुल गुरु की उपस्थिति रही। बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पांच अलग–अलग स्थानों पर यह सेवा शुरू की गई। समर्पित स्वयंसेवकों ने 'सेवा परमो धर्म' (सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है) की भावना को मूर्त रूप देते हुए, गुरु घासीदास प्याऊ सेवा में सक्रिय रूप से योगदान दिया। आगंतुकों को शीतल जल पिलाने के साथ–साथ जलपान के रूप में चना और गुड़ भी दिया गया। जीपीएस का संपूर्ण प्रबंधन कार्यक्रम समन्वयक डॉ. दिलीप झा के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

उपर्युक्त प्रमुख गतिविधियों के अलावा एनएसएस टीम द्वारा वर्ष भर में 48 अन्य गतिविधियाँ आयोजित और संचालित की गईं, जिनका उल्लेख इस प्रकार है: राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआईसी) मेदिनीपुर – पश्चिम बंगाल (25 मई 2022 – 31 मई 2022), जागरूकता कार्यक्रम 31 मई 2022 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस, 1 जून 2022 को साइबर जागरूकता दिवस, 3 जून 2022 को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल रैली और जागरूकता अभियान, 5 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, क्षेत्रीय निदेशक, एनएसएस के साथ बैठकरू 6 जून 2022 को श्री ए एस कबीर, 14 जून 2022 को विश्व रक्तदाता दिवस, 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2022 को राष्ट्रीय वन महोत्सव सप्ताह (1 से 7 जुलाई 2022), 10 दिसंबर 2022 को विश्वविद्यालय तालाब का सौंदर्यीकरण, बाजरा जागरूकता अभियान 6 जुलाई 2022 से 7 जुलाई 2022 तक, 11 जुलाई 2022 को विश्व जनसंख्या दिवस, 12 जुलाई 2022 को स्वतंत्रता सेनानियों पर अभिनय एवं संपादकीय लेखन प्रतियोगिता, 21 जुलाई 2022 को सी सर्टिफिकेट के लिए साक्षात्कार, शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान 24 जुलाई 2022 को यूटीडी परिसर में स्थित तालाब के आसपास, 25 जुलाई 2022 को कोविड–19 टीकाकरण का बूस्टर खुराक अभियान शुरू किया गया, 28 जुलाई 2022 को ष्हर घर तिरंगा अभियान के तहतष हर घर में तिरंगा फहराया गया, स्लोगन और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। 3 अगस्त 2022 को नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत परिदर्शन ष11 अगस्त से 15 अगस्त 2022ष, भारत विभाजन की भयावहता का स्मृति दिवसरू 14 अगस्त 2022, 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा जागरूकता अभियान, 76 वां स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2022, 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा किया गया रक्तदान, 20 अगस्त 2022 को सद्भावना दिवस, 2 सितंबर 2022 को नेत्र दान जागरूकता और नेत्र सुरक्षा पर चर्चा, पोषण आहार जागरूकता और बाजरा अभियान 3 सितंबर 2022, विश्व साक्षरता 8 सितंबर 2022 को दिन, 23–24 सितंबर 2022 तक एनएसएस महोत्सव ष्उन्नयनष मनाया गया, सितंबर से अक्टूबर 2022 तक साहसिक शिविर, 2 अक्टूबर 2022 को गांधी जयंती और शास्त्री जयंती समारोह, अक्टूबर 2022 के दूसरे सप्ताह में स्वच्छ भारत अभियान 2.0, ष एनएसएस के साथ खुशियों की दिवालीष दान अभियान – 1.0 20 अक्टूबर 2022 को, राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर 2022 को, गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय के चार स्वयंसेवक 7 दिसंबर 2022 को राष्ट्रीय एकता शिविर, रोहतक (हरियाणा) में जाने के लिए तैयार, बड़े पैमाने पर रक्तदान कुल उत्सव (18 दिसंबर 2022) के अवसर पर केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिविर का आयोजन, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय और

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर, क्षेत्रीय निदेशालय, एनएसएस, भोपाल 18।12।2022, लोगों को जागरूक करने के लिए विशाल रैली का आयोजन 7 जनवरी 2023 को बाजरा अनाज के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, 17वें प्रवासी भारतीय दिवस 2023 (8–10 जनवरी 2023) में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की भागीदारी, 11 जनवरी 2023 को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव में पंजीकरण, एनएसएस स्वयंसेवकों को स्थापना दिवस (15 जनवरी 2023), परीक्षा पे चर्चा 2023 (27 जनवरी 2023) पर सम्मानित किया गया, स्वयंसेवक 28 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक राज्य स्तरीय विशेष शिविर के लिए जाने के लिए तैयार हैं, राशि त्रिवेदी (एम. कॉम चतुर्थ सेमेस्टर) को 3 फरवरी 2023 को राज्य स्तरीय एनएसएस पुरस्कार मिला, विश्वविद्यालय के स्वयंसेवक 10 फरवरी से 16 फरवरी 2023 तक राष्ट्रीय एकता शिविर, आनंद, गुजरात के लिए रवाना हुए, 17 फरवरी 2023 में युवा 20 (वाई 20) जागरूकता कार्यक्रम, भोजन का वितरण 17 फरवरी 2023 को एनएसएस सेल द्वारा अनाथालय एवं वृद्धाश्रम में 16 मार्च 2023 से 17 मार्च 2023 तक दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का उद्घाटन।

6.14 सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ

उन्नत भारत अभियान

उन्नत भारत अभियान, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार के योजना अंतर्गत गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के द्वारा बिलासपुर जिला के कोटा विकास खंड के 04 ग्राम पंचायतो उमरियादादर, पुदु, रिंगवार एवं तेंदुभाठा एवं उसके आश्रित ग्रामों को गोद लिया गया है। ये सभी गोद ग्राम आदिवासी बाहुल्य है जो बिलासपुर मुख्यालय से लगभग 45 कि. मी. की दूरी पर है। विगत वर्षो से विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान की टीम गोद ग्रामों का भ्रमण कर विभिन्न तरह के जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। विश्वविद्यालय का इस योजना के लिए उन्नत भारत अभियान के राष्ट्रीय कोआर्डिनेटिंग संस्थान, आई.आई.टी. नई दिल्ली से अनुबंध भी किया गया है, ताकि इन गावों का विकास उन्नत तरीके से किया जा सके। विगत वर्ष इन ग्रामों में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये है :–

ग्रामीणों से सतत समन्वयन :

विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान की टीम इन ग्रामों का भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठकर विभिन्न समस्याओं की जानकारी एकत्रित करती एवं जिले के अधिकारियों से मिलकर उन समस्याओं के समुचित समाधान हेतु प्रयास करती है। इस प्रकार उन्नत भारत अभियान की टीम ग्रामीण एवं जिले के विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने का काम कर रही है। उन्नत भारत अभियान टीम में डॉ. के. के. चंद्रा (नोडल अधिकारी), डॉ. एस. के. शाही, डॉ. डी. के. पटेल, डॉ. सुबल दास एवं डॉ. रमेश गोहे हैं इनके गोद ग्रामों में लगातार जाने एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाने के फलस्वरुप गाँव वालों के साथ घनिष्ठ सम्बन्ध बन गए हैं।

वित्तीय साक्षरता शिविर

गोद लिए गए गांवों के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, बचत के तरीकों और किसान क्रेडिट कार्ड आदि के बारे में जागरूक करने और लाभान्वित करने के लिए अक्टूबर नवंबर 2022 के दौरान पुडु और तेंदुभाठा गांवों में एक वित्तीय साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन शिविरों में वक्ताओं और बैंकरों ने ग्रामीण समुदाय और महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहित किया। आजीविका गतिविधियाँ जैसे गैर – लकड़ी वन उपज का मूल्यवर्धन , खाद इकाई, अगरबत्ती उत्पादन, और अन्य ग्रामीण उत्पादन और आय सृजन गतिविधियाँ। शिविर में 100 ग्रामीणों एवं महिला समूहों ने भाग लिया।

आय सृजन के लिए मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन

गोद लिए गए गांव कुम्हड़ाखोल और पुदुतो के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों ने गांव में मशरूम उत्पादन का प्रदर्शन किया और ग्रामीण लोगों को मशरूम उत्पादन और आय सृजन के लिए प्रोत्साहित किया।

गोद लिए गए गांवों में एनएसएस शिविर

उमरियादादर और पुडु ग्राम पंचायत में एक सप्ताह की अवधि के दो शिविर आयोजित किए गए, जहां विश्वविद्यालय के 200 एनएसएस स्वयंसेवकों ने शिविर में भाग लिया और इन गांवों में विभिन्न एनएसएस गतिविधियों में भाग लिया।

6.15 केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयू) एकीकृत पोर्टल

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के निर्देशों के अनुसार, जीजीवी ने सीयू, यूजीसी और एमएचआरडी के बीच कागज रहित लेनदेन के उद्देश्य से यूजीसी द्वारा शुरू किए गए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के एकीकृत पोर्टल सीयू के केंद्रित योजना, वित्तपोषण, प्रशासन और समन्वित विकास के लिए संचालन के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। यूजीसी ने शिक्षण/गैर–शिक्षण कर्मचारियों, छात्र संख्या और व्यय विवरण आदि के लिए यूजीसी द्वारा प्रदान किए गए विभिन्न निर्धारित फॉर्म भरने के लिए नोडल अधिकारी को यूजर आईडी और पासवर्ड प्रदान किया है।

वर्तमान में, सीयू–इंटीग्रेटेड पोर्टल अपने नए प्रारूप में लॉन्च किया गया है और इसके डैश बोर्ड में दो मुख्य अनुभाग हैं।

पहला खंड विश्वविद्यालय के बुनियादी विवरण भरने के लिए विश्वविद्यालय के प्रोफाइल के बारे में है और दूसरा खंड विश्वविद्यालय की दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित मासिक और वार्षिक फॉर्म के बारे में है।

नए सीयू पोर्टल में कुल 21 फॉर्म हैं इनमें से 12 फॉर्म मासिक आधार पर भरने और अपडेट करने होते हैं जबकि बाकी 09 फॉर्म वार्षिक आधार पर अपडेट किए और भरे जाते हैं।

सीयू पोर्टल हर महीने की 1–5 से 15 तारीख तक खुला रहता है।

नोडल अधिकारी सभी संबंधित अनुभागों की मदद से निर्धारित समय के भीतर सीयू पोर्टल पर यूजीसी द्वारा मासिक आधार पर उपलब्ध कराए गए सभी निर्धारित फॉर्म भरवाते हैं।

इससे हमारे साथ–साथ एमएचआरडी और यूजीसी को स्थिति जानने और रिकॉर्ड अपडेट करने में सुविधा होती है।

6.16 विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली

सीबीसीएस मिशन अंतःविषय शिक्षण, अनुसंधान और सेवा के माध्यम से ज्ञान को आगे बढ़ाना है जो जीवन भर उत्पादक, संतोषजनक, स्वस्थ और सुरक्षित जीवन को बढ़ावा देने के लिए व्यक्तियों, परिवारों और विविध समुदायों की क्षमता में सुधार करता है।

हमने यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई के सभी दिशानिर्देशों को अपनाते और लागू करते हुए वर्ष 2018–19 से पूर्ण रूप से सीबीसीएस शुरू किया।

विश्वविद्यालय ने सत्र 2018–19 से स्नातक कार्यक्रमों के लिए च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) को पूरी तरह से लागू कर दिया है। बीएससी (ऑनर्स) /बीए (ऑनर्स)/बीई/बी. फार्म/बी.एड और बीपीएड में कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम कार्यक्रम को शामिल किया गया था जहां इन मूल्य–आधारित और/या कौशल–आधारित पाठ्यक्रमों का उद्देश्य व्यावहारिक प्रशिक्षण, दक्षताएं, कौशल इत्यादि प्रदान करना है।

2021 में, हमने अपने पूरे पाठ्यक्रम को एलओसीएफ आधारित दिशानिर्देशों में स्थानांतरित कर दिया है। हमने शैक्षणिक सत्र 2021 –22 से नई क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम और कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, साथ ही 2022–23 में एनईपी 2020 दिशानिर्देशों के अनुसार वैकल्पिक रूप से कुछ मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम भी पेश किए हैं।

खुले वैकल्पिक विकल्पों के साथ स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए नया पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2021–22 से तैयार और लागू सीबीसीएस दिशानिर्देशों के अनुसार पेश और कार्यान्वित किया गया था।

अतिरिक्त क्रेडिट पाठ्यक्रमों जैसे सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम, विश्वविद्यालय वैकल्पिक पाठ्यक्रम, ऑनलाइन प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और एनएसएस/एनसीसी पाठ्यक्रमों के लिए नियम बनाए गए और शैक्षणिक सत्र 2021–22 से पेश किए गए।

हमने स्वाबलंबी छत्तीसगढ़ फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत अपने छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से, 2022–23 में अर्न वाइल लर्न कार्यक्रम के तहत एक अनूठी योजना शुरू की है। प्रत्येक छात्र अंशकालिक कर्मचारी के रूप में कार्य करता है किसी भी संस्थानध्संगठनध्दुकानध्उद्योग आदि में 2 गैर–शमनयोग्य प्रोत्साहन क्रेडिट से सम्मानित किया जाएगा, जो अंतिम प्रतिलेख में प्रतिबिंबित होगा।

आंतरिक मूल्यांकन के तरीके के रूप में रचनात्मक और विनम्र मूल्यांकन के साथ परीक्षा प्रणाली में सुधार, बाहरी परीक्षा के प्रावधान, शैक्षणिक सत्र 2021–22 से तैयार और लागू किए गए, पूरी तरह से लागू किए गए और 2022–23 में जारी रहे।

6.17 स्वच्छ भारत

उच्च शिक्षा विभाग, ईबीएसबी सेल शिक्षा मंत्रालय का पत्र संख्या (एफ.नं. 11017ध04ध2022–ईबीएसबी) दिनांक 12 अगस्त 2022 को रजिस्ट्रार को मेल के माध्यम से प्राप्त हुआ। विश्वविद्यालय ने 29 अगस्त, 2022 को और उपरोक्त पत्र प्राप्त होने के बाद, कार्यक्रम अनुसूची तैयार की जिसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया, स्वच्छता पखवाड़ा 2022 का कार्यक्रम कार्यक्रम 30 अगस्त 2022 को सभी अधिष्ठाता और विभागाध्यक्षों को प्रसारित किया गया। इस स्वच्छता पखवाड़ा 2022 में सभी कार्यक्रम ऑफलाइन मोड में थे।

विभागों द्वारा अपने विभाग में स्वच्छता पखवाड़ा 2022 कार्यक्रम का आयोजन किया गया जो तालिका में दिया गया है–

तारीख	कार्यक्रम	मोड	विभाग
1 सितंबर 2022 गुरुवार	स्वच्छता प्रतिज्ञा	ऑफलाइन	वनस्पति विज्ञान विभाग रसायन विज्ञान विभाग अर्थशास्त्र विभाग शिक्षा विभाग पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग औद्योगिक एवं उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
2 सितंबर 2022 शुक्रवार	विभाग स्तरीय सफाई अभियान	ऑफलाइन	रसायन विज्ञान विभाग शिक्षा विभाग पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग औद्योगिक एवं उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
6 सितंबर 2022 मंगलवार	पोस्टर, स्लोगन एवं भाषण प्रतियोगिता	ऑफलाइन	रसायन विज्ञान विभाग अर्थशास्त्र विभाग शिक्षा विभाग शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग
7 सितंबर 2022 बुधवार	स्वच्छता पर टॉक शो – व्यक्तिगत, शारीरिक, मानसिक और पर्यावरणीय सभी पहलुओं पर छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करें	ऑफलाइन	मनोवैज्ञानिक परामर्श अनुभाग जीजीवी
9 सितंबर 2022 शुक्रवार	बेकार की चीजों में से उत्तम चीज बनाना	ऑफलाइन	रसायन विज्ञान विभाग

स्वच्छता पखवाड़ा 2022 की यह उपरोक्त रिपोर्ट आपके अवलोकन के लिए है।

6.18 जीजीवी श्रवण लाइन–जीएसएल

समाज की सेवा के लिए हेल्पलाइन योजना

आइए हाथ मिलाएं और एक सामाजिक सहायता नेटवर्क विकसित करें। हम साथ मिलकर बदलाव ला सकते हैं और एक बेहतर कल बना सकते हैं। एक बेहतर दुनिया हमें बेहतर जीवन जीने की अनुमति देती है।

14 अप्रैल 2023 को बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती पर इस योजना का शुभारंभ हुआ। हम बुजुर्गों से शुरुआत करेंगे और उन्हें बेहतर और सम्मानजनक जीवन जीने में सहायता करेंगे।

हेल्पलाइन नंबररू 9244098001

सेवाएं दी गईंः

बुजुर्गों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं और एक–दूसरे से सीखें

स्वास्थ्य देखभाल

बहुत जरूरी साथी

अनूठे अनुभवों पर लगना

सूचना सहायता एवं सशक्तिकरण योजना

बुजुर्ग छवि

जीजीवी श्रवण लाइन

योजना के बारे में:

जीजीवी श्रवण लाइन का उद्देश्य सप्ताह के सातों दिन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक साल के 365 दिन जरूरतमंद लोगों के समूह (संकट में फंसे लोगों) को प्रारंभिक चरण में प्राथमिकता के आधार पर वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं, बच्चों जैसे अन्य समूहों, महिलाओं, विशेष रूप से विकलांगों को रेफरल के माध्यम से (पुलिस, अस्पताल, वृद्धाश्रम, कानूनी संघों जैसे उपयुक्त प्राधिकारी के साथ जोड़ना) और एक समान नंबर के माध्यम से जिले/राज्य भर में संकट से संबंधित सरकारी योजनाओं के कार्यक्रमों में लोगों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए तत्काल और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रदान करना है। हेल्पलाइन योजना के तहत, शुरुआती तौर पर विश्वविद्यालय बिलासपुर जिले में एक समर्पित ऐप के माध्यम से जुड़ा एक हॉटलाइन नंबर लॉन्च करेगा और बाद में पूरे राज्य में सेवा को गुरु घासीदास विश्वविद्यालय द्वारा समन्वित किया जा सकता है।

योजना के उद्देश्य:

पीआईसी– संकट में फंसे लोगों को समर्थन और जानकारी चाहने वालों को सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक टोल–फ्री टेलीकॉम ऐप–आधारित सेवा प्रदान करना।

वरिष्ठ नागरिकों और अन्य समूहों को उनकी प्राथमिक आवश्यकताओं और विशिष्ट आवश्यकताओं– चिकित्सा, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, कानूनी, मनोरंजन, प्रौद्योगिकी सहायता, गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करना आदि के प्रबंधन में सहायता करना।

संकट में फंसे लोग यथा पीआईसी (पीपल इन क्राइसिस) को उनकी विशेष परिस्थिति के अनुसार जिस स्थानीय क्षेत्र में वे हैं, उपलब्ध उचित सहायता सेवाओं, सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करना।

लक्ष्य समूह:

इस हेल्पलाइन के लाभार्थी समूह प्रारंभिक चरण में अधिमानतः बिलासपुर जिले के 60 वर्ष और उससे अधिक के वरिष्ठ नागरिक और अन्य समूह (युवा, महिलाएं, बच्चे और दिव्यांग व्यक्ति) होंगे।

अन्य हितधारक:

जिले का पुलिस विभाग, राज्य कानूनी प्राधिकरणधजिला कानूनी प्राधिकरण, गैर सरकारी संगठन, स्थानीय वरिष्ठ नागरिक समूह, स्वैच्छिक समूह जैसे समुदाय–आधारित संगठन, नागरिक समाज, सरकारी और निजी अस्पताल, व्यापारी संघ और अन्य थोक विक्रेता दुकानें, स्थानीय खुदरा विक्रेता किराना दुकानें और हेल्पलाइन योजना में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल अन्य लोग अन्य हितधारक होंगे।

लाभार्थियों की पंजीकरण प्रक्रियाः

हेल्पलाइन की सेवाओं का लाभ उठाने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति के लिए पंजीकरण एक आवश्यक प्रक्रिया है। लाभार्थियों को ऐप–आधारित पंजीकरण फॉर्म के माध्यम सभी प्रासंगिक और आवश्यक जानकारी के साथ खुद को पंजीकृत करना होगा। सफल पंजीकरण के बाद, रिकॉर्ड भविष्य के संदर्भ के लिए सहेजा जाएगा। लाभार्थी अब अपनी आवश्यकता के अनुसार सेवा चुन सकता है। पंजीकृत मोबाइल नंबर से व्यक्ति अपनी सेवा का लाभ उठाने के लिए कॉल कर सकता है, हेल्पलाइन प्रबंधक आवश्यकतानुसार कॉल अग्रेषित या विशिष्ट सेवा समूह को सेवा के संबंध में निर्देशित करेंगे।

हेल्पलाइन तक पहुंचः

यह हेल्पलाइन संकटग्रस्त लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों और अन्य समूहों (युवा, बच्चे, महिलाएं और विशेष रूप से विकलांग आदि) के लिए टेलीफोन – लैंडलाइन, मोबाइल फोन पर कॉल, एसएमएस/टेक्स्ट मैसेजिंग, मोबाइल ऐप के माध्यम से सप्ताह में 12 घंटे उपलब्ध होगी।

सेवा कौन प्रदान करेगा?

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के पंजीकृत और सत्यापित स्वयंसेवकों (विभिन्न विभागों से स्नातक और स्नातकोत्तर के छात्र, अधिमानतः सामाजिक कार्य, एनएसएस और एनसीसी स्वयंसेवक) द्वारा सेवा प्रदान की जाएगी। कॉल पर सेवा प्रदाता संकट/जरूरतमंद लोगों की आवश्यकता के अनुसार पहुंचेंगे और उन्हें सेवा प्रदान करेंगे, संतोषजनक सेवा वितरण के बाद लाभार्थी से सेवा में सुधार और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रतिक्रिया देने की अपेक्षा की जाती है।

6.19 महिमा गुरु पीठ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त कुलसचिव नई दिल्ली के अर्द्ध शासकीय पत्र क्रमांक एफ.क्रमांक 72/2021 (चेयरस) के द्वारा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर को महिमा गुरु पीठ स्वीकृत हुआ है। इस पीठ का उद्घाटन सह संगोष्ठी कार्यक्रम दिनांक 9 मई, 2022 विशेषज्ञ/अतिथियों को आंमत्रित कर किया गया है।

वर्तमान प्रोफेसर पी.के.मिश्रा को महिमा गुरु पीठ का चेयर प्रोफेसर नियुक्त किया गया है। इस पीठ के संयुक्त संचालन हेतु सलाहकार समिति का गठन किया गया है।

भाग–2 परिशिष्ट

परिशिष्ट– ।

कुलाध्यक्ष– केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 क्रमांक 25 (2009) के अनुसार भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष होंगे।

विश्वविद्यालय के सांविधिक निकाय

अ. विश्वविद्यालय सभा

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023

एक्स. ऑफिशियो मैम्बर्स			
1.	**कुलाधिपति**		
	1.	प्रो. अशोक मोडक	11-05-2022 से 31-03-2023
2.	**कुलपति**		
	1.	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल	11-05-2022 से 31-03-2023
3.	**प्रति–कुलपति**		
	1.	रिक्त	
4.	**विद्यापीठों के अधिष्ठातागण**		
	गणित एवं संगणक विज्ञान विद्यापीठ		
	1.	प्रो. ए. एस. रणदिवे, प्रोफेसर	11-05-2022 से 31-03-2023
	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ		
	1.	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्रोफेसर	11-05-2022 से 31-03-2023
	प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ		
	1.	प्रो. एस. एस. सिंह, प्रोफेसर	11-05-2022 से 28-02-2023
		प्रो. एस. सी. तिवारी, प्रोफेसर	01-03-2023 से 31-03-2023
	भौतिकी विद्यापीठ		
	1.	प्रो. पी. के. वाजपेयी, प्रोफेसर	11-05-2022 से 31-03-2023
	वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ		
	1.	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा, प्रोफेसर	11-05-2022 से 31-03-2023
	विधि विद्यापीठ		
	1.	प्रो. मनीष श्रीवास्तव, प्रोफेसर	11-05-2022 से 02-10-2022
		प्रो. एम.एन. त्रिपाठी, प्रोफेसर	03-10-2022 से 31-03-2023
	जीव विज्ञान विद्यापीठ		
	1.	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर, प्रोफेसर	11-05-2022 से 21-11-2022
		प्रो. सीमा राय, प्रोफेसर	22-11-2022 से 31-03-2023
	अंतरानुशासनिक शिक्षा एवं शोध विद्यापीठ		
	1.	प्रो. बी. एन. तिवारी, प्रोफेसर	11-05-2022 से 21-11-2022
		प्रो. राजेन्द्र मेहता, प्रोफेसर	22-11-2022 से 31-03-2023
	शिक्षा विद्यापीठ		
	1.	प्रो. व्ही. एस. राठौड़, प्रोफेसर	11-05-2022 से 25-11-2022
		प्रो. सी. एस. वझलवार, प्रोफेसर	26-11-2022 से 31-03-2023
	कला विद्यापीठ		
	1.	प्रो. डी. एन. सिंह, प्रोफेसर	11-05-2022 से 25-11-2022
		प्रो ब्रजेश तिवारी, प्रोफेसर	26-11-2022 से 31-03-2023
	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ		
	1.	प्रो. टी. व्ही. अर्जुनन, प्रोफेसर	11-05-2022 से 14-11-2022

		प्रो. एस. सी. श्रीवास्तव, प्रोफेसर	15-11-2022 से 31-03-2023
5.	**अधिष्ठाता छात्र कल्याण**		
	1.	प्रो. एम.एन. त्रिपाठी	11-05-2022 से 12-03-2023
		प्रो. शैलेन्द्र कुमार	13-03-2023 से 31-03-2023
6.	**वित्ताधिकारी**		
	1.	प्रो. एस.सी. श्रीवास्तव	11-05-2022 से 31-03-2023
7.	**परीक्षा नियंत्रक**		
	1.	डॉ. राजकुमार शर्मा	11-05-2022 से 31-03-2023
8.	**कुलानुशासक**		
	1.	प्रो. व्ही. एस. राठौड	11-05-2022 से 12-03-2023
		प्रो. सुजीत मिश्रा	13-03-2023 से 31-03-2023
9.	**ग्रंथपाल**		
	1.	डॉ. अरूण कुमार शर्मा	11-05-2022 से 31-03-2023
10.	**कुलसचिव– सदस्य सचिव**		
	1.	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	11-05-2022 से 30-09-2022
		प्रो. मनीष श्रीवास्तव	01-10-2022 से 31-03-2023
विद्यापीठों और विभागों के प्रतिनिधि			
11.	**चार आचार्य, जो विद्यापीठों के संकायाध्यक्ष न हों, को कुलपति द्वारा वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में नामनिर्दिष्ट किया जायेगा**		
	1.	प्रो. ए. के. सक्सेना, प्रोफेसर, सीएसआईटी विभाग	11-05-2022 से 31-03-2023
	2.	प्रो. अनुपमा सक्सेना, प्रोफेसर, राजनीतिक शास्त्र विभाग	11-05-2022 से 31-03-2023
	3.	प्रो. प्रदीप शुक्ला, प्रोफेसर, इतिहास विभाग	11-05-2022 से 31-03-2023
	4.	प्रो. मनीषा दुबे, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग	11-05-2022 से 31-03-2023
12.	**विभागों के तीन विभागाध्यक्ष, जो संकायाध्यक्ष या आचार्य नहीं हैं, को कुलपति द्वारा वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में नामनिर्दिष्ट किया जायेगा**		
	1.	डॉ. ब्रजेश तिवारी, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	11-05-2022 से 29-12-2022
		डॉ. रोहित राजा, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	30-12-2022 से 31-03-2023
	2.	डॉ. बी. डी. मिश्रा, प्रबंध अध्ययन विभाग	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. आलोक कुमार कुशवाहा, संगणक अभियांत्रिकी विभाग	10-03-2023 से 31-03-2023
	3.	डॉ. रेणु भट्ट, जैव प्रौद्योगिकी विभाग	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. सोमा दास, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटर इंजीनियरिंग विभाग	10-03-2023 से 31-03-2023
13.	**दो सह आचार्य, जो संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष नहीं हैं, और दो सहायक आचार्य, को कुलपति द्वारा वरिष्ठता के अनुसार चक्रानुक्रम में नामनिर्दिष्ट किया जायेगा**		
	1.	अल्पना राम, फॉर्मेसी विभाग	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. राजेश शर्मा, भौतिक विज्ञान विभाग	10-03-2023 से 31-03-2023
	2.	डॉ. एस.के. जैन, फॉर्मेसी विभाग	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. बुधेश्वर प्रसाद सिंगरॉल, वाणिज्य विभाग	10-03-2023 से 31-03-2023
	3.	डॉ. बलराम उरांव, मानव विज्ञान विभाग	11-05-2022 से 31-03-2023
	4.	डॉ. अनुराग चौहान, अंग्रेजी विभाग	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. सांत्वना पाण्डेय, राजनीतिक शास्त्र विभाग	10-03-2023 से 31-03-2023
विद्वत व्यक्तित्व के प्रतिनिधि			
14.	**कुलपतियों या प्रख्यात व्यक्तित्वों में से छह प्रतिनिधि, कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जायेगा**		
	1.	प्रो. आर. पी. तिवारी, कुलपति, पंजाब केंदीय विश्वविद्यालय	11-05-2022 से 31-03-2023
	2.	प्रो. प्रतिभा गोयल, प्राध्यापक, एस.बी.एस, पी.ए.यू, लुधियाना	11-05-2022 से 31-03-2023
	3.	प्रो. भीमाराय मैत्री, डायरेक्टर, आईआईएम, नागपुर, महाराष्ट्र	11-05-2022 से 31-03-2023
	4.	प्रो. आर.एन. खरवार, प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान विभाग, बी.एच.यू. वाराणसी	11-05-2022 से 31-03-2023
	5.	प्रो. पी.सी. पतंजलि, (पूर्व कुलपति व्ही.बी.एस, पी.यू), बी. डब्लू– 97डी, शालीमार बाग, दिल्ली	11-05-2022 से 31-03-2023
	6.	प्रो. साकेत कुशवाहा, पूर्व कुलपति, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरूणाचल प्रदेश	11-05-2022 से 31-03-2023
विद्वत वृत्तियों एवं विशेष हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति			
15.	**विद्वत वृत्तियों एवं विशेष हितों, उद्योग, वाणिज्य, बैंकिंग तथा कृषि को समाहित करते हुये, इन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले छः**		

	सदस्य कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किये जायेंगे		
	1.	रिक्त	
	2.	रिक्त	
	3.	रिक्त	
	4.	रिक्त	
	5.	रिक्त	
	6.	रिक्त	
अन्य सदस्य			
16.	**कुलाध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ठ नामों को छोड़कर कार्य परिषद् के ऐसे सदस्य, जो उपर्युक्त किसी भी श्रेणी के अंतर्गत सभा के सदस्य नहीं हैं**		
	1.	सेक्रेटरी, डिपार्टमेंट ऑफ हायर एजुकेशन, मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया ऑर हिज/हर नॉमिनी	11-05-2022 से 31-03-2023
	2.	डॉ. जी.डी. शर्मा, कुलपति यूनीवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मेघालय, नॉमिनी ऑफ चेयरमैन, यूजीसी	11-05-2022 से 01-10-2022
		प्रो. ब्रजेश कुमार पाण्डेय, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनीवर्सिटी, नई दिल्ली–110067	02-10-2022 से 31-03-2023
	3.	चीफ सेक्रेटरी ऑफ द स्टेट गवर्नमेंट ऑर हिज/हर नॉमिनी नॉट बिलो द रैंक ऑफ सेक्रेटरी प्रेफेरब्ली डीलिंग विथ मैटर्स रिलेटिंग टू हायर एजुकेशन	11-05-2022 से 31-03-2023
	4.	डॉ. भारती अहिरवार, डिपार्टमेंट ऑफ फॉर्मेसी	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. सीमा पांण्डेय, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री	10-03-2023 से 31-03-2023
	5.	डॉ. संतोष कुमार प्रजापति, डिपार्टमेंट ऑफ बॉटनी	11-05-2022 से 09-03-2023
		डॉ. संज्ञा त्रिपाठी, डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क	10-03-2023 से 31-03-2023
17.	**शैक्षणिक एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों, के चार प्रतिनिधि, जिसमें से एक शैक्षणिक कर्मचारी एवं गैर–शैक्षणिक कर्मचारियों समूह अ, ब, तथा स वर्ग, में से प्रत्येक वर्ग से एक प्रतिनिधि जो अपने में से निर्वाचित किये गये हों**		
	1.	रिक्त	
	2.	रिक्त	
	3.	रिक्त	
	4.	रिक्त	
18.	**छात्र परिषद् के निर्वाचित सदस्य के रूप में उनके अध्यक्ष एवं सचिव, एक वर्ष की अवधि के लिये**		
	1.	रिक्त	
	2.	रिक्त	
19.	**कुलपति द्वारा नामनिर्दिष्ट तीन पूर्व छात्र**		
	1.	श्री राजकुमार पटेल–पूर्व छात्र, बी.एस.सी. फॉरेस्ट्री	11-05-2022 से 31-03-2023
	2.	श्री वेदांश मिश्रा–पूर्व छात्र, बी.ए. (ऑनर्स) पॉलिटिकल सांइस	11-05-2022 से 31-03-2023
	3.	श्री राजन तिवारी–पूर्व छात्र, बी.ए. (ऑनर्स) पॉलिटिकल सांइस	11-05-2022 से 31-03-2023

(ब) सदस्य कार्यपरिषद्

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023

1.	**कुलपति**		
	1.	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल	01-04-2022 से 31-03-2023
2.	**सचिव, उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार या उनके प्रतिनिधि**		
	1.		01-04-2022 से 31-03-2023
3.	**अध्यक्ष, यू.जी.सी. या उनके प्रतिनिधि जो संयुक्त संचिव के पद से निम्न न हो**		
	1.	प्रो. ब्रजेश कुमार पाण्डेय	01-04-2022 से 31-03-2023
4.	**राज्य शासन के मुख्य सचिव या उनके प्रतिनिधि जो प्राथमिकता में उच्च शिक्षा सचिव पद से निम्न पद का न हो**		
	1.		01-04-2021 से 31-03-2022
5.	**सम–कुलपति**		
	1.	रिक्त	
6.	**विद्यापीठ अधिष्ठाताओं में से दो सदस्य जो कुलपति द्वारा नामित हो**		
	1.	प्रो. मनीष श्रीवास्तव, प्रोफेसर, अधिष्ठाता विधि विद्यापीठ	01-04-2022 से 01-10-2022
		प्रो. व्ही.एस. राठौड़, प्रोफेसर, अधिष्ठाता शिक्षा विद्यापीठ	02-10-2022 से 06-12-2022
		प्रो. एम.एन. त्रिपाठी, प्रोफसर, अधिष्ठाता विधि विद्यापीठ	07-12-2022 से 31-03-2023
	2.	प्रो. बी.एन. तिवारी, प्रोफेसर, अधिष्ठाता अंतरानुशासनिक शिक्षा एवं अनुसंधान विद्यापीठ	01-04-2022 से 21-11-2022

		प्रो. एस.एस. सिंह, प्रोफेसर, अधिष्ठाता प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ	07-12-2022 से 05-02-2023
		प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्रोफेसर, अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	06-02-2023 से 31-03-2023
7.	**कुलपति द्वारा नामित एक प्रोफेसर जो अधिष्ठाता न हो**		
	1.	प्रो. ए.एस. रणदिवे, शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित विभाग	01-04-2022 से 04-05-2022
		प्रो. अमित सक्सेना, सीएसआईटी विभाग	05-05-2022 से 31-03-2023
8.	**कुलपति द्वारा नामित एक सह आचार्य**		
	1.	श्री आर. के. चौबे, सिविल इंजीनियरिंग विभाग	01-04-2022 से 02-05-2022
		डॉ. भारती अहिरवार, फॉर्मेसी विभाग	05-05-2022 से 12-01-2023
		डॉ. सीमा पाण्डेय, इतिहास विभाग	13-01-2023 से 31-03-2023
9.	**कुलपति द्वारा नामित एक सहायक प्राध्यापक**		
	1.	डॉ. अमित बघेल	01-04-2022 से 04-05-2022
		डॉ. संतोष प्रजापति	05-05-2022 से 31-03-2022
		डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	26-02-2023 से 31-03-2023
10.	**कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित विश्वविद्यालय सभा (कोर्ट) के दो सदस्य जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय या विश्वविद्यालय से संबद्ध या मान्यता प्राप्त छात्र या कर्मचारी न हो**		
	1.	रिक्त	
	2.	रिक्त	
11.	**कुलाध्यक्ष (राष्ट्रपति) द्वारा नामित 04 ऐसे व्यक्ति जो, शैक्षणिक एवं सार्वजनिक जीवन में ख्याति प्राप्त हो**		
	1.	रिक्त	
	2.	रिक्त	
	3.	रिक्त	
	4.	रिक्त	
12.	**सचिव**		
	1.	प्रो. शैलेन्द्र कुमार, कुलसचिव (कार्यवाहक)	01-04-2022 से 30-09-2022
		प्रो. मनीष श्रीवास्तव, कुलसचिव (कार्यवाहक)	01-10-2022 से 31-03-2023

(स) विद्यापरिषद के सदस्य

01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023

20.	**कुलपति**		
	1.	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल	01-04-2022 से 31-03-2023
21.	**सम–कुलपति**		
	1.		रिक्त
22.	**विद्यापीठओं के अधिष्ठातागण**		
	गणित एवं संगणक विज्ञान विद्यापीठ		
	1.	प्रो. ए.एस. रणदिवे, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ		
	1.	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ		
	1.	प्रो. एस.एस. सिंह, प्राध्यापक	01-04-2022 से 28-02-2023
		प्रो. एस.सी. तिवारी, प्राध्यापक	01-03-2023 से 31-03-2023
	भौतिकी विद्यापीठ		
	1.	प्रो. पी.के. बाजपेयी, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	वाणिज्य एवं प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ		
	1.	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023

	विधि		
	1.	प्रो. मनीष श्रीवास्तव, प्राध्यापक	01-04-2022 से 02-10-2022
		प्रो. एम.एन. त्रिपाठी, प्राध्यापक	03-10-2022 से 31-03-2023
	जीव विज्ञान		
	1.	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर, प्राध्यापक	01-04-2022 से 21-11-2022
		प्रो. सीमा राय, प्राध्यापक	22-11-2022 से 31-03-2023
	अंतरानुशासनिक शिक्षा एवं शोध विद्यापीठ		
	1.	प्रो. बी.एन. तिवारी, प्राध्यापक	01-04-2022 से 21-11-2022
		प्रो. राजेन्द्र मेहता, प्राध्यापक	22-11-2022 से 31-03-2023
	शिक्षा विद्यापीठ		
	1.	प्रो. व्ही. एस. राठौड़, प्राध्यापक	01-04-2022 से 25-11-2022
		प्रो. सी.एस. वझलवार, प्राध्यापक	26-11-2022 से 31-03-2023
	कला विद्यापीठ		
	1.	प्रो. डी.एन. सिंह, प्राध्यापक	01-04-2022 से 25-11-2022
		प्रो. ब्रजेश तिवारी, प्राध्यापक	26-11-2022 से 31-03-2023
	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ		
	1.	प्रो. टी.व्ही. अर्जुनन, प्राध्यापक	01-04-2022 से 14-11-2022
		प्रो. एस.सी. श्रीवास्तव, प्राध्यापक	15-11-2022 से 31-03-2023
23.	**शैक्षणिक विभागों के विभागाध्यक्ष**		
	मानवशास्त्र एवं जनजातीय विकास		
	1.	डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	वाणिज्य विभाग		
	1.	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	जैव प्रौद्योगिकी		
	1.	डॉ. रेणु भट्ट, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	संगणक एवं सूचना विज्ञान विभाग		
	1.	प्रो. अमित सक्सेना, प्रोफेसर	01-04-2022 से 31-03-2023
	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान		
	1.	डॉ. के.के. चन्द्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित		
	1.	जय प्रकाश जायसवाल, सह प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिक विज्ञान		
	1.	डॉ. माघवेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग		
	1.	डॉ. पुष्पराज सिंह, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	प्रबंध अध्ययन विभाग		
	1.	डॉ. बी.डी. मिश्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	इतिहास		
	1.	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	भौतिक शिक्षा विभाग		
	1.	डॉ. संजीत सरदार, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	समाज कार्य विभाग		

	1.		रिक्त
	ग्रंथपाल एवं सूचना विज्ञान		
	1.	डॉ.. ब्रजेश तिवारी, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग		
	1.	डॉ. गोपा बागची, सह प्राध्यापक	01-04-2022 से 12-06-2022
		प्रो. डी.एन. सिंह, प्राध्यापक	13-06-2022 से 18-07-2022
		प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा, प्राध्यापक	19-07-2022 से 04-01-2023
		प्रो. धीरज कुमार शुक्ला, सह प्राध्यापक	05-01-2023 से 31-03-2023
	फार्मेसी विभाग		
	1.	डॉ. भारती अहिरवार, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	अर्थशास्त्र विभाग		
	1.	प्रो. मनीषा दुबे, प्रोफेसर	01-04-2022 से 31-03-2023
	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग		
	1.		रिक्त
	शिक्षा विभाग		
	1.	डॉ. सुजीत कुमार, प्राध्यापक	01-04-2022 से 04-01-2023
		डॉ. सी.एस. वझलवार, प्राध्यापक	05-01-2023 से 31-03-2023
	राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन		
	1.	प्रो. अनुपमा सक्सेना, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	हिन्दी		
	1.	प्रो. डी.एन. सिंह, प्राध्यापक	01-04-2022 से 04-01-2023
		डॉ. गौरी त्रिपाठी, सह–प्राध्यापक	05-01-2023 से 31-03-2023
	रसायन विज्ञान विभाग		
	1.		रिक्त
	वनस्पति विज्ञान विभाग		
	1.	डॉ. देवेन्द्र कुमार पटेल, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	. *प्राणि विज्ञान विभाग*		
	1.	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	विधि विभाग		
	1.		रिक्त
	रसायन अभियांत्रिकी		
	1.	डॉ. ए.के. चन्द्राकर, सह–प्राध्यापक	01-04-2022 से 07-08-2022
	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी		
	1.	डॉ. आलोक कुमार कुशवाहा, सह–प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	सूचना प्रोद्योगिकी इंजी. विभाग		
	1.	डॉ. रोहित राजा, सह–प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	इलेक्ट्रानिक्स एवं कम्यूनिकेशन इंजी.		
	1.	डॉ. सोमा दास, सह–प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	मैकेनिकल इंजी.		
	2.	प्रो. टी.व्ही. अर्जुनन, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	औद्योगिक एवं उत्पादन इंजी.		
	1.	डॉ. एस.सी. श्रीवास्तव, प्राध्यापक	01-04-2022 से 31-03-2023
	सिविल अभियांत्रिकी		
	1.		रिक्त

	न्यायालयिक विज्ञान विभाग		
	1.		रिक्त
24.	**कुलपति द्वारा नामित विभिन्न विद्यापीठओं के 05 आचार्य (जो विद्यापीठओं के अधिष्ठाता या विभाग/केन्द्र के अध्यक्ष न हो)**		
	1.	प्रो. हरीश कुमार	01-04-2022 से 31-03-2023
	2.	प्रो. प्रदीप शुक्ला	01-04-2022 से 31-03-2023
	3.	प्रो. एम.के. सिंह	01-04-2022 से 31-03-2023
	4.	प्रो. पी.जे. मिश्रा	01-04-2022 से 31-03-2023
	5.	प्रो. एस.एन. साहा	01-04-2022 से 11-09-2022
		प्रो. रश्मि अग्रवाल	12-09-2022 से 05-02-2023
		प्रो. व्ही.एस. राठौड़	06-02-2023 से 31-03-2023
25.	**कुलपति द्वारा नामित 5 सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हो**		
	1.	डॉ. पारिजात ठाकुर	01-04-2022 से 13-10-2022
		डॉ. गौरी त्रिपाठी	14-10-2022 से 22-01-2023
		डॉ. बुधेश्वर सिंगरौल	23-01-2023 से 31-03-2023
	2.	डॉ. आर.के. चौबे	01-04-2022 से 12-01-2023
		डॉ. घनश्याम दुबे	13-01-2023 से 31-03-2023
	3.	डॉ. अरूण कुमार सिंह	01-04-2022 से 31-03-2023
	4.	डॉ. व्ही.व्ही.एस. सुर्य कुमार दादी	01-04-2022 से 31-03-2023
	5.	डॉ. एस.एस. धुरिया	01-04-2022 से 19-09-2022
		डॉ. अनिल कुमार चंद्राकर	20-09-2022 से 31-03-2023
26.	**कुलपति द्वारा नामित 5 सहायक प्राध्यापक**		
	1.	डॉ. एस. के. प्रजापति	01-04-2022 से 25-02-2023
		डॉ. पायल बनर्जी	26-02-2023 से 31-03-2023
	2.	डॉ. दिलीप झा	01-04-2022 से 31-03-2023
	3.	डॉ. विकास कुमार पांण्डेय	01-04-2022 से 31-03-2023
	4.	डॉ. राघवेन्द्र सिंह ठाकुर	01-04-2022 से 06-03-2023
		डॉ. शालिनी मेनन	07-03-2023 से 31-03-2023
	5.	डॉ. बी. आर. रावटे	01-04-2022 से 31-03-2023
27.	**ग्रंथपाल**		
28.	**विद्यापरिषद् द्वारा सहयोजित शैक्षणिक प्रगति एवं विकास का विशेष ज्ञान रखने वाले 05 व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हो**		
	1.	प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा महेन्द्रगढ़, हरियाणा	01-04-2022 से 31-03-2023
	2.	प्रो. संजीत कुमार गुप्ता, कॉमर्स विभाग, डीडीयू, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर (यू.पी.) 273009	01-04-2022 से 31-03-2023
	3.	श्री महेंद्र कुमार, डी-36/192 अगस्तकुंडा, गौड़वल्या, वाराणसी 221005	01-04-2022 से 31-03-2023
	4.	श्री दीपक शर्मा, अनुग्रह, 3बी बी निषात इन्क्लेव, 74 बंगलो, भोपाल (म.प्र.) 462003	01-04-2022 से 31-03-2023
	5.	श्री प्रदीप देशपांडे, डी/3-43, रामाग्रीन सिटी, बिलासपुर (छ.ग.)	01-04-2022 से 31-03-2023
29.	**अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं कुलानुशासक (पदेन)**		
	1.	कुलानुशासक	01-04-2022 से 31-03-2023
	2.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण एवं कुलानुशासक	01-04-2022 से 31-03-2023
30.	**सचिव**		
	1.	प्रो. शैलेन्द्र कुमार, कुलसचिव (कार्यवाहक)	01-04-2022 से 30-09-2022
		प्रो. मनीष श्रीवास्तव, कुलसचिव (कार्यवाहक)	01-10-2022 से 31-03-2023

द. बैठकों का आयोजन

कार्यपरिषद् की बैठक

क्र.	बैठक दिनांक	विवरण
01.	19-04-2022	34 वीं बैठक
02.	02-09-2022	35 वीं बैठक
03.	30-09-2022	36 वीं बैठक
04.	04-11-2022	37 वीं बैठक
05.	09-01-2023	38 वीं बैठक
06.	20-02-2023	39 वीं बैठक

विद्यापरिषद् की बैठक

क्र.	बैठक दिनांक
01.	26-07-2022
02.	21-10-2022

परिशिष्ट –II

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

(31 मार्च, 2022 की स्थिति में)

अ. विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

क्र.	पद	नाम
01	कुलाधिपति	डॉ. अशोक गजानन मोडक
02	कुलपति	प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल
03	सम–कुलपति	रिक्त
04	कुलसचिव	(रिक्त) प्रो. मनीष कुमार श्रीवास्तव (कार्यवाहक)
05	वित्ताधिकारी	(रिक्त) प्रो. एस. सी. श्रीवास्तव (कार्यवाहक)
06	परीक्षा नियंत्रण	डॉ. राजकुमार शर्मा
07	ग्रंथपाल	डॉ. अरूण कुमार शर्मा

ब. विद्यापीठ के अधिष्ठातागण

क्र.	विद्यापीठ	अधिष्ठाता का नाम	कालखंड	कार्यकाल
1	कला विद्यापीठ	प्रो. डी.एन. सिंह	01-04-2022 से 25-11-2022	टेन्योर इंड ऑन 25-11-22
		प्रो. बृजेश तिवारी	25-11-2022 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स
2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	प्रो. टी. व्ही. अजुर्नन	01-04-2022 से 14-11-2022	टेन्योर इंड ऑन 14-11-2022
		प्रो. एस. सी. श्रीवास्तव	15-11-2022 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स
3	विधि विद्यापीठ	प्रो. मनीष श्रीवास्तव	01-04-2022 से 01-10-2022	अप टू नेक्स्ट ऑर्डर
		प्रो. एम.एन त्रिपाठी	02-10-2022 से 31-03-2023	अप टू नेक्स्ट ऑर्डर
4	जीव विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	01-04-2022 से 21-11-2022	टेन्योर इंड ऑन 21-11-22
		प्रो. सीमा राय	22-11-2022 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स
5	प्रबंध एवं वाणिज्य विद्यापीठ	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा	01-04-2022 से 31-03-2023	-
6	गणितिय एवं संगणक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. ए.एस. रणदिवे	01-04-2022 से 31-03-2023	-
7	प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ	प्रो. एस.एस. सिंह	01-04-2022 से 31-01-2023	सुपरएनुएटेड ऑन 31-01-2023
		प्रो. एस.सी. तिवारी	01-02-2023 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स
8	भौतिकीय विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. पी.के. बाजपेयी	01-04-2022 से 31-03-2023	-
9	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा	01-04-2022 से 31-03-2023	-
10	शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. व्ही.एस. राठौड़	01-04-2022 से 25-11-2022	टेन्योर इंड ऑन 25-11-22
		प्रो. सी.एस. वझलवार	26-11-2022 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स
11	अंतरानुशासनिक शिक्षा एवं शोध विद्यापीठ	प्रो. बी. एन. तिवारी	01-04-2022 से 21-11-2022	टेन्योर इंड ऑन 21-11-22
		प्रो. राजेन्द्र मेहता	22-11-2022 से 31-03-2023	अप टू 03 इयर्स

स. विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारीगण

क्र0	नाम	पदनाम
01	प्रो. सुजीत कुमार	कुलानुशासक
02	डॉ. शैलेन्द्र कुमार	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
03	डॉ. राजकुमार शर्मा	परीक्षा नियंत्रक
04	श्री एच.एन चौबे	संयुक्त कुलसचिव
05	डॉ. अरूण कुमार शर्मा	ग्रंथपाल
06	डॉ. रविन्द्र कुमार सोनी	उप–कुलसचिव (प्रतिनियुक्ति पर)
07	डॉ. सम्पूर्णानंद झा	उप–कुलसचिव (परीक्षा विभाग)
08	श्री सूरज कुमार मेहर	उप–कुलसचिव (कुलपति सचिवालय)
09	श्री संतोष कुमार त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव (भण्डार एवं आंतरिक अंकेक्षण विभाग) (लियन)
10	डॉ. अभिदीप तिवारी	सहायक कुलसचिव (प्रशासन)
11	श्री टिकेन्द्र प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव (अकादमी विभाग)
12	श्री सुधाकर लोनारे	सहायक कुलसचिव (विकास विभाग)
13	श्री श्रीकांत कारडेकर	सहायक कुलसचिव (वित्त विभाग)

द. विश्वविद्यालय के शैक्षणिक निकायों के विभागाध्यक्षण (31.03.2023 की स्थिति में)

क.	विभाग का नाम	विभागाध्यक्ष का नाम	पदनाम	मो. न.
01	मानवशास्त्र एवं आदिवासी विकास	डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही	प्राध्यापक	09630922710
02	वाणिज्य	डॉ. अशोक कुमार मिश्रा	प्राध्यापक	
03	बायोटेक्नोलॉजी	डॉ. रेणु भट्ट	प्राध्यापक	07389457727
04	संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	प्रो. अमित कुमार सक्सेना	प्राध्यापक	
05	वानिकी	डॉ. के.के. चन्द्रा	प्राध्यापक	
06	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	डॉ. जे.पी. जायसवाल	सह–प्राध्यापक	
07	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	प्रो. एम.एन. त्रिपाठी	प्राध्यापक	
08	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	प्रो. पुष्पराज सिंह	प्राध्यापक	09406433396
09	प्रबंध अध्ययन	प्रो. बी.डी. मिश्रा	प्राध्यापक	0989325802
10	इतिहास	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा	प्राध्यापक	
11	शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद	डॉ. संजीत सरदार	सह–प्राध्यापक	
12	समाज कार्य	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक	
13	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान	प्रो. ब्रजेश तिवारी	प्राध्यापक	9425227690
14	पत्रकारिता एवं जनसंचार	डॉ. धीरज शुक्ला	सह–प्राध्यापक	
15	फॉर्मेसी	प्रो. भारती अहिरवार	प्राध्यापक	
16	अर्थशास्त्र	प्रो. मनीषा दुबे	प्राध्यापक	09827403395
17	अंग्रेजी एवं आंग्ल भाषा	डॉ. अनुराग चौहान	सह–प्राध्यापक	09425536308
18	शिक्षा	प्रो. सी.एस. वझलवार	प्राध्यापक	
19	राजनीति एवं लोक प्रशासन	प्रो. अनुपमा सक्सेना	प्राध्यापक	
20	हिन्दी	डॉ. गौरी त्रिपाठी	सह–प्राध्यापक	
21	रसायन	प्रो. जी. के. पात्रा	प्राध्यापक	
22	वनस्पति शास्त्र	प्रो. डी.के. पटेल	प्राध्यापक	
23	प्राणीशास्त्र	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	प्राध्यापक	
24	विधि	डॉ. अजय सिंह	सहायक प्राध्यापक आई / सी	
25	फॉरेंसिक साइंस	डॉ. सुधीर यादव	सहायक प्राध्यापक आई / सी	
26	रसायन अभियांत्रिकी	डॉ. राघवेंद्र सिंह ठाकुर	सह–प्राध्यापक	
27	कम्प्यूटर साइंस एवं अभियांत्रिकी	डॉ. आलोक कुमार कुशवाहा	सह–प्राध्यापक	
28	सूचना प्रौद्योगिकी	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	

29	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी	डॉ. सोमा दास	सह–प्राध्यापक	
30	मेकेनिकल अभियांत्रिकी	प्रो. टी.व्ही. अर्जुनन	प्राध्यापक	
31	इंडस्ट्रियल एण्ड प्रोडक्शन अभियांत्रिकी	प्रो. एस.सी. श्रीवास्तव	प्राध्यापक	
32	सिविल अभियांत्रिकी	डॉ. आशीष कुमार पाराशर	सहायक प्राध्यापक आई / सी	

परिशिष्ट – III

अ. विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

(31.03.2023 की स्थिति में)

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
1.	डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सह–आचार्य	सोशल एन्थ्रोपोलॉजी
2.	श्री बलराम उरांव	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक	सोशल एन्थ्रोपोलॉजी
3.	डॉ0 सुबल दास	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक	फिजिकल / बॉयोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजी
4.	डॉ. रश्मि जायसवाल	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
5.	कौस्तुव देबशर्मा	मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
6.	डॉ. रेणु भट्ट	जैव प्रौद्योगिकी	सह–प्राध्यापक	नैनोटेक्नालॉजी टॉक्सिसिटी एंड कैंसर
7.	डॉ. हरित झा	जैव प्रौद्योगिकी	सह–प्राध्यापक	बायोकेमेस्ट्री, माइक्रोबियल बायोटेक
8.	डॉ. आशीष कुमार	जैव प्रौद्योगिकी	सह–प्राध्यापक	
9.	डॉ. संजीत कुमार	जैव प्रौद्योगिकी	सह–प्राध्यापक	
10.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार परिहार	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबियल एंजाइम एण्ड फरमेंटेशन टेक्नालॉजी
11.	सुश्री अल्का एक्का	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोबायालॉजी
12.	डॉ. धनंजय शुक्ला	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	एनीमल बायोटेक्नालॉजी
13.	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इम्युनोलॉजी सेलूलर बायोलॉजी, अन्कोलॉजी, एनीमल सेल कल्चर टेक्नोलॉजी
14.	श्री विकास चन्द्रा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
15.	श्री रजत प्रताप सिंह	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
16.	डॉ. अर्चना कुमारी	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
17.	डॉ. विजय गुप्ता	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
18.	डॉ. मदन सोनकर	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
19.	सुश्री लक्ष्मणी वर्मा	जैव प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
20.	डॉ. अश्विनी कुमार दीक्षित	वनस्पति शास्त्र	प्राध्यापक	बायो नैनोटेक्नोलॉजी फॉर्माकोग्नॉजी, एण्ड मेडिकल बॉटनी
21.	डॉ. सुशील कुमार शाही	वनस्पति शास्त्र	प्राध्यापक	
22.	डॉ. देवेन्द्र कुमार पटेल	वनस्पति शास्त्र	प्राध्यापक	प्लांट इकोलॉजी
23.	डॉ. संतोष कुमार प्रजापति	वनस्पति शास्त्र	प्राध्यापक	एयर पाल्यूशन एण्ड स्ट्रेस इकोलॉजी
24.	डॉ. नरेन्द्र कुमार	वनस्पति शास्त्र	प्राध्यापक	
25.	डॉ. सुधीर कुमार पाण्डेय	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल केमिस्ट्री एण्ड पॉल्यूशन इकोलॉजी
26.	डॉ. विभयनाथ त्रिपाठी	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	होस्ट पेथोजन इंटरेक्शन

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
27.	डॉ. रमेश कुमार अहिरवार	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
28.	श्री दिपांकर यादव	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
29.	श्रीमती एस. श्वेता	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
30.	डॉ. दीपिका महोबिया	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
31.	डॉ. प्रीति वर्मा	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
32.	श्री. विवेक कुमार पटेल	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
33.	डॉ नीलिमा मरावी	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
34.	डॉ. ज्योती पाण्डेय	वनस्पति शास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
35.	डॉ. अनिल कुमार चन्द्राकर	रसायन अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	केटेलिसिस
36.	डॉ. राघवेन्द्र सिंह ठाकुर	रसायन अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	एडजॉर्प्शन
37.	डॉ. अमित जैन	रसायन अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	थर्मल
38.	श्री नीरज चन्द्राकर	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
39.	श्रीमती अनुराधा नानेवार जोशी	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल
40.	डॉ. सौरभ मेश्राम	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केमिकल प्रॉसेस डिजाइन
41.	श्री गौतम प्रसाद देवांगन	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर एडेड प्रॉसेस एण्ड इक्विपमेंट डिजाइन
42.	श्री विष्णु प्रसाद यादव	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	केटेलिसिस
43.	श्री संदीप धर्माधिकारी	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
44.	श्रीमती घोषणा ज्योति	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
45.	श्री पंकज कुमार	रसायन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
46.	प्रो. गौतम कुमार पात्रा	रसायनशास्त्र	प्राध्यापक	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मेटल ऑर्गेनिक, फ्रेमवर्क, क्रिस्टल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री
47.	डॉ. चारू अरोरा	रसायनशास्त्र	प्राध्यापक	फिजिकल केमिस्ट्री, काइनेटिक, थर्मल टेक्निक सिनर्जीज्म, नेचरल प्रोडक्ट
48.	डॉ. सुनील कुमार सिंह	रसायनशास्त्र	सह–प्राध्यापक	
49.	डॉ. आशीष कुमार सिंह	रसायनशास्त्र	सह–प्राध्यापक	
50.	डॉ. भास्कर शर्मा	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
51.	डॉ. संतोष सिंह ठाकुर	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कैटेलिसिस, चिरल केमेस्टील्ड हाइड्रोलिसिस
52.	डॉ. आरती श्रीवास्तव	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	फिजिकल केमिस्ट्री एण्ड पॉलिमर केमिस्ट्री
53.	डॉ. सुभाष बैनर्जी	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	ऑर्गेनिक केमिस्ट्री एण्ड नैनोकैटालिसिस एण्ड ग्रीन सिंथेसिस
54.	डॉ. विजय कुमार राय	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	*Lien
55.	डॉ. मनोरमा	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
56.	डॉ. उदय प्रताप आजाद	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
57.	डॉ. सूर्यभान सिंह	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
58.	डॉ. भारत लाल साहू	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
59.	डॉ. नीरज कुमारी	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
60.	डॉ. बिजनेश्वर मंडल	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
61.	श्री पुष्पेन्द्र कुमार	रसायनशास्त्र	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
62.	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
63.	डॉ. मिस्ला चक्रधर राव	सिविल अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
64.	श्री राजेन्द्र कुमार चौबे	सिविल अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल इंजीनियरिंग
65.	डॉ. व्ही.व्ही.एस.एस.के. दादी	सिविल अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
66.	श्री निखिल कुमार वर्मा	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कंस्ट्रक्षन प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट
67.	डॉ. आशीष कुमार पारासर	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	वॉटर रिसोर्सेज इंजीनियरिंग
68.	श्री प्रखर मोदी	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
69.	श्री रोचक पांण्डेय	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
70.	कु. आयुषी नायक	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
71.	डॉ. कुंदन मेश्राम	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
72.	श्री विनोद कुमार	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
73.	कु. प्रीति सिंह	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
74.	श्रीमती सोनल बंछोर	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
75.	श्री बलबीर कुमार पांण्डेय	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
76.	श्री अधीश कुमार विवेक	सिविल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
77.	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा	वाणिज्य	प्राध्यापक	
78.	डॉ0 श्रीमती भुवना वेंकट रमन	वाणिज्य	सह–प्राध्यापक	
79.	डॉ0 अमित मंगलानी	वाणिज्य	सह–प्राध्यापक	वित्त
80.	डॉ0 बुद्धेश्वर प्रसाद सिंगरौल	वाणिज्य	सह–प्राध्यापक	एकाउंटिंग एण्ड फाइनेंस
81.	डॉ. अमरेंद्र कुमार	वाणिज्य	सह–प्राध्यापक	
82.	डॉ. मुंशी राम	वाणिज्य	सह–प्राध्यापक	
83.	डॉ. विनीत सिंह	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	मार्केटिंग
84.	डॉ. अनामिका तिवारी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
85.	डॉ. मुकेश अग्रवाल	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
86.	डॉ. शैलेष द्विवेदी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
87.	डॉ. कुमार आदित्य	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
88.	डॉ. अनूप कुमार राय	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
89.	डॉ. उत्कर्ष कुमार	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
90.	डॉ. गौशाला राजू	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
91.	डॉ. मनीष सेठ	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
92.	डॉ. वनिता कुमारी सोनी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
93.	श्री सत्य प्रकाश	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक	
94.	अंजली तिवारी	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
95.	श्री सूरज कुमार सैंडिल्या	वाणिज्य	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
96.	डॉ. आलोक कुमार सिंह कुशवाहा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
97.	डॉ. सूरज शर्मा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
98.	डॉ. उपासना सिंहा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
99.	डॉ. कपिल कुमार नागवंशी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
100.	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	नेटवर्क सिक्योरिटी
101.	डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर सिक्योरिटी
102.	श्री निशांत बेहार	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	डिजिटल एविडेंस नेटवर्क सिक्योरिटी
103.	श्री वैभव कांत सिंह	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग
104.	श्रीमती निशी यादव	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल नेटवर्क
105.	श्रीमती रक्षा पाण्डेय	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ग्रीड कम्प्यूटिंग
106.	श्री अमित बघेल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल नेटवर्क
107.	श्री सतीश कुमार नेगी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	वेहीकुलर नेटवर्क
108.	श्री पुष्पेंद्र कुमार चंद्रा	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टिकल नेटवर्क
109.	श्री मंजीत जायसवाल	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	पैरलल कम्प्यूटिंग
110.	डॉ. श्रीमती प्रिंसी मतलानी	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
111.	आयुषी शुक्ला	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
112.	दीपिका इंगले	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
113.	प्रो. अमित कुमार सक्सेना	सी.एस.आई.टी.	प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, साफ्ट कम्प्यूटिंग
114.	डॉ. रत्नेश प्रसाद श्रीवास्तव	सी.एस.आई.टी.	सह–प्राध्यापक	
115.	डॉ. श्राबंती मंडल	सी.एस.आई.टी.	सह–प्राध्यापक	
116.	डॉ गिरीश कुमार सिंह	सी.एस.आई.टी.	सह–प्राध्यापक	
117.	डॉ. श्रीमती पुष्पलता पुजारी	सी.एस.आई.टी	सहायक प्राध्यापक	सॉफ्ट कम्प्यूटिंग क्लासिफिकेशन
118.	डॉ. राजवंत सिंह राव	सी.एस.आई.टी	सहायक प्राध्यापक	टी.ओ.सी. आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स
119.	श्री अमितेष कुमार झा	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेस
120.	डॉ. बबीता मांझी	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग, सिग्नल प्रोसेसिंग
121.	डॉ. सुषमा जायसवाल	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग
122.	डॉ. अखिलेश कुमार श्रीवास	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	
123.	श्री अमित कुमार चन्दानन	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
124.	श्री अभिषेक पटेल	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	
125.	श्री विवेक कुमार सराठे	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	
126.	श्री प्रशांत वैष्णव	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	
127.	श्री विकास कुमार पाण्डेय	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक	
128.	श्री सुमन लाहा	सी.एस.आई.टी.	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
129.	श्री अनुराग सिंह	बी.सी.ए. (सीएसआईटी)	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
130.	प्रो. मनीषा दुबे	अर्थशास्त्र	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	रिसर्च मैथडोलॉजी पब्लिक फाइनेंस, गांधीयन इकोनॉमिक्स, इश्यू इन इण्डियन इकोनॉमी
131.	डॉ. चितरंजन नायक	अर्थशास्त्र	प्राध्यापक	
132.	डॉ. राजकुमार नागवंशी	अर्थशास्त्र	सह—प्राध्यापक	
133.	डॉ. कृष्णा कु. शर्मा	अर्थशास्त्र	सह—प्राध्यापक	
134.	डॉ. नमिता शर्मा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, इंडियन इकोनॉमी मनी एण्ड बैंकिंग
135.	डॉ. सेराफिनुस किस्पोट्टा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, स्टेट्स्टिक, डेमोग्राफी, इंडस्ट्रीयल, इकोनॉमिक्स
136.	डॉ. दिलीप झा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	बैंकिंग इकोनॉमिक्ट्रस, मैथमेटिकल इकोनॉमिक्स
137.	डॉ. ठाकुर राम रात्रे	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	माइक्रो इकोनॉमिक्स, पब्लिक फाइनेंस इकोनॉमिक डेवलपमेंट एण्ड प्लानिंग
138.	डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	क्वांटिटेटिव इकोनॉमिक्स, इंडस्ट्रियल इकोनॉमिक्स एण्ड इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स
139.	डॉ. राजभानू पटेल	अर्थशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
140.	डॉ. सी.एस. वझलवार	शिक्षाशास्त्र	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	एडमिनिस्ट्रेशन सुपरविजन एण्ड मैनेजमेंट एजुकेशनल सायकोलॉजी, इग्लिश मैथडोलॉजी
141.	डॉ. सुजीत कुमार	शिक्षाशास्त्र	प्राध्यापक	रिसर्च मैथडोलॉजी, लर्नर एण्ड लर्निग प्रोसेस, एजुकेशनल गाइडेंस एण्ड काउंसिलिंग, एजुकेशलन असेसमेंट एण्ड एवॉल्युएशन, टीचिंग ऑफ हिस्ट्री
142.	डॉ. सुनील कुमार सेन	शिक्षाशास्त्र	प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सोशियोलॉजी, एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड इवैलुएशन, टीचिंग ऑफ मैथेमेटिक्स एण्ड सिविक्स
143.	डॉ. संबित कुमार पाढ़ी	शिक्षाशास्त्र	सह—प्राध्यापक	एजुकेशनल मेजरमेंट एण्ड एवॉल्यूशन, रिसर्च मैथोलॉजी एण्ड स्टेटिक्स
144.	डॉ. बुध सिंह	शिक्षाशास्त्र	सह—प्राध्यापक	
145.	डॉ. विंदेश्वरी पवार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	गाइडेंस एंड काउंसिलिंग, एजुकेशलन टेक्नोलॉजी, टीचिंग ऑफ सोशल साइंस

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
146.	डॉ. सोनिया स्थापक	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एलिमेंट्री टीचर एजुकेशन, एजुकेशनल साइकोलॉजी, अर्ली चाइल्डहुड केयर एण्ड एजुकेशन, मेथड्स ऑफ टीचिंग साइंस
147.	डॉ. सुधीर सुदाम कावरे	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नालॉजी, एजुकेशनल सिशियोलॉजी, टीचिंग ऑफ इंग्लिश एण्ड सिविक्स
148.	डॉ. पायल बनर्जी	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, मेजरमेंट एण्ड इवैल्युएशन, एन एजुकेशन, सांइस एजुकेशन करिकुलम स्टडीज, स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन।
149.	डॉ. मुकेश कुमार चन्द्राकर	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	कम्प्यूटर एजुकेशन
150.	श्री अजय समीर कुजूर	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	सोसियोलॉजी ऑफ एजुकेशन एण्ड एजुकेशल एडमिनिस्ट्रेशन
151.	श्री बसंत कुमार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
152.	श्रीमती श्रद्धा सिंह	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
153.	डॉ. ज्योति वर्मा	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
154.	श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
155.	डॉ0 राजेश्वरी गर्ग	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
156.	श्री शिव कुमार	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
157.	श्रीमती मीना कुमारी	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
158.	श्री कृष्णा कुमार पाठक	शिक्षाशास्त्र	सहायक प्राध्यापक	
159.	श्री संजय कुमार	शिक्षाशास्त्र (एचआई)	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
160.	श्रीमती अनिता खन्ना	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग
161.	श्री सुमित कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	पावर इलेक्ट्रॉनिक एण्ड बेसिक डिजाइन
162.	श्री जितेन्द्र भारद्वाज	इलेक्ट्रीकल अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
163.	डॉ. सोमा दास	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	मैटेरियल्स, थिन फिल्म मल्टीफेरोइक्स, एक्पेरिमेंटल फिजिक्स
164.	डॉ. सुदाकर सिंह चौहान	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
165.	श्रीमती भावना शुक्ला	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
166.	डॉ. पी.एस. श्रीवास्तव	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	माइक्रोवेव कम्यूनिकेशन
167.	श्रीमती ब्युला नाथ	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन
168.	श्रीमती प्रगति पथरिया	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	ऑप्टो– इलेक्ट्रॉनिक्स
169.	श्री दीपक कुमार राठौर	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	कम्यूनिकेशन
170.	श्री श्रवण कुमार पटेल	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेलीकम्यूनिकेश
171.	डॉ. निपुण कुमार मिश्रा	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	कम्यूनिकेशन

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
172.	श्रीमती प्रवीणा राजपूत	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
173.	सुश्री निकिता कश्यप	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
174.	श्री अनिल कुमार सोनी	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
175.	श्री चन्दन ताम्रकार	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
176.	रूचि त्रिपाठी	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
177.	डॉ. एस. प्रिंसिला स्कार्लेट	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
178.	सुदीप कुमार	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
179.	प्रो. मनीष श्रीवास्तव	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	प्राध्यापक	ब्रिटिश फिक्शन
180.	डॉ. अनुराग चौहान	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सह–प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	कैनेडियन फिक्शन, ब्रिटिश लिट्रेचर
181.	डॉ. प्रसेनजीत पण्डा	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सह–प्राध्यापक	लिटररी थियरीज
182.	डॉ. शबाना यास्मीन खान	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	इंडो आंग्लेइयन लिटरेचर
183.	डॉ. आशुतोष सिंह	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक	
184.	डॉ. नीतू बघेल	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
185.	श्री धीरज साहा	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
186.	सीमा दास	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
187.	ट्विंकल कुमार	आंग्ल एवं विदेशी भाषा	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
188.	सुश्री ब्लेसी नरेश उईके	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
189.	डॉ. सुधीर यादव	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
190.	डॉ. अजय अमित	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
191.	डॉ. चंचल कुमार	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
192.	सुश्री श्वेता राय	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
193.	श्री अश्वनी कुमार प्रजापति	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
194.	प्रिया विलास भैसरे	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
195.	गरीमा बैस	न्यायालयिक विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
196.	डॉ. एस.एस. धुरिया	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	प्राध्यापक	ट्री इम्प्रूवमेंट एण्ड बायोसिस्टमेटिक्स
197.	डॉ. सुभाष चन्द्रा तिवारी	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	प्राध्यापक	सॉइल साइंस एण्ड इथनोफॉरेस्ट्री
198.	डॉ. कृष्णा कुमार चंद्रा	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	प्राध्यापक	फारेस्ट्री एक्सटेंशन एण्ड एग्रोफॉरेस्ट्री
199.	डॉ. गरिमा तिवारी	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फॉरेस्ट मैनेजमेंट
200.	डॉ. गुंजन पाटिल	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	इन्वायरमेंटल साइंस
201.	डॉ. भावना दीक्षित	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फॉरेस्ट पैथोलॉजी

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
202.	डॉ. अतुल कुमार भारद्वाज	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
203.	डॉ0 अजय कुमार सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
204.	डॉ0 बृजेन्द्र प्रताप सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
205.	डॉ. चन्द्रेश कुमार सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
206.	डॉ. चौलानी मानपुंग	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
207.	डॉ. अरविंद प्रजापति	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
208.	डॉ. मैरी एक्का	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
209.	डॉ. अनुपमा महतो	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
210.	डॉ0 गौरव कुमार पदवार	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
211.	डॉ. अंकिता सिंह	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
212.	मैक्सूडन	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
213.	दामिनी शर्मा	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
214.	डॉ. गौरी त्रिपाठी	हिन्दी	सह–प्राध्यापक	
215.	श्री मुरली मनोहर सिंह	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक	काव्या शास्त्र ऑर तुलनात्मक साहित्य
216.	डॉ. रमेश कुमार गोहे	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक	हिन्दी आलोचना
217.	डॉ. राजेश मिश्रा	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
218.	डॉ. अखिलेश गुप्ता	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
219.	डॉ. लोकेश कुमार	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
220.	डॉ. अनिश कुमार	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
221.	डॉ. अतुल कुमार	हिन्दी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
222.	प्रो. प्रदीप कुमार शुक्ला	इतिहास	प्राध्यापक	मध्यकालीन भारत का इतिहास
223.	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा	इतिहास	प्राध्यापक	
224.	डॉ. सीमा पांण्डेय	इतिहास	सह–प्राध्यापक	आधुनिक भारत का इतिहास एवं सामाजिक इतिहास
225.	डॉ. घनश्याम दुबे	इतिहास	सह–प्राध्यापक	मार्डन इंडियन हिस्ट्री एण्ड डेवलपमेंट स्टडीज
226.	डॉ. धनराज सरदार गुसिंघे	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	मध्यकालीन भारत का इतिहास
227.	डॉ. शशिकांत पाण्डेय	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
228.	श्री नारायण सिंह	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
229.	कु. भेनु	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
230.	श्री संतोष कुमार गोंड़	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
231.	डॉ. शबीना बेगम	इतिहास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
232.	प्रो. मुकेश कुमार सिंह	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	सीएडी / सीएएम / रोबोटिक्स
233.	प्रो. एस.सी. श्रीवास्तव	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	
234.	श्री छत्रपाल देवांगन	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	इंडस्ट्रीयल इंजीनियंरिंग एण्ड मैंनेजमेंट
235.	श्रीमती अर्पिता राय चौधरी	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	प्रोडक्शन इंजीनियंरिंग
236.	डॉ. अतुल कुमार साहू	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	प्रोडक्शन इंजीनियंरिंग
237.	डॉ. गणेश प्रसाद शुक्ला	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एण्ड मैनेजमेंट
238.	सुश्री दिशा देवांगन	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	एनर्जी सिस्टम एंड पॉल्यूशन
239.	श्री लीलाधर राजपूत	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मैकेनिकल्स सिस्टम डिजाइन
240.	श्री नितिन कुमार साहू	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	इन्ट्रोडक्शन (मैकेनिकल्स) इंजी.
241.	श्री अनुराग सिंह	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
242.	श्री कैलाश कुमार बोरकर	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
243.	श्री कवल लाल कुर्रे	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
244.	श्री सोमनाथ सिंगरौल	औद्योगिक एवं उत्पादन अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
245.	डॉ0 रोहित राजा	सूचना प्रौद्योगिकी	सह–प्राध्यापक	
246.	डॉ. अमित खासकलम	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	एम्बेडेड सिस्टम एण्ड मटेरियल साइंस, डाटा माइनिंग
247.	डॉ. राजेश माहुले	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डाटा माइनिंग
248.	डॉ. संतोष सोनी	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डब्ल्यू एस एन
249.	श्री अभिषेक जैन	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	जीआईएस
250.	श्री अग्निवेश पाण्डेय	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
251.	श्री पंकज चंद्रा	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	डब्ल्यू एस एन
252.	श्री सुहेल अहमद	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
253.	श्री दीपक कांत नेताम	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	क्रिप्टोग्राफी
254.	श्री आनंद प्रकाश रावल	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	इंफॉर्मेशन सिक्यूरिटी
255.	श्रीमती आकांक्षा गुप्ता	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	मोबाइल नेटवर्क
256.	श्रीमती अराधना सोनी	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
257.	श्री अमित कुमार देवांगन	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक	
258.	बिंदु टाइगर	सूचना प्रौद्योगिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
259.	डॉ. धीरज शुक्ला	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सह–प्राध्यापक	
260.	डॉ. श्रीमती अमिता	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक	
261.	डॉ. अनुपमा कुमारी	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
262.	डॉ. शिवकृपा मिश्रा	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
263.	डॉ. अरूण प्रताप	पत्रकारिता एवं जनसंचार	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
264.	श्री प्रवेश दलेई	विधि	सहायक प्राध्यापक	बिजनेस लॉ
265.	डॉ0 सागर कुमार जायसवाल	विधि	सहायक प्राध्यापक	
266.	डॉ. अजय सिंह	विधि	सहायक प्राध्यापक	
267.	श्री सुधांशु शेखर बिसेन	विधि	सहायक प्राध्यापक	
268.	श्री अभिषेक कुमार मिश्रा	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
269.	श्री गिरिश कुमार मिश्रा	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
270.	अफरोज कुरैशी	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
271.	डॉ. भरत पाल	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
272.	डॉ. विनोद कुमार	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
273.	श्री आकाश मनवानी	विधि	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
274.	डॉ. ब्रजेश तिवारी	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सह–प्राध्यापक	रिसर्च मेथड्स, नॉलेज आर्गनाइजेशन
275.	स्वाती तिवारी	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
276.	श्रद्धा तम्बोली	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
277.	श्री रजनीकांत डोंगरे	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
278.	मोनू चन्द्रा	ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
279.	प्रो. हरीश कुमार	प्रबंध अध्ययन	प्राध्यापक	एच.आर.एम एंण्ड आर्गनाइजेशनल बिहेवियर
280.	प्रो. ललित प्रकाश पटैरिया	प्रबंध अध्ययन	प्राध्यापक	मार्केटिंग ओ.आर. क्यूटी मैनेजमेंट, बिजनेस लॉ
281.	प्रो. बिश्वदीप मिश्रा	प्रबंध अध्ययन	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	फाइनेंसियल मैनेजमेंट, बिजनेस पॉलिसी, स्ट्रेजिक्स मैनेजमेंट
282.	डॉ. श्रीमती बॉबी ब्रह्मे पाण्डेय	प्रबंध अध्ययन	सह–प्राध्यापक	मार्केटिंग मैंनेजमेंट एण्ड बिजनेस इकोनॉमिक्स
283.	श्री सचिन विश्वकर्मा	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक	
284.	श्री प्रेम शंकर द्विवेदी	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक	
285.	डॉ. चंद्रवती निराला	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक	
286.	नेहा गजेंद्र गायकवाड़	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक	
287.	हर्षा साहू	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
288.	सुमोना दास	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
289.	श्री तिलक राम अनंत	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
290.	डॉ. तेजू कुजूर	प्रबंध अध्ययन	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
291.	प्रो0 थोत्तिपलयम वेलिंगरी अर्जुनन	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	
292.	डॉ. अंबुदयाशंकर एस. पी.	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	प्राध्यापक	
293.	डॉ0 पंकज कुमार गुप्ता	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सह–प्राध्यापक	
294.	डॉ. श्रीमती जसिन्ता पूनम एक्का	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	एनर्जी इजीनियरिंग
295.	श्री प्रशांत जांगड़े	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	थर्मल इंजीनियरिंग
296.	श्रीमती श्वेता सिंह	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	मैन्युफैक्चरिंग
297.	श्री भूषण सिंह गौतम	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
298.	श्री मनीष भास्कर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
299.	डॉ0 अनूप कुमार साहू	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
300.	श्री प्रतीक गुप्ता	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
301.	श्री बिप्लब दास	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
302.	श्री प्रदीप पाटनवार	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
303.	श्री समरजीत सिंह	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक	
304.	श्री टिकेश्वर कुमार साहू	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
305.	प्रो. विशन सिंह राठौड़	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	प्राध्यापक	स्पोर्ट्स मेडिसीन, वॉलीबाल
306.	डॉ. संजीत सरदार	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	मेजरमेंट एण्ड इवैल्यूएशन, फुटबाल
307.	डॉ. रत्नेश सिंह	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	प्राध्यापक	स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स
308.	डॉ0 भोजराम रावटे	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, कबड्डी
309.	डॉ0 शालिनी मेनन	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, बैडमिंटन
310.	डॉ. महेश सिंह धपोला	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	रिसर्च मेथडोलॉजी, क्रिकेट
311.	डॉ. तिलक राज मीना	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	
312.	डॉ0 कुंवर सिंह	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	
313.	श्री ओम प्रकाश गंगे	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	
314.	श्री विजय कुमार चौरसिया	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक	
315.	डॉ. सुरेंद्र कुमार	शारीरिक शिक्षण एवं खेलकूद	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
316.	प्रो. अनुपमा सक्सेना	राजनीति विज्ञान	प्राध्यापक	पॉलिसी स्टडीज, जेंडर स्टडीज
317.	डॉ. रामाकृष्णा प्रधान	राजनीति विज्ञान	प्राध्यापक	
318.	डॉ0 सांत्वना पांडे	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	इंडियन–गवर्नमेंट एण्ड पॉलिटिक्स, पॉलिटिकल सोशियोलॉजी
319.	नाहिद हसन	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
320.	डॉ0 राम बाबू	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
321.	डॉ. श्री अमित कुमार गुप्ता	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
322.	डॉ0 (श्रीमती) श्रद्धा गर्ग	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
323.	श्री राजेश कुमार रमन	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
324.	श्री आकाश तिवारी	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
325.	श्री पर्वत कुमार कृष्णा	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
326.	श्री अमित कुमार भगत	राजनीति विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
327.	सुश्री दिव्या जायसवाल	राजनीति विज्ञान (टू टिच इन लॉ)	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
328.	प्रो. ए.एस. रणदिवे	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	प्राध्यापक	मैथमेटिक्स ऑफ फजी. सेट्स
329.	डॉ. पी.पी. मूर्ति	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	प्राध्यापक	नोन–लिनियर फंक्शनल एनालिसिस (फिक्सड् प्वांइट थियरी)
330.	डॉ. जे.पी. जायसवाल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सह प्राध्यापक एवं उपाध्याक्ष	
331.	डॉ. धनंजय गोपाल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सह प्राध्यापक	
332.	डॉ. संदीप सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
333.	डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	डिफरेंशियल ज्योमेट्री ऑफ मेनीफोल्डस
334.	श्री चन्द्र प्रकाश धुरी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
335.	डॉ. मनीष कुमार गुप्ता	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	फिन्सलर जियोमेट्री
336.	डॉ. के.एन.व्ही.व्ही व्ही प्रसाद	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	नान–लिनियर फक्शनल एनालसिस (फिक्स्ड प्वाइंट थ्योरी)
337.	श्रीमती उमा देवी पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
338.	श्री बृजेन्द्र पासवान	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
339.	श्री हपका सुरेन्द्र	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
340.	डॉ0 संतोष वर्मा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक	
341.	डॉ0 दया शंकर सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
342.	डॉ. चिरंजीव कुमार यादव	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
343.	डॉ. संकीर्तन सरदार	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
344.	डॉ. अमर पाण्डेय	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
345.	दिनेश राठी	शुद्ध एवं अनप्रयुक्त गणित	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
346.	प्रो. पी.के. बाजपायी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	प्राध्यापक	एक्पेरिमेंटल कंडेस्ड मैटर फिजिक्स, मैटेरियल साइंस एण्ड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी
347.	प्रो. एच.एस. तिवारी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	प्राध्यापक	मैटेरियल साइंस, नैनो साइंस एण्ड टेक्नॉलॉजी
348.	प्रो. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स/कम्प्यूटेशनल मैटेरियल साइंस
349.	प्रो. पारिजात ठाकुर	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	प्राध्यापक	एक्ट्रोनामी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स (अब्जरवेशनल एण्ड थ्योरिटिकल एस्ट्रो फिजिक्स)
350.	डॉ. अरूण कुमार सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–प्राध्यापक	
351.	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–प्राध्यापक	

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
352.	डॉ. जय सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सह–प्राध्यापक	
353.	डॉ. राकेश पाण्डेय	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	डिजिटल इलेक्ट्रानिक्स एण्ड माइक्रो प्रोसेसिंग
354.	डॉ. महावीर प्रसाद शर्मा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	सॉलिड स्टेट्स फिजिक्स
355.	डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपु	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल कंडेस्ट मैटर फिजिक्स एण्ड लो टेक्परेचर फिजिक्स
356.	श्री पचनीला राम बाबू	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	नैनोस्ट्रक्चर्स
357.	डॉ. प्रदीप दास	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरीमेण्टल कान्डेन्सेड मैटर फिजिक्स
358.	डॉ. तारकेश्वर त्रिवेदी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेंटल न्यूक्लियर फिजिक्स इन बीम गामा रे–स्पेक्ट्रोस्कोपी, न्यूक्लियर रिएक्शन, न्यूक्लियर इन्स्ट्रूमेंटेशन *Lien
359.	डॉ. शिवपूजन पटेल	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	एक्सपेरिमेण्टल मैटेरियल फीजिक्स
360.	डॉ0 दिनेश उथरा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
361.	डॉ. श्रीमती अल्का सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
362.	श्रीमती शालिन्ता तिग्गा	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
363.	डॉ0 रामाउथ विजय कुमार	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
364.	डॉ. अवधेश कुमार दुबे	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
365.	डॉ. देविंदर सिंह	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक	
366.	डॉ. विश्वास डोलाई	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
367.	डॉ. संध्या यादव	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
368.	डॉ. राजेन्द्र मेहता	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	प्राध्यापक	माइक्रोबॉयल बायोटेक्नालॉजी एण्ड मेडिसिनल प्लांट
369.	डॉ. पुष्पराज सिंह	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	एग्रीकल्चर एक्सटेंशन
370.	डॉ. एस. के निराला	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	अप्लायड टॉक्सिकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी
371.	डॉ. भास्कर चौरसिया	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	प्लांट पैथोलॉजी, माइकोरिजल बायोटेक्नालॉजी, प्लांट माइक्रोव इंटरैक्शन
372.	डॉ. अल्का मिश्रा	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	एग्रो फॉरेस्ट्री
373.	डॉ. दिलीप कुमार	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	एग्रीकल्चर एक्सटेंशन
374.	श्री लोकेश कुमार टिंडे	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	
375.	डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग	सहायक प्राध्यापक	
376.	श्री प्रसून सोनी	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	सहायक प्राध्यापक	
377.	डॉ. पीयूष शुक्ला	ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
378.	प्रो. विनोद डी. रंगारी	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्माकोग्नॉजी
379.	डॉ. अल्पना राम	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
380.	डॉ सन्मति के. जैन	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
381.	डॉ. भारती अहिरवार	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष	फार्माकोग्नॉसी
382.	डॉ. कामता प्रसाद नामदेव	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
383.	डॉ. सुरेन्द्र हरीभाऊ बोड़खे	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
384.	डॉ. दिलीप कुमार पाल	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
385.	डॉ0 नीलि रोज बेक	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सह आचार्य	फार्माकोग्नॉजी
386.	डॉ. एस.के. लांझियाना	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सह आचार्य	फार्मास्युटिक्स
387.	डॉ. हरीश रजक	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सह आचार्य	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
388.	डॉ. रविशंकर पांडे	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सह आचार्य	बायो टेक्नोलॉजी
389.	डॉ. सुनील जैन	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सह आचार्य	फार्मास्युटिक्स
390.	डॉ0 प्रदीप सामल	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
391.	डॉ0 केदार प्रसाद मीना	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
392.	डॉ0 मनोज कुमार	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
393.	सुश्री मिनाक्षी जायसवाल	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
394.	डॉ. जगदीश सिंह	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
395.	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
396.	डॉ. अर्जुन पात्रा	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
397.	डॉ0 विवेकानंद मंडल	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोगोनॉजी
398.	डॉ. पार्थ प्रतीम राय	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
399.	डॉ0 के. केशवन	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स
400.	डॉ0 संजय कुमार भारती	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री
401.	डॉ. निशांत सुधीर जैन	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्माकोलॉजी
402.	डॉ. अखिलेश जैन	एसएलटी इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंस	सहायक प्राध्यापक	फार्मास्युटिक्स

क्र.	नाम	विभाग	पद	विशेषज्ञता
403.	प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा	समाजकार्य	आचार्य	लेबर वेलफेयर एण्ड ह्यूमैन रिलेशन्स, वुमन एम्पावरमेंट/जेण्डर स्टडीज एजुकेशन, रिसर्च मेथड्स, वर्किंग विथ एल्डरली, कम्युनिटी डेवलपमेंट, रूरल डेवलपमेंट, सोशल वर्क प्रैक्टिस स्किल डेवलपमेंट, हेल्थ सेक्टर
404.	डॉ. सस्मिता पटेल	समाजकार्य	सह–प्राध्यापक	
405.	श्री विक्रम सिंह	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	सोशल डेवलपमेंट, सोशल एक्सक्लूजन एण्ड गवर्नेन्स (लियन)
406.	डॉ. अर्चना यादव	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	कम्युनिटी डेवलपमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनजीओ मैनेजमेंट एण्ड सस्टनेबल रूरल डेवलपमेंट
407.	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	फैमिली एण्ड चाइल्ड वेलफेयर
408.	श्री संदीप कुमार मोरिशेट्टी	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	
409.	सुमन लकरा	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक	
410.	सुश्री संगीता यादव	समाजकार्य	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
411.	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	प्राणीशास्त्र विभाग	प्राध्यापक	
412.	डॉ. सीमा राय	प्राणी विज्ञान	प्राध्यापक	पिनियल–मेलाटोनिन फिजियोलॉजी, न्यूरो–इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड इम्यूनोलॉजी
413.	डॉ. मोनिका भदौरिया	प्राणी विज्ञान	प्राध्यापक	टॉक्सीकोलॉजी एण्ड फार्माकोलॉजी
414.	डॉ. रोहित सेठ	प्राणी विज्ञान	सह–प्राध्यापक	
415.	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	फिष बायोलॉजी एण्ड बायोडायवर्सिटी
416.	डॉ. संतोष सिंह	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	बॉयोकेमेस्ट्री माल्यूकुलर बॉयोलाजी एण्ड फिष बायोलॉजी
417.	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	इम्यूनो–इण्डोक्रोनोलॉजी एण्ड फिष बायोलॉजी
418.	डॉ0 नेहा जैन	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
419.	डॉ0 गीता मिश्रा	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक	
420.	डॉ0 निषा साहू	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
421.	डॉ. बिन्दु श्री बघेल	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
422.	डॉ. नरेश चन्द अग्रवाल	प्राणी विज्ञान	सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)	
423.	श्री प्रेमनाथ कमलेश	ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट प्रकोष्ठ	ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट आफिसर (सहायक प्राध्यापक पद के विरूद्ध)	

ब. गैर शैक्षणिक कर्मचारी

नियमित कर्मचारी

क्र.	नाम	पदनाम	डिपार्टमेंट / सेक्शन
1.	टिकेन्द्र प्रकाश सिंह	सहायक कुलसचिव	अकादमिक
2.	कलेश्वर राम	कार्यालय सहायक	अकादमिक
3.	शाहीन बानो	कार्यालय सहायक	अकादमिक
4.	भुवनलाल खरे	कार्यालय सहायक	अकादमिक
5.	समारू राम रात्रे	शीघ्रलेखक	अकादमिक
6.	अभिदीप तिवारी	सहायक कुलसचिव	प्रशासन
7.	घनश्याम सिंह मरकाम	सहायक कम्प्यूटर प्रोग्रामर	प्रशासन
8.	घनश्याम कुमार	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
9.	अश्वनी कुमार शर्मा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
10.	रामशरण सिंह ठाकुर	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
11.	कविता गौरहा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
12.	राकेश सिंह	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
13.	अंजली जाधव	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	प्रशासन
14.	ओंकार सिंह सिदार	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	प्रशासन
15.	कमल किशोर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस))	प्रशासन
16.	नंद किशोर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	प्रशासन
17.	कमलेश सिंह कंवर	कार्यालय सहायक	प्रशासन
18.	पूनम शोभा कुजूर	शीघ्रलेखक	प्रशासन
19.	बिलास कुमार गुप्ता	अधीक्षक	प्रशासन
20.	देवलाल ध्रुव	कार्यालय सहायक	मानवशास्त्र
21.	प्रदीप सिंह	कार्यालय सहायक	वाणिज्य
22.	राम कुमार साहू	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	आईपीई
23.	शंकर लाल भारद्वाज	कार्यालय सहायक	यांत्रिकी
24.	संतोष कुमार त्रिपाठी	सहायक कुलसचिव	लेखा परीक्षण (धारणाधिकार पर)
25.	घनश्याम पांण्डेय	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	लेखा परीक्षण
26.	जितेन्द्र सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)	लेखा परीक्षण
27.	आर.के. ठाकुर	अनुभाग अधिकारी	लेखा परीक्षण
28.	सुनील विंचुरकर	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	जैव प्रोद्योगिकी
29.	भुवन प्रसाद कुर्रे	प्रयोगशाला सहायक	जैव प्रोद्योगिकी
30.	जितेन्द्र कुमार सिंह	प्रयोगशाला परिचारक	जैव प्रोद्योगिकी
31.	राजेश कुमार सिंह	प्रयोगशाला तकनीशियन	जैव प्रोद्योगिकी
32.	मो. शाहिद खान खोखर	तकनीकी सहायक	जैव प्रोद्योगिकी
33.	राजेश कुमार सोनी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	वनस्पति विज्ञान
34.	नरेश कुमार चन्द्राकर	प्रयोगशाला सहायक	वनस्पति विज्ञान
35.	सुरेश निर्मलकर	प्रयोगशाला सहायक	वनस्पति विज्ञान
36.	छतराम साहू	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	वनस्पति विज्ञान
37.	गंगा प्रसाद द्विवेदी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	वनस्पति विज्ञान
38.	पंकज कुमार कसेर	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	बालक छात्रवास
39.	नंदजी यादव	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	बालक छात्रवास
40.	अशोक कुमार तिवारी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	बालक छात्रवास
41.	तारा प्रसाद साहू	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	बालक छात्रवास
42.	शिव कुमार सूर्यवंशी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	बालक छात्रवास
43.	ज्ञानेश्वर शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	बालक छात्रवास
44.	विकास चंद्राकर	कार्यालय सहायक	बालक छात्रवास

45.	डॉ. अरूण कुमार शर्मा	लायब्ररीयन	केन्द्रीय ग्रंथालय
46.	शैला साहू	सहायक ग्रंथपाल	केन्द्रीय ग्रंथालय
47.	करूणा वर्मा	सहायक ग्रंथपाल	केन्द्रीय ग्रंथालय
48.	इन्द्र कुमार गड़ेरिया	बुक बाइंडर	केन्द्रीय ग्रंथालय
49.	अंजना पांडेय	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	केन्द्रीय ग्रंथालय
50.	मीनाक्षी यदु	पुस्तकालय सहायक	केन्द्रीय ग्रंथालय
51.	रामचंद्र नागेश	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	केन्द्रीय ग्रंथालय
52.	संगीता कुजूर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	केन्द्रीय ग्रंथालय
53.	लोकनाथ पैकरा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	केन्द्रीय ग्रंथालय
54.	अजय सिंह राजपूत	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	केन्द्रीय ग्रंथालय
55.	डॉ. (श्रीमती) श्यामा यादव	कार्यालय सहायक	केन्द्रीय ग्रंथालय
56.	अमर बहादुर सिंह	वरिष्ठ सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर	केन्द्रीय ग्रंथालय
57.	अजय कुमार तिवारी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	केन्द्रीय स्थानन प्रकोष्ठ
58.	रामकृष्णा मिश्रा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	केन्द्रीय सुरक्षा अनुभाग
59.	संतोष कुमार क्षत्री	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	केंद्रीय सतर्कता कार्यालय
60.	इंद्रेश कुमार मिश्रा	प्रयोगशाला परिचारक	रासायनिक अभियांत्रिकी
61.	सुरेश चंद्राकर	प्रयोगशाला तकनीशियन	रासायनिक अभियांत्रिकी
62.	राजू मेश्राम	प्रयोगशाला सहायक	रसायन विज्ञान
63.	डोमेन्द्र कुमार वर्मा	प्रयोगशाला सहायक	रसायन विज्ञान
64.	शोभ सिंह मसराम	प्रयोगशाला परिचारक	सिविल इंजीनियरिंग
65.	हरिराम साहू	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	सिविल इंजीनियरिंग
66.	लक्ष्मी नारायण पाण्डेय	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	सिविल इंजीनियरिंग
67.	एस.डी. अवस्थी	कार्यालय सहायक	सिविल इंजीनियरिंग
68.	मधु मंगल सिंह कोशे	तकनीकी सहायक	सिविल इंजीनियरिंग
69.	प्रदीप कुमार चन्द्राकर	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	वाणिज्य
70.	बलराम सिंह क्षत्री	प्रयोगशाला तकनीशियन	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
71.	चंदन लाल ननेट	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
72.	शिव कुमार कौशिक	तकनीकी सहायक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
73.	समन सालोमन मार्टिन	डाटा एंट्री ऑपरेटर	गोपनीय
74.	जय प्रकाश तिवारी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	गोपनीय
75.	हरिहर सिंह सिदार	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	गोपनीय
76.	शरद चन्द्र पाण्डेय	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	गोपनीय
77.	पवन कुमार ध्रुव	कार्यालय सहायक	गोपनीय
78.	विजय कुमार तिवारी	कार्यालय सहायक	गोपनीय
79.	जे.एल. कौशिक	अधीक्षक	गोपनीय
80.	एच.एस. भोई	अधीक्षक	गोपनीय
81.	गजाला मुमताज मलिक	सिस्टम प्रोग्रामर	सी. एस. आई. टी.
82.	अमिता टोप्पो	सिस्टम प्रोग्रामर	सी. एस. आई. टी.
83.	लोमश राव शिंदे	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	डीन ऑफिस
84.	के. के. साहू	कार्यालय सहायक	डीन ऑफिस
85.	सुधाकर लोनारे	सहायक कुलसचिव	विकास
86.	सुनील कुमार द्विवेदी	सहायक सांख्यिकी अधिकारी	विकास (एसयूएस.)
87.	अश्वनी कुमार शुक्ला	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	विकास
88.	दिलीप कुमार गुप्ता	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	विकास
89.	मुकुंद राम यादव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	विकास
90.	प्रशांत जायसवाल	तकनीकी सहायक	विकास
91.	डॉ. विजय कुमार शर्मा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	डी.एस.डब्लू
92.	देव प्रसाद साहू	कार्यालय सहायक	डी.एस.डब्लू
93.	रामपाल नागेश	कार्यालय सहायक	डी.एस.डब्लू
94.	मो. जावेद	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	शिक्षा
95.	अरूण कुमार तिवारी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	शिक्षा

96.	राजेन्द्र कुमार सोनी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	शिक्षा
97.	नरेन्द्र कुमार	प्रयोगशाला सहायक	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
98.	रामावतार कश्यप	प्रयोगशाला सहायक	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
99.	उत्तरा कुमार	प्रयोगशाला परिचालक	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
100.	रामेश्वर प्रसाद खरे	कार्यालय सहायक	इलेक्ट्रानिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
101.	लक्ष्मीकांत जायसवाल	सहायक अभियंता	यांत्रिकी
102.	भानू प्रताप शर्मा	बढ़ई	यांत्रिकी
103.	अनिल कुमार येउलकर	इलेक्ट्रीशियक	यांत्रिकी
104.	सुनील कुमार मिश्रा	इलेक्ट्रीशियक	यांत्रिकी
105.	गोपाल प्रसाद यादव	गैस मैकेनिक	यांत्रिकी
106.	प्रकाश सोनी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	यांत्रिकी
107.	राम प्रकाश चर्मकार	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	यांत्रिकी
108.	एम.ए. जहीर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	यांत्रिकी
109.	बालू राम नेताम	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	यांत्रिकी
110.	दिप सिंह ठाकुर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	यांत्रिकी
111.	दिनेश कुमार साहू	उप अभियंता	यांत्रिकी
112.	भानू प्रताप सिंह ठाकुर	उप अभियंता	यांत्रिकी
113.	भानू राम साहू	कार्यालय सहायक	अंग्रेज़ी
114.	डॉ0 राजकुमार शर्मा	परीक्षा नियंत्रण	परीक्षा
115.	राजा जायसवाल	कंप्यूटर ऑपरेटर	परीक्षा
116.	डॉ. संपूर्णानन्द झा	उप कुलसचिव	परीक्षा
117.	एच.एन. चौबे	संयुक्त कुलसचिव	परीक्षा
118.	कृष्ण कुमार राय	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
119.	लवकुश पटेल	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
120.	विश्वंभर राय	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
121.	हरिश कुमार यादव	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
122.	अनिल कुमार शर्मा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
123.	अरुण कुमार सिंह	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
124.	प्रताप सिंह प्रधान	मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस)	परीक्षा
125.	रमेश कुमार तिवारी	कार्यालय सहायक	परीक्षा
126.	एस.के. वस्त्रकार	कार्यालय सहायक	परीक्षा
127.	प्रहलाद प्रसाद यादव	कार्यालय सहायक	परीक्षा
128.	टिकम सिंह	कार्यालय सहायक	परीक्षा
129.	विजय कुमार मुंजे	कार्यालय सहायक	परीक्षा
130.	राजेश कुमार मिश्रा	कार्यालय सहायक	परीक्षा
131.	विपिन चन्द बंशीयार	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा
132.	पवन कुमार यादव	शीघ्रलेखक	परीक्षा
133.	श्रीकांत कारडेकर	सहायक कुलसचिव	वित्त
134.	प्रीति सिंह	कम्प्यूटर ऑपरेटर	वित्त
135.	उमेश्वर प्रसाद इंदुवा	कम्प्यूटर ऑपरेटर	वित्त
136.	विरेन्द्र कुमार टेम्भरे	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर ग्रेड–1	वित्त
137.	रवीन्द्र कुमार सोनी	उप कुलसचिव	वित्त
138.	मुन्ना लाल सूर्यवंशी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	वित्त
139.	विष्णु सिंह चौहान	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	वित्त
140.	मनोज कुमार सिंह	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	वित्त
141.	लक्ष्मी बाई गोयल	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	वित्त

142.	राजेश बत्रा	कार्यालय सहायक	वित्त
143.	प्रमोद श्रीवास	कार्यालय सहायक	वित्त
144.	रूप साय देवांगन	कार्यालय सहायक	वित्त
145.	वीरेंदेश कुमार राही	प्रयोगशाला सहायक	वानिकी
146.	रमाकांत मिश्रा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	वानिकी
147.	राम खिलावन मरावी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	वानिकी
148.	राम कुमारी बाई साहू	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कन्या छात्रावास
149.	कांति प्रधान	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	कन्या छात्रावास
150.	परमेश्वरी रजक	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कन्या छात्रावास
151.	कला बाई यादव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कन्या छात्रावास
152.	जसली बाई	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कन्या छात्रावास
153.	गोमती बाई	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कन्या छात्रावास
154.	एम.पी. अग्रवाल	कार्यालय सहायक	अतिथि ग्रह
155.	अजय कुमार मिश्रा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	परीक्षा
156.	राजेंद्र चंद्रा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	स्वास्थ्य केंद्र
157.	कृपाराम भैना	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	हिन्दी
158.	सत्येंद्र सिंह ठाकुर	कम्प्यूटर असिस्टेंट	मानव संसाधन विकास केंद्र
159.	गणेश प्रसाद यादव	पियोन	मानव संसाधन विकास केंद्र
160.	कमल नारायण मिश्रा	तकनीकी सहायक	औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी
161.	रवीन्द्रनाथ शुक्ल	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	सूचना प्रौद्योगिकी
162.	विनोद कुमार देवांगन	प्रयोगशाला परिचारक	सूचना प्रौद्योगिकी
163.	शेख मोहम्मद सिद्दीक	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	अंतरराष्ट्रीय अतिथि गृह
164.	संगीता वैष्णव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	आईक्यूएसी
165.	सैयद एजाज अली	तकनीकी सहायक	आईक्यूएसी
166.	गायत्री जोशी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	आईटी पुस्तकालय
167.	राज कुमार टांडे	प्रयोगशाला परिचारक	आईटी वर्कशॉप
168.	तेरस राम गोंड	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	आईटी वर्कशॉप
169.	डॉ. विनय कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक कंप्यूटर प्रोग्रामर	आईयूएमएस सेल
170.	लव कुमार चौबे	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	ब्वायज हॉस्टल
171.	रश्मि दुबे	सहायक ग्रंथपाल	कानून
172.	डी.के. देवांगन	अधीक्षक	प्रबंध अध्ययन
173.	आनंदराम साहू	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	गणित
174.	अन्नूलाल महतो	असिस्टेंट वर्कशाप अधीक्षक	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
175.	रमेश सिंह बरगाह	तकनीकी सहायक	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
176.	कुमार डोंगरे	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	मैकेनिकल इंजीनियरिंग
177.	मान सिंह टंडन	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	मीडिया सेल
178.	सत्येश भट्ट	जनसंपर्क अधिकारी	मीडिया सेल
179.	समीर कुमार शर्मा	डाटा एंट्री ऑपरेटर ग्रेड –1	मीडिया सेल
180.	अनीश कुमार गौरहा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	मीडिया सेल
181.	भूपेंद्र कुमार शर्मा	कार्यालय सहायक	मीडिया सेल
182.	जय प्रकाश एक्का	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	मीडिया सेल
183.	राजेन्द्र सिंह पोर्ते	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	मीडिया सेल
184.	रामलाल ध्रुव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	नवीन बालक छात्रावास–अ
185.	सैयद इजहार अली	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	नवीन बालक छात्रावास–ब
186.	विष्णु प्रसाद	प्रयोगशाला सहायक	फार्मेसी
187.	धीरेन्द्र कुमार साहू	प्रयोगशाला सहायक	फार्मेसी
188.	वीरेंद्र कुमार वर्मा	प्रयोगशाला सहायक	फार्मेसी
189.	नंद कुमार	प्रयोगशाला सहायक	फार्मेसी

190.	राजेश कुमार केशरकर	प्रयोगशाला सहायक	फार्मेसी
191.	प्रशांत कुमार मिश्रा	तकनीकी सहायक	फार्मेसी
192.	सुभाष चंद्र यादव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	शारीरिक शिक्षा
193.	रतीन जोगी	खेल अधिकारी	शारीरिक शिक्षा
194.	मनीष पांडे	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा
195.	बिमला बाई	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	राजनीति विज्ञान
196.	सुधेश कुमार गौरहा	कार्यालय सहायक	राजनीति विज्ञान
197.	ओम प्रकाश यादव	बुक बाइंडर	लायब्रेरी
198.	गोपाल सिंह ध्रुवे	मशीन मैन ग्रेड–3	प्रशासन
199.	मधु ताम्रकार	मशीन मैन ग्रेड–2	सेंट्रल लायब्रेरी
200.	अनिल कुमार देवांगन	प्रयोगशाला सहायक	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भोतिकी
201.	अजय भांदकर	प्रयोगशाला सहायक	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी
202.	संदीप राम	प्रयोगशाला तकनीशियन	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी
203.	राजेन्द्र पाण्डेय	प्रयोगशाला तकनीशियन	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी
204.	खेम कुमार कुर्रे	कार्यालय सहायक	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी
205.	जयदेव देवांगन	तकनीकी अधिकारी	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी
206.	अखिलेश कुमार तिवारी	हिंदी अधिकारी	राजभाषा प्रकोष्ठ
207.	साधू प्रसाद पाण्डेय	कंप्यूटर ऑपरेटर	कुलसचिव कार्यालय
208.	अरुणा सेवते	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कुलसचिव कार्यालय
209.	विनोद कुमार जगत	कार्यालय सहायक	कुलसचिव कार्यालय
210.	बाबू लाल यादव	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	आर.टी.आई. सेल
211.	डॉ. अशोक कुमार तिवारी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	ग्रामीण प्रौद्योगिकी
212.	शैलेष सोनी	प्रयोगशाला तकनीशियन	ग्रामीण प्रौद्योगिकी
213.	झाडू राम यादव	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	ग्रामीण प्रौद्योगिकी
214.	कमल नारायण शुक्ला	तकनीकी सहायक	ग्रामीण प्रौद्योगिकी
215.	ललिता कंवर	शीघ्रलेखक	अ.जा. / अ.ज.जा. प्रकोष्ठ
216.	सागर कुमार राजपूत	कार्यालय सहायक	सामाजिक कार्य
217.	राजेश कुमार तिवारी	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	भण्डार
218.	दुर्योधन खैरवार	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	भण्डार
219.	कृष्ण कुमार बरेठा	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	भण्डार
220.	विशाल नाथ जायसवाल	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	भण्डार
221.	तुलवा राम सिदार	अधीक्षक	भण्डार
222.	किशोर कुमार दुबे	कार्यालय सहायक	स्टूडेंट एमेनिटीज सेंटर
223.	सूरज कुमार मेहर	उप कुलसचिव	कुलपति कार्यालय
224.	बिहारी लाल यादव	वाहन चालक	कुलपति कार्यालय
225.	रामकरण सिंह	कनिष्ठ कार्यालय सहायक	कुलपति कार्यालय
226.	अशोक कुमार पटेल	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कुलपति कार्यालय
227.	भूपेंद्र कुमार गौरहा	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कुलपति कार्यालय
228.	मिलाप सिंह मंडावी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कुलपति कार्यालय
229.	देवेंद्र कुमार मंडावी	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	कुलपति कार्यालय
230.	बी. सतीश कुमार	कार्यालय सहायक	कुलपति कार्यालय
231.	रघुवर प्रसाद देवांगन	शीघ्रलेखक	कुलपति कार्यालय
232.	राजन कौशिक	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
233.	योगेश्वर तिवारी	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
234.	विजय सिंह चौहान	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
235.	बलराम खैरावर	मल्टी टास्किंग स्टाफ़ (एमटीएस)	प्राणी विज्ञान
236.	सुशील कुमार शर्मा	कार्यालय सहायक	प्राणी विज्ञान
237.	बेचन सिंह पैकरा	तकनीकी सहायक	प्राणी विज्ञान

दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी

क्र.	नाम	पदनाम	डिपार्टमेंट / सेक्शन
1.	श्री सतीश सराफ	लिपिक	प्रो. संस्थान कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
2.	श्रीमती सुशीला मिश्रा	लिपिक	विधि विभाग
3.	श्री विजय बहादुर सिंह	लिपिक	केन्टीन
4.	श्री अनिल कुमार पाण्डेय	लिपिक	इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी
5.	सुश्री अर्चना सिंह	लिपिक	आई.टी.लाइब्रेरी
6.	दिनेश कुमार शुक्ला	लिपिक	इलेक्ट्रिकल इंजीनियर
7.	सुनील पाठक	लिपिक	पत्रकारिता एवं जनसंचार
8.	श्री आनंद महाडिक	लिपिक	गणित विभाग
9.	श्री रत्ना स्वामी नायडू	लिपिक	विधि विभाग
10.	श्री ध्रुव कुमार सोनी	लिपिक	अजजा / अजा प्रकोष्ठ
11.	श्री सूरज कुमार श्रीवास्तव	लिपिक	गोपनीय
12.	श्री विजय कुमार गुप्ता	लिपिक	आई.टी ग्रंथालय
13.	श्री राधेश्याम ठाकुर	लिपिक	केन्द्रीय ग्रंथालय
14.	श्री राजेश कुमार राठौर	लिपिक	फार्मेसी
15.	श्रीमती श्रद्धा तिवारी	लिपिक	फार्मेसी
16.	श्रीमती वीणा वैष्णव	लिपिक	फार्मेसी
17.	श्री चन्द्रनाथ मिश्रा	लिपिक	भौतिकी
18.	श्री ओमप्रकाश मिश्रा	लिपिक	फार्मेसी
19.	श्री विकास तललवार	लिपिक	मेकेनिकल इंजी.
20.	श्री रामकुमार सिंह तोमर	लिपिक	सीएसआईटी
21.	श्री संतोष तिवारी	लिपिक	भौतिकी विभाग
22.	श्री प्रवीण कुमार कसेर	लिपिक	कम्प्यूटर साइंस इंजी.
23.	श्री राजकुमार कसेर	लिपिक	हिन्दी विभाग
24.	श्री ए. हलिम खान	लिपिक	फोरेसिंक साइंस विभाग
25.	श्री सत्यनारायण यादव	वाहन चालक	गोपनीय
26.	श्री रितेश गोयल	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
27.	श्री संतोष कुमार यादव	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
28.	श्री नीलकमल पटेल	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
29.	श्री सुरेन्द्र यादव	वाहन चालक	गोपनीय
30.	श्री टीकाराम यादव	वाहन चालक	वाहन प्रकोष्ठ
31.	श्री उत्तम कुमार पटेल	असिस्टेंट ड्राइवर	वाहन प्रकोष्ठ
32.	श्री श्यामलाल सेन	चतुर्थ वर्ग	केमिकल इंजी.
33.	श्री चन्द्रप्रकाश करियारे	चतुर्थ वर्ग	बायोटेक्नालॉजी
34.	श्री हरिशंकर पटेल	चतुर्थ वर्ग	कुलसचिव कार्यालय
35.	श्री फ्रांसिस जोसफ	चतुर्थ वर्ग	इन्फार्मेशन टेक्नालाजी
36.	श्री मनीराम श्रीवास	चतुर्थ वर्ग	आई.टी. वर्कशाप
37.	श्री गोवर्धन निर्मलकर	चतुर्थ वर्ग	आईटी इंजीनियर
38.	श्री कार्तिक राम निर्मलकर	चतुर्थ वर्ग	
39.	श्री दुर्गाप्रसाद सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	इडस्ट्रीयल प्रोडक्सन इंजी
40.	श्री सालिक राम साहू	चतुर्थ वर्ग	केमिकल इंजी.
41.	श्री शिवकुमार विश्वकर्मा	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
42.	श्री रमेश कुमार पाण्डेय	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
43.	श्री रामगोपाल साव	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
44.	श्री बसंत कुमार सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
45.	श्री संतोष कुमार सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
46.	श्री रामकुमार धीवर	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
47.	श्री देवशरण कौशिक	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
48.	श्री श्रवण कुमार सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
49.	श्री कौशल कुमार कैवर्त	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग

50.	श्री मो. खान अली	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
51.	श्री राजकुमार कौशिक	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
52.	श्री महेश चन्द्र मिश्रा	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
53.	श्री मनीराम पटेल	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
54.	श्री वीरेन्द्र कुमार चौहान	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
55.	श्री रामफल सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
56.	श्री शेख मो. हारून	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
57.	श्री राजकुमार पटेल	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
58.	श्री ओमकार दास बैरागी	चतुर्थ वर्ग	इंजीनियरिंग
59.	श्री सुरेन्द्र सिंह क्षत्रीय	चतुर्थ वर्ग	प्रशासन
60.	श्री सुखनंदन पटेल	चतुर्थ वर्ग	विधि प्रकोष्ठ
61.	श्री नरेन्द्र सिंह ठाकुर	चतुर्थ वर्ग	प्रशासन
62.	श्रीमती केसर शर्मा	चतुर्थ वर्ग	सीएसआईटी
63.	श्री मन्नुराम पटेल	चतुर्थ वर्ग	प्रशासन
64.	श्री उत्तरा कुमार	चतुर्थ वर्ग	बायोटेक्नालाजी
65.	श्री नारंतक सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	प्रबंध
66.	श्री रामकुमार खाण्डे	चतुर्थ वर्ग	गोपनीय
67.	श्री लोमन सिंह बंजारे	चतुर्थ वर्ग	फोरेंसिक साइंस
68.	श्री रामजीवन श्रीवास	चतुर्थ वर्ग	गोपनीय
69.	श्रीमती मार्ग्रट जोसफ	चतुर्थ वर्ग	सेंट्रल लाइब्रेरी
70.	श्री जयंत कुमार	चतुर्थ वर्ग	सेंट्रल लाइब्रेरी
71.	श्री अशोक कुमार यादव	चतुर्थ वर्ग	डीएसडब्लू
72.	श्री नित्यानंद सिंह	चतुर्थ वर्ग	फॉर्मेसी
73.	श्री मुरलीधर गुप्ता	चतुर्थ वर्ग	फॉर्मेसी
74.	श्री अमरनाथ यादव	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
75.	श्री संतकुमार सूर्यवंशी	चतुर्थ वर्ग	रसायनशास्त्र विभाग
76.	श्रीमती रानी बाई	चतुर्थ वर्ग	पत्रकारिता
77.	श्री रामफल पटेल	चतुर्थ वर्ग	कुलपति कार्यालय/निवास
78.	श्री नंदकिशोर यादव	चतुर्थ वर्ग	कुलपति कार्यालय/निवास
79.	श्री इजराइल बेग	चतुर्थ वर्ग	कुलपति कार्यालय/निवास
80.	श्री धनीराम बैगा	चतुर्थ वर्ग	कुलपति कार्यालय/निवास
81.	श्री चितराम धीवर	चतुर्थ वर्ग	अकादमी विभाग
82.	श्री लक्ष्मी पटेल	चतुर्थ वर्ग	यांत्रिकी
83.	श्री संतराम यादव	चतुर्थ वर्ग	वी.सी. ऑफिस
84.	श्री राजू राम पटेल	चतुर्थ वर्ग	अतिथि गृह
85.	श्री रामनाथ बरेठ	चतुर्थ वर्ग	अतिथि गृह
86.	श्री रामेश्वर पटेल	चतुर्थ वर्ग	अतिथि गृह
87.	श्री मेलाराम साहू	चतुर्थ वर्ग	कैफेटेरिया
88.	श्रीमती मंजू साहू (सुशीला)	चतुर्थ वर्ग	कैफेटेरिया
89.	श्री प्रमोद सिंह ठाकुर	चतुर्थ वर्ग	यांत्रिकी
90.	श्री आत्मा राम	चतुर्थ वर्ग	अतिथि गृह
91.	श्री पन्नालाल नाई	चतुर्थ वर्ग	मानव विज्ञान
92.	श्री नरेन्द्र पुरी गोस्वामी	चतुर्थ वर्ग	वित्त
93.	श्री भागवत श्रीवास	चतुर्थ वर्ग	आंतरिक अंकेक्षण
94.	श्री शिवरतन साहू	चतुर्थ वर्ग	अंग्रेजी विभाग
95.	श्री रमेश कुमार यादव	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
96.	श्री दीपक कुमार यादव	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
97.	श्री देवीप्रसाद मिरी	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
98.	श्री रामप्रकाश कश्यप (रामू)	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
99.	श्री ओमप्रकाश यादव	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
100.	श्री रमेश कुमार पटेल	चतुर्थ वर्ग	कुलसचिव कार्यालय
101.	श्री रामराज पटेल	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
102.	श्री काशीराम लोधी	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
103.	श्री शाहिद खान	चतुर्थ वर्ग	अतिथि गृह

104.	श्री सुरेश कुमार पटेल	चतुर्थ वर्ग	बालक छात्रावास
105.	श्री किशनलाल देवांगन	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
106.	श्रीमती सरोज बाई	चतुर्थ वर्ग	वानिकी
107.	श्री जीतेन्द्र कुमार डोमर	चतुर्थ वर्ग	खेलकूद
108.	श्री धन्नू पाण्डेय	चतुर्थ वर्ग	इतिहास
109.	श्री महावीर प्रसाद यादव	चतुर्थ वर्ग	विकास विभाग
110.	श्री बिसाहूलाल करियारे	चतुर्थ वर्ग	वित्त
111.	श्री दिनेश यादव	चतुर्थ वर्ग	वाहन प्रकोष्ठ
112.	श्री मोतीलाल सोनी	चतुर्थ वर्ग	ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान
113.	श्रीमती सकुन बाई	चतुर्थ वर्ग	बालिका छात्रावास
114.	श्रीमती यशोदा बाई	चतुर्थ वर्ग	बालिका छात्रावास
115.	श्री राजेन्द्र गढेवाल	चतुर्थ वर्ग	वाणिज्य
116.	श्री धमेन्द्र कौशिक	चतुर्थ वर्ग	भण्डार
117.	श्री पवन कुमार श्रीवास	चतुर्थ वर्ग	गणित
118.	श्री संतोष कुमार रजक	चतुर्थ वर्ग	अर्थशास्त्र
119.	श्रीमती छेदीन बाई	चतुर्थ वर्ग	परीक्षा

पार्ट टाईम कर्मचारी

1.	विश्राम डोंगरे	चतुर्थ वर्ग	
2.	शीला बाई	चतुर्थ वर्ग	
3.	माधुरी डोंगरे	चतुर्थ वर्ग	
4.	दीपक खरे	चतुर्थ वर्ग	
5.	सुरेश कुमार डोंगरे	चतुर्थ वर्ग	
6.	प्रेमा बाई	चतुर्थ वर्ग	

संविदा आधारित कर्मचारी

1.	अफसा अंसारी	पुस्तकालय सहायक	केंद्रिय पुस्तकालय
2.	अर्चना सक्सेना	पुस्तकालय सहायक	केंद्रिय पुस्तकालय
3.	विजय कुमार जांगड़े	ड्रेसर	स्वास्थ्य केंद्र
4.	अंबिका कश्यप	ए.एन.एम.	स्वास्थ्य केंद्र
5.	मनोज उपाध्याय	कुक	व्हीसी बॉगला
6.	संजय निरंजक	लैब टेक्नीशियन	आईक्यूएसी
7.	रेखा सोनी	लैब टेक्नीशियन	स्टोर
8.	अमर लाल	लैब टेक्नीशियन	परीक्षा
9.	सत्या नारायण	लैब टेक्नीशियन	केंद्रिय पुस्तकालय
10.	सूर्यकांत श्रीवास	सब इंजीनियर	इंजीनियरिंग सेक्शन
11.	अरविंद प्रधान	सब इंजीनियर	इंजीनियरिंग सेक्शन
12.	राजेश कुमार पटेल	सब इंजीनियर	इंजीनियरिंग सेक्शन

परिशिष्ट –IV

शिक्षकों का अकादमिक योगदान

अ. प्रकाशन

क्र.	विद्यापीठ/विभाग का नाम/शिक्षक का नाम	शोध पत्र		लेख		पुस्तक अध्याय	पुस्तक	मोनो ग्राफ	पुस्तिकायें/अन्य
		अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय	राष्ट्रीय				
1.	**कला विद्यापीठ**								
1.1	**आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग**								
1	प्रो. मनीष श्रीवास्तव	02	-	-	-	-	-	-	-
2	प्रो. अनुराग चौहान	02	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. शबाना खां	02	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. प्रसेनजीत पंडा	06	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. आशुतोष सिंह	03	-	-	-	05	02	-	-
6	डॉ. शिव कुमार	02	-	-	-	-	-	-	-
7	डॉ. नीतू बघेल	01	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. धीरज साहा	01	-	-	-	-	-	-	-
9	कु. टि्वंकल कुमार	01	-	-	-	-	-	-	-
1.2	**हिंदी विभाग**								
1	डॉ. गौरी त्रिपाठी	01	02	01	-	03	-	-	-
2	डॉ. रमेश घोरे	01	-	-	-	01	03	-	-
3	श्री मुरली मनोहर सिंह	-	01	-	-	02	-	-	-
4	डॉ. राजेश मिश्रा	-	-	-	-	01		-	-
5	डॉ. अखिलेश गुप्ता	-	-	-	-	01	-	-	-
6	डॉ. लोकेश कुमार	-	-	-	-	01	-	-	-
7	डॉ. अनिष कुमार	-	-	03	-	02	-	-	-
8	डॉ. शोभा बिसेन	-	-	-	-	01	-	-	-
1.3	**पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग**								
1	डॉ. अमिता	-	04	-	10	01	-	-	-
2	डॉ. अनुपमा कुमारी	01	01	-	-	02	-	-	-
1.4	**पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग**								
2.	**अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ**								
2.1	**रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग**								
1	प्रो. एन. एस. साहा	04	-	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. अनिल कुमार चन्द्राकर	01	-	-	-	-	-	-	-
3	श्री अमित जैन	02	-	-	-	-	-	-	-
4	श्रीमती अनुराधा एन. जोशी	02	-	-	-	-	-	-	-
5	श्री नीरज चन्द्राकर	01	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. राघवेन्द सिंह ठाकुर	01	-	-	-	-	-	-	-
7	श्री सौरभ मेश्राम	01	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. घोषण ज्योति	02	-	-	-	-	-	-	-
9	श्री. विष्णु पी. यादव	01	-	-	-	-	-	-	-
10	डॉ. संदीप धर्माधिकारी	-	-	-	-	03	-	-	-
2.2	**सिविल अभियांत्रिकी विभाग**								
1	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	03	-	-	-	-	01	-	-
2	डॉ. चक्रधर राव मिसला	02	-	-	-	-	-	-	-
3	श्री आशीष कुमार पाराशर	03	-	-	-	01	01	-	-
4	श्री निखिल कुमार वर्मा	02	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. कुन्दन मेश्राम	01	-	-	-	01	-	-	-
6	श्रीमती सोनल बंछोर	02	-	-	-	-	-	-	-
7	डॉ. बलबीर के. पांडेय	01	-	-	-	-	-	-	-

8	सुश्री आयुषी नायक	01	-	-	-	-	-	-	-
2.3	**संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग**								
1	डॉ. आलोक कुमार सिंह कुशवाहा	06	-	-	-	-	01	-	-
2	डॉ. उपासना सिंह	02	-	-	-	-	02	-	-
3	डॉ. कपील कुमार नागवंशी	-	-	-	-	-	01	-	-
4	डॉ. मनीष श्रीवास्तव	03	-	-	-	-	-	-	-
5	श्री निशांत बेहार	02	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
7	श्री वैभव कांत सिंह	03	-	-	-	-	-	-	-
2.4	**इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग**								
1	डॉ. निपुण कुमार मिश्रा	02	-	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. पी.एस. श्रीवास्तव	-	01	-	-	-	-	-	-
3	श्री दीपक कुमार राठौर	01	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. निकिता कश्यप	01	-	-	-	01	-	-	-
5	श्रीमती प्रगति पथरिया	01	-	-	-	-	-	-	-
6	श्री सुमित कुमार गुप्ता	02	-	-	-	-	-	-	-
7	श्रीमती भावना शुक्ला	01	-	-	-	-	-	-	-
8	श्री चंदन ताम्रकर	01	-	-	-	-	-	-	-
9	श्रीमती प्रवीणा राजपूत	01	-	-	-	01	-	-	-
2.5	**औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग**								
1	श्री अतुल कुमार साहू	06	-	-	-	-	-	-	-
2	श्री नितिन कुमार साहू	04	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. गणेश प्रसाद शुक्ला	03	-	02	-	-	-	-	
4	श्रीमती दिशा देवांगन	01	-	-	-	-	-	-	-
2.6	**सूचना प्रौद्योगिकी विभाग**								
1	डॉ. रोहित राजा	07	-	-	-	02	05	-	-
2	डॉ. राजेश महुले	01	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. संतोष सोनी	05	-	-	-	-	-	-	-
4	श्री अभिषेक जैन	01	-	-	-	12	01	-	-
5	श्री पंकज चन्द्रा	05	-	-	-	-	-	-	-
6	श्रीमती आकांक्षा गुप्ता	01	-	-	-	-	-	-	-
7	श्री अमित कुमार देवांगन	01	-	-	-	-	-	-	-
2.7	**यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग**								
1	डॉ. टी. व्ही. अर्जुनन	08	-	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. पंकज कुमार गुप्ता	02	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. अनूप कुमार साहू	10	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. जसिन्ता पूनम एक्का	02	-	-	-	-	-	-	-
5	श्री प्रशांत कुमार जांगड़े	02	-	-	-	-	-	-	-
6	श्रीमती श्वेता सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
7	श्री भूषण सिंह गौतम	01	-	-	-	-	-	-	-
3	**जीव विज्ञान विद्यापीठ**								
3.1	**मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग**								
1	डॉ. नीलकंठ पाणिग्रही	-	-	-	-	02	-	-	-
2	डॉ. सुबल दास	02	-	-	-	02	-	-	-
3.2	**वनस्पतिशास्त्र विभाग**								
1	प्रो. ए.के. दीक्षित	03	-	-	-	01	-	-	-
2	प्रो. एस. के. साही	03	-	01	-	02	02	-	-
3	प्रो. डी. के. पटेल	04	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. एस. के. पाण्डेय	07	-	-	-	01	-	-	-
5	डॉ. व्ही. एन. त्रिपाठी	01	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. रमेश के. अहिरवार	01	-	-	-	-	-	-	-
7	डॉ. डी. यादव	-	-	-	-	01	-	-	-
8	डॉ. एस. श्वेता	01	02	-	-	01	-	-	-
3.3	**प्राणी शास्त्र विभाग**								

1	प्रो. एल. व्ही. के. एस. भास्कर	10	-	06	-	3	-	-	-
2	डॉ. रोहित सेठ	-	-	-	-	01	-	-	-
3	डॉ. सीमा राय	04	-	-	-	05	-	-	-
4	डॉ. मोनिका भदौरिया	04	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	01	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. संतोष सिंह	08	-	-	-	-	-	-	-
7	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	03	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. नेहा जैन	-		-	-	01	-	-	-
9	डॉ. गीता मिश्रा	-	-	-	-	01	-	-	-
10	डॉ. नरेश चंद्र अग्रवाल	-	-	-	-	-	-	-	-
11	डॉ. निशा साहू	**02**	-	01	-	-	-	-	-
4.	**प्रबंध एवं वाणिज्य विद्यापीठ**								
4.1	**वाणिज्य विभाग**								
1	डॉ. अशोक कुमार मिश्रा	-	01	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. भुवन वेंकटरमन	04	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. बुद्धेश्वर प्रसाद सिंघरौल	01	01	-	-	02	-	-	-
4	डॉ. अमित मंगलानी	01	02	-	-	01	-	-	-
5	डॉ. मुंशी राम	01	-	-	-	-	-	-	-
6	श्री मुकेश अग्रवाल	04	02	-	-	01	-	-	-
7	डॉ. अनामिका तिवारी	-	01	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. कुमार आदित्य	-	01	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. शैलेष के द्विवेदी	01	-	-	-	03	-	-	-
10	श्री गोशाला राजू	01	02	-	-	-	-	-	-
11	डॉ. वनिता कुमारी सोनी	-	-	-	-	01	-	-	-
12	डॉ. सत्या प्रकाश	-	02	-	-	-	-	-	-
4.2	**प्रबंध अध्ययन विभाग**								
1	डॉ. बी.डी. मिश्रा	-		-	-	01	-	-	-
2	डॉ. हरीश कुमार	-	-	-	-	01	-	-	-
5.	**गणितीय एवं अभिकलन विज्ञान विद्यापीठ**								
5.1	**संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग**								
1	प्रो. अमीत कुमार सक्सेना	02	-	-	-	-	-	-	-
	डॉ. पुष्पलता पुजारी	02	-	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. सुषमा जायसवाल	03	-	-	-	04	04	-	-
3	डॉ. बबीता मांझी	05	-	-	-	-	-	-	-
4	प्रो. ए.के. सक्सेना	02	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. विकास कुमार पाण्डेय	01	01	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. अखिलेश कुमार श्रीवास	06	02	-	-	-	-	-	-
7	डॉ. रजवंत सिंह राव	03	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. रत्नेश श्रीवास्तव	02	-	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. अमीत कुमार चंदनन	04	-	-	-	01	-	-	-
5.2	**गणित विभाग :**								
1	प्रो. ए.एस. रणदिवे	03	-	-	-	-	-	-	-
2	प्रो. पी.पी मूर्ति	05	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. जे.पी. जायसवाल	01	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. धनंजय गोपाल	13	-	-	-	03	-	01	-
5	डॉ. एम.के. गुप्ता	05	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. बी.बी. चतुर्वेदी	03	-	-	-	-	-	-	-
7	श्री सी.पी. धुरी	01	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. के.एन.व्ही.व्ही.व्ही. प्रसाद	04	-	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. उमा देवी पटेल	06	-	-	-	-	-	-	-
11	डॉ. बी. पासवान	01	-	-	-	-	-	-	-
15	डॉ. संकीर्तन सरदार	02	-	-	-	-	-	-	-
6.	**प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ**								
6.1	**वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग**								
1	डॉ. एस. एस. धुरिया	-	02	-	-	-	-	-	-

2	डॉ. एस.सी. तिवारी	-	02	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. के. के. चंद्रा	04	05	-	-	02	-	-	-
4	डॉ. गरिमा तिवारी	01	02	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. भावना दीक्षित	-	02	-	-	-	-	-	01
6	डॉ. गुंजन पाटिल	02	02	-	-	01	-	-	-
7	डॉ. ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह	-	02	-	-	01	-	-	-
8	डॉ. अतुल कुमार भारद्वाज	02	03	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. अरविंद प्रजापति	-	01	-	-	-	-	-	-
10	डॉ. शारदा दुबे	-	02	-	-	-	-	-	-
12	डॉ. गौरव पदवार	-	02	-	-	-	-	-	-
13	डॉ. अनुपमा महतो	-	04	-	-	-	-	-	-
14	डॉ. अंकिता सिंह	-	02	-	-	-	-	-	-
6.2	**फार्मेसी विभाग**								
1	डॉ. अल्पना राम	-	-	01	-	-	-	-	-
2	डॉ. सन्मति कुमार जैन	01	02	-	-	05	-	-	-
3	डॉ. भारती अहिरवार	-	-	01	01	03	02	-	-
4	डॉ. के.पी. नामदेव	01	03	-	-	01	-	-	-
5	डॉ. एस.एच. बोडखे	03	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. दिलीप पाल	05	02	03	02	22	04	-	-
7	डॉ. नीली रोज बेक	-	-	-	-	01	-	-	-
8	डॉ. हरीश रजक	04	-	-	-	02	-	-	-
9	डॉ. सुनील कुमार जैन	01	-	-	-	03	-	-	-
10	डॉ. रवि शंकर पाण्डेय	02	-	-	-	-	-	-	-
11	डॉ. एस.के. लांझियाना	01	-	-	-	02	02	-	-
12	डॉ. के.पी. मीना	02	-	-	-	01	-	-	-
13	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	-	-	-	-	-	01	-	-
14	डॉ. पी.पी. रॉय	-	-	07	-	-	-	-	-
15	डॉ. अखिलेश जैन	02	-	02	-	03	01	-	-
16	डॉ निशांत जैन	01	-	-	-	-	-	-	-
17	डॉ संजय भारती	01	-	-	-	01	-	-	-
18	डॉ विवेकानंद मंडल	01	-	-	-	-	-	-	-
19	डॉ. अर्जुन पात्रा	02	-	-	-	01	-	-	-
20	डॉ. के. केशवन	02	-	-	-	03	-	-	-
21	डॉ मनोज कुमार	-	01	-	-	-	-	-	-
22	डॉ. प्रदीप समल	01	01	-	-	01	-	-	-
23	सुश्री मीनाक्षी जायसवाल	02	-	01	-	03	02	-	-
7.0	**भौतिकीय विज्ञान विद्यापीठ**								
7.1	**रसायन शास्त्र विभाग**								
1	प्रो. जी. के. पात्रा	09	-	-	-	-	-	-	-
2	प्रो. चारू अरोरा	03	-	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. एस.के. सिंह	02	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. आशीष कुमार सिंह	02	-	-	-	03	01	-	-
5	डॉ. भास्कर शर्मा	02	-	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. एस.एस. ठाकुर	03	-	-	-	01	01	-	-
7	डॉ. आरती श्रीवास्तव	02	05	-	-	01	01	-	-
8	डॉ. सुभाष बैनर्जी	07	-	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. मनोरमा	02	-	-	-	-	-	-	-
10	डॉ. भरत लाल साहू	02	-	-	-	-	-	-	-
11	डॉ. सूर्यभान सिंह	02	-	-	-	-	-	-	-
12	डॉ. उदय प्रताप आजाद	09	-	-	-	03	-	01	-
13	डॉ. नीरज कुमारी	02	01	-	-	-	-	-	-
14	डॉ. बी. मण्डल	03	-	-	-	-	-	-	-
7.2	**शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग**								
1	प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपाई	03	-	-	-	01	-	-	-
2	प्रो. माधवेन्द्र नाथ त्रिपाठी	01	-	-	-	-	-	-	-
3	प्रो. पारिजात ठाकुर	02	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. आर. पी. पटेल	06	-	-	-	01	-	-	-
5	डॉ. अरूण कुमार सिंह	03	-	-	-	01	01	-	-

6	डॉ. जय सिंह	05	-	-	-	02	-	-	-
7	डॉ. राजेश शर्मा	01	-	-	-	-	-	-	-
8	डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुरपू	04	-	-	-	-	-	-	-
9	डॉ. पचिनीला रामबाबू	01	-	-	-	-	-	-	-
10	डॉ. प्रदीप दास	02	-	-	-	-	-	-	-
11	डौ. शिव पूजन पटेल	05	-	-	-	-	-	-	-
12	डॉ. दिनेश उथरा	02	-	-	-	-	-	-	-
13	डॉ. अल्का सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
14	डॉ. शालिंता तिग्गा	02	-	-	-	-	-	-	-
8.-	**सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ**								
8.1	**अर्थशास्त्र विभाग**								
1	प्रो. मनीषा दुबे	01	01	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. नमिता शर्मा	-	05	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा	03	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. राजभानू पटेल	05	01	-	-	01	-	-	-
8.2	**इतिहास विभाग**								
1	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा	01	-	-	03	01	02	-	-
2	प्रो. प्रदीप शुक्ला	01	-	-	-	01	-	-	-
3	डॉ. सीमा पाण्डेय	01	-	-	02	07	-	-	-
4	डॉ. घनश्याम दुबे	01	-	-	01	02	-	-	-
5	डॉ. शशिकांत पाण्डेय	-	-	-	02	02	-	-	-
6	डॉ. धनराज सरदार गुसिंगे	-	-	-	01	01	-	-	-
7	श्री संतोष कु. गौंड	-	-	-	02	-	-	-	-
8	कु. भेनु	01	0	-	01	01	-	-	-
9	डॉ. शबीना बेगम	01		-		01	-	-	-
8.3	**राजनीति विज्ञान विभाग**								
1	प्रो. अनुपमा सक्सेना	-	03	-	-	-	-	-	-
2	प्रो. रामाकृष्णा प्रधान	-	-	-	02	01	-	-	-
3	डॉ. सांत्वना पाण्डेय	02	-	-	-	-	-	-	-
4	डॉ. राम बाबू	01	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. नाहिद हसन	-	-	01	-	-	-	-	-
8.4	**समाज कार्य विभाग**								
1	प्रो. प्रतिभा जे. मिश्रा	-	01	-	-	-	-	-	-
2	डॉ. अर्चना यादव	-	01	-	-	05	02	-	-
3	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	-	01	-	-	-	-	-	-
9	**शिक्षा विद्यापीठ**								
9.1	**शिक्षा विभाग**								
1	प्रो. सुजीत मिश्रा	01	-	-	-	04	04	-	-
2	प्रो. सुनिल कुमार सेन	-	01	-	-	-	-	-	-
3	डॉ. संबित कुमार पाधी	-	06	-	-	05	-	-	-
4	डॉ. बुद्ध सिंह	01	-	-	-	-	-	-	-
5	डॉ. विंदेश्वरी पवार	01	02	-	-	-	-	-	-
6	डॉ. सुधीर सुदाम कावरे	-	02	-	-	01	-	-	-
7	डॉ. मुकेश कुमार चंद्राकर	-	04	-	-	01	-	-	-
8	डॉ. राजेश्वरी गर्ग	-	01	-	-	01	-	-	-
9	डॉ. ज्योती वर्मा	01	01	-	-	-	-	-	-
10	श्री बसंत कुमार	-	01	-	-	-	-	-	-
11	कृष्णा कुमार पाठक	01	-	-	-	-	-	-	-
9.2	**शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग**								
1	प्रो. विशन सिंह राठौड़	03	-	-	-	-	01	-	-
2	डॉ. संजीत सरदार	07	01	-	-	-	-	-	-
3	प्रो. रत्नेश सिंह	-	-	-	-	-	02	-	-
4	डॉ. बी. आर. रावटे	06	-	-	-	-	02	-	-
5	डॉ. एम. एस. धपोला	08	-	-	-	03	-	-	-
6	डॉ. शालिनी मेनन	-	01	-	-	03	01	-	-
7	डॉ. कुंवर सिंह	02	-	-	-	-	-	-	-
8	श्री ओम प्रकाश गंगे	-	-	-	-	-	01	-	-
9	डॉ. सुरेन्द्र कुमार	01	-	-	-	-	-	-	-

10	**अंतर्विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान अध्ययन शाला**								
10.1	**जैव प्रौद्योगिकी विभाग**								
1	प्रो. रेणु भट्ट	-	-	-	-	01	-	-	-
2	डॉ. हरित झा	03	-	-	-	04	-	-	-
3	डॉ. डी.के. परिहार	02	-	-	-	01	-	-	-
4	श्रीमती अल्का एक्का								
5	डॉ. धनंजय शुक्ला	-	-	-	-	02	-	-	-
6	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	02	-	-	-	03	-	-	-
7	डॉ. रजत प्रताप सिंह	01	-	-	-	02	-	-	-
8	डॉ. विकास चन्द्राकर	-	-	-	-	02	-	-	-
9	प्रो. रेणु भट्ट	-	-	-	-	01	-	-	-
10.2	**न्यायालयिक विज्ञान विभाग**								
1	डॉ. सुधीर यादव	02	-	-	-	04	-	-	-
2	डॉ. अजय अमित	01	-	-	-	02	-	-	-
3	डॉ. चंचल कुमार	01	-	-	-	01	-	-	-
10.3	**ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं सामाजिक विकास विभाग**								
1	प्रो. आर. मेहता	01	-	-	-	01	-	-	-
2	प्रो. पी.आर. सिंह	01	01	-	-	-	-	-	-
3	डो. भास्कर चौरसिया	01	-	-	-	-	-	--	-
4	डॉ. लोकेश कुमार टिंडे	-	02	-	-	-	-	--	-
5	डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते	01	-	-	-	-	-	--	-
6	डॉ. प्रसून सोनी	01	01	-	-	-	-	--	-
7	डॉ. दिलीप कुमार	-	01	-	-	-	-	--	-
8	डॉ. अल्का मिश्रा	01	01	-	-	02	-	-	-

ब. राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/वेब–सेमिनार/कार्यशालाओं में शिक्षकों की सहभागिता

क्र.	विद्यापीठ/शिक्षक/विभाग का नाम	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	कार्यशाला
1	**कला विद्यापीठ**			
1.1	**आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग**			
1	डॉ. अनुराग चौहान	01	-	01
2	डॉ. प्रसेनजीत पांडा	01	01	01
3	डॉ. आशुतोष सिंह	-	-	04
4	डॉ. शिव कुमार	01	-	-
5	डॉ. नीतू बघेल	-	01	-
6	सुश्री ट्विंकल कुमार	02	-	-
1.2	**हिंदी विभाग**			
1	डॉ. गौरी त्रिपाठी	-	07	-
2	डॉ. रमेश कुमार गोहे	-	05	01
3	श्री मुरली मनोहर सिंह	-	01	-
4	डॉ. राजेश मिश्रा	-	01	-
5	डॉ. अखिलेश गुप्ता	-	01	-
6	डॉ. लोकेश कुमार	-	03	01
7	डॉ. अनिश कुमार	-	02	-
1.3	**पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग**			
1	डॉ. गोपा बागची	-	-	-
2	डॉ. धीरज शुक्ला	-	01	-
3	डॉ. अमिता	-	02	-
4	डॉ. अनुपमा कुमारी	01	02	01

2	अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ			
2.1	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. अमित जैन	-	-	09
2	श्री नीरज चंद्राकर	-	-	01
3	डॉ. राघवेन्द्र सिंह ठाकुर	-	-	02
4	डॉ. सौरभ मेश्राम	-	-	05
5	डॉ. श्रीमति अनुराधा नैनवार जोशी	-	-	02
6	श्री गौतम प्रसाद देवांगन	-	-	02
7	श्री विष्णु प्रसाद यादव	-	-	05
8	डॉ. संदीप धर्माधिकारी	-	-	05
9	डॉ. घोषणा ज्योति	02	-	09
2.2	सिविल अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. आशीष कुमार पाराशर	-	-	01
2	डॉ. कुंदन मेश्राम	-	-	01
3	श्रीमती सोनल बंछोर	-	-	01
4	श्री प्रखर मोदी	-	-	01
5	कु. प्रीति सिंह	-	-	01
6	सुश्री आयुषी नायक	-	-	01
2.3	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. सूरज शर्मा	03	-	-
2	श्री वैभव कांत सिंह	04	-	01
2.4	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. सुदाकर सिंह चौहान	01	.	.
2	डॉ. पी.एस. श्रीवास्तव	02	-	-
3	डॉ. निपुण कुमार मिश्रा	01	-	-
4	श्री सुमित कुमार मिश्रा	02	-	-
2.5	औद्योगिकी एवं उत्पादन अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. अतुल कुमार साहु	-	-	6
2	डॉ. नीतिन कुमार साहु	-	-	8
3	डॉ. गणेश प्रसाद शुक्ला	-	-	11
4	श्रीमती अर्पिता राय चौधरी	-	-	4
5	श्रीमती दिशा देवांगन	-	-	1
6	श्री कवल लाल कुर्रे	-	-	7
7	श्री लीलाधर राजपूत	-	-	5
8	1 कैलाश कुमार बोरकर 2. अनुराग सिंह 3. सोमनाथ सिंगरौल	-	-	3
9	अनुराग सिंह			2
10	श्री सोमनाथ सिंगरौल			5
2.6	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग			
1	डॉ. रोहित राजा	02	-	2 (एफडीपी)
2	डॉ. राजेश महूले	-	-	3 (एफडीपी)
4	डॉ. संतोष सोनी	02	-	07
5	श्री अभिषेक जैन	01	-	04
6	श्री अग्निवेश पाण्डेय	01	-	01
7	श्री पंकज चंद्रा	02	-	03
8	श्री दीपक कांत नेताम	-	-	5 (एफडीपी)
9	श्री सोहेल अहमद	-	-	01
10	श्रीमती आकांक्षा गुप्ता	-	-	5 (एफडीपी)
11	श्रीमती आराधना सोनी	-	-	02
2.7	यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग			
1	डॉ. पंकज कुमार गुप्ता	-	01	-
2	श्रीमती श्वेता सिंह	-	-	05
3	श्री प्रदीप पाटनववार	-	01	04

4	श्री मनीष भास्कर	-	01	05
5	श्री भूषण सिंह गौतम	-	-	04
6	श्री. प्रतीक गौटा	-	-	04
3	**विधि विद्यापीठ**			
3.1	**विधि विभाग**			
1	डॉ. अजय सिंह	-	01	-
2	डॉ. सागर कुमार जायसवाल	-	03	01
3	श्री सुधांशू शेखर बिसेन	-	01	-
4	श्री आकाश मानवानी	02	02	01
5	विनोद कुमार	-	01	-
4	**जीव विज्ञान विद्यापीठ**			
4.1	**मानव विज्ञान एवं आदिवासी विकास विभाग**			
1	प्रो. नीलकंठ पाणिग्रही	-	-	04
2	डॉ. सुबल दास	02	03	04
3	डॉ. मनीषा घृतलहरे	-	02	-
4.2	**वनस्पति शास्त्र विभाग**			
1			01	01
4.3	**प्राणी शास्त्र विभाग**			
1	प्रो. एल. व्ही, के एस. भास्कर	-	03	01
2	डॉ. रोहित सेठ	-	-	01
3	डॉ. सीमा रॉय	-	-	04
4	डॉ. मोनिका भदौरिया	-	01	-
5	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	-	-	-
6	डॉ. संतोष सिंह	01	-	-
7	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	-	-	-
8	डॉ. नेहा जैन	01	-	05
9	डॉ. गीता मिश्रा	-	-	01
10	डॉ. नरेश चन्द्र अग्रवाल	-	01	04
11	डॉ. निशा साहू	-	-	01
5	**प्रबंध एवं वाणिज्य विद्यापीठ**			
5.1	**वाणिज्य विभाग**			
1	प्रो. अशोक कुमार मिश्रा		01	
2	डॉ. भुवाना वेंकटरमन			
3	डॉ. बुधेश्वर प्रसाद सिंघरॉल	01	01	
4	डॉ. अमित मंगलानी		03	02
5	डॉ. मुंशी राम	01		
6	डॉ. अमेन्द्र कुमार			
7	डॉ. मुकेश अग्रवाल	02	01	01
8	डॉ. अनामिका तिवारी	01	01	03
9	डॉ. अनूप कुमार रॉय	04	02	
10	डॉ. कुमार आदित्य	01	01	04
11	डॉ. शैलेश के. द्विवेदी	01	02	
12	डॉ. उत्कर्ष कुमार		02	
13	डॉ. गौशाला राजू	01		
14	डॉ. वनिता कुमारी सोनी	02	02	03
15	डॉ. मनीष सेठ		01	
16	डॉ. सत्यप्रकाश			
5.2	**प्रबंध अध्ययन विभाग**			
1	डॉ. बी.डी. मिश्रा	02	02	03
2	डॉ. हरीश कुमार	-	01	06
3	डॉ. एल.पी. पटेरिया	-	-	-
4	डॉ. बी.बी. पाण्डेय	02	02	03
5	श्री सचिन विश्वकर्मा	-	-	-
6	डॉ. प्रेम शंकर द्विवेदी	-	-	-
7	डॉ. चन्द्रावती निराला	-	-	-

6	**गणितीय अभिकलन विज्ञान विद्यापीठ**			
6.1	**संगणक विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग**			
1	डॉ. सुषमा जायसवाल	-	03	-
2	डॉ. पी. पूजारी	-	01	-
3	डॉ. बबीता मांझी	-	01	05
4	डॉ. अखिलेश कुमार श्रीवास	01	01	01
5	डॉ. राजवंश सिंह राव	04	01	03
6	डॉ. अमित कुमार चंदनन	-	01	-
7	अमितेश कुमार झा	-	-	01
6.2	**गणित विभाग - -**			
7	**प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ**			
7.1	**वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग**			
1	डॉ. एस.एस. सिंह	01	01	-
2	डॉ. एस.एस. धुरिया	-	-	02
3	डॉ. के. के. चंद्रा	-	02	03
4	डॉ. गरिमा तिवारी	-	01	01
5	डॉ. गुंजन पटेल	-	01	-
6	डॉ. भावना दीक्षित	01	02	02
7	डॉ. अजय कुमार सिंह	02	02	01
8	डॉ. ब्रिजेन्द्र प्रताप सिंह	-	01	01
9	डॉ. अतुल कुमार भारद्वाज	-	01	01
सहायक प्राध्यापक (तदर्थ)				
1	डॉ. अरविंद प्रजापति	01	01	01
2	डॉ. मेरी एक्का	-	01	-
3	डॉ. शारदा दुबे	-	01	-
4	डॉ. गौरव पडवार	-	01	-
5	डॉ. अनुपमा महतो	-	01	01
6	डॉ. अंकिता सिंह	-	01	-
7.2	**भैषजिक विज्ञान विभाग**			
1	डॉ. अल्पना राम	-	-	04
2	डॉ. श्रीमती भारती अहिरवार	01	02	02
3	डॉ. के. पी. नामदेव	-	02	-
4	डॉ. दिलीप पाल	01	-	01
5	डॉ. नीली रोज बेक	02	01	05
6	डॉ. हरिश रजक	02	02	01
7	डॉ. सुनील कुमार जैन	-	02	-
8	डॉ. रवि शंकर पाण्डेय	01	-	-
9	डॉ. एस.के. लंझियाना	01	-	-
10	श्रीमती मीनाक्षी जायसवाल	02	-	02
11	डॉ. जगदीश सिंह	01	-	-
12	डॉ. शिवानी राय पालीवाल	-	01	01
13	डॉ. अखिलेश जैन	-	-	02
14	डॉ. निशांत जैन	01	01	01
15	डॉ. अर्जुन पात्रा	01	-	02
16	डॉ मनोज कुमार	01	02	-
17	डॉ. एस.एच. बोड़खे	-	02	-
18	डॉ. पी.पी. राय	-	-	01
19	डॉ. प्रदीप समल	01	-	-
20	श्रीमती मीनाक्षी जायसवाल	03	01	02
21	डॉ. के. केसवन	-	02	-
8	**भौतिकीय विज्ञान विद्यापीठ**			
8.1	**रसायन शास्त्र विभाग**			
1	प्रो. जी. के. पात्रा	03	06	-
2	डॉ. एस.के. सिंह	-	01	-
3	श्री चारू अरोरा	01	03	-

4	डॉ. आशीष कुमार सिंह	01	03	-
5	भास्कर शर्मा	-	01	-
6	डॉ एस.एस ठाकुर	-	07	-
7	डॉ. आरती श्रीवास्तव	-	01	-
8	डॉ. सुभाष बनर्जी	-	03	-
9	डॉ. नीरज कुमार	-	02	-
10	डॉ. बी. मण्डल	-	02	-
8.2	**शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग**			
1	डॉ. माधवेन्द्रनाथ त्रिपाठी	-	01	04
2	डॉ. आर.पी. पटेल	01	02	-
3	डॉ. अरूण कुमार सिंह	04	02	-
4	डॉ. जैन सिंह	02	02	-
5	डॉ. राजेश शर्मा	-	01	-
6	डॉ. आ.र. के. पाण्डेय	-	01	-
7	डॉ. एम.पी. शर्मा	-	04	-
8	डॉ. गोवर्धन रेड्डी तुर्पू	-	01	-
9	डॉ. पचिनीला रामबाबू	01	-	-
10	डॉ. शिव पूजन पटेल	-	-	01
11	डॉ. दिनेश उत्तरा	01	-	-
12	डॉ. अल्का सिंह	02	-	-
13	डॉ. शालिंता तिग्गा	-	02	-
9	**सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ**			
9.1	**अर्थशास्त्र विभाग**			
1	प्रो मनीषा दुबे	-	04	-
2	प्रो. चितरंजन नायक	-	01	-
3	डॉ. राजकुमार नागवंशी	-	02	-
4	डॉ. कृष्णा कुमार शर्मा	-	-	-
5	डॉ. नमिता शर्मा	-	01	-
6	डॉ. दिलीप झा	-	-	-
7	डॉ. ठाकुर राम रात्रे	-	-	-
8	डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा	01	02	01
9	डॉ. राजभानू पटेल	02	02	05
9.3	**इतिहास विभाग**			
1	प्रो. प्रवीन कुमार मिश्रा	02	03	01
2	प्रो. प्रदीप शुक्ला	01	-	-
3	डॉ. सीमा पांण्डेय	01	-	-
4	डॉ. घनश्याम दुबे	01	-	-
5	डॉ. शशिकांत पांण्डेय	01	-	-
6	डॉ. धनराज सरदार गुसिंग	01	-	-
7	श्री संतोष कुमार गौंड	01	-	-
8	कु. भेनु	02	04	-
9	डॉ. श्री नारायण सिंह गौतम	01	-	-
10	डॉ. शबीना बेगम	02	01	-
9.4	**राजनीति विज्ञान विभाग**			
1	प्रो. अनुपमा सक्सेना	-	03	-
2	प्रो. रामाकृष्णा प्रधान	-	03	-
3	डॉ. राम बाबू	-	02	-
4	डॉ. नाहिद हसन	02	-	01
9.5	**समाज कार्य विभाग**			
1	डॉ. प्रतिभा जे. मिश्रा	-	-	-
2	डॉ. सस्मिता पटेल	01	-	-
3	डॉ. अर्चना यादव	-	01	-
4	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	-	01	-
5	सुमन लकड़ा	-	01	-
6	श्री संदीप कुमार	-	01	-
7	संगीता यादव	-	06	-

10	**शिक्षा विद्यापीठ**			
10.1	**शिक्षा विभाग**			
1	प्रो. सी.एस. वझलवार	-	09	-
2	प्रो. सुजीत मिश्रा	-	11	01
3	डॉ. सम्बित कुमार पाधी	02	13	-
4	डॉ. बुद्ध सिंह	-	06	-
5	डॉ. विंदेश्वरी पवार	01	02	06
6	डॉ. सुधीर सुदाम कांवरे	-	04	-
7	डॉ. पायल	-	06	02
8	डॉ. राजेश्वरी गर्ग	-	01	-
9	श्रद्धा सिंह	01	-	05
10	डॉ. ज्योती	-	07	07
11	श्री बंसत कुमार	-	-	06
12	कृष्ण कुमार पाठक	-	06	04
13	मीना कुमारी	-	03	03
10.2	**शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग**			
1	प्रो. बिशन सिंह राठौर	-	02	04
2	प्रो. संजीत सरदार	-	-	04
3	प्रो. रत्नेश सिंह	-	02	04
4	डॉ. भोजराम रावटे	-	02	05
5	डॉ. महेश सिंह धपोला	-	02	05
6	डॉ. शालिनी मेनन	01	02	05
7	डॉ. तिलक राज मीना	-	-	04
8	डॉ. कुंवर सिंह	-	02	04
9	डॉ. विजय कुमार चौरसिया	-	-	04
10	श्री ओम प्रकाश गंगे	-	-	04
11	डॉ. सुरेन्द्र कुमार	-	-	-
11	**अंतर्विषयक शिक्षा एवं अनुसंधान अध्ययन शाला**			
11.1	**जैव प्रौद्योगिकी विभाग**			
1	डॉ. हरित झा	-	04	05
2	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	01	01	-
11.2	**ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग**			
1	प्रो. आर. मेहता	01	-	-
2	डॉ. भास्कर चौरसिया	01	-	-
3	डॉ. लोकेश कुमार टिंडे	-	-	04
4	डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्ते	-	-	05
5	डॉ. अल्का मिश्रा	-	02	-

स. अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन

क्र.	विद्यापीठ/शिक्षक/विभाग का नाम	अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी	राष्ट्रीय संगोष्ठी	कार्यशाला
1	**अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विद्यापीठ**			
1.1	**रसायन अभियांत्रिकी विभाग**			
1	डॉ. संदीप धर्माधिकारी	-	-	05
2	डॉ. सौरभ मेश्राम	-	-	02
3	डॉ. ए. एन. जोशी	-	-	01
1.2	**कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग**			
1.	डॉ. आलोक कुमार सिंह कुशवाहा	-	-	03
1.3	**इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशनल इजीनियरिंग विभाग**			
1	डॉ. सुदाकर सिंह चौहान	01	-	-
1.4	**औद्योगिक और उत्पादन इंजीनियरिंग विभाग**			
1	डॉ. गणेश प्रसाद शुक्ला एंड श्री कवल लाल कुर्रे	-	-	02

2	श्री नितिन कुमार साहू	-	-	01
1.5	**इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग**			
1	डॉ. रोहित राजा एवं डॉ. अमित कुमार देवांगन	-	-	02
2	डॉ. अमित कुमार देवांगन			01
1.6	**मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग**			
1	डॉ. पंकज कुमार गुप्ता	-	-	01
2	डॉ. जसिंता पूनम एक्का	-	01	-
3	श्री मनीष भास्कर	-	-	01
4	श्रीमती श्वेता सिंह	-	01	-
5	श्री प्रदीप पाटनवर	-	01	-
6	श्री प्रशांत कुमार जागड़े	-	01	-
7	श्री भूषण सिंह गौतम	-	02	-
8	श्री प्रतीक गुप्ता	-	01	-
2	**विधि विभाग**			
1				01
3	**जीव विज्ञान विद्यापीठ**			
3.1	**प्राणीशास्त्र विभाग**			
1	प्रो. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	-	-	01
2	डॉ. रोहित सेठ	-	01	-
3	डॉ. सीमा राय	-	01	-
4	डॉ. मोनिका भदौरिया	-	-	01
5	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	-	-	-
6	डॉ. संतोष सिंह	-	-	01
7	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	-	-	01
4	**गणितीय और संचार विज्ञान विद्यापीठ**			
4.1	**सी.एस.आई.टी विभाग**			
1	डॉ. बबीता मांझी (संयोजक)	-	01	-
2	डॉ. पी. पुजारी (सह–संयोजक)	-	01	-
5	**प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ**			
5.1	**भैषजिक विज्ञान विभाग**			
1	डॉ. अल्पना राम	-	-	01
2	डॉ. भारती अहीरवार	-	-	03
3	डॉ. सान्मति कुमार जैन	-	-	01
4	डॉ. सुनील कुमार जैन	-	-	01
5	डॉ. अर्जुन पात्रा	01	-	02
6	डॉ. पी.पी. रॉय	-	-	01
7	डॉ. निशांत जैन	01	-	01
8	डॉ. रवि शंकर पांण्डेय	-	-	01
9	डॉ. के. केशवन	-	-	01
10	डॉ. विवेकानंद मंडल	-	-	01
6	**भौतिकीय विज्ञान विद्यापीठ**			
6.1	**शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग**			
1	प्रो. परमेन्द्र कुमार बाजपेयी	-	-	01
2	डॉ. राजेश शर्मा	01	-	-
7	**सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ**			
7.1	**राजनीति विज्ञान विभाग**			
1	प्रो. अनुपमा सक्सेना (संयोजक)	-	01	-
7.2	**समाज कार्य विभाग**			
1	डॉ. अर्चना यादव	-	02	01
2	डॉ. संज्ञा त्रिपाठी	-	-	01
8	**शिक्षा विद्यापीठ**			
8.1	**शिक्षा विभाग**			
1	प्रो. सुजीत कुमार मिश्रा	01	-	-
2	डॉ. संबीत कुमार पाधी	-	-	04

3	डॉ. विंदेश्वरी पवार	01	01	02
4	डॉ. पायल बैनर्जी	-	-	01
5	डॉ. मुकेश कुमार चंद्राकर	-	-	01
6	डॉ. राजेश्वरी गर्ग	-	-	01
7	डॉ. ज्योती वर्मा	-	-	03
9	**अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान विद्यापीठ**			
9.1	**जैव प्रोद्यागिकी विभाग**			
1	डॉ. धनंजय शुक्ल	-	-	01
2	डॉ. नवीन कुमार विश्वकर्मा	-	-	01
3	डॉ. विकास चंद्रा	-	-	01
9.2	**समाज कार्य विभाग**			
1	प्रो. आर. मेहता	-	-	-
2	डॉ. भास्कर चौरसिया	01	-	-
3	डॉ. दिलीप कुमार	-	01	06
4	डॉ. पुष्पराज सिंह	-	01	-

द. शोध परियोजनाएँ

(i) संचालित शोध परियोजना

क्र.	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक	प्रायोजित कल्सल्टें सी	अनुदान देने वाली संस्था	परियोजना का प्रकार	कुल राशि (लाख में)	स्वीकृति पत्र का दिनांक सहित	परियोजन ा की अवधि	प्राप्त अनुदा न (लाख में)
1	एन्थ्रोपोमैट्रिक असेसमेंट ऑफ न्यूट्रीशनल स्टेट्स अमंग अन्डरप्रिविलेज्ड चिल्ड्रेन एजेड 6-12 इयर्स इन फॉर एडॉप्टेड ग्राम पंचायत ऑफ कोटा, बिलासपुर छत्तीसगढ़, इंडिया	डॉ. सुबल दास		आई.सी.एस. एस.आर., नई दिल्ली	माइनर	4 लाख	फाइल न. 02/139/2021 -2022/ सीएसएसआर/ आरपी/एमएन दिनांक 20.04.2022	1 ईयर	1.60 लाख
2	बायोजियोग्राफी ऑफ माइक्रोबायोम्स ऑफ सोलर स्लैटर्न/सॉल्ट क्रिस्टल्स एंड देयर रोल इन क्रिस्टल आर्किटेक्चर एंड कम्पोजिशन.	डॉ. विकास चंद्रा	-	यूजीसी	स्टार्ट अप ग्रांट	10,00, 000	एफ.30-551/2021 (बीएसआर), 30 नवम्बर 2021	2 ईयर्स	-
3	टेक्सोनॉमी, फाइटोजियोग्राफी एंड डिसपर्सल स्ट्रेटजीस ऑफ द इकोनॉमिकली इम्पॉर्टेंट ट्रॉपिकल लेग्यूम जीनस क्रोटालेरिया एल.	डॉ. एस. श्वेता	स्पॉन्सर्ड	यूजीसी	यूजीसी–बी. एस.आर. स्टार्ट अप ग्रांट	8	नं. एफ.30-551/2021(बीएसआर) दिनांक 29 जुलाई 2021	2 इयर्स	8 लाख फॉर 2 ईयर
4	स्टडीज ऑफ ऑर्गेनाइज्म इन द बेन्थिक जोन ऑफ हसदेव रिवर एंड इम्पैक्ट ऑफ प्रपोज्ड एश डाइक ऑन द रिपेरियन वेजिटेशन एंड कम्युनिटी इन द रिवर बेसिन 2022-23	डॉ. एस. के. प्रजापति		एनटीपीसी		10 लाख	2022_एन.टी.पी. सी._68232_1	1 साल	10 लाख
5	कम्परेटिव स्टडी ऑन होमाजिनियस एंड	डॉ. घोषणा ज्योति	यू.जी.सी. फंडेड	यूजीसी	यूजीसी स्टार्ट अप	10 लाख	एफ.30-551/2021(बीए	2 ईयर्स	

	हेट्रोजिनियस केटालायटिक इस्ट्रीफिकेशन ऑफ मोनो–कार्बोसिलिक एसिड विथ एन–बूटायल अल्कोहल				ग्रांट		सआर) 30/11/2021		
6	मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क (एमओएफ) डराइव्ड नैनोमटेरियल्स: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड कैटलिटिक् एप्लिकेशन्स.	डॉ. सूर्यभान सिंह		यू.जी.सी. नई दिल्ली, 2021-2023	स्टार्ट अप		एफ.30-551 /2021 (बीएसआर))	2 ईयर	8. 0 लाख
7	मेटल नैनोक्लस्टरस / पॉरस कार्बन- बेस्ड कैटेलिस्ट फॉर फ्यूल सेल / एनर्जी स्टोरेज एंड बायोसेंसिंग	डॉ. उदय प्रताप आजाद		यूजीसी, नई दिल्ली 2021-2023	स्टार्ट अप		एफ.30-551 /2021 (बीएसआर))	2 year	8. 0 लाख
8	अ नोवेल इलेक्ट्रो कैटेलिटिक सेंसिंग स्केफोल्ड फॉर नाइट्रो एरोमैटिक कंपाउंडस बेस्ड ऑन ग्राफीन नैनोमटेरियल	डॉ. मनोरमा		सीएसआई आर, नई दिल्ली 2021-2023					
9	डिजाइन एंड सिन्थेसिस ऑफ पॉरस कोवलेंट ऑर्गेनिक केज्स फॉर मॉलीक्यूलर रिकॉग्निशन एंड कैटेलिसिस	डॉ. बी मंडल		यूजीसी स्टार्ट अप नई दिल्ली, 2021-2023	स्टार्ट–अप		एफ.30-551 /2021 (बीएसआर))	2 ईयर	8. 0 लाख
10	मेटल कॉम्प्लेक्स ऑफ ऐमाइड बेस्ड लिगेंड्स फॉर इफिसिऐन्ट सिन्थेसिस ऑफ डिग्रेडेबल बेनिंग पॉलीमर्स एंड सेंसिंग एप्लीकेशन्स	प्रो. जी. के. पात्रा		एस.ई.आर. बी, डी. एस.टी.					
11	डेवलपिंग स्ट्रेटजी फॉर इफिशिएंट हाइड्रोजन जनरेशन फ्रॉम केमिकल हाइड्रोजन स्टोरेज मेटेरियल्स	आशीष कुमार सिंह		डीएसटी, नई दिल्ली, 05 साल (11 अगस्त 2016-10 अगस्त 2022)				05 ईयर	
12	स्टडीज ऑफ सेम मेटलहोस्ट्स: सिंथेसिस, कैरेक्टराइजेशन एंड थेइर रिकग्निशन प्रॉपर्टीज.	डॉ. नीरज कुमारी		यू.जी.सी. स्टार्ट अप नई दिल्ली, 2021-2023	स्टार्ट–अप		एफ.30-551 /2021 (बीएसआर)) दिनांक 30/11/2021	2 ईयर	8. 0 लाख
13	एन एल पॉवर्ड सर्विलांस सिस्टम फॉर लाइव्स्टॉक बेहेवियर डिटेक्शन इन रियल टाइम एंड एनालिटिकल इनसाइट्स जनरेशन सॉफ्टवेयर सूट.	डॉ. आलोक कुमार कुश्वाहा	स्पॉन्सर्ड	MeiTY	रिसर्च	5.57	सी–डीएसी(के) / एडमिन / एचआर / एडमिन_ एपीपी / 2023 / 0360	9 मंथ	5.75
14	इंपैक्ट ऑफ कोविड–19 पैन्डेमिक ऑन लाइवलीहुड ऑफ लेबर्स ऑफ एमएसएमईएस इन	डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा	आई.सी. एस.एस. आर.	आई.सी.एस. एस.आर.	माइनर	2.5	02/107/ओबीसी /2021-22/ICएसएसआर/आरपी/एमएन	1 ईयर	1,5 लाख

	छत्तीसगढ़ (विथ स्पेशल रेफरेंस टू बिलासपुर डिस्ट्रिक्ट)								
15	इन–विट्रो एनालिसिस ऑफ इफेक्ट ऑफ केनाबिडियोल (सीबीडी) एण्ड डेल्टा–9–टेट्राहाइड्रो केनाबाइनोल (टीएचसी) ऑन माइक्रोफेज–मेडिएटेड पैथोजेनेसिस ऑफ लीशमैनिया डोनोवानी, (यूजीसी स्टार्ट–अप)	डॉ. अजय अमित	स्पोनसर्ड	यू.जी.सी.	स्टार्ट-अप	10	एफ.30-551/2021(बीएसआर)	2 ईयर	8
16	"सिंथेसिस एंड एल्ड एन्हेसमेंट ऑफ पाइरोलोक्विनोलिन क्विनोन थ्रू क्लोनिंग एंड ओवरेक्सप्रेशन ऑफ पीक्यूक्यू जीन क्लस्टर इन एंटरोबैक्टर एस्बूरिय पीएसआई 3"	डॉ. चंचल कुमार	स्पोंसर्ड	यूजीसी	स्टार्ट अप	10	एफ.30-551/2021(बीएसआर)	2	8
17	स्टडीज ऑन पोटेंशियल रोल ऑफ सॉल एंजाइम्स इन रेस्टोरेशन ऑफ ट्रॉपिकल सैल (शोरिया रोबस्टा) फॉरेस्ट इन छत्तीसगढ़.	पीएल: डॉ. भावना दीक्षित		सीसीओएसटी, रायपुर		5.0	1747/सीसीओएसटी/एमआरपी/2020 दिनांक 07/12/2020	02 ईयर्स	3.0 लाख
18	अ सर्वे ऑफ मशरूम डायवर्सिटी कन्सर्वेशन थ्रू कम्यूनिटी–बेस्ड नेचरल रिसोर्स मैनेजमेंट एंड इट्स सिग्निफिकन्स फॉर लाइवलीहुड ऑफ ट्रिबल विमन इन बिलासपुर फॉरेस्ट डिवीजन.	पीएल: डॉ. भावना दीक्षित		सीएसपीसी, रायपुर		5.0	09/12(एन)05/आरवाईए/202 दिनांक 02.01.2021	06 मंथ	3.0 I लाख
19	इस्टैब्लिशमेंट ऑफ हाई टेक. बैम्बू प्लांटेशन.	पीएल: डॉ. भावना दीक्षित एंड डॉ. गुंजन पाटिल		रिसर्च एंड एक्सटेंशन डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट एंड क्लाइमेट चेंज, रायपुर छत्तीसगढ़.		15.0	12/10/2022		
20	अ सर्वे ऑन पॉवर्टी एंड लाइवलीहुड वल्नरबिलिटी ऑफ दि रिवराइन कम्यूनिटी इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ पॉल्यूशन ऑफ द अरपा रिवर इन बिलासपुर छत्तीसगढ़.	पीएल: डॉ. ए. के. सिंह		प्लानिंग कमीशन ऑफ छत्तीसगढ़		5 लाख	530/एफ(2)एसएस-04 दिनांक 15/03/2022		3 लाख
21	इफैक्ट ऑफ वेरियस एंथ्रोपोजेनिक पलूटन्ट्स ऑन एवियन डायवर्सिटी पैटर्नस एलॉग अ रूरल–अर्बन ग्रेडियेंट इन बिलासपुर, छत्तीसगढ़.	पीएल: गरिमा तिवारी		सीसीओएसटी, रायपुर, स्टेट गवर्नमेंट.		3.4	1253/सीसीओएसटी/एमआरपी/2021 दिनांक 14/12/21	3 ईयर	0.45

22	आर्कियोलॉजिकल इन्वेस्टिगेशन ऑफ रिहन्द रिवर.	प्रो. प्रवीण कुमार मिश्रा	आईसीएच आर	आईसीएचआर	माइनर	4,75000	एफ. नं. 1-22/2022-2022-आईसीएचआर (जीआईए–III)आरपी.	2 ईयर्स	1,12,813
23	"एस्टेब्लिशिंग दि टीईसी एट जीजीव्ही बिलासपुर" टोटल कॉस्ट ऑफ Rs 3,56,60,000/- (थ्री करोड़ फिफ्टी–सिक्स लाख सिक्सटी थाउजेंड ऑनली) फॉर दि ड्यूरेशन ऑफ 5 ईयर्स, दिनांक 09/03/2023.	डॉ. पी.के. बाजपायी	स्पॉन्सर्ड	डीएसटी	सेंटर	3.656 Cr	एसओ–डीएसटी –टीडीटी–टीईस ी–2022-142-C	5 ईयर	25 लाख
24	पीएमकेव्हीवाय 4.0। स्पेशल प्रोजेक्ट्स स्किल हब इनीशिएटिव फॉर गुरू घासीदास विश्वविद्यालय हैस बीन एलोकेटेड एल्केटेड 2310 टारगेट्स फॉर इम्प्लीमेंटिंग ट्रेनिंग अंडर पीएमकेव्हीवाय 4.0, डेट्स 21/03/2023	डॉ रोहित राजा	स्पॉन्सर	द मिनिस्ट्री ऑफ स्कील डेवलपमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एमएसडीई)	स्किल हब	Approx 1.6 Cr	पीएमकेवीवाई 4.0, दिनांक 21/03/2023	5 ईयर	NA
25	कैपेसिटी बिल्डिंग ऑफ स्टूडेंट्स इन सेंट्रल एंड स्टेट यूनिवर्सिटीज, इनवॉल्विंग देम इन लॉ–कॉस्ट/इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडीज इवॉल्यूएशन स्टडीज	डॉ रोहित राजा	स्पॉन्सर		स्टडी	NA	डीओ–नं. 21-6/2023- टीएस. व्ही दिनांक 10 फरवरी 2023	4 मंथ	NA
26	एंटीकेंसर एवॉल्यूएशन ऑफ नोवेल हाइड्रॉक्सैमिक एसीड्स अस हिस्टोन डिएसिटाइलेज इन्हिबिटर्स (ड्यूरेशन: 29:03:2022 टू 28:03:2024)	डॉ. हरिश रजक	स्पॉन्सर्ड	आईसीएमआर	रिसर्च प्रोजेक्ट	24	एफ. नं. 58/33/2020/पीएचए/बीएमएस	2 इयर्स	Rs.18,16,845 (received on 29.03.2022)
27	एड्जुवेंटेड नैनोपार्टिकुलेट माइक्रो असेंबलीज–बेस्ड इम्यूनोथेरेपी फॉर टाइप I डायबिटीज.	डॉ. रवि शंकर पाण्डेय	स्पॉन्सर्ड	आईसीएमआर	मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट	18 लाख	एफ. नं. 35/09/2022-एनएएनओ/बीएमएस दिनांक 27/01/2023	3 इयर्स	6.2 लाख
28	मेडिसिनल प्लांट रिसर्च	प्रो. व्ही.डी. रंगारी	स्पॉन्सर्ड	यूजीसी–एसएपी	मेजर	52.60		05 ईयर्स	-
29	एक्सप्लोरिंग दि एन्वॉयरनमेंट ऑफ द ब्लेक–होल विथ एक्स–रे बाइनरीज यूजिंग द एस्ट्रोसेट आर्चिवल डाटा.	प्रो. पारीजात ठाकुर	इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो), बैंग्लोर	इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो), बैंग्लोर	गवर्नमेंट	12.6756	https://www.ggu.ac.in/Admin/Files/DepartmentDocument/06292022011343_Sanction%20Letter%20-2021.pdf अप्रैल 19, 2019	2019-2023	12.6756
30	एल्यूस्डेटिंग द एनआईआर–टू विजिबल अप कन्वर्जन ऑफ इनोवेटिव मोलिब्डेट नैनो–फास्फोरस फॉर	डॉ. जय सिंह		डीएसटी	मेजर	42 लाख	सीआरजी/2020/005709, फरवरी, 29, 2021	3 ईयर्स	-

	सेल–इमेजिंग.								
31	डेवलपमेंट ऑफ सेल्फ–पॉवर्ड फ्लैक्सिबल फोटो डिटेक्टर्स बेस्ड ऑफ सोल्यूशन प्रोसेसेबल ऑर्गेनिक–इनऑर्गेनिक टू डाइमेंशनल मेटेरियल्स.	डॉ. अरूण कुमार सिंह	एसईआरबी नई दिल्ली	एसईआरबी, नई दिल्ली	मेजर	32.7 लाख	एसआरजी/2021 /001326. 31 दिसम्बर, 2021	2 ईयर्स	-
32	टेलरिंग दि प्रॉपर्टीज ऑफ 2डी मेटेरियल्स यूसिंग WO_3 एंड MoO_3 नैनोस्ट्रक्चर्स	डॉ. अरूण कुमार सिंह	यूजीसी डीएई सीएसआर, इंदौर		माइनर	2.26 लाख	सीआरएस /2021-22/01/359 दिनांक 30/3/2022	3 ईयर्स	2.26 लाख
33	इन्वेस्टिगेशन ऑफ टोपोलॉजी फेजेज इन वे। सेमिमेटल्स एंड डायरेक्ट सेमिमेटल्स	प्रदीप दास	स्पोन्सर	यूजीसी डीएई सीएसआर	माइनर	6.4	सीआरएस/202-22/01/425 दिनांक 30.03.2022	3 ईयर्स	-
34	"एक्सप्लोरिंग स्ट्रक्चर प्रॉपर्टी रिलेशनशिप इन पोलर मैग्नेट..... मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कपलिंग"	डॉ. जी आर तुरपू	स्पॉन्सर्ड	यूजीसी डीएई सीएसआर	माइनर	8.87	सीएसआर–आई सी–आईएसयूए म–52/ सीएसआर - 335/2020-21/793 दिनांक 04 मार्च 2021	3 ईयर्स	6.74
35	"एक्सप्लोरिंग मल्टीफेरोसिटी हॉलैंडाइट टाइप एमएन–बेस्ड ऑक्साइड मैटेरियल्स थ्रू एक्सपेरिमेंटल एंड थ्योरेटिकल स्टडीज"	डॉ. जी आर तुरपू	स्पॉन्सर्ड	डीएसटी एसईआरबी	मेजर	43.26	सीआरजी / 2021 / 006934	3 ईयर्स	-
36	लोन बीम असिस्टेड मेटल इंर्डर्ड क्रिस्टलिजेशन ऑफ अ–सेमीकंडक्डर्स.	डॉ. शिव पूजन पटेल	स्पॉन्सर्ड	आईयूएसी, नई दिल्ली, अप्रैल 6, 2021	मेजर	10.11	आईयूएसी / XIII.7 / यूएफआर–62315	3 ईयर्स	4.91370
37	ऐन असेसमेंट ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ ट्रिपल तलाक लॉ ऑन मुस्लिम वुमनः अ स्टडी इन दि स्टेट्स ऑफ उत्तर प्रदेश एंड छत्तीसगढ़.	प्रो. अनुपमा सक्सेना	हेरिटेज प्रोजेक्ट	हेरिटेज प्रोजेक्ट	हेरिटेज प्रोजेक्ट	1 लाख	हेरिटेज प्रोजेक्ट	1 ईयर	हेरिटेज प्रोजेक्ट
38	इनर–पार्टी ऑर इंट्रा पार्टी डेमोक्रेसीः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम इंडियाः अ स्टडी ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट इन इंडिया.	डॉ. सांत्वना पांण्डेय	जीजीव्ही	जीजीव्ही	स्पीड मनी	1 लाख	07, शो.वि.प्र. / गु.घा.वि.वि. दिनांक 31.3.2023	15 मंथ	ग्रांट नॉट रिसीव्ड टिल नॉव
39	आइसोलेशन एण्ड कैरेक्टराइजेशन ऑफ एंडोफाइटिक फंगी फ्रॉम सलेक्टेड मेडिसिनल प्लांट्स फॉर देयर बायोटीक पोटेंशियल.	प्रो. आर. मेहता		सीसीओएसटी	माइनर	4.5	1773/ सीसीओएसटी /एमआरपी/2020	3 ईयर्स	1.5
40	एवॉल्यूएशन ऑफ ऑर्गेनिक मैन्यूर / पेस्टिसाइड मैन्यूफैक्चर्ड बाई इकोबलेग्रोऑन वेन्चर्स	प्रो. आर. मेहता	इकोवेल ग्रोइकोन वेंचर्स एलएलपी हार्टली	इकोबेल ग्रोइकोन वेंचर्स एलएलपी हार्टली	-		एमओयू हेज बीन साइंड	3 इयर्स	-

	एलएलपी हेल्थी ऑर्गेनिक		ऑर्गेनिक	ऑर्गेनिक					
41	"अ कम्प्रेहेन्सीव स्टडी ऑफ द इश्यूज ऑफ रिहैबिलिटेशन एण्ड रिसेटलमेंट ऑफ ड्वेलर एट अचानकमार टायगर रिजर्व (एटीआर) एरिया इन छत्तीसगढ़ स्टेट"	पीएल: डॉ. पुष्पेंद्र सिंह Co-PI – डॉ. दिलीप कुमार	नेशनल कमिशन फॉर शेल्यूल्ड ट्राइब्स (एनसीएसटी), नई दिल्ली–110003	नेशनल कमीशन फॉर शैड्यूल्ड ट्राइब्स (एनसीएसटी), न्यू दिल्ली–110003	माइनर	12.60		6 मंथ	6.30
42	इवॉल्यूएशन द इंटर रिलेशनशिप बिटविन एमआई आर.एन.ए. एक्सप्रेशन एण्ड एसएनपीएस इन टारगेट जीन्स इन सिकल सेल डिजीज.	प्रो. एल.व्ही. के.एस भास्कर	स्पॉन्सर्ड	सीएसआईआर–एचआरडीजी	ईएमआर	32.16 लाख	नम्बर 27(0371)/20/ईएमआर-II, दिनांक 17-07-2020)	3 ईयर (01-04-2021 to 31-03-2024)	7.14 लाख (सेंट बैक टू सीएसआईआर)
43	एसोसिएशन ऑफ अपलिन विथ द वासो/ओक्लूसिव पैन क्राइसिस एंड पैन मैसूर इन सिकल सेल डिजीज.	प्रो. एल.व्ही. के.एस भास्कर	स्पॉन्सर्ड	आईसीएमआर	ईएमआर	25 लाख	लेटर नं. 56/4/2019-एचएई/बीएमएस दिनांक 08-07-2019	3 ईयर (06-12-2021 से 05-12-2024).	9.99 लाख

(ii) स्वीकृत शोध परियोजनाएँ

क्र.	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक	प्रायोजित /कन्सल्टेंसी	अनुदान देने वाली संस्था	कुल राशि (लाख में)	स्वीकृति पत्र क्र मांक दिनांक सहित	परियोजना की अवधि	प्राप्त अनुदान
1	बायोरेमेडिएशन ऑफ टक्सटाइल ऐजो–डाई रिएक्टिव रेड 120 बाई बैक्टीरिया आइसोलेटेड फ्रॉम सेंट्रल छत्तीसगढ़.	डॉ. रजत प्रताप सिंह	--	जीजीवी	1 लाख	07/आरडीसी/जीजीव्ही दिनांकः 31.03.2023	2 ईयर्स	No
2	डॉक्यूमेंटेशन ऑफ मेडिकल प्लांट्स ट्रेडिशनली यूज्ड बाई द बैगा ट्राइब्स फ्रॉम अमरकंटक रीजन, मध्य प्रदेश.	डॉ. रमेश कुमार अहिरवार	स्पॉन्सर्ड	जीजीवी, बिलासपुर (छ.ग.)	1 लाख	नं..07/ आरडीसी दिनांक 31-03-2023	01 ईयर	
3	प्रोडक्शन ऑफ फ्यूल्स एण्ड एरोमेटिक्स फ्रॉम लिग्नोसेल्यूलोसिक बायोमासः एन इंटीग्रेटेड बायोरिफाइनरी एप्रोच.	डॉ. पंकज कुमार	स्पॉन्सर्ड	डीबीटी. गवर्मेंट ऑफ इंडिया	29.63	बीटी/पीआर 41120/पीबीडी/26/806/2020	2 ईयर्स	--
4	डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट ऑफ नॉवेल केमोसेंसर फॉर द डिटेक्शन ऑफ एनवायरनमेंटली हैजर्डस एलिमेंटः अ कंबाइंड थ्योरेटिकल एंड एक्सपेरिमेंट	डॉ. बी.एल. साहू	स्पॉन्सर्ड	जीजीवी– स्पीड मनी	1.0	स.नं. 07/यूनिव. आर एंड डी/जीजीव्ही	2	सैंगक्शन्ड

	एप्रोच.							
5	रिसर्च स्पीड मनी ग्रांट (आरएसएमजी).	डॉ. बलबीर कुमार पाण्डेय	NA	जीजीवी बिलासपुर	वन	आर एंड डी नोटिफिकेशन नं. 354 दिनांक 29/03/23	1 ईयर	-
6	बायोलॉजी एण्ड पैटर्न ऑफ जेनेटिक वेरिएशन इन टैमेरिन्डस इंडिका इन सॉउथर्न पार्ट ऑफ छत्तीसगढ़.	पीएल: डॉ. एस.एस. धुरीया		सीसीओएसटी, रायपुर, स्टेट गवर्नमेंट.	4.15	सीसीओएसटी/एमआरपी/2023 दिनांक 3/01/2023	2 ईयर	95000.00
7	कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट इन "मॉनिटरिंग एंड एवॉल्यूएशन ऑफ एपीओ वर्कस डन अंडर सीएएमपीए ईयर 2018-2019"	पीएल: डॉ. के. के. चंद्रा पीएल: डॉ. भावना दीक्षित		सीएएमपीए, डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट, इन्वायरमेंट, एंड क्लाइमेट चेंज, अरण्य भवन, रायपुर	401 लाख	26/03/2022		30.00
8	प्रिपरेशन ऑफ एविफॉनल स्कीम.	पीएल: डॉ. एस.सी तिवारी Co PI- डॉ. जी तिवारी		एनएचएआई	41 लाख			3.00
9	मियावाकी फॉरेस्ट प्लांटेशन.	प्रो. एस.सी. तिवारी		अदाणी इंस्टीट्यूट, छत्तीसगढ़.	2.50 1 लाख पर ऐनम	12.03.2023		--
10	एनालिसिस ऑफ वेव प्रॉपगेशन अनिस्ट्रोपिक स्ट्रक्चर.	डॉ. बृजेंद्र पासवान	जी.जी.वी	यूनिवर्सिटी स्पीड मनी	1 लाख	31/03.2023	1 ईयर	
11	डेवलपमेंट ऑफ मेटल ऑर मेटल ऑक्साइड मॉडिफाइड कार्बन फाइबर बेस्ड् एपॉक्सी कम्पोजिट्स फॉर एन्हांस्ड इलेक्ट्रोमेग्नेटिक शील्डिंग एण्ड मेकेनिकल बिहेवियर.	डॉ. समरजीत सिंह	स्पॉन्सर्ड	गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर	1 लाख	लेटर नं. 354 दिनांक 29-03-23	2 इयर्स	1 लाख
12	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर क्लीनिंग एंड ग्रेडिंग ऑफ एरिया फॉर स्पोट्स फील्ड्स.	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, प्रो. संजीत सरदार एंड ओ.पी. गंगे	------	जीजीवी	1.62 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	1.62
13	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर 400 Mt ट्रैक एंड फुटबॉल फील्ड बाई फिलिंग एंड लेवलिंग दि एरिया.	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, डॉ. बी.आर. रावटे, डॉ. शालिनी मेनन, डॉ. टी.आर. मीना एंड डॉ. व्ही.के चौरसिया	------	जीजीवी	10.26 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	10.26
14	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर कार्पेट ग्रॉसिन इन दि फुटबॉल फील्ड्.	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, प्रो. संजीत सरदार, प्रो. रत्नेश सिंह एंड डॉ. एम.एस. धपोला	-	जीजीवी	14 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	14
15	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर चैन लिंक फेंसिन अराउंड दि सॉर्ट्स फील्ड्स.	प्रो. व्ही.एस. राठौड, प्रो. संजीत सरदार एंड प्रो. रत्नेश सिंह	-	जीजीवी	20.03 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	20.03
16	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर डेवलपिंग स्टोर, टॉयलेट्स, एंड ड्रिंकिंग वॉटर	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, डॉ. बी.आर. रावटे, डॉ शालिनि मेनन, डॉ एम.एस धपोला एंड ओ.पी. गंगे	-	जीजीवी	9.60 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	9.60

	फैसिलिटीज.							
17	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर मैंटेनेंस ऑफ प्ले फील्ड्स विथ इलेक्ट्रिक रोटरी.	प्रो. व्ही.एस. राठौड़, डॉ. कुंवर सिंह एंड डॉ. व्ही.के. चौरसिया	-	जीजीवी	1.16 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	1.16
18	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर स्पोर्ट्स फीइल्ड मैंटेनेंस थ्रू बोर वैल.	प्रो. व्ही.एस राठौड़, डॉ. टी.आर. मीना, एंड डॉ. कुंवर सिंह	-	जीजीवी	1.75 लाख	1589 ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	1.75
19	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर स्पोर्ट्स फॉर लैइंग ऑफ पापलिंग एरॉउड द वुल स्पोर्ट्स एरीना.	प्रो. व्ही.एस. राठौड एंड डॉ. कुंवर सिंह	-	जीजीवी	3.42 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	3.42
20	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर स्प्रिंकर सेट एंड एक्सेसरीज फॉर वाटरिंग द फील्ड्स.	प्रो. व्ही.एस. राठौड़	-	जीजीवी	1.02 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	1.02
21	एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट फॉर थ्री स्टेप फेब्रिकेटेड स्टेयरकेस एट न्यू स्पोर्ट्स एरीना.	प्रो. व्ही.एस. राठौड एंड डॉ. कुंवर सिंह	-	जीजीवी	1.46 लाख	1589/ ईएसटीटी/एडीएम/1/2023 दिनांक 31/03/2023	01 ईयर	1.46
22	इफैक्ट ऑफ जुंबा एंड एरोबिक ऑफ गर्ल्स एंड वुमन टू एसेस बॉडी कम्पोजिशन एंड क्वालिटी ऑफ लाइफ	डॉ. शालिनि मेनन	-	रिसर्च स्पीड मनी ग्रांड (आरएसएमजी), जी.जी.वी	1 लाख	नं./ 07/आरडीसी/जीजीव्ही	1 to 2 ईयर	1.00
23	टर्नरी नैनो–कम्पोजिट फॉर्मेशन ऑफ Bi_2Te_3 विथ डिफरेंट एमांउट ऑफ जिंक ऑक्साइड नैनोस्ट्रक्चर एंड कार्बन नैनो–ट्यूब्स टू ऑप्टिमाइज द थर्मोइलेक्ट्रिक परफॉर्मेंस.	डॉ. जय सिंह	स्पॉन्सर्ड	यूजीसी–डीएई सीएसआर	1.8 लाख	सीआरएस/2022-23/1107	03 ईयर	No
24	एन असेसमेंट ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ ट्रिपल तलाक लॉ ऑफ मुस्लिम वुमनः अ स्टडी इन द स्टेट्स ऑफ उत्तर प्रदेश एण्ड छत्तीसगढ़	प्रो. अनुपमा सक्सेना	हेरिटेज प्रोजेक्ट	हेरिटेज प्रोजेक्ट	1 लाख	हेरिटेज प्रोजेक्ट	हेरिटेज प्रोजेक्ट	1 ईयर
25	इनर–पार्टी ऑर इंटर पार्टी डेमोक्रेसी परस्पेक्टिव्स फ्रॉम इंडियाः अ स्टडी ऑफ छत्तीसगढ़ स्टेट ऑफ इंडिया.	डॉ. सांत्वना पाण्डेय	जी.जी.वी	जीजीवी	1 लाख	07.शो.वि.प्र./गु.घा.वि.वि दिनांक 31.3.2023	15 मंथ	ग्रांट नॉट रिसीव्ड टिल नॉउ.
26	रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम्स ऑफ वुमन ऑफेन्डर्स ए कम्परेटिव स्टडी ऑफ सेंट्रल इंडिया (छग, एमपी, बिहार, झारखण्ड)	डॉ. अर्चना यादव	स्पॉन्सर्ड	नेशनल	1493835	फ.नं. 13(09)/2-22-23/एनसीडब्लू	12 मंथ	-
27	टू स्टडी द पॉसिबल	गीता मिश्रा		जीजीवी	1 लाख	स. नं./07/जीजीव्ही	1.5 ईयर	

	थेरेप्यूटिक इफेक्ट्स ऑफ सलेक्टेड हर्बज फ्रॉम छत्तीसगढ़ स्टेट अगेंस्ट आर्टिफिशियल							
28	डाटाबेस एंड कन्सर्वेशन ऑन मेडिसिनल प्लांट्सः बिलासपुर (छ.ग.)	डॉ. सुषमा जायसवाल	एमओई एंड एआईसीटीई	एमओई एंड एआईसीटीई	1.5 लाख	फ. नं. 2–19 / एआईसीटीई / 2022–23 / बीजीएस222, दिनांक 21 अक्टूबर, 2022	½ ईयर	1.5 लाख

(iii) प्रस्तुत शोध परियोजनाएं

क्र .	प्रस्तुत करने की तिथि	शिक्षक का नाम	विभाग का नाम	संस्था	परियोजना का प्रकार
01.	4/4/2022	डॉ. अखिलेश जैन	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
02.	6/4/2022	डॉ. अल्पना राम	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
03.	6/4/2022	डॉ. अर्जुन पात्रा	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
04.	7/4/2022	डॉ. सीमा पाल	जूलॉजी	डीएसटी	मेजर
05.	7/4/2022	डॉ. सुनिल कुमार जैन	फार्मेसी	सीआरजी	मेजर
06.	7/4/2022	डॉ. के. केसवन	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
07.	7/4/2022	डॉ. भारती अहिरवार	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
08.	7/4/2022	डॉ. नीली रोज एक्का	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
09.	8/4/2022	डॉ. के.पी. मीना	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
10.	8/4/2022	सुशांत कु. वर्मा	जूलॉजी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
11.	11/4/2022	डॉ. गरिमा तिवारी	वानिकी	स्टेट प्लानिंग कमिशन छ.ग.	मेजर
12.	12/4/2022	डॉ. धनंजय शुक्ला	बायो टेक्नोलॉजी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
13.	12/4/2022	डॉ. दिलीप कुमार पाल	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
14.	12/4/2022	डॉ. एम.सी. राव	सिविल इंजीनियरिंग	डीएसटी	मेजर
15.	13/4/2022	डॉ. आशीष कु. सिंह	रसायनिक	एसईआरबी	मेजर
16.	13/4/2022	डॉ. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	जूलॉजी	डीएसटी	मेजर
17.	13/4/2022	डॉ. अजय अमित	फॉरेंसिक साइंस	कोर रिसर्च ग्रांट	मेजर
18.	13/4/2022	डॉ. ए.के. सिंह कुशवाहा	सीएसई	एसईआरबी	मेजर
19.	13/4/2022	डॉ. ए.के. सिंह कुशवाहा	सीएसई	एसईआरबी	मेजर
20.	13/4/2022	डॉ. जय सिंह	भौतिकी	डीएसटी–सीआरजी–सीईआरबी	मेजर
21.	13/4/2022	डॉ. अर्जुन पात्रा (सीओ–पीआइ)	फार्मेसी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
22.	13/4/2022	डॉ. रविशंकर पाण्डेय	फार्मेसी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
23.	13/4/2022	डॉ. आर.पी. पटेल	भौतिकी	एसईआरबी	मेजर
24.	13/4/2022	डॉ. एस.पी. पटेल	भौतिकी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
25.	13/4/2022				मेजर
26.	13/4/2022	डॉ. संजय के. भारती	फार्मेसी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
27.	16/4/2022	डॉ. संतोष सिंह	जुलॉजी	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
28.	23/4/2022	डॉ. पी.के. मिश्रा	इतिहास	आईसीएचआर	मेजर
29.	26/4/2022	डॉ. धनंजय शुक्ला	बायो टेक्नोलॉजी	डीबीटी	मेजर
30.	28/4/2022	डॉ. रोहित राजा	इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	एसईआरबी	मेजर
31.	2/5/2022	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति साइंस	डीएसटी	मेजर
32.	4/5/2022	डॉ. हरित झा	बायो टेक्नोलॉजी	डीबीटी	मेजर
33.	4/5/2022	डॉ. एस.के. पाण्डेय	वनस्पति साइंस	रूरल डेवलपमेंट	मेजर
34.	4/5/2022	डॉ. सुनील कुमार जैन	फार्मेसी	सीजीसीओएसटी	मेजर
35.	6/5/2022	डॉ. गुंजन पाटिल	वानिकी	स्टेट प्लानिंग कमिशन छ.ग.	मेजर
36.	12/5/2022	डॉ. पी. आर. सिंह	रूरल टेक्नोलॉजी	वाटर Res. डिविजन, छत्तीसगढ़	मेजर
37.	13/5/2022	डॉ. सुषमा जायसवाल	सीएसआईटी	आईएसआरओ	मेजर
38.	18/5/2022	डॉ. मनीषा दुबे	इकोनॉमिक्स	स्टेट प्लानिंग कमिशन छ.ग.	मेजर

39.	9/6/2022	डॉ. ए.के. दीक्षित	वनस्पति साइंस	एनटीपीसी	मेजर
40.	21/6/2022	डॉ. अजय अमित	फॉरेंसिक साइंस	सीजीसीओएसटी	मेजर
41.	24/6/2022	डॉ. मनोज कुमार	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
42.	1/7/2022	डॉ. सुधीर यादव	फॉरेंसिक साइंस	सीजीसीओएसटी	मेजर
43.	6/7/2022	डॉ. मनोज कुमार	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
44.	14/7/2022	डॉ. सुशांत कु वर्मा	जुलॉजी	डीबीटी	मेजर
45.	28/7/2022	डॉ. अर्जुन पात्रा	फार्मेसी	आईसीएमआर	मेजर
46.	28/7/2022	डॉ. एल.व्ही.के.एस. भास्कर	जुलॉजी	एनटीपीसी–कन्सल्टेंसी	मेजर
47.	2/8/2022	डॉ. अमित कुमार	वानिकी	सीजीसीओएसटी	मेजर
48.	8/8/2022	डॉ. गणेश पं. शुक्ला	आईपीई	सीजीसीओएसटी	मेजर
49.	12/8/2022	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	डीएसटी	मेजर
50.	12/8/2022	डॉ. अजय अमित	फॉरेंसिक साइंस	आईसीएमआर	मेजर
51.	6/9/2022	डॉ. गरीमा तिवारी	वानिकी	स्टेट प्लानिंग कमिशन छ.ग.	मेजर
52.	8/9/2022	डॉ. अजय कुमार	वानिकी	एमओईएफसीसी	मेजर
53.	14/9/2022	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
54.	16/9/2022	डॉ. डी.के. पटेल	वनस्पति विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
55.	16/9/2022	डॉ. प्रिंसी मटलानी	सीएसई	एसईआरबी–एसआईआरजी	मेजर
56.	28/9/2022	डॉ. सतेन्द्र निराला	रूरल टेक्नोलॉजी	स्टेट प्लानिंग कमिशन	मेजर
57.	30/9/2022	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	डीएसटी	मेजर
58.	30/9/2022	डॉ. सुधीर एस. कावरे	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
59.	30/9/2022	डॉ. ज्योती वर्मा	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
60.	30/9/2022	डॉ. सोनिया स्थापक	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
61.	3/10/2022	डॉ. एस.एच. बोडखे	फार्मेसी	यूजीसी	मेजर
62.	6/10/2022	डॉ. जे.पी. जायसवाल	गणित	यूजीसी	मेजर
63.	6/10/2022	डॉ. मुकेश कुमार चंद्राकर	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
64.	6/10/2022	डॉ. पायल बाजपायी	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
65.	6/10/2022	डॉ. अजय एस. कुजूर	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
66.	7/10/2022	डॉ. बी.पी. सिंगरौल	वाणिज्य	आईसीएसएसआर	मेजर
67.	11/10/2022	डॉ. अजय कु. सिंह	वानिकी	आईसीएसएसआर	मेजर
68.	11/10/2022	डॉ. चौलानी मानपुंग	वानिकी	यूजीसी	मेजर
69.	11/10/2022	डॉ. चंद्रेश कु. सिंह	वानिकी	यूजीसी	मेजर
70.	13/10/2022	डॉ. पी.आर. सिंह	रूरल टेक्नोलॉजी	आईसीएसएसआर	मेजर
71.	13/10/2022	डॉ. अमित मंगलानी	वाणिज्य	आईसीएसएसआर	मेजर
72.	13/10/2022	डॉ. सुजीत कुमार	एजुकेशन	आईसीएसएसआर	मेजर
73.	14/10/2022	डॉ. सुधीर यादव	फॉरेंसिक साइंस	आईसीएसएसआर	मेजर
74.	14/10/2022	डॉ. अर्चना यादव	सामाजिक कार्य	आईसीएसएसआर	मेजर
75.	19/10/2022	डॉ. अमित मंगलानी	वाणिज्य	आईसीएसएसआर	मेजर
76.	26/10/2022	डॉ. सांत्वना पाण्डेय	राजनीति विज्ञान	आईसीएसएसआर	मेजर
77.	27/10/2022	डॉ. दिलीप कुमार पाल	फार्मेसी	एआईसीटीई	मेजर
78.	28/10/2022	डॉ. ज्योती वर्मा	एजुकेशन	MoE@AICTE	मेजर
79.	28/10/2022	डॉ. भारती अहिरवार	फार्मेसी	एआईसीटीई	मेजर
80.	28/10/2022	डॉ. अजय अमित	फॉरेंसिक साइंस	एआईसीटीई(आईकेएस)	मेजर
81.	16/12/2022	डॉ. डी.के. पटेल	वनस्पति विज्ञान	आईकेएस	मेजर
81	18/12/2022	डॉ. अर्चना यादव	सामाजिक कार्य	सीजीबीबी, रायपुर	मेजर
82.	22/12/2022	डॉ. जय सिंह	भौतिक	डे ”केयर सेंटर	मेजर
83.	3/1/2023	डॉ. देवेन्द्र सिंह पोर्टे	रूरल टेक्नोलॉजी	यूजीसी–डीएई–सीएसआर	मेजर
84.	11/1/2023	डॉ. चौलानी मानपुंग	वानिकी	एनएबीएआरडी	मेजर
85.	11/1/2023	डॉ. चौलानी मानपुंग	वानिकी	जीजीव्ही–स्पीड मनी	मेजर
86.	13/1/2023	डॉ. चौलानी मानपुंग	इतिहास	आईसीएसएसआर	मेजर
87.	13/1/2023	डॉ. पी.आर. सिंह	रूरल टेक्नोलॉजी	डीबीटी	मेजर
88.	13/1/2023	डॉ. दिलीप कुमार	रूरल टेक्नोलॉजी	आईसीएसएसआर	मेजर
89.	16/1/2023	डॉ. एस.सी. तिवारी	वानिकी	अदाणी फाउंडेशन	मेजर
90.	18/1/2023	डॉ. बबीता मांझी	सीएसआईटी	डीबीटी	मेजर
91.	18/1/2022	डॉ. अर्चना यादव	सोशल वर्क	आईसीएसएसआर	मेजर
92.	20/1/2023	डॉ. श्राबंती मंडल	सीएसआईटी	रूरल डेवलपमेंट	मेजर
93.	27/1/2023	डॉ. गुंजन पाटिल	वानिकी	स्टेट फॉरेस्ट डिपार्टमेंट	मेजर

94.	27/1/2023	डॉ. गुंजन पाटिल	वानिकी	स्टेट फॉरेस्ट डिपार्टमेंट	मेजर
95.	6/2/2023	डॉ. के. केसवन	फार्मेसी	डीबीटी	मेजर
96.	17/2/2023	डॉ. गुंजन पाटिल	वानिकी	डीबीटी	मेजर
97.	20/2/2023	डॉ. ए.के. सिंह कुशवाहा	सीएसई	एआईसीटीई	मेजर
98.	24/2/2023	डॉ. अर्जुन पात्रा	फार्मेसी	आईकेएस	मेजर
99	24/2/2023	डॉ. नीली रोज एक्का	फार्मेसी	एआईसीटीई	मेजर
100	24/3/2023	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	एआईसीटीई	मेजर
101	27/2/2023	डॉ. बलबीर कु. पाण्डेय	सिविल इंजीनियरिंग	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
102	1/3/2023	डॉ. कांथा पाणिग्रही	मानवशास्त्र	एसईआरबी	मेजर
103	1/3/2023	डॉ. चौलानी मानपुंग	वानिकी	एसईआरबी–डीएसटी	मेजर
104	2/3/2023	डॉ. मनोज कुमार	फार्मेसी	एआईसीटीई	मेजर
105	3/3/2023	डॉ. एस.के. जैन	फार्मेसी	डीएसटी	मेजर
106	3/3/2023	डॉ. निशांत एस. जैन	फार्मेसी	सीआरजी	मेजर
107	6/3/2023	डॉ. ए.के. पाराशर	सिविल इंजीनियरिंग	सीआरजी	मेजर
108	6/3/2023	डॉ. के.पी. नामदेव	फार्मेसी	सीआरजी	मेजर
109	7/3/2023	डॉ. शालिनी मेनन	फिजिकल एजुकेशन	एसईसीएल, बिलासपुर	मेजर
110	7/3/2023	डॉ. के. केसवन	फार्मेसी	सीओआरई–सीईआरबी	मेजर
111	7/3/2023	डॉ. रेणु भट्ट	बायो टेक्नोलॉजी	सीआरजी–एसईआरबी	मेजर
112	9/3/2023	डॉ. अखिलेश के. जैन	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
113	10/3/2023	डॉ. एन.के. विश्वकर्मा	बायो टेक्नोलॉजी	सीईआरबी–डीएसटी	मेजर
114	13/3/2023	डॉ. एम.सी. राव	सिविल इंजीनियरिंग	सीईआरबी–डीएसटी	मेजर
115	13/3/2023	डॉ. भारती अहिरवार	फार्मेसी	एसईआरबी	मेजर
116	13/3/2023	डॉ. निपुण कु. मिश्रा	ईसीई	सीआरजी	मेजर
117	13/3/2023	डॉ. जसिंता पूनम एक्का	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	एसईआरबी	मेजर
118	14/3/2023	डॉ. के. केसवन	फार्मेसी	डीबीटी	मेजर
119	14/3/2023	डॉ. एस.पी. पटेल	भौतिक विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
120	14/3/2023	डॉ. रूचि त्रिपाठी	ईसीई	एसईआरबी	म्जर
121	14/3/2023	डॉ. रोहित राजा	इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	एसईआरबी	मेजर
122	14/3/2023	डॉ. एस.के. शाही	वनस्पति विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
123	14/3/2023	डॉ. सुशांत कुमार वर्मा	जन्तु विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
124	14/3/2023	डॉ. संतोष सिंह	जन्तु विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
125	14/3/2023	डॉ. मनीष कुमार त्रिपाठी	जन्तु विज्ञान	डीएसटी–एसईआरबी	मेजर
126	14/3/2023	डॉ. अल्का सिंह	भौतिक विज्ञान	एसईआरबी	मेजर
127	14/3/2023	डॉ. धनंजय शुक्ला	बायो टेक्नोलॉजी	एसईआरबी	मेजर
128	14/3/2023	डॉ. ए.के. सिंह कुशवाहा	सीएसई	एसईआरबी	मेजर
129	14/3/2023	डॉ. ए.के. सिंह कुशवाहा	सीएसई	एसईआरबी	मेजर
130	15/3/2023	डॉ. संतोष सोनी	इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी	एसईआरबी	मेजर
131	16/3/2023	डॉ. सौरभ मेश्राम	केमिकल इंजीनियरिंग	एसईआरबी	मेजर
132	21/3/2023	डॉ. मनीष त्रिपाठी	जन्तु विज्ञान	डीएसटी	मेजर
133	27/3/2023	डॉ. जे.पी. जायसवाल	गणित	एसईआरबी	मेजर
134	28/3/2023	डॉ. बबीता मांझी	सीएसआईटी	एसईआरबी	मेजर
135	28/3/2023	डॉ. अजय कुमार सिंह	वानिकी	एसईआरबी–डीएसटी	मेजर
136	28/3/2023	डॉ. अर्चना यादव	सामाजिक कार्य	एसईसीएल, बिलासपुर	मेजर

ई. पेटेंट डिटेल्स

क्र.	शिक्षक का नाम	पद	वर्ग (अ. जा./अ. ज.जा. /अ.पि.व. /सामान्य)	महिला/ पुरूष	कृपया सही (✓) का निशान लगायें				
					पेटेंट विवरण	पेटेंट फिल्ड	पेटेंट पब्लिश्ड	पेटेंट ग्रांटेड	पेटेंट लाईसेंस
केमिकल इंजीनियरिंग विभाग									
1	डॉ. एस. मेश्राम	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	लीड टॉक्सिटी डिटेक्टर एंड वॉटर क्लीनिंग मशीन.	✓	✓	✓	
2	डॉ. अमित जैन	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	सेलर कलेक्शन अब्सॉर्बर प्लॉट (एप्लीकेशन नं. 367141-001)	✓			

							✓	✓	
3	डॉ. अमित जैन	सह–प्राध्यापक	राष्ट्रीय	पुरूष	माइक्रो–चैनल हीट सिंक विथ रिब्स.	✓	✓	✓	
4	डॉ. घोषणा ज्योती	सहायक प्राध्यापक	राष्ट्रीय	महिला	सोलर पावर्ड सनशेड कर्टन फॉर कार्स.	✓	✓	✓	
सिविल इंजीनियरिंग विभाग									
1	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस इनेबल एक्सिडेंट नॉटिफाइंग डिवाइस फॉर व्हीकल्स.	-	-	✓	361768-001
2	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	एन आर्टिफिशियन इंटेलिजेंस एंड–मशीन लर्निंग डिवाइस एंड इट्स मेथड थ्योरीफ.	-	✓	-	-
3	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	डेवलपमेंट ऑफ अल–इनेबल स्मार्ट ड्रिप वाटर इरीगेशन सिस्टम यूसिंग एलओटी.	-	✓	-	-
4	प्रो. शैलेन्द्र कुमार	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	डेवलपमेंट ऑफ सीन परसेप्शन सिस्टम फॉर विजुअल इम्पायर्ड पीपल यूसिंग एलओटी बेस्ड सिस्टम.	-	✓	-	-
5	डॉ. कुंदन मेश्राम	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	अ सिस्टम फॉर इफेक्टिव्ली प्रोडक्शन यील्ड फ्रॉम प्लांट लीफ इमेजरी.	-	-	✓	2022/07783
6	डॉ. कुंदन मेश्राम	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	ट्रेकिंग एंड अलर्टिंग ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यूसिंग लॉट फॉर स्मार्ट सिटी.	-	-	✓	यूएस 11,288,954
7	श्रीमती सोनल बंछोर	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	मेथड फॉर द डिटर्मनेशन ऑफ फ्लेक्शर बिहेवियर ऑफ रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट बीम्स.	-	✓	-	-
8	श्रीमती सोनल बंछोर	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	हाई–परफॉर्मेंस जियोपॉलीमर कॉन्क्रीट एंड प्रिपरेशन मैथड देयर ऑफ.	-	✓	-	-
9	श्रीमती सोनल बंछोर	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	डिवाइस टू मॉनिटर थेफ्ट बाई आईडेंटिफाइंग सैलिएंट ऑब्जेक्ट.	-	✓	-	-
10	श्रीमती सोनल बंछोर	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	एसपीएडीई	-	-	✓	375243-001
कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग									
1	वैभवकांत सिंह	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	अ डुएल ऑथेंटिकेशन इम्प्लेमेंटेशन यूसिंग बायोमेट्रिक प्रॉपर्टीज ऑफ फिंगरप्रिंट एंड फेस मैचिंग एज एण्ड जेंडर एप्लीकेशन नं. 202221063732	-	✓	-	-
2	सतीश कुमार नेगी	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	अ स्मार्ट वियरेबल डिवाइस–फॉर अर्ली डिटेक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ कोविड-19 केसेज. पेटेंट नं. 2021104281	-	✓	-	-
3	श्री अमित बघेल	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	अ स्मार्ट वियरेबल डिवाइस–फॉर अर्ली डिटेक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ कोविड -19 केसेज. पेटेंट नं. 2021104281	-	✓	-	-
4	डॉ. देवेन्द्र सिंह	सहायक प्राध्यापक	एससी	पुरूष	अ स्मार्ट वियरेबल डिवाइस फॉर अर्ली डिटेक्शन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ कोविड -19 केसेज. पेटेंट नं. 2021104281	-	✓	-	-
5	आलोक कुमार सिंह कुशवाहा	सह–प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	एन अनमैन्ड एरियल–व्हीकल फॉर सर्विलांस पेटेंट नं. 202021045472 ए	-	✓	-	-
इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग									
1.	डॉ. निकिता कश्यप	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	"इम्प्रूव्ड स्टेबिलिटि एंड एफिशिएंसी ऑफ ऑर्गेनिक टंडेम सोलर सेल्स विथ				

					लॉ–लॉस इंटरकनेक्टिंग लेयर्स" इन पेटेंट ऑफिस जर्नल नं. 38 / 2022 दिनांक सितम्बर 23, 2022, एप्लिकेशन नं.– 202241053333 ए.				
इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग									
1	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	एन आर्टीफिसियल इनटेलिजेंट्स एंड मशीन लर्निंग बेस्ड ऑटोमेटिक पेनल्टी डिवाज एंड आईटीएस मेथड थ्योरीफ.		✓		
2	डॉ. अमित कुमार अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	एन आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग बेस्ड ऑटोमेटिक पेनल्टी डिवाइस एंड आईटीएस मेथड थ्योरीफ.		पब्लिशेड		
3	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	मेथड एंड सिस्टम फॉर वायरलेसली चार्जिंग ऑफ एन अप्लायंस, एप्लीकेशन नं. 201811040942, दिनांक ऑफ फाइलिंग एप्लीकेशन 30/10/2018, पब्लिकेशन दिनांक 28/12/2018, पेटेंट नं. 394722, दिनांक ऑफ सर्टिफिकेट इश्यू 12/04/2022.			ग्रांटेड	
4	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	एन अनमैन्ड एरियल व्हीकल फॉर सर्विलांस, एप्लीकेशन नं. 202021045472 एंड फाइलिंग दिनांक 20/10/2020, पब्लिकेशन दिनांक 13/11/2020. पेटेंट नं. 401497, दिनांक ऑफ सर्टिफिकेट इश्यू 18/07/2022			ग्रांटेड	
5	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	मैकेनिज्म्स टू प्रिवेंट रोड एक्सिडेंट्स इन लॉ लाइट इंटेंसिटी एन्वायरनमेंट्स यूजिंग अ ड्रोन सिस्टम, एप्लीकेशन नं. 201821047908, दिनांक ऑफ फाइलिंग एप्लीकेशन 18/12/2018, पब्लिकेशन दिनांक 08/02/2019, ग्रांटेड एप्लीकेशन, पेटेंट नं. 418358.			ग्रांटेड	
6	डॉ. रोहित राजा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	अ सिस्टम एंड मेथड फॉर फाइंडिंग सूटेबल सोलर पैनेट इंस्टालेशन साइट, एप्लीकेशन नंम्बर 202321008005 एंड फाइलिंग दिनांक 08/02/2023, पब्लिकेशन दिनांक 17/02/2023.		पब्लिशेड		
मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग									
1	डॉ. टी. व्ही. अर्जुनन श्री. प्रदीप पाटनवार श्री मनीष भास्कर	प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक सहायक प्राध्यापक	ओबीसी सामान्य एससी	पुरूष	इंटरनेशन (Ref. एप्लीकेशन नं 202023100669) ग्रांटेड दिनांक 16/03/2023)	✓	✓	✓	
2	डॉ. अनूप कुमार साहू	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	नेशनल (Ref. एप्लीकेशन नं. 202241021032A) पब्लिकेशन दिनांकः 22/04/2022	✓	✓		
3	डॉ. अनूप कुमार साहू	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	नेशनल (Ref. एप्लीकेशन नं. 202241023089A) पब्लिकेशन दिनांकः 06/05/2022	✓	✓		
कॉमर्स विभाग									

1	डॉ. मुकेश अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	ब्लॉक चेन बेस्ड सिस्टम फॉर कॉरपोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी टू एनजीओएस		✓		
2	डॉ. मुकेश अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	योगा बेड फॉर हेल्थ ट्रेकिंग		✓	✓	
3	डॉ. मुकेश अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	क्राइसिस मैनेजमेंट मॉडल फॉर रिफ्लेक्शन ऑन मार्केटिंग एजुकेशन सिस्टम्स ट्रांसफॉरमेशन		✓		
4	डॉ. मुकेश अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	रिडिजाइन्ड रोबोटिक्स बेस्ड फ्रॉड डिटेक्शन एंड डुप्लीकेसी ट्रेकिंग फॉर आधार कार्ड एंड पैन कार्ड		✓		
5	डॉ. मुकेश अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	डेवलपमेंट एल बेस्ड मॉनिटरिंग सिस्टम फॉर स्टूडेंटस अटेंडेंस एंड टिचर्स फिडबेक फॉर डिस्टेंस एजुकेशन इंस्टिट्यूशन्स		✓		
कम्प्यूटर साइंस एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी विभाग									
1	डॉ. विकास कुमार पाण्डेय	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	मशील लर्निंग बेस्ड ह्यूमनॉइड रोबोट फॉर फेस मास्क एंड सेनीटाइजर डिस्पेंसिंग.				
फार्मेसी विभाग									
1	डॉ. एस.एच. बोडखे	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	इंडियन पेटेंट	1		2	
2	डॉ. हरिश रजक	सह–प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	साउथ अफ्रीकन पेटेंट			1	
3	डॉ. एस.के. लांझियाना	सह–प्राध्यापक	एससी	पुरूष	इंडियन पेटेंट / डिजाइन पेटेंट	1	10		
4	सुश्री मीनाक्षी जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	महिला	इंडियन पेटेंट	1	7		
5	सुश्री मीनाक्षी जायसवाल	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	महिला	जर्मन पेटेंट			1	
6	डॉ. केदार प्रसाद मीना	सहायक प्राध्यापक	एसटी	पुरूष	इंडियन पेटेंट	1			
7	डॉ. डॉ. निशांत जैन	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	इंडियन पेटेंट / डिजाइन पेटेंट	1			
8	डॉ. हरिश रजक	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	इंडियन पेटेंट		1		
9	डॉ. अखिलेश जैन	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	इंडियन पेटेंट	1			
10	डॉ. शिवानी आर पालीवार	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	महिला	इंडियन पेटेंट		1		
11	अर्जुन पात्रा	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	इंडियन पेटेंट	2			
12	डॉ. अल्पना राम	प्राध्यापक	सामान्य	महिला	जर्मन पेटेंट	1			
13	प्रो. (डॉ.) दिलीप कुमार पाल	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	इंडियन पेटेंट		1	1	1
14	प्रो. के.पी. नामदेव	प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	इंडियन पेटेंट	1	2		
इकोनॉमिक्स विभाग									
1	प्रो. मनीषा दुबे	प्राध्यापक	सामान्य	महिला	इंडियन पेटेंट पब्लिश्ड ऑन 11.03.2022 द पेटेंट ऑफिस जनरल नं. 10/2022 दिनांक 11/03/2022	टाइटल– टूरिज्म अस अ डेवलपमेंट स्ट्रेटजी इन माइको रीजन ऑन इंडिया नं. 202241009 908 A	----	इंडियन पेटेंट पब्लिश्ड ऑन 11.03.2022	-----
जैव प्रौद्योगिकी विभाग									
	डॉ. हरित झा	सह–प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष		(12)			
	डॉ. नवीन कुमार	सहायक	ओबीसी	पुरूष		(1)			

	विश्वकर्मा	प्राध्यापक							
ग्रामीण प्रोद्योगिकी विभाग									
1	डॉ. पूनम सोनी	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	202221054753		✓		
2	डॉ. पूनम सोनी	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	202321008005		✓		
3	डॉ. सतेंन्द्र कुमार निराला	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	202221056592		✓		
4	डॉ. सतेंन्द्र कुमार निराला	सहायक प्राध्यापक	ओबीसी	पुरूष	202221052604		✓		
5	डॉ. पीयूष शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	202221032068	✓			
6	डॉ. पीयूष शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	202121056442	✓			
7	डॉ. पीयूष शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	202121054941	✓			
8	डॉ. पीयूष शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	202121046104	✓			
9	डॉ. पीयूष शुक्ला	सहायक प्राध्यापक	सामान्य	पुरूष	202221047531	✓			

परिशिष्ट– V

छात्रों की उपलब्धियाँ

(अ) परिसर स्थानन विवरण

क्र .	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग (अ.जा. /अ.ज.जा. /अ.पि.व. /सामान्य	महिला/ पुरूष	संस्था का नाम	स्थानन का दिनांक	वार्षिक आय (लाख में)	रिमार्क
अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी अध्ययन शाला								
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग								
1.	अमोघ प्रवीण पेटे	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	अमेरिकन एक्सप्रेस	14/07/2022	17.78	
2.	बथकला नवीन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	टेक्नोलॉजी महिन्द्रा	15/12/2022	3.50	
3.	चिप्पडा मोनिशा	बी.टेक	एस.सी	महिला	जेमिनी सॉल्यूशन्स	11/08/2022	8.00	
4.	डी. साई लक्ष्मी	बी.टेक	सामान्य	महिला	हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज	02/02/2023	6.00	
5.	हिमांशु गुप्ता	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	अमेरिकन एक्सप्रेस	14/07/2022	17.78	
6.	लवनुरू लक्ष्मीकीर्ति	बीटेक	सामान्य	महिला	इन्वेस्ट सॉल्यूशन्स	12/04/2023	5.00	
7.	प्रद्युम्न कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	रेसिलिएंस सॉफ्ट	07/02/2023	3.60	
8.	प्रद्युम्न कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	माउंट ब्लू टैक्नोलॉजीज	01/04/2023	4.00	
9.	प्रद्युम्न कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	सीमेंस	15/04/2023	8.60	
10.	रचापल्ली नागा रामा कृष्णा प्रसाद	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हेक्सावेयर	04/10/2022	4.00	
11.	राघव मिश्रा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	टीसीएस	21/09/2022	7.00	
12.	राहुल कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	कोरिओलिस प्रौद्योगिकियाँ	26/09/2022	5.50	
13.	रवि प्रकाश गुप्ता	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	इंफोसिस	29/07/2022	6.25	
14.	सौरभ वर्मा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	टेक. महिन्द्रा	15/12/2022	3.25	
15.	शुभम वार्ष्णेय	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	जेमिनी सॉल्यूशन	11/08/2022	8.00	
16.	सुरज पटेल	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	टीसीएस	02/07/2022	3.36	
17.	सुशील कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	इंफोसिस	29/07/2022	9.50	
18.	स्वाती कुमारी	बी.टेक	ओबीसी	महिला	एचसीएल	24/03/2023	4.25	
19.	स्वाती कुमारी	बी.टेक	ओबीसी	महिला	स्टैण्डर्ड चार्टर्ड	16/03/2023	8.25	
20.	ववीला महेश बाबू	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	टीसीएस	02/07/2022	3.36	
21.	युधिष्ठिर सिंह गौर	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	जेमिनी सॉल्यूशन्स	11/08/2022	8.00	
22.	युवराज सिंह	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	इंफोसिस	29/07/2022	6.25	
23.	युवराज सिंह	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	टीसीएस	02/07/2022	7.02	
केमिकल इंजीनियरिंग विभाग								
1	अभिषेक सोनी	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	सुजलकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट एलटीडी. हैदराबाद	2/06/2022	1,80,000/-	
2	अमित दीक्षित	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	सुजलकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट एलटीडी. हैदराबाद	2/06/2022	1,80,000/-	
3	निषेक कुमार गौतम	बी.टेक	एस.सी	पुरूष	सुजलकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट एलटीडी.	2/06/2022	1,80,000/-	

					हैदराबाद.			
4	प्रांजल निर्मलकर	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	सुजलकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट एलटीडी. हैदराबाद	2/06/2022	1,80,000/-	
5	उज्जवल कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	सुजलकेम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट एलटीडी. हैदराबाद	2/06/2022	1,80,000/-	
6	एकांश कुमार	बी.टेक	एससी	पुरूष	कैमिनोवा पनोली	15/05/2022	1,80,000/-	
इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग								
1.	ऋषभ उपाध्याय	बीई	सामान्य	पुरूष	हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज टीसीएस हाई–टेक नेक्स्ट हाई–टेक नेक्स्ट हाई–टेक नेक्स्ट हाई–टेक नेक्स्ट हाई–टेक नेक्स्ट हाई–टेक नेक्स्ट टेक महिन्द्रा टीसीएस लर्निंग राउट्स	31/12/2022	6	
2.	कूलू श्याम प्रभात भूषण वर्मा	बीई	एससी	पुरूष		05/08/2022	4	
3.	सगम नरसिंम्हा	बीई	सामान्य	पुरूष			3.36	
4.	अमित मिश्रा	बीई	सामान्य	पुरूष		02/11/2022	2.6	
5.	अनिश कुमार	बीई	ओबीसी	पुरूष		02/11/2022	2.6	
6.	कौशिक घोष	बीई	ओबीसी	पुरूष		02/11/2022	2.6	
7.	मुर्शीद रजा	बीई	ओबीसी	पुरूष		02/11/2022	2.6	
8.	प्रवीन ठाकरे	बीई	एससी	पुरूष		02/11/2022	2.6	
9.	विरेन्द्र यादव	बीई	ओबीसी	पुरूष		02/11/2022	2.6	
10.	प्रिंस जयसवाल	बीई	ओबीसी	पुरूष			3.25	
11.	प्रिंस जयसवाल	बीई	ओबीसी	पुरूष			3.36	
12.	रेड्डी अखिला	बीई	ओबीसी	महिला		17/03/2023	5.7	
औद्योगिक एवं उत्पाद विभाग								
1.	अंकित सिसोदिया	बी. टेक	एससी	पुरूष	हाई टेक नेक्स्ट कोलकाता	03/11/2022	2.64	1
2.	जी.. मौलाली	बी. टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई टेक नेक्स्ट कोलकाता	03/11/2022	2.64	2
3.	शिव ओम सिंह	बी. टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई टेक नेक्स्ट कोलकाता	03/11/2022	2.64	3
इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग								
1.	कुमाल राज	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
2.	प्रवीन कुमार	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
3.	अमित कुमार	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
4.	शिव कुमार	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
5.	मिठु कुमार गुप्ता	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
6.	अक्षय कुमार शाह	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	09-01-23	4.08 एलपीए	
7.	प्रभात गौरव	बी.टेक		पुरूष	इन्फोसिस		905 एलपीए	
8.	सूर्य प्रकाश त्रिपाठी	बी.टेक		पुरूष	टीसीएस		4.0एलपीए	
9.	सूर्य प्रकाश त्रिपाठी	बी.टेक		पुरूष	हेक्सावेयर		4.0 एलपीए	
10.	राहुल	बी.टेक		पुरूष	टेक. महिन्द्रा		3.25 एलपीए	
11.	सुर्यांश शुक्ला	बी.टेक		पुरूष	टीसीएस	28-12-23	4.0 एलपीए	
12.	सुर्यांश शुक्ला	बी.टेक		पुरूष	मास्टरदेखो	25-12-22		
13.	तसव्वूरमेहनाज	बी.टेक		महिला	टीसीएस	22-9-22	7.0 एलपीए	
14.	अनुराह सिंह	बी.टेक		पुरूष	हेक्सावेयर		4.0 एलपीए	
15.	राजेश गुप्ता	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	1-04-23	4.08 एलपीए	
16.	प्रवीण कुमार	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	1-04-23	4.08 एलपीए	
17.	मुकेश	बी.टेक		पुरूष	टेक. महिन्द्रा	15-12-22	3.25 एलपीए	
18.	प्रयास कुमार	बी.टेक		पुरूष	कोरिओलिस	26-09-22	5.5 एलपीए	

					टेक्नोलॉजी प्राइवेट एलटीडी			
19	शिवम	बी.टेक		पुरूष	Gemini Solutions	11-08-22	8.0 एलपीए	
20	धीरेन्द्र नाथ तिवारी	बी.टेक		पुरूष	टीसीएस	25-11-22	4.0एलपीए	
21	सोनु	बी.टेक		पुरूष	टेक महिन्द्रा	15-12-22	3.25 एलपीए	
22	अभिषेक श्रीवास्तव	बी.टेक		पुरूष	कोरिओलिस टेक्नोलॉजी प्राइवेट एलटीडी	26-09-22	5.5 एलपीए	
23	कौशल माल्वीया	बी.टेक		पुरूष	एक्सएल बाइट	21-03-23	3.0 एलपीए	
24	कौशिक तिवारी	बी.टेक		पुरूष	टीसीएस	22-9-22	4.0 एलपीए	
25	कौशिक तिवारी	बी.टेक		पुरूष	टेक. महिन्द्रा	15-12-22	3.25 एलपीए	
26	सुशांत कुमार	बी.टेक		पुरूष	एक्सएल बाइट	21-03-23	3.0 एलपीए	
27	इशिका साहू	बी.टेक		महिला	विंसपार्कल नोवेशन लर्निंग प्राइवेट एलटीडी.	2-2-23	6.5 एलपीए	
28	भावेश	बी.टेक		पुरूष	टेक. महिन्द्रा	15-12-22	3.25 एलपीए	
29	कुणाल राज	बी.टेक		पुरूष	माउंट ब्लू टेक्नोलॉजीज	30-3-23	4.08 एलपीए	
मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग								
1.	सुश्री दीक्षा गुप्ता	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
2.	श्री अभिजीत कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
3.	श्री अभिषेक कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
4.	श्री शिवम मिश्रा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
5.	श्री माधव मिश्रा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
6.	श्री लोमेश पात्रे	बी.टेक	एससी	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
7.	श्री शंकर ठाकुर	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
8.	श्री हिरो लाल टंडन	बी.टेक	एससी	पुरूष	प्लान रियलिटी	22-12-22	7.2	ऑन–कम्पस
9.	श्री मोहम्मद सोयब अख्तर	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	अड्डा 247	22-12-22	5	ऑफ–कम्पस
10.	श्री अभिजीत कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
11.	श्री अभिषेक कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
12.	श्री आलोक टिकरे	बी.टेक	एसटी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
13	श्री अमन रात्रे	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
14	श्री अविनाश राज	बी.टेक	ईडब्लूएस	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
15	श्री गुल्लुगुबारिकीचिन्ना बाबू	बी.टेक	एसटी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
16	श्री हरिश कुमार सिंह	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
17	श्री हिरो लाल टंडन	बी.टेक	एससी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
18	श्री ज्योती प्रकाश	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
19	श्री कुमार शिवम	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
20	श्री लोमेश कुमार पात्रे	बी.टेक	एससी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
21	श्री माधव मिश्रा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-	2.8	ऑन–कम्पस

						2022		
22	श्री मानिक रघुवंशी	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
23	श्री एमडी. शोयब अख्तर	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
24	श्री नेलपति रवितेजा	बी.टेक	एससी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
25	श्री प्रकाश साहू	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
26	श्री पृथ्वी सिंह	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
27	श्री प्रिंस कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
28	श्री राहुल कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
29	श्री राहुल पैकरा	बी.टेक	एसटी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
30	श्री ऋतिक कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
31	श्री एस. श्रवण कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
32	श्री सम्पन्न कुमार देवांगन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
33	श्री संजय चंद्रा	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
34	श्री सौरभ कुमार	बी.टेक	एससी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
36	श्री सुमन कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
37	श्री वैभव देवांगन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
38	श्री विकास कुमार श्रीवास्तव	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	हाई–टेक नेक्स्ट	03-11-2022	2.8	ऑन–कम्पस
39	श्री आयुष कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	कैमडेन कॉलेज	25-08-2023	48	ऑफ–कम्पस
40	श्री. विशाल विजयन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	टाटा कंसल्डेंसी सर्वसेज	30-09-22	7.02	ऑफ–कम्पस
प्रबंध एंड वाणिज्य विद्यापीठ								
प्रबंध अध्ययन विभाग								
1.	जयंत झा	एमबीए	सामान्य	पुरूष	पवन मैकेनिकल	एनए	3	
2.	दिव्यांशु सिंह बघेल	एमबीए	सामान्य	पुरूष	एसईः डीएसबी फॉम्स	एनए	3.5	
3.	राजन सिंह ठाकुर	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	12	
4.	नम्रता साहू	एमबीए	ओबीसी	महिला	एसजीएस टेक्नोलॉजी	एनए	2	
5.	रामा गोयल	एमबीए	सामान्य	पुरूष	पीडी प्रेयर्स	एनए	2	
6.	शशांक श्रीवास	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	एसईः एनजे ग्रुप	एनए	3.5	
7	कृति सिंह	एमबीए	सामान्य	महिला	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
8	अभिनव कुमार सरकार	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
9	उपासना पटेल	एमबीए	ओबीसी	महिला	आईडीबीआई बैंक	एनए	9	
10	कुणाल सिंह	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
11	संस्कृति सोनी	एमबीए	सामान्य	महिला	एसई	एनए		
12	प्रवेश कुमार साव	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	7	
13	प्रिया कुमारी वर्मा	एमबीए	ओबीसी	महिला	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
14	जेन्नी जैस्मिन टोपो	एमबीए	एसटी	महिला	एसई	एनए	1.92	
15	खुशबू बिंझवार	एमबीए	एसटी	महिला	एसई	एनए	2.04	
16	प्रवेश कुमार साव	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	5	
17	विवेक विकास जायसवाल	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	एसई	एनए	0.96	
18	मंजुला साहू	एमबीए	ओबीसी	महिला	एसजीएस कंसल्टेंसी	एनए	2	
19	निष्ठा जेठवा	एमबीए	सामान्य	महिला	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
20	रजत शर्मा	एमबीए	सामान्य	पुरूष	एसई	एनए	11	
21	विकास कुमार कौशिक	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	12	
22	गौरव तिवारी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ	एनए	2.3	

					इंस्योरेंस			
23	अमर्त्य तिवारी	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	12	
24	अदिति शुक्ला	एमबीए	सामान्य	महिला	आईसीआईसीआई प्रोडेंटल	एनए	2.3	
25	मानसी जैन	एमबीए	सामान्य	महिला	स्वतंत्र माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस कम्पनी	एनए	2.5	
26	पी. हरिशा पटनायक	एमबीए	सामान्य	महिला	स्वतंत्र माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन एलटीडी. (आदित्य बिरला ग्रुप)	एनए	2.5	
27	सना फातिमा	एमबीए	सामान्य	महिला	आईसीआईसीआई प्राउडेंटल	एनए	2.3	
28	काजल स्वर्णकार	एमबीए	ओबीसी	महिला	आईसीआईसीआई प्राउडेंटल लाइफ इंस्योरेंस	एनए	23	
29	राकेश पटेल	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	आईसीआईसीआई प्रोडेंटल लाइफ इंस्योरेंस	एनए	2.3	
30	खुशबू विश्वकर्मा	एमबीए	ओबीसी	महिला	आईसीआईसीआई प्राउडेंटल लाइफ इंस्योरेंस	एनए	2.5	
31	संजना सलुजा	एमबीए	सामान्य	महिला	आदित्य बिरला (स्वतंत्र माइक्रोफाइनेंस)	एनए	4.2	
32	अजय दास मानीकपूरी	एमबीए	ओबीसी	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
33	अनुकृति तिवारी	एमबीए	सामान्य	महिला	आईडीबीआई बैंक	एनए	9	
34	पी. आशिष कुमार	एमबीए	सामान्य	पुरूष	आईडीबीआई बैंक	एनए	10	
प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ								
फार्मेसी विभाग								
1	सुश्री लक्ष्मी	पीएचडी	एससी	महिला	फैकल्टी ऑफ फार्मा स्यूटिकल साइंसेज, श्री शंकराचार्य टेक्नोलॉजी कम्पस बिलाई, छत्तीसगढ़,	अप्रैल 22	लेवल 10	-
2	सुश्री भारती रेड्डी	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	लैबकॉर्प ड्रग डेव. इंडिया प्राइवेट एलटीडी.	फरवरी 23	420,,643	-
3	पी. मोहन	पीएचडी	ओबीसी	पुरूष	वेल्लर कॉलेज ऑफ फार्मेसीस इंदौर	मार्च 2023	7,00,000	-
4	निवेदिता गौतम	पीएचडी	ओबीसी	महिला	के.जी. कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बिलासपुर	जनवरी 2023	6,00,000	-
5	शिखा पांण्डेय	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी	मार्च 2023	2,80,000	-
6	निधि अग्रवाल	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	सिधिविनायक कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बिलासपुर	अक्टूबर 2022	2,42,000	-
7	नेहा सिंह	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	एलीट सेफ्टी साइंसेज	अक्टूबर 2022	3,60,000	-
8	तृप्ति क्षत्री	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	ठाकुर उदय सदन तख्तपुर	अक्टूबर 2022	3,60,000	-
9	तृप्ति कर्री	एम फार्मा.	सामान्य	महिला	सिधिविनायक कॉलेज ऑफ फार्मेसी, बिलासपुर	अक्टूबर 2022	2,42,000	-
10	कमल बरेठ	एम फार्मा.	सामान्य	पुरूष	डीबीएम कॉलेज ऑफ फार्मेसी जांजगीर	जनवरी 2023	2,16,000	-
भौतिक विज्ञान अध्ययन शाला								
रसायन शास्त्र विभाग								

1	अस्मिता साहू	बी.एससी.	ओबीसी		भारत एल्युनिमियम कंपनी लिमिटेड. (बाल्को), कोरबा, छत्तीसगढ़	21-10-2022	5.5	
2	अस्मिता साव	बी.एससी.	ओबीसी			21-10-2022	5.5	
3	गरिमा देवांगन	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
4	सौरभ साहू	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
5	ईशा गुप्ता	बी.एससी.	सामान्य			21/10/2022	5.5	
6	रश्मि बघेल	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
7	अंजली यादव	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
8	अमन सिंह राजपुत	बी.एससी.	सामान्य			21/10/2022	5.5	
9	मिस्केट आलम	बी.एससी.	सामान्य			21/10/2022	5.5	
10	लोकेश साहू	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
11	भारत साहू	बी.एससी.	ओबीसी			21/10/2022	5.5	
12	गौरव सोनी	बी.एससी.	ओबीसी		अल्ट्राटेक सीमेंट, रायपुर, छत्तीसगढ़	12/04/2022	3.5	
13	स्वर्णाली दिहा	बी.एससी.	एससी			12/04/2022	3.5	
14	नित्यानंद यादव	बी.एससी.	ओबीसी			12/04/2022	3.5	
15	आशीष ठाकुर	बी.एससी.	सामान्य		जिंदल स्टिल एंड पावर लिमिटेड, रायगढ़ छ.ग.	06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
16	तनुजा पटेल	बी.एससी.	ओबीसी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
17	ओम कुमार शुक्ला	बी.एससी.	सामान्य			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
18	आकाश पांडेय	बी.एससी.	सामान्य			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
19	सिधि तिवारी	बी.एससी.	सामान्य			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
20	बिंदिया रानी पटेल	बी.एससी.	ओबीसी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
21	राहुल देव सुर्यावंशी	एम.एससी.	एससी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
22	आभा साहू	एम.एससी.	ओबीसी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
23	दिव्या पटेल	एम.एससी.	ओबीसी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
24	चंदन पटनायक	एम.एससी.	सामान्य			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
25	सुस्मीता भोई	एम.एससी.	ओबीसी			06/04/2023	1.9	इन ट्रेनिंग पिरियड
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ								
इकोनॉमिक्स विभाग								
1	गजेन्द्र सिंह राय	एम.ए इकोनॉमिक्स	एसटी, सलेक्शन अगेंस्ट यूआर	पुरूष	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन	23 सितम्बर 2022	408000.00	
शिक्षा विद्यापीठ								
शिक्षा विभाग								
1	रिया साहू	बी.एड	ओबीसी	महिला	डीजीसीए, गर्वमेंट ऑफ इंडिया	19/9/22		
2	गायत्री बडेक	बी.एड	एससी	महिला	गर्वमेंट ऑफ ओडिसा (रेवेन्यू डिपार्टमेंट)	9/12/22		
3	नीकी कश्यप	बी.एड	एसटी	महिला	गंर्वमेंट ऑफ छत्तीसगढ़ (एजुकेशन डिपार्टमेंट)	2/12/22	424800/-	
4	रिया साहा	बी.एड	सामान्य	महिला	केव्हीएस, बंडामुंडा	1/4/23	252000/-	
5	विराज महाकुद	बी.एड	सामान्य	पुरूष	गर्वमेंट ऑफ छत्तीसगढ़ (एजुकेशन डिपार्टमेंट)	8/12/22	424800/-	

6	मौसमी माथुर	बी.एड (एचएल)	सामान्य	महिला	सीजी गॉवर्नमेंट (एजुकेशन डिपार्टमेंट)	3/3/23	457200/-	
7	अंजली शर्मा	बी.एड (एलडी)	सामान्य	महिला	केवीएस, जाशपुर	14/3/23		
8	कविता सिंह	बी.एड (एलडी)	एससी	महिला	केवीएस, जाशपुर	30/11/22	390000/-	
9	मनीषा बंजारे	बी.एड (एलडी)	एससी	महिला	केवीएस, नं. 2, कोरबा			
10	पीयूष कुर्रे	बी.एड (एलडी)	एससी	महिला	केवीएस जीसी सीआरपीएफ, बिलासपुर	21/4/23		
11	सौरव राज	बी.एड (एलडी)	एससी	पुरूष	केवीएस, रायगढ़ केवीए, नालंदा	12/12/22	315000/-	
12	शशी नायक	बी.एड (एलडी)	ओबीसी	महिला	केवीएस, रायगढ़	29/11/22		
13	सोना कुलमित्रा	बी.एड (एलडी) बी.एड (एलडी)	ओबीसी	महिला	गवर्नमेंट विजुअल एंड रियरिंग–इम्पेयर्ड स्कूल, तिफरा, बिलासपुर	24/2/23		
14	सोनिका चंद्रा	बी.एड (एलडी)	ओबीसी	महिला	केवीए, सरायपाली	7/3/23		
15	स्वाती साहू	बी.एड (एलडी)	ओबीसी	महिला	गवर्नमेंट विजुअल एंड रियरिंग–इम्पेयर्ड स्कूल, तिफरा, बिलासपुर	24/2/23		
16	एश्वर्या मानीकपुरी	एम. एड.	ओबीसी	महिला	मौलाना आजाद शिक्षा महाविद्यालय सुभाष नगर, बिलासपुर	19/12/22	180000/-	
17	ब्लोस्टर राम	एम. एड.	ओबीसी	पुरूष	सत्यदेव डिग्री कॉजेन, गाजीपुर			
18	गोपाल प्रसाद यादव	एम. एड.	ओबीसी	पुरूष	डीईओ, सरगुजा	13/3/23	216000/-	
19	नीरज कुमार पांण्डेय	एम. एड.	सामान्य	पुरूष	स्वामी वेदंती वेद विद्यापीठ गुरूधाम, वाराणसी, यूपी	31/3/22	336000/-	
20	नवीन कुमार राथोड़	एम. एड.	ओबीसी	पुरूष	जेएनव्ही माला कांगीरी, ओडिसा	8/9/22	429000/-	
21	रजनीश कुमार मिश्रा	एम. एड.	सामान्य	पुरूष	डॉ. अम्बेडकर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, बोधगया, बिहार			
22	प्रियंका सरकार	एम. एड..	सामान्य	महिला	के.बी. पटेल शिक्षा महाविद्यालया, चिरमिरी, एमसीबी, छ.ग.	3/9/22	192000/-	
23	शहनाज बानो	एम. एड.	सामान्य	महिला	द स्कोलर स्कूल, वाराणासी, यूपी	3/4/23		
24	वर्षा शशिनाथ	पीएच.डी	एसटी	महिला	पीएसएसयू, बिलासपुर	31/3/22	693600/-	
अंतरविषयक शिक्षा और अनुसंधान विद्यापीठ								
बायोटेक्नोलॉजी विभाग								
1.	अंजली सिंह	एम. एससी. 2022	सामान्य	महिला	अजीम प्रेमजी फांउडेशन	17/10/2022	4.08 लाख	
2.	वैशाली गुप्ता	एम. एससी. 2022	सामान्य	महिला	अजीम प्रेमजी फांउडेशन	17/10/2022	4.08 लाख	
3.	विनीत सिंह बघेल	एम. एससी. 2022	ओबीसी	पुरूष	अजीम प्रेमजी फांउडेशन	17/10/2022	4.08 लाख	
न्यायालयिक विज्ञान विभाग								
1	शालिनी सिंह	एफएससीटी	ओबीसी	महिला	सीएफएसएल (चंडीगढ़)	13.04.2021	4.2 लाख	संविदा नियुक्ति
2	तृप्ति सतपथी	एफएससीटी	ओबीसी	महिला	सीएफएसएल (चंडीगढ़)	13.04.2021	4.2 लाख	संविदा नियुक्ति
3	वैशाली सिन्हा	फॉरेंसिक	ओबीसी	महिला	सीआईएफएस, नई	18.02.2022	1 लाख	संविदा

		इंस्ट्रक्टर			दिल्ली			नियुक्ति
डिपार्टमेंट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी								
1	प्रज्ञा पोर्ट	एमएससी (आरटी)	एसटी	महिला	सोशल मोबिलाइजर इन कर्मादक्षा NGOs			
2	शुभम सिंह	एमएससी (आरटी)	सामान्य	पुरूष	केडमिक स्पेशललिस्ट इन बीवायजेयू'एस			
3	हर्षिका नेताम	बीएससी (आरटी)	एससी	महिला	एकेडमिक स्पेशललिस्ट इन बीवायजेयू'एस			
4	अभिजीत पाण्डेय	एमएससी (आरटी)	सामान्य	पुरूष	मैनेजमेंट ट्रेनी इन कैशपोर्ट माइक्रो क्रेडिट.			

ब. विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों की उपलब्धियाँ

क्र .	छात्र का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ग (अ.जा. /अ.ज.जा. /अ.पि.व. /सामान्य	महिला/ पुरूष	कृपया सही (✓) का निशान लगायें						
					नेट	गेट	स्लेट	यूपीएस सी	पीएस सी	उच्च शिक्षा	अन्य कोई
	कला विद्यापीठ										
	आंग्ल एवं विदेशी भाषा विभाग										
	पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग										
1.	अपर्णा निर्मलकर	एम.ए	ओबीसी	महिला		-	-	-	-	-	-
	स्कूल ऑफ स्टडीज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी										
	डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग										
1.	श्रीरंग मिश्रा	बी.टेक.	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
2	डी.व्ही.के. भगवन	बी.टेक	सामान्य-ईडब्लूएस	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
3	अतुल कृष्णा	बी.टेक.	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
4	मंगलम सोनी	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
5	विवेक मेहता	बी.टेक.	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
6	उज्जवल भट्ट	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
7	पराग श्रीवास्तव	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
8	अभिषेक राज	बी.टेक.	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
9	निर्मल्या भट्टाचार्य	बी.टेक	सामान्य–ईडब्लूएस	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
10	अभिषेक के. मिश्रा	बी.टेक.	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
11	चित्रवीर सिंह	बी.टेक	एससी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
12	डी. पवन मनोज	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-	-	जीआरई
13	बी. वेन्नेला	बी.टेक.	ओबीसी	महिला	-	-	-	-	-	-	जीआरई
14	वी. नवीन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-	-	जीआरई
	डिपार्टमेंट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग										
1.	पेंटा दिनेश किरण राव	बी.टेक.	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-	-	आईईएलटीएस
2.	साई जयराम लिंगा रेड्डी	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	-	-	-	-	-	आईईएलटीएस, जीआरई
3	राहुल कुमार	बी.टेक	एससी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
4.	विकास सारास्वत	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
5.	सचिन मिश्रा	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
6.	अनुराग कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
7.	पल्लव बिधु	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
8	रोहित लक्ष्मण चौधरी	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
9	प्रेम सागर	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
10	मनीष कुमार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
11	क्षितिज कुमार सिंह	बी.टेक		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
12	आंनद राज	बी.टेक		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
	कम्प्यूटर सांइस एंड अभियांत्रिकी विभाग										
1	अमर दीप	बी.टेक	एससी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
2	गोपाल पटीदार	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
3	हिमांशु सोनी	बी.टेक	सामान्य	महिला	-	✓	-	-	-	-	-
4	रायी पवानी	बी.टेक	एससी	महिला	-	✓	-	-	-	-	-
5	शालू कुमारी	बी.टेक	सामान्य	महिला	-	✓	-	-	-	-	-
6	शर्मा विशाल राजेश	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
7	शुभम वार्ष्णेय	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
8	सैयद तौसीफ अहमद	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
9	युवराज सिंह	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-

10	डाका श्रीनिवास रेड्डी	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
11	कंजुला शंमुकेश वार रेड्डी	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
12	कोय्यलागुंता वेंकनग तरूण	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
13	रचापल्ली नागा रामा कृष्णा प्रसाद	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
14	विष्णु अविनाश	बी.टेक	एससी	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
15	यार्रा श्रीमंता	बी.टेक	सामान्य	पुरूष	-	-	-	-	-	✓	-
	इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन विभाग										
1	अखिला रेड्डी	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
2	अशुतोष कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
3	दिपांशु पटेल	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष		✓					
4	गिरिराज गौतम	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
5	के. श्याम प्रभात	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
6	कोमल कुमारी	बी.टेक	एसटी	महिला		✓					
7	प्रेम कुमार	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
8	आर. साई चरण	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
9	साई पवन तंगुडु	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
10	साई राहु	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
11	सौरव गुप्ता	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
12	के. श्रवंति	बी.टेक	सामान्य	महिला		✓					
13	तान्या सिंह	बी.टेक	सामान्य	महिला		✓					
14	वैष्णवी	बी.टेक	सामान्य	महिला		✓					
15	यश सिंह चौहान	बी.टेक	सामान्य	पुरूष		✓					
	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग										
1.	साइ तेजा एल्ले	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	-	-	-	-	-	✓ (जीआरई)
2.	साइ तेजा एल्ले	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	-	-	-	-	-	✓ (आईईएलटीएस)
3	प्रिया नेमानी	बी.टेक 8th सेमेस्टर		महिला	-	✓	-	-	-	-	-
4	बाभरावी राजे शर्मा	बी.टेक 8th सेमेस्टर		महिला	-	✓	-	-	-	-	-
5	सूर्या प्रकाश त्रिपाठी	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
6	स्वजीत स्वर्णकार	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
7	अतुल कुमार	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
8	रेडी शिव नंदिता	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
9	पांण्डेय संजय	बी.टेक 6th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
10	श्याम कुमार यादव	बी.टेक 6th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
11	लक्ष्मण नायक	बी.टेक 8th सेमेस्टर		पुरूष	-	✓	-	-	-	-	-
	मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग										
1.	भीमराव रामजी नाडुपुरी	बी.टेक	एससी			✓					
2.	दीपक कुमार अलबेला	बी.टेक	ओबीसी			✓					
3.	कुमार शिवम	बी.टेक	सामान्य-ईडब्लूएस			✓					
4.	पवन महावार	बी.टेक	एससी			✓					
5.	वेनेला बनोठ	बी.टेक	एसटी			✓					
6.	दिलीप कुमार बुदुमुरू	बी.टेक	ओबीसी			✓					
7	जय प्रकाश राठिया	बी.टेक	एसटी			✓					
8	श्री लोमेश कुमार पात्रे	बी.टेक	एससी	पुरूष				✓			एएफसीएटी
9	श्री लोमेश कुमार पात्रे	बी.टेक	एससी	पुरूष				✓			एआरएमवाय
10	श्री सौरभ कुमार	बी.टेक	एससी	पुरूष				✓			एआरएमवाय
11	श्री पृथ्वी सिंह	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष				✓			एआरएमवाय

12	श्री आलोक टिकरे	बी.टेक	एसटी	पुरूष				✓			एआरएमवाय
13	श्री विशाल विजयन	बी.टेक	ओबीसी	पुरूष				✓			एआरएमवाय
14	श्री राहुल पैकरा	बी.टेक	एसटी	पुरूष				✓			एआरएमवाय
15	एन. रवि तेजा	बी.टेक	एससी	पुरूष						✓	जीआरई
	विधि विद्यापीठ											
	विधि विभाग											
1	अनुष्का बाजपायी	बी.कॉम. एलएलबी	सामान्य	महिला						✓	
2	राज उपाध्याय	बी.कॉम. एलएलबी.	सामान्य	पुरूष						✓	
3	हिमांशु साहू	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
4	नीरज कुर्रे	बी.कॉम. एलएलबी.	ओबीसी	पुरूष						✓	
5	अभय दीक्षित	बी.कॉम. एलएलबी.	सामान्य	पुरूष						✓	
6	सार्थक जायसवाल	बी.ए एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
7	विकास पटेल	बी.ए एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
8	सुमन शर्मा	बी.कॉम. एलएलबी.	सामान्य	महिला						✓	
9	लितेश कुर्रे	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
10	शिवांगी जिंदल	बी.ए. एलएलबी	सामान्य	महिला						✓	
11	प्राची जायसवाल	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	महिला						✓	
12	अमन ताम्रकर	बी.कॉम. एलएलबी	सामान्य	पुरूष						✓	
13	आयुष्मान त्रिपाठी	बी.कॉम. एलएलबी	सामान्य	पुरूष						✓	
14	रक्षित अमिश्रा	बी.कॉम. एलएलबी	सामान्य	महिला						✓	
15	पीयूष चन्द्रा	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
16	प्रीति साहू	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	महिला						✓	
17	आकाश मानवानी	बी.कॉम. एलएलबी	सामान्य	पुरूष	✓						यूजीसी–नेट
18	पंकज बांगड़े	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	पुरूष	✓						यूजीसी–नेट
19	सार्थक जायसवाल	बी.कॉम. एलएलबी	ओबीसी	पुरूष						✓	
20	प्रशांक कथले	बीएएलएलबी	एससी	पुरूष						✓	
21	भाविका खांडेकर	बीएएलएलबी	ओबीसी	महिला						✓	
22	आयुष साव	बीएएलएलबी		पुरूष							अपॉइंटेड अस अ मेनेजर इन मानाप्पूरम फाइनेंस लिमिटेड एट बिलासपुर छ.ग
	जीव विज्ञान विद्यापीठ											
	वनस्पति विज्ञान											
1	अर्चना पटेल	एम. एससी	ओबीसी			✓					
2	आशिष सुभदर्शी	एम. एससी	सामान्य			✓					
3	दुतिका साहू	एम. एससी	ओबीसी			✓					
4.	मानसी पटेल	एम. एससी	ओबीसी			✓					
5	पूजारानी पांडा	एम. एससी	सामान्य			✓					
6.	प्रीति शिट	एम. एससी	ओबीसी			✓					
7	उदित दास	एम. एससी	सामान्य			✓					
8	पूजारानी पांडा	एम. एससी	सामान्य		✓						
	मैथमेटिक्स एंड कम्प्यूटेशनल साइंस विद्यापीठ											
	मैथमेटिक्स विभाग											
1.	आयुष प्रधान	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष	✓	✓					

2.	वीना बेहरा	एम. एससी	सामान्य	महिला		✓					
3.	आकाश प्रधान	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष		✓					
4.	पंकज यादव	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष	✓	✓					
5.	शालिनि पात्रा	एम. एससी	ओबीसी	महिला पुरूष	✓	✓					
6	शीतल प्रसाद थाइवेट	बी.एससी	ओबीसी	पुरूष						✓	जेएएम-22
7	नीलकांत पटेल	बी.एससी	ओबीसी	पुरूष						✓	जेएएम-22
8	मनीषा चौधरी	बी.एससी	सामान्य	महिला						✓	जेएएम-22
9	रूद्रदेव डैनसेना	बी.एससी	ओबीसी	पुरूष						✓	जेएएम-22
	प्राकृतिक संसाधन विद्यापीठ										
	वानिकी, वन्य जीव एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग										
1.	श्री अनीश कुमार सिंह	पीएचडी	ईडब्लूएस	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	
2.	श्री अरूण कुमार शुक्ला	पीएचडी	सामान्य	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	-
3.	सुधीर रंजन	पीएचडी	ओबीसी	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	-
4.	श्री अभिषेक मैत्री	पीएचडी	ओबीसी	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	-
5.	अंकित पाण्डेय	पीएचडी	सामान्य	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	-
6.	शिशिर चन्द्राकर	प्रोजक्ट फेलो	ओबीसी	पुरुष	✓	-	-	-	-	-	-
7.	विवेक कुमार पटेल	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-	एम.एससी. एनवायरमेंटल साइंसेज, उत्तरांचल यूनीवसिंटी	
8.	शिवम भारद्वाज	एम. एससी			-	-	-	-	-	एम.एससी. फॉरेस्ट्री आईजीकेव्ही, रायपुर	
9	निष्ठा श्रीवास	एम. एससी	सामान्य	महिला	-	-	-	-	-	एम.एससी. सस्टेनेबल रिसोर्सेज एमजीएमटी म्यूनिक जर्मनी	
10	मिशेल वेल्डिन	एम. एससी	एसटी	महिला	-	-	-	-	-	एम.एससी. वुड साइंस, कन्नूर यूनिवर्सिटी, केरल.	
11	रेशमा मेहरा	एम. एससी		महिला	-	-	-	-	-	एम.एससी. एनवायरमेंटल साइंसेज, बी.एच.यू.	
12	आयुषी यादव	एम. एससी	ओबीसी	महिला	-	-	-	-	-	एम.एससी. एनवायरमेंटल साइंसेज, आईजीएनटीयू.	
13	श्री शास्वत	एम. एससी		पुरूष	-	-	-	-	-	एम.एससी. एनवायरमेंटल साइंसेज, फर्ग्यूसन कॉलेज, पुणे.	
14	सृजन वैष्णव	बी.एस.सी.	आईआर	पुरूष	-	-	-	-	-	डब्लूडब्लूएफ इंडिया	
15	अतुल कुमार	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-		प्रोग्राम ऑफिस कॉर्बेट फाउंडेशन.
16	आशीष पाटेल	एम. एससी	एससी	पुरूष	-	-	-	-	-		टेक्निकल ऑफिस, सीएएमपीए.
17	दिनेश कुमार	एम. एससी	ओबीसी	पुरूष	-	-	-	-	-		फील्ड ऑफिस, ओरीएंट पेपर मिल
	फॉर्मेसी विभाग										
1.	सिंचन दास	एम. फार्मा	सामान्य	पुरुष							प्राइज फॉर ऑरल प्रेजेंटेशन इन नेशनल सेमीनार
2.	खुशबू राज	बायर्स फैलोशिप	सामान्य	महिला						✓	पीएचडी फेरोशिप बाई बायर्स फाउंडेशन.

3.	सुजॉय ठाकुर	एम. फार्मा	सामान्य	पुरूष							बेस्ट पोस्टर प्रजेंटेशन एवॉर्डस 2023 एट नेशनल कॉन्फ्रेंस एट नेओतिया यूनिवर्सिटी, वेस्ट बेंगॉल.
4.	बालाजी वामनराय, माटोरे,	पीएचडी	सामान्य	पुरूष							रिसीव्ड महात्मा ज्योतिबा फुले रिसर्च फेलोशिप (एमजेपीआरएफ) फॉर परसुइंग पीएचडी.
5.	अल्तमेश खान	एम. फार्मा	सामान्य	पुरूष							रिसीव्ड इंस्पायर फेलोशिप फॉर परसुइंग पीएचडी.
6.	सुश्री मोनिका		एससी	महिला	✓						हैज बीन क्वालीफाइड सीएसआईार–जेआरएफ फॉर परसुइंग अ पीएचडी.
7.	श्रीमती ऋचा पटेल	पीएचडी	सामान्य	महिला							रिसीव्ड अ एसजेएसजीसी, यूजीसी जेआरएफ फेलोशिप फॉर परसुइंग पीएचडी.
	भौतिक विज्ञान विद्यापीठ										
	रसायन शास्त्र विभाग										
1	तौफिक अंसारी	पीएचडी	ओबीसी	**पुरूष**	✓						
2	श्वेता भगत	पीएचडी	एसटी	**महिला**	✓						
3	देवानंद साहू	पीएचडी.	ओबीसी	**पुरूष**	✓						
4	नंदिता सिंह	पीएचडी.	एसटी							✓	
5	निधि निर्मलकर	पीएचडी	ओबीसी							✓	
6	वंशिका शर्मा	पीएचडी.	सामान्य							✓	
7	आशीष खुटे	एम. एससी	एससी							✓	
8	आशीष प्रजापति	एम. एससी	ओबीसी							✓	
9	आकांक्षा पटेल	एम. एससी	ओबीसी							✓	
10	अर्चना मिंज	एम. एससी	एसटी							✓	
11	आयुष विपिन साहू	एम. एससी	ओबीसी							✓	
12	दीप्ति धमाडे	एम. एससी	सामान्य							✓	
13	निखिल बरेठ	एम. एससी	एसटी							✓	
14	पायल ठाकुर	एम. एससी	ओबीसी							✓	
15	प्रज्ञा साहू	एम. एससी	ओबीसी							✓	
16	प्रतिभा गबेल	एम. एससी	ओबीसी							✓	
17	रीना गोयल	एम. एससी	सामान्य							✓	
18	ऋतिक एक्का	एम. एससी	एसटी							✓	
19	श्रव्या कुमार	एम. एससी.	सामान्य							✓	
20	सिद्धार्थ मिश्रा	एम. एससी	सामान्य							✓	
21	स्वर्णिका पाण्डेय	एम. एससी	सामान्य							✓	
22	स्वाति कामदे	एम. एससी	सामान्य							✓	
23	मुकेश देशमुखी	एम. एससी	ओबीसी							✓	
24	अभिषेक साहू	एम. एससी	ओबीसी							✓	
25	अनामिका कौशिक	एम. एससी	ओबीसी							✓	
26	धनेश्वर जायसवाल	एम. एससी	ओबीसी							✓	
27	जागृती चौधरी	एम. एससी	सामान्य							✓	
28	ज्योती भोई	एम. एससी	ओबीसी							✓	
29	खुशबू धीवर	एम. एससी	ओबीसी							✓	
30	लितेश पटेल	एम. एससी	ओबीसी							✓	
31	मुकेश देशमुखी	एम. एससी	ओबीसी							✓	
32	पूजा पाण्डेय	एम. एससी	सामान्य							✓	
33	प्रतिभा देवसेना	एम. एससी	सामान्य							✓	
34	तनु सिंह ठाकुर	एम. एससी	सामान्य							✓	
35	वैशाली बंजारे	एम. एससी	एससी							✓	
36	अनिमेष बाजपेयी	एम. एससी	सामान्य							✓	
37	अभिजीत सोरी	एम. एससी	सामान्य							✓	
38	ऋतुल मौर्या	एम. एससी	ओबीसी							✓	
39	देवेन्द्र कुमार देवांगन	एम. एससी	ओबीसी							✓	
40	अंकित कौशिक	एम. एससी	ओबीसी							✓	

41	अदिति जोशी	एम. एससी	सामान्य							✓	
42	तृप्तिमयी खामडे	एम. एससी	सामान्य							✓	
43	आनंद कुमार रात्रे	एम. एससी	एससी							✓	
44	परिमल साव	एम. एससी	ओबीसी							✓	
45	अदिति वर्मा	एम. एससी	ओबीसी							✓	
46	चेतना पैकरा	एम. एससी	एसटी							✓	
47	डमरूधर देहुरी	एम. एससी	एससी							✓	
48	गर्गी राठौड़	एम. एससी	ओबीसी							✓	
49	समीर खेती	एम. एससी	ओबीसी							✓	
50	इशिका देवांगन	एम. एससी	ओबीसी							✓	
51	नीलम चुरेंद्र	एम. एससी	सामान्य							✓	
52	विकास राठौड़	एम. एससी	सामान्य							✓	
	शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त भौतिकी विभाग										
1.	ऋषिकेश सिंहा	एम. एससी (फिजिक्स)	सामान्य	पुरूष		✓					
	सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ										
	अर्थशास्त्र विभाग										
1.	आशीष कुमार सह	पीएचडी	ओबीसी	पुरूष	एनईटी	--	--	--	--	--	--
2.	किरण प्रताप	एम. ए.	एसटी	पुरूष	एनईटी	--	--	--	--	--	--
3.	आयुषी	एम. ए.	एसटी	महिला	जेआरएफ	--	--	--	--	--	--
	इतिहास विभाग										
1.	सूरज सहिस		एससी	पुरूष	✓	-	-	-	-	-	-
	शिक्षा विद्यापीठ										
	फिजिकल एजुकेशन विभाग										
1.	प्रभात कुमार	एम.पी.ईडी	एससी	पुरूष	✓	---	---	---	---	---	नेट
2.	अरूण यादव	बी.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
3.	बंश नारायण	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
4.	संतोष सिंह यादव	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
5.	जितेन्द्र कुशवाहा	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
6.	जितेन्द्र यादव	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
7.	प्रदीप कुमार यादव	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
8.	सर्वेश कुमार शर्मा	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
9.	विपिन यादव	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
10.	आनंद कुमार पटेल	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
11.	सौरभ सुमन	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन))
12.	अरूण सिंह यादव	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन))
13.	बंटी कुमार	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन))
14.	दिव्यांश कुमार तिवारी	एम.पी.ईडी	सामान्य	पुरूष	---	---	---	---	---	---	बिहार टीजीटी (फिजिकल एजुकेशन)
	अंतरविषयक शिक्षा एवं अनुसंधान अध्ययन शाला										
	जैव प्रौद्योगिकी विभाग										
1.	सुचित्रा जेना	बी.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	सामान्य	महिला						✓	क्वालिफाइड गेट–बी
2.	आशुतोष कोसरिया	बी.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	एससी	पुरूष						✓	क्वालिफाइड गेट–बी

3.	अर्पण सिंहा देव	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	ओबीसी	पुरूष		✓					
4.	प्रमेश सिंहा	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	सामान्य	पुरूष	✓	✓					
5.	श्री उद्यन शर्मा	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	सामान्य	पुरूष	✓					✓	क्वालिफाइड पीएच.डी. एंट्रेंस एग्जाम ऑफ एनआईटी, रायपुर
6.	सुश्री निकिता यादव	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	ओबीसी	महिला		✓					
7.	सुश्री नूपुर यादव	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	ओबीसी	महिला							क्वालिफाइड सीजीटेट
8.	सुश्री रंजीता देवांगन	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	ओबीसी	महिला							क्वालिफाइड सीजीटेट
9.	सुश्री. ऋतिका खोटे	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	एससी	महिला							क्वालिफाइड सीटेट एंड सीजीटेट
10.	सुश्री निहारिका कदियाम	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	एसटी	महिला							क्वालिफाइड सीटेट एंड सीजीटेट
11.	सुश्री साक्षी यादव	एम.एससी. बायोटेक्नोलॉजी, 2022 बैच	ओबीसी	महिला							क्वालिफाइड सीटेट एंड सीजीटेट
	न्यायालयिक विज्ञान विभाग										
1.	अनिमेष तिवारी	यूजीसी नेट (जेआरएफ)	ईडब्ल्यूएस	पुरूष							✔ (जेआरएफ)
2.	भूमिका भटनागर	यूजीसी नेट	ईडब्ल्यूएस	महिला	✔						
3.	संजिदा	यूजीसी नेट	सामान्य	महिला	✔						
4.	आयुषी पाठक	यूजीसी नेट	सामान्य	महिला	✔						
5.	दीक्षा कश्यप	यूजीसी नेट	ओबीसी	महिला	✔						